15 MILLION BOOKS SOLD WORLDWIDE

रॉबिन शर्मा

THE #1 BESTSELLING AUTHOR OF *THE MONK WHO SOLD HIS FERRARI*

THE 5 AM CLUB

HINDI EDITION

प्रात:काल को अपना बनायें

उन्नत जीवन पायें

INTERNATIONAL BESTSELLER

5 AM क्लब

THE 5 AM CLUB
HINDI EDITION

प्रात:काल को अपना बनायें
उन्नत जीवन पायें

रॉबिन शर्मा

जयको पब्लिशिंग हाउस
अहमदाबाद बेंगलोर भोपाल भुबनेस्वर चेन्नई
दिल्ली हैदराबाद कोलकाता लखनऊ मुम्बई

Published by Jaico Publishing House

A-2 Jash Chambers, 7-A Sir Phirozshah Mehta Road

Fort, Mumbai - 400 001

jaicopub@jaicobooks.com

www.jaicobooks.com

© 2018 by Robin Sharma

All rights reserved

Published in arrangement with

HarperCollins Publishers Ltd

Toronto, Canada

To be sold only in India, Bangladesh, Bhutan,

Pakistan, Nepal, Sri Lanka and the Maldives.

THE 5 AM CLUB
5 AM क्लब
ISBN 978-93-89305-48-7

Translator: Vidyadhar Modi
Editor: Ashu Sharma

First Jaico Impression: 2019

Characters, incidents and dialogue are drawn from the author's imagination and are not to be construed as real. Any resemblance to actual events or persons, living or dead, is entirely coincidental.

The original models, performance tools and learning tactics in this work are the intellectual property of Sharma Leadership International Inc. and cannot be used, in any form, without express written approval.

Interior illustrations by Mae Besom and Lola Landekic.

No part of this book may be reproduced or utilized in any form or by any means, electronic or mechanical including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, without permission in writing from the publishers.

Page design and layout: Chaitanya Arts, Mumbai

लेखक का सन्देश तथा समर्पण

मैं अत्यधिक आभारी हूँ कि यह पुस्तक आपके हाथों में है। मुझे गहरी आशा है कि यह पुस्तक आपके उपहार और प्रतिभा की सम्पूर्ण अभिव्यक्ति को खूबसूरती से पेश करती है। आपके अन्तर की रचनात्मकता, उत्पादकता, सम्पन्नता और लोक-सेवा में क्रान्तिकारी परिवर्तन करती है।

'5AM क्लब' एक धारणा पर आधारित है और तरीका जिसे मैं बीस से अधिक वर्षो से व्यवसायियों को, दिग्गज कम्पनियों के सीईओओं को, खेल के सुपर नायकों कों, संगीत के श्रेष्ठों को और राजसी सदस्यों को असामान्य सफलता के साथ, पढ़ा रहा हूँ।

मैंने यह पुस्तक चार से अधिक वर्षों में-इटली, दक्षिण आफ्रीका, कॅनाडा, स्विट्जर्लैंड, रूस, ब्राज़ील और मॉरिशस में लिखी। कई बार शब्द उड़ते हुए, अनायास आकर मेरी पीठ के पीछे खड़े हो जाते थे, और अन्य अवसरों पर, मुझे अगला कदम रखने में संघर्ष करना पड़ा। कभी-कभी, महसूस हुआ कि मैं सृजन के अभाव का सफेद झंडा लहरा दूँ और, कई-कई बार इस सबल गहन आध्यात्मिक प्रक्रिया के अन्य दौर में मेरी अपनी आवश्यकताओं से बड़ी जिम्मेदारियों ने मुझे यह करते रहने के लिए प्रेरित किया।

मेरे पास आप को देने के लिए जो कुछ था, मैनें इस किताब में लिख कर दे दिया। और मैं विश्व के सभी सज्जन पुरुषों का बहुत ज्यादा अभारी हूँ, जिनका मेरे साथ मेरी पुस्तक '5 AM क्लब' को पूरा करने में सहयोग रहा। और इसलिए, पूरे दिल से, मैं अपनी यह पुस्तक विनम्रता से अपने पाठकों को समर्पित करता हूँ। विश्व को और नायकों की ज़रूरत, और उनकी प्रतीक्षा क्यूँ की जाए जब आप में खुद में बनने के लिए सब कुछ है। आज से शुरुआत करते हैं।

सप्रेम + सादर

अनुक्रमणिका

1. ख़तरनाक कर्म
2. दिग्गज बनने पर दैनिक दर्शन
3. एक आश्चर्यजनक अजनबी से आकस्मिक सामना
4. सभी सामान्यताओं और सामान्य व्यक्तियों का परिगमन तथा उन्हें जाने देना
5. एक अपूर्व, विचित्र साहस कार्य प्रात:काल के प्रभुत्व में
6. उत्पादकता, दक्षता और अपराजिता में वृद्धि के लिए एक उड़ान
7. बदलाव की तैयारी तो स्वर्ग में आरम्भ होती है
8. 5 AM का तरीका : विश्व निर्माताओं का प्रात:काल का नित्यक्रम
9. महानता की अभिव्यक्ति के लिए रुपरेखा

10. इतिहास-निर्माताओं के चार लक्ष्य
11. जीवन-प्रवाह का मार्गनिर्देशन
12. ‘5 AM क्लब’ आदत स्थापना की मूल लिपि का पता बताते हैं
13. ‘5AM क्लब’ 20/20/20 के सूत्र को जान गया
14. ‘5AM क्लब’ नींद की अनिवार्यता को समझता है
15. ‘5AM क्लब’ जीवनभर की प्रतिभा के 10 सिद्धातों पर उल्लेखित है
16. ‘5AM क्लब’ कुलीन प्रदर्शनों के जुड़वा चक्रों को स्वीकार करता है
17. ‘5AM क्लब’ के सदस्य अपने जीवन के नायक बनते हैं

उपसंहार-पाँच साल बाद

“हमारे पास विजयोत्सव मनाने के लिए अनन्त काल होगा, मगर सूर्यास्त से पहले के कुछ ही घंटे होंगे, उन पर विजय पाने के लिए।”

– एमी कारमायकल

“मगर, इसका मूल्य क्या है, कभी भी अधिक देर नहीं होती, अथवा मेरे मामले में, कुछ जल्दी ही हो रहा है, आप जो भी कुछ बनना चाहें... मुझे आशा है, आप ऐसा जीवन जिएंगे जिस पर आप गर्व करें। यदि आपको लगा कि ऐसा नहीं है, तो, मुझे आशा है कि आप में इतनी शक्ति है कि आप फिर से आरम्भ कर सकें।”

– एफ. स्कॉट फिट्ज़राल्ड

“वे, जिन्हें नाचते देखा गया था, उन्हें जो संगीत नहीं सुन सकते थे, के द्वारा पागल समझ लिया गया।”

–फ्रेडरिच नीटशे

अध्याय 1

ख़तरनाक कर्म

पिस्तौल बहुत अधिक उग्र हो जाएगी। फाँसी का फन्दा बहुत प्राचीन माना जाएगा और कलाई पर चाकू की धार तो बहुत शांत होगी। तो प्रश्न उठ खड़ा हुआ कि किस तरह कभी बहुत यशस्वी रही ज़िन्दगी को तेज़ी से और सही तरीके से, कम-से-कम बखेड़े के, अधिक से अधिक आघात के समाप्त किया जा सकता है?

साल ही भर पहले, परिस्थितियाँ नाटकीय रूप से अधिक आशापूर्ण थीं। उद्यमी हर जगह, विस्तार से उद्योग के शीर्षक, समाज नेता, मानवप्रेमी, जनहितैषी की तरह विख्यात रह चुकी थी। वह उस समय अपनी तीस के बाद की उम्र में थी, प्रोद्यौगिकी कम्पनी को चला रही थी, जिसे उन्होंने अपने कॉलेज के छात्रावास के कमरे में स्थापित किया था। जो बाजार के वर्चस्व के बढ़ते स्तर पर उन वस्तुओं का भी उत्पादन करती थी जिनका उनके ग्राहक, सम्मान करते थे।

अभी तक उसे घटिया भावना और ईर्ष्या से उथलपुथल कर के चौंकाया गया है। जो महत्वपूर्ण ढंग से, व्यापार मे उसके स्वामित्व के हिस्से को कम करता है। जिसमें उसने अपने जीवन निर्माण का ज़्यादा हिस्सा निवेश किया है। अब उसे अपने लिए नया काम खोजने का दबाव डाल रहे हैं।

इन वस्तुओं और स्थितियों के परिवर्तन की निर्दयता, अब उद्यमी को असहनीय लग रही है। नियमित शीतल, बाहरी आवरण के नीचे सँभालने वाला, संवेदनशील और गहराई तक प्यार करने वाला हृदय धड़क रहा था। उसने अनुभव किया कि स्वयं जीवन ने उसे धोखा दिया था, और वह इससे बहुत अच्छे के योग्य थी।

उसने नींद की गोलियों की एक बहुत बड़ी बोतल खाने की कल्पना की। वह खतरनाक कर्म इस तरह से अधिक स्वच्छ हो जाएगा। सिर्फ उन्हें एक साथ ले लेने से कार्य शीघ्रता से हो जाएगा। मुझे इस दर्द से छुटकारे की आवश्यकता है।

फिर, उसकी नज़र अपने पूर्ण सफेद बेडरूम में बलूत के बने ड्रैसर पर कुछ अलग से चमक रही चीज़ पर पड़ी। उसकी माँ की दी हुई, व्यक्तिगत अनुकूलन सम्मेलन की टिकिट। उद्यमी लोग अक्सर ऐसे लोगों पर हँसते हैं जो ऐसे कार्यक्रम अटेंड करते हैं और उन्हें "पंख टूटे पक्षी" कहकर बुलाते हैं और कहते हैं कि मिथ्या-गुरु से प्रश्नों के उत्तर माँग रहे हैं जबकि उर्वर और सफल जीवन जीने के लिए जो कुछ चाहिए वो उनमें पहले से ही उपस्थित है।

शायद अपनी राय पर फिर से सोचने का समय आ गया था। वह अधिक सम्भावनाएँ नहीं देख पाई। या तो उसे सम्मेलन में जाना चाहिए और सुअवसरों का अनुभव करना चाहिए तो शायद उनके प्राण बच जाएँ। या, वह अपनी शान्ति पा लेगी-एक त्वरित मृत्यु के माध्यम से।

अध्याय 2

दिग्गज बनने पर दैनिक दर्शन

"अपनी ज्वाला को बुझने न दें, अभी तक के निराशाजनक दलदल में अपूर्णीय चिंगारी द्वारा चिंगारी को, अभी नहीं और बिल्कुल नहीं। अपने अन्दर के नायक के जीवन का अकेलेपन के आशा-भंग में, नाश न होने दें, जिस जीवन के आप योग्य हैं, पर वहाँ तक कभी पहुँच नहीं पाए। जिस जीवन की आप कामना करते हैं, उसे जीता जा सकता है। वह अस्तित्व में है। वास्तविक है। सम्भव है। वह आप ही का है।"**-Ayn Rand**

वह बेहतरीन किस्म का वक्ता था। एक वास्तविक निपुण वक्ता।

कल्पित अवधि के अन्त के पास, अपने आठवें दशक में वह विश्व भर में प्रेरणा के महागुरु, नेतृत्व के दिग्गज और एक निष्ठावान राजनीतिक की तरह पूजनीय हो गए जिन्हें हर दिन लोगों की मदद से उपहार का एहसास होता था।

अस्थिरता, अनिश्चतता और असुरक्षा से भरी संकृति में, निपुण वक्ता के कार्यक्रम ने स्टेडियम भरकर मनुष्यों को, जो न केवल रचनात्मकता, उत्पादकता, और खुशहाली भरा जीवन जीना चाहते थे बल्कि तीव्र भावपूर्णता भी चाहते थे जो मानवता को ऊपर उठाए। ताकि अन्त में वे आश्वस्त होंगे कि उन्होंने आगामी पीढ़ियों के लिए एक आश्चर्यजनक धरोहर छोड़ी थी और आनेवाली पीढ़ियों पर छाप छोड़ी।

इस आदमी का काम असाधारण था। इसने हमारी अन्तर्दृष्टि का, हमारे चरित्र के अन्दर के योद्धा को सशक्त बनाकर, उस भावपूर्ण कवि का सम्मान किया था जो हमारे दिलों में बसा है। उसके संदेशों ने सामान्य व्यक्तियों को बताया कि व्यापार के क्षेत्र के सबसे ऊँचे स्तर पर कैसे सफल होना है तथापि समृद्ध जीवन के जादू को जीना है। अत: हम विस्मय की चौखट पर, बारबार लौटकर आ जाते हैं, जिसे हम निष्ठुर और शीतल दुनिया समझते थे, उसने हमारी स्वाभाविक बुद्धिमानी को भोग विलास की जटिलता, अल्पज्ञता और तकनीकी गड़बड़ी में रखा है।

वैसे तो निपुण वक्ता लम्बे थे, मगर उनकी बढ़ती उम्र ने उन्हें थोड़ा-सा झुका दिया था। जब वह मंच पर चले, वह हर कदम, सावधानी से, मगर मनोहर तरीके से रख रहे थे। एक बहुत ही सही ढंग से सिला, कोयले जैसे ग्रे रंग का सूट जिसमें हल्की सफेद पिन जैसी धारियाँ उसे लालित्यपूर्ण सुचारुता दे रही थीं। और हल्के नीले काँच का चश्मा सही मात्रा में ठंडक दे रहा था।

"अपनी प्रतिभाओं के साथ छोटे-छोटे दाँव खेलने के लिए जीवन बहुत छोटा है।", निपुण वक्ता हजारों से भरे कमरे को सम्बोधित करके बोला "आप अवसर के साथ साथ ज़िम्मेदारी के लिए पैदा हुए हैं। आपका निर्माण प्रवीण उत्कृष्टता के स्तर के कार्य के लिए हुआ है और असमान्य रूप से महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारियों को महसूस करने के लिए डिजाईन किया गया है जो इस नन्हें से ग्रह में, सांसरिक अच्छाइयों की शक्ति बन सके। यह सब आपके अन्दर है कि आप फिर से एक ऐसी सभ्यता, जो पूरी तरह से अब असभ्य हो चुकी है में अपनी मौलिक महानता पर प्रभुत्व प्राप्त करें। एक सार्वभौमिक विश्व में, अपनी कुलीनता को पुनः स्थापित करने के लिए, जहाँ अधिकांश लोग अच्छे जूते खरीदते हैं, महंगी चीज़े प्राप्त करते हैं पर स्वयं को अच्छा बनाने में निवेश नहीं करते। आपका निजी नायकत्व कुछ नहीं चाहता, बस अब आप डिजिटल उपकरणों के प्रति आकर्षित होने वाले सायबर जाँम्बी न बनें और प्रवीणता के लिए अपने जीवन का पुनर्गठन करें और भद्रता का उदाहरण पेश करें। अपने आत्म-केन्द्र को त्याग दें, जो अच्छे व्यक्तियों को सीमित कर देता है। विश्व के अच्छे पुरुष और महिलाएँ दाता थे, लेनेवाले नहीं। इस सामान्य भ्रम को त्याग दें कि वे, जो सबसे अधिक जमा करते हैं, वे ही विजयी होते हैं। इसके स्थान पर, ऐसे काम करें जो नायक बनाए। वह आपके कार्यक्षेत्र को, अपने कार्यों की मौलिकता के कारण और सहायता देकर कँपा देगी। ऐसा करते समय, मेरी सलाह है कि आप अपने निजी जीवन को नीति में भी सबल बनाएँ, अलौकिक सौन्दर्य से भरपूर बनाएँ। अद्‌भुत और दृढ़निश्चयी, सख़्त और हठी बनाएँ, जब बात आपकी अन्तर्निहित शान्ति की रक्षा करने की उठे। मेरे मित्रो! इस प्रकार से आप देवदूतों के साथ पनपें और देवताओं के साथ चलें।"

निपुण वक्ता ने विराम लिया। उसने बहुत सारी हवा निगली-पहाड़ जितनी बड़ी। उसकी साँसें बोझिल हो रही थीं और अन्दर लेते समय वे सरसराहट की आवाज़ कर रही थीं। उसने अपने सजीले काले जूतों की ओर देखा जिन्हें सेना की श्रेणी तक चमकाया गया था।

अगली पंक्ति में बैठे हुए लोगों ने देखा कि एकलौता आँसू समय के थपेड़े खाए, मगर कभी सुन्दर, मोहक रहे चेहरे से टपक पड़ा था।

उनकी नज़रें नीचे ही झुकी रहीं। उनकी शान्ति गरज़ रही थी। निपुण वक्ता अस्थिर प्रतीत हो रहे थे।

अनेकों दबावपूर्ण क्षणों के बाद, दर्शकों में से कुछ को अपनी सीटों पर बेचैन किया था। निपुण वक्ता ने माइक्रोफोन नीचे रख दिया जिसे वह अपने बाँयें हाथ में लिए हुए थे। अपना रिक्त हाथ वह अपने पैंट की ज़ेब तक ले गये और एक चमकदार कुरकुरा लिनेन का रूमाल निकाला। उन्होंने अपने गालों को पोंछा।

"हर एक के जीवन में मृत्यु का सन्देशा आता है। आप में से हर कोई, अपनी आत्मा में उत्कृष्टता की वृत्ति रखता है। किसी को भी औसत में जमे रहने की आवश्यकता नहीं है और न ही बड़े पैमाने पर मध्यस्थता का शिकार होने के साथ व्यवसाय के विकेन्द्रीकरण की, जो प्रचलित है। सीमा का बन्धन मात्र एक मानसिकता है, जिसे अनेकों अच्छे व्यक्ति व्यवहार में लाते हैं, जब तक कि उन्हें विश्वास नहीं होता कि यह वास्तविकता है। यह देखकर मेरा हृदय टूट जाता है कि इतने सारे, सम्भवतः समर्थ, मानव क्यों उद्यमी तरीके से और व्यक्तिगत रूप से, असामान्य नहीं हो सकते, की कहानी में अटके हुए हैं। आपको याद रखना होगा कि आपके बहाने बाज़ीगर हैं, आपके भय झूठे हैं और शंकाएँ चोर।"

अनेकों ने सिर हिलाया। कुछ ने तालियाँ बजाईं। फिर, बहुतों ने "वाहवाह" की।

"मैं आपको समझता हूँ। अवश्य समझता हूँ" निपुण वक्ता ने जारी रखा।

"मैं जानता हूँ, आपके जीवन में कुछ मुश्किल घड़ियाँ थी। सब के आती हैं। मुझे समझ आता है कि आप ऐसा अनुभव कर रहे हैं कि वस्तुएँ उस प्रकार से नहीं हुईं जैसा आप जब आग से भरे हुए, सपनों और आश्चर्य से लदे हुए छोटे बालक थे, तो सोचते थे कि ऐसा होगा। आप हर दिन कार्यक्रम नहीं बनाते थे, क्या बनाया ? यह काम, आपकी आत्मा को परेशान कर गया, तनावपूर्ण चिन्ताएँ और अन्तहीन जिम्मेदारियों से निपटते हुए, अपनी मौलिकता का दम घोंट गया और शक्ति चुरा ले गया। व्यर्थ की दौड़ों के पीछे भागकर और उनकी तात्कालिक पूर्ति के लिए, अक्सर किसी प्रोद्योगिकी द्वारा संचालित हुए जो हमें दास बना लेती है बजाय मुक्त करने के। एक ही सप्ताह को हज़ारों बार जीना और उसे जीवन कहना। मुझे आप को बताने की आवश्यकता है कि हममें से अनेकों, तीस वर्ष की उम्र तक मर जाते हैं और अस्सी वर्ष की उम्र में दफन किये जाते हैं। तो, मैं आपको अवश्य समझता हूँ। आपने आशा की थी कि कुछ अलग होगा, अधिक दिलचस्प, अधिक उत्तेजनात्मक, अधिक सन्तोषदायक, विशेष और सम्मोहक।"

निपुण वक्ता की आवाज़ काँपी, जब उसने ये अन्तिम शब्द कहे थे। उसने तत्काल साँस लेने के लिए संघर्ष किया। चिन्ता की भंगिमा ने उसकी भौंहों को मरोड़कर चेहरे पर सिलवटें डाल दी थीं। वह क्रीम रंग की कुर्सी पर बैठ गया जो स्टेज के एक किनारे पर, ध्यान से उसके सहायक के द्वारा रखी गई थी।

"और, हाँ, मुझे ज्ञात है कि इस कमरे में अनेकों ऐसे भी हैं जो अपनी पसन्द का जीवन जी रहे हैं। आप विश्व की एक महान् सफलता हैं, पूरी तरह से अपने खेल में रमे हैं और अपने परिवार और समाज को, एक नई रोशनी से समृद्ध करते हैं, जो अन्य सांसारिक दुनियादारी को अलग कर देता है। अच्छा काम-शाबाश! और फिर भी, आपको भी मौसमों को भुगतना पड़ा है। जहाँ आप सुन्न करने वाले और ख़तरनाक अँधेरे की खाइयों में गुम रहें हैं। आप भी तो अपनी शानदार रचनात्मक वैभव की गिरावट को जान गये हैं साथ ही आपकी उत्पादन श्रेष्ठता जिसने सुविधा, भय और संज्ञाहीनता के छोटे से दायरे में आकर अपनी महारत और बहादुरी को धोखा दिया। आप भी, हताश जीवन को उजाड़ सर्दियों में जीकर निराश हो गये हैं।

आप भी तो अपने बचपन के असंख्य सपनों से वंचित कर दिये गए हैं। आपको भी तो उन लोगों से धोखा मिला है जिन पर आपने विश्वास किया था। आपने भी अपने जीवन-आदर्श नष्ट कर दिये हैं। आप भी अपने निर्दोष हृदय को निराश कर चुके हैं। और आपका जीवन भी छीन लिया गया है, विदेशी आक्रमणकारियों की घुसपैठ के बाद एक तबाह देश की तरह।

भयावह सम्मेलन हॉल गम्भीर रूप से शान्त था।

“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप जीवन-पथ पर इस समय कहाँ हैं। कृपया विगत का कोई आधा चला हुआ रास्ता आपके विस्मयकारी भविष्य को न रोक पाए। आप आज स्वयं को जितना समर्थ मानते हैं, उससे कहीं अधिक बलवान हैं। शानदार सफलताएँ-प्रत्यक्ष आशीर्वाद-आप के मार्ग मे आने वाले हैं और आप ठीक वहीं हैं, जहाँ आपको असमान्य उत्पादक, अत्यन्त विलक्षण तथा असाधारण प्रभावशाली जीवन जो आपने कठोर परीक्षण के माध्यम से अर्जित किया है, जीने के लिए होना चाहिए ताकि विकास हो सके। इस क्षण कुछ भी ग़लत नहीं है, फिर भले ही लग रहा हो कि सभी कुछ तितर-बितर हो रहा है। यदि आपको लगता है कि आपका जीवन इस समय अव्यवस्थित हो गया है, तो वह सिर्फ इसलिए क्योंकि आपके भय, आपके विश्वास से कुछ ज़्यादा सबल हो गये हैं। अभ्यास से अपनी डरी आवाज़ को आप नीचा कर सकते हैं और अपने विजित सुर को आप उभार सकते हैं। सच तो यह है कि प्रत्येक कसौटी भरा क्षण, जिसका आपने अनुभव किया है, हर विषैला व्यक्ति जो आपके सम्पर्क में आया है, और सभी परीक्षण जो आपने भोगे हैं, वे सभी, आपको सुघढ़ता से गढ़ने में, योग्य तैयारियाँ थीं और आपको वह बना गईं जो आप आज हैं। आपको इन अभ्यास की प्रतिभा और शक्तियों को सक्रिय करने के लिए जरुरत थी जो अब आप में जागृत हो रही है। कुछ भी अकस्मात् नहीं हुआ। शून्य व्यर्थ गया। आप निश्चयपूर्वक, उस स्थान पर हैं, जहाँ आपको होना चाहिए ताकि आप अपनी इच्छा का सर्वोच्च जीवन जी सकें। एक जीवन, जो आपको विश्व परिवर्तन के साथ साम्राज्य निर्माता बना सके, और शायद इतिहास रचयिता भी।

“यह-सब सुनने में सरल लगता है, मगर वास्तविकता में अधिक कठिन है।”, बेसबॉल की लाल टोपी पहने, पाँचवीं पंक्ति में बैठा एक आदमी चिल्लाया। वह ग्रे टीशर्ट और फटी हुई जीन्स पहने था, जैसी आप अपने स्थानीय दुकानदार से या शॉपिंग मॉल से खरीद सकते हैं। वैसे तो यह चिल्लाहट अपमानजनक लग सकती थी, मगर भाग लेनेवाले की आवाज़ और शरीर के संकेतों की बोली ने निपुण वक्ता के लिए वास्तव में प्रशंसा से अधिक श्रद्धा दिखाई थी।

“मैं आपके साथ सहमत हूँ, आप अद्‌भुत हैं”, निपुण वक्ता ने प्रतिक्रिया दिखाई, उसका आभिजात्य सभी सहभागियों को प्रभावित कर रहा था और उसकी वाणी पहले से कुछ अधिक सशक्त थी, जैसे ही वह अपनी कुर्सी से उठा। “विचारों का कोई मूल्य नहीं है जब तक कि वे कार्यरत नहीं होते। छोटे-से-छोटा कार्यान्वयन भी, बड़ी-से-बड़ी इच्छा से हमेशा महान् होता है। और जबरदस्त मनुष्य बनकर, किंवदन्तियों का जीवन जीना, अगर सरल होता, तो हर कोई वही कर रहा होता। समझे, मेरी बात का तात्पर्य?”

निश्चय ही, मेरे दोस्त”, लाल टोपीवाले ने अपने निचले होठ को उँगली से रगड़ते हुए कहा।

“समाज ने हमें श्रृंखला में असत्य बेचे हैं.” निपुण वक्ता ने कहना जारी रखा। “वह आनन्द अब भी उस शालीन सत्य से अधिक भयानक है कि सभी सम्भावनाओं को कड़ी मेहनत चाहिए, नियमित नव-निर्माण चाहिए और इतना समर्पण चाहिए, जितना कि गहरा समन्दर जो सुरक्षा के बन्दरगाहों को प्रतिदिन छोड़ता है। मेरा विश्वास है कि भद्रता का लोभ और एक सुगम जीवन उस जीवन के जहाँ आप पूर्णता के साथ प्रवेश करते हैं और एक और सबसे शानदार सपने के लिए निर्विवाद मोर्चा लेते हैं, से सौ गुना क्रूर है। विश्व का स्तर वहाँ से आरम्भ होता है, जहाँ आपका आराम-क्षेत्र समाप्त हो जाता है। यह एक नियम है जिसे सफल, प्रभावी और सुखी हमेशा याद रखते हैं।”

आदमी ने सम्मति में सिर हिलाया। दर्शकों में लोगों के समूहों ने भी वही किया।

“छोटी उम्र से ही, हमें यह सोचना सिखा दिया जाता है कि एक कर्तव्यनिष्ठ जीवन में बहुत कम प्रयत्न लगता है, अत: यदि जीवन कठिन हो जाए और उसमें कुछ धीरज की आवश्यकता पड़े, तो हम समझते है कि हम ग़लत मार्ग पर आ गये हैं। निपुण वक्ता ने समीक्षा की और लकड़ी की कुर्सी के हाथ को पकड़ लिया और अपनी दुबली पतली काया को समेट कर कुर्सी में बैठ गया।

“हमने मुलायम, दुर्बल और नाज़ुक लोगों की सभ्यता को प्रोत्साहित किया है जो वादों को नहीं निभा पाते, जो प्रतिबद्धताओं पर जमानत देते हैं। और वे थोड़ी-सी भी अड़चन आते ही अपनी आकांक्षाओं को छोड़ देते हैं।”

फिर, वक्ता ने जोर से एक गहरी लम्बी साँस ली।

“कठोर होना अच्छा है। वास्तविक महानता और अपनी छिपी, बुद्धिमत्ता का बोध, एक कठिन खेल है। सिर्फ

वे ही जो अपनी सीमाओं तक जाने की निष्ठा रखते हैं, वे ही उसे पाएँगे। और अपनी विशेष शक्तियों को मज़बूत करने की क्षमता और सब से प्रेरणादायक महत्वाकांक्षा के सफर में वे जो कष्ट पाते हैं, वह मानव संतोष का सबसे बड़ा स्रोत है। सुख की एक प्रमुख कुंजी-आत्मिक शान्ति-यह जानने में है कि पुरस्कार पाने के लिए आपने सभी सम्भव प्रयत्न किये और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए जोशपूर्ण तरीके से दुस्साहस किया। जॅज़ के शिखर पुरुष माइल्स डेविस ने अपने सामान्य सामर्थ्य को पूरी तरह से दुहा ताकि सम्भावित ज्ञानी उसे पूरी तरह से समझ सकें। मायकल ऐंजेलो ने मानसिक, भावनात्मक, मौलिक और अध्यात्मिक तौर पर बड़ा त्याग किया-तब जाकर उसकी विस्मयकारक कला का जन्म हुआ। रोजा पार्क, असामान्य हिम्मत वाली एक सामान्य दर्जिन थी, जब एक पृथक्कारी बस में उसने अपनी सीट नहीं छोड़ने पर कुंद अपमान सहा। चार्ल्स डार्विन ने एक इस प्रकार के संकल्प का प्रदर्शन किया जिसे सदाचार शाखाओं-हाँ, शाखाओं को आठ दीर्घ वर्षों तक अध्ययन के बाद उसने सुप्रसिद्ध विकासवाद के सिद्धान्त को सूत्रबद्ध किया। विशेषज्ञता के अनुकुलन के लिए इस तरह के समर्पण को अब हमारी दुनिया में बहुमत द्वारा पागल कहा जाएगा जो अपने स्थिर जीवन की बड़ी-बड़ी राशियाँ आत्म-चित्रण के प्रवाह, आभासी मित्रों के नाश्ते और हिंसक वीडियो खेलों पर खर्च करते हैं। निपुण वक्ता ने ध्यान दिया जब वह सम्पूर्ण हॉल में झांक रहे थे। मानों हर दर्शनार्थी की आँखों में आँखें डालकर देखने के लिए प्रतिबद्ध हो।

स्टीफन किंग हाइस्कूल लेखन शिक्षक थे और 'कैरी' नावल बेचने से पहले, जिसने उसे मशहूर कर दिया, एक ओद्यौगिक लाँड्री में थे, बढ़ती उम्र के व्याख्याता ने जारी रखा। "ओह! और यह भी जान लें कि किंग अपनी असफलताओं और अस्वीकृतियों से इतने निराश हो गये थे कि उन्होंने अपने पाण्डुलिपी को अपने पुराने ट्रेलर में रख कूड़े में फेंक दिया और संघर्षों से पराजित हो गये। वह तो, उनकी पत्नी तबीथा ने देख लिया, जब उसके पति अन्यत्र गये हुए थे, उनके सिगरेट की राखदानी को साफ करते समय, किताब को पढ़ा और तब उसके लेखक से कहा कि रचना तो बहुत शानदार है। तब किंग ने उसे प्रकाशन के लिए दिया। तब भी, उसके हार्डकवर के अधिकार के लिए तुच्छ राशी पच्चीस सौ डालर एडवांस में दिए थे।"

"क्या आप सच कह रहे हैं?" स्टेज़ के निकट बैठी एक महिला ने बुदबुदाया। उसने सघन, हरे रंग का हैट पहन रखा था जिसमें से एक चटकीले लाल रंग का पंख निकला हुआ था और वह अपने स्वयं के ढोल की आवाज़ पर प्रयाण करके पूरी तरह से सन्तुष्ट थी।

"जी हाँ", निपुण वक्ता ने कहा। और जब विन्सेंट वान घोष ने नौ सौ चित्र बना लिए थे और एक हज़ार से अधिक चित्रकारी की थी। उसकी कीर्ति उसके मरने के बाद आरम्भ हुई थी। उत्पादन का उनका अभियान लोकप्रिय तालियों के अहंकार से प्रेरित नहीं था, बल्कि एक समझदार वृत्ति द्वारा देखने का इरादा था कि वह अपनी रचनात्मक शक्ति को, कितना प्रकट कर सकते थे। फिर उसके लिए उसे चाहे जितनी कठिनाइयाँ झेलनी पड़ें। दिग्गज बनना सरल नहीं है। मगर मैं उस यात्रा को सामान्य रूप से अटके रहने के प्रकोप के लिए पसन्द करूंगा, जिसे अनेकों संभावित वीर व्यक्ति निरन्तर भोगते हैं", निपुण वक्ता ने स्पष्ट उच्चारण करते हुए दृढ़ता से कहा।

"खैर, मुझे साधारण रूप से कहने दो कि वह स्थान जहाँ आपकी महानतम बेचैनी है, यही वह स्थान है जहाँ आपका गहन अवसर भी रह रहा है। आस्थाएँ जो आपको बेचैन करती हैं, भावनाएँ जो धमकाती हैं, परियोजनाएँ जो हतोत्साहित करती हैं और आपकी प्रतिभा की परतें उघाड़कर आपके असुरक्षित हिस्से को, जो प्रतिवाद कर रहा है, यह निश्चित् रूप से वही स्थान है, जहाँ आपको जाना चाहिए। इन द्वार-मुखों की ओर अपनी गरिमा से रचनात्मक निर्माता के रूप में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिनायकवादी के साधक बन कर गहराई से झुको। और तब, इन विश्वासों को भावनाओं और योजनाओं को शीघ्रता से गले लगाना, बजाय अपने जीवन का निर्माण इस प्रकार करने से कि उन्हें सेवामुक्त कर दो। उन्हीं वस्तुओं में फिर से चलना जो आपको भयभीत करती हैं, से आप अपना भूला सामर्थ्य पुन: पाएंगे और फिर से, अपना भोलापन और विस्मय जिसे बचपन के बाद आप गँवा चुके हैं। वापिस पाएँगे।"

अकस्मात् ही, निपुण वक्ता ने खाँसना आरम्भ कर दिया। आरम्भ में नरमी से, फिर बलपूर्वक, मानों किसी दानव ने उन पर अधिकार कर लिया हो और वह बदला लेने पर तुला हो।

पार्श्वभाग में काला सूट पहने हुए एक व्यक्ति ने, आक्रामक कर्मीदल के एक व्यक्ति से कमीज में एक छिपे माइक में, चुपचाप कुछ कहा। रोशनियाँ जलने-बुझने लगीं, फिर मद्धिम हो गईं। कुछ दर्शक सदस्य, जो स्टेज के पास बैठे थे, समझ नहीं पाए कि क्या करें-वे खड़े हो गये।

एक अद्‌भुत सौन्दर्यमयी युवती, जिसने अपने बालों का नुकीला जूड़ा बना रखा था, ने होठों से मुस्कान को पकड़े रखा, जिसने तंग काली पोशाक पहनी हुई थी तथा कॉलर सफेद, कशीदा कढ़ा हुआ था, लोहे की सीढ़ियों की ओर भागी जिससे निपुण वक्ता अपने वार्तालाप से पहले उस पर चढ़कर ऊपर गये थे। उसके एक हाथ में फोन था और दूसरे में पुरानी डायरी, लालरंग की ऊंची एड़ी आवाज़ कर रही थी -"क्लिक क्लेक, क्लिक क्लेक", जब वह अपने मालिक की ओर भाग के जा रही थी।

मगर, उस महिला को देर हो चुकी थी।

निपुण वक्ता धरती पर लुढ़क चुके थे। मानों कोई घूसा खाया-नशीला बॉक्सर हो। वे महान् हृदय, मगर कमसिन कलाओंवाले कलाकार थे जिनका कभी शानदार कैरियर था। जिसे उन्हें अनेकों वर्ष पहले ही समाप्त कर देना चाहिए था। जीर्ण प्रदर्शक निस्तब्ध पड़े थे। गिरने पर लगे सिर के छोटे-से कट में से खून नदी की तरह बह रहा था, उनका चश्मा पास ही पड़ा था। रूमाल अब भी उनके हाथ में था। उनकी कभी चमकती आँखें अब बन्द थीं।

अध्याय 3

एक आश्चर्यजनक अजनबी से आकस्मिक सामना

"ऐसे मत जियो जैसे तुम्हारे पास जीने को दस हजार वर्ष बचे हैं। तुम्हारा भविष्य तुम्हारे सिर पर लटक रहा है। जब तक तुम ज़िन्दा हो, जब तक तुम्हारा अस्तित्व इस धरती पर है, सचमुच में एक महान् मनुष्य बनने का प्रयत्न करते रहो।" - मार्कस ऑरेलिअस, रोमन शासक

उद्यमी ने सेमिनार में मिलने वाले लोगों से झूठ बोला था कि वह कमरे में निपुण वक्ता के अद्‌भुत सूत्रों और नियमों को सीखने आई है, घातांकी उत्पादकता साथ ही साथ निजी प्रवीणता के छिपे तंत्रिका विज्ञान की खोज, जिसे वह व्यवसाय के महागुरुओं के साथ बाँटते रहे थे। उसने ध्यान लगाकर चिन्तन किया कि उसे अपेक्षा थी महागुरु की प्रक्रिया उसे अतुलनीय स्तर तक पहुँचा देगी जो उसे उसकी फर्म की प्रतिस्पर्धा पर बेकाबू बढ़त देगी। और उसका व्यापार पर अतर्कनीय प्रकार से निर्विवाद प्रभुत्व हो जाएगा। अब आप उसके वहाँ आने का सही कारण जान गये हैं : उसे अपनी आशा पुनर्जीवित चाहिए थी। और जान बची हुई।

कलाकार उस कार्यक्रम में यह समझने के लिए पहुँचा था कि अपनी रचनात्मकता को बढ़ावा देकर वह अपने सामर्थ्य को कैसे अगणित करे ताकि वह अपने क्षेत्र में, चित्र-निर्माण के द्वारा सबल प्रभाव छोड़ सके।

और बेघर व्यक्ति छिपकर समारोह में घुस गया था, जब कोई देख नहीं रहा था।

उद्यमी और कलाकार साथ साथ बैठे थे। वे आज पहली बार मिले थे।

"आप क्या सोचते हैं, क्या वह मर गये ?" उसने पूछा, जब कलाकार अपने लटकते हुए बॉब मार्ले के अस्तव्यस्त बालों के साथ अस्थिर था।

उद्यमी का चेहरा कोणीय तथा लम्बा था। उसके माथे पर बहुत सारी झुर्रियाँ तथा दरारों का खजाना था, मानों किसान ने खेत में अभी-अभी हल चलाया हो। उसके भूरे बाल लम्बाई में मध्यम थे और मानों कह रहे थे-"मेरा ध्येय व्यवसाय है, और मेरे साथ मत उलझना", वह लम्बी दौड़ की खिलाड़ी की तरह दुबली थी, पतली बाँहों और सुडौल टांगोवालीं जो सलीके से, एक नीले परिकल्पित डिज़ाइनर स्कर्ट से बाहर निकली हुई थी। उसकी आँखें उदास थीं, पुरानी चोटों से बुझीं, जो घाव कभी भी भर नहीं पाए थे। और आज की वर्तमान उथल पुथल उसकी प्रिय कम्पनी को संक्रमित कर रही थी।

"पता नहीं। वह वृद्ध थे। वह जोरों से गिरे थे। हे प्रभु! धड़ाम से गिरे थे। ऐसा मैंने पहले कभी नहीं देखा था", कलाकार ने अपने कान की बाली टंगाते हुए चिन्तापूर्वक कहा।

मैं उनके काम के लिए नयी हूँ। मैं इस तरह की चीज में नहीं हूँ", उद्यमी ने व्याख्यान दिया। वह बैठी रही, उसकी बाँहें पीले रंग के ब्लाउज़ पर मुड़ी हुई थीं, जिसकी पीठ में एक विशाल काली बो टाई गर्दन में लगी थी। मगर मुझे उत्पादकता पर उनकी जानकारी अच्छी लगी जो आज के समय में साधनों द्वारा हमारी गहरा सोचने की क्षमता को समाप्त कर रही थी। उनके शब्दों ने मुझे सचेत किया कि मुझे अपने ज्ञान को और अच्छे तरीकों से बचाए रखना है। उसने आगे भी कहना जारी रखा, औपचारिक तरीके से। वह जिस सब में से गुज़र रही थी, उसे किसी से बाँटने में उसे कोई रुचि नहीं थी और वह स्पष्ट रूप से अपने, मेहनती उद्योगपति के स्वाँग को बनाये रखना चाहती थी, जो अगले स्तर तक उठने को प्रयत्नशील थी।

'हाँ, वह अवश्य हिप्पी है", कलाकार ने कहा, जो बेचैन दिख रहा था।" उसने मेरी बहुत सहायता की है। सोच ही नहीं सकता कि अभी अभी क्या हुआ, अवास्तविक है न?"

वह एक चित्रकार था। क्योंकि वह अपनी कला को उन्नत करना चाहता था, साथ ही अपने व्यक्तिगत जीवन को भी, उसने निपुण वक्ता के काम को अपनाया। मगर, जो भी कारण रहे हों, उसके अन्दर के राक्षसों ने, उसके अधिकांश स्वभाव पर काबू कर लिया। अत: उसने अनिवार्य रूप से अपनी महत्वाकांक्षाओं और मौलिक विचारों

को तोड़ दिया।

कलाकार वज़नदार था। उसकी ठुड्डी के नीचे से गलगंडु उभर आए थे। वह काला टी-शर्ट पहने हुए था और लम्बा काला हाफ-पैंट, जो उसके घुटनों की गाँठों तक था। रबर की सोल वाले काले जुतों ने, वैसे जैसे आपने ऑस्ट्रेलियन खिलाड़ियों को पहने देखा होगा रचनात्मक युनीफॉर्म को पूरा किए। गुदनों का एक आकर्षक झरना, दोनों बाँहों से नीचे और बाँयें टाँग तक था। एक बोला, "धनवान ढोंगी होते हैं।" दूसरे ने सल्वाडोर डाली, सुप्रसिद्ध स्पेन के कलाकार की पंक्ति चुराकर कहा -"मैं नशा नहीं करता, मैं स्वयं नशा हूँ।"

"नमस्कार, मित्रों! बेघर व्यक्ति, असामान्य रूप से उच्च स्वर में, कलाकार तथा उद्यमी से कुछ ही पंक्तियाँ पीछे से बोला। सभागृह अब भी खाली हो रहा था और दृश्य श्रव्य कर्मी दल शोर से स्टेज़ को विघटित कर रहे थे। कर्मचारियों ने फर्श साफ किया। पार्श्व में, मीठी आवाज़ में, गाना बज रहा था। "- नाइट मेअर्स ऑन वेक्स।"

दो नये परिचितों ने घूमकर, जंगली व्यक्ति के बालों के उलझे गुच्छों को देखा चेहरा देख के लग रहा था जैसे दशकों से दाढ़ी नहीं बनाई है। और कपड़े अत्यधिक दाग़ी जीर्ण शीर्ण अवस्था में थे।

"हाँ, तो?" उद्यमी ने ठण्डी आवाज़ में पूछा, मानों आर्कटिक का जमा हुआ ठण्डा बर्फ का टुकड़ा हो। "क्या मैं आपकी कोई मदद कर सकता हूँ?"

"अहो भाई, क्या बात है?" कलाकार ने हार्दिकता से प्रस्ताव प्रस्तुत किया। बेघर आदमी उठ खड़ा हुआ, खुद को टटोला और फिर, दोनों के पास बैठ गया।

"आप क्या सोचते हैं कि महागुरु टें बोल गये हैं?" उसने अपनी एक कलाई पर हुए घाव की पपड़ी का खुरचते हुए पूछा।

"ठीक से नहीं मालूम", कलाकार ने जवाब दिया और दूसरे बालों के गुच्छे को घुमाया। "आशा नहीं है।"

"क्या तुम लोगों को सेमिनार अच्छा लगा? क्या ज्ञात हुआ कि बूढ़ा क्या कह रहा था?" मैले कुर्चेले अजनबी ने आगे कहा।

"निश्चय से", कलाकार बोला। "मुझे उसका काम प्यारा लगता है। मैंने यह सब करने में कठिन समय बिताया है। मगर जो वह कहता है वह गहरी बात है। और सशक्त भी।"

उद्यमी ने रूखेपन से कहा, "मुझे पूरा विश्वास नहीं है", मैंने आज जो सुना, उसका अधिकांश बहुत अच्छा लगा, मगर मैं अब भी, पूरी तरह से, कुछ अन्य बातों से सन्तुष्ट नहीं हूँ। उनका क्रियान्वयन करने में मुझे कुछ समय लगेगा।

"मगर मैं समझता हूँ कि वह फिर भी अद्वितीय है", बेघर व्यक्ति ने डकार लेते हुए कहा। मैंने अपना सौभाग्य कमा लिया, निपुण वक्ता की सीखों को धन्यवाद है और उन्ही की वजह से अच्छी, विश्व स्तर की जिन्दगी भी जी। अधिकांश व्यक्ति चाहते हैं कि उनके साथ असाधारण, घटना-क्रिया हो। उन्होंने मुझे सिखाया कि अतिविशिष्ट कार्य करनेवाले असाधारण घटनाओं को उनके साथ घटित होने को बाध्य करते हैं। और बड़ी बात यह है कि उन्होंने मुझे, न सिर्फ एक गुप्त दर्शन का ज्ञान दिया, ताकि मैं अपने सपनों को पा सकूँ, बल्कि उन्होंने मुझे यह भी सिखलाया कि निपुणता और साधन की प्रक्रिया से जानकारी को परिणामों में कैसे बदलना है। उनकी क्रान्तिकारी अन्तर्दृष्टि सुबह की फलदायी दिनचर्या स्थापित करना जो अकेले ही वह टक्कर दे जो मुझे अपने व्यवसाय केन्द्र में चाहिए थी।"

बेघर व्यक्ति के माथे पर दांतेदार घाव, दाहिनी आँख के ठीक ऊपर से जा रहा था। उसकी डरानेवाली दाढ़ी अधेड़ थी-उसने मनकों की माला गले में पहन रखी थी जैसी भारत के धार्मिक पुरुष मन्दिरो में पहनते हैं। वैसे तो उसकी अतिशयोक्तियों ने उसे अस्थिर बना दिया पर उसकी छवि बता रही थी, कि उसने अनेकों वर्ष सड़कों पर रहकर बिताए थे। उसकी आवाज़ में अधिकार की अनियमित भावना प्रदर्शित थी। और उसकी आँखों ने शेर का आत्म-विश्वास प्रकट किया।

"एक दम मूर्ख" उद्यमी ने कलाकार से फुसफुसाकर कहा। अगर उसके पास सौभाग्य है, तो मैं मदर टेरेसा हूँ।"

“समझ आई वह पागल लगता है।” कलाकार ने उत्तर दिया। “मगर उसकी विशालकाय घड़ी को देखा।”

बेघर व्यक्ति की बाँयीं कलाई पर, जो अपने साठ के दशक के अन्त में था, एक बृहद् घड़ी बंधी थी जिसे हेज फंड प्रबंधक पहनने में प्रवण थे, जब वे मेफेयर में रात्रिभोज के लिए जाते। इसमें रिवालवर के रंग का डायल था जो स्टेनलेस स्टील रिम से घिरा हुआ था। एक पतली लाल सुई घंटे के हाथ की थी, और सूर्यास्त संतरी रंग का मिनिट का हाथ था। यह सम्मान का उल्लेखनीय बिल्ला व्यापक काले पट्टे के साथ एकजूट होकर शानदार आकृती को गोताखोर जैसी अनुभूति दे रहा था।

“एक सौ हजार, सरलता से”, उद्यमी ने अलग से कहा। “मेरी दुकान के कुछ लोगों ने हमारे IPO के अगले दिन ऐसी ही घड़ियाँ खरीदी थीं। दुर्भाग्यवश हमारे शेयरों के भाव लुढ़क गए। मगर उन्होंने अपनी श्रापित घड़ियाँ रखी।

“तो, निपुण वक्ता के किस व्याख्यान को तुमने सबसे अधिक पसन्द किया?” “भटकते भाई” ने पूछा, जो अब भी अपनी कलाई खुजा रहा था। “क्या प्रतिभाशाली के मनोविज्ञान के बारे में बस यही सब था, जिससे उसने आरम्भ किया था? या शायद, वे अतुल्य नमूने जो उसने अरबपतियों की उत्पादकता हैक पर सिखाए, जो बीच में अटके हुए थे? शायद तुम पर सभी न्यूरोबायोलॉजी भड़काए गए थे जो सर्वोच्च प्रदर्शन पैदा करती है। अथवा तुमने उसकी महानता पर पहुँचने की जिम्मेदारी की नीति को समझ लिया था जैसे वह नाटकीय अंत से पहले हम में से गुजरा। इसके बाद उस बेघर व्यक्ति ने आँख मारकर इशारा किया और अपनी बड़ी घड़ी को देखा।

“अरे, दोस्तो, यह सब तो बहुत मनोरंजक रहा। मगर समय सबसे कीमती वस्तुओं में से एक है, मैंने अभेद्य होना सीख लिया। बुद्धिमान पूँजी निवेशक वारेन बुफट ने कहा था-अमीर समय में निवेश करते हैं। निर्धन पैसों में निवेश करते हैं। तो मैं तुम लोगों के साथ अधिक नहीं लटक सकता। मेरी जेट और रन-वे से बैठक है। समझे, मेरा मतलब क्या है?”

“लगता है वह भ्रमित था”, उद्यमी ने सोचा।

“बफेट ने यह भी कहा था”, मैं कीमती सूट्स खरीदता हूँ। वे मुझ पर साधारण लगते हैं। सम्भावना है कि आप उस उक्ति को भी याद रखेंगे। “और, उसने जारी रखा मैं वास्तव में असभ्य नहीं होना चाहती हूँ, मगर मैं नहीं जानती कि आप अन्दर कैसे आए, और न मुझे जरा-सा भी अन्दाज़ा है कि आपको वह विशालकाय घड़ी कहाँ से मिली, और/अथवा, आप किस जेट की बात कर रहे हैं। और अब कृपया इस प्रकार से बोलना बन्द करें कि प्रदर्शन में क्या हुआ था। उसमें कुछ भी हँसने लायक नहीं था। गम्भीरता से कहूँ तो मुझे जरा-सा भी भान नहीं है कि वह सज्जन क्या अब भी साँसें ले रहे हैं।”

“बिल्कुल सच है।” कलाकार सहमत हुआ और अपनी दाढ़ी को सहलाया। नीरस नहीं। और तुम सर्फर की तरह से बातें क्यों करते हो?”

“अरे भाई, शान्त हो जाओ”, बेघर व्यक्ति ने कहा। पहली बात कि मैं सर्फर हूँ। मैंने अपना बचपन, मलीबू के तख़्तों पर बिताया। उस बिंदु पर सवारी करता था जहाँ रेड ब्रेक्स है। अब मैं, टेमरिन बे में, छोटी-छोटी लहरों पर सर्फिंग करता हूँ। वह स्थान जहाँ शायद तुम कभी नहीं गए।

“कभी उस जगह का नाम भी नहीं सुना। आप काफी अपमान जनक है।” उद्यमी ने रूखे स्वर में कहा।

बेघर व्यक्ति अब अविरल था।

“और दूसरी बात, मैं उद्यमी क्षेत्रों में अत्यधिक सफल रहा हूँ। मैंने कम्पनियों का एक समूह बनाया है जो इस मुनाफे के समय में कमाते हैं, मगर निचली रेखा में कुछ भी नहीं करते। क्या मज़ाक है। यह दुनिया कुछ निडर चल रही है। बहुत अधिक लोभ, मगर अच्छी भावना तनिक-सी भी नहीं। और तीसरी बात, अगर मुझे कहने दें, तो। उसने अपनी पथरीली आवाज़ में, सबल शब्दों में कहा, “मेरे लिए हवाई जहाज राह देख रहा है। उस पक्की सड़क पर, जो यहाँ से अधिक दूर नहीं है। अत: मैं जाऊँ उससे पहले, मैं तुमसे एक बार और पूछूँगा-क्योंकि मैं जानना चाहता हूँ। निपुण वक्ता की प्रस्तुति का कौन सा हिस्सा आप दोनो को सबसे अच्छा लगा?”

“लगभग सारा”, कलाकार ने उत्तर दिया। मुझे सारा व्याख्यान इतना अच्छा लगा कि मैंने सारा का सारा, शब्दश: रेकार्ड कर लिया, जो वृद्ध महापुरुष ने कहा था।”

“ऐसा करना ग़ैरकानूनी है”, बेघर व्यक्ति ने सावधान किया, “अपनी बाँहों को छाती पर जोर से दबाते हुए कहा। आप इसके लिए गहरी कानूनी कठिनाई में पड़ सकते हैं।”

“यह कानून के खिलाफ है, उद्यमी ने पुष्टि की। आप ऐसा क्यों करेंगे?”

“क्योंकि मेरा ऐसा करने का मन हुआ। मैं वह करता हूँ जो करना चाहता हूँ। नियम तो बने ही तोड़ने के लिए हैं, क्या आप जानते हैं? पिकासो ने कहा था, आपको नियमों को प्रोफेशनल की भाँति सीखना चाहिए ताकि आप उसे कलाकार की तरह तोड़ सकें। मैं अब “स्वयं” बनना चाहता हूँ न कि कोई भेड़, जिनमें हिम्मत होती ही नहीं और अपने झुंड के पीछे चलती जाती हैं जो उन्हें कहीं नहीं ले जाता। अधिकांश लोग, विशेष करके धनवाले व्यक्ति, कुछ भी नहीं हैं बजाय छल-छन्द के”, कलाकार ने घोषित किया। वह तो ऐसा है जैसा निपुण वक्ता कभी-कभी कहता है: “आप उसमें समा सकते हैं। अथवा विश्व को बदल दें। आपको दोनों करने की जरूरत नहीं है।” अत: मैंने सारी बातें रेकॉर्ड कर ली हैं। मुझे गोली मार दो, और जेल में आनन्द आएगा। मैं वहाँ सम्भव है कुछ शान्त लोगों से मिलूँ।”

“अँह्ह, ठीक है”, बेघर ने कहा। “मुझे तुम्हारा निर्णय पसन्द नहीं है। मगर मुझे तुम्हारा उत्साह अच्छा लगता है। तो, आगे बढ़ें जाओ। उसे यहाँ ले आओ। सेमिनार के उस अंश को खोलो जिसने तुम्हें उत्तेजित कर दिया था।”

“जो सब-कुछ मैंने रेकार्ड किया, वह तुम्हारे होश उड़ा देगा!” कलाकार ने अपना हाथ उठाया जिस पर गिटार के कला-मर्मज्ञ जिमि हेन्ड्रिक्स का विस्तृत टैट्टू बना था, और यह वाक्य भी -

“जब प्यार की शक्ति अधिकार के प्यार को जीत लेती है, तो विश्व में शान्ति फैल जाती है”, यह मृत सुपर स्टार के मुख पर लिखा गया था।” अब आप कुछ विशेष सुननेवाले हैं”, उसने आगे कहा।

“ठीक है, आगे बढ़ो और उन हिस्सों को सुनाओ जो तुम्हें अच्छे लगे हों”, उद्यमी ने उसे प्रेरणा दी और खड़ी हो गई। वह समझ नहीं पाई कि क्यों, मगर कुछ, बहुत ही धीरे से, उसके भीतर तक समाता जा रहा था। “शायद जीवन ने मुझे तोड़ना शुरू कर दिया है”, उसने सोचा, “ताकि मैं किसी प्रकार का अवसर पा सकूँ।”

इस कार्यक्रम में रहने से, कलाकार से मिलने से, निपुण वक्ता के शब्दों को सुनने से, फिर भले ही वह उसकी कही सारी बातों से सहमत न भी हुई हो, मगर उसे अनुभूति थी कि वह इस समय अपने फर्म में जो भी कुछ अनुभव कर रही है, सम्भव है वह उसकी महानता द्वारा तैयारी की मांग हो। उद्यमी अब भी दुविधा में थी। मगर उसे प्रतीति हो रही थी कि वह कुछ खुलती जा रही है। और सम्भव है विकसित हो रही हो। अत: उसने स्वयं से वादा किया कि वह इस प्रक्रिया का पालन करती रहेगी, बजाय पीछे मुड़ने के। उसका जीने का पुराना तरीका अब सफल नहीं हो रहा था। परिवर्तन का समय आ गया था।

उद्यमी ने थियोडोर रुजवेल्ट का एक उद्धरण जो उसे बहुत पसन्द था, के बारे में सोचा:

“आलोचक महत्त्वपूर्ण नहीं होता है, और न वह, जो इंगित करता है कि सबल कैसे लड़खड़ाते हैं, और जहाँ कार्यों के कर्ता उन्हें और अधिक अच्छी तरह से कर सकते थे। मान्यता और ख्याति उसे मिलती है जो प्रदर्शन के मैदान में सचमुच है, जिसका चेहरा धूल और पसीने तथा रक्त से भिड़ा हुआ है, जो डटकर मुक़ाबला करता है, गल्तियाँ करता है, जो पूरी उछाल लेने से बार-बार चूकता है, क्योंकि कोई भी प्रयत्न बिना भूल या कमियों के नहीं होता; मगर वह, जो सचमुच प्रयत्न करता है ताकि कार्य हो सके; जिसे उत्साह और प्रेरणा का ज्ञान है, जो समर्पण की महानता जानता है; जो स्वयं को एक योग्य उद्देश्य के लिए खपा डालता है; जो जानता है कि ऊँचे ध्येय की प्राप्ति कैसी होती है और यदि अन्त में असफल भी होता है, तो साहस का कार्य करते समय होता है, उसका ताकि उसका स्थान कभी भी उन अस्तप्राय और हतवीर्यों के साथ नहीं रहेगा जो, न तो विजय जानते हैं, और न पराजय।”

उसे निपुण वक्ता के भाषण की वह सूक्ति भी याद आई जो कुछ ऐसी थी,” वह क्षण जब आप सबसे अधिक अनुभव करते हैं कि अब छोड़ दें, वह वही क्षण है जब आपको अपने अन्दर से दबाव डालकर आगे बढ़ना है।” अत: उद्यमी महिला ने अपने अन्दर गहराई में देखा और कसम खाई कि वह अपने प्रयत्नों को जारी रखेगी ताकि वह अपने उत्तर पा सके, अपनी समस्याएँ सुलझा सके ताकि भविष्य में अच्छे दिन भोग सके। उसकी आशा क्रमश: विस्तार पा रही थी और चिन्ताएँ धीरे-धीरे सिकुड़ रहीं थीं। और उसकी सर्वश्रेष्ठ स्वयं की धीमी, स्थिर सर्वश्रेष्ठ

आवाज़ ने कानों में फुसफुसाकर कहना शुरू किया कि एक अतिविशिष्ट पराक्रम आरम्भ होने को है।

अध्याय 4

सभी सामान्यताओं और सामान्य व्यक्तियों का परिगमन तथा उन्हें जाने देना

"क्यों कभी कभी मैंने विश्वास किया है कि नाश्ते से पहले छह असम्भव बातें अवश्य हो जाएंगी।" – ल्युइस कॅरोल, एलिस इन वंडरलेंड

"तो तुम चित्रकार हो, ठीक?" बेघर ने अपनी अव्यवस्थित फटीचर शर्ट के हिलते बटन से खेलते हुए पूछा।

"हाँ", बुदबुदाते हुए कलाकार बोला। "निराश व्यक्ति की तरह मैं अच्छा हूँ, मगर महान् नहीं हूँ।"

"मेरे ज़्यूरिच के फ्लैट में बहुत सारा कला का काम हो रहा है", बेघर ने आसक्त होकर मुस्कराते हुए कहा। "बहनहोफस्ट्रेस्सी में, बस, कीमतें आकाश को छूने से पहले, जगह खरीदी। मैंने सर्वश्रेष्ठ गुणों के पास रहने की महत्ता सीख ली है, जहाँ कही भी जाऊं। वह मेरी सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक है कि मैने अपने जीवन का निर्माण वैसा किया जैसा मैने गढ़ा है। मैं अपने व्यवसाय में भी सिर्फ श्रेष्ठ "ए" खिलाड़ियों को ही आने देता हूँ, क्योंकि "सी" श्रेणी के खिलाड़ी 'ए' स्तर का प्रदर्शन नहीं दे सकते। हम सिर्फ वे ही उत्पाद मार्केट में फेंकते हैं, जो हमारे मार्केट को अस्त-व्यस्त कर दे। और फिर क्षेत्र को पूर्णरूप से इस तरह से बदल देते हैं कि वे कितने मूल्यवान हैं। मेरे व्यवसाय सिर्फ सेवाएँ देते हैं जो नैतिक रूप से हमारे ग्राहकों को धनवान बनाते हैं, उपयोग करने वालों को विस्मयकारी अनुभव दिलाते हैं और आर्थिक उपभोक्ताओं-अनुगामियों को जन्म देते हैं, जो बाद में किसी और के साथ व्यवसाय करने की सोच ही नहीं सकते। और मेरे अपने व्यक्तिगत जीवन में भी यही वस्तु है: मैं सिर्फ सर्वश्रेष्ठ वस्तु खाता हूँ, मगर उसे कम ही खाता हूँ। मैं सिर्फ सब से मौलिक और विचारशील पुस्तकें ही पढ़ता हूँ, अपना समय सबसे अधिक उजाले से भरे प्रेरणादायक स्थानों में ही बिताता हूँ और सबसे अधिक यात्रा जादूमय जगहों की करता हूँ। और बात जब सम्बन्धों की आती है, मैं स्वयं को उन मनुष्यों से घेर लेता हूँ जो मेरा आनन्द बढ़ाते हैं, मेरी शान्ति को सहलाते हैं और मुझे अच्छा मानव बनने के लिए उत्साहित करते हैं। जीवन का मार्ग बहुत मूल्यवान है जिस पर हम उन लोगों को नहीं ले जा सकते जो आपको समझते नहीं हैं। जिनके साथ आप एक सुर में आलाप नहीं लगा सकते। जिनके जीवन-मूल्य अलग हैं और उनका स्तर आपसे अधिक निचला है। जिनकी मनोदशाएँ हृदय लहरियाँ, स्वास्थ्य चलन और आत्माओं के दिशा-गमन आप से भिन्न हैं। यह तो जादू ही है कि हमारे जीवन-प्रभाव और वातावरण कितनी सबलता और गहराई से हमारी उत्पादकता और टक्कर को आकार देता है।"

"रोचक", उद्यमी ने अपने फोन को घूरते हुए ध्यान दिया।" लगता नहीं कि वह जानता है कि वह क्या बात कर रहा है", उसने धीमे से फुसफुसा कर कलाकार से कहा। उसकी आँखें अब भी स्क्रीन पर थीं।

उसके चेहरे का, मकड़ी के जाले जैसा, झुर्रियों का जाल कुछ और तनावमुक्त हुआ। एक कलाई में, दो चाँदी की निर्मल चूड़ियाँ लटक रही थीं। एक पर सुवाक्य अंकित था, "नहीं कर सकता को कर सकता में बदलो और दूसरी पर अंकित था -"कर लिया, उत्तम होने से बेहतर है।"

"जो कर लिया, वह सम्पूर्णता से अधिक अच्छा है।"

उद्यमी ने ये दोनों उपहार स्वयं के लिए खरीदे थे, जब उनकी कम्पनी आरम्भिक स्टेज़ पर थी, और वह स्वयं एक सर्वोत्तम आश्वस्त मानसिकता में।

"मैं मानसिकताओं के बारे में जानता हूँ', कलाकार ने कहा, "पर कभी दिल, स्वास्थ्य और आत्मा की स्वाभाविक स्थिति के बारे नहीं सुना।

"तुम अवश्य सुनोगे", बेघर ने उसे सुझाव दिया। "और एक बार अगर सुन लिया", तो जिस प्रकार से निर्माण करते हो, उत्पादन करते हो और उसे दिखाते हो, वैसा नहीं रहेगा किसी भी निर्माता या विश्व निर्माता के लिए गम्भीरता से, क्रान्तिकारी विचार। अतः कुछ उद्यमी और अन्य मनुज इनके बारे में जानते हैं। यदि उन्हें ज्ञात

हो गया तो उनके जीवन का हर महत्वपूर्ण तत्त्व तेजी से बढ़ने लगेगा। अभी के लिए मैं निजी आश्वासनों पर अपने चारों ओर उच्च गुणवत्ता के लिए रोक लगाना चाहती हूँ, उच्चतम गुणों पर भी। वातावरण आपके चिन्तन को, प्रेरणाओं और आपके कार्यान्वयनों को आकार देते हैं। कला आत्मा को भोजन देती है। पुस्तकें आकांक्षाओं को युद्ध से बचातीं हैं। समृद्ध संवाद रचनात्मकता को विशालता देते हैं। आश्चर्यजनक संगीत हृदय को ऊपर उठाता है। सौन्दर्यमय दृश्य आत्मा को पुष्ट करते हैं। इन-सब के लिए सकारात्मकता से भरी सुबह चाहिए जो खोजी विचारों को भारीमात्रा में डाउनलोड कर पीढ़ी को उत्प्रेरित कर सके। यह कहना जरूरी है कि मानव-जाति का उत्थान, व्यवसाय का एक सर्वोत्तम खेल हैं जिसे शिखर के 5% खेलते हैं। व्यवसाय का असली उद्देश्य केवल निजी सम्पत्ति को बनाना नहीं हैं। इस खेल का वास्तविक उद्देश्य समाज का भला करना है। मेरा मुख्य ध्यान सेवा करने पर है। धन, सामर्थ्य और प्रतिष्ठा तो उपोउत्पाद हैं जो, मुझे राह में मिल गये। एक पुराने और उल्लेखनीय मित्र ने मुझे इस राह पर चलना सिखाया था, जब मैं युवा था। इसने मेरी सम्पन्नता की स्थिति और निजी स्वतंत्रता के परिमाण को बिल्कुल बदल दिया। और तभी से, इस विरोधाभासी व्यापार दर्शन वैषम्य दिखानेवाले दर्शन काम करने के मेरे ढंग पर हावी है। किसे पता शायद, मैं अपने ज्ञान-गुरू से आपको मिलवाऊँ।

घुमक्कड़ कुछ रुका। उसने अपनी बड़ी घड़ी को देखा। फिर, उसने अपनी आँखें बन्द कीं और बोला: “अपनी सुबह के स्वामी बनो, जीवन को उन्नत बनाओ।” मानो जादू से, एक बहुत ही छोटा और-काफी मोटा सफेद कागज़ उसके फैला रखे, लम्बे बाँयें हाथ की हथेली में आ गया। वह निश्चय ही कोई तरकीब थी। आप तो उससे बहुत प्रभावित हुए होते यदि वहाँ, इन तीन आत्माओं के साथ खड़े होते।

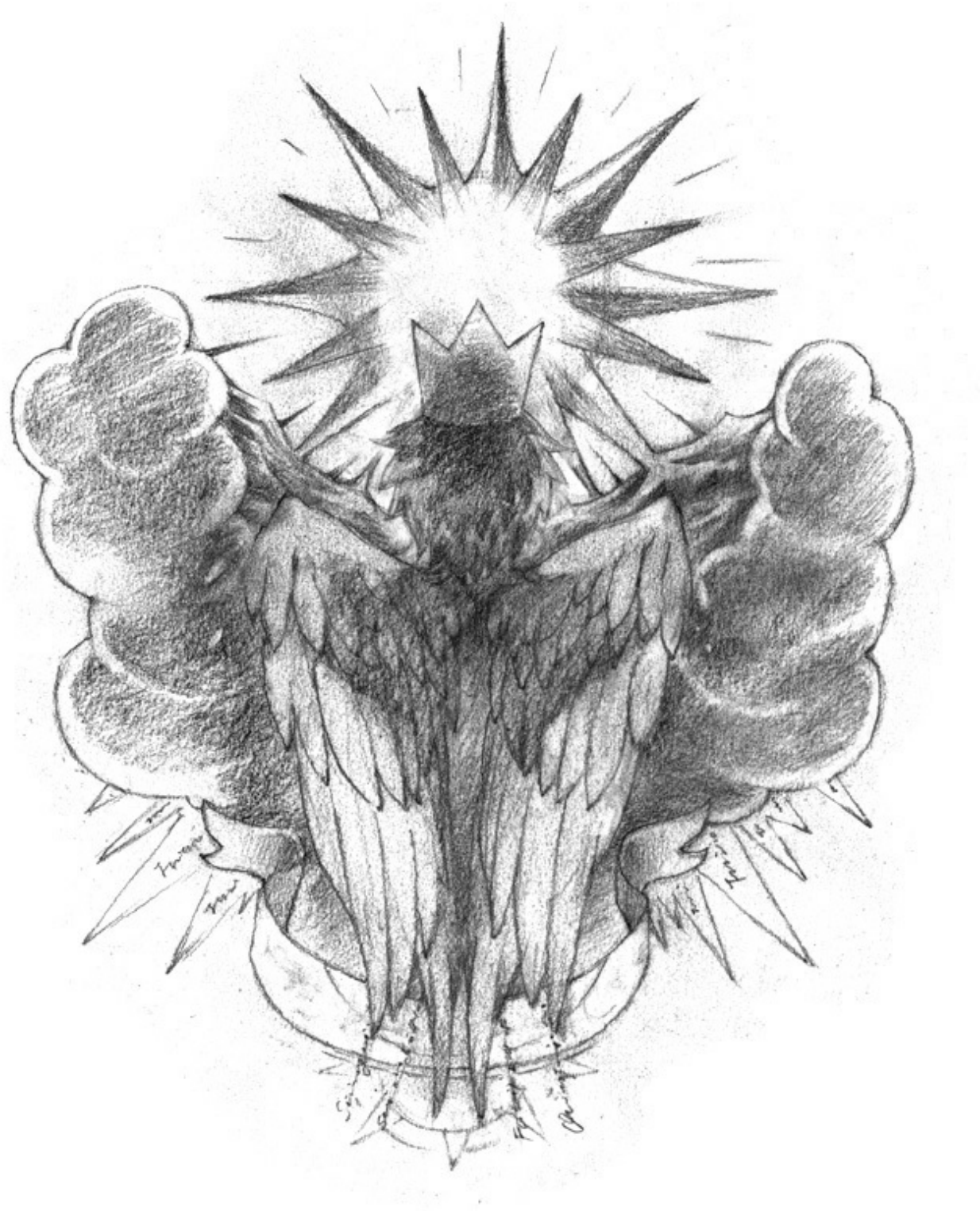

उस कागज़ पर आकृति कुछ-कुछ इस प्रकार की थी:

उद्यमी और कलाकार, दोनों के मुख खुले रह गये मानों वे दोनों भ्रमित और मंत्रमुग्ध हो गए हों।

“तुम दोनों में प्रत्येक के अन्दर, एक हीरो है। तुम जब बच्चे थे, तो जानते थे फिर बड़ों ने तुमसे अपनी शक्ति

को सीमित करने को, अपनी बुद्धिमत्ता को बंधन में रखने को, और अपने हृदय के भेदों को धोखा देने को कहा।" बेघर ने उनसे कहा, काफी हद तक निपुणकर्ता के अन्दाज में।

"बुजुर्ग, बिगड़े हुए बच्चे होते हैं", उसने आगे कहा, "जब तुम बहुत छोटे थे, तुम जानते थे कि कैसे जीना है। सितारों को टकटकी बाँधकर देखना मन में खुशियाँ भर देता था। बगीचे में दौड़ना, शरीर में प्राण भर देता था। और तितलियों का पीछा करना आनन्द की बाढ़ ले आता था। ओह! मैं तितलियों को कितना पसन्द करता था। और, फिर तुम जब बड़े हुए, तो भूल गए कि मनुष्य कैसे बना जाए। बहादुर और उत्साही बनना और प्यार करना तथा उन्माद की हद तक ज़िन्दा रहना भूल गए। तुम्हारी आशा की रचनात्मकता धुँधली पड़ गयी। सामान्य बने रहना स्वीकार कर लिया। रचनात्मक का दीपक, सकारात्मकता और महानता के साथ तुम्हारी आत्मीयता भी, मद्धिम पड़ गई, ज्यों-ज्यों तुमने उसमें समाने का प्रयत्न किया; औरो से अधिक पाने और लोकप्रिय बनने का। ठीक है, मैं यह कहता हूँ: शिथिल हो गए बुजुर्गों, उदासीनताा सीमितता का हिस्सा मत बनो। मैं तुम्हे आमंत्रण दे रहा हूँ, एक यथार्थ में प्रवेश करने का जिसे सिर्फ वास्तविक महागुरु और इतिहास के महाज्ञानी पुरुष जानते हैं। अपने भीतर की आद्य शक्तियों को खोजने की, जिन्हें आप जानते ही नहीं थे कि वे वहाँ गुह्य हैं। आप अपने कामों में निजी जीवन में भी जादू पैदा कर सकते हैं। मैंने यकीनन किया है। और यहाँ मैं तुम्हारी ऐसा करने में सहायता के लिए तैयार हूँ।

इससे पहले कि कलाकार और उद्यमी एक शब्द भी बोल पाते, बेघर ने अपना प्रवचन जारी रखा। "ओह! मैं कला में उलझकर रह गया था और जिस परिस्थितिकी तंत्र के साथ आपका जीवन बना है। वह मुझे पुर्तगाली लेखक फर्नेण्डो पेसोआ के विलक्षण शब्दों की याद दिलाता है : "कला हमें विमुक्त करती है, भ्रम के माध्यम से, होने के घिनौनेपन से डेन्मार्क के राजकुमार हॅमलेट के द्वारा भोगी गईं भूलों और कष्टों का अनुभव करते हुए हमें अपनी भूलें याद नहीं आती हैं, जो घटिया हैं क्योंकि वे हमारी और घटिया क्यों कि वे घटिया है।" मुझे विंसेंट वान गोघ की याद दिलाते हैं, जिन्होने कहा था: "मुझे कुछ भी विश्वासपूर्वक नहीं मालूम, मगर सितारों के दृश्य मुझे सपने दिखाते हैं।"

बेघर व्यक्ति बड़ी मुश्किल से निगला, उसकी आँखें दूर चली गई। उसने निराशा से अपना गला साफ किया।

"मित्रों! मैं बहुत हालातों में से गुज़र चुका हूँ। जीवन ने मुझे लतियाया और ठोकरें मारी हैं। बीमार रहा हूँ। हमला हुआ है। दुर्गति हुई। दुरूपयोग हुआ। अरे! मैं तो मानो गाँव का गीत बन गया हूँ! अगर मेरे साथी ने मुझे धोखा दिया होता और मेरा कुत्ता मर गया होता तो, मेरा सफल एकल होता"।

बेघर हँसा। एक विचित्र, गले से निकली, हँसी मानों सर्कस का विदूषक, तेजाब पीकर हँसा हो। उसने आगे कहा - कष्ट, गहराई में उतरने का मार्ग है। समझे, मैं क्या कह रहा हूँ? और दारुण विपत्ति प्रकृति का महान् संशोधक। यह नकली भय और अभिमान, जो घमण्ड से जन्म लेते हैं, को जला कर नष्ट कर देता है। हमें हमारी चमक और बुद्धिमानी वापिस लौटाता है, यदि आप में उस में जाने की हिम्मत है, जो घाव देता है। कष्ट अनेकों पुरस्कार देते हैं, जिनमें मौलिकता, सहानुभूति, सापेक्षता और प्रामाणिकता भी आ जाते हैं। जोनास साल्क ने कहा, "मुझे सपने भी आते थे और दुःस्वप्न भी। मैंने अपने सपनों से दुःस्वप्नों को जीत लिया", बिना निमंत्रण पथिक ने जोर से कहा।

"वह बहुत अजीब है। अविश्वसनीय ढंग से सन्देही। मगर उसमें कोई तो बात है", उद्यमी ने कलाकार के आगे माना, अपने उन्माद थोड़ा-सा उघाड़ते हुए। उसी ने अपने तारांकित व्यवसाय को बचाकर रखा हुआ था। "अभी-अभी उसने जो कहा, उसी बात को मैं सुनना चाहती थी। मुझे पता चला कि वह ऐसा दिखता है, मानो वह गत्ते के डिब्बे में, सड़कों पर रहता हो। मगर उसके शब्द तो सुनो! कभी वह कवियों के समान बोलता है। वह इतना सुस्पष्ट, कैसे हो सकता है? उसमें गहराई कहाँ से आती है? और उसका यह "पुराना मित्र" कौन है, जिसने उसे, वह कहता है, बहुत कुछ सिखाया है? उसमें वह ऊष्मा भी है जो मुझे अपने पिता की याद दिला जाती है। मैं उन्हें अभी भी याद करती हूँ। वह मेरे विश्वसनीय थे। मुझे सबसे अधिक सहारा देनेवाले। और मेरे सर्वश्रेष्ठ मित्र। मुझे उनकी रोज़ याद आती है।"

"ठीक है!" कलाकार ने उस विचित्र अजनबी से कहा। "तुमने पूछा था कि मुझे व्याख्यान की कौन-सी बात श्रेष्ठ लगी थी। मुझे वह हिस्सा सचमुच अच्छा लगा जहाँ निपुणवक्ता, स्पार्टन योद्धा क्रीड़ा की बात करते हैं, जो कहता है: "वह, जो ट्रेनिंग के समय अधिक पसीना बहाता है, युद्ध में कम खून बहाता है।" और मुझे उसकी यह

पंक्ति पसन्द आई थी – "उच्च जीत उन सुबह के घंटों में बनाई जाती है, जब कोई नहीं देख रहा होता है, और जब, अन्य सभी सो रहे होते हैं।" उनकी नीतियाँ विश्वस्तरीय प्रातःकाल की दिनचर्या के बारे में महान् थी।

उद्यमी ने अपने साधन पर दृष्टि डाली। "मैंने कुछ अच्छे सन्दर्भ जमा करके रखे हैं। मगर मैंने उन रत्नों को नहीं बटोरा", वह बोली और जो उसने सुना था, उसे गाँठ बांध लिया।

"हम सिर्फ वही सुनते हैं, जो सुनना चाहते हैं", बेघर व्यक्ति ने बुद्धिमत्ता से कहा, मानो साधु हो। "सारा ज्ञान हमें ठीक उसी स्थान पर मिलता है, जहाँ हम हैं।" और जैसे जैसे हम महान होते जाते हैं बेहतर समझने लगते हैं। अचानक निपुण वक्ता की आवाज बज उठी। बेघर व्यक्ति की आँखें ताजमहल के समान बड़ी हो गईं। किसी की भी समझ में आ गया होगा कि वह कितना अधिक विस्मित था। उस सुप्रसिद्ध ध्वनि को सुनकर। उसने मुड़कर देखा, ध्वनि के उद्गम को खोजने के लिए। अविलम्ब, सब-कुछ स्पष्ट हो गया।

कलाकार अपनी सेमिनार की ग़ैर कानूनी रेकार्डिंग को बजा रहा था।

"यह है वह हिस्सा जो मुझे सबसे अधिक अच्छा लगा था, आपके पूरे सवाल के जवाब में, प्रिय भाई।" उसने गन्दे, अस्त-व्यस्त घुमक्कड़ की आँखों में सीधे देखते हुए कहा।

> आज, सायबर जोंबी संस्कृति में, जिन्हें आदत पड़ गई है विक्षेप और व्यवधान से पीड़ित, तब सबसे बुद्धिमानी का मार्ग शर्तिया यही है कि तुम निरन्तर उत्कृष्ट, कौशलपूर्वक परिणाम पैदा करो, अपने कार्य-क्षेत्र में और निजी जीवन में भी। और इसके लिए एक विश्वस्तरीय सुबह का कार्यक्रम सुनिश्चित् करो। और आपके आरम्भिक घंटे ही हैं, जब नायक-गढ़े जाते हैं।
>
> दुर्बलता के विरोध में युद्ध आरम्भ करो और भय के खिलाफ आन्दोलन। आप वास्तव में प्रातःकाल जल्दी उठ सकते हैं। और ऐसा करना दिग्गज बनने के रास्ते में बहुत आवश्यक है।
>
> अपने दिन के आगे के भाग की विशेष सँभाल करें, और दिन का शेष भाग स्वयमेव अपनी सँभाल कर लेगा। अपने प्रातःकाल के स्वामी बनो, अपने जीवन को उभारो।

निपुण वक्ता को साँस में घरघराते सुना जा सकता था, मानो कोई नया तैराक, जल्दी में काफी दूर चला गया हो। कलाकार अपनी रेकॉर्डिंग बजा रहा था, आवाज बढ़ा रहा था जो अब चीख रही थी।

> यहाँ छोटा सा बहुमूल्य रहस्य है जो उद्योग के शीर्षक, कला के निष्पादक मानवता को अत्यंत प्राप्त करने वाले आपके साथ कभी नहीं बाँटेंगे : विशाल परिणाम, विरासत में मिले आनुवांशिकी से कहीं कम और आप की रोजा आदतों से कही ज्यादा हैं। आपका प्रातःकाल का धार्मिक कृत्य आपकी योग्यता और चरित्रबल को आँकने के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है फिर, स्वचलन के लिए।
>
> जब हम महामानवों को सक्रिय देखते हैं तो दबावपूर्ण प्रलोभन जो हमारी संस्कृति ने हमें बेचे हैं, जो विश्वास दिलाते हैं कि वे इस असाधारणता में पैदा हुए थे। सौभाग्यशाली DNA लॉटरी जीत गए हैं कि उनकी बुद्धिमत्ता उन्हें पैतृक रूप से मिली है। मगर सच्चाई तो यही है कि हम उन्हें उनकी पूर्ण गौरवमय ओजस्विता, में एक सुनिश्चित् प्रक्रिया को वर्षों करने के बाद देख रहे हैं, जिसमें अनन्त घंटों का अभ्यास लगा हुआ है। जब हम शानदार खिलाड़ियों को व्यापार करता खेल-कूद, विज्ञान तथा कला क्षेत्र में देखते हैं, तो उस समय हम, एकल बिन्दु के आसपास सांद्रता के अर्जित परिणामों, एक कौशल पर खगोलीय फोकस, एकोन्मादी लक्ष्य के लिए बलिदान की तीव्रता, गहराई के असाधारण स्तर तथा विशिष्ट ठोस धीरज का अवलोकन कर रहे हैं। याद रखें, हर अनुभवी व्यक्ति कभी तो नौसिखिया रहा होगा, और हर प्रवीण ने अपना आरम्भ भी आरम्भिक के रूप में किया होगा। सामान्य व्यक्ति असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं, यदि एक बार उन्होंने सही आदतों को नित्य-क्रम में डाल दिया।

"यह महिला बहुत मज़बूत है", बेघर व्यक्ति ने कहा। उसने अपने गन्दे हाथ मेले में एक बालक की भाँति बजाए। उसने अपनी घड़ी फिर से एक बार देखी। फिर उसने अपने पैर, अपने नितम्बों को आगे-पीछे हिलाते समय झुलाए। उसके हाथ अब हवा में लहरा रहे थे, और वह अपनी उँगलियों को चटका रहा था, फिर से आँखों को बन्द करके। वह ध्वनि ऐसी लगती थी जिसे पहले के रैपर्स बिना बूम बॉक्सेज़ के, अपने फटे होठों से निकालते थे। आप उसे सक्रिय देखकर चकित हो गए होते।

“यह क्या तमाशे कर रहे हो?” कलाकार ने चिल्लाकर कहा।

“नाच रहा हूँ”, बेघर व्यक्ति ने शान से घूमते हुए उत्तर दिया। “यह मनमोहक ज्ञान मेरे पास लाते रहो, सुकरात ने कहा था, “शिक्षा दीपक के जलने जैसा है।” और आइजॅक एसीमोव ने लिखा है, “आत्म-शिक्षा ही एकमात्र शिक्षा है जो, मुझे विश्वास है, शिक्षा है।” अत: प्राचीन गुरुओं के शब्दों को सुनते-सुनाते रहो। दोस्त! यह सब इतना गँठीला है।

कलाकार ने फिर से रिकॉर्डिंग चलाई।

इस विश्व से अपनी महारत के सभी चोरों का भारी विरोध करे जिसने आपको व्याकुल किया है, डिजिटल मनोभ्रंश करके पागल बनाया है। अपने ध्यान को पूर्ण अभिव्यक्ति के लिए बलपूर्वक पुनः सम्भावित सबसे अधिक पीड़ा पर लगा, और आज ही, उन सारे कारणों को समाप्त कर दें जो आपकी शक्ति की विकासहीनता का पोषण करते हैं। काल्पनिक व्यक्ति बनना आरम्भ करें, वे दुर्लभ लोग जो आप के भविष्य की शालीनता में से, बनाम पिछले जीवन की क़ैद की सलाखों में से आगे आए थे। हममें से प्रत्येक, आश्चर्यजनक चमत्कारों से भरे दिनों के लिए तरसता है। हममें से प्रत्येक, विशुद्ध नायकत्व को सबक बनाकर, आदिकालीन श्रेष्ठकृतियाँ उत्पन्न करना चाहते हैं। हर मानव, जो जीवित है, उनमें एक आदि वासना होती है कि वे सर्वश्रेष्ठ रचनाएँ बनाएँ ताकि वे विस्मय उत्पन्न करें, विस्मयबोध पैदा हो, और ज्ञात हो जाए कि हम अपने घंटे इस प्रकार से बिता रहे हैं जो दूसरों के जीवन को समृद्ध बनाता है। कवि थॉमस केम्पबेल ने सुन्दरता से कहा था, जब उन्होंने ध्यान दिया था, “हृदयों में जीने के लिए, हम मरना नहीं पीछे छोड़े जाते हैं।”

हममें से प्रत्येक, वास्तव में, अपने-अपने प्रामाणिक तरीके से इतिहास बनाने के लिए निर्मित हुआ है। किसी के लिए इसका तात्पर्य होगा एक श्रेष्ठ नियमावली बनाना या उत्तम शिक्षक बनना, जो युवा मनों को ऊपर उठा सके। अन्य के लिए इस अवसर का मतलब विस्मयकारी माँ बनना या अद्भुत व्यवस्थापक बनना हो सकता है। अभी किसी और के लिए, इस सौभाग्य का अर्थ होगा एक विस्तृत व्यापार को बढ़ाना या एक विलक्षण विक्रेता बनना, जो ग्राहकों को अति-उत्तम सेवा देता है। यह अवसर भविष्य की पीढ़ियों को याद रहे और एक ऐसा जीवन जिया जाय जो मायने रखता हो, कोई साधारण बात नहीं है। यह, वास्तव में, सच्चाई है। फिर भी, हममें से बहुत कम ने इसे खोजा और फिर स्थापित किया है, बिलकुल ऐसी मानसिकताएँ, सुबह के आचरण, और संगत स्थितियां इन परिणामों की, जो हमारे सदृश्य है, गारंटी देती है। हम सभी अपने विशाल प्रतिभाओं, असीम आनन्द, भय से मुक्ति के जन्मसिद्ध अधिकारों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहते हैं। मगर, हममें से कम लोग ही उस कार्य को करना चाहते हैं, जो हमारी आवेष्ठित बुद्धि को, स्वयं को प्रस्तुत करने देंगे। है न अद्भुत? और यह बहुत दुखद भी है। हममें से अधिकांश अपने सार की दीप्ति से मन-मुग्ध हो चुके हैं। हममें से अधिकांश, इस काल में भी, अपने जीवन के क़ीमती घंटे, व्यस्त रहकर बिताते हैं

> तुच्छ का पीछा करके, बनावटी मनोरंजनों में, जब कि हम वास्तविक जीवन को नजरअंदाज कर रहे हैं। यही अन्त में, हृदयाघात का मूल तंत्र बन जाता है। अपनी सर्वश्रेष्ठ सुबहों और प्रभविष्णुता उत्पादक दिनों को उन पहाड़ों को चढ़ने में बिताने का क्या फायदा, जो जब आप दुर्बल और झुर्रियों से भर चुके हों, तो ज्ञात हो कि गलत थे? बेहद दुःखद।

“यह हिस्सा सचमुच मेरे साथ प्रतिध्वनित हुआ”, बीच ही में, उद्यमी ने कुछ भावुकता से कहा। “मैं निश्चय ही अपनी शिल्प-कला की आदी हूँ। हर वस्तु को परखना नहीं भूलती। सुबह सब से पहले और रात को अन्त में। यह मेरी एकाग्रता को नष्ट कर रहा है। मैं बा-मुश्किल ध्यान दे पाती हूँ कि मैंने और मेरे दल ने कौन-कौन से वितरण प्रदान करने का दायित्व लिया है। और मेरे जीवन की सारी हलचलें मेरी शक्ति चूस रही हैं। यह सब बहुत उलझ गया है। मुझे नहीं लगता कि अब मेरे पास, मेरे स्वयं के लिए भी कोई समय है। यह सब बहुत ज़्यादा है। इतने सारे सन्देश, और सूचनाएँ तथा विज्ञापन और बहलावे। और जो निपुण वक्ता ने कहा था, वह भी मेरे लिए मददगार है क्योंकि अब नायक के रूप में मैंने अपना स्तर ऊपर उठा दिया है। “अब मैं मानें दीवार से टकरा गई हूँ। मेरी कंपनी ने, मेरी आशा से अधिक तरक्की की है। मैं कल्पना से अधिक सफल हो गई हूँ। मगर कुछ वस्तुएँ हैं जो मन भर का वज़न मेरे दिल पर रखे हुए हैं।” उसने परे देखा और अपनी बाँहें फिर से मोड़ लीं।

“मैं उन्हें नहीं बता सकती कि मैं किन बातों से निबट रही हूँ”, उद्यमी ने सोचा।

फिर उसने जारी रखा: “मुझे अनेक लोगों को छोड़ना पड़ा, जिन्हें मैं सचमुच चाहती थी, क्योंकि मैने सीख

लिया था कि कुछ व्यक्ति जो व्यवसाय की एक घड़ी में सटीक होते हैं, वे संस्था के बढ़ने पर सम्भव है काम में न आ सकें। वह बहुत मुश्किल था। वे पिछले समयों में आदर्श कर्मचारी थे, मगर वे अब के साथी नहीं हैं। और अब मेरी दुकान में बहुत-सी नई बातें उभरकर आ रही हैं, जिन्होंने मेरे जीवन को पुलटकर रख दिया। मैं उसके विस्तार में, सच में, नहीं जाना चाहती। मगर यह मेरे लिए अस्थिर समय है।"

"ठीक है, अपने नायकत्व के खेल को उठाने की बात", बेघर व्यक्ति ने प्रत्युत्तर दिया, "कृपया याद रखें कि नायक का काम होता है अविश्वासियों को अपने दृष्टिकोण में समेट लेना, अशक्तों को उनकी दुर्बलताओं पर विजय दिलाना और आशाहीनों की स्वयं में आशा जगाना। और अभी आपने क्या कहा था, अपने मन पसन्द कर्मचारियों को जाने देना, क्योंकि अब व्यापार उनके योग्य नहीं रह गया - मगर यह तो बढ़ते व्यापार का सामान्य हिस्सा है। और वह इसलिए हुआ है क्योंकि आपने वे व्यवसाय के बढ़ने के साथ-साथ बढ़ नहीं पाए। उन पर खर्च लगने लगा। उन्होंने सीखना और खोजना बन्द कर दिया। वे जिस भी किसी वस्तु को छूते, उसे जितना पाया था, उससे अधिक अच्छा बनाना बंद कर दिया। और परिणाम स्वरूप उन्होंने आपके साहसिक कार्य के लिए मूल्य बढ़ानेवाले परिणाम लाना बन्द कर दिया। उन्होंने शायद आपको दोष दिया, मगर यह उन्होंने खुद अपने साथ किया। अनिमंत्रित अजनबी ने, इंगित किया, आश्चर्यजनक रूप से परिष्कार द्वारा, अपने श्रोताओं को अपने कुतर्कों के द्वारा दल-संयोजन तथा व्यवसाय में जीत की ओर।

"ओह! सही है।"

उद्यमी ने उत्तर दिया। "अत: हमें उन्हें पीछे छोड़ना पड़ा, क्योंकि अब वे परिणाम नहीं ला पा रहे थे, जिनके लिए हमने उन्हें पैसे दिए थे। अनेकों रातों को मैं सुबह दो बजे उठी, गर्म पसीने से भीगी। जैसा FI के रेसर मारिओ एंड्रेट्टी ने कहा था : यदि सभी कुछ नियंत्रण में दिखे, तो समझ लें आप तेज़ गति से नहीं जा रहे हैं।" "ठीक ऐसा ही मैं अधिकांश दिनों में महसूस करती हूँ। हम अपने प्रमुख कार्यान्वयन निर्देशकों को इतनी तेजी से पार कर रहे हैं कि मेरा सिर चक्कर खाने लगता है। नए दल के सदस्य परामर्शदाता प्रबंधन के लिए नए ब्रांड, नये बाजार में घुसना, नई आपूर्ति को देखना, नए उत्पादकों को परिष्कृत करना, नए निवेशकों और शेयर होल्डरों को प्रभावित करना तथा अन्य हज़ारों नए कामों का उत्तरदायित्व। सच में ऐसा लगता है कि यह बहुत सारा है। मुझमें बड़ी योग्यता है, बड़े-बड़े कामों को करने की। मगर मेरे कन्धों पर बहुत-कुछ लदा है।"

उद्यमी ने अपनी बाहों को कसा और अपने माथे के अगले हिस्से को शून्यचित्त सिकोड़ा। उसके पतले होठ दोनों ओर से खिंचकर मानों समुद्री जीव की भाँति हो गए जिसने किसी घातक शिकारी को देख लिया हो। मगर उसकी आँखें बता रही थीं कि वह बहुत पीड़ा में है। गहरे दुख में।

और तुम्हारी उस बात के बारे में, कि हमें प्रौद्योगिकी की आदत पड़ गई है, सिर्फ इतना याद रखो कि यदि उसे समझदारी पूर्वक काम में लाया गया तो वह मानव-विकास लाती है। शिल्पकला को बुद्धिमत्ता पूर्वक व्यवहार में लाकर हमारे जीवन बेहतर हो जाते हैं, हमारा ज्ञान बढ़ता है और हमारी अद्‌भुत दुनिया सिकुड़ जाती है। प्रौद्योगिकी का विकृत ज्ञान ही है जो हमारे दिमागों को भ्रष्ट करता है, हमारे समाज के ताने-बाने को बिगाड़ कर उत्पादकता का नाश करता है। आपका फोन आपकी समृद्धि को नष्ट कर रहा है। क्या आप जानते हैं? अगर आप उससे दिन भर खेल रहे हैं। और आपने अपने ऊपर लदे दबाव की बात की, कितनी अद्‌भुत है वह! "दबाव तो विशेष अधिकार है", टेनिस के दिग्गज बिली जीन किंग ने कहा, "बेघर ने इसे सांझा किया और व्यक्ति के रूप में ऊपरी ओर का चढ़ाव, अपने शेष जीवन को बिताने का चतुर, सुव्यवस्थित तरीका है। हर चुनौती के साथ खूबसूरत अवसर भी आता है ताकि आप अपने अगले स्तर तक नायक, प्रतिपादक और मनुष्य की तरह पहुँच सकें। अड़चनें और कुछ भी नहीं हैं बजाय परीक्षणों के जो मापने आती हैं कि आप कितनी गम्भीरता से पुरस्कारों को पाना चाहते हैं, जो आपकी इच्छाएँ आपको दे रही हैं। वे निर्धारित करती हैं कि आप सुधार करने के लिए कितने इच्छुक है कि उस व्यक्ति में सँवर जाए तो इतनी सफलता समेट सकता है। पराजय भेड़िए की खाल में विकास है। और जीवन में निजी विकास अपने सामर्थ्य के विकास के अलावा, और कुछ भी उतना महत्त्वपूर्ण नहीं है। टॉलस्टाय ने लिखा, "हर कोई दुनिया को बदलना चाहता है, मगर कोई भी "स्वयं" को बदलना नहीं चाहता। बड़े आदमी बनो, और आप स्वयमेव एक अच्छे नायक, अच्छे उत्पादक बन जाएंगे। और हाँ, मैं भी सहमत हूँ कि विकास डरावना हो सकता है। मगर मेरे गुरु ने मुझे एक बार बताया था कि आपका वह अंग, जो भय से चिपका हुआ है, उसे हर हालत में सूली पर चढ़ने की पीड़ा भोगनी चाहिए ताकि आपके उस हिस्से का पुनर्जन्म हो सके। जो महान् आदर के योग्य है।" ये वे शब्द हैं जो उन्होंने मेरे साथ सचमुच सांझे किए थे। विचित्र और गहरे, है न?

आवारा ने कहा और अपने गले में पड़े पवित्र मनकों को स्पर्श किया।

वह बिना उत्तर की प्रतीक्षा किए, बोलता रहा।

"मेरे विशेष शिक्षक ने मुझे यह भी कहा था, कि अपने सर्वश्रेष्ठ "स्वयं" को खोजने के लिए, आपको अपने जीर्ण स्वयं को खोना पड़ेगा। "और वह तभी होगा जब कठोर, सुधार, निरन्तर प्रतिक्रियाएँ, स्वयं उत्खनन होंगी। यदि आप प्रतिदिन नहीं उभरेंगे, तो आप जीवन में अटककर रह जायेंगे - जीवनभर के लिए। इससे मुझे याद आ गया जो पत्रकार नॉर्मन कॅज़िन्स ने जो कहा था वह मुझे समझ आता है। जीवन की त्रासदी मृत्यु नहीं है, बल्कि वह है जिसे हम अपने भीतर मरने देते, जब हम जीते हैं।"

बेघर व्यक्ति ने अपनी घरघराती कर्कश आवाज़ को और ऊपर उठाया और देखा, "मेरी विशेष शिक्षिका ने मुझे सिखाया था कि एक बार हम अपने प्रमुख, मौलिक सम्बन्धों को, अपने साथ के रिश्तों के साथ बदल लेते हैं तो हमारे औरों से सम्बन्ध, हमारा कार्य, हमारी कमाई और हमारी टकराहट भी बदल जाते हैं। अनेकों व्यक्ति स्वयं को भी सहन नहीं कर पाते हैं, अत: वे कभी भी अकेले नहीं होते और शान्त। उन्हें निरन्तर औरों के साथ रहने की जरूरत है ताकि अपनी आत्म-घृणा की अनुभूति पर अन्य सभी, अपशिष्ट क्षमता, चमत्कार और ज्ञान का खोना जो एकांत और नीरव लाते है, से बचा जा सके। अथवा वे अन्तहीन टी.वी. देखते रहते हैं उन्हें भान भी नहीं होता कि वे अपनी कल्पनाशीलता का क्षय कर रहे हैं, साथ ही बैंक बैलेंस का दिवाला निकाल रहे हैं।"

"मेरा जीवन मुझे इतना उलझा हुआ लगता है, और मैं इतनी व्यग्र। मेरे पास स्वयं के लिए समय नहीं है", उद्यमी ने पुनः कहा। "पता नहीं, मेरे जीवन को क्या हो गया है। चीज़े सिर्फ कठिन हो गई हैं। जीवन की गति खो गई है।"

"मैं आपको समझता हूँ", कलाकार ने अपनी एक बाँह अपने नए मित्र के कन्धे पर रखते हुए कहा, "मेरा मन कह रहा है कि आप जितना बता रही हैं, उससे कहीं ज़्यादा में से गुज़र रही हैं। और वह ठीक भी है। कई बार जीवन इतना गन्दा, लगता है कि मैं बिस्तर में से नहीं निकल पाता। मैं सिर्फ लेटा रहता हूँ। मैं आँखें बन्द करके सोचता हूँ कि मेरे दिमाग़ की धुंध बस, सरक जाए। एक दिन के लिए भी कुछ अवसरों पर तो मैं सीधे, सोच भी नहीं सकता। और उन दिनों में मेरे दिल में कोई उम्मीद भी नहीं होती। बेकार लगता है। बहुत से मनुष्य भी बेकार चूसते हैं, भाई मेरे। मैं असामाजिक नहीं हूँ, मैं तुच्छता के खिलाफ हूँ। इन दिनों, बहुत अधिक गूँगे, दिखे जाते हैं। स्वयं के मूर्खतापूर्ण फैशनेबल चित्र, मुँह फुलाए, उन कपड़ों में लेते जिन्हें लेने की उनमें सामर्थ्य नहीं है। उन लोगों के साथ लटके हैं जो उन्हें पसन्द भी नहीं करते। मैं इसकी अपेक्षा एक समझदारीपूर्ण जीवन बिताना चाहूँगा। एक जोखमभरा जीवन। एक वास्तविक जीवन। एक कलाकार का जीवन। मैं तो सोचकर पागल हो जाता हूँ कि लोग कैसे इतना बनावटी जीवन जी लेते हैं।"

फिर कलाकार ने अपने एक हाथ की मुट्ठी को दूसरे हाथ की हथेली में मारा। हठीली अनचाही झुर्रियाँ उसके जबड़ों के पास उभर आईं और मोटे गले में एक नीली मोटी नस लपलपाने लगी।

"निश्चय ही, मैंने आपकी बात समझ ली", बेघर ने कहा। "जीवन सरल नहीं है। अधिकांश समय एक कठिन नारा। मगर जैसा जॉहन लेनन ने कहा था: 'हर बात अन्त में ठीक हो जाएगी। और अगर वह अच्छी नहीं हुई, तो वह अन्त नहीं है', " उसने नम्रता से एक और उद्धरण को फुहारे की तरह से छोड़ते हुए कहा, मानो दिमाग़ में उसकी असीमित आपूर्ति हो।

कलाकार तत्काल मुलायम पड़ गया, और ऐसे हँसा जो बहुत अच्छा लगा। फिर, उसने एक गहरी साँस बाहर निकालीं। उसने जो अभी-अभी सुना था, उसे अच्छा लगा।

"और", घुमक्कड़ ने आगे बोलना जारी रखा, "यह निजी और व्यवसायिक प्रभुता की उपर की ओर चढ़ाई जिसमें हम तीनों ने भाग लिया है, वह दुर्बलों के लिए नहीं है। जीवन को उच्च स्तर तक ले जाना ताकि आप वास्तविक आनन्द जान सकें और अपनी प्रवीणताओं को उच्चतम बनाकर उसे अपना सकें, सम्भव है अनेकों बार वह आरामदेय न लगे। मुझे इमानदार रहने की ज़रूरत है। मगर मैंने एक प्रमुख बात सीखी है : कड़वाहट की कीमत, पश्चाताप के सर्वनाश से बहुत कम होती है।"

"तुमने यह कहाँ सीखा?" कलाकार ने पूछा, अपनी डायरी में ये शब्द उतारते-उतारते।

"नहीं बता सकता अभी।" बेघर ने प्रत्युत्तर दिया, अपने रहस्य को अन्त तक पहुँचाते-पहुँचाते कि उसे अपनी

अधिकांश अन्तर्दृष्टि कहाँ से मिली।

उद्यमी कलाकार से विमुख हो गई और उसने अपने कुछ विचारों को अपने साधन में जमा कर लिया। तब बेघर व्यक्ति ने अपनी छेदोंवाली सूती शर्ट के छेदवाले पॉकिट में हाथ डालकर एक बहुत ज़्यादा काम में, लाया गया इंडेक्स कार्ड निकाला। उसने उसे इस प्रकार से पकड़ा जैसे किंडरगार्टन का विद्यार्थी उसे "देखो और बताओ" के समय पकड़ता है।

"एक सुविशेष व्यक्ति ने मुझे यह तब दिया था जब मैं काफी छोटा था, जब मैं अपनी पहली कम्पनी शुरू कर रहा था। उस समय मैं तुम छिछोरों जैसा ही था: सपनों से नहाया हुआ और दुनिया पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार। अपने को साबित करने की भूख। खेल पर छा जाने को उत्साहित। जीवन के आरम्भिक पचास वर्ष वैधता लेने में बीत जाते हैं। जानते हो हम सामाजिक स्वीकृतियाँ चाहते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे साथी हमें आदर दें। हम आशा करते हैं कि हमारे पड़ोसी हमें पसन्द करेंगे। हम उन सभी वस्तुओं को खरीद लेते हैं, जिनकी हमें वास्तव में आवश्यकता नहीं है। और आवेश, होता है कि हम पैसे कमाएँ जिनका हम आनन्द नहीं भोग पाते।"

"एकदम।" कलाकार ने धीमी आवाज़ में, अपने सिर को आवेश में हिलाते हुए कहा और अपनी मुद्रा को प्रमुख रूप से बदल दिया। अब उसके बाल उसके कन्धों पर फैलकर हिल रहे थे।

अब कार्यक्रम का स्थल रिक्त था।

यदि हममें भीतर देखने की शक्ति है, तो हमें ज्ञात होता है कि हम ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि हम में छिद्रों की पंक्तियाँ हैं। हम यों ही झूठा विश्वास कर लेते हैं कि बाहरी पदार्थ हमारे अन्दर के सूनेपन को भर देगा। और यह कभी नहीं होगा-नहीं होगा। खैर, मगर जब हम आधा मार्ग काट चुकते हैं तो जीवन के उस मोड़ से समकोण कोण मोड़ ले लेते हैं। हम अनुभव करने लगते हैं कि हम सदा के लिए जीनेवाले नहीं हैं और हमारे दिन गिनती के हैं। और तब, हम स्वयं को मृत्यु से जोड़ लेते हैं। यहाँ एक बड़ी बात है। हम महसूस करने लगते है कि हम मरने वाले हैं। फिर, जो वस्तु सचमुच महत्त्वपूर्ण है, है अधिक ध्यान केन्द्रित, हम अधिक विचारशील हो जाते हैं।

हम सोचना आरम्भ कर देते हैं कि क्या हम अपनी प्रतिभा के प्रति सच्चे, अपने मूल्यों के प्रति निष्ठावान हैं और उन शर्तों पर सफल हुए हैं जो हमें उचित लगीं। और वे लोग जो हमें बहुत प्यार करते हैं उस समय क्या कहेंगे जब हम विदा ले लेंगे। यह वही समय है जब हममें से अनेक विशाल स्थानान्तरण करते हैं: समाज में वैधता पाने से लेकर एक सार्थक, बपौती स्थापित करने तक। तब, पिछले पचास साल मेरे बारे में कम और हमारे बारे में अधिक हो जाते है। स्वार्थीपने के लिए कम और सेवाओं के लिए अधिक जाने जाएँगे।

हम अपने जीवन में अधिक वस्तुएँ जोड़ना बन्द कर देते हैं। और घटाना और उसे सरल बनाना आरम्भ कर देते हैं। हम साधारण सौन्दर्य का रस लेना , छोटे-छोटे चमत्कारों के लिए आभार अनुभव करना, मानसिक सुख-चैन को अनमोल मूल्य की सराहना करना, मानव संबंधों को बनाने में अधिक समय लगाना और समझने लगना कि जो सबसे अधिक देता है, वही विजयी होता है, सीखते हैं और फिर जो भी कुछ आपके जीवन का हिस्सा शेष है वह एक आदर्श समर्पण बन जाता है, स्वयं जीवन और दया साम्राज्य से प्यार करने के लिए। फिर, यही आपके अमरत्व का महामार्ग बन जायेगा।

उद्यमी ने धीमी आवाज़ में कहा, "वह वास्तव में विशेष हैं।" मैंने महीनों से इतना आशान्वित, उर्जित शिक्षित महसूस नहीं किया। कठिनाई के दिनों में मेरे पिता मुझे राह दिखाया करते थे। उसने कलाकार को बताया जब से उनका देहान्त हुआ है, मेरे पास कोई भी नहीं बचा, जिस पर मैं आश्रित हो सकूँ।"

"उन्हें क्या हुआ था?" कलाकार ने पूछा।

"मैं इस समय कुछ नाज़ुक स्थिति में हूँ, वैसे, मैं इस समय स्वयं को अधिक सशक्त पाती हूँ, बजाय उस समय के जब मैं यहाँ सुबह आई थी, यह तो निश्चित ही है। मगर मैं इतना ही कहूँगी कि उन्होंने अपनी जान ली। पिताजी एक अविस्मरणीय व्यक्ति थे, एक उल्लेखनीय रूप से सफल व्यापारी। वे हवाई जहाज उड़ाते थे, तेज़ कारें भगाते थे और उत्तम शराब के शौकीन थे। वह बहुत जीवन्त थे! फिर उनके उद्यमी साथी ने उनका सब-कुछ ले लिया, वह दृश्य आज के इस भयंकर दृश्य से विशेष अलग नहीं था, जिसे मैं आज जी रही हूँ। दबाव और सदमे में अपने संसार के पतन ने, उसने उनसे वह करवा दिया जिसे हम सोच भी नहीं सकते। उन्हें बाहर निकलने का कोई मार्ग नहीं

दिखा, शायद, उद्यमी ने बताया, अपनी टूटती आवाज़ में।

"आप मुझ पर टेक लगा सकते हैं", कलाकार ने मृदुतापूर्वक कहा। उसने अपना हाथ, जिसमें उसने हिप्पी अँगूठी पहनी हुई थी, दिल पर रखा जैसे ही उसने यह शब्द कहे उदार और रुढ़िमुक्त दोनों तरह का दिखते हुए।

बेघर व्यक्ति ने दोनों के द्वारा भोगे जा रहे अन्तरंग क्षणों में बाधा डाली।

"लो, इसे पढ़ो", उसने अपना "सूची कार्ड" देकर निर्देश दिया। "यह दोनों तरह से, जैसे आपके अपने अगले प्रदर्शन स्तर तक पहुँचने मे और मानव नेतृत्व में रोमांच के साथ अनेवाली हर चीज़ का अनुभव, निजी उत्कृष्टता और सुविशेष उत्पादकता की जीवन-वृत्ति के निर्माण में काम आएगा।"

"वक्त के साथ पीले पड़ गए पेपर पर लाल शब्दों में जो लिखा था, वह था: सभी बदलाव आरम्भ में कठिन होते हैं, बीच में अस्तव्यस्त और अन्त में शानदार तथा आलंकारिक।"

"यह तो बहुत ही अच्छा है", उद्यमी ने लिख लिया। "मेरे लिए यह एक काम की सूचना है। धन्यवाद!"

फिर, कलाकार ने निपुण वक्ता के प्रस्तुतीकरण की गैरकानूनी नकल को फिर से बजाना आरम्भ कर दिया:

> आप में से प्रत्येक, अपने भीतर हृदय में एक बुद्धिमान पुरुष और एक विजयी हीरो को लिये हुए है। यदि आप चाहें तो इन शब्दों को किसी बूढ़े प्रेरणादायक के आदर्श शब्द समझकर निकाल बाहर तथा खारिज कर सकते हैं। मगर मुझे अभिमान है कि मैं आदर्शवादी हूँ। इस दुनिया को हमारे जैसे और लोगों की आवश्यकता है। मगर फिर भी, मैं यथार्थवादी भी हूँ। और सच यह है: आज इस ग्रह के अधिकांश लोग दुर्भाग्यवश स्वयं के बारे में अधिक नहीं सोचते। वे अपनी पहचान सुरक्षित कर लेते हैं कि वे बाहरी रूप से क्या हैं। वे अपनी उपलब्धियों का मूल्यांकन, जो उन्होंने जमा किया है, बनाम जो स्वभाव उन्होंने बनाया है, में करते हैं। वे स्वयं की तुलना वाद्य-वृन्द-बनावटी दृश्यावलियों से करते हैं जो उन लोगों द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं जो उनके अग्रदूत हैं। वे स्वयं का स्व-मूल्य शुद्ध सम्पत्ति से तौलते हैं। और उनका अपहरण हो जाता है उनके भ्रान्तिजनक मूल्यांकन से जो किसी ने नहीं किया-किया ही नहीं जा सकता-भव्य और उत्तेजक संभावनाएँ, जिसके लिए उनका जीवन बना है, को खत्म कर के, इससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश अनिश्चय उदासी, व्याकुलता, जटिलता के दलदल में क्यों धँसते जा रहे हैं।

"नौटंकी माताएँ", बेघर ने पुनः विक्षेप किया। "मैं उन स्त्री-पुरुष को कहता हूँ जिन्हें पीड़ित होने की शिकायत करने का कीड़ा लग गया है। वे सिर्फ शिकायत करते हैं कि वस्तुएँ कितनी बुरी हो गईं हैं बजाए इसके की अपनी आदिम शक्ति से वस्तुओं को अच्छा बनाकर, अपने लायक बना लें। वे लेते हैं, बजाय देने के, आलोचना करते हैं बजाय रचना करने के, चिन्ता करते हैं बजाय काम करने के। रोग प्रतिकारक बनाएं हर प्रकार के साधारण से लड़ने के लिए अपने उद्यमी दिनों के निकट अपने ऑफिस में और निजी जीवन में, घर में कभी नौंटकी माता मत बनना।

उद्यमी और कलाकार ने एक दूसरे की ओर ताका। फिर वे हँसे, उन शब्दों पर जिन्हें विचित्र अजनबी प्रयोग कर रहा था और उस व्यवहार पर जिसमें उसने एक हाथ इस तरह उठाया था और दूसरे हाथ की उँगलियों से शान्तिचिह्न बनाया था- शब्दों को बोलते-बोलते, जिन्हें उसने अभी-अभी सांझा किया। अगर आप वहाँ, उनके साथ, खड़े रहे तो यही सोचेंगे कि वह भी विचित्र हैं।

तब, निपुण वक्ता को रिकार्डिंग में नाटकीय स्वभाव से नीचे लिखे शब्द बोलते हुए सुन सकते थे :

> स्पष्ट है, प्रतिदिन, शेष जीवन भर, आपको नायकत्व दिखाने का अवसर मिलेगा, फिर आप चाहे जहाँ भी रहें और चाहे जो कर रहे हों। नायकत्व सिर्फ वैश्विक प्रतीकों, और उद्यमी महानायकों के लिए नहीं है यह तो एक अखाड़ा, है जहाँ हर किसी को खेलने को मिलता है। क्योंकि नेतृत्व में औपचारिक पदवी, बड़ा-सा ऑफिस और बैंक बैलेंस का कहीं कम महत्व है, और जो भी कुछ आप कर रहे हैं, उन सभी पर स्वामित्व, और आपका का अधिक महत्व है। यह तो सर्व-सामान्य की तानाशाही का प्रतिरोध है। नकारात्मकता विस्मय के भाव पर डाका डालने देने से और हर प्रकार की परतंत्रता से रक्षा जो जीवन

को घुन की तरह खाती है। नेतृत्व का अर्थ एक अन्तर उत्पन्न है, वहीं जहाँ आप स्थापित हैं। वास्तविक नेतृत्व तो साहसिक कार्यों जो प्रतिभा का उदाहरण है, को विस्तारित करना है। जो अपने समस्त क्षेत्र को, इसके दायरे नवनिर्माण और कार्यान्वयन के द्वारा सिर के बल उठाता है और चौंका देनेवाले उदात के साथ समय-सीमा की कसौटी पर चढ़ जाता है।

और, सिर्फ कमाई के लिए कभी काम ना करें। प्रभाव डालने के लिए मेहनत करें। अपने प्रमुख अनुगमन को हृदयों को छू जाने वाला बनाएँ ताकि वह मूल्यों का बहाव बन सके और एक अद्वितीय चमत्कार बनकर सरगम की लहरियों तक पहुँच जाए। मनुष्यों के लिए कौन-सी अभिव्यक्ति सम्भव है, उसका निर्माण करें। अपनी तन्मयता के साथ अपने धीरज को जोड़कर विश्व-स्तरीय उत्पादन देवें। फिर भले ही आप जीवन-भर में एक ही उत्कृष्ट कलाकृति बना सकें। इस एकमात्र कार्य की निष्पत्ति अकेली ही, आपकी जीवनयात्रा को सफलता के मार्ग पर चला देगी।

कला प्रवीण व्यक्ति बनें। असाधारण और अपवादात्मक उच्च स्तर के प्रथम 5 प्रतिशत व्यक्तियों को प्रसिद्धि, धन, स्वीकृति की बहुत कम चिन्ता है। और अधिकांश अपने अपने शिल्प के साथ वजन वर्ग के ऊपर छिद्रण में निवेश किया ताकि उन्हें अपनी प्रतिभा के आसपास तथा इस तरह के उत्पादन को रचना करके जो प्रेरणा स्त्रोत बने, करोड़ो की सेवा करे अपनी पगार से अधिक का तनख्वाह का स्तर मिल सके। यही कारण है कि वे अक्सर करोड़ो बनाते हैं। अत: उसे कभी रोकना मत। सदा ऊपर उठाना।

अब बेघर ने अपनी आँखें बन्द कर लीं। अब वह जमीन पर लेटकर एक हाथ के पुशअप्स में जोर लगा रहा था। हर समय वह मंत्र बोल रहा था। “अपने सवेरे के स्वामी बनो। जीवन-स्तर उठाओ।”

व्यवसायिका तथा कलाकार ने अपने सिर समर्थन में हिलाए।

“मेरी प्रिय पुस्तकों में एक है प्रोफेट”, कलाकार ने ख्याल किया। “वह कविता में लिखी गयी आज तक की सर्वश्रेष्ठ रचना है। मैंने पढ़ा था कि खलील ज़िब्रान पुस्तक की पाण्डुलिपि को चार दीर्घ वर्षों तक लेकर घूमते रहे और उसे लगातार सँवारते रहे, तब प्रकाशक को दी। अतः अब वह विशुद्ध कला थी। मुझे अब भी वे शब्द ठीक से याद हैं, जब उसका साक्षात्कार एक पत्रकार ने उसकी रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में लिया था, क्योंकि वे निरन्तर मेरा मार्गदर्शन करते जाते हैं, जब मैं स्टूडियो में होता हूँ। उनके शब्द मुझ तक महान् ऊर्जा अधिक मात्रा में पहुँचाते रहते है। एक कलाकार के रूप में, जब कि मैं काफी, टालमटोल करता हूँ। जैसा कि मैंने कहा था, मैं यथेष्ट अच्छा हूँ। मगर मैं जानता हूँ कि मैं महान् बन सकता हूँ, यदि मैं अपने आत्म-ध्वंसन को जीत लूँ, और अपने दैत्यों को।”

“क्या कहा उसने?” बेघर ने खड़े होकर अपनी बड़ी घड़ी से छेड़खानी की, पसीने की बूंदे, उसके कोणीय चेहरे से धाराओं मे बह रही थीं।

“उसने ठीक-ठीक यही शब्द कहे थे”, कलाकार ने उद्धृत किया: “मैं सुनिश्चित् होना चाहता था, बिल्कुल ही निश्चित्, कि मेरा हर शब्द सर्वश्रेष्ठ था, जिसे मैं समर्पित कर सका।”

“हठी”, बेघर ने उत्तर दिया, “यही वह स्तर है जिसे सर्वश्रेष्ठ लोग अपने स्तर के रूप में सदा बनाए रखते हैं।”

अकस्मात् ही, निपुण वक्ता को ऑडिओ में खाँसते सुना गया। उसकी टिप्पणियाँ, जो बाद में बहीं, वे मानों संघर्ष करने से, अन्दर से आ रही थीं जैसे, माँ की सुरक्षित कोख से बाहर न आनेवाले बालक का प्रचण्ड, इन्कार अजन्मे बालक का व्यवहार।

मैं जो बतलाऊँगा उसे करके, कोई भी प्रतिदिन का नायक बन सकता है। वह कब सरल रहेगा और कब विशेष मुश्किल हो जाएगा आज से ही आरम्भ करते हुए यदि आप ऐसा करते हैं तो आपके भविष्य में एक सुनिश्चित् विजय शर्तिया है। अब मुझे उसमें इतना ही जोड़ना है कि ऐसा एक भी व्यक्ति दुनिया में जीवित नहीं है, जो अपनी सोच, कार्यशीलता, पौरुष, सम्पन्नता और आजन्म सुख, अपने प्रतिदिन के गम्भीर कार्यों

के साथ जोड़कर और फिर उनको तब तक व्यवहार में लाकर, जब तक कि वे आपका दूसरा स्वभाव नहीं बन जाते, की अद्‌भुत रीति से ऊपर नहीं उठा सकता और यह मुझे मेरी वार्ता के एक मात्र प्रमुख नियम के निकट ले जाता है : अपने कार्यों में जीतने का और अपने जीवन को, शानदार बनाने का सबसे बड़ा प्रारम्भिक चित्त है, जिसे मैं "5 बजे सुबह की सभा में सम्मिलित हो जाना" कहूँगा। आप विश्वस्तरीय कभी भी कैसे बन सकते हैं, यदि आप प्रतिदिन सुबह, कुछ समय, अपने लिए कुरेदकर नहीं निकाल पाते हैं!

उद्यमी अब, भयंकर उग्रता से, ऐसी, जैसी पहले कभी नहीं देखी थी, डायरी में लिख रही थी। कलाकार के चेहरे के भाव "यह मुझे सबलता अनुभव करा रहा है", उस पर मुस्करा रहे थे। बेघर व्यक्ति ने डकार ली, फिर जमीन पर बैठ गया फिर एक तख़्ते को पकड़ा, जैसा स्वास्थ्य के चहेते अनुभवी ऐसा करना पसन्द करते है ताकि मज़बूत हृदय बना सके ताकि गहराई तक सम्बन्ध बन सकें।

अब आप निपुण वक्ता को और भी प्रचण्डता से खाँसते सुन सकते थे। क्रूर निरन्तर विराम के बाद।

फिर, उसने इन शब्दों को रुक-रुककर कहा। वह श्रव्य ढंग से घरघराहट कर रहा था। उसकी आवाज़ नौसिखिया टेलीमार्किटर की पहली विक्री कॉल की तरह काँपने लगी की भाँति, जो अपनी पहली बिक्री विज्ञाप्ति के बारे में, मानो रिले कर रही हो।

सुबह 5 बजे सोकर उठना मानों यथार्थ में सभी दैनिक कार्यों की "माँ" है। सुबह 5 बजे की सभा में जुड़ना ऐसा व्यवहार है जो मानों हर मानवीय व्यवहार को जागृत करता है। यह पथ्यापथ्य नियम, सम्भावना को अपरिभाषित मॉडल में बदलने के लिए, अंतिम सूई घुमानेवाला है। जिस प्रकार से हम अपना दिन आरम्भ करते हैं, वही वास्तव में निश्चित् करता है कि आप किस सीमा तक केन्द्रित, ऊर्जा, उत्तेजना और प्रवीणता को उस तक खींच कर ला सकेंगे। प्रतिदिन की हर सुबह कहानी का एक पृष्ठ है जो आपकी बपौती बन जाता है। हर नया प्रभात, एक नया अवसर है अपनी चमक को फैलाने का, अपने सामर्थ्य को आज़ाद करने का और प्रतिष्ठित परिणामों वाले बड़े गुटो के साथ खेलने का। आप में स्वयं में इतनी ऊर्जा भरी है, और वह स्वयं को, सबसे ज़्यादा दिन की पहली किरणों के साथ प्रकट कर देती है। कृपया पिछले दुःख-कष्टों और आज की कुंठाओं को आपकी आज की महिमा को धूमिल न करने दें, अपनी अजेयता को जकड़े, असीमित अधिभोग का गला घोंटना जो आपके सर्वश्रेष्ठ अंग में बसे हैं। इस विश्व में, जो आपको नीचे दबाये रखना चाहता है, स्वयं को ऊपर की ओर उठाओ और बनाओ। आज के काल में, जब सभी यही आशा करते हैं कि आप अँधेरे में बने रहेंगे, अपने पग प्रकाश में रखें। ऐसे समय में, जो आपको सम्मोहित करके आपकी भेंटों को भुला देता है, अपनी बुद्धिमानी को पुनः पा लें। हमारा विश्व प्रत्येक से यही आशा करता है - कौशल के धुरंधर बनें, विकास के योद्धा बनें और असीम विकास तथा अपार प्यार के वाहक, समस्त मानव जाति के लिए बनें।

हर व्यक्ति के लिए आदर और सहानुभूति अनुभव और प्रदर्शित करें, जो इस छोटे-से ग्रह पर बसे हुए हैं, बिना उनकी जाति, रंग, वंश देखे। एक ऐसी सभ्यता में उनका उत्कर्ष करें जहाँ अनेकों को, दूसरों को चीर कर उत्साह बढ़ता है। औरों को सहयोग दें कि वे अपने भीतर सो रहे चमत्कारों का अनुभव करें जो उनमें हैं। वे गुण बताएँ जिन्हें हम अभ्यास के द्वारा बढ़ाना चाहते हैं। मैं जो भी कुछ कह रहा हूँ वह आपके अविकारी अंग को बता देगा, आपका वह हिस्सा जो भयानक तरीके से आपके द्वारा डरना, जमाखोरी करना, अनुबन्ध करके अविश्वास करना सीखने से पहले जिन्दा था।। जीवन के नायक होने के नाते, यह आपका काम है कि एक सृजनात्मक होने के नाते आप संस्कृति को बदलें और धरती के निवासी होने के नाते इस आयाम और परिमाण को, अपने भीतर खोजें। और, एक बार ऐसा होने के बाद, उसे अपने भीतर खोजें और अन्त तक उससे जुड़े रहें।

मानवता के प्रभुत्व के अवसर को स्वीकारें और मैं वचन देता हूँ तब, सफलता और चमत्कार, आपके शेष दिनों से घुल-मिलकर एक हो जाएगा। सम्भावनाओं का विशाल दृष्टिकोण आपको नियत समय पर मिलने आएगा। एक क्रमबद्ध-नियमबद्ध श्रृंखला आपके सबसे उचित स्वप्न में नीचे उतर आएगी और सर्वश्रेष्ठ को सच बना देगी। और आप उन, दुर्लभ आत्मा में से एक में विकसित होंगे। स्वयं हम लोगों के बीच चलते हुए पूरे विश्व का उन्नयान करेंगे।

अब, सभा-स्थल अन्धकारमय था। उद्यमी ने, मुंबई नगरी के समान विशाल साँस छोड़ी। कलाकार अविचल था। बेघर व्यक्ति ने रोना आरम्भ कर दिया।

फिर, वह एक कुर्सी पर खड़ा हो गया। उपदेशक की भाँति अपनी बाँहें फैलाईं और आयरिश नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शा के इन शब्दों को प्रतिध्वनित करने लगा :

> "यह जीवन का यथार्थ आनन्द है किसी कार्य के लिए काम में आना जिसे आपने स्वयं नियत किया है, जो महान् होते हैं; प्रकृति की एक शक्ति के रूप में, बजाय बीमारियों के एक समूह के रूप में, शिकायतों और उलाहने के रूप में कि यह दुनिया आपको सुखी बनाने के लिए प्रयत्न नहीं करेगी।
>
> मेरी यह राय है कि मेरा जीवन पूरे समुदाय को अर्पित है, और जब तक मैं जीवित रहूँ, मुझे विशेष अधिकार है, उसके लिए कुछ भी कर सकूँ, जो उचित हो।
>
> मैं चाहता हूँ कि जब मैं मरूँ मेरा शरीर पूरी तरह से काम में लाया गया हो। क्योंकि मैं जितना अधिक काम करता हूँ, उतना ही ज़्यादा ज़िन्दा रहता हूँ। मैं जीने के लिए ही उसमें आनन्द लेता हूँ। मेरे लिए जीवन "छोटी-सी मोमबत्ती" नहीं है। वह तो मानों एक अद्‌भुत टॉर्च है, जिसे मैंने इस समय पकड़ लिया है, और मैं चाहता हूँ कि वह उतनी तीव्रता से जले, जितनी जल सके, फिर मैं उसे आगामी पीढ़ी को दे जाऊँ"।

फिर, बेघर व्यक्ति अपने घुटनों के बल गिरा, अपने पवित्र मनकों को चूमा, और उसने रोना जारी रखा।

अध्याय 5

एक अपूर्व, विचित्र साहस कार्य प्रातःकाल के प्रभुत्व में

"हर किसी का भाग्य उसके अपने हाथों में होता है, एक स्थापत्य की भाँति, जो कच्ची सामग्री को एक स्वरूप में ढालेगा... सामग्री को ढाँचे में ढालकर मनचाहा स्व-रूप देने की कला, को सीखना चाहिए और फिर, ध्यानपूर्वक विकसित करना चाहिए।"

–जॉहान वाल्फगेंग वॉन गोएथे

"यदि आप दोनो रुचि रखते हैं", बेघर व्यक्ति ने कहा, "मुझे अपनी कुछ सुबहें तुम्हें समुद्र किनारे अपने अहाते में, सिखाकर खुशी होगी। मैं आपको अपना निजी, सुबह का कार्यक्रम, दिखाऊंगा और यह भी समझा दूँगा कि अपने प्रात:काल के प्रथम एक घंटे के लिए उच्चतम श्रेणी क्यों आवश्यक है ताकि निजी प्रवीणता तथा अतिविशिष्ट उद्यमी कार्य अवश्य हो सकें। मुझे यह आप अपने के लिए करने दो। आपका जीवन, अल्प समय में ही, शानदार दिखने लगेगा और मेरे साथ यात्रा मनभावन रहेगी। सदा इतनी सरल नहीं, जैसा हमने वृद्ध सज्जन के मुँह से स्टेज़ पर सुना था। मगर मूल्यवान, उर्वर तथा बहुफलदायक एवं सुन्दर। सम्भव है उतनी ही मनोमुग्धकारी हो जितनी सिस्टाइन चॅपल की सीलिंग।"

"पहली बार जब मैंने उसे देखा था, मैं रोया था, " कलाकार ने, अपने दाढ़ी के बालों पर हाथ फेरते हुए कहा।

"मायकल एंजोलो एक बुरा छैला था। और मैं यह अच्छी तरह कह रहा हूँ", बेघर ने प्रस्ताव रखा क्योंकि वह भी अपनी दाढ़ी से खेल रहा था, जो गंदी होकर बिगड़ चुकी थी। फिर उसने अपनी शर्ट को उठाकर यूनानी भगवान् के पेट की तोंद की मांसपेशियां दिखाईं। साँवले हाथ की लम्बी उँगली, आकृति पर ऐसे चली। जैसे, मई की बरसात के बाद, गुलाब की पंखुड़ियों पर से, बारिश की बूँद, आड़े-टेढ़े रास्ते से नीचे उतर जाती हैं।

"मुझे लकड़ी से मारो", कलाकार ने चिल्लाकर कहा, उसी उत्साह के साथ, मानों तोतों की दुकान में बिल्ली खुली घूम रही हो। "तुमने उसे कैसे पा लिया?"

"किसी प्लास्टिक के विज्ञापन की दुकान से तो हर्गिज नहीं। मैंने देर रात तक चलनेवाले टी.वी. शो से ही लिया है, मेरा विश्वास है। मेहनत करके मैं पूरा दुबला हुआ हूँ, मानों छेनी से काट-छाँटकर दुबला बनाया हो। अनेकों पुश-अप्स, पुल-अप्स, तख़्त पर व्यायाम, सिट-अप्स और गम्भीरता से पसीना बहानेवाले हृदय के व्यायाम, प्राय: मेरे विशेष समुद्र तट पर।"

बेघर व्यक्ति ने साफ दिख रहे, कीमती चमड़े के पर्स को बाहर निकाला, फिर उसमें से सावधानी से एक प्लास्टिक का टुकड़ा निकाला जिस पर कोई आकृति बनी थी। जो ऐसी दिखती थी। तो आप ठीक वही आकृति देखें जो उद्यमी तथा कलाकार ने उस क्षण में, एक साथ देखी थी।

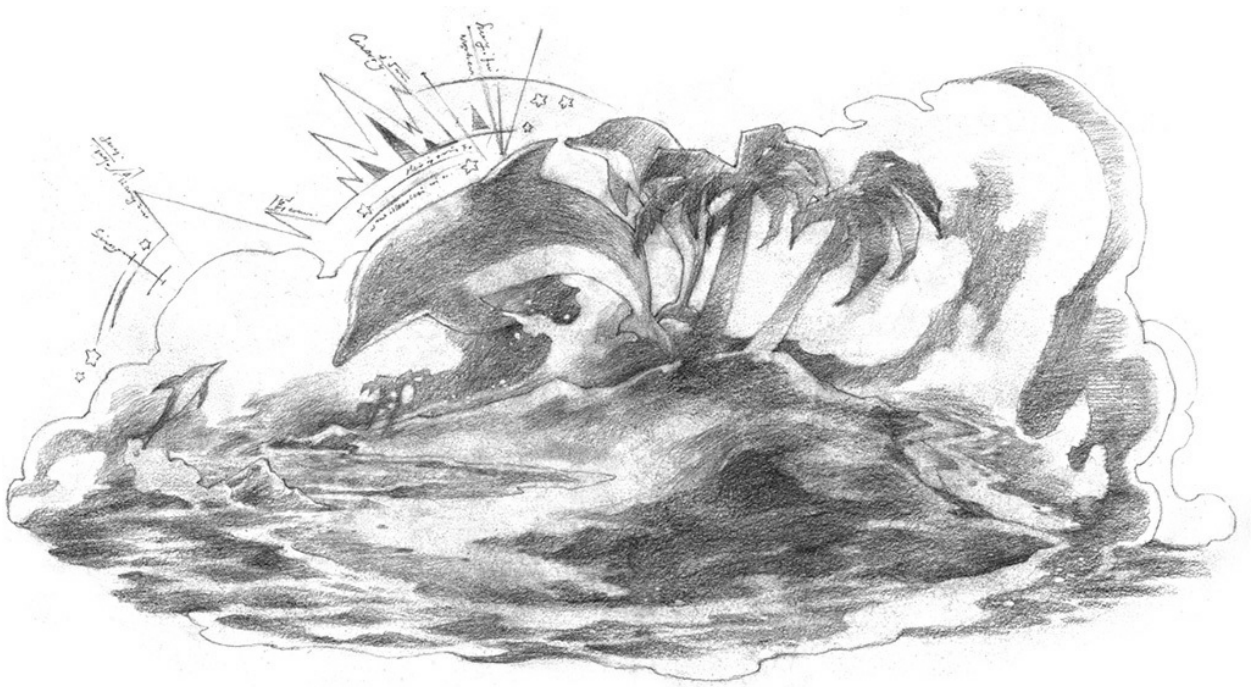

अपने दोनों श्रोताओं को किसी प्रकार की प्रतिक्रिया की अनुमति दिए बिना, अस्तव्यस्त घुमक्कड़ ने बोलना जारी रखा। “प्रतिबद्धता, अनुशासन, धैर्य और कार्य एवं मूल्यों में आजकल बहुत कम लोग विश्वास रखते हैं, जबकि अनेकों में स्वामित्व की भावना आ गई है, वे अपेक्षा रखते हैं कि एक सम्पन्न, उत्पादक तथा सन्तोषदायी जीवन किसी दिन उभरकर दिख जाए, मानों वसन्त के आरम्भ में गौरेया दिख जाती है और अपने आस पास हर किसी से आशा करते हैं कि वे, उन प्रयत्नों को करे, जिनकी जिम्मेदारी उन पर है। मगर, इस प्रकार से कार्यान्वयन में नायकत्व कहाँ है?

“मैं अपने समाज को आजकल कई बार ऐसे देखता हूँ जैसे एक प्रौढ़ों का समाज बिगड़े छोटे बच्चों की भाँति व्यवहार कर रहा है। परख नहीं रहा, सिर्फ कह रहा हूँ। शिकायत नहीं कर रहा, सिर्फ सूचना दे रहा हूँ। अरे छिछोरों, यहाँ वह बात है जो मैं कहना चाह रहा हूँ, मेरे बनाए, गढ़े हुए abs पर नज़र डालो : उन लोगों पर कुछ भी प्रभाव नहीं पड़ता, जो काम नहीं करते। कम बातें और अधिक काम, ऐसा मैं कहता हूँ। और हाँ, इसे आजमाकर देखो।”

आवारा गर्द पूरा घूमा और अपनी छेदों से भरी शर्ट के बटन खोल दिये। उसकी कसी हुई धारीदार पीठ पर एक टट्टू था जिसके शब्द थे, “शिकार को मनोरंजन अच्छा लगता है। विजेता शिक्षा से प्रेम करना है।”

“आओ, एक बार मेरे साथ रहो, मेरे स्थान में जो एक जादुई छोटे-से टापू पर, अद्भुत समुद्र में है जो केपटाउन के किनारे से ५ घंटे के रास्ते पर है।” उसने अपने हाथ का प्लास्टिक का कार्ड, उद्यमी को दिया जिस पर समुद्र किनारे का दृश्य उभरा हुआ बना था।

“ये मेरी डॉल्फिन्स हैं”, उसने प्रसन्नतापूर्वक, हाथ से बनाए चित्रों पर इशारा करते कहा।

“यात्रा इसके लायक होगी”, उसने आगे कहना जारी रखा। “जीवन का रोमांच, पक्का। आप लोगों के कुछ अत्यन्त मूल्यवान और सनसनी खेज क्षण यहाँ आकर प्रकट होंगे अनुभव रहेंगे वे। आपको मेरे साथ विश्वास से चलना चाहिए। अरे भाई, मैं तुम्हें सब-कुछ सिखा दूँगा। मैं एक विश्वस्तरीय प्रात:कालीन कार्यक्रम जानता हूँ। मैं आप दोनों को 5 AM क्लब का सदस्य बनने में मदद करूँगा। आप नियमपूर्वक, जल्दी उठना सीख जाएँगे। अत: आप दोपहर तक इतने सारे कार्य कर लेंगी, जितने लोग, सप्ताह भर में नहीं कर पाते। इससे आप अपना स्वास्थ्य, आनन्द तथा शान्ति, सभी को अधिकतम अनुकूल बनाएंगी। यही कारण है कि विश्व के अधिकांश महान उपलब्धि हासिल करने वाले सूरज से पहले उठ जाते हैं - “यह दिन का सबसे प्रमुख भाग है। मैं आपको बतलाऊँगा कि मैंने किन क्रान्तिकारी तरीकों का प्रयोग करके अपना साम्राज्य स्थापित किया। और, यदि स्पष्ट कहा जाए तो साम्राज्य

अनेकों रूपों में आते हैं - आर्थिक रूप उनमें से एक है।

“आप कलात्मकता, उत्पादकता, मानवता, लोकोपकार, निज स्वतंत्रता, यहाँ तक कि आध्यात्मिकता में भी साम्राज्य स्थापित कर सकते हैं। मैं अधिकांश विषयों को डाउनलोड करूँगा जो मुझे मेरे महागुरु ने सिखाया जिन्होंने मेरा जीवन बदल दिया। आप बहुत कुछ नया पाएंगे। आप गहनतम स्तरों तक पहुँच जाएँगे। आप संसार को एक नई नज़र से देखेंगे। आप सर्वश्रेष्ठ भोजन भी ग्रहण करेंगे और आश्चर्यजनक सूर्यास्त भी देखेंगे। आप लोग समन्दर में तैर सकेंगे, डॉल्फिन्स के साथ कास नली लगा कर, गोते लगा सकेंगे और मेरे स्वामित्व के हेलिकॉप्टर में गन्नों के डंडों के साथ हवा में नाच सकेंगे। और यदि आप दोनों मेरे हार्दिक आमंत्रण को स्वीकार करें और मुझसे मिलने आएँ, तो मैं जोर दूँगा कि आप लोग मेरे घर में, मेरे यहाँ ही ठहरें।”

“हे प्रभु! तुम तो मेरा मज़ाक उड़ा रहे हो, सच है न! कलाकार चीखकर बोला। अब यह अधिक स्पष्ट होता जा रहा था, अपने क्षेत्र के अनेकों लोगों के समान, वह भी अत्यधिक भावुक और असीम सतर्क था और उसमें अव्यक्त दर्द से पैदा संवेदनशीलता थी। वे, जो औरों से अधिक अनुभव करते हैं, अक्सर मान लेते हैं कि उन्हें किसी ने शाप दिया है। वास्तव में, उन्हें एक सौगात मिली होती है; जो उन्हे वह अनुभव करवाती है जिसे दूसरे लोग अनुभव नहीं कर पाते। अधिकांश लोग जिनकी अवहेलना कर देते हैं और सामान्य बातों में ऐश्वर्य नहीं देख पाते। हाँ, ऐसे लोग सरलता से ठेस का अनुभव करते हैं, मगर यही वे लोग हैं जो महान स्वर-समता, वास्तुकार द्वारा शानदार इमारतों की रचना करते है और बीमारों के लिए इलाज खोजते हैं। टॉलस्टॉय ने एक बार ध्यान दिया था कि “वे ही व्यक्ति जो गहराई से प्यार कर सकते हैं, वे ही तन्मयता से दुःख भी भोग सकते हैं”, जब कि सूफी कवि रूमी ने लिखा था, “आपको अपने हृदय को तोड़ते रहना पड़ेगा, तब जाकर वह खुलेगा।”कलाकार मानों इन अन्तर्दृष्टियों को साकार किये हुए था।

“नहीं। पूर्ण रूप से गम्भीर हूँ दोस्तों”, बेघर व्यक्ति ने उत्साहपूर्वक कहा। मेरा एक घर है जो “एकान्त” नामक गाँव से अधिक दूर नहीं है। “और मेरा विश्वास करो, उन्होंने इसका नामकरण बिल्कुल ठीक ही किया है। वह तो सिर्फ जब आप शोर और बाधाओं से दूर हट जाते हैं और शान्त और शान्ति में हैं, तो याद करते हैं, आपको क्या-और सब-वास्तव में होना चाहिए। जीवन को सिर्फ “हाँ” कह दो। और हम उसे करें! जैसा कि गुरु ने स्टेज़ पर से कहा था। आप सम्भावनाओं का जितना अधिक दोहन करेंगे आपके मार्ग में जादू उभरकर आएगा, लगेगा जैसे इहलोक है मगर यदि आप किसी खेल को खेलेंगे नहीं, तो उसे जीतेंगे कैसे? ठीक है न? वास्तविकता यह है कि जीवन को आपने पीठ दिखाई है। जबकि यह जैसी दिखती है वैसी है नहीं। मगर आप को अपने हिस्से का काम करना है। और अवसर की खिड़की दिखते ही उसमें पूरी तरह से समा जाना है। ओह! यदि आप हमारे घर, टापू पर, आएँगे, तो मैं आपसे एक ही वस्तु माँगूँगा कि आप मेरे साथ इतने लम्बे समय तक तो ठहरें ही, ताकि मैं आपको, मेरे गुरु की सिखाई हुई दार्शनिकता और क्रियाशीलता सिखा सकूँ। प्रात:कालीन 5 बजे की बैठक आरम्भ करने में कुछ समय लगता है।”

बेघर व्यक्ति, आगे बोलने से पहले कुछ रुका, “मैं आपका सारा खर्च उठानेवाला हूँ। उसमें सभी-कुछ आ जाता है। मैं अपने निजी जेट को भी आप लोगों को लेने के लिए भेजूँगा, यदि आप अन्यथा न समझें तो।”

उद्यमी तथा कलाकार ने एक-दूसरे खुशी से चकित होकर और बिलकुल अनिश्चितता से देखा।।

“बुरा नहीं मानो भाई तो क्या मैं और मेरी मित्र कुछ क्षणों के लिए एकान्त पा सकते हैं?” कलाकार ने प्रार्थना की। डायरी अब भी उसके हाथ में थी।

“कोई बात नहीं जितना भी समय चाहिए, ले लो। मैं अभी अपनी सीट पर वापिस जाऊंगा और अपनी कार्यान्वयन टीम को कुछ फोन करने हैं, बेघर ने जाते-जाते हमें याद दिलाते हुए कहा।

“यह सब बकवास है। पूरी तरह से गधापन”, कलाकार ने उद्यमी से कहा। “मैं पूरी तरह से आपसे सहमत हूँ कि उसमें कुछ तो खासियत है। सम्भव है कुछ जादूगरी हो। मैं जानता हूँ कि यह कैसा पागलपन सा लगता है। और मैं निश्चय से उस महागुरु की ओर आकर्षित हुआ हूँजिसका उल्लेख वह बार बार करता है, और वह शिक्षक जो आधुनिक काल का “मास्टर” जैसा प्रतीत होता है। मैं स्वीकार करूँगा कि इस “राहगामी व्यक्ति” में कुछ गहरी अन्तर्दृष्टि अवश्य है, और उसमें, निश्चय से बहुत अधिक अनुभव भरा हुआ है। मगर, भला उसकी ओर देखो तो सही! भाईयों, वह व्यक्ति मुझे तो पूरी तरह से धरती पर पड़ा और गया, दिखता है - पूरी तरह से अस्तव्यस्त! मैं नहीं समझता कि उसने हफ्तों से स्नान भी किया होगा। उसके कपड़े तारतार हो रहे हैं। वह अजीब से भी परे है।

और कई बार वह पागलों जैसी बातें करता है। हमें तनिक-सा भी अन्दाज़ नहीं है कि वह कौन है। यह ख़तरनाक हो सकता है। वह हानिकर हो सकता है।"

"हाँ, सच में अति भयावह।" सब-कुछ जो आज यहाँ हुआ है, वह सुविशेष रूप से विचित्र है, "उसके साथी ने पुष्टि की। उद्यमी का पतला चेहरा उस समय मृदु हो उठा था। उसकी आँखें अब भी उदास लग रही थीं। "मैं अपने जीवन के उस स्थान पर खड़ी हूँ, जहाँ मुझे कुछ बड़े परिवर्तन करने की ज़रूरत है", उसने गुप्त रूप से बताया। मैं इस तरह से, अब और, समय नहीं बिता सकती हूँ। आप जो कह रहे हैं, उसे मैं सुन रही हूँ। मैं हर एक और सब कुछ सभी के प्रति सन्देहशील रही हूँ, अपने पिता की मृत्यु के बाद से जब मैं ग्यारह वर्ष की थी। एक बेटी, बिना बाप के बड़ी होनेवाली अविश्वासनीय रूप से डरी हुई होती है। सच तो यह है कि मैं अब भी अपने साथ भावुकतापूर्ण उथल-पुथल लेकर घूमती हूँ। मैं उनके बारे में प्रतिदिन सोचती हूँ। मेरे कुछ गलत, गहरे, सम्बन्ध बन गए थे। मैंने अपने निम्न स्तर आत्म मूल्य के साथ बहुत संघर्ष किया है। और कुछ भयानक चुनाव, सम्बन्धों में किए।

"करीब साल भर पहले, मैं एक चिकित्सक से मिली, जिसने मुझे सचेत किया कि मैं इस प्रकार से क्यों व्यवहार कर रही हूँ", उद्यमी ने कहना जारी रखा। "मनोवैज्ञानिक इसे "पिताविहीन पुत्री लक्षण-ज्ञान" कहते हैं। अन्दर भीतर तक, मुझमें त्याग दिए जाने का डर और उस घाव के साथ मजबूत असुरक्षा का भाव उभर आया था। इसी ने मुझे बाहर से, अतिरिक्त रूप से ठोस बना दिया है। कई अर्थों में निर्दयी। मेरे कन्धे पर पिता की विलगता के निशान ने मुझे मेरा अभियान और महत्वाकांक्षा दी। मेरी उत्प्रेरणा दी और मेरी कल्पनाओं को जगाया। मगर, फिर भी, उस कमी ने मुझे अन्दर से रिक्त कर दिया। मैं सीख रही हूँ उस शून्य को भरने का प्रयत्न कर रही हूँ, जिसे वह अपने चले जाने के बाद छोड़ गये हैं, काम में खपा कर स्वयं को थका देती हूँ, इस विश्वास के साथ कि जब मैं अधिक सफल हो जाऊँगी, मुझे वह प्यार मिल जाएगा जिसे मैं गँवा चुकी हूँ। मैं अधिक धन के पीछे भाग कर अपने भावुकता के छेदों को भरने का प्रयत्न करती हूँ, मानों किसी नशे के आदी को नशे की लत लगी रहती है। मैं सामाजिक स्थिति के लिए भूखी हूँ, मरी जाती हूँ ताकि मुझे उद्यमी की पदवी मिले, मनोरंजन के तत्कालिक आनंद के लिए ऑन लाइन भागती फिरती हूँ जब मैं उन चीजों को कर सकती हूँ जो मायने रखती हैं। जैसा कि मैंने कहा, मैं अनुभव कर रही हूँ कि मेरा अधिकांश व्यवहार मेरे अपने महिला के रूप में आरम्भिक चुनौतियों के भय से निर्मित है। मैं बहुत प्रेरित हुई जब निपुण वक्ता ने कहा कि कभी भी कोई भी काम पैसों के लिए मत करो, मगर नायक के रूप में विश्व-स्तर पर पहुँचने के लिए और ऐसा आदमी बनने के लिए जो नाम को सार्थक बनाता है, बढ़ने की प्रेरणा को जगाता है ताकि हम विश्व को बदलने के लिए निशाना बना सकें। उनके शब्दों ने मुझे बहु आशान्वित किया। मैं, जिस तरीके के बारे मे उसने कहा है, उस तरीके से जीना चाहती हूँ, मगर मैं उसके आस पास भी नहीं हूँ और हाल ही में मेरी कम्पनी में जो कुछ हुआ है मुझे उसने किनारे पर कर दिया है। इस समय मेरा जीवन अच्छा नहीं चल रहा है। मैं इस मीटिंग में सिर्फ इसलिए आई थी क्योंकि मेरी माँ ने मुझे यहाँ आने के लिए मुफ्त टिकिट दी थी और मैं बदलाव के लिए उतालवी थी।"

उद्यमी ने एक लम्बी साँस ली। "क्षमा करें", उसने माफी माँगी, कुछ परेशान होते हुए। "मैं आपसे बहुत कम परिचित हूँ, अत: नहीं जानती कि मैं आपको यह सब क्यों बता रही हूँ। अनुमान है, मैं आपके साथ सुरक्षित महसूस करती हूँ। मुझे यकीन नहीं क्यों। मुझे क्षमा करें यदि मैं ज्यादा कुछ बता रही हूँ।

"कोई समस्या नहीं है", कलाकार बोला। उसकी शारीरिक भाषा बता रही थी कि वह व्यस्त है। अब उसने उत्सुकता के साथ अपने बकरे जैसी दाढ़ी और बालों के गुच्छे पर, हाथ फेरा।

"हम लोग इतने ईमानदार होते हैं जब हम टैक्सी ड्राइवरों तथा अन्य के साथ गपशप करते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते हैं, है न?" उद्यमी ने आगे कहा। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहती हूँ कि मैं बदलाव के लिए तैयार हूँ। और मेरा साहस कह रहा है कि यह गिरा-पड़ा-बाहर धकेला गया आदमी जो हमें सिखलाना चाहता है कि एक सर्वश्रेष्ठ प्रातःकालीन नित्यचर्या कैसे एक सर्जनात्मक, उत्पादात्मक, आर्थिक तथा सुख के साम्राज्य बना सकती है, वास्तव में मेरी मदद कर सकती है और हमारी मदद कर सकती है।"

"और", उसने आगे जोड़ा, "उसकी घड़ी याद करो?"

"मुझे वह पसन्द आया", कलाकार बोला। "वह सचमुच नमूना है। मुझे अच्छा लगता है कि वह स्वयं को कभी-कभी काव्यात्मक रूप से, और कभी उत्साह तथा भावावेश में औरों के समक्ष प्रकट करता है। वह इतने

सुस्पष्ट रूप से सोचता है और जॉर्ज बर्नार्ड शॉ को उद्धृत करता है मानो उसकी जान उसी में अटकी हो। सच में उदासीन। मगर मैं अब भी उस पर विश्वास नहीं करता हूँ।" कलाकार ने खुली हथेली पर मुट्ठी फिर से मारते हुए कहा, "सम्भव है, उसने किसी धनवान मूर्ख से वह घड़ी हथिया ली हो।"

"देखो, मैं, जानती हूँ कि आपको कैसा लग रहा है", उद्यमी ने उत्तर में कहा। "मुझे भी काफी हद तक यही लग रहा है। और आप और मैं भी अभी-अभी तो मिले हैं। मझे पक्का नहीं पता कि आपके साथ इस ट्रिप पर जाना कैसा रहेगा। आशा है, मेरा ऐसा कहना आपको बुरा नहीं लगेगा। आप सच में एक अच्छे आदमी दिखते हैं। कुछ दरदरे किनारे शायद मुझे लगता है। मैं समझी हूँ कि वे कहाँ से आते हैं। मगर आप अन्दर तक, गहराई में भी, अच्छे हो। मैं जानती हूँ।"

कलाकार को कुछ-कुछ अच्छा लगा। उसने बेघर व्यक्ति को देखा , जो एक प्लास्टिक बैग से निकालकर एवोकाडो खा रहा था।

"मुझे देखना पड़ेगा कि क्या मैं अपने कार्यक्रम की ऑफिस से दूर रहकर व्यवस्था कर सकती हैं, ताकि हम अपना समय उसके साथ बिता सकें", उद्यमी ने बेघर व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए कहा। जब वह अपने नाश्ते को चबा रहा था, तो अपने वह मोबाइल के अवशेष के साथ, किसी से बातें भी कर रहा था और छत को घूर रहा था। "मुझे किसी गाँव के पास, जिसका नाम "एकान्त" है जो किसी छोटे-से टापू पर बसा है, विस्मयकारी भोजन और जंगली डॉल्फिन्स के साथ तैरने का विचार पसन्द आने लगा है। मुझे अनुभव होने लगा है कि यह एक अपूर्व और चमत्कारिक साहस-कार्य रहेगा। मैं फिर से, अधिक जीवन्त अनुभव करने लगी हूँ।"

"ठीक है, यदि आप इसे इस प्रकार से कहते हैं, तो मुझे भी उसकी ध्वनि अच्छी लगने लगी है।" कलाकार ने कहा, "मै सोचना शुरू कर रहा हूँ। इस सब के लिए पागलपन अच्छा है। यह तो एक विशेष अवसर है, नए, वास्तविक विश्व में प्रवेश पाने का। सम्भव है, यह मेरी कला के लिए सचमुच सर्वश्रेष्ठ वस्तु हो। यह मुझे सोचने को कह रहा है जो लेखक चार्ल्स बकोवस्की ने कहा था : "कुछ व्यक्ति कभी भी पागल नहीं होते। कितना भी भयानक, वास्तविक जीवन उन्हें जीना पड़े।" और निपुण वक्ता ने हमें सचमुच अपनी नित्य की सीमाओं को तोड़ने के लिए प्रेरित किया, ताकि हम अपनी सौगातों, प्रतिभाओं और शक्तियों में विकसित हो सकें कोई अन्तः प्रेरणा भी हमें कुछ कह रही थी कि इसे करो। अत: यदि आप जायेंगे तो हम भी जाएँगे।"

"ठीक है, क्या आप जानते हैं? मैं कदम उठाऊंगा। यह तय है। मैं भी पूरी तरह से साथ हूँ! आओ चले" उद्यमी ने घोषित किया।

"सब स्वीकार हैं", कलाकार ने सहमति दी।

वे दोनों खड़े हो गये और बेघर व्यक्ति की ओर गए, जो अब अपनी आँखें मूँदकर बैठा हुआ था।

"अब आप क्या कर रहे हैं?" कलाकार ने पूछा।

"मैं जो बनना चाहता हूँ, और उच्च स्तर का जीवन, जिसका मैं निर्माण करना चाहता हूँ की गहन कल्पना एक तुर्किस्तानी योद्धा पायलट ने मुझसे एक बार कहा था कि प्रत्येक उड़ान के पहले हमारे उड़ने से पहले वह उड़कर देखता है कि हम कहाँ उड़ेंगे। वह सुझाव देरहा था कि सावधानीपूर्वक पूर्वाभ्यास से वह और उसके दल के सदस्य चाहते थे कि उनकी कल्पना के रंगमंच पर सामने आके उन्हें यथार्थ में निपुणता को इस दृष्टि को क्रियान्वित करने के लिए स्थापित करे। आपकी मानसिकता आपकी निजी महानता, विलक्षण उत्पादकता और रचनात्मक जीत के लिए एक अत्यन्त सशक्त औजार है और साथ हृदय स्वास्थ्य और आत्मा की स्थिति के साथ का। मैं आपको इन सभी उल्लेखनीय धारणाओं के बारे में सिखाऊँगा, यदि आप मेरा आमंत्रण स्वीकार कर लें। वापस कि मैंने अपनी आँखें क्यों बन्द कर ली थीं। लगभग प्रतिदिन सुबह, करीब-करीब रोज़, मैं अपने आदर्श प्रदर्शन की कल्पना, आगामी दिन के लिए करता हूँ। मैं अपनी भावनाओं में भी गहराई तक उतर जाता हूँ, ताकि मैं जान जाऊँ कि उनको करते समय कैसा लगनेवाला है, जब मैं नियोजित विजयों को पा लूँगा। मैं स्वयं को एक पूर्णतया सुरक्षित परिस्थिति में समेट लेता हूँ, जहाँ किसी भी प्रकार की असफलता, हर प्रकार की सम्भावना के क्षेत्र से बाहर की वस्तु है। फिर मैं बाहर निकल पड़ता हूँ और अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य करता हूँ ताकि उस सर्वांग पूर्ण दिन को भोग सकूँ।"

"रोचक!" उद्यमी मुग्ध हो गई।

यह तो SOP मानक संचालन प्रक्रियाओं में से सिर्फएक है, जिन्हें मैं प्रतिदिन करता हूँ ताकि मैं शिखर पर बना रहूँ। सही विज्ञान इस बात की पुष्टि करता है कि यह आदत मेरे सो रहे वंशानुओ को जगा कर, जिनोम सुधारने में सहायता करता है। आपका DNA आपका भाग्य नहीं है, आप जानते हैं। चिन्ता की कोई बात नहीं है! आप लोग उस पश्चजात-उत्पत्तिमूलक-क्षेत्र के भेदन को भी जान जाएँगी, जब आप हमारे टापू पर आती है तो बंटे हुए ध्यान की उम्र में सफलता को गुणा करने के खूबसूरत तंत्रिका-विज्ञान भी आप सीख लोगे। फिर सामूहिक विनाश - के हथियारों से आप की विचित्रता का नाश नहीं होता। मैंने सृजनात्मक परियोजनाओं के बारे में जो भी कुछ जाना है, वह सभी इतनी प्रवीणता से किया गया है कि वह पीढ़ियों से चला रहा है। आप शानदार तरीके से मानसिक शक्ति कवच प्लेट तथा शारीरिक शक्ति, अनिरोधक के बारे मे सुनोगे। आपको यह भी ज्ञात होगा कि विश्व के व्यापारी कैसे अपने प्रमुख व्यवसाय-केन्द्र स्थापित करते हैं और अंशशोधन प्रणाली सीखते हैं। अंशशोधन प्रणाली जिसे प्रतिदिन प्रात:काल, इस ग्रह के आनन्दित मनुष्य जादू को छूती हुई जीवन रचना के लिए प्रयोग मे लाते हैं। ओह! यदि आप लोग आश्चर्य कर रहे थे तो SOP मालक संचालन प्रक्रिया स्टेंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर है। यह एक विशेष शब्द है जिसे मेरे विशेष सलाहकार व्यवहार में लाए जब वे प्रतिदिन के निर्माणकार्य के बारे में बात करते थे जो जीवन खेल जीतने के लिए ज़रूरी था। मेरा ख़याल है, तुम दोनों आ रहे हो न?"

"हाँ, हम आ रहे हैं", उद्यमी ने उत्साहित स्वर में कहा। "आपके प्रस्ताव के लिए आभार।"

"हाँ, धन्यवाद, भाई मेरे", कलाकार ने उसमें जोड़ा। अब वह अधिक शांतचित्त हो गया था।

"कृपया", उद्यमी ने ईमानदारी से कहा, "हमें आप सब-कुछ सिखा दें, कि कैसे प्रात:काल के कार्यक्रम के द्वारा उच्च प्रभाव का नेता और अतिविशिष्ट सफल उद्यमी बनना है। मैं अपनी क्रियाशीलता और दैनिक उत्पादकता दुस्साहसपूर्ण बढ़ाना चाहती हूं। मुझे अपने जीवन के नव-निर्माण में भी आपकी मदद की आवश्यकता पड़ेगी। सच कहूँ तो मैं आज विशेष रूप से प्रेरित अनुभव कर रही हूँ। जितना पहले कभी नहीं अनुभव किया था, मगर मैं सर्वश्रेष्ठ स्थान में अब भी नहीं हूँ।"

"हाँ, भाई", कलाकार बोला। हमें अपने गरिमाशाली प्रात:कालीन कार्यक्रमों को बताएँ ताकि मैं सर्वश्रेष्ठ कलाकार बन सकूँ - और हाँ भाई - मैं बन सकता हूँ। "उसने बोलते-बोलते अपनी डायरी को हवा में हिलाया।" अपना प्लेन हमारे लिए भिजवा दें। अपने गाँव हमें ले चलें। हमें कुछ नारियल देवें। हमें आपकी डॉल्फिन्स की सवारी करने दें। हमें अपना जीवन सुधारने दें। हम सब इसमें स्वीकार है।

"आप कुछ भी प्रेरणादायक नहीं खोज पाएंगे।" दुबली-पतली आत्मा ने बहुत ही गम्भीरता के साथ कहा, जो बात उसने पहले कभी नहीं बताई थी। यह सब निश्चय बदलाव के बारे में है। और यह सब प्रभावशाली सूचनाओं आधुनिकतम खोजों और बहुत ही व्यावहारिक दाँव-पेंचों जिनका व्यवसाय की सँकरी-गँठीली गलियों में युद्ध परीक्षण हो चुका है। पर आधारित होगा तुम छिछोरों अपने जीवन के महानतम साहस के लिए तैयार रहो।"

"श्रेष्ठ!" उद्यमी ने घोषणा की और उसने मौसमों की मार सहे अजनबी के हाथों की ओर, मिलाने को हाथ बढ़ाए। "मुझे मानने की जरूरत है कि समूचा दृश्य, हम दोनों के लिए बहुत ही विलक्षण था। मगर, चाहे जिस कारण से हो, अब हम आप पर विश्वास करते हैं। और, हाँ, हम पूरी तरह से इस नए अनुभव के लिए तैयार हैं।"

"हमारे लिए यह करने के लिए आपकी कृपा है। धन्यवाद!" कलाकार ने तपाक से कहा। वह उनकी उदारता की सीमा को देखकर कुछ-कुछ विस्मित हो गया।

"विस्मयकारी प्रचण्ड निर्णय, मित्रों।" हार्दिक उत्तर आया। "कृपया कल सुबह इस सभा-सेंटर के बाहर रहना। साथ में, कम-से-कम कुछ दिनों के लिए कपड़े लाना। बस, इतना ही। जैसा मैंने कहा था कि अन्य सभी चीज़ों को जुटाने की जिम्मेदारी मेरी है। सारे खर्च भी मेरे रहेंगे। मैं आपका आभारी हूँ।"

"आप हमें धन्यवाद क्यों दे रहे हैं?" उद्यमी ने विस्मय प्रकट किया।

बेघर व्यक्ति मृदुता से मुस्कुराया और अपनी दाढ़ी को गम्भीरता से खुजाया। "मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अपने अन्तिम धर्मोपदेश में, जो उन्होंने छलघाती हमले से पहले दिया था, में कहा था, "हर कोई महान् हो सकता है, क्योंकि हर कोई सेवा कर सकता है। सेवा करने के लिए हमें कॉलेज डिग्री की आवश्यकता नहीं होती। और न हमें विषयों का चुनाव करना पड़ता है।"

"हमें विषय और क्रिया का ताल-मेल भी नहीं बैठाना पड़ता। सेवा करने के लिए आपको प्लेटो तथा अरस्तू

के बारे में ज्ञान होना जरूरी नहीं है। आपको सेवा करने के लिए आइंस्टाइन की थ्योरी ऑफ रिलेटिबिटी की जरूरत भी नहीं है। सेवा करने के लिए हमें न भौतिक विज्ञान का ज्ञान चाहिए और न उष्मा गतिकी का दूसरा नियम समझ में आना चाहिए। बस आपका दिल अनुग्रह से भरा होना चाहिए। प्यार से उत्पन्न आत्मा।"

घुमक्कड़ ने एवाकाडो का कौर गुटकते हुए अपना मुँह पोंछा और फिर अपनी चल रही बात पूरी की।

"मैंने पिछले अनेकों वर्षों में एक बड़ी सीख ली है कि जब आप दूसरों को कुछ देते हैं तो मानो स्वयं को कुछ देते होते हैं। दूसरों को और आनन्द दो और आपको और अधिक खुशियाँ मिलेंगी। अपने साथी मनुष्य के स्तर को बढ़ाओ और स्वाभाविक रूप से आपका अस्तित्व उभर आएगा। सफलता मस्त है, मगर प्रभावशाली दीप्ति होती है। उदारता, न कि दुर्लभता सभी स्त्री-पुरुषों का लक्षण रहा है जिन्होंने इस विश्व को ऊपर उठाया है, और हमें नायक चाहिए, विशुद्ध नायक, न कि आत्म-मोही जिसे स्वयं के लाभों से मतलब हैं, जैसा पहले कभी नहीं हुआ।"

बेघर व्यक्ति ने नीचे अपनी बड़ी घड़ी की ओर अन्तिम बार देखा। "आप अपनी पदवी साथ नहीं ले जा सकते, न धन-धान्य, सम्पत्ति तथा आकर्षक खिलौने, साथ ले जा सकते जब आप मरेंगे, आप जानते हैं? मैंने अब तक, किसी अर्थी के पीछे, कोई ट्रक जाते नहीं देखा, जो साथ-साथ जा रहा हो।" उसने मुँह बनाया, दोनों श्रोता मुस्कुराए।

"यह तो वास्तव में खज़ाना है", उद्यमी ने फुसफुसाकर कहा।

"सचमुच, अवश्य है", कलाकार ने स्वीकार किया।

"बार-बार अवश्य कहना बन्द करो", उद्यमी ने कहा। "बेचैन करता है।"

कलाकार कुछ विस्मित हुआ। "ठीक है।"

"इस पृथ्वी पर आपका अन्तिम दिन यही मायने रखता है कि आपने क्षमता का लाभ उठाया, वीरता का प्रदर्शन किया और मानव जीवनों को सुन्दर बनाया, बेघर व्यक्ति ने इसे वाक्पटुता के साथ कहा। फिर वह चुप हो गया। फिर, एक दीर्घ श्वास खींची। अब जो भी हो। अविश्वसनीय है कि आप आ रहे हो। हम शांत घूमेंगे।"

"क्या मैं अपने रँगने वाले ब्रशों को ला सकता हूँ?" कलाकार ने नम्रता से पूछा।

"सिर्फ तभी, अगर तुम स्वर्ग में रंग भरना चाहते हो।" बेघर ने आँख मारते हुए उत्तर दिया।

"और कल सुबह, इस स्थान के बाहर, हम आपसे कितने बजे मिलें?" उद्यमी ने अपना हैंडबॅग उभरी हड्डियोंवाले पतले कन्धों पर रखते हुए पूछा।

"सुबह 5 बजे", बेघर ने सूचना दी। "अपने प्रभात के स्वामी बनो, अपना जीवन-स्तर उठाओ।"

फिर, वह गायब हो गया।

अध्याय 6

उत्पादकता, दक्षता और अपराजिता में वृद्धि के लिए एक उड़ान

> आपका समय सीमित है, अत: अन्य फँसो किसी का जीवन जीकर उसे व्यर्थ न गँवाओ। अंधविश्वासों में मत फँसो....जो अन्य लोगों के विचारों के परिणामों के साथ जीना है। अन्य लोगों के विचारों के शोर में अपनी अन्तर्मुखी आवाज़ खोने न दो और सबसे मुख्य बात है अपने दिल तथा अन्तःप्रेरणा की आवाज़ का अनुकरण करने की हिम्मत रखो। वे किसी तरह पहले से ही जानते हैं कि आप सच में क्या बनना चाहते हैं। –स्टीव जॉब्स

"मैं कितना थक गई हूँ", उद्यमी ने , छुट्टी के दिन की, प्राचीन कछुए ऊर्जा के साथ कॉफी के बड़े से कप को पकड़े हुए धीरे से कहा, "सम्भव है, यह यात्रा, जितना हमने सोचा, उससे कहीं अधिक कठिन निकले। मुझे लगने तो लगा था कि मैं एक निराली नई दुनिया में चली जा रही हूँ। जैसा कि मैंने कल कहा था, सेमिनार के बाद। मैं बदलने के लिए अवश्य तैयार हूँ। नए आरम्भ के लिए तैयार मगर मुझे इस सब से बेचैनी भी महसूस हो रही है। मैं इस सबके लिए बेचैन भी हूँ। मैं पिछली रात को अधिक नहीं सो पाई। इतने भयानक, और कई बार विध्वंसक सपने। और हाँ, यह अनुभव जिसके लिए हमने सहमति दी है, सम्भव है ख़तरनाक हो।"

"ठीक है, मैं भी मरे-जैसा अनुभव कर रहा हूँ, कलाकार ने कहा। मुझे इतनी जल्दी उठने से चिढ़ है। यह एक भीषण विचार था।"

ये दोनों बहादुर आत्माएँ हॉल के बाहर के फुटपाथ पर खड़ी थीं जहाँ निपुण वक्ता ने अपने चमत्कारपूर्ण साहसिक कार्य किए थे-अपने गिरते ही, अनेकों के दिल तोड़े थे-एक दिन पहले।

सुबह के 4: 49 बजे थे।

"वह नहीं आएगा", कलाकार ने फटे गले से, चिल्लाकर कहा। वह काले कपड़ों में था, साथ में बाँयीं बाँह पर माणिक के लाल रंग का पोलका डॉटेड रुमाल बँधा था। जूते कल वाले ही थे, ऑस्ट्रेलिया के बने। उसने एकान्त मार्ग पर मुँह भरकर थूक थूका। उसने तिरछी नज़रों से आसमान को देखा। और फिर उसने अपनी टट्टूवाली बाँह को मोड़ लिया।

उद्यमी के कन्धे पर एक नायलोन का मोटा बैग था और वह एक सिल्क ब्लाउज़ बोहिमियाई बाँहोंवाला पहने थी, साथ में नीली जीन्स और हाइ हील्स के जूते इस प्रकार के जैसे ड्यूटीमुक्त सुपर मॉडेल्स, द्वीप सूर्यास्त जैसा चश्मा पहनती हैं। उसके होठ भिंचे हुए थे और चेहरे की रेखाएँ काट-पीट कर दिलचस्प चौराहे बना रही थीं।

"मैं शर्त लगा सकती हूँ कि बेघर दिखाने का ढोंग नहीं करता है।" उसने तिरस्कार करते हुए, कहा। मैं उसकी घड़ी की चिन्ता नहीं करती। इस से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह इतना मुखर हो सकता था। मेरे लिए इन बातों का कोई अर्थ नहीं है, क्योंकि उसने मुझे अपने पिता की याद दिला दी है। हे प्रभु! मैं तो थक गई। वह सेमिनार में रहे होंगे क्योंकि उन्हें कुछ घंटों के लिए विश्राम-स्थल चाहिए था। सम्भव है उन्हें शायद सम्पूर्ण 5 AM क्लब की रूटीन भी मालूम होगी क्योंकि उन्होंने सुनी और झपट ली, वही तो है निपुण वक्ता की प्रस्तुति का राज़। और जिस निजी जेट प्लेन के बारे में उन्होंने बात की थी, वह उनके प्रिय मतिभ्रम का अंग हो सकता है।"

उद्यमी अब अपनी परिचित सन्देहपूर्ण बातों से घिरकर, सुरक्षा के अपने किले में वापिस लौट गई थी। परसों के दिन की आशावादिता पूरी तरह से पिघल चुकी थी।

इतने में सशक्त हैडलाइट के हॅलोजन की जोड़ों की शक्तिशाली रोशनी ने अँधेरे की दीवार को भेद दिया।

दोनों साथियों ने एक-दूसरे की ओर देखा। उद्यमी अपने चेहरे पर, प्रयत्न के बाद, मुस्कान लाई। "ठीक है। शायद, वृत्ति अधिक चतुर है बजाय कारण के", उसने स्वयं से बुदबुदाकर कहा।

एक चमकदार रोल्स राइस, कोयले के रंग की, रास्ते के किनारे पर आकर खड़ी हो गई। तेज़ दक्षता से, एक व्यक्ति, सफेद कुरकुराते कपड़ों के यूनिफॉर्म में, सेडान से बाहर कूदा और दोनों का, पुराने स्कूल की सभ्यता से अभिनन्दन किया।

"आपको सुबह का नमस्कार मैडम, और आपको भी, श्रीमान जी, " उसने अंग्रेजों के लहजे में बात की और एक शानदार झपट्टे से उनेक थैलों को गाड़ी में, रख दिया।

"वह आवारा व्यक्ति कहाँ है?" कलाकार ने इस तरीके से पूछा मानो देहाती ने कभी जंगल को छोड़ा ही न हो।

ड्राइवर को बरबस हँसी आ गई। जल्दी ही वह वापिस गम्भीर हो गया।

"मुझे खेद है, श्रीमान जी। हाँ, श्रीमान रैली जी कुछ बेपरवाह सी पोशाक पहनते हैं। हमें यही कहना पड़ेगा। ऐसा वह तब करते हैं जब उन्हें "चरित्र बल" की जरूरत होती है। जैसा वह अभ्यास को वर्गीकृत करते हैं। वे अधिकांश समय, उल्लेखनीय अनन्य जीवन जीते हैं। और कुछ भी जो चाहे पाने का आदी है। हर वस्तु पाना चाहता है अगर स्पष्टता से कहें तो। अतः, वे कभी-कभी, अपनी शालीनता और नम्रता बताने के लिए, उसे वश में रखते हैं। पर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए भी कुछ चीज करते हैं। यह उनके विचित्र आकर्षण का हिस्सा है, जिसे मैं जोड़ना चाहूँगा। मि. रैली ने इसे आपको देने को कहा है।"

ड्राइवर ने दो लिफाफे बाहर खींचे जो श्रेष्ठतम कागज़ के बने हुए थे। उन्हें खोलने पर उद्यमी तथा कलाकार ने इन शब्दों को देखा :

> "हाँ चुलबुलों! आशा है आप बहुत बढ़िया हैं। चाहता तो नहीं था कि तुम दोनों से कल भूत-जैसा व्यवहार करना-मगर मुझे अपने जूतों को जमीन से चिपकाए रखना था।" मेरे एक पसंदीदा दार्शनिक एपिक्टेटस ने लिखा था: "मगर, न तो साँड और न सुहृदय भावना का व्यक्ति सहसा प्रकट कर पाता कि वह क्या है; उसे सर्दियों का कठोर परीक्षण अवश्य लेना चाहिए और खुद को तैयार करना चाहिए और खुद को उसमें नहीं झोंक देना चाहिए जो उसके लिए उचित न हो।"
>
> जानबूझकर, स्वयं को कष्ट में डालना वैसे कपड़े पहनकर, जैसे मैंने पहने थे, या सप्ताह में एक बार उपवास करके, और / या महीने में एक बार जमीन पर सोना मुझे मेरे जीवन के इर्दगिर्द बनाई केन्द्रीय प्राथमिकताओं के लिए सबल, अनुशासित और केन्द्रित रखता है। और अब, जबरदस्त उड़ान लो, और मैं तुम्हें स्वर्ग में जल्दी ही मिलूँगा।। जोरदार आलिंगन।

ड्राइवर ने आगे कहना जारी रखा, "कृपया याद रखें, दिखावे भ्रामक हो सकते हैं। और न पहनावा किसी का चरित्र बता सकता है। कल आप एक महान् व्यक्ति से मिली थीं। स्वरूप व्यक्ति के गुण नहीं बता सकता।"

"मेरा ख़याल है, दाढ़ी बनाने से भी कुछ पता नहीं चलता, " कलाकार ने उद्घोषणा की, अपने काले जूते से, रॉल्स रॉयस के चमकदार-संकेताक्षर- को, एक पहिए के बीच में मारा। "मि. रैली आपसे कभी भी नहीं कहेंगे, जो मैं अब आपसे कहनेवाला हूँ, क्योंकि वे हद से ज़्यादा विनम्र और शालीन हैं। मगर जिस सज्जन को आपने लापरवाह वस्तु कहा, वह विश्व के एक सबसे धनवान व्यक्ति हैं।"

"क्या आप गम्भीर हैं?" उद्यमी ने अपनी आँखें आश्चर्य से फैलाते हुए पूछा।

"मैं पूरी तरह से गम्भीर हूँ।" ड्राइवर ने नम्रता से दरवाज़ा खोलते हुए, सफेद दस्तानेवाले हाथ को हिलाते हुए, दोनों यात्रियों का वाहन में स्वागत किया।

सीटों में से आश्चर्यजनक नई कस्तूरी की खुशबू आ रही थी। लकड़ी का चौखटा हाथ द्वारा बनाया गया प्रतीत हुआ जिसे छोटे से परिवार के छोटे शिल्पकारों ने बनाया था जिन्होंने अपने इकलौते जूनून में नाम कमाया था।

"मि. रिले ने अपनी किस्मत सम्पति अनेकों वर्ष पहले बनाई थी, विभिन्न वाणिज्यिक उद्यमों मे। वह उस कम्पनी के आरम्भिक निवेशक थे जो आज एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कम्पनी है। गोपनीयता के कारण मैं आपको उसका नाम नहीं बता सकता हूँ, और यदि, मि. रिले को पता चल जाएगा कि मैं आपके साथ आर्थिक मामलों पर बात कर रहा था, तो वह बहुत अधिक असन्तुष्ट हो जाएँगे। उनके निर्देश सिर्फ आपके साथ अत्यन्त

सावधानी से व्यवहार करने के थे ताकि उनकी ईमानदारी और विश्वसनीयता का यकीन दिलाना और आपको 21 नंबर के हैंगर तक पहुँचाना था।"

"हेंगर 21?" कलाकार ने बेदिली से भव्य वाहन में आराम से बैठते हुए पूछा जैसे रॉकस्टार या हिपहॉप कलाकार की आदत होती है सप्ताहान्त में, उछलकर बैठ जाने की। हाँ, यह वही स्थान है जहाँ मि. रिले के जेट हवाई जहाजों का बेड़ा रखा रहता है, " ड्राइवर ने संक्षेप में समझाया।

"बेड़ा?" उद्यमी ने प्रश्न किया, की खूबसूरत भूरी आँखें उत्सुकतापूर्ण दृष्टि से सजीव हो गईं थीं।

"हाँ", ड्राइवर ने सिर्फ इतना ही कहा।

"जब ड्राइवर ने प्रात:काल की सड़कों के बीच से गाड़ी को भगाया तो चारों ओर सन्नाटा था। कलाकार ने खिड़की से बाहर दृष्टि डाली और दूसरे हाथ से, अनायास ही पानी की बोतल को लुढ़का दिया। उसने बहुत सालों से सुबह के सूर्य को उगते नहीं देखा था। बहुत ही खास सचमुच मनभावन", उसने स्वीकार किया। "दिन के इस समय में, सभी कुछ इतना शान्तिपूर्ण है। कोई शोर नहीं, इतनी शान्ति सब ओर। यद्दपि मैं इस समय थकान महसूस कर रही हूँ, मगर मैं, सचमुच सोच सकती हूँ, वस्तुएँ स्पष्ट लगती है।। मेरा ध्यान अस्तव्यस्त नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि शेष सारी दुनिया सो रही है। कितनी शान्ति है।"

कहरुबे रंग की, स्पष्ट सूरज की किरनों की फौज ने, दिन निकलने की पारलौकिक शान्ति फैला दी और उसे विस्मय से भर दिया।

उद्यमी ने ड्रायवर को परखने के हिसाब से देखा। "अब, मुझे अपने मालिक के बारे में कुछ और बताओ", उसने, और बेचैनी से अपने साधन के साथ खेलते हुए बोल के निवेदन किया।

"मैं अब, और अधिक, नहीं बता सकता हूँ। उनकी हैसियत बिलियन्स से अनेकों गुना ज़्यादा की है। उन्होंने अपना अधिकांश धन दान में दे दिया है। मि. रिले मेरे जानने वालों में से अत्यधिक आकर्षक, उदार तथा दयालु व्यक्ति हैं। उनकी इच्छाशक्ति बहुत सबल है और लोहे के कड़े मूल्य जैसे - ईमानदारी, सहानुभूति, अखण्डता और विश्वसनीयता। और वह बेशक, वास्तव में एक आदर्श, अनोखे, विलक्षण तथा एकमात्र नमूने हैं, यदि मैं ऐसा कहने की हिम्मत कर सकूँ। जैसे, अनेकों अनेक, बहुत-बहुत-बहुत धनवान व्यक्ति होते हैं।"

"हमने इस पर ध्यान दिया है", उद्यमी ने सहमति बताई। वैसे मैं इसमें रुचि रखती हूँ। मगर, क्या है जो आपसे यह कहलवाता है कि वह विचित्र हैं?"

"आप देख लेंगे, " मुँहफट जवाब था।

रॉल्स शीघ्र ही एक निजी एयरपोर्ट पर पहुँची। मि.रिले का कोई चिह्न नहीं था। ड्राइवर गाड़ी भगाकर हाथीदाँत रंग के जेट तक ले गया। जिसे बड़ी विशुद्धता से रखा गया लगता था। ज्ञात होता था कि जेट की देख-भाल बहुत ही अच्छी तरह से होती है। उसका रंग सिर्फ उसकी पूँछ से ही दिखता सुनहरी संतरी रंग से तीन अक्षर उभरे थे "5 AC"।

"5AC" का क्या अर्थ होता है?

उद्यमी ने अपने "साधन" को अपनी पकड़ में जोर से दबोचते हुए पूछा।

"5 AM Club"। अपनी सुबह पर अधिकार करें, अपने जीवन स्तर को उच्चतर ले जाएँ।" मि. रेली के अनेकों कहावतों में से यह भी एक है। इसी के अन्तर्गत उन्होंने अनेकों व्यापारिक रुचियों को जारी रखा है। और अब, मुझे खेद है कि मुझे आप से विदा लेनी होगी। "अलविदा, " उसने सामान को चमकदार हवाई जहाज तक ले जाने से पहले कहा।

धातु की सीढ़ियों के निकट, जो हमें केबिन तक ले जाती थीं, दो खूबसूरत केबिन के सदस्य, आपस में बातें कर रहे थे। एक रुचिकर तरीके से सजी ब्लांड उड़ान-सेविका ने उद्यमी तथा कलाकार को गर्म तौलिए दिये और फिर उन्हें चाँदी की ट्रे में से कॉफी दी। "अच्छा", वह बोली और रूस में उनका स्वागत किया।

"आपसे मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है", ड्राइवर ने जेट तक आते हुए, कार में बैठने से पहले कहा। "जब, आप मि. रिले से मिले तो मेरा अभिवादन अवश्य कहें। और मॉरिशस में आनन्द मनाएँ।"

“मॉरिशस?” साथियों ने चीखकर कहा। मानों चुडैल, सचमुच, लहसुन की गाँठ से जाग गई हो।

“यह सब अविश्वसनीय हो रहा है”, कलाकार ने केबिन चढ़ते-चढ़ते कहा। “मॉरिशस!” मैं सदा से उस टापू पर जाना चाहता था, और मैंने उस बारे में कुछ पढ़ भी रखा है। वह उच्च आवागमन का स्थल है। फ्रांस की खुशबुओं से भरा हुआ। अत्यधिक सुन्दर। और जैसा उसके बारे में वे कहते हैं - “पृथ्वी की सतह पर रहनेवाले अनेकों चैतन्य और सुखी व्यक्ति वहाँ रहते हैं।”

“मुझे भी झटका लगा हैं” उद्यमी ने कहा कॉफी की चुस्कियाँ ली और कॉकपिट में झाँककर पायलटों को देखा जो उड़ने से पहले की सभी कार्यवाहियाँ कर रहे थे। “मैंने सुन रखा है कि मॉरीशस अद्‌भुत है और वहाँ के लोग अतिविशिष्ट रूप से मित्रवत् हैं, सहायता करते हैं तथा आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ें हुए हैं।”

सुव्यवस्थित उठान के बाद, प्रथम कक्षा के विमान ने बादलों में उड़ान भरी। एक बार सामान्य चाल पकड़ लेने के बाद, उच्च स्तर की, सुविशेष श्रेणी की शेम्पेन दी गई, सुझाव कॅवियर देने का था और फिर, अद्‌भुत मेन कोर्सेज़ की पंक्तियों का सुझाव दिया गया। उद्यमी यथेष्ट अच्छा अनुभव कर रही थीं और कम उत्तेजित थीं, इस बात से कि उनकी आरम्भ की गई कम्पनी को उनके पूँजी नियोजक उनसे छीन लेना चाहते हैं।

सच है, यह शायद आदर्श समय न हो, एक अवकाश लेने का ताकि 5 AM क्लब की दार्शनिकता को और उसकी आड़ में छिपी कार्य-पद्धति को समझा जा सके जिसने मि. रिले के अग्रगामी चढ़ाव को व्यवसाय का शिखर-पुरुष और वैश्विक मानव-प्रेमी, बना दिया, जैसे, रॉकेट के तेल हों। और/शायद यही वह उचित समय था जब उसे अपनी स्वाभाविक सच्चाई से दूर हट के पता लगाना चाहिए ताकि अत्यधिक सफलता, प्रभावशीलता और आनन्दित व्यक्ति, इस ग्रह पर अपना दिन कैसे आरम्भ करते हैं, यह पता चले।

शॅम्पेन की कुछ चुस्कियाँ लेने के बाद, उद्यमी ने एक मूवी देखी। पश्चात् वह एक गहरी नींद में सो गईं। कलाकार के पास एक पुस्तक थी मायकेलेंजेलो फियोरेंटिनो एट राफेल दड अर्बिनो : मास्टर्स ऑफ आर्ट इन द वेटिकन। वह उसे घंटों पढ़ते रहे। आप कल्पना कर सकते हैं कि उन्होंने कितना सुखी अनुभव किया।

जेट ने अनेकों विशाल महाद्वीपों के ऊपर से, प्रक्षेप-पथों पर से अपना गमन-पथ बनाया। उड़ान को बहुत निपुणता से चलाया जा रहा था और उतार भी उतनी ही तरल थी जितना कि उसका सर्व-सामान्य अनुभव।

“बिएनवेन्यू ऑ इले मॉरीस”, कॅप्टन ने सामान्य जन-सूचना प्रणाली पर, हवाई जहाज की ताज़ी बिछाई रनवे फर्श पर उतरते समय उद्घोषणा की। “मेर्सी ब्यूकॉप” मॉरीशस में तथा सर सिवूसागर रामगुलाम अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आपका स्वागत है।”, उसने अपने शब्दों को अति विश्वास के साथ बोलते हुए कहा जिसने अपना अधिकांश जीवन आकाश में ही बिताया हो। “आप दोनों सुविशेष अतिथियों को अपने साथ देखना गर्व की बात है। अगले कुछ दिनों में हम आप को बार-बार देखेंगे जैसा कि मि. रिले के निजी सहायक ने हमें आपके यात्रा-क्रम के बारे में बतलाया है। एक बार पुन: हमारे साथ उड़ने के लिए धन्यवाद, और हमें विश्वास है कि आपकी यात्रा लालित्यपूर्ण, रमणीय एवं सुरक्षित थी।”

एक काली, पॉलिश की हुई एसयूवी पक्की सड़क पर चमकी जब उड़ान-सहायक ने अपने विशेष यात्रियों को सहायता देकर उतारा और गुंजायमान वाहन में बिठाया।

“आपका सामान शीघ्र ही, आपके पीछे-पीछे आ जाएगा। चिन्ता न करें, वह आपको आपके गेस्ट रूम में, मि. रिले के समुद्र किनारे के एस्टेट “स्पासिबा” में मिल जाएगा। उसने शालीन स्वर में आगे कहा जिसमें हार्दिकता की लहरें उठ रही थीं।”

“यह सब A सूची के अनुसार है।”, उद्यमी ने ध्यान दिया जब वह स्वयं की कुछ सेल्फी उतार रही थीं, अप्रत्याशित रूप से फैशन की तरह मुँह बना के सामान्य, विशेष गुणहीन, चिढ़कर, जैसे फॅशनेबुल करती हैं।

“निश्चय से, कलाकार ने उत्तर दिया, उसकी फोटो उतारते हुए, अपनी जीभ निकालते हुए, जैसा आल्बर्ट आइंस्टाइन ने किया था, अपनी उस सुप्रसिद्ध फोटो में जिसने उनकी वैज्ञानिक होने वाली गम्भीरता को धोखा दिया और बचपन के न घटते आश्चर्य को प्रकट किया।”

जब रेंज रोवर भी हाइवे के किनारे-किनारे से जाने लगी तो गन्ने के लम्बे-लम्बे डंडे हिन्दमहासागर द्वारा उड़ाई गई खुशबूदार हवा में झूलने लगे। शान्त ड्राईवर ने सफेद टोपी पहन रखी थी, जैसी पँचतारा होटलों के

घोषक पहने रहते हैं और कड़क इस्त्री की हुई गहरे रंग की ग्रे यूनिफार्म थी, जिसने संतुलित पर परिष्कृत व्यावयाकिता का संकेत दिया। गति सीमा उतरने पर वह गाड़ी धीमी करने से नहीं चूका और जब कभी मोड़ काटना होता तो वह सुनिश्चित कर लेता कि सिग्नल लाईट जल रही है। वैसे तो यह प्रकट ही था कि व्यक्ति अधिक उम्र का है, मगर वह रास्ते पर गाड़ी को, सीखे हुए युवा व्यक्ति की कुशलता से चला रहा था, पूर्ण सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए समर्पित। यात्रा भर में, उसका ध्यान फुटपाथ पर आगे की ओर केन्द्रित रहा, मानो अपने यात्रियों को सुगम्य प्रवीणता से सुरक्षित गन्तव्य तक पहुँचाने को अभिमंत्रित हों।

वे कुछ छोटे-छोटे गाँवों के समूहों में से गुजरे जो अनुभव कालातीत था। सड़कों पर बोगनविला की पंक्तियाँ सड़क के राजा का सा आचरण करते, मध्यान्ह पर खड़े, निरंकुश कुत्ते, चूजों के साथ घातक खेल और SUV के सामने बच्चे छोटी-छोटी घास से ढँके लॉन पर, बिना सोचे विस्तार से खेल रहे थे। पालतू मुर्गे बीच-बीच में चीखते और बूढ़े आदमियों को अपनी मौलिक ऊनी टोपी में, दाँतों बिना के मुँहों और अखरोट के रंग की चमड़ी में, मौसमों की मार खाईं लकड़ी की कुर्सियों पर बैठे देख जा सकता था। उन्हें देखकर, ऐसा लगता था कि उनके पास बिताने के लिए अभी बहुत घण्टे थे और जीवन के दुःख-कष्टों से मानों एकदम से थक गए हों, मगर दिन को पूरी तरह से बिताने से अधिक समझदार बन गये हों। उत्साहित पक्षी मधुर गान करते और रंग-बिरंगी तितलियों के झुंड, मानो पंख फड़फड़ाकर हर जगह उड़ रहे हों।

एक छोटे -से समुदाय में से SUV रेंगती हुई निकली तो एक दुबला लड़का, जिसके शरीर के हिसाब से उसके पाँव बहुत लम्बे लग रहे थे, ऊँची सी सीटवाली एक केले की सायकल लेकर, धातु की, आवाज़ करती फ्रेम में पैडल मारता निकला। एक दूसरे ग्रुप में किशोर अवस्था की लड़कियाँ थीं जो छोटे टॉप्स, सर्फ शॉर्ट्स और फ्लिप फ्लेप चप्पलों में संकरे, मगर ध्यान रखकर बनाए रास्ते पर, आर्मी के ओलिव ग्रीन, कार्गो शॉर्ट्स पहने हुए एक आदमी के पीछे, जा रही थी जिसकी टी-शर्ट्स की पीठ पर छपा हुआ था “नं. 1 लपटों पर ग्रिल किया चिकन”.

सभी-कुछ, मानो टापू के समय के अनुसार चल रहा था। लोग प्रसन्न दिख रहे थे। वे एक उज्ज्वल जीवन शक्ति से प्रकाशवान थे, जो अक्सर निर्धारित से अधिक, मशीनों के प्रभुत्व से भरे, अनेकों बार आत्मा-विहीन जीवन, जिसे हममें से अनेकों, आज अनुभव कर रहे हैं, में साधारणतया नहीं दिखती। समुद्र के किनारे, अकथनीय ढंग से खूबसूरत थे। बगीचे पूरी तरह से मनोहर थे। और समुचे बगीचे का दृश्य मानों पूरी तरह से पहाड़ों की श्रृंखलाओं से, पर्दों से ढाँक दिये गए हों और मानो वे सोलहवीं शताब्दि के मूर्तिकार-फ्लोरेंटाइज बुत-ने बनाए हों।।

“उपर उस मूर्ति को देखें।” ड्राइवर ने, अपनी चुप्पी स्वरचित शान्ति को तोड़ते हुए कहा और पहाड़ों की चोटियों पर एक मानव जैसी आकृति की ओर संकेत कर के दिखाया। “इसे पीटर बॉथ कहते हैं। यह मॉरीशस की द्वितीय, सबसे ऊँची चोटी है। देखें, वहाँ चोटी को देखें। वह किसी मानव सिर के जैसा लगता है। है न? उसने ऊपर की ओर उँगली उठा कर इशारा किया।”

“वह निश्चय ऐसा ही दिखता है”, कलाकार ने प्रत्युत्तर में कहा।

“जब हम प्राथमिक स्कूल में थे”, ड्राईवर ने आगे कहना जारी रखा, "तो हमें एक आदमी की कहानी बतलाई गई थी जो पहाड़ के पैरों में सो गया था। विचित्र ध्वनियों को सुनकर उसकी नींद खुलती है तो वह परियों और देव-दूतों को अपने चारों ओर नाचते देखता है। ये जीव उस आदमी से कहते हैं कि वह उनके बारे में किसी से भी न कहे, अन्यथा वह पत्थर का हो जाएगा। उसने अपने देखे हुए जादुई अनुभव के बारे में किसी से भी न कहने के बारे में आश्वासन दिया, वह सहमत हो गया। मगर बाद में उसने अनेकों को अपने सौभाग्यों के बारे में बता दिया। परेशान होकर परियों और देवदूतों ने उसे पत्थर बना दिया। और उसका सिर सूजकर इतना बड़ा हो गया कि वह उस महान् पर्वत की चोटी पर आराम से बैठ गया, जिसे आप देख रहे हैं। वह लोगों को यह भी याद दिलाता है कि हमें अपना वादा नहीं भूलना चाहिए और कसम को याद रखना चाहिए।”

एसयूवी घुमावदार मार्ग से एक और समुदाय के पास से गुजरी। अगले बरामदे में एक छोटे-से लाउड स्पीकर से संगीत बज रहा था। दो अवयस्क लड़के तथा तीन कम उम्र लड़कियाँ, अपने बालों में सफेद और गुलाबी रंग के फूल लगाकर उल्लसित होकर नाच रहे थे। पीछे से एक और कुत्ता थोड़ा-सा पीछे कहीं, भौंका।

“बहुत अच्छी कहानी”, उद्यमी ने मन में अनुभव किया। उसकी कार की खिड़की का काँच खुला हुआ था और उसके घुँघराले भूरे रंग के बाल फुदकते, हवा में उड़ रहे थे। उसका साधारण तथा रेखाओं से भरा चेहरा, इस

समय पूरी तरह से चिकना, स्निग्ध दिख रहा था। अब वह अपने शब्दों को और भी धीमे से बोल रही थी। एक अभूतपूर्व शान्तिपूर्णता उसकी आवाज़ में से उभरकर आ रही थी। उसका एक हाथ सीट पर विश्राम कर रहा था, जो कलाकार के हाथ से अधिक दूर नहीं, जिसकी मध्यमा तथा संकेतक उँगलियों में कारीगरी से टटू दर्ज थे।

“मार्क ट्वेन ने लिखा है”, पहले मॉरीशस को बनाया गया था, और फिर, स्वर्ग को। “और स्वर्ग ने मॉरीशस की नकल कर ली”, ड्राइवर ने सांझा किया, फौलादी होने के बाद गर्म होते हुए भी उतना ही गर्वित महसूस किया जितना प्रेसीडेंट उद्घाटन समारोह पर, ये बोल चुकने के बाद करते हैं।

“मैंने इस तरह की कोई भी वस्तु, कभी भी नहीं देखी”, कलाकार ने कहा, उसका चरित्र गुस्सैल शत्रुता करने वाले जाहिल आदमी के स्थान पर, अधिक कम परेशान, चिन्तामुक्त एवं तनावरहित आचरण वाला हो गया। “और मुझे यहाँ ऐसा महसूस हो रहा है जैसे, गहरी सृजनात्मकता मेरे भीतर स्फुरित हो रही है।”

उद्यमी ने कलाकार को, इस बार, कुछ अधिक देर देखा, जितना सभ्यता में सम्भव नहीं हैं। फिर उसने परे को देखा-समन्दर की ओर। वैसे तो अनिच्छा से, मगर मधुर मुस्कान को नहीं रोक पाई।

ड्राइवर को SUV के स्पीकर फोन में गुंजित आवाज़ में बोलते सुन लिया गया, “सिर्फ 5 मिनट की दूरी पर।” फिर उसने अपने प्रत्येक मुसाफिर को एक हाथ की तराशी तख़्ती दी जो शायद सोने की बनी थी।

“कृपया इनका अध्ययन करें”, उसने इनसे कहा।

बहुत ही कारीगरी से मूल्यवान धातु में पाँच वक्तव्य गुंदे हुए थे। वे इस प्रकार से दिख रहे थे:

नियम # **1**

विचलित होते रहने की आदत पड़ना, आपके सक्रिय उत्पादन का अन्त है। साम्राज्य निर्माता और इतिहास के नियन्ता सूर्योदय से पहले का एक घंटा अपने लिए रखते हैं, उस निस्तब्धता में जिसमें जटिलता नहीं होती, ताकि विश्वस्तरीय दिन का निर्माण किया जा सके।

नियम # **2**

बहानों में बुद्धिमान जन्म नहीं लेते। क्योंकि प्रात: शीघ्र उठने की आदत आप पहले स्थापित नहीं कर पाए, तो इसका यह अर्थ नहीं होता कि उसे आप अब आरम्भ नहीं कर सकते। अपना युक्तिकरण जारी रखें और याद रखें कि प्रतिदिन के छोटे-छोटे सुधार, जब लगातार किए जाते हैं, दीर्घ समय तक, तो विस्मयकारक परिणाम देते हैं।

नियम # **3**

सभी परिवर्तन, आरम्भ में कठिन होते हैं, मध्य में अस्तव्यस्त और अन्त में शानदार तथा अलंकृत। हर वस्तु, जिसे आप अब सरल पा रहे हैं, उसे आपने आरम्भ में दुरूह पाया था। निरन्तर अभ्यास के बाद, सूरज के साथ उठना आपके लिए नया स्वाभाविक हो जाएगा। फिर, स्वयमेव।

नियम # **4**

परिणाम पाने के लिए, सर्वोच्च **5%** उत्पादक हैं जो परिणाम लाते हैं। आप वह करना आरम्भ करें जिसे **95%** लोग, करना नहीं चाहते। जब आप इस प्रकार से रहना आरम्भ कर देंगे तो अधिकांश आपको पागल कहेंगे। अवश्य याद रखें कि सनकी कहलाना महानता का मूल्य है।

नियम # **5**

जब आपका त्यागने का मन हो, जारी रखें।
विजय लगातार करते रहने से मिलती है।

वाहन जब नियमबद्ध पंक्तियों में, समुद्र तट के किनारे सफेद घरों के पास से निकला तो धीमा होकर रेंगने लगा। एक रेतीले घर के बरामदे में वह लघु-सवारी ले जाने का ट्रक खड़ा था। दूसरे बरामदे के आगे गोता लगाने का सामान फैला हुआ था। आखिरी मकान के सामने बच्चों का समूह बरामदे में खेल रहा था। अपने खेल में जैसे उन्हें आनन्द आया था और वे पागलों की तरह से हँस रहे थे।

समन्दर सामने आ गया, दोनों हरे और नीले रंगों का - जिसमें बुलबुले, ऊपर उतरा रहे थे और रेतीले किनारों से टकराने से पहले शशऽऽऽ शिंग की आवाज़ करते। हवा, समुद्री जीवन की बू फैला रही थी, फिर भी, अमृत की तरह मीठी जिसमें अनजाने ही, दालचीनी का इशारा मिल रहा था। एक चौड़े तख़्ते के नौका घाट पर आदमी की पतली लाइन, जिसकी दाढ़ी सांताक्लॉज की तरह की थी, और खाकी कपड़ों को ऊपर चढ़ाकर, नंगे पाँव, अपने परिवार के रात्रिभोज के लिए मछलियाँ पकड़ रहा था। अपने बूढ़े सिर पर उसने मोटर सायकल का हॅल्मेट टिका रखा था।

सूर्य ने अस्त होना आरम्भ कर दिया था। एक खूबसूरत, अन्धा बनानेवाला शानदार गोला, जो स्वागत कर रहे पानी में सुनहरी तरल किरणो की परछाई फेंक रहा था। पक्षी अब भी चहक रहे थे। तितलियाँ अभी भी, उड़-उड़कर चमक रही थीं। यह सभी कुछ कितना जादुई था।

“हम आ गए”, ड्राईवर ने धातु की बाड़ के बगल में लगे एक इंटरकॉम से घोषणा की। जिसे शायद जंगली जानवरों को बाहर रखने के लिए अधिक खड़ा किया गया था ताकि इनके अनाधिकार प्रवेश को रोका जा सके।

दरवाजा खुला। बहुत धीरे से।

SUV बोगनविला, हिबिस्कस, फिरंगीपानी और बाउकल डी’ ओरेल्ले, जो मॉरीशस का राष्ट्रीय फूल था के साथ घुमावदार सड़क से नीचे को आई दोनों ओर ड्राईवर ने अपनी खिड़की खोली और ताजे चमेली और गुलाब की मिश्रित खुशबू युक्त समुद्री हवा को आदर आमंत्रित किया। बाग़बान ने बाग़बानी के खूबसूरत कपड़े पहनकर ईमानदार लहरें तरंगित की। एक ने चिल्लाया “बोन्जोर” जब वाहन पास से गुज़रा। एक और ने कहा “बोन्जोर” जब दो मोटे कबूतर ने, जो ट्रक ड्रायवरों की मुट्ठी के बराबर आकार के थे, पथरीले मार्ग पर, साथ-साथ उड़ने लगे।

अरबपति का घर सामान्य बनावट का था। उसकी डिज़ाइन समन्दर किनारे के फॅशनेबल घर जैसी थी, मानों मार्था की अंगूरी कुटिया जो स्वीडिश फॉर्म हाऊस का स्वीडिश अनुभव करा रही हो। वह दोनों ही प्रकार की थी रोमांचक रूप से सुन्दर और पूरी तरह से ऐकान्तिक।

एक विशाल बरामदा, घर के पिछवाड़े से बढ़कर, समन्दर तक गया हुआ था। एक कीचड़ से सनी पहाड़ों की सायकल, दीवार से लगकर खड़ी थी। एक सर्फ बोर्ड द्वार-मार्ग पर, सड़क के अन्त में, पड़ा था। विशाल, फर्श से छत तक की खिड़कियाँ ही, एकमात्र व्यर्थ का निर्माण कार्य था जो वहाँ पनप रहा था। अधिक मूल्यवान फूल खूबसूरती से, डेक के साथ सजा कर रखे हुए थे जहाँ एक ट्रॉली ठण्डे खाद्यपदार्थो मिश्रित पनीर और अदरक के टुकड़ों के साथ ताज़ा नींबू-चाय राह देख रही थी। सूरज में तपी बादली सीढ़ियाँ नीचे उतरकर एक सलोने से समुद्रतट पर ले जाती थी, जैसा हम अक्सर यात्रा की पत्र-पत्रिकाओं में देखते हैं। जिसे सम्भ्रान्त भीड़ पढ़ना पसन्द करती है।

इन सभी, उत्कृष्टता के बीच, एक अकेला व्यक्ति, दूधिया रंग की रेत पर खड़ा था। उसने एक भी हलचल नहीं की। पूर्णतः अविचलित।

मानव ईफेल टॉवर जितना ऊँचा बिना कमीज़ के, ताँबिया रंग का, एक जोड़ी लूज़ हाफ पेंट; हलावरण शैली का पहन रखा था। पीली कॅनरी के रंग की सेंडल्स और उबर-शैली का धूप-चश्मा, जिसे आप कभी भी Via dei Condotti, रोम में खरीद सकते हैं, जिससे सर्फर ज़ेन, सोहो स्वेगर जैसा ला रहा था। वह समन्दर में दूर तक देख रहा था, बड़े अफ्रीकी आकाश के सितारे की तरह, बिना हिले।

“वहाँ, वह”, उद्यमी मे इशारा करते हुए कहा, “आखिर, हमें हमारे मेज़वान देखने को मिल ही गये।

सुविख्यात और यशस्वी मि. रीले", उसने उत्साहपूर्वक, अपनी चाल बढ़ाते हुए लकड़ी की सीढ़ियों को पार किया, जो समन्दर किनारे ले जाती थीं। "जरा देखो तो उन्हें। वे पानी के आस-पास ही घूम रहे हैं, सूर्यकिरणों को शरीर में समा रहे हैं, और पूरी तरह से जीवन से प्यार कर रहे हैं। मैंने कहा था न, वे अति-विशेष हैं। कितना आनन्द आया कि मैंने अपनी मन की आवाज़ की बात सुन ली और बच कर खूबसूरत जगह आ गई। वे अपने शब्दों के खरे रहे है, कि इस दुनिया में जहाँ बहुतेरे लोग, बहुत सारी बातें कहते हैं, मगर कोई भी पूरी नहीं करते, और कसमें खाते हैं जिन्हें निभाते नहीं हैं, मगर ये तो पूरी तरह से सुसंगत निकले। उन्होंने हमारे साथ, इतना अच्छा व्यवहार किया है। वे तो हमें जानते भी नहीं हैं, फिर भी हमारी मदद की कोशिश कर रहे हैं। मेरे मन में कोई भी शंका नहीं है कि उन्होंने हमारी पीठ ही देखी है। कुछ तेज़ चलें, बढ़ेंगे न? उसने अपने धीमी चालवाले साथी से कहा और उत्साहवर्धक हाथ हिलाया। "मेरा मन हो रहा है कि मैं उन्हें एक गहरा आलिंगन दूँ!"

कलाकार हँसा जब उसने एक बच्ची छिपकली को, एक अति चौड़े लकड़ी के तख़्ते पर से, आनन्द से रास्ता पार करते देखा। उसने चमकदार धूप में मटके के आकार के पेट को तथा मर्दो की रसभरे आम के आकार की छाती दिखाते हुए अपनी काली कमीज़ उतार दी।

"मैं भी। वह अपनी बताई सीख पर चलता है। हे भाई, मुझे थोड़ी धूप चाहिए", चित्रकार बुदबुदाया और जैसे कहा, उद्यमी के निकट रहने के लिए उसने अपनी गति बढ़ा दी। उसकी साँस फूल गई थी।

जब दोनों मेहमान, "निर्वाण" के समन्दर के अहाते के निर्वाण के पानी किनारे खड़े, आदमी की ओर बढ़े, तो उन्होंने उसके निकट और कोई घर नहीं देखा। एक भी नहीं। सिर्फ कुछ मछली पकड़ने की लकड़ी की नावें समय की मार से, जिनका रंग उतर गया था। वे किनारे पर, कम पानी में, बाँध-घाट पर, बंधी हुई और इटली के छायाकरण में सूर्य-देवता की उपासना करनेवाले साम्राज्यों के संस्थापक इटालियन छायाकरण में रहते हैं। उनके पास, अन्य किसी भी मानव का सबूत वहां नहीं था। कहीं भी।

"मि.रिले", कलाकार चिल्लाया, अब रेती पर खड़े होकर, अपने असाधारण अयोग्य फेंफड़ों में भूखे के समान हवा चूसते हुए। वह दुबला-पतला आकार, महल के पहरेदार के समान स्थिर बना रहा मानों शाही मोटर दल के आगमन की प्रतीक्षा कर रहा हो।

"मि. रिले", उद्यमी ने उमंग से भरकर दोहराया। कोई प्रत्युत्तर नहीं आया। आदमी समुद्र की ओर ही देखता रहा और मालवाहक जहाज को, जो फुटबाल स्टेडियम के आकार के थे, जो मानों क्षितिज के पार छिड़का पड़ा था कलाकार शीघ्र ही गहराई से ताम्बित, उस व्यक्ति के कन्धों के पास खड़ा हो गया और उसके बाँयें कन्धों पर तीन बार टकोरे दिये। तत्काल, वह आकृति पूरा घूम गई।

दोनों मेहमानों ने एक लम्बी साँस लीं। उद्यमी ने अपना पतला-सा हाथ अपने मुख पर रख लिया। कलाकार रेत पर गिरने से पहले, सहज, हो कर खुद को पीछे झटका दिया।

दोनों ने जो देखा था उससे, वे भौंचक्के रह गये थे।

वे तो निपुण वक्ता थे।

अध्याय 7

बदलाव की तैयारी तो स्वर्ग में आरम्भ होती है

"एक बच्चे को कोई कष्ट नहीं होता, अविश्वसनीय पर विश्वास करने में; और न अति बुद्धिमान को, या पागल को। वह तो सिर्फ मैं और आप हैं जो अपने बड़े दिमाग़ों के कारण, और अपने छोटे दिलों से, अविश्वास करते हैं, अधिक सोचते हैं, और हिचकिचाते हैं।"-स्टीफेन प्रेसफील्ड

"हूँऽऽ। क्या खूब!" उद्यमी ने अपनी कुटिल मुस्कान जिसमे कुछ आश्चर्य कुछ आनन्द था, के साथ कहा।

"हम आपके सेमिनार में आए थे हूँऽऽ। आप उस स्टेज पर चमत्कारिक लग रहे थे", आखिर में वह स्वयं को प्रभावशाली तरीके से प्रकट कर सकी जिसमें हल्के-से सदमे से विश्व व्यवसायी तक जिस की वह अधिक आदी थी। मैं एक प्रौद्योगिकी कम्पनी की मुखिया हूँ। हम अपने व्यवसाय क्षेत्र में "रॉकेट शिप" कहे जाते हैं क्योंकि हम घातीय बढ़ती कर रहे हैं। सभी कुछ आदर्श रूप से ठीक से चल रहा था, मगर कुछ समय पहले ही... उद्यमी की आवाज़ खोती चली गई।

उसने निपुण वक्ता से अलग ओर देखना शुरू कर दिया-कलाकार को घूरा। क्षण भर को तो वह, अपने ब्रेसलेट के साथ, परेशान होकर खेलने लगी। उसके चेहरे की रेखाएँ कुछ अधिक स्पष्ट हो गईं। और उस क्षण में, उस शानदार समुद्रतट पर उसकी मुखाकृति ने गम्भीर, थका और घायल चेहरा दिखाना आरम्भ कर दिया।

"क्या हुआ?" निपुण वक्ता ने पूछा "आपके व्यापार को?"

"मेरे व्यवसाय में जिन लोगों ने पूँजी लगाई थी, उनमें के कुछ ने ऐसा अनुभव किया कि मेरा इक्विटी में अंश अधिक है। वे स्वयं के लिए अधिक चाहते थे। अत्याधिक लोभी व्यक्ति। फिर, उन्होंने मेरी कार्यकारिणी समिति को भरोसा दिलाया कि वे, मेरे खिलाफ प्रदर्शन करें, और अब वे मुझे फर्म से बाहर फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। जब कि वह जगह मेरा सारा जीवन है।" उद्यमी का गला रूँध गया था। एक बहुत ही खूबसूरत, रंगीन, उष्णकटिबंधीय मछलियों का झुण्ड जल में तैरता-तैरता किनारे तक आ गया था।

"मैं अपने प्राण लेने को तैयार हो गई थी", उसने आगे कहना जारी रखा, "जब तक कि आपके सेमिनार में नहीं गई थी। आपके ज्ञान की डली ने मुझे आशा भी दी। आपके अनेकों शब्दों ने मुझे फिर से सशक्त महसूस करवाया। मैं जान तो नहीं पाई कि वह सब क्या था, मगर आपने मुझे स्वयं में और भविष्य में आस्था रखने के लिए धकेला। मैं आपको सिर्फ धन्यवाद देना चाहती हूँ।" उसने निपुण वक्ता को गले लगा लिया। "आपने मुझे मेरे जीवन की अनुकूलन यात्रा पर आरम्भ कर दिया है।"

"आपके उदार शब्दों के लिए मैं आपका आभारी हूँ", निपुण वक्ता ने उत्तर दिया और वह, नाटकीय ढंग से पिछली बार से विपरीत, दिख रहा था, जब कलाकार और उद्यमी ने उसे देखा था। न सिर्फ उसका चेहरा उस प्रकार का स्वस्थ दिख रहा था, जैसा सूर्य-किरणों से हो जाता है, मगर अब वह स्थिर खड़ा था और कुछ वज़न भी बढ़ गया था।

"आपने जो कहा, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ", निपुण वक्ता ने आगे कहना जारी रखा, "मगर सच तो यह है कि मैंने आपको आपके श्रेष्ठ जीवन की खोज में नहीं लगाया। आप अपने जीवन को मेरे बताए कार्यक्रमों और तरीकों में कार्यरत होकर सुधार रहे हो। अनेकों लोग एक अच्छे खेल की बात करते हैं। वे अपनी सारी इच्छाओं को गिना देते हैं कि वे क्या-क्या करेंगे और आकांक्षाओ को कब-कब पूरा करेंगे। मैं परख नहीं रहा हूँ, मैं सिर्फ रिपोर्ट दे रहा हूँ। मैं शिकायत नहीं कर रहा हूँ, मैं सिर्फ कह रहा हूँ: अधिकांश व्यक्ति जीवन भर, उसी प्रकार के बने रहते हैं। बीते कल, जो, जिस तरह से किया था, उसे बदलकर करने में उन्हें भय लगता है। सामान्य के साथ शालीनता से जुड़कर अनुरूपता की बेड़ियों में जकड़े वे सारे व्यक्तिगत उन्नयन के मार्गों, विकास के तरीकों के सभी अवसरों का विरोध करते हैं।

हममें से अनेकों की अच्छी आत्माएँ, इतनी अधिक डरी हुई रहती हैं कि वे सम्भावनाओं के नीले सागर में, जहाँ प्रभुत्व, साहस का स्वाभिमान और दुस्साहस की प्रामाणिकता उनका इन्तजार करती है, जाने से इन्कार कर देते है। तुममें मेरे कार्यक्रम में दी, जानकारी पर आधारित, काम करने की समझ थी। तुम उन अल्प संख्यक में एक व्यक्ति हो जो जीवित हो और अच्छे नेता, उत्पादक, और मानव बनना चाहती हो। तुम्हारे लिए अच्छा है और मैं जानता हूँ कि बदलना कोई सरल खेल नहीं है। फिर भी, इल्ली के जीवन को तो, तितली को चमक देने के लिए समाप्त होना पड़ेगा। पुराने 'तुम' को मरना ही पड़ेगा तभी सर्वश्रेष्ठ "तुम' नया जीवन ले पाओगी। तुम इतनी समझदार हो कि आदर्श वातावरण के लिए रुकी ही नहीं ताकि सक्रिय विश्व में काम करने कदम बढ़ा पाती और निजी जीवन में बेदाग़ योग्यता पाती। एक सामान्य से आरम्भ के साथ, महान् ऊर्जा भी आती है। जब आप उस घेरे को बन्द करने को आगे बढ़ते हैं, जिसे आपकी चरम, अभिलाषाओं ने खोला था, उन्हें सच बनाकर, अपने भीतर छिपे तेजस्वी वेग को, स्वयमेव जान जाते हैं। प्रकृति आपके प्रयत्नशील कार्यक्रमों को जान जाती है, और फिर आगे बढ़ती है तथा आपके हार्दिक प्रयत्नों का श्रृंखलाबद्ध, अनचाही विजयों से उत्तर देती है। आपकी इच्छाशक्ति ऊपर उठ जाती है। आपका आत्मविश्वास ऊपर की सीढ़ी चढ़ना है, और आपकी चमक तेजस्विनी कहलाती है। साल भर बाद, आप इतनी खुश होवेंगी कि आपने आज आरम्भ कर दिया था।"

"आभार!" उद्यमी ने कहा।

"मैंने एक आदमी को कहते सुना था कि वह दौड़ना आरम्भ करने से पहले वज़न कम करना चाहता है। वज़न कम करना चाहता है ताकि वह दौड़ना आरम्भ कर सके। यह तो वही हुआ कि लेखक प्रेरणा की राह देख रहा है ताकि वह पुस्तक लिख सके, या मैनेजर है जो प्रमोशन की राह देख रहा है, ताकि वह कार्यक्षेत्र में अग्रणी बन सके, या कोई कार्यारम्भी है जो पूरे धनागम की राह देख रहा है ताकि "स्टेटस को" बनाए रखा जा सके। जीवन का प्रवाह स्वीकारात्मक कार्यों का इनाम देता है और रुकावटों को दण्ड देता है। कुछ भी हो, मैं तो बहुत खुश हुआ हूँ कि मैं तुम्हारे विकास में सहयोगी बन सका, छोटे ही पैमाने में सही। आभास होता है कि तुम व्यक्तिगत रोमांच के एक मुश्किल, मगर उत्तेजक समय पर हो। कृपया ध्यान देना कि अभिमान के लिए बुरा दिन, आत्मा के लिए अच्छा दिन है। और आपकी डरभरी आवाज़ जो भी दावा करती है, वह घटिया समय है, आपकी ज्ञान की ध्वनि पहचानती है कि वह एक अनोखी भेंट है।"

"हम तो समझे थे कि आप मर चुके हैं", उद्यमी ने बिना छनी बात, घोषित कर दी। "ईश्वर का आभार है कि आप सकुशल हैं। और मैं सराहना करती हूँ कि आप इतने विनीत भी हैं।"

"मेरा विश्वास है कि जो जितना अधिक विनम्र होता है, वह उतना महान होता है। पवित्र नायक, अपनी स्वयं की चमड़ी में इतने निरापद, होते हैं कि उनका प्रमुख उद्देश्य दूसरों का उत्थान करना होता है। उनका अपना आत्म-सम्मान, प्रसन्नता, तथा अपने अन्दर की शान्ति ऐसी होती है कि उन्हें अपनी सफलता की समाज में, थोड़ा बेहतर महसूस करने के प्रयास के लिए, विज्ञापन देने की जरूरत नहीं होती। मुझे यह भी कहना चाहिए अगर कह सकूं कि वास्तविक शक्ति तथा बनावटी शक्ति में बहुत बड़ा फर्क होता है।" निपुण वक्ता ने समझाया गुरु प्रणाली में और गहरे उतरने ने उन्हें विश्वभर में विख्यात बनाकर नामी बनाया था।

"हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि हमें पदवियों और साधारण आलंकारिक वस्तुओं को छोड़ना नहीं चाहिए। तालियाँ और वाह वाह, पैसे और भवन को पाने का पीछा करना चाहिए- यह सब अच्छा है-हाँ, सच में ठीक है, जब तक कि आप इनके द्वारा मानवता को न भूल जायें। इनका आनन्द लो, मगर इनसे जुड़ो मत। उन्हें पा लो, मगर उन पर अपनी पहचान को मत टिकाओ। उन्हें चाहो, मगर उनकी कामना मत करो। ये सब बनावटी शक्ति के विभिन्न रूप हैं, हमारी सभ्यता ने हमसे विश्वास करने के लिए कहा है कि इन्हें पाकर हम सफल हो जाएँगे-शान्त और स्वच्छ। सच तो यह है कि इनमें से कोई भी वस्तु हम गंवानी चाहिए, तो हम ने जो स्थानापन्न शक्ति उनसे पाई हैं, वह क्षणभर में ही समाप्त हो जाएगी और हमें ज्ञात हो जाएगा है कि वह दृष्टिभ्रम था।"

"कृपया हमें और बताएँ।"

उद्यमी हर शब्द को सोखती जा रही थी।

"वास्तविक शक्ति किसी भी बाहरी चीज़ से नहीं आती है।" निपुण वक्ता ने आगे कहा-"बहुत सारे लोग, बहुत सारे धन से, बहुत अमीर नहीं हैं।" इस लाइन से किनारे तक चले जाऊँ, "निपुण वक्ता ने अपने चमकदार पीले फ्लिप फ्लोप उतारे और शक्कर जैसी रेत पर सँभालकर रख दिए।" वास्तविक शक्ति- जिनसे किंवदन्तियाँ

बनती हैं - इससे नहीं जन्म लेतीं कि आप बाहर से क्या हैं, और आप के पास बाह्य रूप से क्या है। दुनिया अभी के अभी, खो गई है। वास्तविक और सामर्थ्य शक्ति तत्काल अपना प्रभाव दिखाती है, जब आप अपनी वास्तविक मूल उपहारों से सम्पर्क करते हैं। मुझे यह भी कहना चाहिए कि वास्तविक धन उदात्त गुणों के साथ रहने से आते हैं, जैसे: उत्पादकता, आत्म-नियंत्रण, साहस, ईमानदारी, सहनशीलता, सम्पूर्णता, अखण्डता। अपने दिन अपनी शर्तों पर बिताने से, बजाय भेड़ो का पीछा करने से जिसमे कितने ही लोग हमारे बीमार समाज में बनने का परीक्षण ले चुके हैं। अब ज्यादातर लोग भीड़ के पीछे चलने वाले हैं। सर्वोत्कृष्ट समाचार यही है कि इस तरह की शक्ति जिसकी मैं बात कर रही हूँ, हर किसी के लिए उपलब्ध है जो इस ग्रह पर जीवित है। हम शायद इसे भूल चुके हैं। इस प्रकार की पौरुषता को खो दिया हो जैसे जीवन में चोट दी हो, निराश और परेशान किया हो। मगर वह अब भी हमारी राह देख रहा है, उसके साथ सम्बन्ध बनाने को, और बढ़ाने को। इतिहास के सभी शिक्षक बहुत कम के मालिक होते थे, आप जानते तो हैं। जब महात्मा गाँधी मरे थे, तो उनके पास लगभग दस वस्तुएँ थीं, जो उनकी थीं, उनकी चप्पलें, एक घड़ी, उनका चश्मा और एक सामान्य थाली-कटोरा-खाना खाने के लिए। मदर टेरेसा दिल की इतनी समृद्ध थीं। मगर वह अंत तक एक छोटे से कमरे में रहे, जिसमें कोई भी सांसारिक वस्तु नहीं थी। जब वह यात्रा करती थीं तो वह अपना सारा सामान एक सफेद झोले में डालकर ले जाती थीं।"

"ऐसा क्यों है कि मानवता के इतने सारे नायकों के पास इतना कम होता था?" कलाकार ने पूछा, जो अब रेत पर आराम कर रहा था।

"क्योंकि वे सब, अपनी निजी परिपक्वता के स्तर तक पहुंच चुके हैं जिससे उन्हें अपने दिनों को खर्च करने की निरर्थकता देखने को मिली, जिसमें वे उन वस्तुओं को हासिल करने के लिए पीछा करते हैं, जो अन्त में व्यर्थ हो जाती हैं। और उन्होंने अपने स्वभाव को इस हद तक बदल लिया है कि अब उन्हें सामान्य रूप से, अपने स्वयं के निज के छिद्रों को ध्यान-भंग, आकर्षण, पलायन, विलासताओ से भरने की आवश्यकता नहीं रहती अति सामान्य वस्तुओं के प्रति उनकी भूख जितनी कम हुई उतनी भूख, अपनी रचनात्मक दृष्टि का सम्मान करने, अपनी अन्तर्निहित, प्रतिभा को व्यक्त तथा उच्चतर मानसिक नक्शे के अनुसार जीने की, प्रर्याप्त खोज में बढ़ गई। वे असंगत ढंग से समझ गए कि प्रेरणादायक बनना और प्रवीणता तथा निर्भयता आदि सभी अन्तरंग कार्य हैं। और एक बार वास्तविक शक्ति मिल जाती है, बाह्य स्थानापन्न तथा प्रतिस्थापित बदलाव, इस खजाने द्वारा तृप्ति की अनुभूति में फीके पड़ जाते हैं, ओह! और ये इतिहास के भारी वजनी महत्वपूर्ण लोग? जैसे ही उन्होंने अपना सर्वोच्च धर्म पता किया, उन्हें यह भी ज्ञात हो गया कि जीवन का एक प्रमुख उद्देश्य है-अंशदान, प्रभाव, उपयोगिता, आशावाद जिसे व्यापार- संस्थापक-शायद हित्तधारक मूल्यों को प्रकट करना कहेंगे। जैसा कि मैंने अपने सेमिनार में, गिरने से पहले, सुझाव दिया था-"नायक बनना, सेवा है।" मैं इतनी अच्छी तरह से कभी विस्तार नहीं दे सकता हूँ जितने अच्छे से दार्शनिक रूमी, जब उन्होंने समझाते हुए कहा था, "बूँद का त्याग करो, समन्दर बन जाओ।" बाँटने के लिए, धन्यवाद।" उद्यमी ने हार्दिकता से प्रस्ताव दिया, कलाकार के बगल में बैठते हुए, और अपना एक हाथ, सावधानी से, रेत पर दूसरे हाथ से कुछ ही दूर रखते हुए।

"यह देखकर अच्छा लगा कि आप अब अच्छे हैं, कलाकार बोला। उसने बूट उतार लिए थे। वह बिना मोजे का था। धूप की तेज़ किरणों में, महिला की तरह सूर्य-ताप लेते उसने पूछा- "मगर हुआ क्या था, आपको?"

"थकावट", निपुण वक्ता ने उसे बताया, "अनेकों शहर, बहुत सारे हवाई जहाज। मीडिया के साथ बहुत सारी भेंटें-मुलाकातें। बहुत सारे प्रस्तुतिकरण। मैं स्वयं को एक ही इच्छा से नीचे गिराता हूँ लोगों की सहायता करने के उद्देश्य से, उनकी नायकत्व की दौड़ को गति देने के लिए, उनकी भेंटों को सक्रिय बनाने के लिए और उन्हें उनके जीवन का हीरो बनने के लिए-मैं बेहतर जानता हूँ।"

फिर निपुण वक्ता ने अपने पतले धूप के चश्मे को उतारा और अपने दो विद्यार्थियों की ओर बढ़ा दिया। "आप दोनों से मिलना बड़ी खुशी की बात है।"

"आप से भी, प्रिय भाई", कलाकार ने उत्तर दिया।

"आपके कार्यों ने मुझे कुछ कठिन समय में से निकलने में सहायता की।"

कलाकार ने जैसे ही इन शब्दों को कहा, उसने दूर एक बेड़े को, उत्सव के कपड़े पहने पर्यटकों से लबालब भरा देखा। एक अन्य वंश की मछली के झुण्ड जिसे कॅपिटाइन्स कहते हैं, स्वच्छ पानी में, व्यस्तता से तैरते देख सकते थे। निपुण वक्ता ने उन्हें ताका, बड़ी-सी मुस्कान दी और फिर, आगे बोले।

“आपको ताज्जुब हो रहा होगा कि मैं यहाँ क्यों आया हूँ”, वह बोले।

“सच है”, उद्यमी ने कहा और अपने जूते उतारे और अपने साथी के ही साथ, अपने पैर भी सफेद रेती में मोड़े।

“हाँ तो, मैं मि. रिले को, तब से सलाह दे रहा हूँ जब वे तैंतीस वर्ष के थे, सभी उद्यमी व्यायामियों के पास सर्वोच्च निष्पादन करनेवाले कुशल प्रशिक्षक होते हैं, और वैसे ही, सुविशेषज्ञ व्यवसायिकों के पास भी। आप अकेले प्रतिष्ठित नहीं हो सकते हैं। वह आरम्भ करनेवाले थे, जब मिले। मगर फिर भी, वह समझ गये कि कोई जितना अधिक सीखेगा, वह उतना प्राप्त करेगा। विकास ही बेहतरीन खेल के लिए एक असली खेल है। शिक्षा विघटन के खिलाफ टीका है। शिक्षा और ज्ञान से ही यह सब मिलता है। जैसे-जैसे आप अच्छे होते जाते हैं। आपको अच्छे परिणाम भी मिलेंगे; जीवन के हर क्षेत्र में। मैं इसे कहता हूँ 2X 3X मस्तिष्क एकाग्रता: अपनी कमाई को दनी करने के लिए, दूना प्रभाव डालने के लिए। अपनी पूँजी को तीन स्तरीय क्षेत्रों में लगाओ तिगुना करके। दो क्षेत्रों में लगाओ-अपनी निजी प्रवीणता और आपका उद्यमी सामर्थ्य।”

“बहुत खूब!” कलाकार ने अपने फूले पेट को खुजाते हुए कहा। फिर उसने टूटे हुए पाँव के नाखून को छेड़ा।

“मि. रिले पहले ही समझ गए थे, कि विश्व-स्तर तक उठने के लिए हमें विश्वस्तरीय सहारा भी चाहिए। इतने वर्षों में हम दोनों अद्‌भुत मित्र बन गये। हम लोगों ने भयंकर आनन्द साथ-साथ भोगा, जैसे पाम हार्ट लंच, ताजे ग्रिल्ड झींगे, श्रेष्ठ फ्रेंच वाइन के साथ५ घंटे लम्बा दोपहर का भोजन, उसके इसी निजी समुद्र तट पर।”

निपुण वक्ता ने अपनी बाँहें हवा में फैलाईं। उसने आकर्षक पहाड़ों को देखा, फिर कुछ क्षणों के लिए शान्त हो गया।

“और हमने गहरे दुःख-दर्द को भी साथ-साथ सहा है, जैसे कि जब मेरे भाई, अपने पचासवें जन्मदिन के बाद कैंसर से बीमार पड़े थे। प्रतीत होता था कि मानों उनके पास, उनकी इच्छित हर वस्तु है, मगर अपने अच्छे स्वास्थ्य के बिना, उन्हें अनुभव हुआ कि उनके पास कुछ भी नहीं है। उस एक वस्तु ने उन्हें बदल दिया। अच्छा स्वास्थ्य व्यक्ति के माथे पर ताज़ के समान होता है, जिसे सिर्फ बीमार आदमी देख सकता है, है न?” अथवा, जैसी एक परम्परा कहती है, जब हम युवा होते हैं, हम अपना स्वास्थ्य धन के लिए बरबाद करते हैं, और जब हम बूढ़े और बुद्धिमान होते हैं, तो हमें अनुभव होता है कि सबसे अधिक महत्वपूर्ण क्या है-और अपनी सारी दौलत, सिर्फ एक दिन के अच्छे स्वास्थ्य की खातिर भी न्यौछावर करने को तैयार हो जाते है। आप अपनी कब्र में सबसे अमीर आदमी नहीं बनना चाहते हैं, है न!”

“वे बहुत कड़वी बात कहते हैं”, निपुण वक्ता ने शोर कर रही सैलानियों की पार्टी की ओर देखते हुए कहा जो बेड़े कॅटमरान पर मौज कर रही थी।” इसी प्रकार से वह स्वयं की हर चीज़ से सुरक्षा करते हैं जो उनके सपनों को हराने की कोशिश करती है। सहमा देती है। स्टोन्स एक अनोखे व्यक्ति हैं। मैं उन्हें भाई के समान प्यार करता हूँ।”

“सुनो, देखो, तुम दोनों से मिलकर सच में अच्छा लगा है।”, निपुण वक्ता ने आगे कहा। “मैंने सुना था कि आप आ रहे हैं। मि.रिले भी अत्यधिक उत्साहित हैं कि वह आपके साथ जो वादा किया था बाटेंगे ताकि सर्वोत्तम उत्पादकता, अतिविशिष्ट निष्पादन, और उस जीवन का निर्माण करे जिसे आप पसन्द करते हैं उसे दिन के श्रेष्ठ आरम्भ में स्थान दे , मुझे खुशी है कि वह उसे आगे बढ़ा रहे हैं जिसे मैनें उनका गुरु होकर, उन्हें सिखाया। सारी अन्तर्मुखी वस्तुएँ और ज्ञान के पाठ, जो तुम्हें सिखाए जाएंगे तुम्हें अच्छे लगेंगे। 5 AM क्लब आप दोनों के लिए क्रान्तिकारी साबित होगा। मैं जानता हूँ कि यह विचित्र और अविश्वसनीय लगता है, मगर एक बार इस पद्धति से अवगत होते पर जो स्टोन आपको सिखाने जा रहे हैं, आपके भीतरी स्तरों पर, प्रभावशाली ढंग से, गहरे तक प्रभाव डालेगा। ज्ञान के निकट आने से ही आपके अन्दर, कुछ विशेष, जागेगा।”

निपुण वक्ता ने अपना सुहावना धूप चश्मा पहन लिया।

“कैसे भी”, मि. रिले ने मुझसे आप को बताने के लिए कहा था कि हम यहाँ, आगामी कुछ दिन, इसे अपना घर समझकर रह सकते हैं। मैं आगामी कुछ दिन आपको ज्यादा नहीं दिखूँगा, क्योंकि मैं श्वासनली लगा के गोता लगाऊंगा, नौका चलाऊँगा, तथा अधिकांश समय मछलियाँ पकडूँगा। मुझे जीवन में मछली पकड़ना सबसे ज्यादा अच्छा लगता है। मैं मॉरीशस सिर्फ उन महान और दयालु आत्माओं को परीक्षण देने नहीं आता हूँ, जिनसे आप

शीघ्र ही मिलेंगे। मैं यहाँ इसलिए आता हूँ कि मैं अति उलझनों से भरी दुनिया से दूर रहूँ और इसे पुनर्जीवित करूँ। जिसका अर्थशास्त्र टूट-फूटकर क्षतिग्रस्त हो गया है, अति-सीमाओं तक फैले उद्योग, वातावरण का क्षरण, ये कुछ तत्त्व हैं जो हमारी रचनात्मकता, ऊर्जा, प्रदर्शन, निष्पादन तथा आनन्द में बाधा बनते हैं। मैं यहाँ नवजीवन के लिए और पुनर्कर्जा लेने आ जाता हूँ। शान्त अवकाश के बिना कुलीन उत्पादन एक दीर्घ, स्थायी, कमी का कारण बनता है। नि:शेष भाव लाता है। अब, आराम और पुनर्जीवन प्रवीणता के लिए प्रतिबद्ध किसी के भी लिए, विलासमय या राजसी वस्तु नहीं रह गये हैं, जिसे प्रवीणता के चाहक न लेना चाहें-वह आवश्यकता है। मैंने इस सिद्धान्त को वर्षों पढ़ाया है, फिर भी इसे मैं स्वयं भूल गया और उसकी कीमत मुझे कार्यक्रम में चुकानी पड़ी। मैंने यह भी सीख लिया है कि प्रेरणा को एकान्त में पोषण, निरन्तर डिज़िटल उपभेदों से दूर और मूर्खतापूर्ण अतिसंवादिता होने पर भी, जो दिन के अधिकांश भाग में होती है और, यह भी जान लें कि आपकी स्वाभाविक बुद्धिमानी, स्वयं को तब प्रस्तुत करती है जब आप सबसे अधिक आनन्दित होते हैं। दुनिया को बदल सकने वाले विचार हमें तभी मिलते हैं। जब हमें आराम दिया जाता है, हम तनावरहित और आनन्दित होते हैं। "हिन्द महासागर का यह छोटा-सा स्थान, मुझे स्वयं का पुनर्मूल्यांकन करने में सहयोग देता है। सुरक्षा, चौंकाने वाली सुन्दरता और विस्मयकारक जठरात्र का वास्तविक अभयारण्य है जो उन प्रिय व्यक्तियों के साथ है, जो अपने दिलों को अपनी बाँहों में पहनते हैं उछालते निकलते हैं। मैं मॉरीशस की आराधना करता हूँ। अधिकांश लोग आज भी जीवन के सरल अजूबों के लिए मॉरीशस की पूजा करते हैं। जैसे, पारिवारिक भोजन या मित्रों के साथ तैरना, बाद में, रोस्ट चिकन डिनर सुपर यू से खरीदकर बाँटना और ऊपर से एक आइस कोल्ड फिनिक्स के डिब्बे में का साथ।"

"फिनिक्स?" कलाकार ने पूछा।

"यह मॉरीशस की बीयर है", निपुण वक्ता ने उत्तर दिया। "और मैं कहना चाहूँगा कि मैं हर बार, इस टापू को सौ गुना शक्तिशाली, तेज़, केन्द्रित और उत्साहित बनकर छोड़ता हूँ। मैं अपने रोज के जीवन में सचमुच, कड़ी मेहनत करता हूँ। आशा है, आप लोगों को यह मिथ्यभिमान नहीं लगता है। मगर मैं समाज को ऊपर उठाने की बहुत परवाह करता हूँ, और मैं अपना हिस्सा लोभ, घृणा और संघर्ष को घटाने के लिए में प्रतिबद्ध हूँ। यहाँ आने से मेरा नया गठन हो जाता है। जो प्रमुख है, उससे मैं जुड़ जाता हूँ। जिससे मैं लौटकर दुनिया के लिए काम कर सकता हूँ। हम सभी दुनिया के लिए ही करते हैं, आप जानते हैं? खैर तुम दोनों आनन्द मनाओ, ठीक है न? और एक बार फिर से आभार, मेरे सेमिनार में आने के लिए और आपके सकारात्मक शब्दों के लिए। वे मेरे लिए बहुत अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, आप कभी नहीं समझ सकते। आलोचना तो कोई भी कर सकता है। प्रोत्साहित करने में कलेज़ा चाहिए होता है। एक उच्च प्रभाव के नेता होने के लिए, कभी भी अनादरणीय व्यक्ति बनने की आवश्यकता नहीं होती। मैं कामना करता हूँ कि अधिक-से अधिक व्यक्ति इस नियम को समझ पाते।

"ओह! एक आखिरी बात", निपुण वक्ता ने अपने छिपाने-जैसे ढंग के सर्फिंग शॉर्ट्स में कुछ रेत समेटते हुए कहा।

"क्या?" उद्यमी ने आदरणीय सुर में पूछा।

"कृपया, कल सुबह यहाँ समुद्र तट पर रहें। तब आपकी ट्रेनिंग आरम्भ होगी।"

"निश्चय से", उद्यमी ने सहमत होते हुए कहा। "किस समय?"

"सुबह 5 बजे, " उत्तर मिला। "अपनी सुबह के स्वामी बनें। अपने जीवन-स्तर को ऊपर उठाएँ।"

अध्याय 8

5 AM का तरीका: विश्व निर्माताओं का प्रात:काल का नित्यक्रम

"बहुत अच्छा होता है, यदि हम सूर्योदय से पहले उठ जाते हैं, क्योंकि इस प्रकार की आदतें हमारे स्वास्थ्य में, धन और बुद्धिमता में सहयोगी बनती हैं।" - अरस्तू

"सुबह 5 बजे के क्लब में आपका स्वागत है!" अरबपति ने अपने समुद्र तट के घर की सीढ़ियाँ उतरते हुए गरज़ते हुए कहा। बोन्जोर! यह शुभ प्रभात के लिए वहाँ की दो भाषाओं से बना माँबोली का शब्द हैं। आप बिल्कुल सही समय पर आए हैं! मुझे यह अच्छा लगता है! समयनिष्ठा राजसी गौरव की निशानी है। कम-से-कम वह मेरे खेल की किताब में है। मेरा नाम है स्टोन रिले।" उसने शालीनता से अपना हाथ, अपने दो मेहमानों के अभिनन्दन के लिए बढ़ाया।

फटे-घिसे पुराने कपड़ों के स्थान पर ठीक से कटे-सिले हाफ पेंटों की जोड़ी और बेदाग़ सफेद टी-शर्ट पहन रखी थी जिस पर, "कोई भी विचार तब तक काम नहीं करता, जब तक आप काम न करें", उभारकर छपा था। वह नंगे पाँव था और दाढ़ी सफाचट थी तथा पूरी तरह से चुस्त था, शरीर का अद्भुत धूपताम्र वर्ण था। इस सब से वह, सेमिनार के दौरान दिखने वाली उम्र से अनेकों वर्ष युवा दिख रहा था। सिर पर उसने बास्केट बॉल की काली टोपी पहन रखी थी, जो उलटी थी।

उसकी हरी आँखें अब भी, असाधारण रूप से निर्मल थीं, और उसकी मुस्कुराहट विस्मयकारक विद्युतीय। हाँ, कुछ तो इस व्यक्ति के बारे में, हद से ज्यादा विशेष था, जैसा कि समर्थ उद्यमी ने भाँप लिया था।

एक सफेद कबूतर पूँजीपति के ऊपर मंडराया, हवा में तैरता हुआ, करीब दस क्षणों के लिए, मानो जादू से अटक गया हो। फिर वह उड़ गया। क्या आप इसकी कल्पना कर सकते हैं? वह वास्तव में, एक अनोखा, देखने लायक दृश्य था।

"मैं आप दोनों से गले मिलना चाहता हूँ, यदि आपको कोई आपत्ति न हो", अरबपति ने उमंगपूर्वक अपनी लम्बी बाँहों से दोनों को, उद्यमी तथा कलाकार को एक साथ बिना उत्तर की प्रतीक्षा किए घेरते हुए कहा।

"हे भगवान! तुममें बहुत हिम्मत है। हाँ तुममें है तो", उसने गौर किया। तुमने एक मैले कुचैले-बूढ़े पर विश्वास किया। एक बिल्कुल अजनबी। मैं जानता हूँ कि मैं उस दिन आवारा लग रहा था। अरे! ऐसी बात नहीं है कि मैं फिक्र नहीं करता कि मैं कैसा दिख रहा हूँ। हाँ, मैं अपने बारे में इतना नहीं सोचता कि कैसा दिख रहा हूँ।" वह हँसा, अपनी स्वयं की आत्म-बोध की कमी पर। "मैं वस्तुओं को, यथावत्, रखना पसन्द करता हूँ-अच्छी और सीधी-सादी, पूर्णतया प्रामाणिक, यह सब मुझे अपनी पुरानी अन्तर्दृष्टि की याद दिलाते हैं: बहुत सारे रुपए होने से आप कुछ अलग नहीं बन जाते। वे आपको सिर्फ जैसे आप धन कमाने से पहले थे वैसा अधिक बनाते है।"

अरबपति ने बाहर, समन्दर की ओर ताका और ताज़ी सुबह की आरम्भिक किरणों को स्वयं को नहलाने दिया। उसने आँखें बन्द की और गहरी साँस लीं। उसके पेट की तराशी हुई मास पेशियां, उसकी टी-शर्ट से दिख रही थी। फिर, उसने अपनी काले पेंट की पिछली ज़ेब में से, एक फूल निकाला। न तो उद्यमी ने, और न कलाकार ने कभी ऐसा फूल देखा था। और वह उस अरबपति के पॉकेट में रहने से, खराब भी नहीं हुआ था। विचित्र!

"फूल उन लोगों के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होते हैं जो अपने काम में तथा निजी जीवन में जादू पैदा करना चाहता है।" पंखुड़ियों को सूँघते हुए बादशाह ने कहा। वैसे मैं कहना चाहता था कि मेरे पिता एक किसान थे। मैं खेत में बड़ा हुआ, साउथेर्न कैलीफोर्निया जाने से पहले। हम सीधा-सीधा सोचते, सादा खाते, और सादा रहते थे। हम गाँव के लड़के को गाँव से बाहर ले जा सकते हैं, मगर हम लड़के में से गाँव को बाहर नहीं निकाल सकते," उन्होंने आगे कहा, अपने उत्साह को प्रकट करते हुए जो छूत की तरह से फैल रहा था, जबकि उसकी निगाहें अब भी भव्य, समन्दर पर ही चिपकी हुईं थीं।

उद्यमी तथा कलाकार ने अरबपति का प्रचुर, धन्यवाद किया। उन्होंने बतलाया कि उनका साहस अब तक अपूर्व, रहा है और इमानदारी से आगे कहा कि यह टापू और उसका एकान्त समुद्र-तट, पहले देखी हर वस्तु से अधिक खूबसूरत हैं। “आदर्श राज्य है न,” अरबपति अपना धूप-चश्मा पहनते कहा। “मुझे पक्का आशीर्वाद मिला है, प्रसन्नता है, कि तुम छिछोरों यहाँ हो।”

“तब क्या वो आपके पिता थे जिन्होंने आप में, सूरज के साथ उठने की आदत डाली?” कलाकार ने समन्दर के किनारे पर टहलते-टहलते पूछा।

एक छोटा-सा केंकड़ा साथ-साथ दौड़ने लगा और तीन तितलियाँ ऊपर उड़ गई।

विस्मय के साथ अरबपति ने धुम्मकड़ दरवेश की भाँति चक्कर काटना आरम्भ किया। घूमते-घूमते वह इन शब्दों को चिल्ला रहा था, “मैं इन्हें आपके चेम्बर के पर्दों पर लिखवा दूँगा: “यदि आप प्रात:काल जल्दी नहीं उठेंगे, तो आप किसी भी बात में उन्नति नहीं कर सकते।”

“हुँऽम्! आप क्या कर रहे हैं?” उद्यमी ने पूछा। “यह विलियम पिट, चेथम के अर्ल का एक अति सुन्दर उद्धरण है। किसी खास कारण से, मुझे इसे अभी बाँटने की आवश्यकता अनुभव हुई। वैसे भी मुझे अपने पिता से सम्बन्धित प्रश्न का उत्तर देने दो,” धनवान् ने भद्दे ढंग से कहा।

“हाँ और नहीं। मैंने अपने बचपन की हर सुबह, उन्हें जल्दी उठते देखा है। जैसा किसी भी अच्छी आदत के साथ होता है। उन्होंने इतनी बार उसे किया कि उसे न करना उनके लिए असम्भव हो गया। मगर अधिकांश बच्चों की तरह, मैं उसका विरोध करता था, जिसे वे मुझसे करवाना चाहते थे। मेरे मन में हमेशा किसी-न-किसी प्रकार का विद्रोह रहता ही था। मैं एक प्रकार से डाकू था। बजाय छोटा-सा युद्ध मेरे साथ प्रतिदिन लड़ने के, फिर कारण चाहे जो हो, वे मुझे वह करने देते, जो मैं करना चाहता था। अत:, मैं देर तक सोता।”

“शान्त पिता, शान्त,” उद्यमी ने कहा जो योग की पोशाक तथा साधनों से सुबह तैयार थी और सावधानी से जानकारी लेने के लिए अपने साधनयंत्र लाई थी। अरबपति ने स्वीकार किया और अपने विद्यार्थियों के गले में बाहें डालें, वह पुरातन, समुद्र तट पर धीमे-धीमे चलते रहे।

मि. रिले ने आगे बोलना जारी रखा। “वास्तव में तो निपुण वक्ता ने मुझे 5 AM का तरीका सिखाया था। मैं उस समय युवा था जब मैं उनसे पहली बार मिला था। मैंने उसी समय अपनी प्रथम कम्पनी आरम्भ की थी। मुझे किसी की मदद चाहिए थी जो मेरा मार्गदर्शन कर सके, मुझे चुनौती दे और व्यवसायक शिखर की सफलता पाने वाला, और नायक के रुप में। मेरा विकास करे। सभी ने कहा कि वह अभी तक के विश्व के सर्वश्रेष्ठ कार्यकारी प्रशिक्षक हैं। उनकी तीन वर्षों की प्रतीक्षा सूची थी। अत: मैं उन्हें तब तक रोज़ फोन करता रहा जब तक उन्होंने मेरे ज्ञान गुरु बनने की सहमति नहीं दे दी। उस समय वे भी काफी युवा थे। मगर उनकी शिक्षाओं में ज्ञान की गहराई, शक्ति की शुद्धता और सरल प्रभाव था। जो उनकी उम्र से कहीं अधिक आगे था।”

“और फिर, शीघ्र उठने के नियम ने सहायता की?” कलाकार बीच ही में बोल उठा।

अरबपति कलाकार को देखकर मुस्कराया और चलना रोक दिया।

“वही एक आदत थी जिसने हर आदत को बदला और उच्चस्तरीय किया।” अनुसंधानकर्ता अब इस प्रमुख आदत को “मूलतत्व आदत” कहते हैं जो आपके अन्य सभी, सामान्य, नियमित प्रदर्शन को गुना करती है। इसे अपने में, एक तटस्थ, बलहीन, निष्क्रिय के रूप में अपना लेने में कुछ प्रयास लगने वाला हैं ताकि अपने मन की सबसे बलवान वचनबद्धता को पूरी कर सकूँ, जो मुझ में बसी थी। मैं आपके साथ ईमानदार रहूँगा। इस प्रक्रिया को स्वयंचलित करने के दौरान, मैं अनेकों दिन, अनेकों बार, सनकी हो जाता था। उन दिनों मेरा सिर कोई, अन्दर से हथौड़े की भाँति तड़ातड़ मारता था, और वे सुबहें, जब मैं सोते रहना चाहता था। मगर एक बार मैंने द्वार में ताला लगाया और निश्चय कर लिया कि प्रतिदिन सुबह 5 बजे को उठूँगा। और मेरे दिन लगातार बढ़ने लगे-अत्यधिक विस्तारित हो गए-विशाल, अपार, विपुल हर किसी वस्तु से बेहतर ऐसा मैंने अनुभव किया।”

“मगर, कैसे?” दोनों श्रोताओं ने एक साथ, जोर से, आश्चर्य चकित हो कर पूछा।

उद्यमी ने कलाकार की कलाई पर रखी उँगलियों में से एक को, बड़े स्नेह से छुआ, मानों संकेत कर रही हो कि वे दोनों इस अनुभव में साथ-साथ हैं और अब वे एक टीम हैं और उसके हृदय में, उसके लिए अब सर्वश्रेष्ठ

कामनाएँ थी। कलाकार ने भी अपनी आँखें उसी पर टिका दी। एक मीठी मुस्कान उभर आई।

अरबपति आगे बोलते रहे: "ऐसे घातांकी बदलाव के समय में, भारी, ध्यान-भंगों तथा लबालब भरी समय-सारणियों के बावजूद सुबह 5 बजे उठकर, और अपने सुबह के कार्यक्षेत्र को पूरा करके, निपुण वक्ता ने मुझे जो सिखाया, वह मेरा सामान्य के खिलाफ प्रतिविष था। अब, मेरी सुबह में से भाग-दौड़ समाप्त हो गई थी! कल्पना करें, सिर्फ इतनी-सी बात आपके दिन की गुणवत्ता के लिए कितना कुछ कर सकती है। अपने दिन को उस शान्ति के मजे लूट कर आरम्भ करना, जो सिर्फ प्रात:काल ही दे सकता है। स्वयं को सबल, केन्द्रीयकृत और विमुक्त महसूस करते हुए दिन की शुरुआत। मैंने अपने मस्तिष्क को नाटकीय रूप से दिन बीतने के साथ अधिक एकाग्र पाया। हर महान् कार्य-निष्पादक, फिर चाहे वह चॅम्पियनशिप एथलीटहो, एक उच्च स्तरीय प्रशासनाधिकारी हो, एक विख्यात वास्तुशिल्पी हो, और/या आदरणीय कोशिकाज्ञानी हो, उन्होंने अपने दीर्घकालीन विशेष ज्ञान पर गहराई से, अबाध समय के लिए, केन्द्रीयकृत करना सीख लिया था। यह सामर्थ्य एक विशेष तत्व है जो उन्हें बहुत ही उच्च श्रेणी के परिणाम पैदा करने में समर्थ बनाता है, इस दुनिया में, जहाँ बहुत-से लोग अपने ज्ञानात्मक समूह के विस्तार को कम कर देते हैं और अपने लक्ष्य को हिस्सों में बाँट देते हैं और अपने दुर्बल निष्पादन को, तथा सामान्य उपलब्धियों को, सामान्य योग्यता के सिर मँढ़ देते हैं।

"मैं पूरी तरह से सहमत हूँ", कलाकार ने संकेत दिया। आज के दिनों में, विरल हो गया है किसी को अपनी कला पर लगातार, घंटों ध्यान केन्द्रित देखना। निपुण वक्ता सही थे जब उन्होंने अपने अधिवेशन में, लोगों को उनके साधनों का 'आदी' "सायबर ज़ोम्बीज़" कहा था। मुझे ये लोग प्रतिदिन मिलते हैं। मानों वे असली मानव अब हों ही नहीं। ज्यादा रॉबटों के समान, अपने स्क्रीन से चिपके रहते हैं। अनुपस्थित। और जीवन के लिए आधे जीवित"।

"मैं तुम्हें सुनता हूँ," अरबपति ने कहा। ध्यान-भंग से सुरक्षा ही है, कि आपको कैसे काम करने की आवश्यकता है। जिससे आप कार्य आरम्भ करें, यदि आप अपने क्षेत्र में प्रभुत्व जमाकर अपने कौशल को बढ़ाना चाहते हैं। जिस अवस्था के बारे में हम बात कर रहे हैं, मनोवैज्ञानिक उसे सर्वोच्च मानसिक स्थिति कहते हैं, जहाँ हमारा प्रत्यक्ष ज्ञान या बोधज्ञान उभर आता है, और हम मौलिक भावनाओं के लिए ऊँचे उठ जाते हैं और हम तमाम नए स्तरों की विश्लेषणात्मक शक्ति पा जाते हैं-बहाव। और सुबह 5 बजे को उठना मनोमुग्धकारी तरीके से "बहाव" को बढ़ावा देता है। "ओह! और सूर्योदय से पहले सोकर उठने से, जब कि आपके आस-पास के सभी, सो रहे होते हैं - मेरी रचनात्मकता बढ़ गई , मेरी शक्ति यथार्थ में दूनी हो गई, मेरी उत्पादकता हर हालत में तिगुनी हो गई... मेरी..."

"आप गम्भीर हैं?" उद्यमी ने टोका, क्योंकि वह अपनी रुचि को वश में नहीं रख पा रही थीं सिर्फ इतने से विचार को कि सुबह के थोड़े-से कार्यक्रमों को सरका देने से एक मानव-जीवन पूरी तरह से पुनः व्यवस्थित किया जा सकता है। - "पूरी तरह से। ईमानदारी इतने वर्षों के व्यापार में, मेरा मुख्य दृढविश्वास रहा है। अपनी निर्मल आत्मा और गंदगी मुक्त दिल के साथ शीघ्र सो जाने को, और कोई भी वस्तु हरा नहीं सकती। मेरा अनुमान है कि शायद यही मेरा कृषक-बालक का स्वभाव है। अरबपति ने अन्दाज़ा लगाया।

सहसा, उद्यमी के फोन ने एक आवश्यक सन्देश के आने की सूचना दी। "क्षमा करें मुझे, पर मैंने तो अपने दल को आगाह कर दिया था कि वे मुझे यहाँ फोन न करें। यह मेरा स्पष्ट आदेश था। मैं नहीं जानती कि वे मुझे यहाँ क्यों परेशान कर रहे हैं?" और उसने स्क्रीन पर देखते हुआ कहा -

सारे बड़े अक्षरों में निम्नलिखित शब्द चमककर झलक रहे थे:

कम्पनी छोड़ दो। अन्यथा तुम मरोगी।

उद्यमी अपने फोन को अनिश्चिति से टटोलने लगी। फिर उसने उसे ग़लती से रेत में गिरा दिया। जल्दी ही वह साँस लेने को हवा ढूँढ़ रही थी।

मुसीबत की आशंका से कलाकार ने शीघ्रता से पूछा, "क्या हुआ?"

अपने मित्र के चेहरे से रक्त बहता देखकर और हाथों को काँपता देख, उसने अधिक गम्भीरता तथा

सहानुभूति से पुनः पूछा, “क्या हुआ?”

अरबपति भी चिंतित दिखा। “क्या आप ठीक हैं? क्या आपको कुछ चाहिए? पानी, या कुछ और?”

“मुझे अभी-अभी मौत की धमकी मिली है। अपने...ओऽऽ...मेरे...पूँजीनिवेशकों की ओर से। उन्हें मेरी कम्पनी चाहिए। वे...अँ...मुझे उसमें से निकाल बाहर करना चाहते हैं, ठोकर मारकर...क्योंकि वे सोचते हैं कि मेरा हिस्सा बहुत बड़ा है। उन्होंने अभी-अभी मुझसे कहा कि मैं यदि नहीं जाऊँगी तो...वे...मुझे मार देंगे।”

तत्काल, अरबपति ने अपना धूप-चश्मा हटाया जिसे वे पहने थे और उसे घुमाते हुए उन्होंने हवा में पकड़े रखा। कुछ ही सेकेण्डों बाद, पाम वृक्षों के पीछे से उभरते हुए दो विशाल व्यक्ति, कान में सुनने के यंत्र लगाए, रायफलें लिए, सागर तट पर दौड़ते हुए आए मानों नशा लिए साइकल सवार हों।

“स्वामी! आप ठीक हैं, न? उनमें से अधिक लम्बे व्यक्ति ने उत्तेजना से पूछा।

“हाँ”, आत्म-विश्वास से भरा, शान्त उत्तर सुरक्षा-कर्मचारी को मिला। “मगर, मैं चाहता हूँ कि आप दोनों इसे विस्तार से, तत्काल, खोजें - यदि मेरा ऐसा करना आपको शान्त रखेगा”, ऐसा कहते हुए उसने उद्यमी की ओर देखा। “मैं समस्या से हमेशा के लिए छुट्टी दिला सकता हूँ।”

फिर अरबपति ने स्वयं से कुछ बुदबुदाते हुए कहा। कबूतरों की सेना आस-पास उड़ कर निकली।

“हाँ, ठीक है। मैं कुछ सहायता पाना चाहूँगी,” उद्यमी ने उत्तर दिया। उसकी आवाज़ अब भी काँप रही थी और मस्तक के अगले हिस्से में, पसीने के मोती उभर आए थे, उस क्षेत्र में जहाँ सारी झुर्रियाँ थीं।

“इसे हमारे साथ ही छोड़ दें”, अरबपति ने घोषणा की। फिर उसने अपने रक्षकों से कहा, नम्रता से, मगर प्रभुत्वभरी आवाज़ में। “प्रतीत होता है कि मेरी मेहमान यहाँ किसी के द्वारा गम्भीरता से परेशान की जा रही हैं, कुछ धोखेबाजों के द्वारा, जो उसके व्यवसाय को ले लेना चाहते हैं। कृपया ठीक से पता लगाइए कि वे क्या करना चाहते हैं, फिर, उसे अपने सुझाव के साथ मुझे बताएँ।”

“आप चिन्ता न करें”, उसने उद्यमी से कहा! “मेरे लोग, इस काम में सर्वश्रेष्ठ हैं। यह समस्या नहीं रहेगी।”

मि. रिले ने इस आखिरी वाक्य को, व्यंजनों को जोड़ते हुए, उच्चारित किया - प्रत्येक शब्द पर जोर देते हुए, ताकि दबाव का प्रभाव दिखे।

“आपको अनेकों आभार”, उद्यमी ने प्रत्युत्तर में कहा। अब वे बेहद चिन्ता-मुक्त दिख रही थीं।

कलाकार ने मृदुता से उनका हाथ पकड़ा।

“क्या ठीक रहेगा, यदि मैं आगे बढ़ूं?” अरबपति ने अनुमति माँगी, क्योंकि उष्ण-कटिबन्धीय सूर्य सौन्दर्यमय आकाश में काफी ऊपर - चढ़ आया था।

उसके मेहमानों ने स्वीकृति में सिर हिलाया।

समुद्र तट पर, अधिक ऊँचाई पर बनी, एक कुटिया में से एक सेवक, स्वच्छ कपड़े पहने, बाहर निकला, उस पर हरी छपाई की गई थी, जो सफेद किनारों पर समाप्त होती थी। शीघ्र ही सहायक ने उद्यमी तथा कलाकार को सबसे स्वादिष्ट, मनभावन कॉफी परोसी जो उन्होंने अपने जीवन में कभी नहीं पी थी।

“यदि, प्रति प्रातः, समतौल मात्रा में इसका सेवन किया जाए, तो यह अद्भुत, ज्ञानदायी लाभ देता है, अरबपति ने बात का विस्तार चुस्कियाँ लेते-लेते किया।” और यह नशा-विहीनकों से भरा हुआ है, अतः काफी उम्र को धीरे-धीरे बढ़ाती है।

“हाँ, वैसे - हम कहाँ थे? मैं आप लोगों को उन अद्भुत फायदों, के बारे में बता रहा था जो मुझ तक तैरकर आए, जब मैंने 5 AM क्लब को स्वयं से जोड़ लिया और प्रातः काल के प्रणालीकरण से जुड़ गया, जो मुझे निपुण वक्ता ने बताई थी। उसे *20/20/20* सूत्र कहते हैं, और विश्वास करें, एक बार आपने इस प्रक्रिया को अकेले में सीख लिया और फिर उसे आग्रह पूर्वक, ज़िदपूर्वक, नियम से करते रहे तो आपकी उत्पादकता, खुशहाली तथा कार्य-कुशलता तथा प्रभाव दर्शनीय रूप से बढ़ जाएगा। मैं किसी और विधान के बारे में नहीं जानता जिसने मेरी सफलता और कुशलता में इतना अधिक सहयोग दिया हो। मैंने अपने व्यापार में क्या किया है, इस बारे में मैं सदा

से निम्न स्वर में बोलता आया हूँ। मैंने शेखी बघारने तथा डींगें हाँकने को चरित्र का एक बड़ा दोष माना है। जितना अधिक व्यक्ति समर्थ होगा, उतनी कम जरूरत पड़ेगी स्वयं को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने की। और नायक जितना अधिक सशक्त होगा, उन्हें उतनी कम आवश्यकता पड़ेगी प्रचार करने की।

"निपुण वक्ता ने इस बारे में थोड़ा-सा बताया था कि आपने क्या-क्या पाया है, उपलब्धियों के रूप में", उद्यमी ने कहना चाहा। अब वह और अधिक तनावरहित लग रही थी।

"और जिस उद्धत ढंग से आपने क्रांफ्रेंस में कपड़े पहने थे, वे इसे सिद्ध करता है।" कलाकार ने बीच में ही कुछ टूटे दाँत कामुक हंसी से सजा कर कहा।

"प्रतिदिन सुबह 5 बजे उठना एक प्रमुख निजी आदत थी जिसने अधिकांश बातें कर दी थीं। उसने मुझे दूरदर्शी विचारक बनाया। मुझे आत्म-प्रकाशित करनेवाला स्थान दिया। शानदार आय वृद्धि, उच्चस्तरीय जीवन और अच्छा स्वास्थ्य दिया। इसने मुझे एक बेहतर इन्सान में विकसित होने में सहायता की। हालांकि जब प्रोस्टेट के कैंसर ने मेरा पतन करने की कोशिश की, तब भी मेरी, सुबह शीघ्र उठने की क्रिया ने मुझे अछूता बनाए रखा। यह वास्तविक में था। अब मैं आने वाले पाठ में *20/20/20* सूत्र के बारे में समझाऊँगा तो ज्ञात हो जाएगा कि उठने के बाद, पहले ही क्षण से, चमत्कारी परिणाम कैसे पाने चाहिये। तुम चुलबुलों, आने वाली सूचनाओं की शक्तियों और मूल्य को समझ नहीं पाओगे। मैं तुम दोनों के लिए इतना उत्तेजित हूँ। "स्वर्ग" में आपका "स्वागतम्" तथा "मंगल आगमन" बेहतर जीवन के महत्त्वपूर्ण शुभ जीवन के प्रथम दिवस में मंगल आगमन।"

उद्यमी उस रात अनेकों वर्षों बाद मॉरीशस में बहुत गहरी नींद सोई, धमकी मिलने के बावज़ूद अरबपति की संक्षिप्त सूचनाओं ने, भव्य प्राकृतिक परिस्थितियों, समन्दर की निर्मल हवा तथा कलाकार के प्रति बढ़ते अनुराग ने, उसे अपनी अनेकों, समस्याओं को भुलवा दिया और उसने जीवन की उस शान्ति को पा लिया जिसे वह अनेकों वर्षों से भुला चुकी थी।

फिर, ठीक 3.33 AM को, उसने अपने दरवाजे पर एक जोरों का धमाका सुना।

उसे समय का पता चल चुका था क्योंकि उसने उस अलार्म घड़ी पर नज़र डाली थी, जिसे उसके स्टायलिश गेस्ट हाऊस के मेज़मान ने लकड़ी की नाइट टेबल पर, उसके लिए सजाकर रखा था। उद्यमी समझ गई थी कि वह कलाकार होगा जो जेट-लेग या अद्वितीय विशाल डिनर जो दोनों ने साथ-साथ करने के बाद, सो नहीं पाया होगा। बिना पूछे कि कौन है, उसने दरवाज़ा खोल दिया,

वहाँ कोई नहीं था।

"हेलो?" उसने सितारों भरे आकाश से पूछा।

उसके कॉटेज के पास की लहरें समुद्र तट से टकरा रहीं थीं। गुलाब की खुशबू, चन्दन की खुशबुओं को हवा में पहचाना जा सकता था।

"क्या, यहाँ कोई है?"

निस्तब्धता।

उद्यमी ने सावधानी से दरवाज़ा बन्द किया। इस बार उसने साँकल लगा ली। जैसे ही उसने घिसटकर, पैर रगड़कर अपने बिस्तर के पास जाने की कोशिश की जो मिस्र की कॉटनों तथा इंग्लिश लिनेन्स से ढंका हुआ था, दरवाजे पर तीन धमाकेदार टकोरे फिर से हुए।

"हाँ?" उद्यमी ने चीखकर कहा, अब वह चौकन्नी थी। "बोलो?"

"हम आपकी आदेशित सुबह की काफी लाए हैं, मेडम", एक भर्राई, मोटी आवाज़ ने उत्तर दिया।

उद्यमी का चेहरा फिर से रेखाओं से भर गया। उसका दिल जोरों से धड़कने लगा। वह गहराई तक दुःख में पड़कर, व्यथा झेलने लगी और उसके पेट में गुठलियाँ बनने लगीं, मानो आल्प्स की चोटियाँ हों, गाँठों वाली। "वे

मेरे लिए कॉफी ला रहे हैं, इस बेहूदे समय में? अकल्पनीय।"

वह गेस्ट हाऊस के सामने तक आई, ताला खोला और अटकते हुए दरवाजा खोला।

एक मोटा गठीला आदमी, अप्रिय, गंजे सिर का जिसकी आँख मानो गड्ढे से जुड़ी न हो, ठिठोली करते हुए। उसने लाल रंग का विंडब्रेकर और डेनिम के शॉर्टस् पहने हुए थे, जो उसके घुटनों के नीचे तक जाते थे। गले में नीले रंग की पतली चेन थी। उससे लटकता हुआ उस व्यक्ति का चेहरा था जो प्लास्टिक से लेमिनेटेड था।

उद्यमी ने चेहरे को अधिक साफ देखने के लिए, आँखों को भेंगा किया, ताकि अँधेरे में कुछ दिखे। और जब ऐसा उसने किया, तो उसे एक अधिक उम्र के आदमी का चेहरा दिखा, जिसे वह बहुत अच्छे से जानती थी, जिसे वह बहुत प्यार करती थी, जिसे उसने बहुत याद किया।

प्लास्टिक में वह चित्र, जिसे वह देख रही थी, उसके मृत पिता का था।

"कौन हो तुम?" भयभीत उद्यमी ने चीखकर पूछा। "यह फोटो तुम्हें कैसे मिला?"

"मुझे तुम्हारे व्यवसाय में हिस्सेदारों ने भेजा है। तुम्हारे से सम्बन्धित हर जानने लायक बात हम जानते हैं। सब-कुछ। हमने तुम्हारी सारी निजी जानकारी की फाइलों को उड़ा लिया है। हमने तुम्हारे सारे इतिहास को जान लिया है।" विंडब्रेकर पहने हुए गंजे आदमी ने अपने बेल्ट के अगले हिस्से में हाथ डाला- और एक चाकू निकालकर उद्यमी की दुबले-पतले नसोंवाली गर्दन पर रख दिया।

"तुम्हारी रक्षा अब कोई नहीं कर सकता। हमारा एक पूरा दल आपको लक्ष्य बनाकर कार्य कर रहा है। मैं तुम्हें कोई चोट नहीं पहुँचाऊँगा... फिलहाल। इस समय मैं सिर्फ एक मुद्दे पर बात करने आया हूँ। तुम्हें एक सन्देश मौखिक रूप से देने...। अपनी कम्पनी छोड़ दो। अपनी इक्विटी त्याग दो। और बाय-बाय कर लो। अथवा, यह धार तुम्हारे गले में धँस जाएगी। जब तुम्हें जरा-सी भी कल्पना नहीं होगी...। जब तुम सोचोगी कि तुम सुरक्षित हो। शायद अपने उस थुलथुले चित्रकार मित्र के साथ..."

उस मनुष्य ने चाकू को खींचकर दूर किया और उसे अपने बेल्ट के नीचे रखा। "रात शुभ हो मॅडम। आप से मिलना बहुत अच्छा लगा। मैं जानता हूँ, हम लोग एक-दूसरे से, फिर से जल्दी मिलेंगे।" फिर वह आगे बढ़ा और उसने दरवाज़ा जोरों की आवाज़ के साथ "धड़ाम्" से बन्द किया।

पूरी तरह से हिल चुकी उद्यमी अपने घुटनों पर गिर पड़ी।

"हे प्रभु! मेरी रक्षा करो। मैं इसे, अब और नहीं सह सकती! मैं मरना नहीं चाहती।"

दरवाजे से तीन बार और टकोरे की आवाज़ आई। ये कुछ मंद थी।

"हे, यह मैं हूँ। कृपया द्वार खोलो।"

इन दस्तकों ने उद्यमी को अचम्भित कर दिया। और उसे जगा दिया। दरवाज़े को ठोकना जारी रहा। उसने अपनी आँखें खोलीं, प्रकाश से सूने, कमरे में नज़रें दौडाईं-और अनुभव हुआ कि वह तो किसी दुःस्वप्न में डूबी हुई थी।

व्यवसायिका अपने बिस्तर से उठी, ओक की लकड़ी के चौड़े-चौड़े पटरों से बने फर्श को छूते, लड़खड़ाते दरवाज़े तक गई और आगे का द्वार खोला। परिचित आवाज़ को सुन समझ गई कि यह कलाकार है।

"मैंने अभी-अभी, बिना सिर-पैर का सपना देखा है", उद्यमी ने कहा। "एक निष्ठुर व्यक्ति यहाँ आया था, गले में एक प्लास्टिक का टुकड़ा लटक रहा था, जिसमें मेरे पिता की फोटो लगी थी और मुझे चाकू मारने की धमकी दी, यदि मैं अपनी कम्पनी छोड़ती नहीं हूँ।"

"अब आप ठीक हैं?" कलाकार ने मृदुता से पूछा।

"मैं ठीक हो जाऊँगी।"

"मुझे भी एक असाधारण स्वप्न आया था", कलाकार ने बताया। "उसके बाद मैं सो नहीं पाया। उसने मुझे अनेकों बातों पर सोचने को मज़बूर कर दिया। मेरी कला की योग्यता, मेरी आस्था प्रणाली की गहराई, मेरे बहानों की मूर्खता। मेरा पागलों-जैसा व्यवहार। मेरी आक्रामकता मेरा आत्म-विध्वंस तथा मेरी निरन्तर

टालमटोल आदि। मैं अपने दैनिक कार्यक्रमों का विश्लेषण कर रहा हूँ। और अब, मैं अपना शेष जीवन कैसे बिताऊँगा। अरे! क्या निश्चय से तुम ठीक हो?" कलाकार ने प्रश्न किये। यह सोचकर कि वह स्वयं के बारे में कुछ ज़्यादा ही बोल रहा था, अपनी चौकन्नी सहयोगिनी साथिन पर खास ध्यान नहीं दे रहा।

"मैं ठीक हूँ, अच्छी हूँ मैं, क्योंकि आप साथ हो।"

"सच में?"

"हाँ।"

"मैंने आपका अभाव अनुभव किया", कलाकार ने कहा। "क्या ठीक रहेगा, अगर मैं अपने सपने के बारे में, कुछ अधिक बताऊँ तो ?"

"अच्छा, बताओ", उद्यमी ने उत्साहित किया।

"ठीक है। मैं स्कूल में छोटा-सा बालक था और हर रोज़ मैं कल्पना करता था कि मैं दो चीज़े हूँ: मैं एक राक्षस हूँ, और एक डाकू हूँ। पूरे दिन, मैं यही विश्वास रखता कि मुझ में राक्षस की शक्ति है, और नियमों को तोड़नेवाले, अकड़ मैंने अपने शिक्षकों से कह दिया था कि मैं यह दोनों चरित्र हूँ। और घर में, अपने माँ-बाप से भी यही कहा था। मेरे शिक्षक मेरी बात पर हँसते और फिर मुझे नीचे उतारते, यह कहते हुए कि मुझे अधिक यथार्थवादी बनना चाहिए, दूसरे बच्चों की ही तरह से व्यवहार करना चाहिए और मुझे अपने हर प्रकार के हास्यास्पद "सपने देखना" बन्द कर देना चाहिए।"

"आपके माँ-बाप ने क्या कहा ? क्या वे आपके साथ विनम्र थे?" उद्यमी ने पूछा," जो अब अपने पैरों को क्रॉस करके सोफे पर बैठी थीं, जो योग का एक आसन था।

"वही, जो मेरे शिक्षकों ने कहा था। उन्होंने मुझे समझाया कि मैं राक्षस नहीं हूँ। और डाकू तो निश्चय से, नहीं ही हूँ। उन्होंने मुझे याद दिलाया कि मैं एक छोटा-सा बालक हूँ। और समझाया कि यदि मैं अपनी कल्पना को काबू में नहीं रखूँगा, अपनी सर्जनात्मकता को दबोचकर नहीं रखूँगा, और अपनी कल्पना-तरंगों को, भटकने दूँगा तो वे मुझे दण्ड देंगे।"

"तब क्या हुआ?"

"मैंने वही किया जो मुझसे करने को कहा गया। मैंने हार मान ली। मुझे बड़ों के स्वभाव में घुसना पड़ा। मैंने स्वयं को बहुत नन्हा-सा बना लिया, बजाय बृहद् बनाने के, ताकि मैं अच्छा बालक बन सकूँ। मैंने अपनी आशाओं उपहारों और शक्तियों का दम घोंट दिया-जैसा अधिकांश व्यक्ति प्रतिदिन करते हैं-रोज-रोज, अपने जीवन में। मुझे ज्ञात होना शुरू हो रहा है कि हम, अपनी चमक से दूर जाने के लिए कितने मुग्ध हो गये हैं, और हमारे मन-मस्तिष्क से हमारी प्रतिभा धो दी गई है। निपुण वक्ता तथा अरबपति, दोनों ही सही हैं।"

"अपने सपनों के बारे में अधिक बताइए न!" उद्यमी ने अनुरोध किया।

"मैं स्वयं को प्रणाली के अनुसार ढाँचे में ढालने लगा। मैं अनुगामी बनने लगा। मैंने अब सोचना बन्द कर दिया था कि मैं सर्व शक्तिमान राक्षस के समान हूँ और डाकुओं के समान। मैंने समूह के साथ भेड़-चाल शुरू कर दी, औरों के समान बनने लगा। अन्त में, मैं उस व्यक्ति में बदल गया जो पैसे खर्च करते हैं, जो उनके पास नहीं होते। मेरे पास भी नहीं थे। न उन वस्तुओं को खरीदना चाहता था जो मुझे पसन्द नहीं थीं। उन लोगों को प्रभावित करने के लिए, जिन्हें मैं पसन्द नहीं करता। कितना दयनीय तरीका है यह जीने का।"

"मैं भी इस तरह के कुछ व्यवहार करती हूँ", उद्यमी ने स्वीकार किया। "मैं स्वयं के बारे में इतना-कुछ सीख रही हूँ, इस अलौकिक, मगर इस, बहुत उपयोगी यात्रा की शुक्रगुजार हूँ, मैंने जानना शुरू कर दिया है कि मैं कितनी अवास्तविक, कितनी स्वार्थी हूँ मैं और कितनी सारी अच्छी बातें, मेरे जीवन में, मेरे पक्ष में, मेरा साथ दे रही हैं। इस विश्व के अनेकों व्यक्ति कल्पना भी नहीं कर सकते, उन आशीषों की, जिन्हें मैं भोग रही हूँ।"

"समझ गया", कलाकार ने कहा। "अत: मेरे स्वप्न में, मैं मुनीम बन गया। मैंने विवाह कर लिया और मेरा एक परिवार था। मैं एक उप-खण्ड में रहता था और एक अच्छी कार चलाता था। मेरा जीवन यथेष्ट सुन्दर था। कुछ वास्तविक मित्र, काम जिससे मेरा उधार चुक जाता था, और तनख्वाह जो मेरे उधार के बिलों को सँभाल

लेती थी। मगर हर दिन, एक समान प्रतीत होता था। ग्रे बनाम रंगीन। मनोहर के मुक़ाबले उबाऊ। ज्यों-ज्यों मैं बूढ़ा हुआ, बच्चों ने घर छोड़ दिया, वे अपना स्वयं का जीवन जीना चाहते थे। मेरे शरीर की उम्र बढ़ी और मेरी शक्ति कम हो गई। दुर्भाग्यवश, मेरे सपने में मेरी पत्नी गुज़र गई। जब मैं और बूढ़ा हुआ, मेरी नज़रें कमजोर होने लगीं, मेरा सुनना कम हो गया और मेरी स्मृति अत्यधिक कमजोर हो गई।"

"इन सब ने मुझे दुःखी कर रखा है", उद्यमी की ध्वनि में असुरक्षा और अति संवेदनशीलता झलक रही थी।

"और मैं जब सचमुच बूढ़ा हुआ तो मैं यथार्थ में भूल गया कि मैं कहाँ रहता था, अपना नाम भी याद नहीं और याददाश खो गई कि मैं समाज में कौन था। मगर मुझे याद आने लगा था कि मैं वास्तव में, सच में, कौन था।"

"एक राक्षस, और एक डाकू। ठीक है न?"

"बिल्कुल ठीक!" कलाकार ने उत्तर दिया।

"सपने ने मुझे समझा दिया, अब मैं अद्भुत कार्यों को अधिक समय तक टाल नहीं सकता। कि मैं अब, अपने स्वास्थ्य, अपना सुख, मेरा आत्मविश्वास, यहाँ तक कि मेरे अपने प्रेम मय जीवन के सुधार को और नहीं टाल सकता"

"सच में?" उद्यमी ने टुकुर-टुकुर देखा और विस्मित हुई।

"हाँ, वास्तव में।" कलाकार ने प्रत्युत्तर में कहा।

फिर वह आगे बढ़ा। उसके माथे पर चुम्बन किया।

अध्याय 9

महानता की अभिव्यक्ति के लिए रुपरेखा

"महान व्यक्ति सारयुक्त वस्तु के साथ रहते हैं। वे सतही वस्तु के साथ नहीं रहते। वे वास्तविकता को स्वीकारते हैं, वे आडम्बर के साथ नहीं रहते।

एक का वे त्याग करते हैं और दूसरे को स्वीकार।"– लाओत्जु

"अरे चुलबुलों", अरबपति की आवाज़ गुँजी। "तुम लोग तो ठीक समय पर आ गए, सदा की तरह। अच्छा किया!"

समय सुबह 5 बजे का था और वापस लौटकर अस्त हो रहे चन्द्रमा की मात्र रूपरेखा आसमान में रह गई थी। नए प्रभात की किरणें पूर्ण सुन्दर समुद्र-तट पर खड़े तीन मानवों का स्वागत कर रही थीं।

सुगन्धित समुद्र की हवा लाल हिबिस्कस की संगीत-लहरियों के साथ, लौंग तथा गाँठवाले ट्यूब रोज़ की मोहक सुगन्ध फैला रहे थे। मॉरीशस की एक सबसे विरल चिड़िया बाज़-खेरमुतिया-सिर के ऊपर से उड़कर गई और एक गुलाबी क़बूतर-पूरे ग्रह से जो अदृश्यवत् हो चुका है-पाम वृक्षों के प्रगाढ़ झुरमुट में, अपना काम कर रहे थे।

छिपकली का परिवार तेजी से हमारे पास से गुज़र गया, किसी बहुत आवश्यक जगह के लिए और राक्षसाकार अलडबरा कछुआ, किनारे पर उगे घासवाले चरागाह पर से घिसटता हुआ निकल गया। इस प्रकार का प्राकृतिक सौन्दर्य, 5 AM क्लब के तीन सदस्यों का उत्साह और स्फूर्ति बढ़ा गया था, जो वहीं, रेत पर खड़े थे।

अरबपति ने समुद्र में तैर रही एक बोतल की ओर इशारा किया। जब उन्होंने अपनी उँगलियों को एक ओर से दूसरी ओर, घुमाया, तो बोतल एक किनारे से दूसरे ओर जाने लगी। जब उन्होंने अंगुलि पोर को घुमाया, तो वैसे ही बोतल भी घूमने लगी। और जब उन्होंने हाथ को धीरे से उठाया, बोतल समुद्र की सतह से उठती हुई दिखी।

शीघ्र ही पात्र गीली रेत पर बहकर आ गया और यह स्पष्ट हो गया कि उसके अन्दर सिल्क के रोल लपेटकर रखे गये हैं। सोचें, यह सब कितना रहस्यमय लगता होगा।

"बोतल में एक सन्देश," अरबपति ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। उसने छोटे गँवार की तरह तालियाँ बजाईं। वह निश्चय ही एक असाधारण और पूर्ण रूप से अद्भुत चरित्र था। "इसने आप लोगों के साथ मेरे, परामर्श का प्रातःकालीन सत्र के आरम्भ को सुविधाजनक बना दिया है", उसने कहा।

फिर उद्यमी ने पात्र को उठाया, ढक्कन खोला और कपड़े को अन्दर से निकाला। जिस पर नीचे दो रुपरेखा सिली थी

तीन चरणीय

सफलता का सूत्र

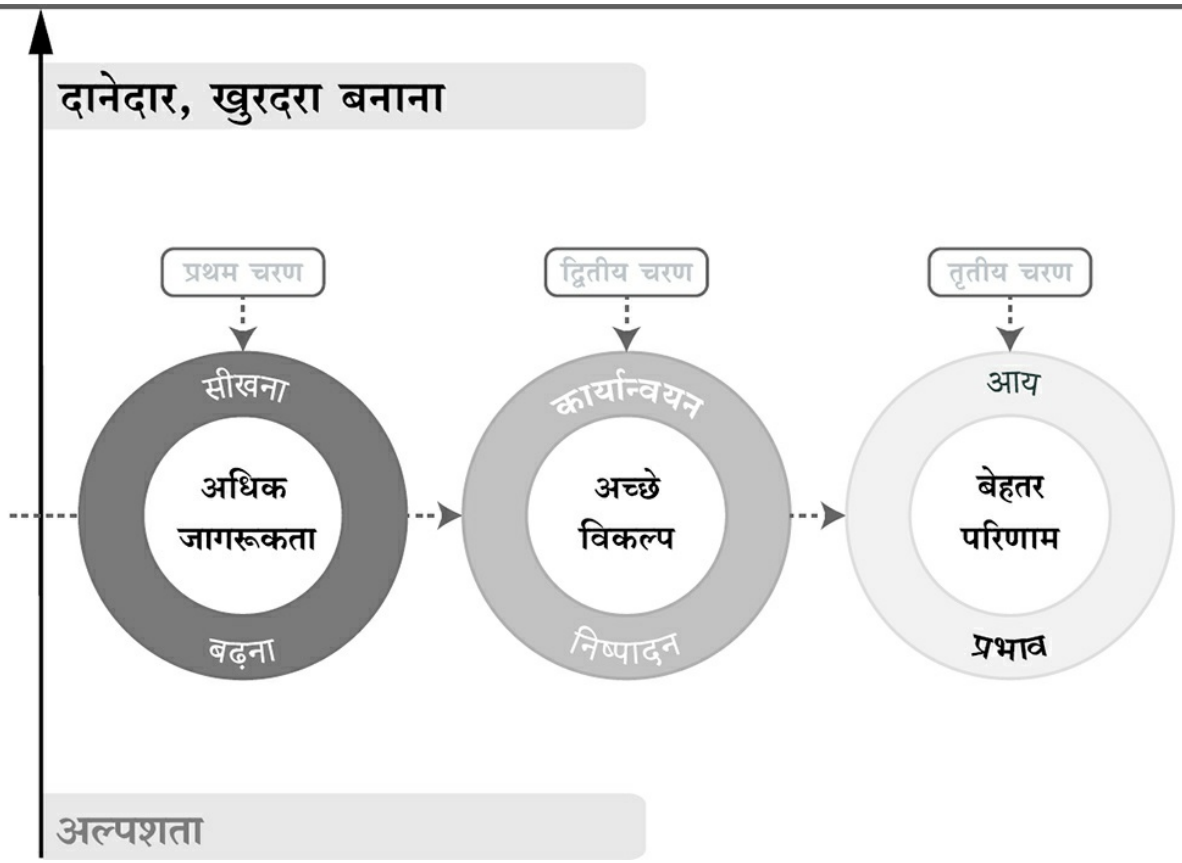

"यह एक सबसे सरल, मगर ग्रन्थियुक्त, शिक्षण प्रणाली है। निपुण वक्ता ने यह मेरे साथ बाँटी, जब उन्होंने मुझे युवा अवस्था में सिखाना आरम्भ किया था," अरबपति ने मुझे, अपनी नाविक की भाषा का उपयोग करते हुए समझाया। और आगे की सभी सीखों के समय यह हमें सन्दर्भ प्रदान करेगा। अत: मैं सच में चाहता हूँ कि आप दोनों इसे गहनता से समझें। पहली दृष्टि में यह मूलभूत नमूना प्रतीत होता है। मगर, जब आप समय बीतने पर इससे तादात्म्य करेंगे तो समझ जाएँगे कि यह कितना गहन है।"

मि. रिले ने तब अपनी आँखें बन्द की, अपने हाथों से अपने कानों को ढँक लिया और इन शब्दों का उच्चारण किया:

> "बदलाव के आरम्भ का अर्थ होता है धारणा में वृद्धि। जब आप देखते अधिक हैं, तो भौतिक ज्ञान भी अधिक होता है। जब आप एक बार अधिक अच्छे से समझ जाते हैं, तो आप उपलब्ध भी अधिक कर सकते हैं। विश्व के महान स्त्री और पुरुष-वे जो जादूभरी स्वर समता लावण्यमय हावभाव, विज्ञान की बढ़ोतरी और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए उत्तरदायी हैं-जिन्होंने अपने विचारों को, फिर से व्यवस्थित करके, एक और ब्रह्माण्ड में प्रवेश किया जिसे अधिकांश लोग नहीं जानते और, जो गुप्त है और इससे उन्हें बदले में प्रतिदिन नवनिर्माण करने की छूट मिली,नित्य परिणामों का अनुभव कुछ ही लोग ले सकते हैं।

उद्योगपति ने अपनी आँखें फिर से खोलीं। उसने अपनी इंगित अंगुलि को होठों पर रखा, मानों किसी गम्भीर, भारी अन्तर्दृष्टि में डूबा हो। रेशम में गुँथे काम को दत्तचित्त होकर एकाग्रता से देखते उसने आगे कहा – "नायकों, असाधारण व्यक्तियों तथा प्रतिरुपों-सभी में अपने निजी गुण होते हैं-जो औसत कलाकारों में नहीं होते। समझे?"

“कौन से?” कलाकार ने पूछा, जो मूल् जैसे मसल-शर्ट और स्पीडो स्विमसूट पहने था।

“दृढ़ता” अरबपति ने प्रत्युत्तर दिया। “विश्व की सर्वश्रेष्ठ वस्तुओं में गहराई होती है। बहुमत के सदस्य अक्सर अपने काम में सतहीपन की मानसिकता में उलझकर रह जाते हैं। उनका दृष्टिकोण हलका रहता है। कोई असली तैयारी नहीं। बहुत कम चिन्तन के साथ, कार्यान्वय के बारे में सोचकर इच्छित परिणाम के लिए विशाल दृष्टि अद्भुत परिणाम देती है। 95% कार्यान्वयन कर्ता, छोटे-छोटे विस्तारों पर ध्यान नहीं देते अतः छोटे छोटे सुधार करने में विफल हो जाते हैं, जैसे महान नायक करते है। अनेकों के लिए सच्चाई यह है कि यह सबसे कम संघर्ष का मार्ग होता है। उसे प्राप्त करने के लिए उन्हें जो वस्तु चाहिए, वह उन्हें चुपके से मिल जाती है। उसे सामने प्रस्तुत करने के स्थान पर, वे उसे मेल कर देते हैं। उपलब्ध क्रियात्मक कर्ताओं का छोटा-सा अंश, जबकि, एक अलग ही दर्शन के अन्तर्गत काम करता है।”

“हमें बताइए”, कलाकार ने अपील की, साजिश।

“वे कण-क्षण की मानसिकता का प्रयोग करते हैं बजाय दिखावटीपन के। उन्होंने गहराई को आजीवन वस्तु के रूप में संकेतन किया ओर उन सभी में महानता पर गहन आग्रह के तहत मौजूद हैं, वे जो भी कुछ करते हैं असाधारणवादी पूरी तरह से समझ जाते हैं कि रचनात्मक उत्पादन-फिर भले ही वे ईंटें ढोनेवाले, सजानेवाले हों या बेकरीवाले, प्रमुख कार्यकारी अभियन्ता हों या गौशाला के दूधिए या खजांची, या ब्रह्माण्ड-प्रवासी वे उस की प्रतिष्ठा का प्रतिनिधत्व करते हैं। किसी भी उद्यम में सर्वश्रेष्ठ इस तथ्य की सराहना करते हैं आपका स्वर्णिम नाम, काम के हर टुकड़े पर अंकित हो चुका है, जिसे आप प्रस्तुत करेंगे। और उन्हें ज्ञात है कि अपने बारे में उत्तम बातें कहनेवाले पर आप मूल्य-लेबल नहीं लगा सकते हैं।

अरबपति ने बोतल को रगड़ा फिर उसने इसे ऊपर उठाया और उसके आरपार डूबते चन्द्रमा की अन्तिम गवाही को देखा, फिर अपनी बात जारी रखी।

“मगर यह सामाजिक स्वीकृति से भी अधिक गहराई तक जाता है,” उद्यमी ने संकेत दिया। जिस कोटि का कार्य आप विश्व को देते हैं, उससे ज्ञात हो जाता है कि आपकी स्वयं के लिए कितनी सम्मानशक्ति है। वे, जिनका आत्म सम्मान अतल गहराइयों तक पसरा है, उनका साहस ही नहीं होगा कि वे बाहर कोई सामान्य वस्तु भेजें। यह उन्हें बहुत कम कर देगा।

“यदि आप अपने क्षेत्र के नायक बनना चाहते हैं,” मि. रिले ने आगे कहा, “एक कार्यप्रदर्शक और गहराई का व्यक्ति बनें” अपनी बात पर उन्होंने बल दिया, “तो एक सुविशेष, असाधारण व्यक्ति बनने के लिए प्रतिबद्ध हों, बजाय डरपोक बनने के, जैसा व्यवहार सब करते हैं। शानदार की जगह मैला जीवन जीना, मूल के बजाए व्यत्पन्न जीवन जीना।

“गहन”, कलाकार ने कुछ धूप पाने के लिए, अतिशयोक्ति के साथ योगदान दिया। अपने कामों में दक्षता के उस्ताद असाधारण रूप से विचारशील है अपनी शर्ट उतारकर वे ठीक से सोचते हैं। वे अपने श्रम को उच्चतम स्तर पर ले जाते हैं। और छोटी सी कारीगरी पर भी पसीना बहाते हैं जैसे, सुगुणी मूर्तिकार गियान लोरेंज़ो बर्निनी ने- फोंटेना डी क्वॉत्रो फियूमी– “चार नदियों का उद्गम झरना’- उनकी सर्वश्रेष्ठ कृति की रचना में किया जो रोम के पियाज़ा नावोना के मध्य स्थल में शानदार ढंग से सजी हुई है। इस प्रकार के सृजनकर्ता अतिसर्तक होते हैं और उनका शिल्प लगभग दोष रहित। और इतनी दर्शनीय, जितनी सुनने में लगती है। लगता है जैसे उसी स्पष्ट रूप से वे सिर्फ वास्तविकता में ध्यान रखते हैं।

“मगर लोगों को आजकल, दिन भर में और बहुत-कुछ करने को है।”, उद्यमी ने बीच में कहा। यह सन् 1600 नहीं है। मेरा इनबॉक्स पूरा भरा हुआ है। मेरी समय सारिणी भरी पड़ी है। अधिकांश दिनों में मेरी एक के बाद दूसरी, सभाएं। मुझे अंतराल बनाने की जरूरत है। मुझे लगता है कि मैं कभी भी यह सब निभा नहीं सकता। महारत के काम करना, इतना सरल नहीं है।”

“मैं समझता हूँ”, अरबपति ने मृदुता से जवाब दिया। “कम ही बहुत ज्यादा है, आपको ज्ञात है? आप बहुत ज्यादा की कोशिश कर रहे हो बुद्धिशाली इसे जानते हैं कि एक मास्टरवर्क का निर्माण करना प्रवीणता है, बजाय एक हज़ार सौदा कृतियों के निर्माण करने के। यह भी कारण है कि मैं क्यों सर्वश्रेष्ठ कला के आसपास रहता हूँ क्योंकि उनकी विश्वसनीयता की प्रक्रिया, भावनात्मक उत्प्रेरणा और उन महान् ज्ञान-दृष्टाओं का काम करने का तरीका मेरे शरीर से रगड़ खाता है। और मैं पूरी विश्वसनीयता के साथ कह सकता हूँ, कि ये सर्वोच्च कार्य

निष्पादक अधिकांश व्यवसायी और समाज से किसी अलग ही धरती पर रहते हैं। जैसा मैंने संकेत दिया था।"

तभी, उसी समय, एक बहुत ही चमकीली तितली स्टोन रिले के बाँएँ कान की नोंक पर आकर टिककर खड़ी हो गई। उन्होंने मुस्कुराकर कहा, "अरे, मेरे छोटे-से प्यारे मित्र-तुम्हें फिर से मिलकर, बहुत अच्छा लगा।" फिर, आगे जोड़ा, "जब हम विश्लेषण करते हैं कि सुपर स्टारों ने, गुणीजनों ने और बुद्धिमानों ने वह सब कैसे पाया होगा, क्या किया होगा, आपको ज्ञात होगा कि यह तो उनकी, अवसरों के प्रति अत्यधिक जागरूकता है, प्रतिदिन की महानता है लिए, जिसने उनकी प्रतिदिन की पसन्द को और अच्छा बनाने को प्रेरित किया बनाया और उससे प्रतिदिन के परिणाम और भी अच्छे हो गये।"

मि. रिले ने सीखने के प्रतिमान की ओर इशारा किया।

"यह स्वशिक्षा की शक्ति है," उन्होंने आगे कहा। "ज्यों-ज्यों आप नए विचारों को जानने लगते हैं, आप उत्पादक व्यक्ति के रूप में विकसित होते हैं। जिस स्तर पर आप अपनी अलंकृत आकांक्षाओं को लागू करते हैं और कार्यान्वित करते हैं, वह बढ़ेंगा, और निश्चय ही, जब आपकी योग्यता अपने सपनों और दिव्य-दर्शनों को वास्तविक बनाने में बढ़ती है, आपको अधिक कमाई होगी और अधिक प्रभाव होगा और उच्चतर संघटक मिलेंगे," रईस ने बोलते-बोलते अपनी एक उँगली, चित्र के चरण तीन पर रखी। "यही कारण है कि इसका परीक्षण मेरे साथ लेने को सहमत होना समझदारी की बात थी। और यहाँ, यह रूपरेखा यही सिखाने के लिए तैयार की गई है।

अरबपति ने अपनी दुर्बल मासपेशियों को खुजलाया और समुद्री हवा की एक गहरी साँस ली। "और क्या मैं कह सकता हूँ कि जिस प्रकार से प्रतिष्ठित लोगों ने इस विश्व को देखा और जब बात उनके शिल्प की आई तो उन्होंने कैसा व्यवहार किया और क्योंकि उन्होंने अपना जीवन बिल्कुल ही अलग ढंग से दिखाया। मानवों का झुंड उससे बिल्कुल ही अलग ढंग से बर्ताव करता है-उन्हें पागल, बेमेल, मौजी आदमी कहा गया "मगर वे नहीं थे!", अरबपति ने उद्गार सहित कहा।

"वे बहुत ऊँचे स्तर पर कार्य करते थे-कम वायु में। वे जो भी कुछ करते उसमें दृढ़ता लाते। अपने शिल्प के सही परिष्करण में वे हफ्तों, महीनों, कई बार तो सालों लगा देते तब जाकर वे परिपूर्ण होते। वे स्वयं को कार्य के साथ लगा देते, जब वे अकेलापन या भय या उदासी अनुभव करते। वे अपने नायकत्व के परिदृश्यों को प्रतिदिन की सच्चाई में बदल देना चाहते थे, जब कोई ग़लतफहमी या उपहास अथवा उन पर आक्रमण होता, हे प्रभु! मैं विश्व की महान् प्रतिभाओं की प्रशंसा करता हूँ। यथार्थ में करता हूँ।"

"कोई समाज, जितना अधिक सच से दूर सरकेगा, उतना ज़्यादा वह उन लोगों से घृणा करेगा, जो इसे बोलते होंगे," कलाकार ने संक्षेप में कहा।

उद्यमी ने उसकी ओर देखा साथ ही उसने अपनी बाँह पर एक कड़े को रगड़ना आरम्भ कर दिया।

"ज्यॉर्ज ऑरवेल ने कहा था कि, वह बोला, जब भी कभी आप अपने आस-पास सौन्दर्य की सृष्टि करते हैं, आप अपनी स्वयं की आत्मा का पुनर्निर्माण कर रहे होते हैं।" कलाकार ने आगे कहा, "एलिस वाकर ने इसे कहा था।"

"उत्कृष्ट कलाकार इसे इस प्रकार से निर्मित करते हैं कि सामान्य कारीगर उन्हें सनकी कहेंगे। उद्योगपति ने व्याख्या की।" मगर विलक्षणता का सच यह है कि जिसे 95% कार्यकारी महत्वपूर्ण परियोजना के इर्दगिर्द "चुना हुआ व्यवहार" कहते हैं। सर्वोच्च 5% निर्माणकर्ता इसे विश्वस्तरीय बनाने का मूल्य जानते हैं। इस नमूने को फिर से एक बार देखो, ताकि हम उसके आसपास के वातावरण को और बारीकी से समझ सकें। अरबपति ने हमें सचेत किया जब उसने रेशमी कपड़े पर बने नक्शे को हाथ से छुआ।

"इस ग्रह के अधिकांश निवासी आज अल्पज्ञता में फंसे हैं," उसने पुष्टि की। "ऊपर उठने के लिए अपनी शक्ति का अल्पज्ञान। अपने सामर्थ्य की सम्भावनाओं के साथ सतही अंतरंगता का सतही ज्ञान। विश्व-निर्माताओं की दिन चर्या और उनकी वह इच्छा जिसे वे अपने शेष जीवन के इर्दगिर्द प्राथमिकता से लपेटे रखना चाहते हैं। अधिकांश अनिश्चित् चिन्तन में उलझे हुए हैं। और धुँधली तथा अनिश्चित् सोच, अनिश्चित् तथा कामचलाऊ निर्णय ही देती है। एक तत्काल उदाहरण : सामान्य व्यक्ति से दिशा-निर्देश माँगें और अधिकांश बार आप पाएंगे कि उनके दिशा-निर्देश अस्पष्ट हैं। वह इसलिए क्योंकि जिस प्रकार से वे सोचते हैं वह अस्पष्ट है", अरबपति ने कहा और समुद्र तट से एक छड़ी उठाई और उससे, रूपरेखा पर लिखे शब्द 'दानेदार' की ओर इशारा किया।

“महान उपलब्धि हासिल करने वाले काफी भिन्न होते हैं। वे समझ जाते हैं कि शौकिए स्तर का ज्ञान कभी भी, उन्हें उच्चतम श्रेणी का उद्यमी परिणाम नहीं दे सकता। एक और उदाहरण, आप दोनों को महत्वपूर्ण अन्तर्दृष्टि देगा। मैं फॉर्मूला वन रेसिंग का बहुत बड़ा शौकीन हूँ। मुझे रात ही में गड्डे क्षेत्र में अपनी पसंदीदा टीम के साथ घूमने के लिए आमंत्रित किया गया था। पूरी सावधानी से छोटी-से-छोटी बात की ओर, ध्यान, चरम उत्कृष्टता के प्रदर्शन के लिए उनका समर्पण और चीज़ों को महान बनाने के लिए कुछ भी करने की उनकी इच्छा न केवल मान्य थी बल्कि बेहद प्रेरणादायक भी थी। फिर से एक सामान्य व्यक्ति को, छोटी से छोटी बातों के लिए जरूरी सुझाव और निजी जीवन में हास्यास्पद तरीके से, कठोर दृष्टिकोण की महत्ता विचित्र लगती है। मगर वह FI का दल! रेसकार की अंशाकन गड्डे को निष्पादित करने में अलौकिक गति यहाँ तक कि उनके द्वारा गड्डा साफ करने का तरीका वैक्यूम क्लीनर से, कार के चीखकर निकल जाने के बाद, ताकि मिट्टी का कण तक न मिले - यह सब अद्‌भुत था। मेरा निशाना सिर्फ इतना छोटा-सा है। उच्च कोटि के 5 प्रतिशत कण-कण बटोरते हैं, बजाय सतही छिछोरेपन के, जिन्हें वे अपने प्रतिदिन के कार्यों में भी वही मानसिकता, व्यवहार तथा प्रक्रियाएँ लगाते हैं।”

“वे यथार्थ में सूक्ष्म बातों पर पसीना बहाते हैं, इतना अधिक कि रेसकार के जाने के बाद भी वे पिट क्षेत्र में से मिट्टी साफ करते हैं!” कलाकार ने रुझान के कारण प्रश्न किया।

“हाँऽऽ।” अरबपति ने टिप्पणी की, “उन्होंने पूरे क्षेत्र में झाड़ू लगाई, फिर, वेक्यूम क्लीनर से सारी खाड़ी को साफ किया।” और जब मैंने उनसे पूछा कि ‘क्यों’ तो वे बोले कि यदि रेत का एक कण भी रेस मशीन के इंजन में चला गया तो वह उन्हें ‘जीत’ से हटा देगा। और भी बुरा यह हो सकता है -प्राण चले जाएँ। सच तो यह है कि एक भी सदस्य की यर्थाथता से काम न कर पाने पर छोटी-सी भी असफलता से एक त्रासदी का जन्म हो सकता है। एक ढीला स्क्रू किसी दुर्लक्ष्यी के द्वारा छोड़ देने से एक महाविपत्ति या आपात् सकता है। अथवा दल के विचलित किसी सदस्य द्वारा छूट गया कोई माप-दण्ड, फोन पर ध्यान देने से, पिट स्टॉप के पहले, विजय को छीन सकता है।”

“मैं आपके साथ सहमत होता जा रहा हूँ कि आप का चूक की गई चैकलिस्ट आईटम से तबाही की संभावना का दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है।” उद्यमी ने स्वीकार किया। “बहुत कम उद्यमी लोग और दूसरे क्षेत्रों के लोग जैसे, कला, विज्ञान तथा स्पोर्ट्स-अब इस प्रकार से नहीं सोचते और न व्यवहार करते हैं। उसे स्वाभाविक मान लिया गया है, शायद हम जो कार्य करते हैं अपने आसपास जो हम करते है, के बारे में उच्च कोटि की जानकारी, रचना बोध रखने से और अपने कार्य को, कष्ट सहकर परिपूर्ण बनाना जानकारी का संशोधन छोटे-छोटे मुद्दों पर श्रम करना, उत्पादन को परिशुद्धता से करने से, बजाय अ-उद्यमी तरीके से, असावधानी से, करने के। अयथेष्ट आश्वासन तथा अतिरिक्त हस्तान्तरण और वितरण। अपने निर्माण में अत्यधिक अभिमान करना। गहराई तक जाकर-अपने शब्द चुनना करना कणिकता (दानेदार) बनाम सतही।

“मुझे जहाँ देय हो वहाँ श्रेय देना चाहिए और मुनासिब है”, अरबपति ने नम्रता से कहा। “यह भाषा और यह नमूना मुझे निपुण वक्ता ने सिखाया था। मगर, हाँ, सभी छोटी-छोटी वस्तुएँ महत्व रखती हैं जब बात प्रवीणता की आती है। मैंने कहीं पढ़ा था कि स्पेस शटल चेलेंजर का विनाश, जिसने अनेकों के दिल तोड़ दिए थे, एक सिंगल ओरिंग सील के फेल हो जाने के कारण हुआ था, जिसका मूल्य कुछ ज्ञाताओं के अनुसार सत्तर सेट पर था, अनेकों प्राणों का विनाश उस कारण से हुआ जिसका वर्णन तुच्छ लगता था।”

यह सब मुझे डच बुद्धिशाली वरमीर को सोचने देता है। कलाकार ने बताया। वह एक चित्रकार था जिसने उच्चतम श्रेणी का कार्य किया था। उसने विभिन्न तकनीकों के साथ प्रयोग किया जिससे प्राकृतिक नैसर्गिक प्रकाश इस प्रकार से डालेगा कि, उसकी कलाकृति तीन आयामों में दिखेगी। उसकी बनाई वस्त में बहुत गहराई होती थी। इतना आकर्षण उसके प्रत्येक स्ट्रोक में था, हर गति में शोधन था। उसकी अत: मैं भी सहमत हूँ सामान्य कलाकार में वास्तविक में एक हल्का मौलिक और अधीर दृष्टिकोण होता है। वे कारीगरी के बजाए नक़द पर अधिक केन्द्रित हैं। उनका ध्यान ख्याति पर होता है न कि उत्कृष्टता पर। मेरा खयाल है कि इसी कारण से, वे कभी भी उच्च जागरूकता और कौशल का निर्माण नहीं करते जो उन्हें बेहतर विकल्प बनाने में मदद करेगा और अपने क्षेत्रों का दिग्गज बना देगा। मुझे अब समझ में आने लगा है कि यह सामान्य नमूना कितना समर्थ है।”

“मुझे वर्मीयर की वूमैन इन ब्लू रीडिंग ए लैटर’ और ‘गर्ल विद पर्ल इयरिंग’ बहुत अच्छी लगती है,” अरबपति ने कहा, यह साबित करते हुए कि उन्होंने महान् कलाओं की प्रशंसा की।

“मैं इस अन्तर्दृष्टि को पसन्द करता हूँ कि आप हमें बता रहे हैं।” उद्यमी ने ध्यान दिया जैसे ही उसकी आँखें बड़ी हुईं। फिर उसने कलाकार का हाथ पकड़ लिया। मि. रिले ने आँख मारी।

“मुझे पता था, ऐसा होनेवाला है।” वह बढ़ते रोमांस के सम्बन्धों को देखकर स्पष्ट खुशी से बुदबुदाया उसने फिर एक बार, अपनी आँखें बन्द कर लीं। उत्तेजित टायकून के कान पर, तितली अब भी बैठी हुई थी। जैसे ही उसने अपने सतरंगी पंखों को फैलाया, मि. रिले ने महान् कवि रूमी की कविता की कुछ पंक्तियाँ पढ़ीं:

> “प्यार के लिए सब-कुछ, दाँव पर लगा दो, अगर आप सच्चे, असली मनुष्य हो। अन्यथा, इस महफिल को छोड़ दो। आधे दिल, से राजसत्ता तक नहीं पहुँचते।

“क्या मैं एक प्रश्न पूछ सकती हूँ?”

उद्यमी ने जिज्ञासा बताई। “बिल्कुल,” अरबपति ने उत्तर दिया।

“यह दृढ़ता और दानेदारी की दार्शनिकता-का खेल निजी सम्बन्धों में कितना काम करता है?”

“ठीक से नहीं’, बेंकमीज नवाब ने निष्पक्षता से तत्काल कहा। “निपुण वक्ता ने मुझे, ‘ज्ञान-गुरुओं का धुँधला पक्ष’ के विषय पर ज्ञान दिया। उसका मौलिक विचार यही है कि हर मानव-उपहार एक नकारात्मक पक्ष के साथ आता है। और वह गुण, जो आपको एक विषय में विशेष बनाता है, वही आपको अन्य क्षेत्र में बेमेल और अनुपयुक्त बना देता है। सच्चाई तो यह है कि विश्व के अनेकों महान् गुणी लोगों की निज़ी ज़िन्दगी में बहुत बखेड़े होते हैं। दृश्य को देखने की दृष्टि का आनन्द कुछ ही ले सके। स्वयं को सर्वोच्च ऊँचे स्तर तक ले जाना, अकेले संतुष्ट रहकर उसके लिए उन्होंने लम्बे समय के लिए, एकनिष्ठ होकर बारीकी से उत्कृष्ट कृतियों के माध्यम से अनुसरण करने में अथक व्यवहार करना, आत्म अनुशासन और अपने दिल की सुनने के लिए शायद ही कभी अनुभव किया और आलोचकों की अनदेखी करते हुए उन्होंने व्यक्तिगत सम्बधों को कठिन बना दिया। उन्हें लोगों ने ग़लत समझा और “कठिन,” तथा “असन्तुलित” कहा।

अरबपति फिर रेत पर गिरा तथा और तेज़ गति से पुश अप्स करने लगा। बाद में, एक सफेद क़बूतर को घूरते हुए , जो उसके समुद्र किनारे घर के ऊपर से तरंगित होता हुआ आया, उसने बीस डकारें लीं। फिर से अपने काम में लग गया। उसने जारी रखा।

“और रचनात्मकता, उत्पादकता ओर उच्च स्तरीय निष्पादकता के बहुत से दिग्गज, असन्तुलित थे।” रईस ने कहा। वे पूर्णतावादी, नौकरशाही और कट्टरपंथी थे। “यही विद्वत्ता का अँधेरा पक्ष है। वे वस्तुएँ जो आपको, अपनी कला में अद्भुत बनाती हैं। वे ही आपके पारिवारिक जीवन को विनष्ट कर सकती हैं। तुम चुलबुलों से बस सच कह रहा हूँ”, अरबपति ने पानी की बोतल से घूँट लेते हुए कहा, जिस पर छोटे अक्षरों में कुछ लिखा हुआ था। अगर आप उन पर ध्यान देंगे और पढ़ने की कोशिश करेंगे तो वह कुछ ऐसा होगा :

> मेसेडोनिया के फिलिपका स्पार्टा को सन्देश में, आपको निर्देश दिया जाता है कि बिना विलम्ब किये अधीनता स्वीकार करें। क्योंकि अगर मैं अपनी सेना को आपकी भूमि में लाया, तो मैं आपके खेतों को नष्ट कर दूँगा, आपके लोगों को मौत के घाट उतार दूँगा और आपके शहर को मिटा दूँगा।”
>
> स्पार्टा का प्रत्युत्तर : “अगर।”

“मगर, क्योंकि आपकी भेंटों में नकारात्मक पक्ष भी है, इसका यह अर्थ नहीं होता कि आप उन्हें प्रकट ही न करें!” प्रफुल्लित अरबपति ने उत्साहित होकर कहा, "आपको जागरूकता जगाने की जरूरत हैं कि वे आपकी निजी ज़िन्दगी को कहाँ ले जाकर दुविधा में डाल सकती है, और फिर, आपको उस जाल में फँसने से बचना है।

और यह मुझे, आज सुबह किए आदर्श ज्ञान-पाठ की ओर सुन्दरता से वापस ले जाता है। जो हर उस वस्तु का मंच तैयार करता है जो आप को 5 AM क्लब के परिवर्तनीय मूल्यों से परिचित करा देगा और उसे फिर सहनीय आदत के रूप में कैसे बदलना, यह भी बता देगा।"

अरबपति नीचे झुका, एक समन्दर में घुनी छड़ी को उठाया, और फिर, उससे रेशमी कपड़े को छुआ।

"कृपया सदा सर्वोत्कृष्ट कार्य सम्पादन का मूल उसूल याद रखें जिसके आसपास निजी महानता की रुपरेखा गुंथी हुई है: अपनी प्रतिदिन की बेहतर जानकारी से बोधज्ञान को सुधारकर, आप प्रतिदिन अच्छे चुनाव कर सकते हैं, और रोज़ के अच्छे चुनावों से, आप प्रतिदिन अच्छे परिणाम देखेंगे। निपुण वक्ता इसे तीन चरण सफलता का सूत्र कहते हैं। ध्यान दें, महान उपलब्धियों को पाने के लिए आपकी स्वाभाविक, प्राकृतिक प्रतिभा से जैसे, 5 AM तरीके को कैसे अपनी 5 AM की प्रक्रिया में सम्मिलित करके आप अपनी उत्पादकता को सर्वोच्च स्तर तक ले जा सकते हैं, आप इस समय पूरी पृथ्वी का शासन कर रहे अल्पज्ञता के समाज से कणिकता के समाज तक उठ जाएंगे। यह दृष्टिकोण का उच्च स्तर तथा आत्मबोध आपके दैनिक निर्णयों को सर्वोत्तम बनाएगा। और तार्किक रूप से एक बार आपके दैनिक निर्णय सही होने लगे तो आप अपने नायकत्व, कार्यान्वयन उचित करेंगे और नाटकीय रूप से प्रभावित करेंगे। क्योंकि ये आप के निर्णय हैं जो आपका परिणाम बनाते है।"

"हमारे एक शैक्षणिक शिविर के लिए निपुण वक्ता और मैं स्विट्ज़रलैंड के लूसेर्न में मिले। झील के किनारे, विस्मयकारी पहाड़ों से घिरा, वह बहुत खूबसूरत शहर है। मानों, दन्त- कथाओं की परी-कथाओं का देश हो। अब जो भी हो, एक दिन सुबह, उन्होंने गर्म पानी का पॉट मँगाया, और साथ में नींबू की कतरने भी ताकि वह ताजी लेमन टी पी सके, जिसकी चुस्कियाँ लेना उन्हें हर सुबह अच्छा लगता है। ऐसा है...."

"यह रोचक होना चाहिए", कलाकार ने बीच ही में दखल दिया और ट्टू की हुई बाँह को खुजाया जिस पर एंडी वारहोल का उद्धरण लिखा हुआ था : "मैं कभी नहीं सोचता कि लोग मर जाते हैं। वे तो बस डिपार्टमेंट स्टोर में जाते हैं।"

"ट्रे आ गई", अरबपति ने जारी रखा, "सर्व-शुद्ध चाँदी के बर्तन। अद्वितीय चीनीमिट्टी के। सभी-कुछ उच्चतम क्रम से जांच किए हुए। और इसे ध्यान में रखें : जो कई भी रसोइघर में नींबू काटता है वास्तव में अतिरिक्त मील जा कर निरंतर निपुणता के लिए आवश्यक शिल्प का प्रयोग किया-और-कटे नींबुओं के टुकड़ों में से बीजों को निकालना, अद्भुत, है न?"

अरबपति ने फिर से वही विचित्र नाच करना आरम्भ किया, जो उसने सभाकेन्द्र में किया था। फिर वह रुके। उद्यमी और कलाकार, दोनों ने ही अपने सिर हिलाए।

"सँभाल और ध्यान आकर्षित करने का असाधारण स्तर जो एक ऐसी दुनिया जहाँ सतहीपन और कलाकार दोनों ही उदासीनता में अटके हुए हैं।" उद्यमी ने यह प्रकट किये बिना कि वह बादशाह के नृत्य से ध्यान मग्न हो रही है।

"निपुण वक्ता इसे घटना व्याप्त वाणिज्य कहता है। 'व्यवसाय का सामूहिक अव्यावसायीकरण', अरबपति ने नोट किया "लोग, जिन्हें काम करना, ग्राहकों का मनोरंजन, अपनी सुविशेष प्रवीणताओं का प्रदर्शन, अन्य वैश्विक मूल्यों का ताला खोलना चाहिए ताकि वे तथा उनकी संस्था, दोनों ही सफलता का अनुभव करें, वे फोन पर बेहूदा वीडियो देख रहे हैं, जूतों के लिए ऑन लाइन खरीदी कर रहे हैं अथवा अपनी सामाजिक भरण को देख रहे है। मैं ने लोगों को कभी भी, काम में इतना विमुख नहीं देखा-इतने निरस्त और इतने अधिक थके। और न कभी मैंने लोगों को इतनी अधिक गलतियाँ करते देखा है।"

अरबपति ने अपनी टेढ़ी-मेढ़ी लकड़ी से "तीन चरण सफलता के सूत्र" पर संकेत किया।

"नींबू के क़तरों में से बीजों को निकालना, सतहीपन से बारीकियों को बदलाव की चुनौती के लिए अच्छा रुपक है। आपके दृष्टिकोण में वास्तविक कठोरता, सिर्फ इसलिए नहीं कि आप काम पर क्या करते हैं बल्कि यह भी कि आप निजी जीवन में कैसे कार्य करते हैं गहराई इस से सम्बंधित है कि आप असल में कैसे सोचते, व्यवहार करते और कार्य-निष्पत्ति करते हैं। स्वस्थ, पूर्णतावाद और एक अनबुझी प्यास स्वयं को सर्वश्रेष्ठ बनाने की, यहाँ मैं दो सुयोग्य व्यक्तिओं को, विस्मयकारी समुद्र-तट पर यही सुझाव दे रहा हूँ कि वे वह बनें, जिसके वे योग्य हैं। यह आपको वह देगा जिसे निपुण वक्ता GCA कहते हैं: गारगेंटुअन कॉम्पिटेटिव एडवांटेज़। (गरूण प्रतिस्पर्धात्मक

लाभ)। व्यापार मे खेल का मालिक होना अब इतना आसान नहीं रहा क्योंकि बहुत कम व्यवसायी और प्रदर्शक वे काम कर रहे हैं जिससे वे व्यवसाय में प्रमुखता पा सकें। उत्कृष्टता एवं प्रवीणता बहुत ही दुर्लभ वस्तु है। शानदार स्तर पर खेलने वाले लोग कम हैं। अत: क्षेत्र आपका है! यदि आप उस मार्ग को चमकाते हैं, जो मैं बताता हूँ, वह एक उज्ज्वल अन्तर्दृष्टि है: सामान्य स्तर पर अनन्त चुनौतियाँ हैं, पर अतिविशेष स्तर पर एक भी नहीं। कभी भी, एकमात्र बनने का इतना उज्वल अवसर, नहीं आया था। क्योंकि कुछ ही लोग हैं जो आज के उखड़े-बिखरे मूल्यों और हमारे द्वारा धारित निहित प्राणिक शक्ति के साथ हमारी हम में पतनशील आस्था के चलते 'विश्व स्तर के लिए समर्पित हैं। कितनी बार आप किसी दुकान या रेस्त्राँ में, किसी से मिले हैं जो पूरी तरह से उपस्थित हैं, आश्चर्यजनक ढंग से विनम्र, असाधारण रूप से ज्ञानी, पूरी तरह से उत्साह से भरे हुए, असामान्य रूप से अध्यवसायी, गम्भीरतापूर्वक कल्पनाशील, ध्यान आकर्षित करने योग्य आविष्कारक और विस्मित करने लायक महान् हो जिस भी किसी काम को करे उसमें। कभी भी नहीं? है न?"।

"हाँ", उद्यमी ने स्वीकार किया। "मुझे इस प्रकार के खजाने को खोजने के लिए हजारों साक्षात्कार लेने पड़ेंगे।"

"हाँ तो छिछोरों, तुम्हें GCA मिल गया है! सौभाग्यशाली हो", अरबपति चिल्लाया। "अब आप लोग अपने क्षेत्रों में प्रमुख बन सकते हैं, क्योंकि अब, बहुत कम ऐसे बचे हैं। अपनी वचनबद्धता, प्रतिबद्धता को बढ़ा लो। अपने स्तर को भी ऊपर उठा लो और अकरण के रूप में इस तरह से यत्रस्थ में व्यस्त हो जाओ। और वह सचमुच महत्वपूर्ण है : आपको प्रतिदिन अनुकूलन करना होगा। स्थिरता वास्तव में महारत का DNA है और छोटे-छोटे, प्रतिदिन के सुधार, जो देखने में सामान्य लगते हैं, जब निरन्तर किये जाते रहते हैं, लम्बे समय तक, तब वे आश्चर्यजनक और विचलित करनेवाले परिणाम देते हैं। कृपया ध्यान रखें कि महान् उद्योग और विस्मयबोधक जीवन अकस्मात् के परिवर्तनों से नहीं होते। नहीं, नहीं होते। वे जन्म लेते हैं, क्रमश: विकास से। छोटे-छोटे प्रतिदिन के पुनरुक्तियों के संग्रह होते-होते दिग्गज, श्रेष्ठ हो जाते हैं। मगर आज के युग में बहुत कम लोगों में वह धैर्य रह गया है कि वे एक लम्बा खेल खेल सकें। परिणामस्वरूप, हममें से बहुत कम ही बन पाते हैं।"

"यह सारी जानकारी अद्भुत है। और मेरी कला के लिए तो बहुमूल्य है ही। कलाकार ने उपकृत होते हुए कहा और अपनी शर्ट पुन: पहन ली।

"सुनकर अद्भुत लगा", अरबपति ने स्वीकार किया। "देखो, मैं जानता हूँ कि तुम दोनों ने कम समय में ही ढेरों ज्ञान सीख लिया है। मैं यह भी जानता हूँ कि प्रात: शीघ्र उठना एक नया कौशल है, जिसे आप अपने जीवन में उतार रहे हैं और आप लोगों ने महानता का पीछा करने, भीड़ से दूर हटने, सामान्य को छोड़ने और अविशेष को त्यागने के बारे जो भी सुना अत्यधिक दुर्दमनीय है। अत:, कुछ सुस्ता लो, तनाव छोड़ो। अतिविशेषता एक यात्रा है। प्रवीणता, एक उड़ान है। रोम एक दिन में नहीं बना था? है न?

"हाँ", कलाकार सहमत हुआ।

"बिल्कुल ठीक", उद्यमी, उत्साह से बोली।

"और मुझे भी अब ज्ञात हो गया है कि श्रेष्ठ शक्तियों की अधिक शुद्धता में उठना और अत्यन्त संप्रभु मानवीय उपहार एक कष्टप्रद तथा भयावह प्रक्रिया है। मैं उसमें से गुज़र चुका हूँ और उसके पुरस्कार जो अपने रास्ते पर चल चुके हैं, तुम्हारे लिए हैं क्योंकि तुम उनको सीखने के प्रति समर्पित हो। 5 AM तरीका किसी भी दौलत, यश और सांसारिक शक्ति से ज़्यादा मूल्यवान है जिसे आप कभी पाएंगे। और आज मैंने आप लोगों को जो बतलाया वह जागने की प्रक्रिया का एक उपयोगी तत्त्व है जो सूर्योदय से पहले जागने की पद्धति बताता है ताकि आप एक श्रेष्ठ जनवर्ग में शामिल हों, महान् प्राप्तकर्ता और जगमगाते मानव बनें और अधिक गहराई तक जाकर हम अपने अगले सत्र में उस पर चर्चा करेंगे। मेरा ख़याल है कि मैं आज का सत्र पूरा करने से पहले इन चुलबुलों से कुछ कहना चाहता हूँ ताकि वे घर जाकर, बाद में आनन्द कर सकें। वह है, विकास, उत्पादक और व्यक्ति के रूप में, मुश्किल हो सकता है, मगर वह एक ऐसा काम है जो मनुष्य सर्वोत्तम तरीके से कर सकता है। और पूरी तरह से याद रखें कि आप सबसे ज़्यादा तब जीवित रहते हैं जब आपका हृदय एकदम तेजी से धड़कता है। और हम तब, सबसे ज़्यादा जाग्रत रहते हैं जब हमारे भय तेज चीखते हैं।"

"अत: हमें आगे की ओर बढ़ते रहना है, है ना?" उद्यमी ने पुष्टि की, जब समन्दर की सुखद हवा उसके भूरे बालों में से गुजरी।

“पूरी तरह से उचित”, अरबपतिने कहा। “असुरक्षा की सारी छायाएँ, दृढ़ रहने, की ऊष्मा से पिघल जाती हैं।”

“ठीक है, अब एक आखिरी उदाहरण अपनी उद्यमी तथा निजी घरेलू जीवन में एक कठोर दृष्टिकोण ग्रहण करने के बारे में और महत्वपूर्ण परियोजनाओं की बारीकियों को ध्यान में रखते GCA मिलने में, सभी प्रवीणताएँ महत्वपूर्ण और सार्थक गति-विधियों में व्यवहार में आने के बारे में है। इसके बाद, मैं प्रसन्न होऊँगा यदि तुम दोनों तैरने जाओ, गोताखोरी करो तथा धूप-स्नान लो। फिर उस कौतुकपूर्ण भोजन का अवलोकन करो जो मेरे दल ने तुम्हारे लिए तैयार किया है! मेरा पोर्ट लूइस एक मीटिंग के लिए जाना आवश्यक है, मगर मेरा विश्वास है कि तुम दोनों इसे अपना ही घर समझोगे। अत: ठीक है।...”

मि. रिले क्षण भर को रुके, नीचे झुके और अपने अँगूठे को चार बार छुआ और नीचे लिखा मंत्र बुदबुदाते रहे : “आज का दिन एक गौरवशाली दिन है, और मैं उसे सर्वोत्तम तरीके से भोगूँगा, असीम उत्साह के साथ और अतुलनीय सम्पूर्णता तथा न्यायनिष्ठा से। अपनी दूरदर्शिता के साथ, हृदय में प्यार के साथ।”

“मुझे एक लेख की याद आ रही है, अरबपति ने जारी रखा, जिसमें मोन्क्येर, इटालियन फैशन कम्पनी के सीईओ से पूछा गया कि उसका मनचाहा भोजन कौन-सा है, तो उसने जवाब दिया टमाटर की चटनी के साथ स्पॅगेटी। फिर उसने इसका रहस्य बताया कि इसे बनाना बहुत सरल लगता है क्योंकि इसमें सिर्फ पास्ता, ताज़े टमाटर, ओलिव ऑइल और तुलसी होते हैं। अफसर ने संकेत दिया कि “ताल-मेल” को सही रखने के लिए अति विशेष ज्ञान की और असाधारण परीक्षण की आवश्यकता होती है। यह एक सुविशेष शब्द था जिसे हम तीनों के लिए दिमाग़ में सर्वोपरि रखना था, जब हम अपने A-गेम्स, अपने निष्पादन को समाप्त कर चुके, और विश्व में अपनी साझेदारी बढ़ाती है: “ताल-मेल” सर्वोत्तम समय में फोन लगाना और छोटी छोटी बातों को विशुद्ध करना ही तो है “ताल-मेल”। “बेहतरीन रवैये में अपना और छोटे से छोटा विवरण ही बारीकी और अधिरोहण है जिसमें अपनी जन्मजात सुबुद्धि की परिक्रमा और जादुई जीवन जीना-सब-कुछ यही तो है।”

उतावले रईस ने बोतल से निकले उस रेशमी कपड़े को अपने शॉर्टस् की ज़ेब में रखा फिर, गायब हो गया।

अध्याय 10

इतिहास-निर्माताओं के चार लक्ष्य

"प्रकृति के द्वारा हमें दिया गया जीवन छोटा है, मगर एक अच्छे बीते जीवन की यादें अमर हैं"– सिसेरो

सूर्योदय चकाचौंधी दे रहा था। जब उद्यमी और कलाकार हाथों में हाथ डाले अरबपति से मिलने समुद्र तट के साथ साथ अगले दिन की परामर्श कक्षा के लिए निर्धारित की जा चुकी मिलन स्थली की ओर जा रहे थे।

जब वे दोनों वहाँ पहुँचे, मि. रिले पहले ही वहाँ थे, रेत पर बैठे, आँखें गहरी साधना में डूबी थीं।

वे बिना शर्ट के थे। छद्मावरण शैली का शॉर्ट्स, जैसा निपुण वक्ता ने उस दिन पहना था जिस दिन वह समुद्र तट पर आए थे और रबर डायविंग बूटीज़ जिस पर मुस्कुराते इमोजी फैले हुए थे। आप निश्चय से मुस्कुरा दिये होते यदि आपने उन्हें इसमें देख लिया होता।

जैसे ही अरबपति ने विजय चिन्ह दर्शाता अपना हाथ आसमान की ओर उठाया, एक सहायक भागता हुआ उसके घर से बाहर आया। तीन कुरकुराते कागज़ के पन्ने, एक चमकदार काले चमड़े की थैली में से निकालकर व्यवसाय नृप को बिना एक शब्द बोले दे दिए। स्टोन रिले ने स्वीकार स्वरूप एक हल्का-सा नमन किया। उत्तर में, उनहोंने अपने प्रत्येक विद्यार्थी को, एक-एक पन्ना दे दिया।

उस समय ठीक प्रात: के 5 बजे थे।

फिर धनवान ने समुद्री शंख उठाया और उसे पानी के ऊपर से फिसलाया। प्रतीत हो रहा था कि उनके दिमाग़ में कोई गहरी बात सुबह से चल रही थी। हल्की-फुल्की बातों की रोज की बौछारें, उत्सव, अनमोल अजूबे जा चुके थे।

"आप ठीक तो हैं?" उद्यमी ने अपने हाथ के कड़े जिस पर ये शब्द अंकित थे - "तेजी से भागो। उठो और मेहनत करो। मैं तो तब सोऊँगा जब मरूँगा" छूते हुए पूछा।"

टायकून ने चूड़ियों पर खुदे अक्षरों को पढ़ा। उसने अपने होठों पर एक उँगली रखी।

"कौन रोएगा, जब तुम मरोगी?" उसने पूछा।

"क्या?" कलाकार ने विस्मय प्रकट किया।

"जो आप को जानते हैं वे, जब आप नहीं होते तो आप ने कैसा जीवन बिताया है बुदबुदाएंगे", अरबपति ने प्रश्न को बहुत ही कलाकार के ढंग से पूछा "आप ऐसे रहें, मानों हमेशा के लिए यहाँ रहने आए हैं। अपनी नश्वरता के बारे में कोई प्रश्न कभी आपके दिमाग़ में नहीं आए और बिना ध्यान दिए आपने यहाँ कितना समय पहले ही बिता दिया है। आप समय की इतनी फज़ूलखर्ची करते हैं, मानों किसी हमेशा भरे रहने वाले भंडार से निकालते हो जबकि हो सकता है जो दिन, आपने किसी के लिए अर्पित कर दिया था, वही आपका अन्तिम दिन हो।"

"ये तुम्हारे विचार हैं? अद्भुत हैं," कलाकार ने कहा।

अरबपति कुछ बेचैन और उदास लगा। "काश! नहीं वे स्थिर दार्शनिक सिनक के हैं। वे उसके शोध-प्रबन्ध "मानव जीवन की लघुता" से लिए हैं।

"मगर हम इस मनमोहक सुबह में मृत्यु के बारे में बात क्यों कर रहे हैं?"

"क्योंकि हम, में से अधिकांश जो आज जीवित हैं, चाहते हैं कि उनके पास कुछ और समय होता। फिर भी, हम समय बर्बाद करते हैं, जो हमारे पास है। मृत्यु के बारे में सोचने से वह बात लक्ष्य में आ जाती है जो सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। आप डिजिटल अवरोधों सायबर विपथन, विचलन, ऑनलाइन शरारतें बन्द कर दे ताकि जीवन के वे अद्वितीय क्षण कोई चुरा न ले। हम अपने दिन कभी भी, लौटकर नहीं पा सकते, आप जानते हैं न?

अरबपति ने मित्रवत्, मगर दृढ़ तरीके से कहा। कल मैंने फिर से चेज़िंग डेलाइट अपनी शहर की मीटिंग समाप्त हो जाने के बाद पढ़ी। यह उच्च सामर्थ्यवान CEO Eugene O'Kelly की, सत्यकथा है जिसे कहा गया था कि वह कुछ ही महीने जीनेवाले हैं क्योंकि उसके डॉक्टर ने पता लगाया है कि उसके दिमाग़ में तीन ट्यूमर हैं।"

"फिर, उन्होंने क्या किया?" कलाकार ने धीमे से पूछा।

"उसने अपने अन्तिम दिन उसी उत्तरदायित्व के साथ निभाए, जिस व्यवस्थित रूप से वह अपने उद्यमी दिन बिताते थे। ओ' कॅली ने प्रयत्न किया कि वह उस स्कूल संगीत समारोह को सजाने का प्रयत्न करें, जो उन्होंने खो दिया था, वे पारिवारिक समारोह जिनमें वे जा नहीं सके थे और वे मित्रताएँ जिन्हें वे भूल चुके थे। किताब के एक भाग में है कि वह अपने मित्र से कैसे कहेंगे कि क्या वह उनके साथ चाँदनी रात में नैसर्गिक भ्रमण के लिए जाएँगी? और यह, अनेक बार न सिर्फ अन्तिम बार होता है, कि हम इतनी विमुक्त, आरामदायक चहलकदमी करेंगे बल्कि पहली बार भी हो सकता है।"

"दु:खद है", उद्यमी ने उदासी से अपने हाथों के कंगनों को छेड़ते हुए कहा। चिन्ता की रेखाएं अपनी पूरी तीव्रता से उसके माथे पर पुनः आ गईं थीं।

"फिर, मैंने पिछली रात को द डायविंग बॅल एंड द बटर फ्लाय, अपनी एक बहुत मनपसन्द फिल्म देखी," अरबपति ने कहना जारी रखा। "यह एक सत्यकथा भी है। एक आदमी की जो विश्व के सर्वोच्च उन्नत शिखर पर था। फ्रेंच Elle मैगॅज़ीन का मुख्य सम्पादक जीन डॉमिनिक बॉउबी के पास सभी कुछ था, फिर उसे हार्ट अटैक आया जिसने उसे, सिवाय उसकी बाँयीं आँख की पलक के शरीर की बाकी सभी मांसपेशियों ने हिलना डुलना बंद कर दिया। ऐसी अवस्थिति को "लक्षण समष्टि में जकड़ा कहते हैं उसके दिमाग़ ने फिर भी पूर्ण कुशलता से काम किया। मगर ऐसा लगता था कि मानो उसका शरीर एक "डाइविंग बेल", के खोल के अन्दर क़ैद हो। पूर्णतया लकवाग्रस्त।"

"दु:खद", कलाकार ने अपने साथी की आवाज़ की प्रतिध्वनि की।

"समझ लें," मि. रिले ने आगे कहा। "उसके पुनर्वास्थ्य-लाभ के चिकित्सक ने उसे एक 'ध्वनिरहित शब्दावली' का संवाद का तरीका सिखाया जिससे वे आँखों की पलकों को झपकाकर अक्षरों से शब्द बना सकते थे और उनकी मदद से उसने अपने अनुभवों के ऊपर एक पुस्तक लिखी और जीवन का जरूरी अर्थ? इसके लिए उन्हें दो-सौ हज़ार बार आँखें झपकानी पड़ीं, मगर उन्होंने किताब पूरी कर ली।"

"मुझे किसी से शिकायत नहीं है", उद्यमी ने धीमे से कहा।

"किताब के प्रकाशन के बाद, वह शीघ्र ही मर गए", अरबपति ने कहना जारी रखा। "मगर मैं जिस बात पर जोर देना चाह रहा हूँ वह यह है कि जीवन बहुत, क्षण-भंगुर है। यहाँ ऐसे लोग भी हैं, जो आज सुबह उठेंगे, स्नान करेंगे, अपने कपड़े पहनेंगे, अपनी कॉफी पीएँगे, अपना ओटमील खाएँगे-और फिर आफिस जाते हुए मोटरों की टक्कर में मर गए। यही जीवन है। अतः आप दोनों सु-विशेष मानवों को मेरी सलाह है कि अपनी प्राकृतिक बुद्धिमत्ता को प्रकट करने के लिए जो भी योग्य हो, उसे टालो मत। इस प्रकार से रहो, जो आपको सही लगे, और हर दिन, जिन छोटे-छोटे चमत्कारों को वह अपने साथ लाता है, उन पर ध्यान दो।"

"मैं आपको सुनता हूँ", कलाकार ने पनामा हैट पहने, खूँखार से दिखते हुए कहा जो उन्होंने आज के प्रात:काल की शिक्षण कक्षा के लिए ही चुना था।

"मैं भी सुनता हूँ", उद्यमी ने गंभीरता से कहा।

"हर सैण्डविच का आनन्द लो," कलाकार ने आगे कहा।

"बहुत बुद्धिमान अन्तर्दृष्टि है," मि. रिले बोले।

"यह मेरी नहीं है," कलाकार ने लजाकर कहा। "ये शब्द गीत-लेखक वारेन जेवन के हैं। ये उन्होंने तब कहे थे, जब उन्हें ज्ञात हुआ था वह बहुत अधिक बीमार है।

"हर क्षण के लिए आभारी रहो। जब बात अपनी महत्वाकांक्षा की आए, बुज़दिल मत बनो। छोटी-छोटी, मूर्खतापूर्ण बातों पर समय बरबाद करना बन्द करो। सृजनात्मकता, उत्साह और क्षमता को पुनः प्राप्त करो जो

आप में निष्क्रिय है, अपनी प्राथमिकता बनाओ। ऐसा करना बहुत आवश्यक है। क्यों प्लेटो ने हमें “स्वयं को जानने के लिए” प्रेरित किया था। उसे यह गहराई से ज्ञात हो गया था कि हममें योग्यता का अथाह भण्डार है जिस तक हर हाल में, पहुँचना चाहिए, और फिर, उसे व्यवहार में लावें ताकि हम ऊर्जस्वी, आनन्दित, शान्त और अर्थपूर्ण जीवन जी सकें। इस, अपने भीतर की गुप्त ऊर्जा की उपेक्षा करना, अप्रयुक्त क्षमता का दर्द, निर्भयता की कुण्ठा और अज्ञात प्रवीणता की सुस्ती के लिए प्रजनन भूमि है।

एक चील तेज़ी से बगल से निकल गई तथा एक गिलहरी मछलियों का दल पानी में, तैर गया जिसका जल इतना स्वच्छ था जितनी एब लिंकन की चेतना।

“यह सब मुझे उन्हीं सब के बीच ले गया है, जहाँ आज सुबह मैं आपको चलाकर ले जाना चाहता था। कृपया अपने कागज़ के पन्ने को ध्यानपूर्वक देखें,” अरबपति ने निर्देश दिया।

यह है सीखने का नमूना जिसे दोनों विद्यार्थियों ने देखा था:

इतिहास

निर्माताओं के चार लक्ष्य

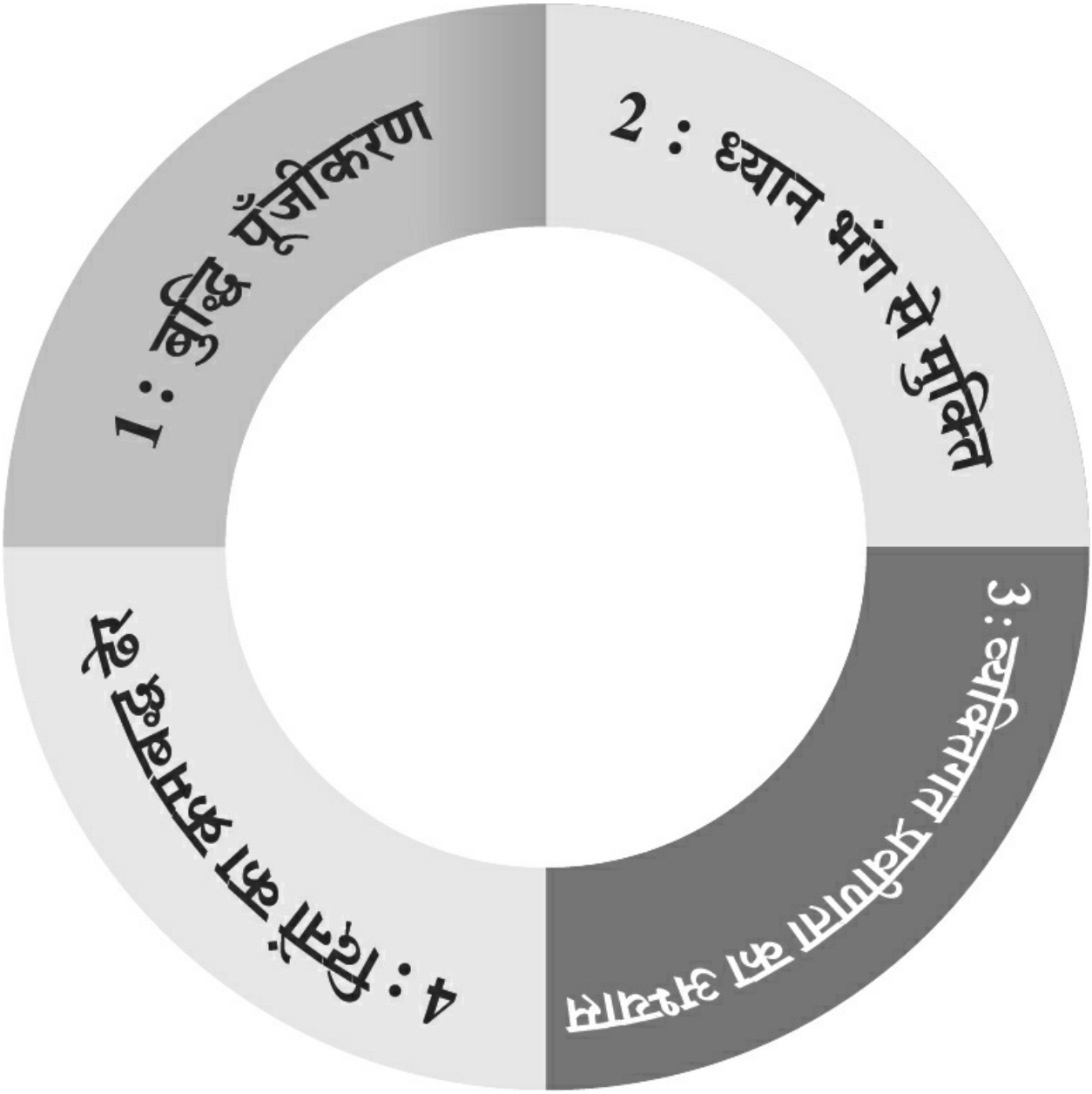

इतिहास के निर्माता लक्ष्य # **1:**बुद्धि पूँजीकरण

रईस ने मनोवैज्ञानिक जेम्स फ्लिनन की पूंजीकरण की धारणा का उल्लेख किया किया था। उन्होंने एक मूल्यवान अन्तर्दृष्टि की अवधारणा की कि एक कलाकार अपने नैसर्गिक गुणों, जिनके साथ वह पैदा हुआ है, से इतना महान नहीं बनता जितना उस क्षमता के वास्तविक पूंजीकरण से बनता है। “विश्व के अनेकों सर्वश्रेष्ठ, सुप्रसिद्ध व्यायामियों में, अपने प्रतिद्वन्द्वियों से कम जन्मजात गुण होते हैं” मि. रेली ने ध्यान दिया था, “मगर उनका असाधारण समर्पण, वचनबद्धता और प्रेरणा जो कोई भी शक्तियां थी जिन्होंने उन्हें प्रतिष्ठित बना दिया था।

यह पुरानी कहावत है, “कुत्ते के आकार-प्रकार से, लड़ाई के समय फर्क़ नहीं पड़ता, वह तो कुत्ते के अन्दर की जूझने की सामर्थ्य है जो अन्तर डालती है।” अरबपति ने अपने सँवारे, पेट पर अनजाने में ही हाथ फेरा और धूप का नया चश्मा पहन लिया, जैसा आप दक्षिण केलिफोर्निया के तरंगों के सवारों को पहना देखोगे।

“निपुण वक्ता ने मुझे सिखाया था, जब आरम्भ में 5 AM क्लब से मैं जुड़ा था, कि मेरे पास, अपनी उच्चतम सम्पत्ति और धन को उपजाने के लिए, कुछ समय अपने लिए, और को, अपने लिए तैयार करूँ, जो समय प्रत्येक

दिन को छोटा-सा हीरा बनाने की तैयारी के लिए अवसरों की शानदार आलंकारिक खिड़की होगी। उन्होंने मुझे यह समझने में भी सहायता की कि सफल व्यक्ति अपनी सुबह का अच्छी तरह से उपयोग करते हैं, पौ फूटने से पहले उठकर, मैंने प्राथमिक जीत हासिल कर ली थी जो मुझे एक अपूर्व उपलब्धि के ओर ले जाएगी।"

"मेरे पास कभी भी 'मेरा समय' नहीं रहा," उद्यमी ने बीच ही में टोकते हुए कहा। "मेरी समयसारिणी हमेशा भरी हुई थी," उसने दोहराया "मुझे प्रात:काल अपनी ऊर्जाओं को फिर से चार्ज करने का व्यवध्यान अच्छा लगेगा-और कुछ ऐसे काम करना जो मुझे अधिक सुखी और श्रेष्ठ मनुष्य बनाएगा।"

"बिल्कुल ठीक", अरबपति ने टिप्पणी की। "हममें से अनेकों, समय-की कमी वाला जीवन बिताते हैं। हमें भी, कम से कम प्रात:काल, एक घंटे का समय स्वयं में ऊर्जा के पुन:प्रवेश के लिए, पनपने के लिए और अधिक स्वस्थ, शान्तिप्रिय व्यक्ति बनने के लिए चाहिए। 5 AM उठकर, *20/20/20* सूत्र का अनुसरण करना, जिसे आप लोग शीघ्र सीखेंगे जो, आपको दिन की असाधारण शुरुआत करवाएगा। आप स्वयं, उच्च मोल की गतिविधियों पर स्वयं ध्यान दे सकेंगे, बजाय दिन आपको नियंत्रित कर कहीं ले भागे। आप उस शक्ति का अनुभव करेंगे, जिसका आपको पता ही नहीं था कि वह आप में है। प्रसन्नता जो आपको कहीं उड़ाती ले जाएगी। और आपका निजी स्वाधीनता का बोध-ज्ञान फूलकर विस्तृत हो जाएगा।"

फिर, मि. रिले ने घूमकर एक तात्कालिक टट्टू अपनी स्नायुयुक्त पीठ पर दिखाया। उस पर फ्रेंच दार्शनिक अल्बर्ट कामू का एक सु-वाक्य अंकित था: एक गुलाम विश्व से व्यवहार करने का मात्र एक ही तरीका है कि आप इस हद तक स्वतंत्र हो जाएँ कि आपकी सिर्फ स्थित रहने की क्रिया भी विद्रोह मानी जाए।"

इन शब्दों के नीचे, उद्योगपति की पीठ पर, ज्वालाओं में से उभरते अमर पक्षी का चित्र था। वह ठीक ऐसा ही दिख रहा था:

"मुझे भी यह चाहिए," उद्यमी ने कहा। "मैं जानती हूँ कि मेरी उत्पादकता, आभारोक्ति और प्रशांतता बहुत अधिक बढ़ जाएगी यदि मेरे पास हर प्रात: कुछ निजी समय होगा, व्यस्तता शुरू होने से पहले।"

"मैं भी", कलाकार ने कहा। "हर रोज प्रात:काल का एक घंटा, स्वयं के प्रतिबिम्बित और तैयारी के लिए जो मेरी कला के लिए राह बदलने वाला होगा; और मेरे जीवन के लिए भी।"

"निपुण वक्ता ने मुझे पहले सिखाया था कि साठ मिनट अपने 'स्व'-श्रेष्ठ और प्रवीणताओं को विकसित

करना उस समय में, जिसे वे "विजय-काल" कहते हैं, मेरे शेष जीवन को भी, बदल देगा-मानसिकता, भावुकता और आध्यात्मिकता उघाड़ कर उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि वह मुझे उन विशाल प्रतियोगात्मक लाभों को भी दिलाएगा, जिनकी हमने कल चर्चा की थी और पूर्णतया रचनात्मकता, धन, आनन्द और मानवता की सहायता के पूर्ण साम्राज्य स्थापित करने की ओर बढ़ाएगा। और मुझे कहना पड़ रहा है कि वे पूर्णतया सही थे।

"क्या खूब!" अरबपति ने चहककर कहा: "वापस पूँजीवाद और जो कोई भी मौलिक उपहार हमें दिए गए है, को बुद्धिमता से खोजने पर आएं। हममें से अनेकों का सामूहिक सम्मोहन हो रखा है कि असाधारण कौशल वाले व्यक्ति अलग मिट्टी के बने होते हैं और उन पर असाधारण, प्रतिमा के देवता का आशीर्वाद है। मगर, ऐसा नहीं है।" अरबपति ने ध्यान दिया जिसमें गाँव के लड़के की बुद्धिमानी उभर रही थी।

"समर्पण और अनुशासन, सप्ताह के प्रत्येक दिन, की चमक और प्रतिभा को भी मात देते हैं। और "ए' श्रेणी के खिलाड़ी भाग्यवान नहीं होते, वे भाग्य बनाते हैं। हर बार जब आप प्रलोभन का विरोध करते है और अनुकूलन का पीछा करते हैं, हम अपना उच्च पराक्रम दर्शाते हैं। हर क्षण, जब आप कुछ ऐसा करते हैं, जो जानते हैं कि सही है, तुलना में उस वस्तु के, जिसे जानते हैं कि वह सामान्य है, सुखद है, आरामदायक है मगर मन्द है, आप सर्वोच्च कार्य-निष्पादकों की पंक्ति में प्रवेश करके, यशस्वियों के झरोखे में आ जाते हैं।"

अरबपति ने एक महाविशाल सामुद्रिक चिड़िया को देखा जो अपनी चोंच में अपना सुबह का नाश्ता दबोचे हुए थी। उसने फिर, एक गहरी डकार ली। "ओऽऽह! सॉरी!" उसने क्षमा के स्वर में कहा।

"जैसा मैंने पहले कहा था, सफल व्यक्तियों पर नवीनतम खोज सुनिश्चित करती है कि हमारी क्षमता की निजी कहानियां मार्गसूचक हैं कि क्या वास्तव में हम उस क्षमता का उपयोग करते हैं।"

"क्या मतलब आपका?" उद्यमी ने जानना चाहा। उसने अब अपने साधन पर टिप्पणियाँ लेना बन्द किया ताकि वह अरबपति की आँखों में सीधे ताक सके। उसने अब, एक टाइट टी शर्ट पहन रखा था जिस पर लिखा था, "शिकार के पास बड़े टी.वी. होते हैं। नेताओं के पास बड़ी लायब्रेरियाँ होती हैं।"

"ठीक है, यदि आप कोई मानसिक वर्णन कर रहे हों जो कह रहा हो कि एक उच्च श्रेणी का नायक बनने के लिए जो आवश्यक व्यापार में, या अपने सफल, सिद्ध कला-कौशल में, वह आप में नहीं है तो आप वहाँ पहुँचने का साहस भी नहीं करते। क्या करोगे? और विश्व-स्तर एक प्रक्रिया है, घटना नहीं। एक सीमा-बद्ध मनोवैज्ञानिक कार्यक्रम, जो कहता है, "रोज के सामान्य व्यक्ति महान् नहीं बन सकते' या "प्रतिभा का जन्म होता है, वे बनाए नहीं जाते" आपको सोचने पर बाध्य कर देगा कि फिर तो, प्रयत्न करना, पढ़ना-लिखना, उसके आचरण के लिए समय खर्च करना और अपनी हार्दिक इच्छा के आसपास अभ्यास के घंटे लगाना, समय की बर्बादी ही होगी। श्रम, उत्साह और समय लगाना और बलिदान का क्या फायदा जब अपनी विश्वास प्रणाली के तहत, जब गुणसूत्र स्तर के परिणाम आप जैसे किसी के लिए असम्भव है। आपका दैनिक व्यवहार हमेशा आपके गहरे विश्वास का कार्य है। और जीत का अहसास करने में आपकी असमर्थता की धारणा बहुत वास्तविक हो जाती है। अरबपति ने ध्यान दिया। मानव जाति को स्वयं के साथ हमेशा मिलकर ही, ताल-मेल के साथ रहने के लिए बनाया गया है। आप अपनी निजी कहानी से ऊपर, कभी नहीं जा सकेंगे। यही विशेष अन्तर्दृष्टि है।"

फिर उन्होंने समन्दर पर एक छोटा-सा मछली-मार बोट, जिसके अन्त में एक जाल बिखेरकर छितराया हुआ था, पर नज़रे घुमाई। एक मछलीमार अपनी लाल शर्ट पहनकर बैठा सिगरेट पी रहा था और नौका को खतरनाक मूँगे की चट्टानों से हमेशा दूर रहने का दिशा संकेत दे रहा था। अरबपति ने एक और मंत्र स्वयं को बुदबदाकर सुनाया।

"मैं आभारी हूँ और मैं क्षमा करना चाहता हूँ। कुछ दे रहा हूँ। मेरा जीवन वास्तव में मनोहारी, रचनात्मक, समृद्ध तथा जादुई है।"

फिर उसने पूँजीवाद सम्बन्धी तर्क-वितर्क को जारी रखा।

"सकारात्मक मनोवैज्ञानिक इसे उस मार्ग से जोड़ देते हैं कि हम कौन हैं और क्या पा सकते हैं और फिर, उस प्रकार से चलते हैं कि वह काल्पनिक कथा सचमुच सत्य हो जाती है।" "स्वयंकार्यान्वित भविष्यवाणी।" हम अनजाने में, जिन लोगों ने हमे बचपन में सबसे ज्यादा प्रभावित किया, से सीख कर एक सोच बना लेते हैं। हमारे माता-पिता, हमारे शिक्षक, तथा हमारे मित्र। फिर, हम उसके अनुसार कार्य करते हैं। और, क्योंकि हम जो भी

करते हैं, उसके परिणाम देखते हैं, तब यह निजी, दोषपूर्ण कहानी, हमारे स्वयं के करने से, यथार्थ बन जाती है। अद्‌भुत? है न! मगर यही है, जिस प्रकार से, हममें से अधिकांश, अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ समय में, कार्य करते हैं। यह दुनिया एक दर्पण है। और हमें जीवन से वह नहीं मिलता जो हम चाहते हैं, मगर वह मिलता है, जो हम हैं।"

"और मेरा अन्दाज़ है कि जितना ज्यादा हम उस मौलिक विश्वास को स्वीकार करेंगे कि हम सर्वश्रेष्ठ परिणामों को लाने में असमर्थ हैं, फिर बात कोई भी हो, जिसमें हम करना चाहते थे, और जितना अधिक हम उस धारणा को प्रबलित करते हैं, वह विश्वसनीय परिणाम बन जाता है और हम, उससे सम्बन्धित क्रियाओं को और गहरा करते हैं ताकि यह रोज की आदत बन जाती है।" सुबह की शुद्ध हवा में रुढ़ियुक्त तरीके से।

"क्या खूब कहा है।" अरबपति ने उत्साहित होकर कहा। मैं "विश्वसनीय धारणा" का विचार पसन्द करता हूँ। वह अच्छा है। आपको सूक्ति को निपुण वक्ता के साथ सांझा करना चाहिए, यदि आप उसे आज मिलें। मेरा ख़याल है कि वह बाहर मछलियाँ पकड़ रहे हैं मगर उनको जानने से, यह समझ में आता है, कि वह सुबह बाद में सूरज की कुछ किरणें लेंगे।"

अरबपति ने आगे कहा: "हर मनुष्य में एक भावना होती है महान् बनने की, एक भूख होती है साहसिक कार्य करने की, और मानसिक जरूरत होती है अपने सामर्थ्य के भीतर की उच्चतम ऊँचाई तक आकाश में जाने की। अब इन बातों को हम जान बुझकर याद रखें या नहीं।"

हममें से अधिकांश छोटे बन चुके हैं, अपने आसपास के गाढ़े अँधेरे और विषैले प्रभावों से भूल चुके हैं कि हम वास्तव में कौन हैं। हम समझौतों के स्वामी बन चुके हैं। धीरे-धीरे और नियम से, औसतन सभी पक्षों में, तब तक, जब तक कि हमारी मानस कार्य प्रणाली तक नहीं आ जाता। वास्तविक नायक अपने गुण-स्तर से कभी भी समझौता नहीं करते। वे जानते हैं कि सुधार की गुंजाइश हमेशा होती है। वे यह भी जानते हैं कि हम अपने सर्वोच्च स्वभाव से जुड़े हुए होते हैं जब हम अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, अपना सर्वोत्तम पाने लगते हैं। सिकन्दर महान् ने एक बार कहा था, "मैं शेरों की सेना से भी नहीं डरता, जिसकी नेता भेड़ हो; मगर मैं भेड़ों की सेना से डर जाता हूँ जिसका नेतृत्व कोई शेर कर रहा हो।"

अरबपति ने आवाज़ करते हुए साँस अन्दर खींची। एक तितली पास ही फड़फड़ा रही थी। और एक केंकड़ा हड़बड़ी में उनके पास से निकला।

"मैं आपको यहाँ याद दिलाने आया हूँ", उसने कहना जारी रखा, हम में से प्रत्येक में, हमारे दल का नेतृत्व करने की योग्यता है। और अब, जैसा कि आप जानते हैं, मैं नायकत्व के बारे में, ऊँचे पद के हिसाब से, बुलंद स्थिति बारे में, या किसी औपचारिक अधिकार की जरूरत से बात नहीं कर रहा हूँ। जो मैं बात कर रहा हूँ वह उससे कहीं ज्यादा वज़नदार और सुंदर है। यह मनुष्य के दिल की अन्दर की वास्तविक शक्ति है बजाय बहुत बड़े ऑफिस तेज कार, बैंक में जमा राशि के द्वारा दिए जाने वाली क्षणभंगुर शक्ति के। जिसकी बात मैं कर रहा हूँ वह है काम करने की क्षमता, जो इतनी बड़ी है कि, जिसे पर से हम अपनी आँखें नहीं हटा सकते। उद्यमी क्षेत्रों में अपना भारी मूल्य बनाने की क्षमता, प्रभाव और बाधित करने की क्षमता-एक सम्पूर्ण उद्योग आदर, कुलीनता, धृष्टता ओर अखंडता के साथ जीने की शक्ति ताकि आप अपनी, इतिहास बनाने की जिम्मेदारी पूरी कर सकें, अपने स्वयं के मौलिक तरीके से। कोई फर्क नहीं पड़ता की आप सीईओ हैं या लिफ्टचालक। एक अरबपति हैं या खाई खोदनेवाले। एक अभिनेता हैं या विद्यार्थी। यदि आप आज ज़िन्दा हैं, तो आप में योग्यता है कि आप बिना शीर्षक, नाम या बनावट वर्ष के, नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं और विश्व मे स्थान बना सकते है, बेशक इस समय ऐसा विश्वास नहीं करते कि आप कर सकते क्योंकि आपके पास वर्तमान की तात्कालिक योजनाएँ हैं। आपकी मान्यताएँ वास्तविक नहीं है। यह बस, नहीं है। यह मात्र आपकी वास्तविकता पर, वर्तमान धारणा है, इतना याद रखें। यह तो लेंस है जिसके माध्यम से, इस क्षण, वास्तविकता को देख रहे हैं, जब आप ऊपरी सीढ़ी पर पग रख रहे हैं। यह सब कुछ मुझे जर्मन के दार्शनिक आर्थर शोफेनहावर (Shopenhauer) के शब्दों की याद दिलाता है, जिसने लिखा, "अधिकांश व्यक्ति अपने संस्मरण की सीमा को विश्व की सीमा बना लेते है। उनके साथ हो लो।"

"अतः, वास्तविकता और हमारे वास्तविकता के दृष्टिबोध में बहुत बड़ा फर्क है, है न?" उद्यमी ने जानना चाहा। "आप जो कह रहे हैं, उससे तो यही ज्ञात होता है कि मानो हम विश्व को अपने निजी, कार्यक्रमित फिल्टर के द्वारा देख रहे हैं। और हम उस कार्यक्रम को इतना चला चुके हैं कि हमारा मत परिवर्तित हो चुका है और हम

विश्वास करने लगे हैं कि हम इस समय जो देख रहे हैं, वही वास्तविक है। है न? आपने तो मुझे पुनः विचार करने पर लगा दिया जिस तरह से मैं हर वस्तु को देखती हूँ। उसने स्वीकार किया और उसके माथे की रेखाएँ इस प्रकार से सिमट गईं जैसे सर्दियों में गुलाब का सिकुड़ना।

"मैं बहुत अधिक प्रश्न पूछने लग गई हूँ," वह बोलती गई, "पहली बात, मैंने अपना व्यवसाय आरम्भ क्यों किया? मेरी नज़रों में सामाजिक परिस्थिति इतनी महत्वपूर्ण क्यों है? मेरा सबसे आकर्षक होटलों में खाने का, सबसे अच्छे पड़ोस में रहने और सबसे नई फैशन की कारें चलाने का मन क्यों है। मेरे ख्याल से इसका कारण मैं अपनी कम्पनी के कब्जे के प्रयत्न से इतनी अधिक बेताब हो चुकी हूँ क्योंकि इसके संस्थापक होने के नाते उसके द्वारा मुझे मनुष्य के रूप में पहचान मिलती है। सच तो यह है कि मैं अपने पेशे को आगे बढ़ाने में इतनी मग्न हो गई हूँ कि मैं गैस लेने के लिए भी नहीं रुकी अन्यथा कुछ सोच सकती और इच्छापूर्वक जीवन बिताती। वह सब ऐसे हुआ जैसे आपने हमें कल "तीन चरणों में सफलता का सूत्र" सिखलाया था। ज्यों-ज्यों मैं अपने इर्द गिर्द प्रतिदिन, बेहतर चेतनता का अनुभव करती हूँ, और वैसा क्यों है कि मैं जो करती हूँ, वह करती हूँ, मैं प्रतिदिन और अच्छे चुनाव करुँगी जो मुझे श्रेष्ठ दैनिक परिणाम देंगे।"

उद्यमी को रोक सकना असम्भव हो गया था।

"मुझे तनिक-सा भी ज्ञान नहीं है कि मेरी प्रामाणिक कीमत क्या है, मैं नायक बनकर क्या प्रस्तुत करना चाहूँगी। मैं जो निर्माण कर रही हूँ, क्यों कर रही हूँ, मुझे वास्तव में क्या सुखी करता है, और मैं किस प्रकार से औरों के द्वारा याद किया जाना पसन्द करूँगी, जब नहीं रहूँगी। उस CEO की कहानी और उस सम्पादक के सहलाने ने सचमुच मुझ तक संवाद भेज दिया। जीवन वास्तव में बहुत नाज़ुक है।" और-अब जब मैं इतना खुलकर बोल रही हूँ-मुझे लगता है कि मैंने अनेकों दिन ग़लत वस्तुओं का पीछा करने में लगा दिए हैं। जटिलता के शोर में अटक कर, बजाय उन उच्च कोटि के संकेतों के, जो मेरे पेशे और निजी जीवन में वास्तविक अन्तर ले आता। और, मैं अब विगत के बारे में बहुत सोचती हूँ। मेरे बचपन में मेरे साथ क्या हुआ था। मेरे पास मित्रता के लिए भी समय नहीं था। मुझमें कोई वास्तविक जुनून भी नहीं है। अब तक मैंने सूरज को उगते नहीं देखा, और न मैंने सच्चा प्यार पाया है," उद्यमी ने उत्साहपूर्वक अपने हाथ के कड़े को रगड़ते हुए कहा।

उद्यमी ने कलाकार की ओर देखा।"अब तक।"

कलाकार की आँखों में आँसू छलक आए।

"ग्रह मंडल में अरबों," उसने घोषणा की। "हमारे ग्रह पर करोड़ों लोग हैं, और मैं सौभाग्यशाली था कि आपसे मिला।"

उद्यमी मुस्कुराई और फिर मीठे स्वर में बोली-"मुझे आशा है कि मैं तुम्हें कभी नहीं खोऊँगी।"

"अपने प्रति इतने कठोर मत बनो," अरबपति ने बीच ही में कहा। "हम सभी, अपने-अपने रास्तों पर हैं; समझे, मेरा क्या मतलब है हम सभी, ठीक उसी जगह हैं जहाँ हमें होना चाहिए, विकास के पाठ को सीखने के लिए, जो हमें सीखना है। और तब तक कठिनाई बनी रहेगी जब तक कि आप वह ज्ञान नहीं पा लेते, जिसे वह लानेवाला है। और मैं इससे भी सहमत हूँ कि मानवों को एक दुःखद आदत है, उन वस्तुओं को याद रखने की, जिन्हें भूलना चतुराई होगी, और आश्चर्यजनक वस्तुओं को भूलने की, जिसे याद रखना समझदारी होती। खैर, मैं आपको अवश्य समझता हूँ। सिर्फ इतना याद रखें कि आपका सर्वश्रेष्ठ और सबसे समझदार हिस्सा आपका नायकत्व कर रहा है। महानता के इस मार्ग पर, अकस्मात् कुछ नहीं हुआ और वह जीवन निर्मित करना जो महत्त्वपूर्ण है यदि आप मुझसे पूछें तो, उन बड़े बड़े घरों, तेज कारों और ढेर सारे धन में कुछ भी ग़लत नहीं है। मैं सचमुच, हाँ वास्तव में, चाहता हूँ कि आप मेरे से इस बारे में सुनें। कृपया। हम आध्यात्मिक व्यक्ति हैं और हमें मानवता का अनुभव है, जैसी कि पुरातन कहावत है। जीवन में आप के लिए अतुल धन की आवश्यकता है, जो उसे आपके लिए चाहिए। बहुतायत तो प्रकृति का नियम है। न तो फूलों की कमी है, न नींबू के पेड़ों की और-न आकाश में झिलमिलाते सितारों की। धन आपको, स्वयं के लिए अद्भुत कार्य करने की आज्ञा देता है, और उन लोगों के लिए भी, जिनकी आप सबसे ज्यादा फिक्र करते हैं। और यह आपको उनकी भी मदद करने का मौका देता है, जिन्हें मदद की आवश्यकता है।" एक स्पीड बोट के पीछे-पीछे, एक प्रवासी, जल पर तरंगित होता, तेजी से निकल गया। आप उसे, प्रसन्न होकर हँसते हुए, सुन सकते थे।

"अब मैं तुम्हें एक छोटे से रहस्य में शामिल करूँगा", रईस ने चहककर आगे कहा। "मैंने अपनी अधिकांश

विशाल तरल सम्पत्ति दे दी है। हाँ, मेरे पास अब भी जेट्स हैं तथा ज्यूरिच का फ्लैट और यह समुद्र तट का स्थान है। वैसे तो मेरा व्यापारिक हित का मूल्यांकन अब भी उस राशि तक पहुँच जाता है जो कि मुझे अरबपति बना देता है, पर मुझे इनमें से किसी की भी आवश्यकता नहीं है। इनमें से किसी के भी साथ, मेरा लगाव नहीं है।"

"मैं एक कहानी सुनाता हूँ। मेरा ख़याल है कि वह आप को पसन्द आएगी", कलाकार ने बताया कर्ट वोनेगट-लेखक, और जोज़ेफ हेल्लर, *Catch-22* के रचयिता, एक सुप्रसिद्ध फायनेंसर की दी पार्टी में मेहमान थे जो लाँग आयलेंड में हो रही थी। Vonnegut ने अपने साथी से पूछा कि उसे यह जानकर कैसा लगा कि हमारे मेज़बान ने इस उत्सव से एक दिन पहले इतना धन कमाया था, जितना उसकी सर्वोत्कृष्ट बिकी पुस्तकों की सारी, संयुक्त रायल्टियों की राशि से भी कहीं अधिक था। हेल्लर ने जवाब दिया, "मेरे पास कुछ ऐसा है, जो उसके पास कभी हो ही नहीं सकता।" वोनेगट ने पूछा, "ऐसा क्या हो सकता है, इस पृथ्वी पर, जोय?" हेल्लर का उत्तर अनमोल था: "ज्ञान, जो मेरे पास यथेष्ट है।"

"अद्भुत!" अरबपति को प्रेरणादायक लगा। "अच्छा लगा वह कलाकार को उत्तेजित कर बिखरी आवाज़ में चिल्लाया। फिर उसने वह छोटा-सा नृत्य किया जिसे वह प्रसन्न होने पर किया करता था, और फिर, जम्पिंग जॅक्स की श्रृंखला आरम्भ करने से पहले, उसकी आँखें बन्द हो गई थीं, जैसा वह आरम्भ करने के बाद किया करता था। कितना विचित्र था वह।

कलाकार बातें करता रहा। वैसे भी मैं समझता हूँ कि आप हमें इस बिन्दु पर पूँजीवाद स्वयंकार्यान्वित भविष्यवाणी के बारे में क्या सिखा रहे हैं। कोई भी, हमारी महान कार्यों को करने की योग्यता में विश्वास नहीं करेगा जब तक हम स्वयं अपनी महानता में विश्वास न करें और फिर, प्रामाणिक तथा कठिन प्रयास उसे समझने के लिए न करें। जानते हैं कि पॅब्लो पिकासो ने एक बार क्या कहा था?"

"कृपया हमें बताएँ," उद्यमी ने याचना की। उसका रवैया कह रहा था कि वह इस बारे में बहुत स्पष्ट है।

"पिकासो ने उद्घोषणा की थी," मेरी माँ ने मुझसे कहा, यदि आप सिपाही हैं, तो आप जनरल बन जाएँगे। यदि आप साधु हैं, तो आप पोप बन जाएँगे। फिर, मैं तो कलाकार था और पिकासो बन गया।"

"हठी, व्यक्ति", अरबपति ने टिप्पणी कसी। "अब, यह अपनी क्षमता में आस्था और विश्वास है।"

अरबपति ने अपनी धूप-तपित चिबुक पर मुट्ठी घुमाई, फिर क्षण भर के लिए सफेद रेत पर नज़रें दौड़ाईं।

"और सिर्फ हमारे माँ-बाप ही नहीं, जो सीमित कार्यक्रम के लिए जिम्मेदार हैं सर्वश्रेष्ठ दिनों के उत्कृष्ट घंटों में अधिकांश लोग अपने दिमाग के माध्यम से चल रहे हैं। जैसा मैंने सुझाव दिया था, अनेकों शुभ चाहनेवाले, मगर अनजान शिक्षक, इस विचार को पुनर्जीवत करते हैं कि कला, विज्ञान, खेल-कूद तथा मानविकी की वीर प्रतिभा "विशेष" है, और हमें स्वीकार करना चाहिए कि हम "सामान्य" व्यक्ति हैं जो उदात्त भाँति का कार्य नहीं कर सकते, जो लोगों को उत्कृष्टता और एक अद्वितीय जीवन निर्मित कर के स्तब्ध कर देता है और फिर, हमारे पास अपने मित्रों का साथ है और मीडिया के अथक सन्देश जो उन्हीं 'तथ्यों को सहारा देते हैं। फिर, आवश्यक रूप से यह सब निरन्तर मनमुग्ध कर देता है जहाँ, हम जान भी नहीं पाते और, एक बार जो बुद्धिमानी की अग्नि हममें है, वह धीमी पड़ जाती है और एक बार की उत्तेजनात्मक आवाजें कम सुनाई देने लगती हैं। हम अपनी निपुणता को कम-से-कम कर देते हैं और अपनी शक्तियों के आसपास क़ैदखाने खड़े कर देते हैं। हम नेता रचनात्मक, उत्पादक और सम्भावनावादी की तरह व्यवहार करना बंद कर देते हैं और हम पीड़ित की भाँति बर्ताव करने लगते हैं।"

"कितना निराशाजनक है, इतने सारे अच्छे लोगों का ऐसा करना। और हममें से अधिकांश, इस मत आरोपण को स्वयं के सर्वश्रेष्ठ पर घटित होते देख ही नहीं पाते।" उद्यमी ने प्रतिक्रिया प्रकट की।

"हाँ, सो तो है।"अरबपति ने जवाब दिया। "उससे भी बुरा है जब अन्तःशक्ति स्वयं को प्रकट न कर पाने से, पीड़ा बन जाती है, इस पर मुझे जोर देना चाहिए।"

"इसका क्या अर्थ हुआ?" कलाकार ने आश्चर्य से पूछा, अपनी दृष्टि को हटाने के लिए अपनी अंग-भंगिमा को थोड़ा-सा अधीर होकर, बदला। "शायद मैं कला को मूल और असाधारण रूप से तोड़-फोड़ रहा हूँ। जैसा महान् महागुरुओं ने किया था, क्योंकि मैंने इतने दिनों तक अपने सामर्थ्य को पूँजी में परिणत नहीं किया था और यही बात मुझे अन्दर तक पीड़ा दे रही है।" कलाकार ने स्वयं से सोचा।

“ठीक है, हमारा सबसे कुलीन अंग तो इस सच को जानता है: हममें से प्रत्येक अपनी मानवीय भेंटों के बल पर विस्मयकारी कार्य करने के लिए निर्मित हुआ है और अपनी सृजनात्मक चतुराई से आश्चर्यजनक करतब दिखाता है। शब्द “विस्मय” लेटिन के “विस्मृति” से बना है, जिसका अर्थ होता है “अचम्भित कर देना।” प्रत्येक वह मनुष्य, जो आज जीवित है, अपने दिल में, गहराई तक, यह भावना, और उत्साह लिए हुए है कि वह इसे कर सकता है। जितना अधिक हम अपने अस्वास्थ्य निर्देश को कम, करते हैं जो तंत्र-शरीर विज्ञान के अनुसार, हमारे उपवल्कुटीय तंत्र की सृष्टि है, उतना अधिक हम प्रतिभा की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति का उदात्त आह्लादन सुनते हैं। यह सच है, फिर भले ही आप एक बड़ी संस्था में निरीक्षक हों, एक छोटे-से कक्ष में प्रोग्रामर हों, स्कूल में शिक्षक हों और या किसी रेस्त्राँ में रसोइए हों। आप में यकीनन क्षमता है कि अपने कार्य को पूरी कुशलता से ऊँचाई तक ले जाएं उसका प्रभाव मानवता की उन्नति के लिए है। और फिर भी हम जीवन के प्रति उदासीन हो जाते हैं क्योंकि हमें गलत भ्रम है कि हम वास्तव में कौन हैं और हम सच में क्या निष्पादित कर सकते हैं। अर्ध-जीवित अवस्था में हिंसक बने रहते हुए और यह है एक महान् विचार जब हम अपने वास्तविक सामर्थ्य को धोखा देते हैं, हमारा एक अंश, मरना शुरू हो जाता है।” अरबपति ने टिप्पणी लिखी।

“नाटकीय अन्तर्दृष्टि”, कलाकार ने स्वीकृति दी। “मुझे सचमुच कुछ प्रमुख बदलाव करने हैं। मैं थकान महसूस करते थक चुका हूँ, थकते-थकते, और अपनी रचनात्मक क्षमताओं को नज़रअंदाज कर के। मुझे लगने लगा है कि मैं “सुविशेष” हूँ।”

“आप तो हैं”, उद्यमी ने पुष्टि की “आप हैं,” उसने कोमलता से दोहराया।

“मुझे अब यह भी दिखने लगा है कि मैं इस बारे में बहुत ध्यान देता हूँ कि दूसरे मेरे बारे में क्या सोचते हैं। मेरे कुछ मित्र मेरे चित्रों का मज़ाक उड़ाते हैं। वे कहते हैं कि मेरी पीठ पर स्क्रू लगा है। मुझे महसूस हो रहा कि वे मुझे बिल्कुल नहीं समझते और मेरी अपनी कला के लिए दृष्टि को भी।”

“विश्व के अनेकों बुद्धिशाली मरने के कई दशकों बाद तक सराहे नहीं गए। आप जानते हैं!” अरबपति ने धीमी आवाज़ में कहा।

“और जहाँ तक आपके मित्रों की बात है, मुझे विश्वास नहीं है कि आप सही लोगों से घिरे हैं? और शायद अब समय आ गया है अपने को सुधारने का, बजाय अपनी प्रतिभा और जीवन को औरों के बहकाने और प्रलोभनों से सीमित करने के। कर्ट कोबेन ने इसे बेहतर कहा, जैसा मैं कभी नहीं कह सकता मुझसे भी बहुत अच्छी तरह से: ‘मैं कुछ और होने का दिखावा कर के, ताकि मैं औरों के साथ-साथ चल सकूँ और उनकी मित्रता पा सकूँ, थक चुका हूँ।”

“हूँSS!” कलाकार की इतनी-सी ही प्रतिक्रिया थी।

“मैं जो बता रहा हूँ वह सटीक है। हम अपने स्वयं के साथी बन जाते हैं। और फिर आप का अपने क्षेत्र में कभी भी सकारात्मक प्रभाव नहीं होगा ताकि जीवन को मनोहारी बना सकें। अगर हम नकारात्मक लोगों से सम्बन्ध रखते हैं,” अरबपति ने कहना जारी रखा। “ओह! और वह दर्द, जिसके बारे में मैं अभी-अभी कह रहा था- यदि उस पर ध्यान नहीं दिया और उसे मुक्त नहीं किया तो वह हमारे अन्दर, भय और आत्मग्लानि का एक गहरा भण्डार बना देता है। हममें से अधिकांश को इसका ज्ञान नहीं होता अथवा, वे इससे निबटने के औजार नहीं रखते कि इन दबाई हुई इच्छाओं का सामना कर सकें। हममें से अधिकांश अपने वादों का निरादर करने से इसे उत्पन्न कर लेते हैं। अतः हम उससे इन्कार कर देते हैं यदि कोई सुझाव भी देता है जब उसे अवसर आने पर हम उससे भाग खड़े होते हैं। हम अपने अचेतन मन-मस्तिष्क में, आत्मा को दबोचनेवाले निकासी-मार्गों की, एक लम्बी सीढ़ी तैयार कर लेते हैं, जो हमारी प्रतिभा का इन्कार करने से उत्पन्न हुई थी।”

“किस तरह से?” उद्यमी ने पूछा।

“लत जैसे दिन भर मैसेज़ देखते रहना या पसंद का अवलोकन करते रहना, अथवा, अपने प्रतिदिन के जीवन का बड़ा हिस्सा टी.वी. देखकर बर्बाद करना। टीवी के कार्यक्रम इतने शानदार हो गए हैं की आजकल उनसे जुड़ना बहुत सरल हो गया है। और जब एक उपाख्यान किसी मंच पर समाप्त होता है तो दूसरा स्वयमेव आरम्भ हो जाता है। हममें से अनेकों स्वयं को महान् बताने के लिए उन पर लगातार चैटिंग और गप्पें उड़ाकर समय बिताते हैं, बिना यह जाने कि व्यस्त रहने और उत्पादक होने में कितना अन्तर है।

उच्च प्रभावशाली सृजनशीलों और वास्तविक विश्व-निर्माताओं में से, हर किसी को वे बहुत उपलब्ध नहीं है जो कोई भी उनका ध्यान चाहते हैं, समय पाना चाहते हैं। उन तक पहुँचना दुर्लभ है। कुछ क्षण बर्बाद करना तथा बनावटी के बजाए वास्तविक कार्य करने में अधिक केन्द्रित हो जाना-अतः वे अचम्भित करनेवाले परिणाम देते हैं और विश्व को आगे बढ़ाते हैं। अव्यक्त क्षमता के दर्द से बचने के अन्य उपाय घंटों, बिना सोचे, ऑन लाइन सर्फिंग करना इलेक्ट्रॉनिक शॉपिंग, ज्यादा देर काम करना, अधिक पीना, अधिक खाना, अधिक शिकायतें करना और सोते रहना हैं।"

टायकून ने पानी के घूँट पिए। एक और मछली पकड़ने की नाव गुज़र गई। उस नाव की मुखिया महिला ने मि. रिले का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। प्रत्युत्तर में मि. रिले ने झुककर उसे नमस्कार किया।

"निपुण वक्ता इस सारे व्यवहार को "सीखा हुआ शिकार," कहते हैं। अरबपति इसे आश्चर्यचकित उल्लसित तरीके से कहते गए। "जब हमारा यौवन चला जाता है, तो हम शालीनता की ओर आकर्षित होते हैं। हम किनारे किनारे चल सकते हैं, जो परिचित वस्तु है, उससे समझौता कर सकते हैं और अपनी सीमाओं के विस्तार के लिए रसीली इच्छाओं को भूल सकते हैं। हम एक पीड़ित का, स्वरूप अपनाते हैं। हम बहाने करते हैं, और फिर उन्हें इतनी अधिक बार उच्चारित करते हैं कि हम अपने अचेतन मन को प्रशिक्षित कर देते हैं- कि वे सच हैं। हम औरों को और बाह्य परिस्थितियों को अपने संघर्ष के लिए जिम्मेदार मानते हैं, और पिछली घटनाओं को अपने निजी युद्धों का कारण बताते हैं। हम सनकी हो जाते हैं और जिज्ञासा जो विस्मय, समानानुभूति तथा अबोधता जो बालक के रूप में जानते थे गवां देते हैं, हम उदासीन हो जाते हैं। आलोचनात्मक। निष्ठुर इस निजी परिस्थिति की तंत्र के अन्तर्गत, हममें अधिकांश, अपने लिए सृजन करते हैं। सामान्यता तब स्वीकृत होती है। और, चूँकि यह मानसिकता हम सबों में, प्रति दिन बनी रहती है, और यह जीवन-दृष्टि हमें बहुत स्वाभाविक लगती है। हम विश्वास कर लेते हैं कि कहानी जिसे हम देख रहे हैं, वह सच्चाई है क्योंकि हम उसके इतने निकट हैं। अत: हम अपने क्षेत्रों में नायकत्व दिखाने के स्थान पर, अपने हस्तलाघव चमकदार ढंग से, जीवन को अलंकृत बनाने के बजाए सामान्य बन जाते हैं। देखें, यह सब कैसे होता है?"

"हाँ, कम-से-कम यह सब स्पष्ट तो हो रहा है। तो सूत्र हुआ, अपनी निजी ज़िन्दगी को पुन: लिखना, ठीक?" उद्यमी ने जानकारी चाही।

"हाँ, शत-प्रतिशत सही", अरबपति ने स्वीकार किया। "प्रत्येक बार जब आपको अपने शिकार होने का बोध होता है, आप अधिक साहसिक कदम उठाते हैं, आप कहानी फिर से लिखते हैं। आप अपनी स्व-पहचान बनाते हैं और अपने आत्म सम्मान को समृद्ध करते हैं और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। जब-जब आप अपने श्रेष्ठ स्व के लिए मतदान करते हैं तो अपने कमजोर पक्ष को भूखा रखते हैं और अपनी अन्तर्व्याप्त शक्ति को पुष्ट करते हैं। और जब आप ऐसा प्रवीणता से मांगी एकाग्रता से करते हैं तो," आपका पूँजी संवर्धक IQ; अर्थात् आपके जन्म के साथ आपको जो सौगातें मिली हैं, उन्हें साक्षात् करने की क्षमता, भी पनपेंगी।"

अरबपति ने अपने दो विद्यार्थियों को अपने घर की छत पर चलने के लिए कहा, ताकि वह प्रात:काल का पाठ - "इतिहास-निर्माताओं के ४ ध्येय" जारी रख सकें।

इतिहास के निर्माता लक्ष्य # **2:** ध्यान भंग से मुक्ति

अरबपति ने नमूने की ओर कनिष्ठ उंगली से इशारा किया।

"सफल व्यक्तियों के दिमाग़ के महत्वपूर्ण गुदनों की याद है क्या? ध्यान भंग की लत, आपकी रचनात्मक उत्पादकता का अन्त है। यह आज के परामर्श सत्र के इस भाग के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन करेगा। मैंने ध्यान-भंग या सायबर उपद्रव के खिलाफ युद्ध की जीत की महत्ता की गहराई तक जाने का निर्णय किया है, क्योंकि यह हमारी संस्कृति का एक अति गम्भीर विवाद है। कुछ तरीकों से, नई प्रौद्योगिकी एवं सोशल मीडिया न सिर्फ हमारी सृजनात्मकता के यशस्वी महामन्दार का क्षय कर रहे हैं, बल्कि हमें कम मानव होना भी सिखा रहे हैं। हमारे बहुत थोड़े वास्तविक वार्तालाप, बहुत थोड़े यथार्थ सम्बन्ध तथा बहुत थोड़े सार्थक पारस्परिक विचार विमर्श हैं।

"हूँSS, हाँ हाँ हाँ, मैं इसे अधिक से अधिक महसूस कर रही हूँ, क्योंकि सुबहें समुद्रतट पर गुजरती हैं ," उद्यमी ने स्वीकार किया।

"महत्वपूर्ण घंटों को अर्थहीन कार्यों से भरना, अधिकांश लोगों के लिए मनचाही औषधि बनकर रह गई है," अरबपति ने आगे कहा, "बौद्धिक रूप से हम जानते हैं कि हमें शून्य मूल्य के कार्यों में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए, मगर भावनात्मक रूप से हम इस आकर्षण से विदा नहीं ले पाते हैं। अंकुश से बस लड़ नहीं सकते। ऐसा बर्ताव संस्थानों को अरबों रुपयों की हानि पहुँचा रहा है, उत्पादन की हानि करके, जो गुणवत्ता में भी उत्तम नहीं है। और, जैसा मैंने पहले सुझाव दिया है कि लोग आजकल काम में अधिक भूलें करने लगे हैं जितनी पहले कभी नहीं की क्योंकि वे कार्य करते समय मानसिक रूप से उपस्थित नहीं रहते। उनका मूल्यवान ध्यान टॅक्नोलॉजी के मूर्खतापूर्ण उपयोग ने हर लिया है और उनका अनमोल लक्ष्य बलात् आहरित हो चुका है जिसका मूल्य सर्वश्रेष्ठ कार्य करने का अवसर, एवं उत्तम जीवन का मापांकन है।"

स्थिरता एवं प्रशान्ति, जो दिवस के आरम्भिक प्रहर ही दे पाते हैं, वे अब भी बने हुए थे। अरबपति रूका उसने सम्पूर्ण वातावरण का अवलोकन किया, घर के पास सलीके में लगे फूलों पर स्निग्ध दृष्टि दौड़ाई। फिर, उन मालवाही जहाजों पर दृष्टि दौड़ाई जो मानो क्षितिज में अब भी जड़े खड़े थे और फिर अन्त में समन्दर पर।

"देखो छिछोरों," वह अन्त में बोले, "मैं इस आधुनिक विश्व से बहुत प्यार करता हूँ - हाँ, सचमुच करता हूँ। यदि यह सब आधुनिक टेक्नोलॉजी हमें नहीं मिली होती तो जीवन दुर्लभ हो गया होता। मेरा व्यापार इतना सफल नहीं हो पाता, जितना वह आज है। मैं इतना कुशल भी नहीं रहा होता जितना आज हूँ, और शायद , मैं तुम दोनों के साथ भी नहीं होता।"

"क्यों?" कलाकार को आश्चर्य हुआ जैसे ही एक अकेली डॉल्फिन नज़ाकत से, उनके पास से, तैरती हुई निकल गई, फिर वह खुले समुद्र में ऊपर तक गई। फिर भव्य छप छप के सात हवा में चार बार गुलाठियाँ लगाई।

श्रीमान रिले बहुत प्रसन्न दिखे। "मैं बहुत प्रसन्न हूँ कि मैंने पता लगा लिया कि जादुई घटनाओं का चुम्बक कैसे बनना, उसने स्वयं से फुसफुसाकर कहा। "और मैं इन सज्जनों को सिखाने से रुक नहीं सकता कि वही स्वयं के लिए कैसे करना है" फिर उसने अपने प्रवचन जारी रखे।"

"स्वास्थ्य सम्बन्धी जितने भी नवनिर्माण हैं उन्होंने मुझे बचाया, जब मैं बीमार था", अरबपति ने विवरण दिया। "खैर, जो भी हो, प्रौद्योगिकी का उचित उपयोग एक अद्भुत घटना है। आजकल जिस तरह लोग इसे मूखर्तापूर्वक तरीके से उपयोग में लाते हैं, मुझे इसकी चिंता है। अनेकों सम्भावित महामानव व्यक्ति 'खण्डित लक्ष्य, लक्षण समष्टि से पीड़ित हैं, क्योंकि उन्होंने अपने उद्यमी और निजी जीवन को अनेकों साधनों, रुकावटों एवं सायबर ध्वनियों से भर लिया है। यदि आप जीतने के खेल से जुड़े हुए हैं तो कृपया इतिहास के महान स्वामियों को आदर्श बनाएँ तथा दिन की जटिलता की परतों को हटा दें। उन्हें सरल कर दें। स्पष्ट करें। सब कुछ सुव्यवस्थित करें। शुद्धतावादी बनें। कम, सचमुच अधिक होता है। सिर्फ कुछ ही कार्य-परियोजनाओं पर काम करें, ताकि आप उन्हें विस्मयकारी बना सकें, बजाय अपने ध्यान को अनेकों पर उँड़ेलकर हल्का करने के। और सामाजिक रूप से, कम मित्र रखें, पर उनके साथ, गहरे तक जाएँ ताकि सम्बन्ध गाढ़े रहें। कम निमंत्रण स्वीकार करें, बड़े आनन्द कार्यक्रमों में कम जाएँ, और पढ़ें फिर कम पुस्तकों के विशेषज्ञ बनें, बजाय अनेकों को पलटने के। सिर्फ उस पर बहुत गहरा ध्यान जो महत्वपूर्ण है, ऐसे विशेषज्ञ विजय का अहसास पाते हैं। सरल बनाएँ। सरल बनाएँ। सरल बनाएँ।

"अपना समय का प्रबंधन बंद करो. तथा अपने लक्ष्य का प्रबंधन करें।" अरबपति ने आगे कहा, "आज हम जिस अति उद्दीपित समाज में रहते हैं, वहाँ महान् बनने का एक नियम है।"

"अब तक की आप की सीख के लिए आभार," कलाकार ने कहा। "अब मैं समझ गया हूँ कि काम में व्यस्त रहने का यह अर्थ नहीं होता कि आप सृजनात्मक भी हैं। मैंने यह भी सीख लिया कि जब मैं किसी नई पेंटिंग पर कार्य करता हूँ, तब, मैं महान् कला के जितना निकट पहुँचता हूँ, उतना ही अधिक, मेरा अँधेरा हिस्सा, मेरा ध्यान बँटाना चाहता है, ताकि मैं कोई अद्भुत कार्य न कर लूँ। ऐसा आजकल अक्सर होता है, कि जब मैं उस बारे में सोचता हूँ। मैं अद्भुत कार्य के करीब, लगभग पहुँच जाता हूँ, और फिर अपना कार्यक्रम अव्यवस्थित कर देता हूँ। मैं या तो ऑन लाइन चला जाऊँगा और सर्फिंग करने लगूँगा। मैं बाद में सो जाऊँगा और सीज़न के अपने प्रिय सारे शो देख लूँगा, अथवा अपने कहे-सुने मित्रों के साथ वीडियो गेम्स रात भर खेलूँगा। कई बार मैं घटिया लाल शराब, पीता हूँ।"

"आप अपने प्रतिभा के जितना अधिक निकट पहुँचते हैं, अपने भय के विद्रोह का भी आप उतना ही सामना

करेंगे।' अरबपति ने सशक्त शब्दों में स्वीकृति दी। "आप बहुमत छोड़ने से डर जाएँगे और स्वामित्व के गौण उत्पादन से निबटना पड़ेगा, जैसे, अधिकांश लोगों से अलग रहने से, प्रतियोगियों की जलन से, और अपने अगले उत्पाद को इससे भी अच्छा बनाने का दबाव ज्यों-ज्यों आप सत्वगुण की ओर बढ़ेंगें। आप असफलताओं के प्रति चिन्तित हो जाएंगे और डरेंगे कि आप उतने अच्छे नहीं हैं और ज्वलन्त नए मार्गों पर चलने से असुरक्षित अनुभव करेंगे। आपके दिमाग़ का बादामी के आकार का-ग्रे पदार्थ जो भय को खोज निकालता है, पूरी तरह से तप्त हो जाएगा और आप अपनी सर्जित उत्पादकता को छिन्न-भिन्न करना शुरू कर देते हैं। हम सबों के अन्दर एक अचेतन विध्वंसक होता है जो हम पर, हमारे दुर्बल होने पर, झपट पड़ता है, जानते हो? अच्छी खबर तो यह है कि एक बार यदि हम, इस बारे में जान जाते हैं..."

"मैं प्रतिदिन बेहतर चुनाव कर सकता हूँ, जो मुझे रोज़ अच्छे परिणाम देंगें।" कलाकार ने बीच ही में उस पिल्ले की भाँति टोक दिया जो दिन भर के बाद अपने मालिक को देखकर ताक़त से भर जाता है।

"बिल्कुल सही," अरबपति ने कहा। "एक बार आप इस सच्चाई को जान जाते हैं कि जब आप अपनी उच्चतम प्रतिभा और सबसे चमकदार उपहार तक पहुँचते है, सबसे अधिक चमकदार भेंट, आपके भय का पक्ष अपना घिनौना सिर ऊपर उठाएगा और उन श्रेष्ठतम निर्माणों को गंदला कर देगा, जिन्हें आपने हर प्रकार के ध्यान-भंग और उन्मुक्ति-मार्ग से बचकर पूरा किया था। आप उस आत्म-विनाश बर्ताव का प्रबंधन कर सकते है। आप इस घेरे से बाहर कदम रख सकते हैं। आप उसे नि:शक्त बना सकते हैं सिर्फ अपनी निपुणता के नियंत होने के प्रयास देखकर कि वह आपके स्वामित्व को त्यागने के प्रयत्न किस प्रकार से कर रहा है।"

"सचमुच गहरी अंतदृष्टि", उद्यमी ने अपना सहयोग दिया। "यह बहुत-कुछ समझा देता है कि मैं अपनी कम्पनी में अपनी उत्पादकता, अपनी निष्पादनता तथा अपने प्रभाव को क्यों सीमित कर रही हूँ। मैं एक महत्वपूर्ण लक्ष्य-निर्धारण करूँगी। उस कार्य के लिए मैं लोगों को नियुक्त करूँगी। हम महत्वपूर्ण विवरण को क्रमबद्ध करते हैं। फिर मेरा ध्यान-भंग हुआ। फिर मैं दूसरे अवसर को "हाँ" कहूँगी, जो हमारे व्यवसाय में और जटिलता पैदा करेगा। मैं अपने दिन व्यर्थ की भेंटों, मुलाकातों में ऐसे लोगों के साथ बिता दूँगी, जिन्हें अपनी स्वयं की आवाज़ सुनना अच्छा लगता है। मैं अपनी अधिसूचना चेक करने के लिए सनकी हो जाऊँगी और "समाचार भेदन" की रिपोर्टों को अक्षरश: पढ़ूँगी। आज प्रात:काल यह पूर्णतः स्पष्ट हो गया कि मैं अपने "प्रभाव" को किस प्रकार से धोखा दे रही हूँ; बिगाड़ रही हूँ। और यह भी प्रकट हो गया कि मुझे भी उस डिजिटल नॉनसेंस की लत लग गई है, जिसकी आपने अभी चर्चा की थी। मैं ईमानदार हो जाऊँगी कि मैंने अपनी कुछ अतियों पर काबू नहीं पाया है, क्योंकि उनको सोशल मीडिया पर देखना बहुत सहज है। अब मुझे समझ में आ रहा है कि जीवन के अनेकों घंटे मैं अति-रचनात्मक हो सकती थी जो मैनें ऑन लाइन मनोरंजन मे गंवाए। जैसा आपने कहा, मि. रिले, यह एक प्रकार का पलायन ही है। मुझे लगता मैं अपने साधनों पर खरीदी भी बन्द नहीं कर पाती हूँ। यह बहुत सरल है। इस से मुझे थोड़ी देर के लिए खुशी होती है। अब मैं समझ पाई हूँ कि स्टीव जॉब्स ने अपने बच्चों को वह विशेष वस्तु क्यों नहीं दी जो उसने सारे विश्व को बेची थी। वह समझ चुका था कि वे कितने आदी हो सकते हैं, अगर ग़लत तरीके से काम में लाई गई। और किस प्रकार से वे हमें कम मानवीय तथा कम जीवित बना सकती थी।"

अरबपति ने अपना एक हाथ ऊपर उठाया। एक और सहायक समुद्र किनारे की कुटिया में से, तेजी से प्रकट होकर, अब, धूप से सनी छत पर आ गया। उसने कुरकुराती सफेद शर्ट पहन रखी थी, कोयले के रंग के ग्रे नाविक के शॉर्ट्स और ठीक से सँभाले हुए काले चमड़े के सैंडल पहने थे।

"आप यहाँ हैं, श्रीमान जी," उस युवक ने फ्रेंच स्वराघात में कहा और रईस के हाथ में, अद्भुत निशानोंवाली एक ट्रे दी। उसके बीच में, मानव-मस्तिष्क का एक नमूना रखा हुआ था।

वह ठीक ऐसा दिख रहा था:

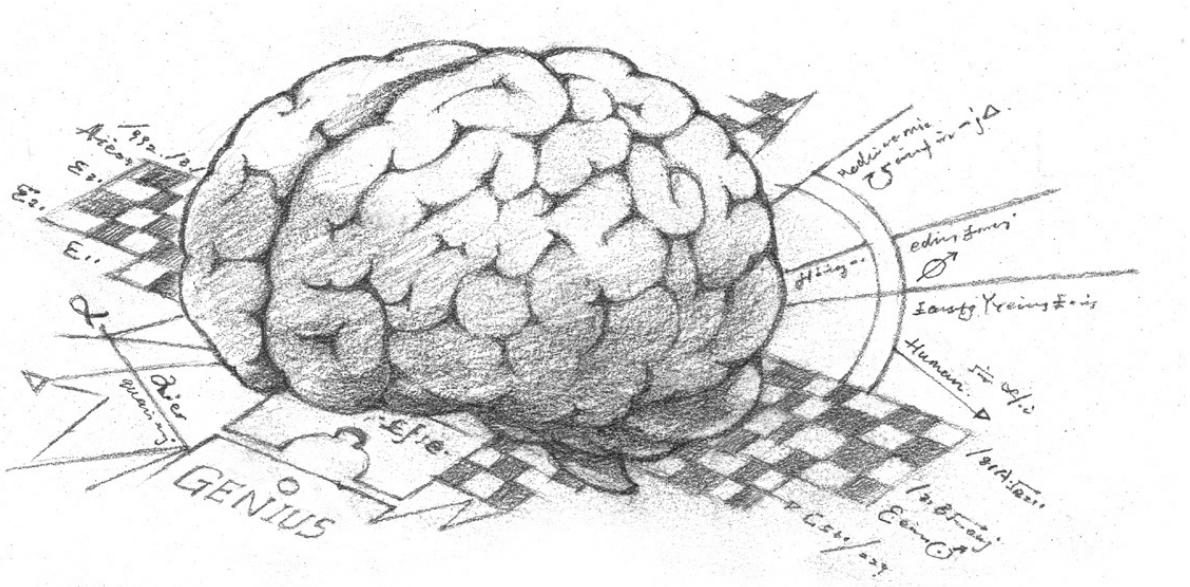

धन्यवाद पियरे। आओ अब, आत्महन्ता की मानसिकता का अध्ययन करें ताकि तुम उसे अधिक अच्छी तरह से समझ सको-और फिर, हरा सको। याद रखें, हममें से प्रत्येक के पास वह है जिसे निपुण वक्ता "प्राचीन प्रतिभा"कहते हैं। यह उपवल्कुटीय तंत्र से बना होता है-एक जोड़ी दिमाग़ के अवयव जो अन्त:पुर के दोनों ओर रहते हैं, ठीक सेरेब्रम के नीचे। अेमीगडाला जिसका उल्लेख मैंने अभी, कुछ क्षणों पहले किया है, उसी का हिस्सा है। यह मौलिक तथा कम काम में आनेवाला दिमाग़ ने हमें हजारों वर्ष आदिम अवस्था में, सुरक्षित रखा। निरन्तर अकाल, तापमान का ऊँचा-नीचा अन्तर, युद्ध कर रहीं आदिम जातियाँ तथा साबर जाति के दाँतवाले बाघ से। यह एक ही मुख्य कार्य करता है: अपरिवर्तनीय स्थिति कायम कर हमें ख़तरों के प्रति आगाह करना ताकि हम जीवित बने रहें, उत्तरजीवी रहें, और अपने वंश को बढ़ाते रहें।"

"अब तक मेरे साथ ही हैं?" अरबपति ने नम्रता से पूछा।

"समझ में आ गया।" उद्यमी तथा कलाकार ने एक ही स्वर में प्रतिक्रिया दी तभी गृह-सेवक ताज़ी नींबू चाय ले आया जिसमें अदरक के टुकड़े भी पड़े थे।

"अद्‌भुत। हमारे पुरातन मस्तिष्क का एक आकर्षक गुण यह भी है कि वह नकारात्मकता से पक्षपात करता है। हमें सुरक्षित रखने के लिए उसे वातावरण में बहुत कम दिलचस्पी है कि उसमें सकारात्मक क्या है और वास्तविक रूप से वह हमें यह बताने में रुचि रखता है कि हम जानें, बुरा क्या है।

"इस मस्तिष्क की बुराई यह है कि वह ख़तरे का आखेट करता रहता है।" अरबपति सुखपूर्वक आगे बोलता रहा। "पीछे जब जीवन बहुत अधिक निर्दयी था, हम शीघ्र प्रतिक्रिया से जीवित रह सके। इस तंत्र ने हमारे पुरखों की सेवा की। मगर अब, आज के विश्व में, हममें से अधिकांश, प्रतिदिन मृत्यु का सामना नहीं करते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आज साधारण मनुष्य अधिक उच्च प्रकार का जीवन जीता है, बजाय शाही परिवारों के अधिकांश लोगों के, जो कुछ ही सौ वर्ष पहले बिताते थे। कृपया इस आशीष के बारे में अवश्य सोचना।"

टायकून ने चाय की चुस्की ली।

"और फिर भी, इस आन्तरिक नकारात्मकता के हमारे प्राचीन मस्तिष्कों में पक्षपात के कारण, हम अपनी सुरक्षा में शान्ति-भंग खोजते रहते हैं। हम अत्यधिक चौकसी में रहते हैं। अधिकतर चिन्तित और सावधान, जबकि सभी कुछ ठीक चल रहा होता है। लुभावनी बात, है न?"

"जो हम समझ रहे हैं कि हम ऐसा क्यों सोचते हैं का काफी उल्लेख मिलता है।" उद्यमी ने ध्यान दिया क्योंकि वह भी चाय का आनन्द उठा रही थी। "अब मुझे समझ में आया कि मैं सदा ऐसा ही क्यों समझती रही कि मैंने यथेष्ट नहीं पाया है, जबकि मैंने अन्य हर एक से जिन्हें मैं जानती हूँ, अधिक ही कमाया है।" उद्यमी ने आगे

कहा, “मेरा एक सफल व्यापार है, अच्छी तरह से फला-फूला, यथेष्ट धनवाला। मेरे पूँजी-निवेशक के लोभी होने से पहले का जीवन, एक अद्‌भुत आदर्श था। सब कुछ होते हुए भी, मेरा दिमाग़ इसी बात को सोचता रहता था कि क्या नहीं है, मेरे पास। मेरे पास क्या काफी नहीं है, और मैं किस प्रकार से आशाओं-अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही हूँ। जीत नहीं पाई। यही मुझे पागल बनाए देता था। तनिक-सी भी शान्ति नहीं मिलती थी।”

उद्यमी ने अपनी बाँहें एक-दूसरे पर रखीं। कलाकार ने उसकी ओर एक “उड़ता चुम्बन फेंका और उसके घने बालों के गुच्छे खुशबूदार पवन में धीमे-धीमें हिल रहे थे।

अरबपति ने विस्फोटक सुर में कहा, “थियोडोर रूज़वेल्ट ने कुछ ऐसी बात कही थी, जो मैं समझता हूँ वह आप लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।”

“क्या कहा था उन्होंने?” उद्यमी ने पूछा, अपनी बाँहों को कसे हुए।

“तुलना आनन्द की चोर”, अरबपति ने प्रत्युत्तर में कहा। “किसी-न-किसी को आप से अधिक धन, यश और अन्य वस्तुएँ मिलेंगी ही। मेरे आरम्भिक ‘त्याग’ से सम्बन्धित बात के बारे में सोचें और यह ज्ञान को पाएं कि अब काफी हो गया।”

उद्यमी ने नम्र स्वर में कहा, “हाँ, मुझे याद है।”

“यह ‘अधिक’ से ‘और अधिक’ की भूख, ‘कमी’ की गहरी भावनाओं से आती है। और उसमें से अधिकांश, अपनी प्राचीन वंशावली के दिमाग़ के काम करने से उग जाती है। वह आपके वातावरण की सूक्ष्म जाँच से तथा नकारात्मकता के पक्षपात सक्रिय होने से आपको अपनी अच्छी उपलब्धियों का आनन्द लेने से रोकता है। यही होता है”, अरबपति ने कहा। “अब इस बात का और बारीकी से हम निरीक्षण करेंगे। जैसे-जैसे समय बढ़ा, हमारे दिमाग़ों का भी विकास हुआ तथा उसका पूर्वगठित वल्कल विकसित हुआ। हमारे दिमाग़ का यह हिस्सा उच्च कोटि के विचारों को सोचने का उत्तरदायी है। तंत्रिका वैज्ञानिक इसे उन्नत तर्क की “मस्तक मणि” कहते हैं। निपुण वक्ता इसे “विशेषज्ञ दिमाग़” कहते हैं। मगर, एक बात तो है: जब हमने बड़े सपने देखना आरम्भ कर दिया, शीघ्र सीखने लगे और अपने सृजनात्मक, उत्पादनात्मक एवं निष्पादनात्मकता के स्तरों को ऊपर उठा दिया, तो हमारे “प्राचीन मस्तिष्क” तथा “विशेष दिमाग़” में अनबन होने लगी। वे युद्ध करने लगे। हमारा “प्राचीन मस्तिष्क” हमारे विकास का ज्ञान रखता है, जान जाता है कि हम सावधानी की परिचित छाँह को छोड़कर आगे बढ़ गये हैं और उसके लिए हमें डाँट पड़ती है, क्योंकि हम अपने परम्परागत मार्ग को छोड़ रहे हैं। उसे विपत्ति का अंदेशा हो जाता है, जबकि वह धमकी हमारे निजी उठान और उद्यमी उन्नति के लिए आवश्यक है। हमें उन अनजाने, अबूझ मार्गों पर चलकर, साहस करना होगा जहाँ प्रतिभा की सम्भावना हमारी प्रतिभा के साथ अधिक अतरंग बनने के लिए रहती है और बनने के लिए जो हमें बनना है। और प्रमुख भी। यह जानकर कि हमें प्रतिभा के और ऊँचे सोपान चढ़ने हैं, बचा हुआ साहस मानव हृदय को तीव्र उत्तेजना से भर देता है। यह ज्ञान एक इतना विशाल खजाना है जो हमें जीने के योग्य बनाता है। विख्यात मनोचिकित्सक अब्राहम मास्लोव ने एक बार कहा था कि “यदि आप कभी भी, कुछ कम बनने की योजना बनाएँ, जिसके आप लायक हैं, तो अपना शेष जीवन आप दुःखी रहकर बिताएँगे। मगर दिमाग़ की बादाम हमें उच्च धरातल पर पहुँचा देती है, जब हम सुपरिचित क्षेत्र को छोड़कर आगे बढ़ते हैं और कुछ नया करते हैं। हमारी नाड़ियों का “वागस” केन्द्र उद्दीपित हो जाता है, भय का हॉर्मोन “कॉर्टिसोल” छूटकर खून में मिल जाता है, और हम उन्हीं विचारों और कार्यों को नष्ट करने लगते हैं जिन्हें हमारा ‘प्रवीण मस्तिष्क’ अपनी बुद्धिमत्ता से हमसे कराना चाहता है।”

“यह साबित करता है कि उच्च कोटि के रचनात्मक और अत्यधिक उत्पादक इतने कम क्यों है ,” कलाकार ने ध्यान दिया। “जैसे ही हम अपना “सुरक्षित क्षेत्र” छोड़ते हैं, हमारा “प्राचीन मस्तिष्क”-चलित हो जाता है। जब हम अपनी प्रवीणता और अपने प्रभाव को ऊपर उठाते हैं, वह परिवर्तन से भयभीत हो जाता है।”

मि. रिले ने ताली बजाते हुए, खुश होकर कहा, “तब कोर्टिसोल निसृत होता है, हमारी जीवन-दृष्टि सँकरी हो जाती है और सांसे उथली हो जाती हैं। और हम या तो झगड़े में, या झगड़े के मूड में आ जाते हैं। वास्तव में, भय के तीन विकल्प हैं - भागना-लड़ना, या स्थिर रह जाना।”

कलाकार ने आगे कहा, “हमारे उच्च विचार चाहते हैं कि हम विकसित हों, पनपें, अधिक कलात्मकता के कार्य करें, श्रेष्ठ जीवन बिताएँ और विश्व को मार्ग दिखाएँ, प्रेरणा दें।”

“यही बात है,” अरबपति ने कहा और कलाकार को मुक्की मारी।

कलाकार ने ज़ारी रखा, “मगर हमारे दिमागों का संघर्ष चल रहा है। और प्राचीन, निचला, -अधिक आदिम-मस्तिष्क जो हम सब में है, वह हमारे विकास को रोकना चाहता है।”

“बिल्कुल सही कहा,” और अरबपति ने कलाकार को घूँसे से धकियाते हुए कहा।

“और इसलिए, इतिहास-निर्माताओं के द्वितीय दल पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, जिन आदर्श नमूनों पर आप हमें उनमें से ले जा रहे हैं-ध्यान-भंग से स्वतंत्रता मेरा अन्दाज़ है, इस भय के कारण ही, हम जितने भी अधिक ध्यान-भंग होते हैं, उन्हें गले लगा लेते हैं, ताकि हम अधिक अच्छा अनुभव करें, फिर चाहे, मिनिट भर के लिए ही क्यों न हो?” उद्यमी ने प्रश्न उठाया।

“सच है”, अरबपति ने स्वीकार किया। “और वह असुविधा जो हमारी प्रतिभा के साथ प्रगाढ़ होने के कारण चली आती है।”

“यह मेरे लिए, बहुत ज्यादा है।” कलाकार अपने उत्साह को सँभाल नहीं पा रहा था। “आपने अभी-अभी हमें समझाया था कि हमारी संस्कृति क्यों इस प्रकार के ध्यान-भंग की आदी हो चुकी है। और क्यों, अधिकांश अपनी उस महानता को नहीं पहचान पाते हैं। और मेरा अनुमान है कि इसी कारण रचनात्मक और उत्पादक व्यक्ति हमारे समाज के वास्तविक योद्धा हैं। हमें न सिर्फ अपने “ना” कहनेवालों का अपमान सहना पड़ता है बल्कि उन आलोचकों के तीर के बाणों को भी सहना पड़ता है, जो हमारी कला को नहीं समझ पाते हैं, हममें इतनी हिम्मत भी होनी चाहिए कि संकेतक अलार्मों को समझें जो हमारे प्राचीन दिमागों से निवेदन करके कि हमें अपनी झक्कास चमक तक नहीं पहुँचने दे रही।”

“कितने काव्यात्मक ढंग से मेरे मित्र ने इसे कहा है!” अरबपति ने उल्लसित होकर व्यक्त किया। उसने वह छोटा-सा नृत्य फिर से किया। गृहपालक जो बरामदे को झाड़ रही थी, उसने मात्र अपना सिर हिलाया।

“निजी और उद्यमी विकास के आतंक को सहने के लिए, शक्ति चाहिए- और उसे बनाए रखने के लिए-भले ही जब ऐसा लगे कि आप मर रहे हैं,” भीमकाय मनुष्य ने समझाया। मगर भयभीत होते हुए भी चलते रहना आप को किं-वदन्ती बनाते हैं। तुम दोनों महान् वस्तुओं की निर्माता बनोगे। और हर निर्माता को अपने भय से निरन्तर लड़ते रहना पड़ता है, प्रतिदिन, ताकि पराक्रम का असर और मानव स्वतंत्रता बनी रहे। ओह! और इसके बदले में तुम अद्भुत पुरस्कार पाओगे, जब अपनी पूरी शक्ति दिखलाओगे। और वे भेंटें मात्र तुम्हारे नायकत्व के प्रयत्नों का फल नहीं होंगी। यह वह है जो तुम अपने भय की अग्नियों और अपने परीक्षण की तपस्या के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए बनोगे। तुम्हें ज्ञात होगा कि तुम कौन हो, तुम अपनी योग्यताओं को अधिक अच्छे से देखते हो, तुम्हारा आत्म-विश्वास बढ़ता है। तुम्हें भीड़ की थपथपाहट की अब बहुत कम आवश्यकता होती है, और अब तुम अपना वास्तविक और विश्वसनीय जीवन जीते हो, बजाय एक प्लास्टिक के जीवन के जिसे उस दुनिया ने बनाया है, जो नहीं चाहता कि आप स्वतंत्र रहो।”

अरबपति ने अपनी पानी की बोतल में से पहले पानी की चुस्कियाँ लीं फिर उल्लेख करते रहे कि साधनों और यंत्रों के ध्यान-भंगों और डिज़िटल अन्तरालों के मृत्युपाश से अलग होने का क्या महत्व होगा।

“और यहाँ आकर 5 AM क्लब का सदस्य होना आपके लिए जादू हो सकता है।” उसने अपने दो श्रोताओं को सम्बोधित किया। “विश्व के महान् स्त्री-पुरुष दिन की विषमताओं से बचने के लिए, वे अपने जीवन के आरम्भिक हिस्से में प्रशान्ति और स्वच्छता को स्थान देते हैं। इस मनभावन नियम ने उन्हें अत्यन्त आवश्यक समय दिया, ताकि वे अत्यधिक उत्तेजना से स्वयं के जीवन को बचा लें, अपने रचनात्मक झरनों को सूखने न दें, महान् “स्व” का विकास करें, अपने पाए आशीर्वादों की गणना करें और गुणों के अनुसार अपने शेष जीवन को जिएँ। अनेकों व्यक्ति जिन्होंने हमारी सभ्यता के विकास, में ईंधन का काम किया उन्होंने भी सूर्योदय से पहले जाग जाने की आदत डाल ली थी।”

“क्या आप उनमें से कुछ के नाम हमें बतलाएँगे?” उद्यमी ने पूछा।

“जॉन ग्रीशम, सुप्रसिद्ध उपन्यासकार, एक तो यही हैं”, अरबपति ने कहा। “अन्य शीघ्र उठनेवालों में वोल्फगेंग अमेडियस मोज़ार्ट, ज्योर्जिया ऑ, कीफ, फ्रेंक लॉयड राइट तथा अर्नेस्ट हेमिंग्वे, जिन्होंने कहा था, “प्रात:काल के समय में ‘कोई नहीं होता आपको विचलित करने के लिए, और तब ठण्डक या ठण्डी होती है, जब

आप काम करने आते हैं और ऊष्मा साथ देती है, जब आप लिखते हैं।"

"बीथोवेन भोर में उठे ," कलाकार ने कहा।

"अनेकों महापुरुषों ने बहुत सारा समय, अकेले बिताया है", अरबपति ने निवेदन किया। "एकान्त-आप सूरज उगने से पहले पा सकते हैं, सामर्थ्य मानव होने के लिए विशेषज्ञता और सम्पर्क के आवेग को अधिकता देता है, तथा आपका ऊपरी चढ़ाव आपका एकाकीपन चाहता है।देखो, आप इस दुनिया में सारे दिन, अन्तहीन बातें करके, अपने फोन पर, एक हज़ार से अधिक अर्थहीन बातें कर सकते हैं अथवा, आप इस दुनिया का, अपनी बुद्धिमानी का सहारा लेकर, अपनी योग्यता को प्रवीण बनाकर तथा स्वयं, ऊपर उठने का उजाला करके सबों को ऊपर उठा सकते हैं। मगर, आप दोनों कार्य, एक साथ, नहीं कर सकते। प्रिंसटन मनोवैज्ञानिक एल्डर शफीर ने संज्ञानात्मक आवेष्ट विशदता संज्ञा का प्रयोग किया है, समझाने के लिए, कि जब हम प्रातःकाल उठते हैं, तो हममें सीमित मानसिक शक्ति होती है। और जैसे ही हम अपना ध्यान विभिन्न प्रभावों पर लगाते हैं-समाचार, सन्देश और अन्य घोषणा के चबूतरे, हमारे परिकारों के लिए, हमारे काम के, हमारे स्वास्थ्य के और हमारे आध्यात्मिक जीवन के-हम थोड़ी थोड़ी शक्ति हर गति-विधि पर लगाते हैं, जिसे करनेवाले हैं। विशाल समूह होता है सोचने के लिए। अत: आश्चर्य नहीं कि हममें से अधिकांश को, दोपहर होने तक, महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान लगाने में कठिनाई होती है। हम अपना ध्यान आवेष्ट विशदता पर खर्च कर चुके होते हैं। मिनिसोटा विश्वविद्यालय की बिजिनेस प्रोफेसर सोफी लेरॉय के अनुसार जो ध्यान हम ध्यान-भंग पर लगाते हैं तथा अन्य उत्प्रेरक ध्यानों के शेषों पर देते हैं। उसने खोज की है कि जब लोगों का लगातार ध्यान भंग होता है और वे निरन्तर एक काम से दूसरी काम पर जाते- आते रहते हैं, तो वे कम रचनात्मक हो जाते हैं, क्योंकि उनके पास अनेकों, विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ होती हैं, जिन्हें उन्हें निबटाना होता है। उसका निकारण वही है जो मैं बता रहा हूँ: एक विशेष समय पर, एक खास उच्च मूल्य के काम को करो, बजाय अनेकों कार्यों को करने के-और उसे शान्त वातावरण में करो। आल्बर्ट आइंस्टाइन इसी बात को बड़ी खूबी से समझाते काम, "सिर्फ वही व्यक्ति जो किसी कार्य में पूरी शक्ति और दिल से ध्यान लगाता है, वही वास्तविक स्वामी होता है। इसी कारण से, मास्टरी के लिए हमें पूर्ण मानव चाहिए।" यह महान ऐतिहासिक व्यक्तियों और गुणवानों के संचित गूढ़ रहस्य हैं।" वे अपने ज्ञानात्मक विस्तार-क्षेत्र को-हर चमकदार विविधताओ हर आकर्षक मौके के पीछे भाग के मन्द नहीं करते। नहीं, इसके स्थान पर वे कुछेक कार्यो के लिए कड़ा संयम काम में लाते हैं, मगर उच्च विश्व स्तर पर। यह वैसा ही है, जैसा मैंने ऊपर लिखा है: महान् आत्माएँ जानती हैं कि एक कलात्मक कृति का निर्माण-एक वास्तविक मास्टरपीस का-कहीं अधिक विलक्षणता है-आगामी पीढ़ियों तक के लिए, बजाय हजारों परियोजनाओं के, जिनसे प्रतिभा नहीं झलकती। और कृपया यह भी याद रखें: वे घंटे, जिन्हें 95% लोग बिगाड़ देते हैं, ऊपरी स्तर के 5% लोग, संचित निधि समझकर सँभालकर रखते हैं। 5 AM का समय सबसे कम व्यवधानों सर्वोच्च मानवीय गौरव और अत्याधिक शांति का समय है। अत: इस विजय-काल का अच्छी तरह से लाभ उठाएँ। अब आप अपनी उत्पादकता और निजी प्रवीणता में उछालों भरा उत्थान करेंगे। मैं मानसिक ज्ञान में अधिक आगे नहीं जाना चाहता हूँ, जितना सुबह बताया था। और अब मैंने एक विस्मयबोधक बात आयोजित करके रखी है। मगर एक और विचार है जिसे मैं आप दोनों के साथ बाँटना चाहूँगा। इसे "क्षणिक परिकल्पना" कहते हैं।

"क्षणिक कैसा क्या?" कलाकार ने हंसते हुए पूछा। अरबपति चलकर, एक बहुत ऊँचे पाम वृक्ष के पास गए जिसका मोटा तना उसकी बड़ी उम्र दर्शा रहा था। एक सूरज प्रक्षालित, गोलाकार शीर्ष की बड़ी टेबल उसके नीचे रखी थी। एक मॉडल को खूबसूरती से उस लकड़ी में तराशा गया था। आप बहुत प्रभावित हुए होते और आकर्षित, यदि आपने उसे देखा होता।

रईस ने अपना गला खँखार कर साफ किया और थोडी सी नींबू की चाय गुटकी। कुछ क्षणों बाद उसने कुल्ला करना आरम्भ कर दिया हाँ, गरारे। फिर उसने अपना प्रवचन आरम्भ कर दिया। "जब आप प्रात:काल जल्दी उठते हैं और पूर्णतया अकेले होते हैं, अति उत्तेजना तथा शोर-गुल से दूर आपका ध्यान प्रौद्योगिकी मीटिंगो और अन्य शक्तियाँ जो हमारी सर्वोच्च उत्पादकता को सीमित कर सकती हैं, के द्वारा खण्डित नहीं हुआ होता है।" चिन्तन में लीन होकर अरबपति ने कहा। "अतः प्रिफ्रंटल कोर्टेक्स", आपके मस्तिष्क का वह हिस्सा जो तर्क संगत सोच-निरंतर चिंता का जिम्मेवार है, वास्तव में कुछ देर के लिए बंद हो जाता है। यह क्षणिक परिकल्पना का अस्थाई हिस्सा है। पर, वह अस्थायी रूप से ही होता है। आपका निरन्तर विश्लेषण करना, चिन्ता की जुगाली करना और अतिचिन्ता करना-सब रुक जाता है। आप हर बात का पता लगाने से रुक जाते हैं। वे वस्तुएँ जो कभी भी होनेवाली नहीं हैं, उनकी चिन्ता करने से विराम ले लेते हैं। आपके दिमाग की लहरें वास्तव में, अपने सामान्य

beta से alfa पर सरक जाती हैं। और कई बार नीचे थेटा (Theta) स्तर तक प्रातःकाल का एकान्त, निस्तब्धता, शान्ति और जड़ता, भी, न्यूरोट्रांस्मीटर्स, जैसे डोपामाइन प्रेरणात्मक ईंधन जो सुपर उत्पादकों की इतने अच्छे से सेवा करते हैं, और सेरोटॉनिन, आनन्ददायक दिमाग़ का ड्रग की उत्पादकता को बढ़ाने का कारण है। स्वयमेव तथा प्राकृतिक रूप से आप वहाँ प्रवेश करते हैं, जिसे मैंने पहले, "प्रवाह की स्थिति" कहा था।

मि. रिले ने अपना बाँया हाथ मेज़ पर रखे नक्शे पर घुमाया, जो कुछ इस प्रकार का था:

"प्रवाह की स्थिति" एक सर्वोच्च मनःस्थिति है जो सुविशेष ज्ञानी, जैसे, सर्वोच्च वायोलीन वादक, प्रतिष्ठित खिलाड़ी, प्रवीण पाक-शास्त्री, अति-अद्भुत वैज्ञानिक, साम्राज्य-स्थापक उद्यमी तथा जन-नायक नेताओं में पाया जाता है, जब वे अपनी सर्वश्रेष्ठ कृति का निर्माण करते हैं," उद्योगपति ने उत्साहपूर्वक कहा।

"जब आप अपनी दैनिक व्यस्तता से परे थोड़ा-सा शान्ति का अंश स्वयं को भेंट में देते हैं, तो प्रत्येक मानव-मस्तिष्क की सामान्य यंत्रस्थ सामर्थ्य के विशुद्ध ज्ञान क्षेत्र तक पहुँचने के लिए सक्रिय हो जाती है। एक शुभ-सौभाग्यशाली-मंगल समाचार तुम दोनों छिछोरों के लिए यह है कि कुछ सही चेष्टाएँ करने से, आप इस भयानक प्रदर्शन की स्थिति की आदत डाल सकते हैं इसलिए यह पूर्ण पूर्वानुमान के साथ दिखाई देता है। अपनी मानसिकता की आश्चर्यजनक निष्पादन क्षमता को पा सकती हैं।"

"क्षणिक परिकल्पना उसका एक बहुत ही सहायक नमूना है," उद्यमी ने घोषित किया और अपने शॉर्ट्स की जेब में फोन को होशियारी से रखा।

"समस्त विश्व बदल जाएगा, यदि लोगों को यह सूचना मिल गई," कलाकार ने स्पष्ट किया।

"उन्हें अब, ये सब, बच्चों को स्कूल में सिखाना चाहिए।" उखमी ने सुझाव दिया।

"एकदम सच", अरबपति ने हामी भरी। "मगर, फिर भी, मैं इस दर्शनशास्त्र का, जो मैं आप लोगों के साथ बाँट रहा हूँ, का श्रेय और परिवर्तनशील प्रणाली विज्ञान को, जिसमें से मैं आप लोगों को शीघ्र ही भ्रमण कराऊँगा, ताकि आप उस सभी महत्वपूर्ण जानकारी को व्यवहार में लाएं-निपुण वक्ता को देना चाहता हूँ। वह मेरा सबसे बड़ा शिक्षक रहा है। और, निःसन्देह, मेरे जानने वालों में से एक सर्वश्रेष्ठ मानव भी। सूझबूझ के बिना सम्पूर्णता मुझे इतनी प्रभावशाली प्रतीत नहीं होती। अपूर्व करुणा के बिना असामान्य उपलब्धियाँ निरर्थक है। और हाँ, यदि इस विश्व का हर नागरिक इस भौतिकता के युग में पढ़ा-लिखा होता और फिर, उनके पास पूर्ण करने के लिए कोई वचनबद्धता होती, तो समस्त विश्व उन्नति कर गया होता। क्योंकि तब, हममें प्रत्येक, मालिक होता और फिर असाधारण परिणामों को महसूस करने के लिए हमारी अव्यक्त शक्ति को जीते और उनका विकास सम्पूर्ण मनोहर व्यक्ति के रूप में होता।"

प्रातःकालीन बुद्धिमानों का रहस्य

ट्रांसिएंट हायपोफ्रंटेलिटी:

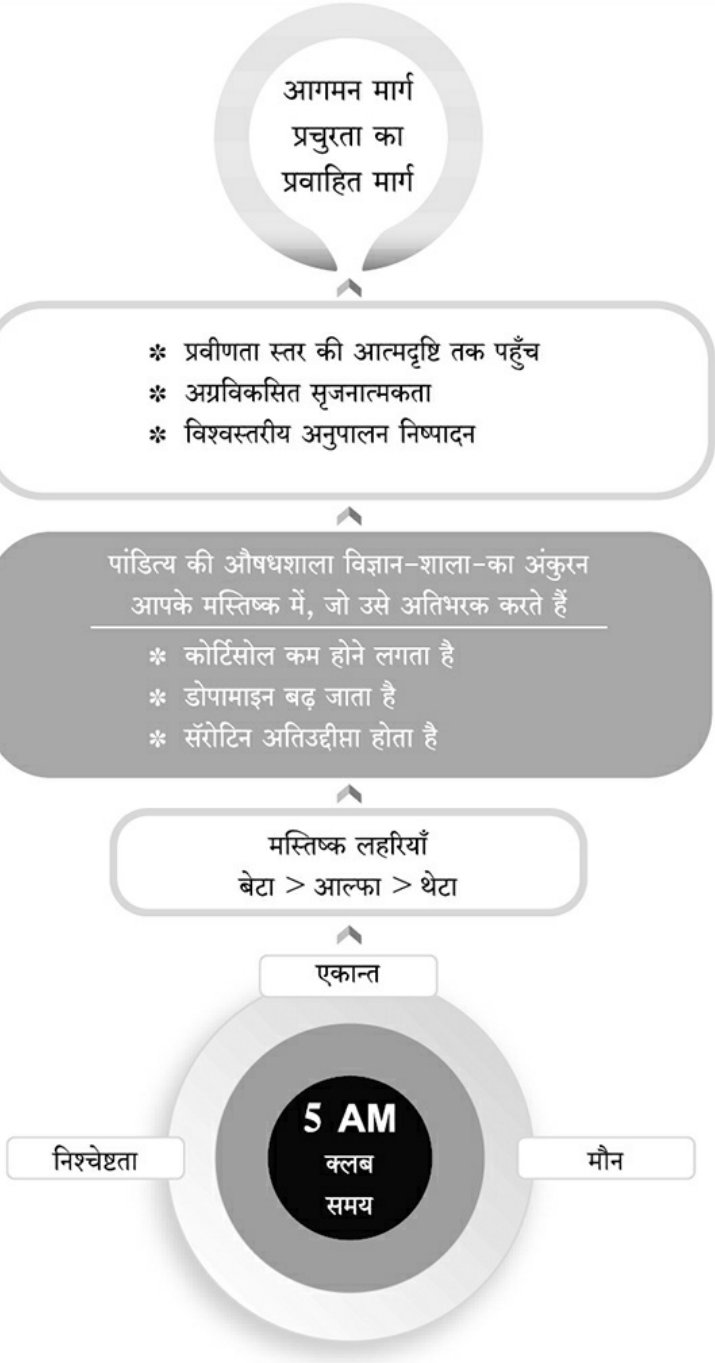

इतिहास के निर्माता लक्ष्य **#3:** व्यक्तिगत प्रवीणता का अभ्यास

अरबपति अपने दोनों विद्यार्थियों के साथ विस्तृत छत पर से होकर गुज़रे जो घर के आसपास फैले, सामने के हिस्से का, समुद्र का, मनभावन दृश्य दिखलाता था। एक काली SUV बरामदे में झिलमिला रही थी। क्योंकि उस पर सुबह की धूप की प्रकाश की किरणें खेल रही थीं।

“हम कहाँ जा रहे हैं?” उद्यमी ने पूछा।

“उस नाटकीय भेंट वार्तालाप के दौरान मैंने आप दोनों से कहा था कि यदि आप मुझसे मिलने मॉरीशस आएँगी, तो आप डॉल्फिन के साथ-साथ तैरेंगी। अतः, अब मैं अपना वादा पूरा कर रहा हूँ। हम टापू के पश्चिमी

किनारे पर जा रहे हैं, समुद्र किनारे के एक छोटे से गाँव, “फ्लिक-एन-फ्लेक” में। दो युवा और आकर्षक छैले वहाँ हमारी प्रतीक्षा कर रहे हैं। वे इस ज्ञान में माहिर हैं कि डॉल्फिन कहाँ मिलेंगी। मेरे मित्रों, जो आप करने वाले हैं, उस से आप झूम उठोगे। वह अविस्मरणीय होगा जो अनुभव अभी करने जा रहे हैं।

SUV शीघ्र ही, मनमोहक छोटे-छोटे नगरों में से, जो उद्योगपति के कम्पाउंड के चारों ओर थे, से निकलता हुआ श्रेष्ठ तरीके से रखे हुए , हायवे पर आ गई। ड्रायवर के साथ अरबपति आगे बैठे थे और उसके बच्चों का, उसकी आधुनिकतम रुचियों का, और उसकी भविष्य की महत्वाकांक्षाओं के बारे में जानकारी ले रहे थे। यात्रा के दौरान मि. रिले एक विचारपूर्ण प्रश्न पूछते, फिर आराम से पीठ टिकाकर बैठ जाते और ध्यान से उत्तर को सुनते। कोई भी देख सकता था कि वह एक बहुत ही विचारशील व्यक्ति हैं; महान् हृदय के मालिक।

जब वाहन एक प्यारे से बन्दरगाह जिसे रेतीला तट अलंकृत कर रहा था, पर जाकर रुका, कुछ सफेद मकान, एक शान्त मछली केंटीन और बहुत-से पुराने नाव पानी में तैर रहे थे, एक पालतू मुर्गा जोश से अपनी सुबह की प्रार्थना गा रहा था। और दोहरे इन्द्रधनुष का एक अद्भुत दृश्य का, विशाल नीले आकाश में पसरा हुआ था।

दोनों युवा मछुआरों ने अरबपति का स्वागत गले मिलकर किया। फिर, सारा समूह विशाल हिन्द महासागर में उतर पड़ा, डॉल्फिंस के समूह की खोज में, जिनके साथ वे तैर और खेल सकते हों। जमाइकन गायक शेंग्गी का गाना, स्ट्रेंथ ऑफ वुमैन’ एक सस्ते-से स्पीकर में से चीख-चीखकर बज रहा था जो बोट के एक बगल में लगा था और उसे सस्ती ग्रे रंग की टेप से चिपकाया हुआ था। लहरों से टकराकर, मोटर बोट द्वारा फेंका जल फव्वारा बनकर अरबपति, उद्यमी तथा कलाकार, तीनों को बच्चों की तरह गुदगुदा रहा था जैसे बारिश के बाद बच्चे पानी के गड्ढों में नाचते आनंद लेते हैं।

कुछ प्रयत्नों के बाद, उभरती चट्टानों से घिरी छोटी से गुफा में डॉलफिन आनंद से तैरती नज़र आई। जिन्हें आप केलीफोर्निया के हाइवे के निकट के पॅसिफिक किनारों पर देख सकते हैं। वे प्राणी जिस ढंग से समन्दर के बीच फिसलने का आनंद मना रहे थे आपको यही भ्रम देगा कि उस अन्दर के छोटे-से मार्ग में करीब एक हज़ार के लगभग डॉलफिन होंगे। मगर, वे सिर्फ ग्यारह के करीब थे।

अरबपति ने शीघ्रता से गोताखोरी का मुखौटा पहना और जल्दी से मोटरबोट के पिछले हिस्से में बने प्लेटफॉर्म से पानी में उतर गया। “चलो आओ छिछोरों, चलो चलें!” उसने उत्साह से कहा।

इसके बाद उद्यमी गई, उसकी आँखें सजीव थीं और दिल धड़क रहा था, उस ऊर्जा तथा जीवन-शक्ति के साथ, जो उसने युवावस्था के बाद, कभी नहीं पाई। उसकी साँसें उथली थीं और वे उसके नथुनों से आ रही थीं। वे ऐसी ध्वनि कर रही थीं - हूऊऊश, हूऊश।

कलाकार ने अनुकरण किया, पेट मटकाकर, बोट के अन्त में।

एक युवा मछलीमार के द्वारा पथ-प्रदर्शन, जो सर्फिंग के शॉर्ट्स पहने हुए था और जिस पर रंगीन उष्मा कटिबन्धीय प्रिंट्स तथा स्पोर्टिंग रबर के जूते, तीनों साहसिकों ने जो पानी की सतह के कुछ ही नीचे मृदुता से तैर रही थीं, के साथ अमोद प्रमोद किया जब डॉल्फिनें नीचे उतर गईं, तो उनके साथी भी साथ चले गए। जब वे घूमेंगे, चक्कर काटेंगे तब 5 AM क्लब के सदस्य भी वैसा ही करेंगे। जब वे आपस में एक-दूसरे से चोंचलेबाजी करेंगे, दिखावटी प्रेम करेंगे तो उद्यमी तथा कलाकार भी वैसा ही करेंगे।

अनुभव मात्र पन्द्रह मिन्ट का था। मगर वह अद्भुत था।

“यह अविश्वसनीय था! कलाकार ने सांस रोक कर, पानी से बाहर निकलते हुए कहा। और मोटर के पास छोटे से चबूतरे से नाव में फिर से चढ़ने का प्रयत्न किया।

“मेरे जीवन के सबसे अद्भुत अनुभवों में से एक”, उद्यमी ने यकायक उसे गहरा चुम्बन दिया।

अरबपति भी जल्दी ही ऊपर आए। वह हंस कर चिल्ला रहा था। “लड़के, वह तो विस्फोट था!”

बन्दरगाह पर वापिस लौटने के बाद, प्रात:कालीन प्रशिक्षण की कक्षा पुनः समुद्र किनारे पत्थरों के समूह के पास, जिसे स्थानीय लोग मछली के भूनने के काम में लाते थे, आरम्भ हुई। दोहरा इन्द्रधनुष अभी भी सारे आसमान में विस्तार से फैला हुआ था।

अरबपति ने आसमान की ओर एक हाथ उठाया। चार सफेद क़बूतर अचानक कहीं से सामने आए। फिर, गुलाबी और पीली तितलियों का समूह उड़ता हुआ निकल गया।

“अच्छा है”, टायकून ने उनको घूरते हुए कहा। कुछ गले की बलगम को बाहर निकालते हुए, वो भी न जाने कहाँ से आई थी। वह अपने मुद्दे इतिहास निर्माताओं के *4* लक्ष्य, के तीसरे क्षेत्र के मॉडेल पर आया। आदर्श-नमूनों उनके दो विद्यार्थी इस विशेष दिन, साथ चल रहे थे। उन पर छपा हुआ था “व्यक्तिगत महाबोध अभ्यास”।

“हम यहाँ क्या कर रहे हैं?” कलाकार ने आश्चर्य प्रकट किया, उसके मृत बालों के गुच्छों से पानी टपक रहा था। उसके टट्टू वाली मोटी बाँह से उद्यमी को चारों ओर से घेर कर गर्म रखा, वह काँप रही थी।

“आपके सर्वश्रेष्ठ अंगो का परिक्षण”, सीधा-सा जवाब था। “याद करो सादे और कठोर-तितिक्षु-व्यक्ति के सिद्धान्त को, जिसे निपुण वक्ता ने सम्मेलन में सुनाया था। ‘अभ्यास करते समय अधिक पसीना बहाओ, युद्ध में कम खून बहाओ।’ समझो, आपके प्रात:काल के अभ्यास की श्रेष्ठता ही आपकी प्रतिदिन की बुद्धिमानी को प्रकट करेगी। युद्ध कड़े प्रशिक्षण के बाद, प्रभात की बेला में ही लड़े जाते हैं, जब कोई नहीं देख रहा हो। विजय पहले ही हो जाती है, बाद में सैनिक रणक्षेत्र में कदम रखते हैं। विजय उसकी होती है जिसकी तैयारी अच्छी होती है। यह स्पष्ट है ही कि यदि आप विश्व में सर्वश्रेष्ठ व्यवसायी, या कलाकार या शतरंज का खिलाड़ी या रचनाकार मैकेनिक या मैनेजर बनना चाहते हैं, तो अपनी प्रवीणता को बढ़ाने के लिए कड़े अभ्यास के लिए समय देना होगा। विशेष करके, कार्यकारी के प्रतिदिन कम-से-कम दो घंटे और चवालीस मिनिट अपनी इच्छित कला के सुधार के लिए, दस वर्षों तक, देने होंगे, ऐसा श्रेष्ठ अग्र मनोवैज्ञानिक ऐंडर्स एरिक्सन, जो फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में हैं, उन्होंने अपनी बुनियादी खोज में बतलाया है। यह किसी भी क्षेत्र में, प्रतिभा के प्रथम चिह्न के लिए, आवश्यक अभ्यास की न्यूनतम अवधि बतलाई गई है। फिर भी, हममें से बहुत-कम, मानव को श्रेष्ठ बनाने के लिए दस हज़ार घंटों की प्रशिक्षण की अवधि के मूल्य का महत्त्व जानते हैं। मानव को, श्रेष्ठ मानव बनाने में नहीं लगाते। और यही कारण है कि हममें से बहुत कम, उस गूढ़ रहस्य को उकेर पाते हैं, जो, यदि एक बार खुल गया तो हमारे सर्वोच्च “स्वयं” को, सारे बोध-ज्ञान, रचनात्मक, बहादुरी अनुराग और आत्म-शान्ति लाता है, जो उस अभिव्यक्ति के साथ आता है। केवल जब हम सुधरते हैं, तभी हमारा जीवन भी सुधर जाता है, मेरा मतलब समझे, तुम दोनों को मैं यह कह रहा हूँ कि तुम्हें निजी प्रभुत्व के लिए प्रतिदिन अभ्यास करने की जरूरत है। जैसे हमें स्वयं को किसी और ज्ञान की और विश्व स्तरीय प्रवीणता के लिए समर्पित करते हैं। आन्तरिक जीवन के आयाम बिन्दु को किले, गोली रक्षक से सुरक्षित रखे और पोषण करें और मेरा विश्वास करो, तुम्हारे जीवन की उम्र 100 गुणा बढ़ जाएगी। आप अपने बाह्य जीवन में जो भी कुछ करते हैं. वह पूर्णतया आपके आन्तरिक जीवन का परिणाम है। यहीं आपको वास्तव में प्रात:कालीन तैयारी करनी पड़ेगी। तब आप दुनिया में प्रतिदिन सोचकर, अनुभव करके तथा इस स्तर पर उत्पादन कर के चलेंगे जो आपको अपराजेय बनाता है। आप यह बनकर जाएँगे। आप यह भेंट खुद को देते हैं।”

“मैंने निपुण वक्ता से भेंट से पहले कभी भी आत्म-सुधार में इतना विश्वास नहीं किया था।” उद्यमी ने साफ-साफ कह दिया। “वह मुझे कभी वास्तविक नहीं लगा है।”

“क्या तुमने कभी उसकी कोशिश की है? मेरा मतलब है, गम्भीरता से, लम्बे समय तक अभ्यास किया है?” अरबपति ने, कुछ कड़े होकर पूछा। तभी, एक और क़बूतर सिर पर से उड़कर गया। और जब रईस ने नज़रें उठाकर सूर्य की ओर देखा, तो लगा जैसे वास्तव में बादल छँट गए हों।

“सचमुच में नहीं”, उद्यमी ने स्वीकार किया, “अब तक, जब तक मैंने 5 AM क्लब को स्वीकार नहीं किया था।”

“ठीक है। अच्छा है। अतः आओ चलते रहें। यह कुंजी है,” अरबपति ने कहा। “अपने विजयी समय में, प्रतिदिन, प्रातःकाल 5 और 6 के बीच उसे उच्च स्तर तक ले जाने का प्रयत्न करें, जिसे निपुण वक्ता “*4* आत्मगत साम्राज्य” कहते हैं। यह सब से चतुर, और कई बार सबसे कठिन कार्य होता है, आपके जीवन का जिसे आप अपने जीवन में शायद ही कभी करें। आप पर जो गहराई तक काम करेगा। चार आन्तरिक क्षेत्रों का परिष्कार करते हुए मैं तुम्हें क्षणभर बाद ले जाऊँगा वह आपके बदलाव की सुनहरी कुंजी है। यह सरल नहीं होगा, मगर मुझे उसे पुनर्लागू करना है। मगर वह पूर्ण रूप से इस लायक है।”

“क्यों?” उद्यमी को आश्चर्य हुआ। अब उसने हिन्द महासागर के ठंडे पानी से काँपना बन्द कर दिया था। मगर कलाकार उसे अब भी पकड़े था। उसके मृत बालों की लटें अब भी चूँ रही थीं। और नवोत्साहित मुर्गा अब भी

बाँग दे रहा था। क्योंकि अन्तर्मन के साम्राज्यों को विश्वस्तरीय स्तरों तक उघाड़ना पड़ता है, तब हम जाकर कहीं बाहरी को देख पाते हैं, और आपकी निडरता का आपका भाग्य अनुसरण करता है। सशक्त अन्तर्दृष्टि, छिछोरों: विश्व में आपका प्रभाव ख्याति, उदात्तता, ऊर्जा तथा झिलमिलाहट *(*चमक*)* जो आपने जीवन में पाया है, झलकने लगता है। इस बनावट के युग में, और मशीनों की भाँति काम करने वाले बहुत कम लोग मानव जीवन की आवश्यक सच को याद रखते हैं। बाहरी हमेशा आंतरिक व्यक्त करता है, बिना हमेशा परिलक्षित होता है। आपकी रचनात्मकता, उत्पादनशीलता, विकासशीलता, खुशहाली, कार्य-निष्पादनता और पृथ्वी पर उसका प्रभाव-ये सभी आपके अन्तर में चल रही गति-विधियों का उदात्त प्रकटीकरण है। यथा उदाहरण के तौर पर यदि आपको अपनी मनोकामनाओं को पूरा करने की क्षमता में भरोसा नहीं है, तो आप कभी भी उन्हें नहीं पा सकते। यदि आप स्वयं को बहुलता के पाने योग्य नहीं समझते, तो आप कभी भी वह कार्य नहीं करेंगे जिनसे वह मिलती है। और, यदि आपकी इच्छा आपकी प्रवीणता में पूंजीकरण की इच्छा कमज़ोर है, आपकी प्रशिक्षण की इच्छाग्नि धीमी है, और अनुकूलन की सहनशीलता कम है तो यह स्पष्ट है कि, आप विलक्षण की ओर उड़ने की कोशिश कभी नहीं करेंगे और न किसी क्षेत्र में प्रभुता जमा पाएँगे। बाह्य रूप सदैव अन्तर्जगत् को प्रकट कर देता है, और अपने बाह्य जीवन के साम्राज्यों को अनुभव करने के लिए हमें पहले अपने अन्तर के जीवन को विकसित करना पड़ेगा," अरबपति ने बात पर बल दिया।

उन्होंने फिर एक बोतल में से हरे रंग का तरल पीना आरम्भ कर दिया, जिसे उन्हें एक मछुआरे ने दिया था, जब वे मोटरबोट में से उतरे थे। यदि आप ग्लास पर छपे मज़मून को ध्यान से पढ़ें, तो आपको महात्मा गांधी के शब्द पढ़ने को मिलेंगे: विश्व में एकमात्र दैत्य वे हैं जो हमारे दिलों में दौड़ रहे हैं। यह वहीं है जहाँ से हमें लड़ाई लड़ना चाहिए।"

"ज्यों-ज्यों आप अपने अन्तर में छिपे बल को लगातार बढ़ाते हैं ", मि. रिले ने आगे कहा, "आपको एक, विकल्पित सच्चाई शानदार अवसरों और ठाठदार राजसी सम्भावनाओं से वास्तविक में देखना शुरू करते हैं। आप उन उत्कृष्ट मानवीयों के सँग खेलेंगे, जिन तक अधिकांश लोग पहुँच भी नहीं सकते क्योंकि उनकी आँखों को शक, अविश्वास और भय ने अंधा बना दिया है। महानता एक अन्तर्मन का खेल है," अरबपति ने स्वीकृति जताई और रेत में एक और सीखने का नमूना बनाया, जो कुछ ऐसा था:

अन्तर्मन के चार साम्राज्य

“ठीक है, आओ इस ढाँचे पर बारीकी से चर्चा करे, ताकि तुम छिछोरों को, अति स्पष्ट चेतना का ज्ञान हो ताकि उसे आप जीत के घंटे के दौरान सुधारें। मैं शीघ्र ही तुम्हें सुबह का सम्पूर्ण कार्यक्रम दिनचर्या चलाने को दूंगा, जब मैं तुम्हें *20/20/20* सूत्र समझाऊँगा। फिलहाल, इतना समझ लो कि चार आंतरिक साम्राज्यों पर हमें काबू पाना है, उन्हें प्रशिक्षण देना है, उर्वर बनाना है और दोहराना है-सूर्य उगने से पहले : मानसिकता, हृदय-स्थिति, स्वास्थ्य स्थिति, तथा आत्म स्थिति। ये चारों निजी क्षेत्र मिलकर, हमारी प्रमुख शक्ति बनती है जो प्रत्येक मानव में आज जीवित है। हम में से अधिकांश ने इस दर्जेय शक्ति का त्याग और तिरस्कार किया है क्योंकि हमने अपने दिन खुद से बाहर की चीज़ों का पीछा करते हुए बिताए हैं। पर हम सबों में यह अगाध गहरी, पारंगत, गम्भीर, गूढ़ दुर्बोध तथा गहन सामर्थ्य होती है। और, अपनी चार अन्तरंगताओं के साम्राज्य को अनुकूल बनाने का सर्वश्रेष्ठ समय है सुबह 5 से 6 का। यह दिन का सबसे विशेष समय होता है। अपने प्रात:काल के स्वामी बनो, और आप अपने जीवन का स्तर उठा लेंगे,” टायकून ने उत्साहित किया।

“हाँ, एक प्रश्न : क्या होगा, यदि मैं इसे हफ्ते में सिर्फ 5 दिन करना चाहूँ? और सप्ताहान्त छुट्टी ले लूँ? यह 5

AM का तरीका, कितना कठोर है? उद्यमी ने पूछा। एक बूढ़ा कुत्ता पास से निकला और इटली के संगीत प्रवीण Zucchero का गीत Occhi हम दूर मछली-भोजनालय में सुन सकते थे। आपको सम्भवतः उस हिस्से का यह दृश्य बहुत विचित्र लगा होगा। मगर यथार्थ में यह इसी प्रकार से हुआ था।

"यह तुम्हारी ज़िन्दगी है। वैसा करो जैसा तुम्हें अनुकूल लगता है जो तुम्हें सही लगता है। मैं मात्र सूचनाएँ दे रहा हूँ। निपुण वक्ता ने मुझे बताया था। इसने मुझे अपना भाग्य बनाने के लिए प्रेरित किया। उसने मुझे दैनिक आनन्द और विद्यमान शान्ति का भावपूर्ण अर्थ खोजने में मेरी मदद की। सच में इस सब ने मुझे निज़ी स्वतंत्रता दी। तुम्हारे वह जिस भी प्रकार से काम में आए, उसे उपयोग में लाओ - मूल्यों के रूप में, प्रेरणाओं के लिए, जीवन पद्धति के लिए। फिर भी जानो, कि अंशकालिक वचनबद्धता सचमुच में अंशकालीन परिणाम ही प्रदान करती है, अरबति ने घूम कर अपनी मुट्ठी में मक्खी को पकड़ने का प्रयत्न करते कहा।

"क्या आप अन्तर्मन के चार साम्राज्य' की गहराई में जाकर समझाएँगे?" उद्यमी ने पूछा। "यह हिस्सा, जो आप हमें इस समय पढ़ा रहे हैं, मेरी वास्तव में मदद करेगा। मुझे उन अंशदानियों के साथ मेरे संघर्ष में सचमुच मज़बूत करके और उसमें मेरी सारी आशाएँ, सुख और आत्म विश्वास जुड़े हुए वापिस लौट आएँगे। मैंने आपको यह नहीं बताया था, मगर मैं इन पिछले कुछ दिनों से, जब से मैं आपसे मिली हूँ, मैं उस सब का उपयोग कर रही हूँ, जिसे आप हमें उदारता से बाँटते आ रहे हैं। जैसा कि आपने अवश्य देखा होगा, कि आरम्भ में हम निपुण वक्ता के दार्शनिक सिद्धान्तों का काफी विरोध करते थे। वास्तव में मैं सेमिनार में आना ही नहीं चाहती थी, आप जानते हैं, मगर अन्त में मैं उनकी-और आपकी-शिक्षाओं को-सुन तो रही थी-दुस्साहस के साथ। आप जानते हैं, मैं जीवन से कितना प्यार करती हूँ। और अब, मैं योजना बनाती हूँ कि एक लम्बी उम्र जीऊँ।"

"बहुत अच्छा", कलाकार ने कहा और एक हृदय के आकार का समुद्री शंख उठाकर, बहुत मृदुता से, उद्यमी की हथेली में रखा। कलाकार ने उद्यमी की उँगलियाँ बंद की और उस हाथ को अपने हृदय पर रख लिया।

"मैं पहले से ही कुछ महत्वपूर्ण सुधार देख रहा हूँ", उद्यमी ने आगे कहा।

"सुबह 5 बजे उठकर मैं स्वयं को अधिक लक्ष्य संकेन्द्रित कम तनावयुक्त, अधिक सुरक्षित और एक प्रकार से अधिक ऊर्जायुक्त पाती हूँ। मुझे अपने जीवन के सभी पहलूओं पर दृष्टिकोण की एक बड़ी समझ है। अब मैं अपने जीवन की सभी सकारात्मकताओं के बारे में आभारी होती जा रही हूँ। अपनी कम्पनी पर हुए आक्रमण को कम महत्व देने लगी हूँ और अपने भविष्य के बारे में उत्साहित रहती हूँ। देखो, वे पूँजी निवेशक बुरे व्यक्ति हैं। और मैं अब तक, स्वयं उनसे निबटने को तैयार नहीं थी। हाँ, हो जाऊँगी। मगर, इस सारी बात से जो भय, मैंने अनुभव किया और निराशा का अँधेरा, अब सारा का सारा, हाँ, ओझल हो गया है।"

"सुरुचिपूर्ण स्वच्छ," अरबपति ने कमर मटकानेवालों की प्राचीन, गँवारू, बीते युग की भाषा का प्रयोग करते हुए कहा। फिर उन्होंने अपनी टी शर्ट समुद्र-किनारे ही बदल ली। SUV लौटकर आ चुकी थी और उसे सीधे, जलजीव-भोजन रेस्त्रां के सामने ही चालक ने पार्क किया था।

"और तुम समझदार हो?" अरबपति ने आगे कहा। "यह सारी जानकारी अनमोल है। मगर, जैसा तुम देख रहे हो कि, यह एक निरन्तरता का अबाध अभ्यास है, और उसका दैनिक प्रयोग तुम्हें नायक बना देगा। व्यवसाय में प्रेरणादायक नायक, और अनेकों को ऊपर उठानेवाला। और मैं तुम्हें अपना विगत भूलने के लिए शुभ कामनाएँ दूंगा। कोई भी तुम्हें यह सलाह नहीं दे रहा कि तुम ग़ैर जिम्मेदारी से काम करो और जिन समस्याओं का सामना कम्पनी में कर रही हो, उन्हें न सुलझाओ।

> मगर तुम्हारा विगत (= भूतकाल) एक स्थान है, जिससे तुम्हें कुछ सीखना है, न कि कोई घर, जिसमें रहना है।

तीनों मित्र राह देखती कार में जाकर बैठ गये और वह आगे की ओर चल पड़ी, उदार मेजबान की भूसम्पदा में लौटने को।

"हाँ, तो हमें इस चार आत्मगत साम्राज्य के नमूने के बारे में अधिक चर्चा करनी चाहिए क्योंकि यह तुम्हारी सफलता और सुख के लिए बहुत आवश्यक है।" अरबपति ने SUV के चलते ही टिप्पणी दी।

“अनेकों गुरुओं ने मानसिकता के बारे में बहुत कुछ कहा है। वे मनोवैज्ञानिक रूप से मानस-शास्त्र को स्थापित करने की सम्भावना की महत्ता सिखाते हैं और हावर्ड के मानसशास्त्री एलेन लेंगर्स की पदावली का प्रयोग करते हैं। वे आपको सकारात्मक विचारों का प्रतिदिन प्रयोग करने को कहते हैं। ये गुरू कहते हैं कि आपके विचार आपका यथार्थ बना देंगे अपने मन को सुधार कर, आप अपना जीवन सुधार लोगे” अपनी व्यक्तिगत मानसिकता में बदलाव के लिए अपनी मानसिकता को आँकना एक महत्त्वपूर्ण कदम है जो हमें महान बाहरी वास्तविकता तक ले जाएगा

“मगर,” अरबपति ने आगे कहा, “और यह अविश्वसनीय ढंग से महत्त्वपूर्ण है कि तुम दोनों इसे समझो क्योंकि अधिकांश व्यक्ति इसे नहीं समझते: निपुण वक्ता ने मुझे सिखाया था कि अपने मस्तिष्क की मानसिकता को ऊपरी स्तर पर ले जाकर-अन्तर्मन के चार साम्राज्यों में से प्रथम का हिस्सा, निजी प्रवीणता के समीकरण का सिर्फ 25 ही है।”

“क्या सचमुच?” कलाकार ने पूछा। मैं सदा से यही समझता था कि हमारी सोच ही सब निश्चित करती है। और उसमें इसके सिवाय और कुछ नहीं था। , “अपनी सोच को बदलो, और तुम्हारा जीवन बदल जाएगा,” तथा, “आप का रवैया ही अपने स्तर को नियमित करता है,” सारी बात है।

“देखो”, अरबपति ने कहा, “यह वास्तव में सच है कि हमारी गहनतम आस्थाएँ हमारे प्रतिदिन के व्यवहार को प्रेरित करती हैं। और आपको पता है कि मैं इसमें विश्वास करता हूँ। और आपको यह भी ज्ञात है कि जैसी आप विश्व के प्रति धारणा रखते हैं, आप उसी प्रकार से कार्य करते हैं। फिर भी, एक अति उत्तम तरीके से विकसित मानसिकता, बिना अच्छी तरह से संस्कारित-साफ- हृदय से किया एक खोखली विजय ही मानी जाएगी। सिर्फ अपनी मानसिकता पर कार्य करने से, कभी भी अपनी प्रभुता की पूर्णता प्रकट नहीं करेगा और न उसमें रह रही प्रतिभा प्रकट हो पाएगी,” अरबपति ने पूर्ण स्पष्टता से कहा।

“मैं सोचता हूँ, मैं आपको समझ रहा हूँ,” कलाकार ने किलिमंजारो के आकार की मुस्कान के साथ कहा। चार्ल्स बुकोवस्की ने कहा, “अपने मस्तिष्क को साफ करने की ज़िद को छोड़ दो... इसके बजाय, अपने हृदय को स्वच्छ करो”

“वह सही था,” अरबपति ने अपने बहुमूल्य SUV की, चमड़े की सीट में और धँसते हुए अपनी सहमति प्रकट की।

“हाँ, तो अब आप मेरी हृदय स्थिति क्या है, समझाने में मदद करें” उद्यमी ने पूछा। वह, स्कूल के बच्चों के एक दल को प्लेग्राउंड में, बिना आनन्द को छोड़े दौड़ते देख रही थी। उसके विचार अपने बचपन की ओर मुड़ गये।

“हार्दिक स्थिति आपका भावनात्मक जीवन है। रक्षण विश्वासों के साथ, और विश्वस्तरीय मानसिकता के साथ भी , आप जीत नहीं पाएँगे, यदि आपका दिल क्रोध, उदासी, निराशा प्रतिकार और भय से भरा है। सिर्फ इसके बारे में सोचें : आप अपने कार्य को अपूर्व अच्छा और विस्मयकारक कैसे बना सकते हैं। मगर, यदि आपकी विषाक्त अनुभूतियाँ आपको नीचे दबा रही हैं? प्रतीत होता है, ऐसा प्रतीत होता है कि आजकल हर कोई एक स्वस्थ और अपराजेय मानसिकता के निर्माण करने की बात कर रहा है। आप इसे हर स्थान पर सुनते हैं। मगर कोई भी हृदय स्थिति, स्वास्थ्य स्थिति और आत्म स्थिति की बात नहीं करता। चारों आन्तरिक साम्राज्यों को खूबसूरती से चमकाना होगा प्रात:काल के नियम से ताकि आपको पता चले कि आपके भीतर कौन-सा विस्मयकारक शक्ति-स्रोत उबाल ले रहा है। और तभी, जब आप प्राकृतिक सत्ताधारी से सम्बन्ध स्थापित करेंगे और गहरे बनाएंगे, जो आपके मूल में मौजूद है कि आप सदाचार की कम्पनी मे बढ़ सकते हैं और फिर, भगवान् तक। जैसे ही आप अपने चारों आन्तरिक साम्राज्यों को उन्नत करते हैं, आप बाह्य साम्राज्य में भी उस हद तक सफलता पाने लगते हैं जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी कि कभी पा सकेंगे। और उसे इतने लालित्यपूर्ण एवं परिष्कृत ढंग से करेंगे जो अकल्पनीय होगी। मानो आपने किसी जादूगर की सामर्थ्य पा ली हो। आप अपनी उपस्थिति मात्र से औरों की शक्तियों को बढ़ाने लगेंगे। चमत्कार की असम्भव मगर निरन्तर विश्वसनीय धारा आपके सामान्य घंटों को प्रभावित करेगी और अपने उज्ज्वल, आदर्श कार्यों के द्वारा बहुर्प्रसवा आनन्द-मयता और विश्वस्तरीय सेवाएँ, आप के प्रशंसनीय तरीके से व्यवहार करने के लिए पुरस्कार स्वरूप पहुँचेंगी।” मि. रिले ने वाहन की खिड़की से बाहर देखा। तब, फिर से बोलना आरम्भ कर दिया–

“हममें से अनेकों यह जानते हैं कि हमें मानसिक रूप से क्या करना चाहिए, मगर कभी भी, कुछ, विशेष

नहीं हो पाता क्योंकि हमारी भावनात्मक ज़िन्दगी अस्तव्यस्त और कठिन बनी रहती है। हम विगत में ही उलझे पड़े रहते हैं। हमने भुलाने लायक को भूला नहीं होता। हमने उन सभी अस्वास्थ्यकर भावनाओं को, जिन्होंने हमें पीड़ा पहुँचाई थी, दबा दिया होता है। सिग्मेंड फ्राइड ने लिखा है कि अव्यक्त भावनाएँ कभी नहीं मरेंगी। वे जीवित ही दफन हो जाती हैं और वे बाद में, फिर से, विकृत रूप में, प्रकट होती हैं। और हम आश्चर्य करते हैं कि हमारे सकारात्मक सोच के परिणाम कार्य क्यों नहीं कर रहे! यहाँ मैं आप लोगों को जो बता रहा हूँ, वह बताता है कि बाज़ार में आई स्व-सुधार/आत्म-विकास की कई पुस्तकें हमें स्थायी विकास की ओर नहीं ले जाती, और कैसे, कुछ ही मिलन-समारोह हम पर असरदायक प्रभाव डालने है। हमारे बौद्धिक भाव अच्छे हैं। हम सच में अच्छे उत्पादक तथा बेहतर व्यक्ति बनना चाहते हैं। मगर हमें विचारों के स्तर पर सूचनाएं नहीं मिलती हैं। और तब, हम टूटे हुए हृदय के बचे खुचे हिस्से से अपनी उच्च आकांक्षाओं की तोड़-फोड़ करते हैं। अतः, कुछ नहीं सरकता। इसीलिए, कुछ नहीं बढ़ता। अतः, कुछ भी परिवर्तित नहीं होता। यदि आप घातांकी विकास तथा बेजोड़ निष्पादन का अनुभव करना चाहते हैं तो किसी प्रभावशाली मानसिकता और पुनः सुधारना, पुनःनिर्मित करना, और बल देकर हृदयस्थापना को प्रबलित करना चाहिए। जिससे सारी दूषित तथा विषैली/भावनाएँ निकल जाएँ जो पिछले दुःख-दर्द के कारण थीं। उनका त्याग ही उचित रहेगा। सदा सर्वदा के लिए। और आपका हृदय, एक बार जो जीवन की कसौटियों के कारण कठोर हो चुका है, मनोहर रूप में फिर से खुलता है।"

"अद्भुत अन्तर्दृष्टि," उद्यमी ने अपनी स्वीकृति दी। "मगर मैं इसे ठीक से अपने निर्दिष्ट विजय काल में, 5 से 6AM के बीच, कैसे करूँगी"

"तुम जल्दी भविष्य में सीख लोगी कि 5 AM पद्धति को कैसे कार्यान्वित करना है।," अरबपति ने उत्तर दिया। तुम दोनों *20/20/20* के सूत्र को अपनाने के लिए यथेष्ट मुक्त और सशक्त हो चुकी हों, और जब से हम लोग एक साथ भटक रहे हैं, मैंने सुझाव दिया है कि तुम्हारा जीवन कभी भी वैसा नहीं रहेगा। यदि एक बार तुमने उसे समझ लिया और जी लिया। *20/20/20* का सूत्र पूरी तरह से खेल को बदल देता है। फिलहाल, इतना समझ लो कि एक अच्छी मानसिकता पर खराब हृदय स्थिति, अच्छे व्यक्ति की अपनी महानता पर अपने प्रयत्नों के भंग होने का कारण है।"

"ओह!" अरबपति ने आगे कहा। "मुझे यह भी बता देना चाहिए कि अपने हृदय स्थिति पर कार्य करना, सिर्फ नकारात्मक भावनाओं को निकालना नहीं है जो पराजय, निराशा और बोझ से आई है। यह स्वस्थ विचारा बनाना भी है। इसीलिए, आपकी प्रातःकालीन दैनिक परम्परा में आभारोक्ति अभ्यास की आवश्यकता है। अपनी विस्मय की भावना से खिलाने के लिए और अतिशयोक्ति के जलाशयों को ईंधन दें। उपकृत भावना होनी चाहिए ताकि आपका एक अंश वैसा अनुभव करे। आपकी विस्मयभावना की तृप्ति के लिए, और प्राचुर्य के तालाब को भरने के लिए यथेष्ट है।"

"इसे चाहो," कलाकार ने कहा। आप जिसे बाँट रहे हैं वह गहन है, मेरे भाई। क्रांतिकारी मैं स्वीकार करता हूँ," उसने बल देकर कहा।

"हाँ, बिल्कुल। और इस प्रकार से निपुण वक्ता ने मुझे, प्रतिदिन प्रातःकाल, विजय काल में अपनी हृदय स्थिति पर गहरा कार्य करना सिखाया। मगर, फिर भी, बात यह थी : अपने हृदय के स्थिति के साथ-साथ, मानसिकता के स्तर को सूर्योदय से पहले उपर उठाने का फिर भी अर्थ होता है कि आप आन्तरिक साम्राज्यों को अमलो में लाने के लिए आवश्यक व्यक्तिगत महारत का केवल 50% काम कर रहे हैं जिनसे आप अपनी उच्चतम इच्छाओं के साम्राज्य पा सकते हैं। मन स्थिति और हृदय-स्थिति के बाद, आपको अपने स्वास्थ्य-स्थिति भी प्रतिदिन प्रातःकाल सुरक्षित करना चाहिए।"

"मेरे लिए एक नया शब्द 'स्वास्थ्य स्थिति', मुझे पसन्द आया," उद्यमी ने कहा।

"हाँ, यह तुम्हारे भौतिक आयामों को दर्शाता है", अरबपति ने समझाया, जब SUV मॉरीशस के अनेकों चाय उद्यानों में से एक के निकट से गुज़रा। आपके दिग्गज बनने के लिए सबसे प्रमुख तत्त्व है आपका दीर्घ जीवन। यदि आप अपने क्षेत्र का नायकत्व करना और, लगातार उन्नति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहते हैं: तो, मरना मत अन्यथा अपने कार्य-क्षेत्रों के महापुरुष आप कभी नहीं बन पाएंगे, यदि आप मर गए तो, इतिहास के सर्जक भी नहीं बनेंगे।"

दोनों, उद्यमी तथा कलाकार दाँत निकालकर मुस्कुराए जब अरबपति ने जोरों से तालियां बजाना आरम्भ

कर दिया, अपने स्वयं के शब्दों को सुनकर इतना खुश जैसे, गिलहरियों का परिवार जंगल में खेल रहा हो।

"मगर, मैं तो गम्भीर हूँ।

एक बार आपने सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य पा लिया और उम्र को हर कदम पर धोखा देने लगे, तो अद्‌भुत, खूबसूरत बातें होने लगती हैं। कुछ दशक और, जीने की कल्पना करके तो देखें-और ऐसा करते हुए स्वस्थ रहें-इस और दशकों में अपनी कला को और श्रेष्ठ बनाएँ, और अधिक प्रभावशाली नेता बनें, कला कौशल कार्यों की सृष्टि करें, अपनी समृद्धि को अगणित बार बढ़ाएँ और एक ज्वलन्त धरोहर छोड़ जाएँ जो समस्त मानवता को अलंकृत करे। सर्वोच्च उत्पादक और महान समझते हैं कि आप, उतोलन की प्रवीणता को नहीं छू सकते-और जीवन शक्ति को कवच से सुरक्षित कर लेते हैं। हर दिन, नाटकीय रूप से थोड़े से श्रम से अधिक अच्छा होता जाता है। मुझे यह दोहराने की ज़रूरत है क्योंकि आश्चर्यजनक रूप से जिए जीवन के लिए ज़रूरी है : हर दिन नाटकीय रूप से व्यायाम के साथ बेहतर है। कुछ चीज़ें इतनी अच्छी लगती हैं जितना कि अति स्वस्थ होना। मेरा ख़याल है कि मैं तुम्हें जो वस्तु समर्पित कर रहा हूँ "स्वास्थ्य स्थापना" जिसका सम्बन्ध है आपके शारीरिक क्षेत्रों से जिन्हें आपका दिमाग़ उच्चतम श्रेणी के संज्ञान के द्वारा संचालित करता है ताकि आपकी ऊर्जा प्रज्वलित हो जाए, अत: आपका दबाव घुल जाए और आपका आनन्द बढ़ जाए। वास्तव में स्वास्थ्य-लाभ तथा अति चुस्त अनुभव करने ने मेरे व्यवसाय को बहुत लाभ पहुँचाया है, यह तो आप जानते ही हैं।"

अरबपति ने अल्प विराम लिया। फिर अपने हाथों को इकट्ठा किया जैसी भारत में प्रथा है, जहाँ लोग कहते हैं, "नमस्ते", संस्कृत में जिसका अर्थ हुआ, "मैं आप में बसे ईश्वर को प्रणाम करता हूँ।"

"यह मुझे अन्तरात्मा के पास ले जाता है, सन्नारियों तथा सत्पुरुषों! मैंने सीखा है कि हममें से प्रत्येक में, एक विशुद्ध पवित्र आत्मा रहती है, निर्मल जो हमारे एकदम बीच में है। अधिकांश विश्व, आत्मा की फुसफुसाहट और जरूरत में विश्वास नहीं रखता। भाग-दौड़ में, हमने अपने उस अंग की अनदेखी की है, जो सबसे ज़्यादा बुद्धिमान, आश्चर्यजनक और शाश्वत है। समाज के द्वारा कार्यक्रमित अधिकांश लोग उन वस्तुओं के पीछे हैं जो उन्हें लोकप्रिय बनाती हैं, स्वीकृति दिलाती है और उनकी स्वयं की फोटुएँ उतारकर, सर्वसामान्य परिणामों को पाकर जो उन्हें वैधता, सामाजिक मुद्रा दिलाती है। फिर भी, प्रतिदिन अपनी आत्मा की भूख मिटाना ही वास्तविक नेतृत्व का राजसी गौरव है।"

"और, मि. रिले, मुझे यह बताएं कि जब आप आत्मास्थापना की बात करते हैं, तब आप वास्तव में क्या कह रहे होते हैं?" उद्यमी ने पूछा, निपुण वक्ता के उपदेशों को, समझदार विद्यार्थी के समान समझकर, निरन्तर विकास करते हुए। अब वह अधिक उपस्थित, सशक्त और हर बार से अधिक स्वतंत्र दिख रही थीं, जब से कलाकार उससे मिला था।

"हाँ, मैं भी समझा नहीं हूँ, भाई मेरे", कलाकार ने गम्भीरता से कहा और वह भी अपनी सीट पर और अधिक लेटा-सा हो गया। शोफर ने वाहन को टायकून के घर के घुमावदार बरामदे में सँभालकर खड़ा कर दिया। और ढेरों तितलियाँ आस-पास उड़ने लगीं। दोहरा इन्द्रधनुष आसमान में स्थायी-सा हो गया था। अरबपति ने उसे ताका और जारी रखा।

"कोई भी वस्तु तब तक खूबसूरत नहीं होती जब तक उस में, उसी अनुपात में, विचित्रता नहीं होती।" अरबपति ने अपने माली को हाथ हिलाते ध्यान दिया और, एक मेंढक को जीभ निकालकर चिढ़ाया। "अंग्रेजी के कवि क्रिस्टोफर मार्लोव ने यह कहा था।" और छोरे, वह उसमें कुछ सच कह रहा था। खैर होगा, अब आपको चौथे साम्राज्य को समझाने के लिए, इस ज्ञान को मुझे सरलता से यह कह कर देना कि क्योंकि मन: स्थिति मनोभावों से सम्बन्ध रखता है। एकत्रित करने दो और हृदयस्थिति भावनाओं से तथा स्वास्थ्य स्थापना शरीर स्वास्थ्य से, अंतरात्मा आपकी आध्यात्मिकता और आत्मा की स्थापना से सम्बन्ध रखता है। एकत्रित करने दो बस यही है। इसमें कोई न तो रहस्य है और न धार्मिकता। न कोई जादूटोना और न कोई विलक्षणता।

"कुछ गहराई में जाएँ, प्लीज़!" उद्यमी ने बल देकर कहा, "आप इन सभी बिंदुओं के साथ मेरी धारणा भावनाओं को, विचारों को, पुन: व्यवस्थित कर रहे हैं।"

"अच्छा, यह सब निपुण वक्ता की रचना है, मेरी नहीं, कृपया इसे ध्यान में रखें। फिर भी मेरा प्रोत्साहन मुझे एक समर्पित अध्यात्मवादी बनाता है। ताकि, वह शब्द आपको अलौकिक, भयानक, प्रेत या भूत जैसा न लगे और आपको इस ज्ञान से विरत न कर दे। मेरा सिर्फ इतना ही कहना है कि आप थोड़ा-सा समय बहुत सुबह की शान्ति

में बिताएँ ताकि अपने अन्दर फिर से साहस, दृढ़ धारणा या विश्वास और करुणा ला सकें। मैं आपको यही प्रोत्साहित कर रहा हूँ कि आप सूर्योदय से कुछ समय पहले अपने स्वाभाविक स्वभाव के देवताओं के साथ, उड़े और अपनी सबसे कीमती प्रतिभा के प्रभु के साथ नाचे यह, अपनी अन्तरात्मा में, स्वयं की सबसे स्थिर सुबुद्धि और सच का आदर करने या उपहार का नज़राना देने जैसा होगा। तभी आप जानना आरम्भ करेंगे-और समझेंगे-महानता तथा निर्वाण के महान् शिखरों और उजालों को, जो आपके सर्वश्रेष्ठ स्वयं में निवास करने योग्य हैं। अन्तरात्मा स्थापना-सिर्फ आपको यह याद दिलाने के लिए है कि आप वास्तव में क्या हैं। साधु, सन्त और ऋषि-मनीषी जो इतिहास में नाम लिखा गए, सभी प्रभात में उठ जाते थे तथा और अपने अन्तर के नायक के साथ-वजनदार बंधन को बनाने के लिए असुरक्षा, अभाव, स्वार्थीपन और अशान्ति-ये सभी भय की सन्तानें हैं। यही लक्षण आप सबों को सिखाए गए थे। निश्चय ही, वे आपका प्राकृतिक स्वरूप नहीं हैं। हमारे जन्म लेने के बाद, हम अपनी आध्यात्मिक शक्तियों से दूर जाने लगते हैं और वैसे ढलने लगते हैं जैसा हमारा खण्डित विश्व चाहता है कि हम बनें। निर्माण सहायता या साहस करने की बजाए हम अधिक पाने, जमा करने और प्रतियोगिता करने लगते हैं, बजाय निर्माण करने के, सहायता एवं साहस करने के जाग्रत मानव दिन निकलने से पहले शान्त घंटों में, अविक्षब्ध तथा शान्त वातावरण में अपने अन्तरात्मा की स्थापना में लग जाते हैं। आशाओं से भरी कामनाओं में आप निर्दोष चरित्र के साथ अपने सर्वश्रेष्ठ स्वरूप में होते हैं। अद्भुत इसे छोड़ करके आप निश्चित् कर लेते हैं कि आप आगामी दिनों में कैसे रहेंगे। आप सोच-विचार करके, जीवन की तीव्र गति और जाने की अनिश्चयता के बारे में चिन्तन करते हैं और बहुमूल्य विचार किन उपहारों को आप का लक्ष्य भौतिक करने का है ताकि इस दुनिया को आप और अच्छी हालत में छोड़ जाएँ, जैसा आपने उसे अपने जन्म के समय पाया था। ये कुछ उपाय हैं जिनके द्वारा आप स्व-अन्तरात्मा स्थापना के खेल को बढ़ा सकते हैं।

"हाँ," अरबपति ने कहना जारी रखा। उसकी खुले दिल की भाषणशैली की भेधता अपनी "तुम दोनों की जड़ों में एक बहादुर, प्यार करनेवाला तथा उन्मत्तता की हद तक जानेवाला, सशक्त हीरो बसा है। मैं जानता हूँ, बहुतों को यह विचार पागलपन लगेगा। मगर मैं जो कह रहा हूँ, वह सच है। और अपने अन्तरात्मा की स्थापना को अपने विजयी समय में से कुछ समय देकर, तुम अपनी चेतना को और जगा सकते हो और अपना अपने सर्वश्रेष्ठ स्वयं के साथ सम्बन्ध-अत: तुम लगातार समाज की सेवा कर रहे हो, बजाय अपनी अभिमान की भूख को बढ़ाने के।"

और बेहतर मानसिकता, हृदय स्थिति, स्वास्थ्य स्थिति और प्रतिदिन अन्तरात्मा स्थापन के ज्ञान के साथ, हम बेहतर दैनिक चुनाव करेंगे। जिससे प्रतिदिन के परिणाम शर्तिया श्रेष्ठ प्राप्त होंगे। है न?" उद्यमी ने घोषित किया और - "तीन चरणों में सफलता का गुर " बताया, जिसे उसने पहले एक और परामर्श सत्र में सीखा था।

"पूर्णतया ठीक", अरबपति ने सराहना की - "बिल्कुल", उसने सिर हिला कर कहा।

"और कृपया जीवन में हमेशा उन महत्वपूर्ण वस्तुओं के प्रति गम्भीर रहो जो महानता से लिए जीवन में अति महत्त्वपूर्ण है।", अरबपति ने निवेदन किया। "अतिविशिष्ट सुविधाओं से बहको मत, जो मानव-चेतना का दम घोंटकर, हमें अपने भीतर के सर्वश्रेष्ठ से विलग कर देती हैं।"

उसने अपने आगे की ज़ेब से एक पतला बटुआ निकाला और एक मुड़े-तुड़े, बाजू में तह किए, कागज़ के टुकड़े में से टालस्टाय के शब्द पढ़े यह है जो आप ने उसकी किरकिराती, मगर ओजस्वी, शानदार आवाज़ में सुना होता यदि आप भी उस SUV में उनके साथ होते :

> "देश में शांत एकांत जीवन के साथ उन लोगों के लिए उपयोगी होने की संभावना जिनके लिए अच्छा करना आसान है और जो इसके आदी नहीं है : तब काम जो उम्मीद है उपयोगी हो सकता है : फिर विश्राम, प्रकृति, किताबें, संगीत, अपने पड़ोसी के लिए प्यार, मेरे विचार में यह खुशी है।"

तीनों साथी अब रईस के घर के बाहर खड़े थे। एक उल्लू नींबू के पेड़ पर बैठा था। वह अरबपति को देखकर घुघुआने और चीख चीखकर शोर मचाने लगा। उसने हाथ से साधारण-सा इशारा करके उसको उत्तर दिया।

"तुम्हें देखकर अच्छा लगा, मित्र," अरबपति ने कहा। "तुम्हें घर आने में इतनी देर क्यों लगी?"

इतिहास के निर्माता लक्ष्य # **4:** दिनों का क्रमबद्ध ढेर

“ध्यान रखो, आपका हर मूल्यवान दिन आपके कीमती जीवन का लघु स्वरूप है,” अरबपति ने सोच कर कहा। “आप प्रत्येक दिन जैसा जीते हैं, वैसा ही अपना जीवन ढाल लेते हैं। हम सभी अपने भविष्य बनाने के लक्ष्य में इस कदर लगे हुए हैं कि हम अक्सर, एक दिन के अत्यधिक महत्व को भुला देते हैं। जबकि हम आज जो कर रहे हैं, वह हमारे भविष्य को बना रहा है। यह सामने की नौका जैसा है,” मि. रिले ने एक नाव की ओर इशारा करके समझाते हुए कहा।

“कुछ नौवहन बदलाव, जो देखने में असम्बद्ध तथा अति सूक्ष्म, लगते हैं, जब लम्बी यात्रा में लगातार किये जाते हैं, तो वे फर्क में डालते हैं कि हमारा अन्त कहाँ होगा, विस्मयकारी ब्राज़ील में या शानदार जापान में। विशाल रूप से सफल और शानदार सार्थक जीवन सुनिश्चित करने के लिए दिन के स्वामी बनो।’ इस 1% कार्यप्रणाली जो हर चौबीस घंटे के आबंटन में आपके हिस्से में आता है को सुधारें और ये दिन सप्ताहों में तथा सप्ताह महीनों में, और आपके महीने, आपके वर्षों में बदल जाएँगे। निपुण वक्ता ने इन दैनिक व्यक्तिगत और पेशेवर अनुकूलनता को सूक्ष्मजीत कहा। आप अपने दिन में कुछ भी बढ़ा कर सुबह की दिनचर्या से लेकर या उद्यमी विचारसरणी से लेकर व्यापार कुशलता से लेकर निजी सम्बन्ध, मात्र 1% हमें कम-से-कम 30%-हाँ, 30%-चढ़ाव, शुरू से ही एक महीने में होता है। उस कार्यान्वयन के साथ बने रहें और साल भर में ही आप जिस का पीछा कर रहें हैं, पाएंगे कि कम-से-कम 365% ऊपर को उठ गया है। यहाँ मैं इस बात को विशेष रूप से रेखांकित कर रहा हूँ कि उसे आप एक उन्मादी की भाँति महान् दिनों को बनाने के पीछे पड़ जावें तो वे जुड़कर एक अद्भुत जीवन बना देंगे।”

“देखने में नगण्य-से सुधार भी, यदि नियम से, लगातार, किए जाएँ तो आश्चर्यजनक परिणमा देते हैं।” उद्यमी ने उसे सबल बनाते हुए पुन: कहा। उसे एक दिमाग़ का टट्टू याद आ रहा था, उसने जादुई साहसिक कार्य के दौरान सीख लिया था।

“हाँ,” अरबपति ने भी प्रसन्नतापूर्वक घोषित किया, जब उसने अंगड़ाई ली और पंजों को छुआ और और बुदबुदाकर स्वयं से कहा, “जीवन सुमधुर है, और मुझे इन दो दयालु आत्माओं को महान् बनने में मदद करनी चाहिए, इससे पहले कि देर हो जाए।”

“यह, वास्तव में ले जाने योग्य है, "अरबपति ने आगे कहा, “सन्मान्य उत्पादक तथा प्रतिदिन के हीरो, समझते हैं कि प्रतिदिन जो कर रहे हैं वह उससे अधिक महत्व रखता है जिसे हम कभी कभार करते। प्रवीणता का एक आवश्यक तत्व है निरन्तरता। और, नियमितता आवश्यक है, यदि आप इतिहास रचने के लिए अग्रसर हो रहे हैं।”

उस क्षण, उद्यमी का ध्यान उसके फोन पर गया जब वह प्रकाशित हुआ और जड़ बनानेवाले निम्नलिखित शब्द दिखे, मानों शब्दों में से खून टपक रहा हो। जिन्होंने उसे कँपाया और व्यथित कर दिया :

एक हत्यारा आ रहा है

“बालिके- क्या हो गया?” कलाकार ने पूछा, अपनी बढ़ती आत्मीयता के सम्बन्ध को प्रकट करते हुए।

“हाँ, - क्या हुआ क्या है?” अरबपति ने उद्यमी के प्रेत-जैसे रंगहीन, सफेद चेहरे को देखते हुए, ताज्जुब किया।

“वह... उँम... वह... अरे हाँ... वह...” उसने हकलाते कहा। वह अपने घुटनों के बल बैठ गई, एक फूलों की क्यारी में, जिसके निकट शोफर ने SUV पार्क की थी। मगर, उतनी ही तेज़ी से वह फिर से उठ खड़ी हुई।

“मृत्यु की एक और धमकी आई है। वे मुझे बता रहे हैं कि कोई मुझे मारने के लिए निकल पड़ा है। फिर से, निवेशक मुझे कम्पनी से निकाल रहे हैं, सोचो कैसे लोग हैं?” उद्यमी ने कहा, स्वयं को उच्च आत्म-विश्वास की तथा

सबल आक्रमण की मुद्रा में ढालते हुए कहा, “मैं नहीं छोड़ रही हूँ। मैंने इस कम्पनी का निर्माण किया। मैं जो भी करती हूँ, उससे लगाव रखती हूँ। मैं अपने साथियों के लिए कुछ भी करूँगी। हमारे उत्पाद अतुलनीय हैं और उस संस्था को विकसित करने में मुझे बहुत सन्तोष मिला है। मैं उनसे लड़ने के लिए तैयार हूँ। चलो चलें! उन्हें आने दो,!” मैं कहती हूँ।

“यह निबटाया जा रहा है”, मन्द स्वर में अरबपति ने कहा और उन्हीं बातों को दोहराते जो उसने समुद्र तट पर पहली बार स्थिति को जानकर कही थीं। उस ज्ञान के लिए पूरी तरह मौजूद रहें जिसे आप सीख रहें हैं, और 5 AM क्लब के नए सद्स्य होने के खास अवसर के लिए यहाँ मारीशस में मेरे साथ धमाल करते रहो। अपनी और मेरे टैटू वाले दोस्त की छोटी सी प्रेम कहानी की तहें खोलते रहो”, अरबपति मुस्कुराया। “और अपनी स्वाभाविक शक्ति के प्रति, नेता के रूप में, निष्पादक एवं मानव के रूप में जागृति सबल बनाते जाएं। आपकी प्रगति को देखकर मैं सचमुच खुश हूँ। अब आप पहले से अधिक बलवान, दबावरहित और बहुत ज़्यादा शान्त दिखती हैं। आपके लिए अच्छा है।”

“हर बीतते दिन के साथ-साथ, प्रात: 5 बजे उठना सरल होता जा रहा है,” उद्यमी ने कहा जो निश्चिन्त और शांतचित्त अनुभव कर रही थीं “आप के द्वारा सांझा की गई अन्तर्दृष्टि अमूल्य हैं। मैं बहुत विकसित हो रही हूँ। मैं आदत बनाए रखने और *20/20/20* का सूत्र को बारीकी से सीखने का इन्तजार नहीं कर सकती ताकि मैं जान सकूँ कि अपने विजय काल में मुझे क्या करना है। मैं योग की थोड़ी-सी क्रियाएँ कर रही हूँ और सूरज उगने से पहले, अँधेरे में समुद्र के किनारे चलना। फिर भी, मैं थोड़ी-सी सहायता चाहूँगी जो मुझे क्रियाओं का सुविशेष ज्ञान दे। मैं जानती हूँ कि आपके पास वह है। मगर, अब तक दर्शन मेरे लिए असाधारण रूप से सहायक रहा है।”

“सूक्ष्म तथा सही प्रणाली शीघ्र आ रही है। इस अवसर पर, मैं आपसे यही कहँगा कि जो प्रक्रिया मैंने आपको बताई है उसे ‘दिन के क्रमबद्ध देर की स्थापना कहते हैं। जीत सुनिश्चित् आपके आरम्भ से शुरू होती है। अपनी प्रात: काल के स्वामी बनो और आपके दिन का स्तर घांतकी रूप से उपर उठेगा जो असाधारण रूप से आपके जीवन की क्षमता का सुधार करेगा। आप बहुत अधिक ओजस्वी, उत्पादक, आत्म-विश्वासी, श्रेष्ठ, सुखी रहेंगे-सबसे मुश्किल दिनों में भी, जब आप उसके अन्त के आरम्भ को आँक चुकेंगे। ठीक है, अब आप दोनों जाओ और इकट्ठे, एक अद्भुत दिन बिताओ। मुझे कवि जॉन कीट्स के लिखे ये शब्द बहुत पसन्द हैं: मैं यहाँ तक कल्पना कर लेता हूँ कि हम दोनों तितलियाँ होते और गर्मियों के सिर्फ तीन दिन जीते-तीन ऐसे दिन, तुम्हारे साथ-जिन्हें मैं अधिक आनन्द से भर लेता, बजाय पचास सामान्य सालों में जितना समाता है। कितनी विशाल बात है। है न?”

“पूर्णतया,” अपने तीन बालों के गुच्छों को दबाते, अपने पेट को सहलाते, और फिर, अपने काले समाघात जूतों के फीतों को बाँधते हुए कलाकार ने कहा - “पूरी तरह से सहमत।”

“और अब, कल हम कितने बजे मिलेंगे, शान्त छिछोरों?” अरबपति ने पूछा, चेहरे के भाव ऐसे थे, जो बता रहे थे कि वे जानते हैं, उत्तर क्या होगा।

“सुबह 5 बजे,” कलाकार ने उत्साहपूर्वक उत्तर दिया - एक स्वर में।

अध्याय 11

जीवन-प्रवाह का मार्गनिर्देशन

"इस विश्व की सबसे श्रेष्ठ तथा सौन्दर्यमय वस्तु को न तो देखा जा सकता है, और न सुना, मगर उसे हृदय से अनुभव ही किया जा सकता है।"

- हेलेन केलर

बचपन में ही उद्यमी ने नाव चलाना सीख लिया था। उसे अपने युवा चेहरे पर खारे पानी की बौछारों की संवेदना अच्छी लगी थी और विशाल सागर में स्वतंत्रता की अनुभूति ने उसे धैर्य दिया। उसे ताज्जुब हुआ कि उसने नौकायन क्यों बन्द कर दिया था। उसी क्षण में उसने यह भी सोचा कि न जाने क्यों, उसने और भी अनुसरणों को छोड़ा है, जो उसके जीवन में समन्वय, और तालमेल ले कर आए थे। और उसे इस बात से आनन्द आया कि इस बुनियादी अवसर पर, एक छोटी-सी नाव, अन्तहीन हिन्द महासागर फिसलती हुई जा रही है, वह सच में खुली है और बेतहाशा ज़िन्दा है।

"हमारी संस्कृति सफलता को हमारे पास कितना पैसा है, से मापती है। किस मात्रा तक उपलब्धि हम पा चुके हैं, और अब कितने प्रभाव तक हम पहुँचते हैं। उद्यमी ने सोचा। जबकि निपुण वक्ता और श्री रिले, दोनों सहमत हैं कि वे सफलताएँ महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने मुझे प्रेरित किया है कि मैं समझूँ कि अपने जीवन को कितनी अच्छी तरह से मैं बिता रही हूँ, पैमाने की अलग श्रृंखला द्वारा भी मेरी प्राकृतिक शक्ति के साथ मेरे सम्बन्धों से, और मेरी सत्यता के साथ मेरी घनिष्ठता, तथा, अपने शरीर स्वास्थ्य के आसपास की ऊर्जस्विता के कारण तथा मेरी शारीरिकता के चारो ओर जीवनशक्ति। यह सफलता को देखने का एक बेहतर तरीका है है। इस दुनिया में दोनों को पूरा कर के भी मैं मन में, कितनी शान्त हूँ।"

निपुण वक्ता की सभा में बीता उसका समय, और इस प्राचीन टापू पर गुजरे अद्‌भुत दिन, उन लोगों के साथ जो अब भी "सु-प्रभात" कहने का, अजनबियों को देखकर मुस्कराने का समय निकाल, उत्पादक खुशहाल और भरपूर और सन्तोषदायी जीवन के छोटे बड़े सभी बदलावों को समझने के लिए प्रेरित और उत्साहित करने के लिए विशुद्ध गर्मजोशी दिखाते हैं।

उद्यमी ने ध्यान दिया कि अब वह यंत्रवत कम और मानवीय अधिक होती जा रही है। अब उसने अपनी प्रौद्योगिकी की विवशतापूर्वक अनिवार्य जाँच करना बन्द कर दिया। इतना रचनात्मक और जीवन के अद्‌भुत अजूबों के प्रति इतनी उत्कण्ठा से उसने कभी भी, इतना ध्यान नहीं दिया था। पृथ्वी के, प्रतिदिन के आशीर्वादों के प्रति वह कभी इतनी जाग्रत नहीं थी। और उसे कोई अवसर याद नहीं आ रहा था, जब वह इतनी उपकृत हुई हो। हाँ, पूरी तरह से गुणग्राही और प्रशंसक। हर बात के लिए, जो उसने अनुभव की हो। उसने महसूस किया कि जीवन के संकट के दिनों ने उसे अधिक सबल और आत्मदृष्टा, दिलचस्प और समझदार बनाया। मोहक, प्रगाढ़ रंगों से रंगे जीवन में अनेकों घावों की मोहरें लगी है, जिन्हें अब वह समझने लगी थी।

उसने स्वयं से वादा किया कि अब वह उस चुनौती का सामना करेगी जो वह अपने निवेशकों से भुगत रही है और अपने साहस का स्तर ऊपर उठाएगी। भागीदारों द्वारा कम्पनी को ले लेने का प्रयत्न उसके प्राकृतिक नायकत्व को गति ही देगा, जो उसने जान लिया था कि हर किसी में होता है, भय असुरक्षा और सीमा बद्धता की परतों के बीचोंबीच-जिसे हम बढ़ती उम्र के साथ जमा करते जाते हैं। उसके अविश्वसनीय भागीदारों का व्यवहार, उसे कुछ और बहादुर, बेहतर और सभ्य व्यक्ति बना रहा था। अक्सर, जीवन का एक बुरा अनुभव हमें अच्छे से ज़्यादा सिखाता है कि हम क्या बनना चाहते हैं और, बहुत सारे दृढ़ीभूत मानव से भरे इस विश्व में, जो समझ नहीं पाते कि वे वास्तव में हैं क्या, अब उसने प्रण कर लिया है कि अपने जीवन के शेष दिन श्रेष्ठ पलटाव और दयालुता का नमूना देगी।

जब उद्यमी और कलाकार ने अपनी छोटी-सी लकड़ी की नौका को पानी में तैराया, जो स्फटिक जितना

स्वच्छ था, मूँगे के आसपास, जो यदि लग जाता तो क्रूर हो सकता था। और समुद्र तट से बहुत दूर दूर, जहाँ अरबपति ने अपना सुबह का प्रवचन दिया था, उद्यमी ने दूर जमीन के टुकड़े को देखा जहाँ मि. रिले ने सुझाव दिया कि उसका और उसके नए नए प्यार का उत्सव है।

उसने भी पाया कि साथ ही बैठे महाकाय व्यक्ति के लिए, उसका प्यार निरन्तर बढ़ता जा रहा है। यद्यपि दोनों भिन्न-भिन्न दुनिया से आए थे, मगर उनके बीच का आकर्षण नकारा नहीं जा सकता था। मानों आकाश गंगाएँ टकरा गई हों। और, वैसे तो उनके कार्य करने के मार्ग अलग थे, मगर उनकी संगति अनुकूल थी और वैसी अनुकूलता उसने पहले कभी अनुभव नहीं की थी। एक बार उसकी माँ ने उससे कहा था कि यदि तुम इतनी भाग्यशाली हुई कि अपने जीवन काल में दो या तीन बार प्यार में पड़ी, तो उनमें हर कहानी को पूरी तरह से बसाना।

उसके साथी की कलात्मक शक्तियाँ उसे उलझा रही थीं। अपनी ही शतों पर महान् बनने की उसकी कामना ने उसे अपनी ओर आकर्षित किया। उसकी प्रासंगिक तीक्ष्ण सतहों ने, उसे चुनौती दी। उसकी विनोदप्रियता ने उसे गुदगुदाया। उसकी धड़कती उदारता ने उसे सहमा दिया था। और उसकी सलोनी आँखों ने उसे पिघला दिया।

“यह एक सु-विचार था”, कलाकार ने कहा जब उद्यमी ने पाल के जोड़े को समायोजित किया और प्रवीणता से, नाव का मार्ग निर्देशन किया जिसे नाविकों ने, अलसुबह, वहाँ रख दिया था।

“यहाँ, बाहर आने के लिए, हर वस्तु से दूर मुझे सीखने से विश्राम चाहिए था। मुझे सारी जानकारी प्यारी लग रही है। मैं रिले जी से बहुत सीख रहा हूँ। भई, वह तो खज़ाना है। मगर मेरा मस्तिष्क भर चुका है। अब, मैं कुछ देर, भी सोचना नहीं चाहता। मैं थोड़ा-सा मनोरंजन करना जीवन-सुख लेना चाहता हूँ। यहाँ, तुम्हारे साथ आना, विशेष बात है।”

“आभार!” उद्यमी ने कहा और उसके बालों की लहरियाँ, हवा में शरारत कर रही थीं और चमकदार आँखें, अपने सामने के पानी पर स्थिर टिकी हुईं थीं।

“उसे मैंने सबसे अधिक सुखी आज देखा है, सभा में मिलने के बाद से,” कलाकार ने सोचा। उसने अपनी एक बाँह से उद्यमी को घेरा। उसने किसी भी प्रकार के हटने का संकेत नहीं दिया। तनावरहित रही और उनका गहरे चमकदार रंग में रँगा जलयान समन्दर में और गहरे तक चला गया।

कुछ समय बाद, वह छोटा-सा टापू, जिसकी ओर वे जा रहे थे, उनके दृष्टिपथ में, और स्पष्ट हो गया।

“अरबपति के दल ने हमारे लिए एक बहुत अच्छी पिकनिक रखी है।” उद्यमी ने ध्यान दिया। “कैसा रहेगा, यदि हम उथले जल में शरणस्थान लेकर और तट के सफेद रेत के हिस्से पर बैठकर खाना खाएं?”

यह टापू निर्जन दिख रहा था और पेट भरी, सन्तुष्ट सीगल्स के सिवाय वहाँ और कोई नहीं था, कुछ की दुबली पीली चोंचों से जीवित मछलियाँ लटक रही थीं।

और वे सिर के ऊपर मंडरा रही थीं। और एक विशाल कछुआ, रेतीले, गीले समुद्र तट पर मन्थर गति से चला आ रहा था, मानों वही वहाँ का शासक हो।

“मस्त!” कलाकार ने जवाब दिया। “मैं इस के साथ ठीक हूँ” यह कहते हुए, उसने अपनी कमीज़ उतारी, अनजाने में ही, और पानी में एक गहरी छलाँग लगाई।

दोनों ने जो स्वादिष्ट भोजन किया था उसमें, मसालेदार, सींकों में लटकाकर सेंके , प्रॉन्स थे और ताज़ा आम का सॅलाद, विशाल पॅकोरिनो चीज़ का टुकड़ा, जो उसी दिन सुबह इटली से उड़कर आया था। तरबूज़, अनानास और कीवी के फलों को मिष्ठान के रूप में परोसा गया था।

उद्यमी ने भोजन करते-करते, तनावरहित स्थिति में, अपने विचारों को प्रकट किया और विश्व की एक महानतम कम्पनी के निर्माण की इच्छा जताई और फिर, इबिज़ा के ग्रामीण छोर पर, शान से सेवा-निवृत्त होकर एकान्त रहने की इच्छा बताई। उसने अपने दुःखभरे बचपन के बारे में भी बताया जब उसके पेरेंट्स ने दुखी होकर तलाक ले लिया था और फिर उसके प्यार करनेवाले पिता का मानसिक आघात से, हिंसापूर्ण व्यवहार। फिर, बाद में उसने विस्तार से उन असफल रिश्तों के बारे में बताया जिनके कारण उसने अपना अधिकांश समय अपने काम में, और उस एकान्त को दूर करने में लगा दिया जब वह अपने व्यापार में नहीं लगी थी।

“वे असफल रिश्ते नहीं थे,” कलाकार ने चुटकी ली, तरबूज के बड़े टुकड़े का आनन्द लेते वह बोला। “उन्होंने तुम्हें वह बना दिया, जो तुम आज हो, ठीक? और मैं सच में पसन्द करता हूँ जो तुम हो। सचमुच!” कलाकार ने निष्कपट सरलता से स्पष्ट कहा। “तुम जैसी हो, मैं तुम्हें प्यार करता हूँ।”

वह झुका और उद्यमी का चुम्बन लिया।

“तुम्हें यह कहने में इतनी देर क्यों लगी?” उसने पूछा।

“मुझे नहीं मालूम। मेरा आत्म विश्वास बहुत समय से निम्न था।” कलाकार ने स्वीकार किया। “मगर निपुण वक्ता को सम्मेलन में सुनकर, फिर तुमसे मिलकर, और हमारे बीच की अद्‌भुत सिहरन का अनुभव करके, और फिर, इस पूरी तरह से मूर्खतापूर्ण पर असम्भव साहस कार्य पर आकर... पता नहीं। अब मैं फिर से, स्वयं में अधिक विश्वास करने लगा हूँ। यह सब मेरी मदद कर रहा है कि मैं फिर से जीवन में आस्था रखूँ, मेरा अन्दाज़ा है। किसी के सामने फिर से खुलना, कितना महान् है। आज मुझे बाद में, पेंटिंग करनी चाहिए। कुछ विशेष प्रकट होनेवाला है। बस, मुझे पता चला है।”

“हाँ, तुम्हें करनी चाहिए,” उद्यमी ने उसे उकसाया। “मुझे भी ऐसा लग रहा है। तुम बड़े पैमाने पर सफल और ऐतिहासिक कलाकार बननेवाले हो।”

और फिर, एक लम्बे-से विराम के बाद, उसने आगे कहा-“मैं भी तुम्हें प्यार करती हूँ, वैसे।”

उस क्षण का रोमांस, जिसे, 5 AM क्लब के दो नए सदस्य बाँट रहे थे, सहसा, जोर से बजने लगे हिम-होप संगीत से बिखर गया। पानी में एक आकृति दायें-बाँयें, चकाचौंध करती दिखी, और फिर, लम्बे सीधे रास्तों पर दौड़ने लगी। जल्दी ही ज्ञात हो गया कि यह बिना-बुलाया शोर करनेवाला घुस-पैठिया कौन था : स्टोन रिले, एक ज्यादा शक्ति वाले जेटस्की पर, एक ऊँचा टोपा, पहले जो उनकी दाढ़ी से चिपटकर बँधा था, पहने थे। हाँ, एक ऊँचा टोपा, जिसे यदि आप निकट से देखते, तो उस पर बने खोपड़ी और हड्डियों का क्रॉस भी देखते। वही निशान जो लुटेरों के ध्वजों पर होता है।

जल्दी ही वह भी ठीक समुद्र तट पर, दो प्रेमियों के साथ थे। शीघ्र ही, वे भी झींगा और आम का सलाद खा रहे थे और ताज़े फलों के सलाद के बड़े-बड़े टुकड़े गुटक रहे थे। फिर, जल्दी ही वे उद्यमी और कलाकार के हाथों को पकड़े।

व्यक्ति बिल्कुल अद्‌भुत था और सब से अधिक मानव-नायक उद्यमी और कलाकार ने एक-दूसरे की ओर देखा, जब अरबपति ने अपना कार्य किया। उन्होंने अपने सिर हिलाए, तालियां बजाई और सरलता से हँसे।

“साथियों”, अरबपति चिल्लाया, अपने धम्-धम् संगीत से ऊपर के सुर में, क्योंकि उसका जेट-स्की उथले जल में उतर गया था। “तुम दोनों की कमी खल रही थी। आशा है, तुम्हारी पिकनिक को ध्वंस करने के लिए, बुरा नहीं मानोगी।” उसने मुख में कौर भरकर वार्तालाप किया। उत्तर की राह देखे बिना, उसने संगीत का सुर ऊपर उठा दिया और उस सुर में गाने लगा। “गठीला सुर है, है न?” उसने पूरी शक्ति से चिल्लाकार पूछा।

“हाँ,” कलाकार ने तत्काल उत्तर दिया। “मेरा मतलब है, निश्चय से। उसने सुधारा।”

फिर, तीनों साथियों ने उस अविस्मरणीय दोपहर का सारा समय तैरने, गाने, नाचने और बातें करते बिता दिया। उस शाम, अरबपति ने एक शानदार डिनर, समुद्र-तट पर दिया जो tiki गँवारू मशालों, पीले रंग की लालटेनों तथा, आपने ठीक अन्दाज़ लगाया, हज़ारों मोमबत्तियों से जगमगा रहा था।

एक लम्बी लकड़ी के टेबल पर सर्वश्रेष्ठ कपड़ा बिछा रखा था, और उस पर, सर्वोत्तम प्रकार का लजीज़ भोजन सजा हुआ था। निपुण वक्ता भी दावत में आए थे और अपनी कहानियाँ अरबपति के साथ बाँट रहे थे जबकि मि. रिले के अन्य साथी बाद में बोंगो बजाने आए फिर विस्मयकारी भोजन तथा श्रेष्ठ अंगूरी पीने लगे। यहाँ तक कि व्यवसायी और अतिविशिष्ट सहकर्मियों को भी, दावत में शामिल होने को कहा गया। सभी कुछ दैविक और अतिविशिष्ट था।

क्षणभर के लिए तो उद्यमी ने शाम की बहुमूल्यता पर प्रकाश डाला और अपने पिता के एक उद्धरण को याद किया जिसे उन्होंने अपने फ्रिज़ के द्वार पर लगा रखा था, वह डेल कार्नेगी का था, स्व-सहाय लेखक, जो ऐसा था : “मानव-स्वभाव की एक ऐसी, सबसे दुःखद बात जो मैं जानता हूँ हम सब जीना छोड़ देते हैं। हम सभी, किसी

जादुई गुलाब के बगीचे को क्षितिज पर, दूर, देखते हैं, बजाय हमारी खिड़की के बाहर आज खिले गुलाबों का आनन्द लेने के।"

उद्यमी मन-ही-मन स्वयं से मुस्कुराई। उसे अनुभव हुआ कि अब वह अपने पूर्ण जीवन जीने के निर्णय को और नहीं टाल पाएगी। वह, न सिर्फ एक अच्छे आदमी के साथ प्यार करने लगी है, बल्कि अब उसमें जीवन के प्रति एक उदार उन्माद की भावना भी जागने लगी है।

अगले दिन सुबह 5 बजे हैलीकॉप्टर की आवाज़ ने उस निस्तब्धता को चीर फेंका जो सिर्फ दिन के उसी अवसर पर रहती है। उद्यमी और कलाकार ने तट पर राह देख क्योंकि उन्होंने अरबपति से वादा किया था कि वे वहाँ आएँगे। उन्होंने कसकर हाथ पकड़े थे और अगले पाठ की राह देख रहे थे, जिसे उन्होंने कहा था कि वे उसे साथ में बाँटेंगे। मगर अरबपति कहीं भी नहीं दिख रहे थे।

एक सहायक आसमानी रंग की कड़क कमीज़ पहने और इस्त्री किया बरमूडा शॉर्ट्स पहने था जिसके रंग में टमाटर की झलक थी और लाल चमड़े की सैंडिलें पहने टाईटन के घर से नीचे दौड़ा।

"नमस्कार", उसने बहुत मँजी आवाज़ में कहा, "मि. रिले ने निवेदन किया है कि मैं आपको उनके हेलीपैड तक साथी बनकर ले जाऊँ। उनके पास आप दोनों के लिए एक विशाल भेंट है। मगर, आपको शीघ्रता करनी होगी, प्लीज़। हम लोग सख्त समय-सीमा में हैं।"

वे तीनों समुद्र तट के किनारे-किनारे, हड़बड़ी में दौड़ पड़े। गहरी हरियाली के बीच के सँवारे हुए, परिचित रास्ते पर, एक जड़ी-बूटियों के बगीचे में से, जिसमें सुप्रसिद्ध लोगों के सु-वाक्य लकड़ी के तख़्तों पर अंकित थे, उन्हीं में से एक पर लिखा था "अनधिकार प्रवेशकों को वानस्पतिक खाद बना दिया जाएगा।" और अन्त में एक मँहगे, घास के मैदान से गुजरे। उसके मध्य में एक चमकदार हैलीकॉप्टर अपने ब्लेडों को चला रहा था और उस पर सुबह की धूप पड़कर चमक रही थी।

वायुवाहन में एक ही चालक दिख रहा था। उसने वायुचालक का चश्मा, एक काली चपटी किनारी की बेसबॉल कैप तथा समस्त काली यूनिफॉर्म पहन रखी थी जैसे ही उसकी सवारियाँ अन्दर ले जाई गईं, पायलट शान्त रहा, चालक स्विचों से, और उन पर अंकित नामों से परिचित होता रहा जो विस्तार से, समझने के लिखे थे जिसमें यह सुवाक्य ऊपर लाल रंग में लिखा था, "उठो और चमको ताकि तुम एकान्त के दुःख से बच सको," इस लाईन के नीचे एक मुस्कुराते चेहरे का ईमोजी बना था।

उद्यमी ने उत्साहपूर्वक पायलट से कहा – "शुभ प्रभात," "मि. रेली कहाँ हैं?"

पायलट ने जवाब नहीं दिया। उसने एक डायल को सुर में सँवारा, एक बटन को चटकाया, और सफेद कागज़ पर एक टिक मार्क किया।

"शुभ कामनाएँ, और आप दोनों का सफर निरापद रहे," सहायिका ने सीट बेल्ट्स ठीक किए, हेडफोन्स पहने और उन्हें मायक्रोफोन से मिलाया और सँभालकर अपने VIP मेहमानों के सिरों में पहना दिया।

"हम आखिर जा कहाँ रहे हैं?" कलाकार ने जानना चाहा और पुनः क्रोधित युवा की श्रेणी में आ गया।

कोई उत्तर नहीं। दरवाज़ा एक "धम्" की ध्वनि के साथ बन्द हुआ। फिर, क्लिक् की आवाज़ ने ताला लगाया।

इंजन का शोर बढ़ता गया। प्रोपेलर्स ने अपने चक्कर बढ़ा दिए थे। वूश, वूश, वूश, आवाज़ निकल रही थी। पायलट जो शायद किसी प्रकार की अभेध निद्रा में था और निश्चय ही मित्रवत् नहीं था, उसने नियंत्रण दण्डिका को धकेला। हेलीकाप्टर ने घास के मैदान में उठना आरम्भ किया। अनचाहे ही, एयरक्राफ्ट बाँयीं ओर, एकाएक झुक गया। फिर वह तेजी से धरती की ओर उतरता हुआ बढ़ा, झटके से ऊपर की ओर उठने से पहले।

"पूर्ण सत्यानाश!" कलाकार चिल्लाया। "यह पायलट अयोग्य है। मैं उससे घृणा करता हूँ।"

“खुलकर साँस लो। सब ठीक हो जाएगा,” उद्यमी ने तर्क दिया। वह तनावरहित, सुरक्षित तथा पूर्णतया नियंत्रण में दिख रही थी। उसका सुबह का प्रशिक्षण काम कर रहा था। उसने कलाकार को निकट खींचा। “मैं यहाँ हूँ। हम सुरक्षित रहेंगे। इसका अन्त अच्छा ही होगा।”

जल्दी ही, हैलीकॉप्टर आकाश में स्थिरता, कुशलता और शालीनता से ऊँचा उड़ रहा था। शान्त चालक बटनों और डायलों से छेड़खानी करता, स्पष्ट रूप से जानते कि वह दो यात्रियों को ले जा रहा है।

“मैंने यह घड़ी, पहले भी कहीं देखी है”, कलाकार ने टिप्पणी की, जब उसने पायलट की पतली कलाई में बड़ी टाइम पीस घड़ी देखी।

“ऐसी ही स्टोन ने पहनी थी, निपुण वक्ता के प्रस्तुतिकरण में। यह मूर्ख है,” उसने काँपती आवाज़ में कहा। कलाकार को मानों गर्मी में उबलते पोलर बीयर की भाँति पसीना आ रहा था।

“अपनी सुबह के स्वामी बनो, अपने जीवन को ऊपर उठाओ,” हेलीकॉप्टर के आगे से एक गाना गाती आवाज़ आई।

“हाय, चुलबुलों, नमस्कार। आज 5 AM क्लब का सदस्य होने से आनन्द मना रही हो?” उसने हिचकोली आवाज़ में पूछा। “वाह! भई वाह! तुम लोग आगामी आश्चर्य को पसन्द करोगे, जो आनेवाला है। एक और देश, एक नए पाठ के लिए विश्व के महान नेताओं, सृजनात्मक बुद्धिशालियों तथा महान् स्त्री-पुरुषों की सुबह की दिनचर्या से।”

पायलट ने अपना सिर जड़ से घुमाया और अपने सूर्यप्रकाश निरोधी चश्मे को अच्छे से पोंछा। इसके बाद उसने एक चिरविशाल डकार ली।

यह अरबपति था।

“अरे, भाइयों। मैं तुम्हें दो शानदार लोगों को डराना नहीं चाहता था। मेरे पास मेरा हॅलीकोप्टर चलाने का लायसेंस भी है, तुम लोग जानते तो हो।” मि. रिले ने गम्भीरता से कहा, मानों क्षमा मांग रहे हों।

“पक्का अब भी कलाकार अब भी उद्यमी को इस प्रकार जकड़े था जैसे जुआरी अपने आखिरी धन से जुड़ा रहता है।”

“वर्षों पहले ही समझ गया था।” अरबपति ने कहना जारी रखा। “हैलीकॉप्टर्स अति ठण्डे होते हैं। मगर, आजकल के अपने सारे उद्यमी साहसकार्यों में, मुझे उतना उड़ान-समय नहीं मिल पाता है, जितना पहले मिला करता था। विचलित करनेवाले उन्नयन के लिए मुझे खेद है। शायद मुझे अधिक अभ्यास की आवश्यकता है।”

“तो फिर, अब हम कहाँ जा रहे हैं?” अपनी आरामदायक चमड़े की सीट पर आराम से फैलते हुए उद्यमी ने पूछा।

“आगरा” अरबपति का एक शब्द का उत्तर था।

“इसका क्या मतलब है?” कलाकार ने पूछा। “आगरा क्या है?”

“मैं तुम लोगों को एयरपोर्ट वापस ले जा रहा हूँ”, अरबपति ने कहा। “हमें इस “जीवन में एक बार” के साहसिक कार्य में चलते रहना चाहिए, जिसमें हम इस समय लगे हुए हैं।”

“हम मॉरीशस छोड़ रहे हैं?” उद्यमी ने चकित होकर, निराश होते हुए कहा। कहते हुए उसके कंगन हिलकर, आपस में टकराए।

“और उन सब चीजों का क्या, जिन्हें अब भी आपको हमारे साथ बाँटना है?” कलाकार ने पूछा। “हमने अब भी ***20/20/20*** का सूत्र नहीं सीखा है, जो हमारे जीवन को आमूल चूल परिवर्तित कर देता। आपने हमसे कहा था कि वही 5 AM सिद्धांत की जड़ है। मैं उसे सीखने की राह देख रहा हूँ।” कलाकार ने तर्क दिया, पुन: एक बार मुट्ठी को हथेली में मारते हुए कहा - “और मैं सच में, हाँ-हाँ सचमुच, मॉरीशस से प्यार करता हूँ। मैं उसे छोड़ने को तैयार नहीं था।”

“वैसे ही, मैं भी”, उद्यमी ने भी इसमें अपनी सहमति जताई। “मैं समझी कि आपने यह कहा है कि आप

उसका विस्तृत तरीका समझाएँगे कि सुबह 5 बजे उठकर क्या करें। और निपुण वक्ता के सम्मेलन में आपने वादा किया था कि आप व्यावहारिक उत्पादनशीलता के सामान्य नियम बतलाएँगे ताकि मैं अपना व्यवसाय बढ़ा सकूँ, और कुछ विशेष गुर ताकि मैं अपना भाग्य बना सकूँ। और मेरा अपने मर्द के साथ, सिर्फ एक ही पिकनिक था। और तुमने अपने भोंपू-जैसे संगीत के साथ, उसे भी भंग कर दिया तथा उछाले मारता जेट-स्की बीच में ले आए।"

एक क्षण किसी ने कुछ भी नहीं कहा। फिर, धीरे-धीरे, हैलीकोप्टर में हर कोई हँसने लगा।

"आराम करो भई, अरबपति चिल्लाया! मेरा घर तुम्हारा घर है", "तुम लोग कभी भी मॉरीशस वापिस आ सकते हो। मैं चालक और वही जेट भेज दूँगा, और तुम्हें मुझसे और मेरे दल से वही प्यार मिलेगा। कोई बात नहीं। सहायता करने में सुख अनुभव करूँगा-हमेशा।"

बोलने से पहले, उसने एक और डायल घुमाया, "हम लोगों के लिए एक और प्लेन हवाई पट्टी पर राह देख रहा है। तुम, प्रेमी-जोड़े, बहुत ही अच्छे विद्यार्थी थे। पूरी तरह से प्रथम श्रेणी के। तुमने उत्साह से, निपुण वक्ता की शिक्षाओं को अपनाया है। तुम लोग हर सुबह सूर्योदय के ही साथ, उदित हो जाते थे, और समय पर आ जाते। मैंने तुम्हारी प्रगति देखी है। अत: मैं तुम्हें आज एक विशेष उपहार देना चाहता था।"

"उपहार?" कलाकार ने पूछा। "मुझे अपने घर के स्टूडिओ में जल्दी पहुँचना है। मुझे अपने निर्माण में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन और जीवन में तनिक से स्थायित्व के गम्भीर बदलाव इन सब के बाद, लाने हैं।"

"और मुझे भी अपनी कम्पनी में शीघ्र पहुँचना होगा", उद्यमी ने कहा। उसके माथे पर कुछ चिन्ता की रेखाएँ लौट आई थीं, जब उसने ये शब्द कहे थे। फिर भी, वे पहले से बहुत कम थीं, 5 AM क्लब में शामिल होने के पहले से।

"अच्छा अभी नहीं, मित्रों। नहीं, अभी नहीं" अरबपति ने निवेदन किया। "हम आगरा जा रहे हैं।"

"मुझे तो अन्दाज़ा भी नहीं है कि वह कहाँ है," उद्यमी ने स्वीकार किया।

"आगरा भारत में है", अरबपति ने बताया। "मैं तुम दोनों को दुनिया के सात आश्चर्यों में से एक को दिखाने ले जा रहा हूँ और 5 AM तरीके का अगला हिस्सा सीखने को तैयार हो जाओ। अब तक तुम लोगों ने जो भी सीखा है, वह आगे आनेवाले हिस्से की तैयारी थी। ताले लगा लो तथा (जानकारी) लोड करो, बहादुरो। अब हम, आगामी उन्नत सूचनाओं को पाने के लिए तैयार हैं जो हमें उत्पादनशीलता, सर्वोच्च कार्यनिष्पादन, अद्भुत नायकत्व और विशालतम जीवन घातांकी दिलाएगा जो विश्व को उन्नत बनाता है। अब सबसे अधिक व्यावहारिक सूचनाओं को पाने के लिए, जो विश्व निर्माताओं तथा इतिहास-रचयिताओं के सुबह की दिनचर्या से सीख सकते हैं, के लिए तैयार हो जाओ। सर्वश्रेष्ठ आनेवाला है।"

अरबपति ने कुशलतापूर्वक हैलीकॉप्टर को अपने आदिम निजी जेट के बगल में उतारा जिसके इंजन चल रहे थे। पहले की असमानता में, यह पूरी तरह से काला था। मगर उन दोनों विद्यार्थियों को मॉरीशस लाने वाले की तरह इसकी भी पूँछ पर 5 AC सँवारकर अलंकृत किया गया था, सन्तरे की उसी प्रकार की आभा के साथ।

"आओ, अतुलनीय भारत की ओर चलें!"अरबपति ने स्फूर्तिपूर्वक कहा।

"चलो चलें!" उद्यमी एवं कलाकार ने जवाब दिया। विलक्षण रईस स्टोन रिले के साथ का उनका सबसे मूल्यवान अनुभव अब आरम्भ होने ही वाला था।

अध्याय 12

‘5AM क्लब’ आदत स्थापना की मूल लिपि का पता बताते हैं

मुझे शिक्षण के हर क्षण से घृणा होती थी। मगर मैंने कहा, “त्यागो मत।

अभी दुख भोग लो, फिर अपना शेष जीवन, विजेता बनकर बिताओ।”

– मोहम्मद अली

अगली सुबह का पाठ इस बात पर था पृथ्वी पर कि सबसे अधिक उत्पादक नायक और निष्पादक, स्वयं में कैसे आदतें स्थापित कर लेते हैं जो उन्हें सुपर स्टार बनाती हैं। और वे एक मोहक साहसिक और सार्थक जीवन बिताते हैं। मि. रिले के निवेदन के उत्तर में दोनों, उद्यमी और कलाकार ने अपना बिताने का समय बढ़ा लिया। वे जिस प्रशिक्षण को ले रहे हैं उसकी गहराई और श्रेष्ठता को समझते थे। और वे यह भी समझ गए कि उसे पूरी तरह अपनाना ही समझदारी होगी।

“हाय, छिछोरों” अरबपति चिल्लाया, अपने साथियों की ओर दौड़ते हुए, जैसे ही भारतीय सूरज सिमटता सकुचाता क्षितिज पर निकला, जो उस समय दोनों ही था - सुनसान और विद्युतमय।

सुबह के ठीक 5 बजे थे।

अरबपति ने काली नेहरू कॉलर की शर्ट, कार्गो शॉर्ट्स और काले सैंडल पहने थे। चेहरे पर बड़ी-सी मुस्कान थी। अब भी मॉरीशस की सूर्य किरणों की चमक उसके चेहरे पर थी। और, आज उसने साफा बाँधा था।

“आज सुबह, मैं तुम्हें निपुण वक्ता की अन्तर्दृष्टि का दर्शन कराऊँगा, जो सर्वोच्च निष्पादन क्षेत्र को स्थापित करते हैं, जो तुम्हें व्यापार और जीवन मे महानता सक्रिय करने में मदद करेगी। जैसा मैंने अपने एक पहले के पाठ में कहा था कि जो श्रेष्ठ को श्रेष्ठ बनाता है, वह उसका वंश नहीं है, बल्कि उसकी आदतें हैं। और उनकी भेंटों की परिधि उत्तरदायी नहीं है, बल्कि धैर्य की भावना है। आज का पाठ बताएगा कि विज्ञान और खोजें हमें क्या करने को कहती हैं ताकि हमारा जो व्यवहार, हमें दुर्बल बनाता है उसे त्यागें और उन आदतों को अपने साथ रखें जो हमारी सेवा करेंगी।”

“धैर्य-क्या है?” उद्यमी ने पूछा, अरबपति के कहे हर शब्द पर ध्यान देते हुए। आज उसने अपने बालों की पॉनीटेल बनाई थी और पैरों में साधारण जूते पहने थी।

“इस शब्द को सामाजिक मनोवैज्ञानिक, ऐंजेला डकवर्थ ने लोकप्रिय बना दिया है जिसने व्यवसाय, शिक्षण, सेना तथा खेल-कूद के क्षेत्रों में अभिजात वर्ग के कलाकारों का अध्ययन किया। उसने पाया कि सफलता पाने वालों को सबसे अधिक सफल बनाने में उनकी अन्तर्निष्ट, धरोहर में मिली प्रतिभा नहीं होती बल्कि उनका समर्पण का भाव अनुशासन लचीलापन तथा दृढ़ता है। शब्द के द्वारा वह इन प्रवृत्तियों का वर्णन करती हैं।”

“शान्त भाई”, कलाकार ने कहा। “इससे मुझे अपनी पेंटिंग को न छोड़ने की प्रेरणा मिलती है मैं किसी आत्म-विभ्रम की दीवार से टकराने पर अथवा अपने विकास की गति से निराश होने पर, और/अथवा यह सोचकर घबरा जाऊँ कि मेरे क्षेत्र के अन्य लोग हँसेंगे कि मैं ऐसी कला का सृजन कर रहा हूँ जो नई और ताजी तथा मौलिक है बजाय नकल की हुई तथा चुराई हुई।”

“अच्छी बात है,” अरबपति ने प्रतिक्रिया दिखाई और अपने भुज-दंडों को रगड़ा। अल्बर्ट आइंस्टाइन ने लिखा था, “महान् आत्माओं ने सदा से हिंसक दिमागों के विरोध का सामना किया है। सामान्य मस्तिष्क उसे समझ ही नहीं पाता कि जो व्यक्ति पूर्व धारणाओं के सामने झुकने से इन्कार करता है और उसके स्थान पर अपनी राय को हिम्मत और ईमानदारी से प्रस्तुत करता है, वह क्यों?”

“अच्छा लगा।” कलाकार ने उल्लसित होकर अपनी भावनाओं को प्रकट करते हुए कहा, जिसमें उसका स्वयं

की कला से सम्बन्धित आत्मसम्मान बढ़ा हुआ था।

"ठीक है, आओ, फिर से पटरी पर हो जाते हैं और सबसे प्रभावशाली तरीकों से विश्वस्तरीय आदतों को स्थापित करना जो हमेशा बनी रहे बनाम जो कुछ सप्ताह के प्रयत्न करने के बाद स्वयमेव पिघल जाती हैं। पर चर्चा करते हैं। बेशक प्रात:काल की सुसिद्ध कक्षा तुम दोनों के लिए अत्यन्त आवश्यक है, क्योंकि वैसे तो तुम दोनों सुबह ठीक 5 बजे उठ जाते हो, मगर हम इसे एक आजीवन का नियम बनाना चाहते हैं। और एक विश्वस्तरीय आदत की स्थापना का एक प्रमुख अंग है उस आदत को सीखना और विपरीत परिस्थितियों में अद्‌भुत आत्म-नियंत्रण रखकर आत्म-विश्वास की दुर्लभ वायु को धीरे-धीरे निसृत करना। अतः हमें वहीं से आरम्भ करना चाहिए।"

तीनों साथी ताजमहल के सम्मुख खड़े थे। वे अकेले थे। सामने का निर्माण - कार्य अकथनीय रूप से उदात्त था। जैसे उन्होंने देखा वह वास्तुशिल्प रचना और यांत्रिकी कला की सर्वश्रेष्ठता की वास्तविक गवाही थी।

"मैं भारत से बहुत प्यार करता हूँ," अरबपति ने घोषणा की। "पृथ्वी के महानतम देशों में से एक। और, यह स्थान, यह तो विश्व के सात अजूबों में से एक है, और उसका एक कारण है : इतना सुन्दर कि देखकर साँस लेना भूल जाएँ, है न?"

"सच है," उद्यमी ने स्वीकार किया, एक बहुत गर्म कॉफी की चुस्की लेते-लेते।

अरबपति ने अपने बाँयें हाथ में एक बहुत बड़ी पानी की बोतल ली हुई थी। उस पर एक वक्तव्य छपा हुआ था, जैसा कि उसकी पानी की बोतलों पर अक्सर होता था, उसे उसने अपने दो विद्यार्थियों को जोश के भावावेग में उत्साह से सुनाया:

> नायक आराम के समय में महान् नहीं बनते हैं। हमारे विश्व की, मेहनती और सुविख्यात उदात्त आत्माएँ, विपत्तियों, कठिनाइयों और संशय के तूफानों में सख्ती से खड़े रह कर सबल, बहादुर और आदर्श बनीं। यह उस क्षण, में होता है जब आप अपनी गहनतम दुर्बलताओं, का सामना करते हैं और अपनी महानतम शक्ति को धोखा देने का मौका पाते हैं। वास्तविक सामर्थ्य आराम के जीवन से नहीं मिलते, बल्कि सबल प्रयत्नों से, भक्तिभावी अनुशासन और माँगभरे दावों से मिलते हैं, जिनका मार्गदर्शन, आप जानते हैं कि सही हैं। उस समय भी उन्हें करते रहना चाहिए, जब आप उन्हें रोक देने के लिए पीड़ित हो जाते हैं। आगे बढ़ना बजाय जब उन्हें त्यागने की इच्छा हो, उस क्षण में रहना जब आप की उसे त्यागने की इच्छा हो, का आशय खुद को महान योद्धाओं और सम्मानजनक चरित्रों में शामिल करना है जो मानवता का नेतृव करके उसे अपनी अजेयता के सहारे अच्छे स्थान पर ले गए।

"क्या खूब।", कलाकार ने कहा। किसी महान् कवि ने लिखा होगा?

"नहीं", अरबपति ने कहा - "ये सारे शब्द मेरे हैं।"

मि.रिले ने तब अपना हाथ हवा में उठाया-और आप जानते हैं, क्या हुआ?

बहुत सुबह की ओस-कोहरे में से स्वच्छ कपड़े पहने, एक बहुत आकर्षक सहायक निकला, "हम सब बहुत खुश हैं कि आप लौटकर भारत आ गए, श्रीमानजी, हमें आपकी कमी बहुत खली", उसने धीमी आवाज़ में, बुदबुदाकर कहा। "यहाँ, यह सब है, जो आप चाहते थे।"

अरबपति ने तनिक-झुका और अपने सहायक को मित्रवत् मुस्कान दी।

एक दर्शनीय, अलंकृत, पश्मिना की शाल असाधारण महान् गुण-सम्पन्न व्यक्ति को दी गई, जिसे उसने रोशनी के सामने करके देखा। जैसा कि आप जानते हैं, पश्मिना कश्मीर का बढ़िया ऊन है। वैसे भी, शब्द का अर्थ ही होता है "मुलायम स्वर्ण," काश्मीरी भाषा में। और यदि आप उसे देखते तो इससे आप भी सहमत हो जाते कि वह वैसा ही दिख रहा था।

विस्तृत बुनाई का काम उसमें किया गया था, और जब दोनों विद्यार्थियों ने उसे ध्यान से देखा तो वे उसमें 5-3-1 CREED OF THE WILLPOWER WARRIOR बुना हुआ था। इस शीर्षक के बाद वक्तव्यों की श्रृंखला थी जो बताती थी कि "5-3-1" क्या है। यह सब काफी अद्‌भुत था।

हाथों की बुनाई यह कह रही थी:

अतिविशिष्ट आदतों के पीछे की पाँच वैज्ञानिक सच्चाइयाँ

सत्य # **1**: विश्वस्तरीय मानसिक शक्ति कोई जन्मजात ताक़त नहीं है, बल्कि निरन्तर अभ्यास से विकसित प्रवीणता है। सूर्योदय के समय उठना एक सुविशेष आत्म-नियंत्रण प्रशिक्षण है।

सत्य # **2**: निजी नियंत्रण स्वयं एक मांसपेशी *(*मसल्स*)* है। जितना अधिक आप उसे फैलाएँगे, उतनी अधिक सशक्त वह बनेगी। अतएव, आत्म-नियंत्रण क्रियाओं के समुराई अपनी स्वाभाविक शक्तियों को बनाने के लिए दुष्कर स्थितियां बनाते हैं।

सत्य # **3**: अन्य मांसपेशियों के समान, हम जब थके होते हैं, हमारी इच्छा शक्ति भी कमजोर हो जाती हैं। अत*:* प्रवीणता के लिए और निर्णयात्मक थकान के नियंत्रण के लिए उसे पुन*:* पाना बहुत आवश्यक है।

सत्य # **4**: किसी भी महान् आदत को सफलतापूर्वक स्थापित करना, उस आदत के स्वचालीकरण चार खंड प्रतिमान का अनुसरण करता है। स्थायी परिणाम के लिए इसे स्पष्ट रूप से अपनाएँ।

सत्य # **5**: एक क्षेत्र में आत्म-नियंत्रण को बढ़ाने से, अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में आत्म-नियंत्रण बढ़ता है। इसीलिए, *5 AM* क्लब एक खेल पलटनेवाली आदत है, जो आपके किए हर कार्य को सुधार देगी।

नायकत्व की आदत बनाने वालों के **3** गुण

मूल्य # **1**: विजय के लिए बारबार, लगातार उसी कार्य को करें।

मूल्य # **2** : जो आरम्भ किया था, उसे करते रहना, आपके निजी आदर का आकार निर्धारित करता है जो उत्पन्न होगा।

मूल्य # **3**: आप निजी रूप से जैसे अभ्यास करते हैं, ठीक उसी प्रकार से, आप लोगों के सामने प्रदर्शन करेंगे।

आत्म अनुशासन संयमी के सामान्य सिद्धांत

जो मुश्किल, मगर महत्वपूर्ण है, उसे नियम से करें। विशेष करके तब, जब वह सबसे अधिक असुविधाजनक लग रहा हो। ऐसे ही तो योद्धा जन्म लेते हैं।

अरबपति ने अपनी आँखें बन्द की। वाक्यांश को दोहराया : “मुझे सरल जीवन की कामना नहीं है, क्योंकि, उसमें, मेरी शक्तियों का विकास नहीं है। मुझे चुनौतियों से भरा जीवन दें-एक ऐसा, जो मेरा सर्वश्रेष्ठ बाहर निकालकर रख दे, क्योंकि यह लौह इच्छा शक्ति का निर्माण करता है - एक अजेय चरित्र का।”

“यह शाल मेरी ओर से, तुम दोनों के लिए भेंट है,” उद्योगपति बोलता गया। “कृपया पाँच वैज्ञानिक सच्चाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और तीन मूल्यों को, एक सर्वसामान्य सिद्धान्त के साथ, तब वह जाकर कहीं 5:3:1 आत्मशक्ति के योद्धा की पिपासा बनाता है। यह आपकी अद्भुत प्रकार से सेवा करेगा, एक बार तुमने उन आदतों का कूट बना लिया जिन्हें पालना है।”

कुछ ही क्षणों बाद, एक दूर के रिक्त ऑटो स्टैंड से, एक खाली पार्किंग एरिया का रिक्शा तूफान की गति से निकला। उसमें एक हँसता हुआ युवा, स्मार्ट गहरी स्लेटी जॉकेट, सुरुचिपूर्वक इस्तरी किए पेंट और पॉलिश किए भूरे जूते पहने बाहर आया।

“नमस्ते, अर्जुन”, अरबपति ने कहा और अपने हाथों को एक साथ जोड़ा।

“अहा, स्वामी।” इस सहायक का हार्दिकता से उत्तर था। वैसे तो उसके शब्द औपचारिक ही थे, मगर उसने

इन्हें जिस तरह से बोला था वह, बोलनेवाले के प्रति गहरा आदर प्रकट करता था।

"क्या तुम दोनों ताजमहल की पृष्ठभूमि जानते हो?" अरबपति ने पूछा, जब सहायक एक किनारे हट गया, और मि. रिले की हर प्रकार की मदद, के लिए तैयार दिख रहा था।

"कृपया हमें बताएँ," उद्यमी ने निवेदन किया उसने हाथों में एक सिंगल लीगल नोटपैड था, साथ में साधारण काली स्याही का रोलर बॉल पेन। अरबपति के सभी आरम्भिक वार्तालाप कि किस प्रकार से आधुनिक शिल्प-विज्ञान के दुरुपयोग ने रचनात्मकता का विनाश किया है और एक अति अल्प उत्पादकता का उस पर प्रभाव पड़ा है। उसने आज एक चूड़ी पहन रखी थी, जिस पर अंकित था, "सपने तब सच नहीं होते, जब आप सो रहे होते हैं।"

"सच है-यह एक प्रचारित कहानी है।" अरबपति ने उबाल खाते हुए कहा, और वह कॅलीफोर्निया सर्फर स्लेंग से मिलता-जुलता था।

"तुम दोनों प्रेमियों की तरह, मुग़ल बादशाह शाहजहाँ जिसने इस आश्चर्य की परियोजना बनाई थी, वह अपनी बीवी मुमताज़ से बहुत अधिक प्यार करता था। उसने अपनी पत्नी मुमताज़ से, भक्तिपूर्ण उपासना का, और प्यार भरे समर्पण का साकार चिह्न, उसकी याद में, सन् 1631 में मृत्यु के बाद, बनाया। उसने स्वयं से प्रतिज्ञा की कि वह उसकी याद में एक ऐसा प्रेम-प्रतीक बनाएगा, जैसा दुनिया ने कभी न देखा होगा। उसने अत्यधिक उदार दिल से इस संवेदनशील, विस्मित करनेवाले याद चिह्न को बनाया जो देखने में उत्तेजक और बनावट में अद्वितीय था और सभी देखनेवाले इस आदमी के प्यार की गहराई को समझ जाते, जिसमें उसने अपना सारा वैभव लगा दिया।"

"मेरे दिल में कुछ होने लगता है, जब मैं उसे देखता हूँ।" कलाकार ने सामने संगमरमर से चमकती इमारत को देखकर बुदबुदाया। सुबह की किरणों के प्रवेश से उसकी नजरें भेंगी हो गईं अब वह, अधिक स्वस्थ, शान्त, धैर्यवान, सन्तुलित और सधा हुआ दिख रहा था, जितना उसे उद्यमी ने कभी नहीं देखा था।

"मैं भी," अरबपति ने भी उदासी का सुर लिए, सहमति दी। "ताज को देखना, कोई बुद्धिमानों का प्रवास मात्र नहीं है, वह भावनाओं का पुनर्जीवन भी है। वह संवेदनशून्य व्यक्ति को भी इस हद तक जाग्रत कर देता है, कि जाने हम मनुष्यों में क्या पैदा करने की क्षमता है। मगर, जारी रखने के लिए एक बार महाराजा ने अपने साहसिक विचारों को निर्धारित किया, और कारीगरों ने उस बुलंद दृष्टि को यथार्थ में बदलना आरम्भ कर दिया। क्योंकि आप दोनों जानते हैं कि कार्यसिद्धि के बिना की महत्वाकांक्षी अभिलाषा, एक हास्यास्पद भ्रान्ति होती है। अब तो आप दोनों, अन्तर्दृष्टि के मामले में धाराप्रवाही हो गए हो। जो कुछ भी महानता के लिए उदार, कलात्मकता और दृढ़ता की उदार राशि की आवश्यकता है। प्रभुत्व कोई आकस्मिक घटना नहीं है। वह तो एक न रुकने वाली प्रक्रिया है जो सम्भवत: वर्षों की-कष्टप्रद कारीगरी के, अभ्यास, त्याग और दु:ख-कष्टों के बाद सँवारी और सुधारी परियोजना को उस हद तक पहुँचाती है कि विश्व को हिला दे।

"यह एक और GCA विशाल प्रतिस्पर्धात्मक लाभ है," मि. रिले ने आगे कहना जारी रखा। "अपने उच्च आदर्श के प्रति निष्ठावान रहो, न सिर्फ उन हफ्तों में, जब आपने सपना सोचा था, सुदीर्घ महीनों में भी, बढ़कर वर्षों में रचनात्मकता के सूखे, उदास, प्यासे रेगिस्तान में, जहाँ उसका कार्यान्वयन हो रहा है, और आप अस्वीकृति, बहिष्कार, नामंजूरी और थकान भोग रहे हैं। और अन्य आर्कषक अवसरों की ओर आप आकर्षित होते और आत्म-सन्देह की एकान्त सर्दियों में, रास्ता ढूँढ़ते हैं। यही तो है जो "मैं भी दौड़ा था," को अनुप्रतीक से अलग करता है। एक मिनिट के लिए तो कोई भी महान् बन सकता है। अनुप्रतीकों का खेल प्रतिभाशाली स्तर के निष्पादन को जीवन भर बनाए रखना है, जीवन भर। और उसके लिए असाधारण धैर्य और सहनशीलता जो आज के समय में दुर्लभ है, चाहिए। वह प्रकार जो अधिकांश समाज विकसित करने में पिछड़ गया है, समझे! मैं क्या कहना चाहता हूँ?"

अरबपति पूरी तरह से सजीव, उत्साहित, ऊर्जावान थे। उसने एक बाजू हवा में उठाकर दो उंगलियों से वैश्विक विजय चिह्न दिखाया। ऐसा प्रतीत हुआ कि उन्होंने यह अपनी प्रेरणा की सुरक्षा के लिए किया था, और अपने दिल में जाग्रत अग्नि को सुरक्षित रखने के लिए।

"अनेकों दशक पहले, अल्बर्ट ई. एन. ग्रे ने बीमा विभाग के विक्रय अधिकारियों के लिए एक व्याख्यान दिया था, जिसे उन्होंने-सफलता का सर्वसामान्य एकल हर का नाम दिया था। अपने तीस वर्षों के अध्ययन के बाद,

सौभाग्य की सबसे सटीक कुंजी-अपने व्यवसाय, परिवार, स्वास्थ्य, आर्थिक सुख, तथा आध्यात्मिक जीवन के लिए - खोज निकाली थी।"

"वह क्या थी?" उद्यमी ने गाढ़ी उत्सुकता के साथ पूछा, साथ में अब कम गर्म कॉफी की चुस्की ली।

"ऐसा है," अरबपति ने सुझाव दिया, "जहाँ तक मुझे याद आता है, उस पॅम्फ्लेट में, जो उनके भाषण के सार से बनाया गया था, और फिर, उसका खुलकर उच्चतम विक्रय अधिकारियों में प्रचार हुआ था," उन्होंने कहा, "मैं अब तक इसी सर्व-सामान्य धारणा में था कि सफलता का कारण कड़ी मेहनत होता है, मगर मैंने इतने सारे लोगों को, सफलता पाए बिना, कड़ी मेहनत करते देखा था कि मुझे विश्वास हो गया था कि 'कड़ी मेहनत' उसका असली रहस्य नहीं था।"

"तब, फिर क्या था?" कलाकार ने उत्सुकता से टटोला।

"मूर्ख! मैं आ तो रहा हूँ उस बात पर", रईस ने खिलवाड़ करते हुए जवाब दिया। तो, अल्बर्ट ग्रे ने कहा, "यह सफलता का एकल गूढ़ हर इतना बड़ा है, इतना शक्तिशाली..."

"और, वह है?" उद्यमी ने बीच में ही कहा, वह उत्तर के लिए रुक नहीं पा रही थी।"

"ग्रे ने वर्णन किया कि सफलता का आम हर प्रत्येक स्त्री-पुरुष की सफलता का रहस्य जो कभी सफल रहें हैं - इस सच्चाई में है कि वे वो करने की आदत डाल लेतें हैं जिसे असफल लोग करना पसन्द नहीं करते।"

"सरल और गहरी बात है," कलाकार ने तुरन्त बात को ध्यान में लिया और अपना एक हाथ बालों के गुच्छे पर फेरा। उसने भी अब, कोल्ड कॉफी के घूट की चुस्की ली।

"उच्च उत्पादक उच्च मूल्य की कार्य-विधियाँ, करने की आदत डाल लेते हैं जिन्हें सामान्य लोग नहीं करना चाहते और जब कि वो भी चाहते हैं कि नहीं करें," अरबपति ने आगे कहा, "और एच्छिक बर्ताव बार-बार करने से उनकी आत्म-कुशलता और उनका निजी अनुशासन बढ़ जाता है और नया नित्यक्रम स्वचालित हो जाता है।"

कलाकार ने सहमति में सिर हिलाया, फिर अपनी दाढ़ी को सहलाया। वह अपनी कला के बारे में सोच रहा था। "मैं सचमुच स्वयं को अपनी शंकाओं के कारण सीमा में रख रहा हैं," उसने फिर से एक बार सोचा। "मैं इस बात के लिए चिन्तित हूँ कि दूसरे मेरी कला के बारे में क्या कहेंगे जिसे मैं बहुत कम बना रहा हूँ। और मि. रिले का कहना उचित है। मुझमें धीरज नहीं है और आत्म-नियंत्रण सीख रहा हूँ जो कठिन, मगर मूल्यवान वस्तुओं को करने से मिलता है। मैं एक प्रकार से कुछ भी करने बैठ जाता हूँ, जिसे कभी भी करता हूँ। कुछ दिन एक तरंग-सी आती है और कभी-कभी पूरे दिन सोता रहता हूँ। कभी कभी मैं आलसी होता हूँ और कुछ दिन, मैं कड़ी मेहनत करता हूँ। मैं पानी में डूबता-उतराता कार्क की तरह हूँ, बिना नियमित दिशा-ज्ञान के। मेरी कोई वास्तविक बनावट नहीं, न वास्तविक अनुशासन। मैं बहुत अधिक वीडियो गेम्स खेलता, कई बार घंटों। फिर मेरी यह आदत भी हो गई है कि मैं तेजी से भागकर उन चित्रों को बनाता हूँ जो जल्दी से बिककर मुझे पैसे दिलाते हैं, जब मुझे पैसों की जरूरत होती है, बजाय अपनी समस्त कला को एक रचना पर लगाने के, जो मेरी विशेषता का वर्णन करे, और मेरे सारे क्षेत्र को अपने सिर पर उठाकर मेरी विशेषता को सबों को बताए; अपनी प्रतिभा से।"

"तो" अरबपतिने अपनी ताजमहल के निर्माण की कहानी को आगे बढ़ाते समझाया। "बाईस वर्षों तक-न बाईस दिन, और न बाईस महीने-बाईस बरस, बीस हज़ार से अधिक कारीगरों ने, भारत की गर्मियों की प्रचण्ड धूप में, कठिन परिश्रम किया, मार्बल के शिला-खण्डों को, खण्ड प्रतिखण्ड, बहुत दूर से, एक हज़ार हाथियों से ज़्यादा, उसे उठाकर लाए, कारीगरों की मानो सेना ने, धीरज के साथ, इस इमारत को खड़ा किया जिसे आज आप देख रहे हैं। उन्हें स्थापत्य की कठिनाइयों, वातावरण की अतियों, मार्ग में अकल्पनीय दुर्घटनाओं का सामना करना। मगर, वे लक्ष्य के प्रति केन्द्रित थे, भयविहीन तथा निष्ठुर और उदाहरणीय ढंग से समर्पित काम में लगे रहे ताकि राजा का शानदार स्वप्न पूरा हो।"

"सचमुच अतुल्य, आप जानते हैं।" कलाकार ने सीमा-चिह्न का अवलोकन करते हुए कहा। एक तितली पास से गुज़री। बारिश की कुछ बूंदें उसके चेहरे पर छिटक गईं। और, विश्वास करें या ना करें, बहुत सारे क़बूतर अरबपति के सिर के ऊपर से, ऊपर आसमान में उड़ गये।

"यह सब क़बूतर? इन्द्रधनुष और तितलियाँ भी अनेकों बार आपको घेरे रहीं?" उद्यमी ने दबाव डाला जब

वह अपने पहने टी-शर्ट को सँवार रही थी। उस पर ऑस्कर वाइल्ड का सुवाक्य अंकित था जो उद्यमी महिला की नई पाई जानकारी, के अनुकूल था। लिखा था : "स्वयं खुद बनो। अन्य हर किसी ने उसे अपना लिया है।"

"हम सब में चमत्कार है। अधिकांश को यही नहीं मालूम कि उसका प्रयोग कैसे करें," अरबपति का संक्षिप्त और रहस्यमय उत्तर था।

"हाँ तो, ताजमहल की ओर हम लौटें। दो दशकों बाद, यह स्मृति-चिह्न मक़बरा, बनकर पूरा हुआ।" उन्होंने भर्राते, मन्द स्वर में कहा-"और मानव जाति को एक काव्यात्मक साहस का महानतम निर्माण समर्पित किया गया, जो उसे पहले कभी नहीं मिला था।"

"मैं प्रेरित हो कर परे पहुँच चुकी हूँ," उद्यमी ने गुप्त रूप से बताया, आपका हमें आगरा लेकर आने के लिए बहुत बहुत आभार। मैं सदा के लिए आभारी हुई।"

"शहंशाह निश्चय ही अपनी पत्नी से प्यार करते थे।", कलाकार ने कहा। फिर उसने आशय से उद्यमी की ओर देखा। उनकी प्रभा, सितारों की मौलिक सुन्दरता, प्रतिमाओं तथा चौंधियाती चमक वाली महिलाओं से कहीं ज़्यादा थी। उसकी छटा प्रशान्त सौन्दर्य की गहराई सूर्य के उगने को उत्सव बना देता है और चन्द्र-किरणों को मायावी। उसने स्वयं से पूछा-इस सन्नारी का चुम्बकत्व-तंत्र ऐसी भूमि से आता है जो आकर्षक चेहरे से अधिक गहरी है। यह तो संघर्ष से पैदा हुआ आकर्षण है, धक्का खाकर निकली हुई, बिजली। एक दुर्जेय बुद्धि के माध्यम से ऊर्जा का उत्सर्जन ओर मज़बूत संकल्प द्वारा गठित सुन्दरता एक वास्तविक सामर्थ्य, बुद्धिमान और अनुराग भरा व्यक्ति बनने के लिए।

"ताजमहल तो साक्षात् एक रूपक अलंकार है, नई आदत, को हर प्रकार की मुश्किलों के आने के बाद भी, गम्भीरता से अपनाए रखना है। अपने आदर्शों को सुख के मौसम में, ही नहीं कठिनाइयों के समन्दर में भी गम्भीरता से पालना चाहिए। इसीलिए आज की शिक्षा बहुत महत्त्वपूर्ण थी अब आप जो सीखने जा रहे हैं वह जो दार्शनिकता मैंने अब तक आप को सिखाई है, को लागू करने में मदद करेगा। निपुण वक्ता ने सावधानी से उस नमूने को विकसित किया है जिसे मैं अभी, आपके सामने, प्रकट करूँगा। अनेकों वर्षों तक व्यवसाय-निर्माताओं के साथ कार्य करने के बाद, प्रवीण उपलब्धकर्ताओं और परिवर्तनकारियों, जैसे मैं हूँ, के साथ काम करके उसे विकसित किया है। आज का सदन इसलिए इतना नहीं है कि हमें क्यों प्रात:काल जल्दी उठकर, सूर्योदय से पहले, अपने दैनिक कार्यों को कर लेना चाहिए, यह इसलिए है आप इस दिनचर्या को कैसे पूरा कर सकते हैं। आजीवन। अरबपति ने अपने कान की लौ को रगड़ते हुए कहा, मानों कोई बालक कल्पनाशील बनकर जादू के दिये को रगड़ रहा हो।

"क्या खूब!" कलाकार ने कहा। "मुझे यह चाहिए। व्यावहारिक तरीके, निश्चित् करने के लिए कि इस साहसिक कार्य के बाद, मैं प्रात: 5 बजे उठना बन्द न कर दूँ।"

"हाँ, ठीक है!" अरबपति ने भी सहमति दी, "तब, आओ चलें!"

दो हट्टे-कट्टे सुरक्षाकर्मी तब अरबपति, कलाकार, तथा उद्यमी को निजी प्रवेश द्वार से भवन मे ले गए जो राज्यों के प्रमुखों, राज-घरानों के सदस्यों तथा अन्य वैश्विक नेताओं के लिए था। एक बार उस निर्माण में प्रवेश करने के बाद, जो अब भी अन्धकार और निस्तब्धता से घिरा था, अरबपति ने अपना प्रवचन शुरू किया -

"विश्व की जीवन रेखा में यह एक चित्ताकर्षक, मंत्रमुग्ध करनेवाला, उलझनों से भरा तथा उत्तेजनापूर्ण अवधि है। जो, हर दिन सुबह पीड़ित की भाँति प्रकट होते हैं, उनका जीवन बहुत कठिन होनेवाला है-भयानक और डरावना। क्योंकि उन्हें मालूम ही नहीं पड़ेगा कि उन पर किसने आघात किया। और वे, पर्यावरण आर्थिक और सामाजिक उथल-पुथल से असुरक्षित रहेंगे, जो होनेवाली है। फिर भी, समर्पित अल्पसंख्यक जिन्होंने अपने दिनारम्भ की आदतों को योद्धा के समान सुरक्षित बना लिया है ताकि अपने उपहारों, अंकुरित साहस, निजी नियंत्रण और गोली-निरोधी चरित्र की आत्म अनुशासन की मांसपेशियों के माध्यम से निरन्तर, कड़ा अभ्यास करके रक्षा कर सकें ताकि आगामी समय, असाधारण रूप से सम्पन्न, सुव्यवस्थित, अति-उत्पादक हो। जिन्होंने स्वयं को तूफानों से बचाने के लिए विश्व स्तर का और ध्यानपूर्वक, प्रातःकाल के विधिविधानों अनुष्ठानों का कवच बना लिया है, वे वास्तव में इस स्थिति में रहेंगे कि सारी अव्यवस्थाओं को विशाल अवसर बना देंगे। सारी दुविधाओं को स्वच्छ निर्मल, प्रबुद्ध और प्रशान्त ज्ञान में परिवर्तित कर देंगे, जो उन्हें जीत दिलाता है।"

अरबपति ने अपनी पगड़ी को रगड़ा और किन्हीं कारणों से, जिन्हें उसके दोनों विद्यार्थी नहीं समझ सके, धीमे-धीमे बोलना आरम्भ कर दिया।

“यहाँ मैं तुम्हें जो प्रथम अन्तर्दृष्टि प्रदान करूँगा, वह यह कि हमारा मस्तिष्क विस्तारित होने की दृष्टि से निर्मित हुआ है। हाँ, मैं उन लोगों के साथ सहमत हूँ जो अपने निजी और उद्यमी जीवन में अटककर रह गए हैं, और वे, जो एक मानसिकता में कार्य कर रहे हैं, जिसे पलटा नहीं जा सकता क्योंकि तब मानसिक सम्भावनाएँ होती हैं जो तर्क करेंगी कि वे किसी भी प्रकार से वह सुधार नहीं कर सकते उन्हें महान् आदतों से जुड़ने के लिए 5 AM क्लब का उन्हें सदस्य बनने की ज़रूरत हैं। वे मरते दम तक लड़ते रहेंगे कि क्यों अपनी रचनात्मकता, उत्पादकता को, अपनी सम्पन्नता तथा सफलता और प्रभाव को इतना नहीं बढ़ा सकते, की सच्चाई क्या है। वे पूरी तरह से आपको विश्वास दिलाने में जुट जाएँगे कि उनके तर्क बुद्धिसंगत हैं मगर वे एक अद्भुत जीविका नहीं पैदा कर सकते और न एक उत्कृष्ट और उत्तम निजी जीवन आरम्भ कर सकते हैं। लम्बे समय से, उन्होंने अपनी शक्ति त्याग दी है ताकि परिवर्तन हो सके। उन्हें अब विश्वास हो गया है कि उनके पास सामर्थ्य है ही नहीं लम्बे समय तक अपनी शक्ति की अवहेलना करो, धीरे धीरे आपको विश्वास हो जाएगा कि आपके पास है ही नहीं मगर उनकी परिस्थिति का सच अलग ही है। यथार्थ तो यही है कि ऐसे व्यक्ति अच्छे, अच्छी भावनाओं वाले, प्रतिभाशाली व्यक्ति ने अपने साम्राज्य की शक्तियों को इतने अधिक बार विकत, भ्रष्ट होने दिया कि वे अब अकर्मण्य तथा निष्क्रिय हो गए हैं। हाँ, अधिकांश व्यक्ति निष्क्रिय हैं, बजाय सक्रिय होने के, अपने भीतर की अपनी उम्मीदों के लिए। और, अब उन्होंने अनजाने में ही बहानों की श्रृंखला बना ली है कि वे अपने काम में, नायक बनकर सामने क्यों नहीं खड़े हो सकते हैं और अपने जीवन, योग्य निर्माता क्यों नहीं हैं, क्योंकि वे अपने अवरोध स्थल की सुरक्षा को छोड़कर, उन सुधारों को करके, जो उन्हें यश देंगे, से - भयभीत हैं।”

अरबपति, हवा के एक बड़े घूँट को गुटकने के लिए रुक गये। सूर्य की एक सुनहरी किरण ताजमहल पर पड़ी। उन्होंने आगे कहा -

“विज्ञान ने अब सुनिश्चित् किया है कि हमारे मस्तिष्क का विकास जीवन भर होता है इस सुन्दर घटना को न्यूरोप्लास्टिसिटी कहते हैं। और यह सत्य को बताता है कि मानव-मस्तिष्क, निजी आत्मशक्ति के ही समान, काफी हद तक मांसपेशी की तरह ही है,जैसा पहले ज्ञात नहीं था। यह एक प्रकार का प्लास्टिक है। इसे धकेलो और यह बढ़ जाएगा, इसे मोड़ो, टेढ़ा-मेढ़ा करो, लचीला बन जाएगा। और अपने सबसे उज्ज्वल भेंट की सबसे लम्बी अभिव्यक्ति में और शक्तिशाली बन जाती है। अतः आप सुनिश्चित करना चाहते हैं तो अपने दिमाग़ की कसरतें जोर-शोर से करें ताकि वह नई आदतें, जैसे प्रात:काल जल्दी उठने की अपनी नई आदत बना लें। “न्यूरोन्स जो एक साथ विस्फोटित होते हैं, आपस में जुड़ते भी जल्दी हैं, इसे आप जानते तो हैं। जब आप दैनिक सारणी को दोहराते हैं, और अपनी जीवन-शैली में लाना चाहते हैं तो यह अधिक सरल और परिचित हो जाता है यह एक विशेष तथ्य है जिसे ध्यान में रखना चाहिए, फिर उस पर काम करें।”

“मुझे कभी भी नहीं मालूम था कि हममें, सचमुच, अपने दिमाग़ को विकसित करने की सामर्थ्य है,” उद्यमी ने उत्साहित होकर ध्यान दिया। “और, मेरी समझ में आप यह कहना चाहते हैं कि हम किसी नई आदत का जितना अधिक अभ्यास करते हैं, तो हमारा दिमाग़ उस पर अधिक कार्य करेगा और हम उसका हिस्सा बनने के लिए विकसित होते जाएँगे। ठीक?”

“हाँ,” अरबपति ने प्रतिक्रिया में उत्तर दिया। उसे यह देखकर आनन्द आ रहा था कि ये दो व्यक्ति, जिन्हें वह शिक्षा दे रहा था उससे उनमें सुधार हो रहा था। वास्तविक नेता जब अपने साथियों की प्रतिभा पर रोशनी फेंकते हैं तो स्वयं बहुत आनन्द अनुभव करते हैं।

“सशक्त सोच,” उसने आगे कहा। अब उसकी अँगुलियाँ विश्व के अजूबे की दीवार पर थीं। “तुम्हारे पास वह दिमाग़ नहीं है जो आप चाहते हैं, आपके पास वह दिमाग़ है जो आपने विकसित किया है। अथवा, इसी को दूसरे प्रकार से कहें-। आपके पास वह दिमाग़ नहीं है जिसकी आप कामना करते हैं, आपके पास वह दिमाग़ है, जिसके आप योग्य हैं - इस आधार पर कि आप उसका किस प्रकार से उपयोग कर रहे हैं। अपने साधनों से हटकर, आप अपने दिन बिताएं, टेलीविजन के पगहे से बँधे हुए, अधिकांश मूर्खतापूर्ण अनुसरण करते, और तुम्हारा दिमाग तुम्हारे बुरे व्यवहार के कारण अब दुर्बल और शिथिल हो जाएगा अन्य माँसपेशियों के ही समान अपुष्ट होकर क्षीण हो जाएगा। और इसका परिणाम होगा दुर्बल संज्ञा-बोध, धीमी ज्ञानप्राप्ति और निम्न स्तरीय विश्लेषणात्मक शक्ति। आपकी प्रतियोगिता आपको नष्ट कर देंगी और आपके लक्ष्य आपको चतुराई से टालेंगे। दूसरी ओर, जब

आप अपने दिमाग़ को समझदारी से काम में लाते हैं, उसकी सीमाएँ बढ़ाकर, टायटन, की तरह चलाना तो वह विस्तारित होकर अपनी सम्पर्कशीलता को बढ़ाकर-उत्पादनशीलता में, कार्य-निष्पादन में और प्रभाव में महत्त्वपूर्ण लाभ दिलाएगा। लन्दन के टैक्सी ड्रायवरों के दिमाग़ का अध्ययन करने से ज्ञात हुआ कि स्थानिक तर्क के लिए जिम्मेदार क्षेत्र हिपपोकॅम्पस-बहुत महत्वपूर्ण ढंग से अधिक बड़ा था, बजाय सामान्य व्यक्तियों के दिमाग़ की तुलना में। अन्दाज़ लगाएँ-क्यों?"

"लन्दन की सड़क-व्यवस्था की जटिलता के कारण," कलाकार ने विश्वासपूर्वक कहा।

"तुम समझ गए", अरबपति ने तालियाँ बजाईं। "अतः, जिस प्रकार से आप व्यायाम-शाला में जाकर, डम्बल्स को उठाकर या पुश-अप्स करके, अपने बायसेप्स को विकसित करते हैं, लन्दन के टैक्सी ड्राइवर प्रतिदिन अपनी अश्वमीन को उचकाकर व्यायाम देते हैं। और जैसा मैंने कहा था, दिमाग़ कहीं अधिक माँसपेशियों जैसा है, मस्तिष्क ज्ञानियों की समझ से अधिक जैसा उन्होंने पहले समझा था। इसका वह हिस्सा बलवान हो गया। देखो हम इन्सान कितने शक्तिशाली हैं। हमारे सामने आए न्यूरोप्लास्टिसिटी का यह एक अद्‌भुत उदाहरण है। दिमाग को मज़बूत किया जा सकता है, रूप दिया जा सकता है और अनुकूलित किया जा सकता है। अगर हम ऐसा करने चाहें तो। जब तुम लोग घर पहुँच जाओ, इस व्यवस्था पर भी अध्ययन करना जो आश्चर्यजनक रूप से दिमाग़ के स्वाभाविक गुणों को, जो सच में, नए न्यूरोन्स को जन्म देते हैं। विकसित हो रहा न्यूरोसाइन्स हमें समझाता है कि आज के प्रत्येक जीवित मनुष्य, फिर वे चाहे जहाँ रह रहे हों, किसी भी आयु के हों, चाहे जो कुछ भी करते हों, या उनका विगत कितनी ही मुसीबतों-कष्टों में बीता हो, अविश्वसनीय रूप से उत्तेजक हैं," टायकून ने उबलते हुए कहा।

"चलो ठीक है," उसने कहा, "अब से सिर्फ इतना जान लो कि दिमाग़ की हालत में, पिटकर बढ़ने की शक्ति और पेशीतंत्र होता है। और जो महान् लोगों को महान् बनाते हैं, वे जानते हैं कि रोज की परेशानियाँ ही वह मूल्य हैं जिससे चिरस्थाई सफलताएँ मिलती हैं। और यह, कि स्वयं को जोरों से ठेलने से, हमारा दिमाग़ उस प्रकार का बन जाता है जो सैनिक श्रेणी का अनुशासन निर्मित करता है। यह मानो कल्पना है कि सुविशेष उत्पादकों का जीवन बहुत सरल था!" अरबपति ने जेब में हाथ डाला, एक बन्द लिफाफा निकाला और उसे उद्यमी को दे दिया।

"कृपया इसे खोलो और हम सब को इसे पढ़कर सुनाओ, अपने समस्त विश्वास और उत्साह के साथ, जो तुममें हो।" उद्योगपति ने नम्रता से निवेदन किया।

अन्दर, बहुत सुघड़ता से तह किए श्रेष्ठ लेखन-सामग्री पर, उद्यमी ने निम्नलिखित शब्द पढ़े जो यशस्वी दार्शनिक फ्रेडरिच निएट्ज़श्चे ने लिखे थे :

> गुणवत्ता और जन्मजात प्रतिभा के बारे में बात मत करो, न जन्मजात बुद्धिमत्ता के बारे में! हम सभी प्रकार के महान व्यक्तियों का नाम ले सकते हैं, जो बहुत कम प्रतिभा सम्पन्न थे। उन्होंने महानता पाई, "प्रतिभाशाली" बने, उन गुणों के द्वारा, जिनके अभाव में, कोई नहीं जानता कि वे किस बात की डींगें मारते : उन सबों में कुशल कारीगर की गम्भीरता थी, जो पहले सभी अंगों का उचित निर्माण करना सीखते हैं। तब उसे एक महान् सम्पूर्णता का स्वरूप देते हैं; वे स्वयं को समय देते हैं, उसके निर्माण का, क्योंकि उन्हें नन्हीं- गौण वस्तुओं का निर्माण करने में, अधिक आनंद आता है बजाए चकाचौंध के प्रभाव के।

"कृपया, पृष्ठ को पलटें", अरबपति ने निवेदन किया। उनकी आँखें चमक रही थीं क्योंकि ताजमहल में रोशनी ने प्रवेश किया था।

उद्यमी ने दूसरे उद्धरण को पढ़ा जो उसकी समझ से सावधानी से बैंगनी स्याही के फाउंटन पेन से लिखा गया था। पंक्तियाँ अंग्रेजी के कवि विलियम अर्नेस्ट हेनरी की थीं। कल्पना करें इन शब्दों की, आपकी आत्मा की अतल गहराई में जाकर जो निर्दोष भावनाओं से मिल जाते हैं :

> बात यह नहीं कि मार्ग कितना
>
> कठिन है, या,

कितनी सजाओं से दण्डित-भरित,

मैं हूँ ना, अपने भाग्य का नियन्ता,

अपनी आत्मा की कमान का कप्तान!

“महाज्ञानी और प्रज्ञा प्रवीण तथा सभ्यता के उन्नायक-सभी ने दुर्गम दिन बिताए थे,” बात को अरबपति ने विस्तारित किया। उन्होंने कठिन प्रशिक्षण लिया वे मुश्किलों में से गुज़रे, पाठ सीखा। एक अवधि उधार लेना जैसे आज, बहुत से सुपरस्टार खिलाड़ी उद्योग करते। उन्होंने अपनी सम्भावनाओं को विध्वंसक तरीके से आगे बढ़ाया। वे, जब बात उनकी भव्य क्षमता के सम्पूर्ण पूंजीकरण की हो तो, बड़े महत्वाकांक्षी, निर्विराम और भीषण थे। लैटिन भाषा की जड़ से निकले ‘Passion’ शब्द का अर्थ “suffer-कष्ट उठाना होता है। इन स्त्री-पुरुषों ने अपनी दृष्टि विचारों में तथा आकांक्षा के लिए कष्ट कहा। उन्होंने अपनी प्रवीणता में वृद्धि के लिए दुःख सहा और अपने कौशल के सफल होने के लिए बलिदान दिए। उन्होंने अपनी कारीगरी को उन्नत कर के और प्रलोभनों को त्याग कर भारी पीड़ा का अन्त किया। मैं अवश्य कहूँगा, कि उन्होंने विश्व की हालत के लिए भी कष्ट पाया। अपनी कल्पनाओं से कम अर्जित करना, अपने विश्व को झुकाता है आप जानते हैं। यह ग्रह, आपकी महानता के बिना और ज्यादा गरीब, बेचारा स्थान बन जाता है।”

सहसा, अरबपति अपने घुटनों पर गिर गया। वह जमीन पर सीधा पड़ा था। आँखें बन्द थीं। दोनों हाथ छाती पर थे। फिर, टायकून जोरों से खर्राटे लेने लगा।

“अब क्या करने लगे, भाई?” कलाकार ने पूछा, वह दोनों ही लग रहा था - उलझा हुआ और खुश।

तेज़ी से उत्तर मिला – “समझ-बूझकर परेशान।”

और खर्राटे।

“मुझे मेरा टेडी बीयर चाहिए!” वह रोया।

“और मेरी जॅम्मियाँ।”

स्टोन रिले ने तब अपना अँगूठा चूसना आरम्भ कर दिया।

“वह नकली है,” उद्यमी हँसने लगी, घुमक्कड़ उद्यमी के एक और करतब पर।

हम देख पा रहे थे कि अरबपति अब हँस रहे थे, अपनी हास्यास्पद प्रवीणताओं के कारण, साथ ही अपनी समझाने की अद्वितीय विशेषताओं के कारण, प्रभावित।

ज़मीन पर पड़े-पड़े ही, वह बोले : “अपनी इच्छा शक्ति को बनाने का एकमात्र उपाय है, स्वयं को असुविधाजनक स्थिति में रखो। निपुण वक्ता इन्हें “बलदायी दृश्य-विधान” कहते हैं। जब मैं बहुत छोटा था, और स्वयं को वश में रखने की सामर्थ्य बहुत कम थी जिससे मनचाहे काम नहीं कर सकता था, तो उन्हें करने की मेरी इच्छा बहुत निर्बल थी; तो मैं अपनी कम बलवान कामनाओं की बात सरलता से मान लेता था। मेरी आत्म-नियंत्रण की स्नायुएँ बहुत शिथिल, थुलथुली और निर्बल थीं क्योंकि मैं उनकी कसरतें नहीं करता था। निपुण वक्ता समझते थे कि मुझे अधिक सशक्त बनने की आवश्यकता है, ताकि मैं 5 AM प्रकिया को आरम्भ कर सकूँ-जिससे वह मेरे पेशे के साथ, आजीवन रह सके। तो, उन्होंने मुझे सक्रिय रूप से कठिनाइयों की परिस्थितियों में रखना आरम्भ कर दिया। और उसने जादू के समान काम किया।”

“किस तरह की परिस्थितियाँ?” कलाकार ने पूछा।

“सप्ताह में एक बार मैं जमीन पर सोया।”

“क्या सच में?” उद्यमी ने पूछा, “सच में?”

“पूर्णतया”,अरबपति ने स्वीकृति दी। “और फिर मैंने सुबह ठण्डे पानी से नहाना शुरू कर दिया। सप्ताह में दो बार, मैं उपवास करता था, जैसा दुनिया के स्त्री-पुरुष अपनी आद्य/आदिम शक्तियों को प्रकट करने के लिए और उसे पूँजी बनाने के लिए करते हैं। यह अनूठा था कि मैं उपवास के समय कितना समय बचाऊंगा जब मैं नहीं

खाऊंगा और आश्चर्यजनक ढंग से मेरा सोचना कितना स्पष्ट होगा और मुझमें कितनी ऊर्जा होगी ओह! और जब मैं अपनी अटारी में होता, ज्यूरिच में, अपनी सबलता और धैर्य को बढ़ाने के लिए, मैं कुछ सर्दियों के व्यायाम करता जो मुश्किल होते, जैसे, सिर्फ टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहनकर बर्फ पर दौड़ना।"

अरबपति खड़े हो गए।

"मैं ठीक यही सुझाव तुम लोगों को दे रहा हूँ, जब से ताजमहल पहुँचे हैं : तुममें विश्व-स्तरीय आत्म-नियंत्रण की सामर्थ्य है। विज्ञान इसका समर्थन करता है। उसका वास्तविक तरीका है अपने दिमाग़ को प्रेरित करना कि वह नए न्युरल मार्गों को विकसित करे तथा अपनी संकल्प-शक्ति को बाध्य करे कि वह अपने स्नायुओं को नमन करके मोड़े और बढ़ाए। इन प्राकृतिक साधनों को उनके उच्चतम स्तर तक ले जाए। इस प्रकार से कोई भी इतना सबल, साहसी और अजेय बन सकता है कि फिर वह चाहे जैसी रुकावट का सामना करे, और कठिनाइयों का अनुभव करें, वे अपनी खोज में लगे रहते हैं ताकि अपने सुनहरे लक्ष्य पा लें। आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि नेवी के सैनिकों और SAS के सदस्य - वास्तविक संकल्प-शक्ति के योद्धा, सक्रिय रूप से स्वयं को, जान-बूझकर उत्साह रौंदते और कुचलते दृश्यों में क्यों शामिल करते हैं? वे सारी, बारिश में लम्बी दौड़ें, पीठ पर वज़नदार सामान, कीचड़ में से, आधी रात को, घिसटते हुए निकलना, असभ्य भोजन और संयमी वातावरण में रहना। अपने भयों का मुकाबला ऐसी परीक्षाएँ देकर करना जैसे, चोटियों से समन्दर में कूदना, उल्टी तैराकी आँखों पर पट्टी बाँधकर, या सहनशक्ति की परीक्षाएँ मानसिक अधोगति के साथ, ताकि वे स्वयं को सिखा सकें कि सारी सीमाओं को पार करके आगे कैसे बढ़ें। देखो छिछोरों, बहादुरी और कठिन वस्तुओं को करने का सामर्थ्य जो आपकी सम्पूर्ण महानता को प्रकट करने के लिए जरूरी है-यह दैविक आशीष नहीं है। नहीं, नहीं है। यह एक ऐच्छिक अभ्यास है। मज़बूती-और इस्पाती इरादे-समर्पण माँगते हैं। अत:, मैं बहुत अधिक सुझाव दूँगा कि आप अपने दैत्यों का दम घोंटना शुरू करें और अपने दैत्य को मार डालें और दक्षतापूर्वक काम कर के अपने दानवों, पिशाचों को गले लगाएँ। यह उच्च कोटि की उपलब्धियों को पाने का और अन्त में निजी जीवन जीने का, जिसके लिए आप सदा अभिमान करेंगे, सुनिश्चित् मार्ग है। जानते हैं, यह मुझे आयरिश नाट्य-लेखक ज्यॉर्ज बर्नार्ड शॉ की याद दिलाता है। "बालक, क्या उस लड़के की दाढ़ी अच्छी थी," अरबपति ने अजीब तरह से कहा।

"क्या कभी उसे देखा है?" उसने आगे कहा।

"मैंने तो नहीं," कलाकार ने उत्तर दिया।

"तुम्हें देखना चाहिए, वह गठीला है।"

फिर उसने अपनी उँगलियों को आठ बार चटकाया। इसके बाद, एक अनजान आवाज़ ने, स्मारक के अन्दर कहीं से, गरजते हुए कहा, "समझदार व्यक्ति खुद को दुनिया के अनुकूल ढाल लेता है : अविवेकी, प्रयत्न करता है कि दुनिया उसके अनुकूल हो जाय। अत: समूचा विकास असन्तुलित व्यक्ति पर टिका होता है।"

आवाज़ शान्त हो गई।

"ज्यॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने अपने चार अंकों के नाटक "मेन एंड सुपरमॅन" में, कहा जिसे सन् 1903 में लिखा गया था। मैं बस यह कहना चाहता हूँ : जब बात आपकी भेंटों, आपकी प्रतिभा, उल्लेखनीय आकांक्षाओं तथा विश्व को बदलने के सहज बोध या मूल ज्ञान की हो, चाहे जिस प्रकार से, जो आपके अनुकूल हो, तो स्वयं के साथ कभी भी, कैसे भी दया मत दिखाना।"

"अरबपति कुछ थमा और फिर ऐसा-कुछ किया जिसे उसके दोनों विद्यार्थियों ने पहले किसी को कभी ऐसा करते नहीं देखा था। उसने अपने बाँयें हाथ के अँगूठे और तर्जनी उँगली के बीच के मांस को चूमा। दुनिया को उबारने से पहले स्वयं से प्यार करना सीखो। इतनी-सी बात है," उसने मुस्कुराते हुए कहा, तब परामर्श देना आरम्भ किया।

"प्रेरणादायक," कलाकार ने स्वीकार किया, "जो ज्यॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने कहा था।"

"शोधों से साबित हुआ है कि स्वयं को प्रशिक्षित करना ताकि आप अपनी शीर्ष उपलब्धियों को अधिकतम काम में ला सकें, वही आपके जीवन की वीरकथा की सिरमौर उपलब्धि है।" अरबपति ने आगे कहना जारी रखा। "वेल्श अन्वेषक हेनरी मोर्टन स्टेनले को ज्ञात हुआ था कि आत्म नियंत्रण अधिक कठिन है बजाय विस्फोटक गन पाउडर के।"

“सच में प्रेरणादायक,” उद्यमी ने प्रतिध्वनि की।

“देखो, यह प्रवाद है कि यशस्वी व्यायामी और आदर्श कलाकार तथा आदरणीय राजनैतिक स्त्री-पुरुषों में स्वाभाविक रूप से अधिक इच्छा-शक्ति होती है, बजाय हम लोगों के। यह बहुत बड़ा झूठ है। सच तो यह है कि इन असाधारण लोगों ने भी सामान्य तरीके से जीवन आरम्भ किया था, और फिर, निरन्तर कड़ी मेहनत के बाद अपनी प्रतिदिन की श्रेष्ठ तथा विशिष्ठ आदतों को करने के बाद, अपनी कामनाओं और प्रलोभनों को बन्धन में रोककर उन्होंने, सभ्यता को पाकर वे अतिमानव बन गए।”

“छोटी-छोटी, प्रतिदिन की, दिखने में महत्वहीन बातों में सुधार, जब लगातार, लम्बे समय तक किया जाता है तो विस्मयकारक परिणाम सामने आते हैं,” कलाकार ने टिप्पणी की और खुशी से, कीमती दिमाग़ के टेट्टू को, दोहराने लगा अपनी स्मरणीय यात्रा पर, गले से लगाए रखा। उसने उलाँघकर उद्यमी के, हाथ को थाम लिया।

“हाँ, यह ठीक है,” अरबपति ने स्वीकृति दी। मानव चक्षुओं को अपनी इच्छाशक्ति के निकट जो अदृश्यमान तथा अनन्त, आसीम दिखता है, जब उन्हें प्रतिदिन किया जाता है तो वह ही आपको मायकेल एंजलो, या द‘विन्सी, अथवा डिज़नी, और चॉपलीन, और या कोको चेनल या रॉजर बेनिस्टर या पेले और या मार्क्स ऑरेलियस या कॉपरनिकस तक बना देते हैं, लम्बे समय के प्रशिक्षण से। सारी प्रतिभाएँ सामान्य व्यक्ति के रूप में ही आरम्भ हुई थीं। मगर उन्होंने अपनी शक्ति को इतनी बार, बार-बार बनाया कि वे विश्व-स्तर के, स्वयं चलित बन गए। यहाँ, एक और ब्रेन का टेट्टू है जो निपुण वक्ता ने मुझे सिखाया था : “दर्शनीय कार्य साधकों के प्रदर्शन इतने दर्शनीय होते हैं, और वे इतने दिनों से अभ्यास कर रहे होते हैं कि वे भूल जाते हैं कि अब, अदर्शनीय प्रकार से कैसे व्यवहार करें।”

“अत:, व्यावहारिक रूप से कहें तो, हम कहाँ से आरम्भ करते है?” उद्यमी ने पूछा। “क्योंकि मैं जानती हूँ कि हम दोनों को अधिक आत्म-नियंत्रण की आवश्यकता है, और उन अद्‌भुत आदतों की जो जीवन भर बनी रहें। विशेषकर सुबह 5 बजे को उठना।”

उद्योगपति ने निर्देश दिए - “मेरे अनुगामी बनो।”

मि. रिले उन्हें स्मारक के गलियारे में ले गए, कम रोशनी के कमरों की पंक्ति को पार करके, एक छोटे-से चेम्बर में ले गए। एक कोने में एक ब्लैक बोर्ड रखा था। अरबपति ने चॉक के एक टुकड़े को उठाया और इस रेखाचित्र को बनाया :

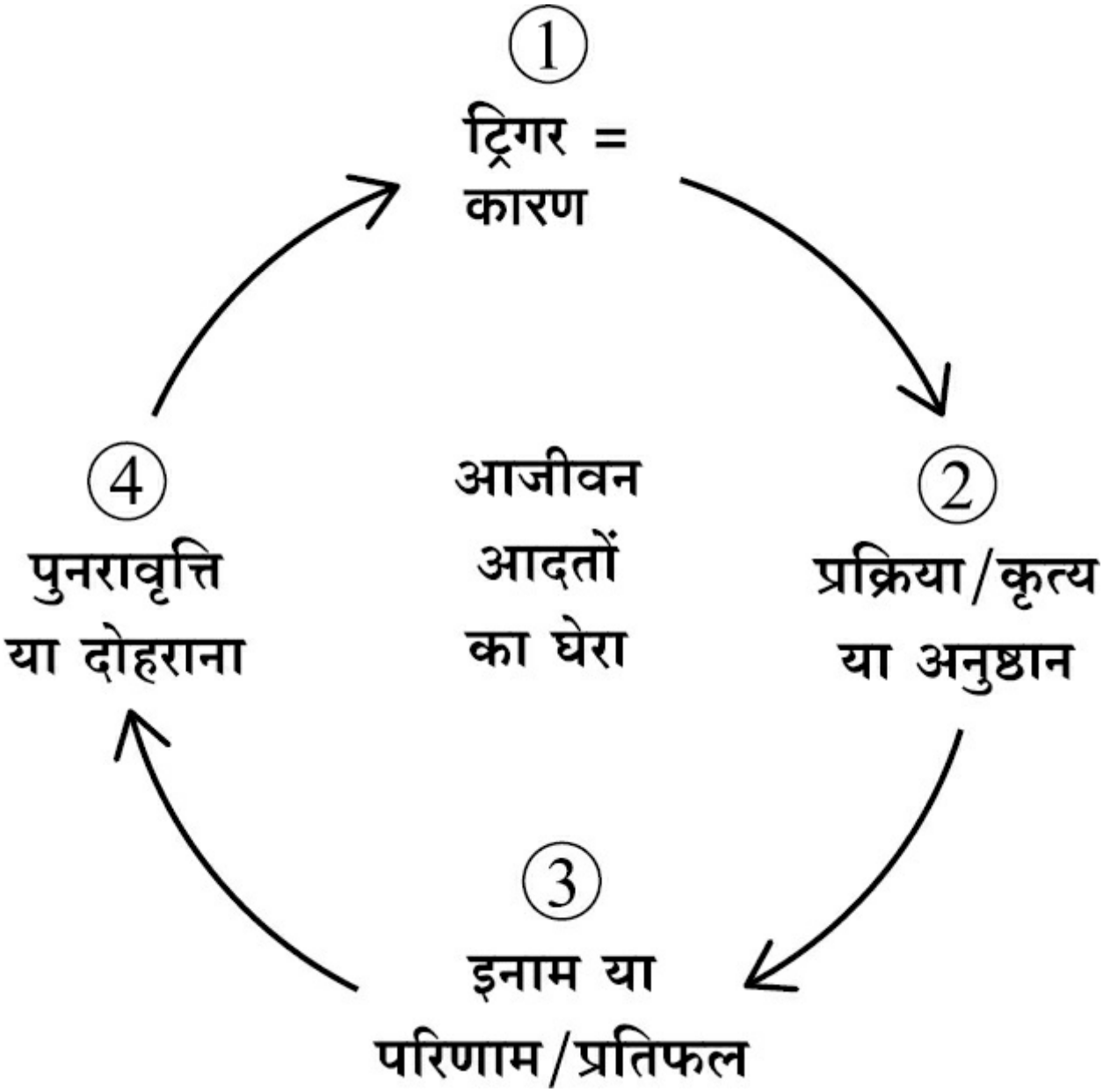

उन्होंने आरम्भ किया, “यह सामान्य रेखाचित्र आदतों के अद्यतन अभ्यास पर आधारित है कि आदतें कैसे बनती हैं। आपका आरम्भिक बिन्दु है किसी कारण का निर्माण। प्रातःकाल में अपने शीघ्र उठने को जोड़ने के लिए, यह इतना सरल हो सकता है जैसे स्कूल के दिनों की, पुरानी अलार्म घड़ी को अपने बिस्तर के पास रख लेना जो प्रात: 5 बजे बजने लगती है। जब हम रोम में होंगे तो वहाँ, मैं बताऊंगा कि क्यों आपके शयन कक्ष में कोई भी शिल्प-विज्ञान नहीं होना चाहिए।”

“रोम?” उद्यमी और कलाकार, दोनों एक साथ चीखे।

अरबपति ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया।

“एक बार आपकी अलार्म घड़ी का ट्रिगर जगह पर आ गया, अगला कदम है, जिसे आप मेरे रेखाचित्र में देख सकते हैं कि आपको वह प्रक्रिया करनी चाहिए जिसका कूट बनाना है।”

“अत: हम सीधे बिस्तर में से निकलते, है न?” उद्यमी ने पूछा।

“हाँ”, अरबपति ने कहा। “यह कुछ अटपटा लगता है, मगर आपका तार्किक दिमाग़-आपको बहानों की ढेरी दे दे कि फिर से सो जाना क्यों उचित है। इसी क्षण में, यदि आप बिस्तर में से निकल आए तो अल-सुबह उठने का, आपके दिमाग़ का, न्यूरोप्लास्टिसिटी की शक्ति के द्वारा न्यूरल सर्किट बन जाएगा। और याद रखें : दिमाग़ के मार्ग जो एक साथ विस्फोटित होते हैं, वे समय आने पर साथ-साथ जुड़ भी जाते हैं, एक समर्थ तांत्रिक न्यूरल के रूप में। उसी क्षण में, जब आप गद्दे पर बने रहने, या उठकर खड़े हो जाने और अपने महान् प्रभात को आरम्भ कर दें, तब आपको मौका मिला था, अपनी इच्छाशक्ति को सबल बनाने का। यह आरम्भ में असुविधाजनक होता है, मैं जानता हूँ।”

“सभी बदलाव, आरम्भ में कठोर होते हैं, बीच में गँदले और अन्त में शानदार और भड़कीले। कलाकार ने दखल दिया और निपुण वक्ता के ब्रेन-टाटू को बोलकर पुनर्जीवित किया।”

“हाँ”, अरबपति ने सहमति दी। चार हिस्सों के प्रोग्राम के नक्शे का अगला कदम अनुष्ठान है, सुनिश्चित् करना कि आज के उपहार सब अपनी जगहों पर हैं। उपहार हैं जो धक्कार दे कर फिर आपकी इच्छा को विकसित करके नई आदत बनाता है। उपहारों की शक्ति का उपयोग अपनी विजयों को आगे बढ़ाने के लिए करें। अतः, हम कल्पना करें कि आप वह करते हैं, जो जानते हैं कि सही है, बजाय उसे करने के जो सरल है और बिस्तर में से उछलकर बाहर आ जाते हैं - जैसे ही अलार्म बजता है। मैं अब तुम्हें पूरी तरह से समझाऊँगा कि आपको अपने विजयी समय-प्रात: 5 से 6 के बीच क्या करना चाहिए जब मैं आपको *20/20/20* सूत्र में से गुज़ारूँ।

“हे प्रभु! क्या तुम उसे हमें, कभी भी सिखानेवाले हो!” कलाकार ने फिर से टोका। मगर वह उद्धत नहीं था। यदि तुम उन तीनों के साथ, चेम्बर में होते, तो पता चलता कि उन्होंने इस प्रकार से क्यों कहा, क्योंकि वे सिर्फ 5 AM तरीके में दिलचस्पी रखते थे। बस!

“*20/20/20* सूत्र कल सुबह की शिक्षा का विषय है।” समस्त लालित्य के साथ अरबपति ने समझाया। “अब हमें तृतीय सीढ़ी पर ध्यान देना चाहिए। तुम्हें उसके लिए उपहार स्थापित करना होगा। यही बात संकल्प शक्ति के लिए सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक कहते हैं कि हमें वास्तव में स्वभावों का निर्माण करना होगा, जो चिपककर रह जाएँ। सूर्य के साथ-साथ सोकर उठने का आपका इनाम लंच के बाद डार्क चॉकलेट का एक बढ़िया टुकड़ा, पाना हो सकता है। वह, दोपहर के भोजन के बाद, सो जाना भी हो सकता है, जो इस विश्व की सबसे मनचाही और इच्छित विधि भी है। वह, आपको एक पुस्तक की भेंट भी हो सकती है, जिसे आप अपनी लायब्रेरी के लिए, बहुत दिनों से खरीदना चाहते थे। आप देख सकते हैं आपके लिए क्या सही है।”

“पा लिया”, उद्यमी ने कहा। अब वह सुनिश्चित् हो गई थी कि ये सारी जानकारियाँ उसे अवश्य अपने उद्यमी खेल में ऊपर उठाएँगी और नाटकीय ढंग से मानसिकता को, हृदय-स्थापना और आत्मा तथा स्वास्थ्य को ऊर्ध्व दिशा देकर उसके जीवन को वास्तव में उत्कृष्ट बना देंगे।

“बढ़िया! यह हमें हमारे नक्शे के रेखाचित्र के अन्तिम बिन्दु तक लाता है। अरबपति ने अपने चॉक के टुकड़े से “पुनरावृत्ति” लिखे शब्द को ब्लैकबोर्ड पर छुआ, ताजमहल के उस कमरे में।”

निम्न आत्मा के अपने सबसे कमज़ोर आवेग को नष्ट करने का तरीका और स्वयं को तृष्णा और प्रलोभन से स्वतंत्र करने के लिए, जो आपके उत्तम को रोक रहा है, निरन्तर नए व्यवहार को दोहराना है जिसे आप स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में जो शब्द मस्तिष्क में आता है, वह है-अटल। अपनी प्रतिज्ञा पर अटल रहो और आजीवन 5 AM क्लब के सदस्य बने रहो। पूर्ण रूप से समर्पित रहो, जीवनबदल आत्म वादे के अनुसरण में कोई बहाने न करो। हर बार जब आप अनुसरण करते हैं तो आप अपने स्वयं के प्रभुत्व के साथ सम्बन्ध गहरा करते हैं है। हर बार, जब आप प्रात:काल उठते हैं, आप अपने चरित्र को पावन करते हैं, आत्मशक्ति को किलेबन्द करते हैं और अपनी आत्मा की अग्नि को बहुविध रूप से आवर्धित करते हैं। मुझे लगता है कि मैं इन दो व्यक्तियों को यह समझाने में समर्थ होऊँगा कि आपकी महानता आपकी बाहरी गतिविधियों से, दर्शकों के सामने, प्रकट नहीं होती बल्कि नर्म तथा आरम्भिक सूर्य-किरणों में, एकान्त के अभ्यास में होती है आप विश्व में अजेय हो जाते हैं , उन बातों से, जिन्हें आप तब करते हैं, जब कोई नहीं देखता।”

“मैंने पराक्रमी खिलाड़ी दलों के बारे में काफी पढ़ा है”, उद्यमी ने कहा। उसने मुझे मेरी कम्पनी में साहसिक दल बनाने में यथेष्ट सहायता दी है। और उससे यदि मैंने कोई चीज़ वहाँ सीखी है तो वह है कि विजेता दल ने अन्तिम क्षणों में जिस भाँति खेला था, वह कम महत्वपूर्ण था, बजाय वे जिस प्रकार से अनुशासित होकर अभ्यास

किया करते थे।"

"बिल्कुल ठीक", अरबपति ने सहमत होते हुए कहा। "चैम्पियनशिप की अन्तिम क्षणों की अद्‌भुत गति-विधियाँ "- स्वयमेव थीं, कई घंटे अथक , बार-बार दोहराने का परिणाम थीं, जिसे उन्होंने अभ्यास के समय अद्‌भुत तरीके से सीखा था।"

"तृप्तिदायक विचार है", कलाकार ने अपने आप में सोचा।

"मैं, आज सुबह, शेष एक और, गुर को बताना चाहता हूँ, इससे पहले मैं, आप चुलबुलों को जाने की आज्ञा दूं जो पूर्णतया स्पष्ट कर देगा कि किस तरह किसी आदत को स्थापित करने में 66 दिनों की प्रक्रिया लगती है। मगर फिर भी, उसे करने से पहले, मैं आत्म अनुशासन पर, अभ्यास के कुछ और तीव्र व्यावहारिक संकेत, आत्म-नियंत्रण पर सुझाऊँगा।"

"ठीक है", कलाकार बोला। "आज का पाठ मेरे लिए बहुत बड़ा हो गया है। मैं जानता हूँ कि यह मुझे शिथिलता को हरा देने में मदद करेगा और मुझे यकीन है कि यह मेरी कला की श्रेणी भी सुधारेगा। और मैंने पहले ही अपने शरीर-स्वास्थ्य को सुधारने में आंशिक लाभ पा लिया है।"

"हाँ, पाया है", कहकर उद्यमी ने आँख से इशारा किया।

"ठीक है, मगर इतना याद रखो कि इच्छा शक्ति टूट जाती है, जब वह थक जाता है। वैज्ञानिक उस स्थिति को "अहम् क्षीणता" कहते हैं।" देखो, आप हर सुबह, आत्म-नियंत्रण की पूरी बैटरी भर कर उठते हैं। इसीलिए मैं चाहता हूँ कि आप सबसे प्रमुख महत्वपूर्ण कार्यों को, अपने आत्म-प्रभुत्व के जागने के साथ ही, जब आपकी क्षमता अधिकतम हो सुबह 5 बजे कर लें। इसे देखें : जब आप अपने दिन में से गुजरेंगे-बैठकों में जाना, सन्देशों को पढ़ना और कार्यों को निबटाना, आपकी स्व-नियंत्रण की शक्ति घटती जाएगी-और उसी के साथ-साथ प्रलोभनों और अन्य दुर्बल उत्तेजनाओं को नियमित रखने की क्रिया भी। तथ्य कि मानव की नियंत्रण स्नायुएँ, निर्णय लेते रहने के कारण शिथिल हो जाती हैं। उसी से ज्ञात होता है कि बड़ी-बड़ी सफलताएँ पानेवाले बृहद सफल व्यक्ति भी, कोई ऐसा मूर्खतापूर्ण कार्य कर बैठते हैं, जो उनके पेशे को नष्ट कर देता है। वे इच्छाओं के वश में आकर अपना पतन कर लेते हैं, क्योंकि वे दिनभर महत्वपूर्ण निर्णय लेते रहते हैं। शाम होते-होते, उन की बैटरी में जरा-सी भी इच्छा-शक्ति नहीं बचती कि उनकी लालसाओं को रोक सके।"

"अत्यन्त आकर्षक", उद्यमी ने राय दी। "यह अनेकों बातों को सुलझा देता है।"

"तो कुंजी है, आराम और आत्म-नियंत्रण स्नायुओं की बहाली",अरबपति ने कहा। "उसे कभी भी अधिक थकने मत दो। आपकी आत्म-नियंत्रण शक्ति उस समय सबसे अधिक कमज़ोर होती है जब आप सबसे अधिक थके होते हैं। यहाँ सर्वाधिक सावधानी का निर्माण करें। हम अपने सर्वाधिक बुरे और निम्नतम निर्णय तभी करते हैं, जब हम पूरी तरह थके होते हैं। अत:स्वयंको क्षीण मत होने दें। अवधि मेरा एक बहुत ही सशक्त बोध सत्र इस के ऊपर है कि विश्व की सर्वश्रेष्ठ इच्छाशक्ति जैसे अनमोल खजाने की निजी उत्थान की खोई हुई कला के द्वारा रक्षा करता है, जिस शिक्षा की बाद में आपके लिए योजना बनाई है।"

मि. रिले खाँसने लगे। बुरी तरह से गले की खाँसी, जो नगण्य नहीं था।

"ओह", अपनी बात को बढ़ाया और हालत को सँभाला। कृपया इसे भी ध्यान में रखें, खोज इस बात को भी मानती है कि बाहरी आदेश हमारे अनुशासन को बढ़ा देता है। इसीलिए स्टीव जॉब्स ने सुनिश्चित किया कि Next में उसका कार्यक्षेत्र न्यूनतम वादी था और पूरा-सफेद रंग से रँगा था जब वह वहाँ थे। अव्यवस्था। हमारे आत्म-नियंत्रण को निचले स्तर तक ले जाता है साथ ही हमारे ज्ञान-बोध के विस्तार-क्षेत्र को चुरा लेता है।

"शायद इसी कारण से, इतने सारे तथाकथित मनीषी एक ही पोशाक को प्रतिदिन धारण करते हैं," कलाकार ने टीका की। "जीवन में व्यवस्था और संरचना रखना चाहते हैं। और उन्हें ज्ञात है कि प्रतिदिन प्रात: हम सीमित इच्छा और मानसिक एकाग्रता शक्ति के साथ जागते हैं। अतः सौगात में मिली इन मूल्यवान वस्तुओं को व्यर्थ में अनेकों छोटी-छोटी बातों की ओर बिखराकर कि क्या पहनें, क्या खाएँ, वे अनेकों मूल बातों को, यथा सम्भव, स्वचलता-कर लेते हैं ताकि अपना उच्चतम ध्यान कुछ महत्त्वपूर्ण गतिविधियों पर लगा सकें। अब मैं इस बात तक पहुँच रहा हूँ कि प्रतिभाशाली और अधिक बुद्धिमान कैसे बन जाते हैं। यदि मैं प्रतिदिन एक ही कार्य करता-अपनी कला, और शेष कुछ, छोटे-मोटे कार्य-तो मैं "निर्णय-थकान" से परेशान नहीं होता, जैसा आप उसे

कहते हैं। और उसका अर्थ होगा कि शाम को मैं इतना समय बरबाद नहीं करूंगा और दिन के समाप्त होते-मैं इतने बुरे चयन नहीं करूंगा, जैसे मूर्खतापूर्ण टी. वी. शो देखना, ढेर सारा जंक फूड खाना और टेक्विला की बहुत सारी चुस्कियाँ लगाना।"

"ठीक है, अरबपति ने समापन किया।" तुम लोग अब अच्छी तरह से जानते हो "सारे बदलाव, पहले तो, मुश्किल से होते हैं, वे बीच में अव्यवस्थित और अन्त में अलंकृत होते हैं। यह अन्तर्दृष्टि आपकी मानसिकता के डिफॉल्ट विश्वास के रूप में बसने के लिए अपने रास्ते पर अच्छी तरह से होनी चाहिए। आओ अब निपुण वक्ता के शक्तिवान दिमाग के टैटू को एक समर्थ आदर्श में अनिर्मित करें जो आदत निर्माण की उन तीन स्थितियों को समझा सके जिनमें से प्रत्येक आदत-स्थापना को गुजरना पड़ता है, इससे आपके पास सुबह 5 बजे उठने के लिए अधिक सामग्री की शक्ति रहेगी। अब, आप जो सीखने जा रहे हैं, निश्चय ही आपको अच्छा लगेगा। मुझे आश्वासन दें कि अब आप अपने श्रवण की आवाज़ को ऊँचा कर देंगे जब आप इसमें ध्यान दे रहे होंगे। तब हम इसे सुबह कहेंगे।"

"हम वादा करते हैं," उद्यमी तथा कलाकार ने एक साथ कहा।

"वायदा?" अरबपति ने पूछा कनिष्का उँगली को बहार निकालते हुए।

"हाँ" उद्यमी ने प्रत्युत्तर में कहा और अपनी उँगली गुरु से मिलाई।

"हाँ," कलाकार ने भी सहमति की और उसने भी वैसा ही किया।

"भयानक" रईस ने आगे होकर कहा।

एक सुरक्षा कर्मी जो उन तीनों साथियों को यहाँ लाया था, अन्दर आया और उसने अपने पीठ के बस्ते में से एक नक्शा निकाला। उसने अपनी टॉर्च की रोशनी को उस पर से गुजारा ताकि सब देख सके उस पर क्या लिखा है। पढ़ाई की सामग्री, जो दृष्टि पथ में आई, वह ऐसी दिख रही थी :

आदतों की संस्थापना का आद्य नियम

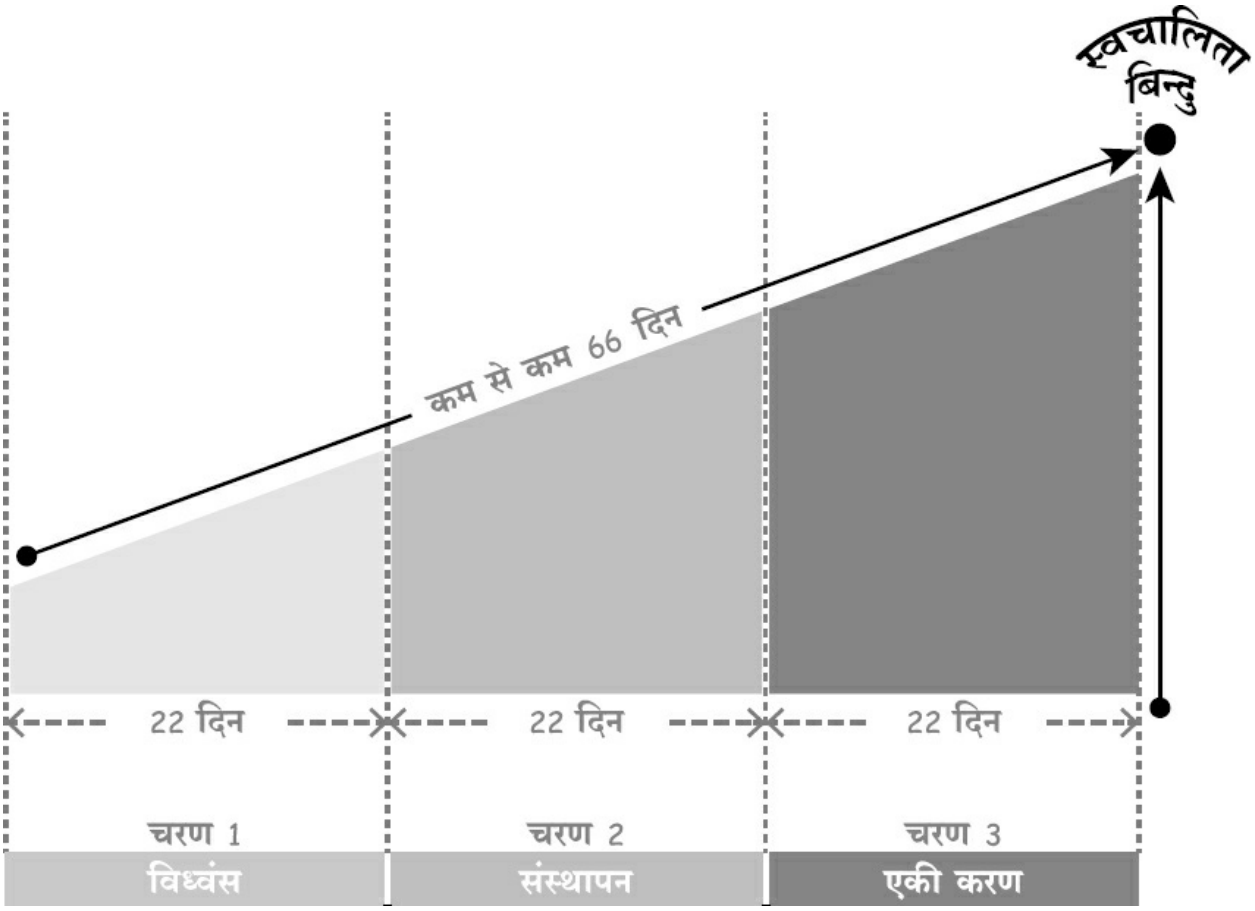

“किसी नई आदत का कूट संकेतन करते समय, आप एक आरम्भिक विध्वंस के आरम्भिक समय में से गुजरेंगे,” नक्शे पर प्रथम चरण को इंगित करते हुए, मि. रिले ने कहा।” उस पर बने रहो और आप स्वयं प्रक्रिया के दूसरे चरण में पहुँच जाएँगे, जहाँ नए तंत्रिकीय मार्ग बन चुके हैं और नया स्थापना कार्य आरम्भ होता है। यह अव्यवस्थित मध्यम मार्ग है। अन्त में, जब किसी भी नई दिनचर्या को अपने सामान्य तरीके से, बनाने के अभ्यास में लगे रहते हैं। तब आप अन्तिम स्टेज़ तक पहुँच जाएँगे,और अद्‌भूत उन्नत चरणावस्था : एकीकरण।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के आँकड़ो के अनुसार यह सारी प्रक्रिया लगभग 66 दिन लेती है। निपुण वक्ता इसे अपनी रिक्षाओं मे इन शक्तिशाली तथ्यों को न्यूनतम 66 दिन कहते है। अत: कुछ ही दिनों बाद, अथवा सप्ताहों या दो महीनों बाद भी, उसे छोड़ें नहीं। क्योंकि यह 5 AM क्लब की सदस्यता से सम्बन्धित है, अपने आत्म-प्रण के साथ बने रहें, कम-से-कम छियासठ दिन, फिर चाहे जो हो जाए। इस एक काम को करें और आपके जीवन का शेष भाग आदर्श रूप से बेहतर होगा। यह प्रण मैं दिल से करता,” अरबपति ने कहा।

“देखो, प्रत्येक बदलाव आरम्भ में कठिन लगता है। इसीलिए निपुण वक्ता ने प्रथम चरण को ”विध्वंस” कहा है। यदि आरम्भ में वह मुश्किल नहीं होता, तो वह वास्तव में परिवर्तन ही नहीं होता। उसे तो कठिन होना ही है क्योंकि आप अपने मस्तिष्क के पिछले नक्शों को फिर से उकेर रहे हैं और सक्रियता के पुराने तरीकों को नष्ट कर रहे हैं। और अपने हृदय और भावनाओं के पुराने कार्यक्रमों का पुनः तारस्थापन कर रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि स्पेस शटल, उड़ान के बाद पहले के साठ सेकेंड में, जितना अधिक ईंधन काम में लाता है उतना वह पृथी की सम्पूर्ण परिक्रमा करने में खर्च नहीं करता है।”

“इसे गुरुत्वाकर्षण की बलवान शक्तियों से उड़ने के बाद निबटना पड़ता है,” कलाकार ने विश्वास पूर्वक उत्तर दिया।

“बिल्कुल सही”, अरबपति ने सहमति दी। उसे उन आरम्भिक शक्तियों से बढ़ने के लिए निर्गासी वेग तक

पहुँचने के लिए अधिक ईंधन की जरूरत पड़ती है। मगर एक बार इसे पाने के बाद, संवेग परिबल जोर पकड़ लेता है और वाहन चल पड़ता है। किसी भी नई आदत को निर्माण करने का प्रथम स्तर ठीक इसी तरह से विध्वंसक स्तर है। हमें अपनी गहरे तक गई आदतों, प्रमुख कर्मो और सक्रियता के परम्परागत स्वरुपों को जीतना होगा। स्वयं अपने गुरुत्व के बलों से ऊपर उठने की आवश्यकता होगी, जब तक आप, निर्गामी वेग नहीं पा लेते। वे सब, आरम्भ में बहुत अधिक चुनौती पूर्ण है; मैं आपसे झूठ नहीं कहूँगा। मेरे साथ रहकर, तुम दोनों ने बहुत अच्छा काम किया है, सुबह 5 बजे उठने का मगर आप दोनों, आरम्भ के बाईस दिन दीवार से टकराने वाले हैं, जब तक आप अपने प्रथम चरण में रहेंगे। इसमें कुछ भी गलत नहीं है-यह तो आदत स्थापना की प्रक्रिया है-कोई भी, जिसे उच्चतम उत्पादनशीलता चाहिए, और सम्पन्न जीवन, उसे इसमें से गुज़रना होगा। अधिकांश लोगों के लिए जो प्रभात से पहले उठने को सहमत हैं, प्रथम चरण का प्रत्येक दिन उनके लिए कठिन है। उन्हें लगता है कि इसे छोड़ दें। वे शिकायत करते हैं कि सोकर जल्दी उठना उनके लिए है ही नहीं। वे इस दिनचर्या के लिए बने ही नहीं हैं और यह कष्ट उठाने लायक है ही नहीं। मेरी सलाह सीधी सी है : हर मूल्य पर इसे जारी रखें।

दृढ़ता, प्रवीणता के द्वार पर बैठती है।

वस्तुएँ, जो स्पर्श में कठोर लगती हैं, वे सबसे अधिक मूल्यवान भी होती हैं। याद बनाए रखो कि कठिन कामों को कर के बहुत महत्त्वपूर्ण है से किस प्रकार से हमारी सभ्यता के उच्चतम कार्य-सिद्धों और महानतम नायकों ने अपनी शक्ति को पाया। कृपया इस नियम को भी याद रखें, जब हमारे सामने विकल्प होते हैं, तो उसे चुनें जो आपको सबसे ज़्यादा आगे धकेलता है, आपकी प्रगति को बढ़ाता तथा आपकी भेंटों का अनावरण करता है। अत: जब आपका छोड़ने का मन हो, दृढ़ प्रतिज्ञ रहें। आप शीघ्र ही अगले स्तर तक पहुँच जाएँगे, और नकारात्मक विचार, क्षीण भावनाओं और ताकतवर इच्छाओं को समझें और यह आत्मसमर्पण नए क्षेत्र से जुड़ने की सामान्य प्रक्रिया है। आरम्भ के बाईस दिन तो हल्के यातना के सुहावने दिन हैं।"

"क्योंकि प्रथम चरण, पुराने मार्गों के विध्वंस से जुड़ा है, ताकि नए रास्तों को बनाया जा सके, ठीक है न?" उद्यमी ने पूछा।

"ठीक" अरबपति ने अनुमोदन किया। और क्योंकि तुम पहले कुछ नहीं कर पाए, उसका यह अर्थ नहीं होता, कि अब भी कुछ नहीं कर पाओगे," उसने , सिर को हिलाते, उत्साह देते हुए कहा। "मुझे उसे दोहराने की आवश्यकता है, जिसे पहले कह चुका हूँ, ताकि वह पूरी तरह से मन में बैठ जाए : अगर वह वास्तव में मुश्किल नहीं होता तो वह असली-और मूल्यवान परिवर्तन नहीं होता। समाज ने हमें इस प्रकार से सोचने के लिए अनुकूलित किया है क्योकि वह आरम्भ में मुश्किल है, कुछ बुरा हो रहा है कि जिसे हम कर रहे थे, उसे टोक दें और अपने पुराने, सामान्य सुरक्षित घर को लौट आए शून्य विकास और उदभव, उस प्रकार की शैली में। शून्य।"

"बिल्कुल सच", उद्यमी ने सहमत होते हुए कहा। "हर कोई जिसे मैं जानता हूँ, वे प्रतिदिन मेरे साथ, वही दोहराते हैं। ठीक शायद हर कोई न हो, मगर निश्चय से अधिकांश व्यक्ति। वही विचार, वही व्यवहार और वही गति-विधियाँ।"

"सच्चाई यह नहीं है कि वे बदल नहीं सकते", मि. रिले ने कहा, "बात इतनी-सी है कि उन्होंने सुधरने का वादा नहीं किया है और वे प्रक्रिया के साथ इतने लम्बे समय तक रह चुके हैं कि उनका तंत्रिका विन्यास साथ ही मनःस्थिति, शरीर संस्थान, भावनात्मकता और आध्यात्मिकता अपने प्राकृतिक चमत्कार नहीं दिखा पाते। सभी-कुछ जो अब आप को आसान लगता है, उसे आप पहले कठिन पाते थे, समझे आप।"

फिर अरबपति ने सुरक्षा प्रहरी की टॉर्च माँगी और उसे नित्य क्रमित करने के द्वितीय चरण पर रखा। "कृष्णा धन्यवाद!" उन्होंने कहा।

"यहाँ देखा?-सभी परिवर्तन बीच में अव्यवस्थित हैं। दूसरे चरण की "संस्थापना" कहते हैं, क्योंकि यह ऐसा होता है मानो आप कोई आन्तरिक बदलाव-कर रहे हों। पुरानी संस्थापनाओं को अब उखाड़ फेंकना चाहिए ताकि अधिक अच्छी, को स्थापित किया जा सके। 'यह स्तर' आपको दुविधा दबाव और उदासी देगा। अधिक मन होगा कि इसे त्याग दें। 5 AM क्लब आपको भयानक, डरावना और भद्दा दिखने लगेगा। आप वापस लौटने को उत्सुक हो जाएँगे और अपने गर्म बिस्तर में घुसकर, मानों भेड़े गिनकर समय बिताना चाहेंगे। मगर जान लें और विश्वास करें कि सब ठीक है। असल में बहुत अच्छा है। यद्यपि आप उसे देख नहीं सकते हैं, मगर आप आगे बढ़ते जा रहे हैं-उस आदत की ओर, जो आपको, जीवन भर, शीघ्र उठने की आदत डाल देगा। परिस्थितियाँ सहज होनेवाली हैं।

वास्तव में आप प्रक्रिया के दूसरे दौर से गुज़र रहे हैं। और, वह-सिर्फ अव्यवस्थित लगता है और अस्तव्यस्त दिखता है कि वह अव्यवस्थित तथा अस्तव्यस्त है। वास्तविकता तो यह है कि आप सुन्दरता से विकासित हो रहे हैं। और निष्पादन के नए स्तर के निकट पहुँच गये हैं। सभी अव्यवस्थाओं के बीच भी एक रहस्यमय श्रृंखला बनी रहती है," सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक कॉर्ल जुंग ने कहा था।

"अत:, जब आप इस अनमोल, प्रात:कालीन नई दिनचर्या से मेल बिठा रही हैं, आपके मास्तिष्क के समूचे ढाँचे में नए तंत्रिकामार्गों के निर्माण की उथलपुथल है। आपकी समूची कार्य प्रणाली का नव निर्माण हो रहा है। सच कहें तो आप एक गम्भीर, अनजाने क्षेत्र में आ चुके हैं। नए हरे अंकुर उभर रहे हैं। समन्दर, नीला हो रहा है। अपनी क्षमता के नये क्षेत्रों को जीतकर, मानव अनुकूलन के उच्च ब्रह्मांड तक पहुँचना। कोर्टिसोल भय का हार्मोन, इस समय ऊपर उभर आया है। अत: आप अनेकों बार भयभीत होंगे। सब कुछ, जो आपके मस्तिष्क में हो रहा है, वह विशाल ऊर्जा के सुरक्षित भण्डारको व्यर्थ में उपभोग करके, खर्च कर रहा है। अत:, इस स्तर पर आप बार बार, स्वयं को शिथिल पाएँगे। प्राचीन ऋषि-मुनियों ने, साधकों और सन्तों-दार्शनिकों ने इसे गहन, आत्म रूपान्तरण कहा है। "आत्मा की अँधियारी रात"। कभी जो इल्ली थी, अव्यवस्थित सी, मगर जादू से, तितली बन गई है। रहस्यावादियों ने इस गहरे और वास्तविक परिवर्तन के बारे में लिखा था कि यह तो यात्रा है जिसमें छोटी-छोटी अनेकों मौतें हैं।

"बूढ़े आप, अब मर जाओ न,

ताकि, बेहतर तुम, फिर से पैदा हो सको।"

निपुण वक्ता कहते हैं, "आपको महानता तक उठाने के लिए, आपको अपनी दुर्बलताओं का सर्वनाश करना होगा।" नाटकीय शब्द मैं स्वीकार करूँगा। मगर गुरु हमेशा सच बोलते हैं। दूसरे चरण में, सम्भव है आपको अनेकों बार ऐसा लगे कि सब कुछ टूटकर बिखर रहा है। मगर वास्तव में, सब साथ जुड़ रहा है सुधरकर। आपका मानव ज्ञान अक्सर यथार्थ नहीं होता, जैसा आपने पढ़ा है। वह इतना ही है कि आप दुनिया को एक लेंस से देख रहे हैं। सच तो यह है कि सुरक्षा का भ्रम सदैव अधिक घातक होता है, बजाय आपके निजी आधिपत्य के, जो आपको उपर उठाता है। प्रक्रिया के द्वितीय चरण में करीब बाईस दिन रहो और सिर्फ इतना ही जानो कि अथाह पुरस्कार चले आ रहे हैं।"

"अभी-अभी आपने जो कहा, वह सब मुझे बहुत प्यारा लगा," कलाकार ने बीच ही में टोककर कहा। "मैं जीवन भर के लिए, शीघ्र प्रात: उठने की प्रक्रिया को स्थापित करुंगा, फिर वह भले ही, प्रयत्न करते हुए, मुझे मार ही क्यों न डाले।" उसने स्वयं से वादा किया।

अरबपति शान्त हो गया।

मैं इस छोड़ने-त्यागने-और रूपान्तरण की प्रक्रिया में से बहुत बार गुजरा हूँ। हर बार, जब मैं किसी नई आदत या अधिक प्रवीणता के पीछे लगता अथवा किसी मौलिक विश्वास के अंकुरण के विचार में लग जाता हूँ। मैं इस पुनर्जन्म और मृत्यु के चक्र में पड़ जाता हूँ। और मैं तुमसे कहना चाहूँगा कि वह सच में ऐसा लगता है, मानो अन्त हो। आप कई बार, इतने अधिक डरेंगे, कुछ समय के लिए बहुत थके लगेंगे और आपके गर्व की, उद्धत श्याम वाणी से उलझे लगेंगे। आपको अनेकों बार, ऐसा भी अनुभव होगा कि आप कहीं पागल तो नहीं हो गए? यही कारण है कि बहुत कम लोग ऐसा कार्य करते हैं। और क्यों, बहुत कम लोग, शिखर के प्रदर्शन, की विरल वायु तक पहुँच पाते और विश्व संस्कृति पर, विश्व व्यापी प्रभाव डाल पाते हैं। यह तो खेल है, सीधे-साधे योद्धाओं का। इसके लिए ढेर सारा साहस, और असाधारण चरित्र बल चाहिए। आपमें यह सब है। उसके आवेदन का प्रण करो। जैसा मैंने कहा, अभ्यास और धीरज से, यह सभी-कुछ सरल हो जाएगा। और अन्त में, स्वयमेव।

"ठीक है, बिल्लियो", अरबपति ने उत्साहवर्धक फुटबॉल के प्रशिक्षक की तरह ताली बजा कर कहा। मैं जानता हूँ, आप इसे खूबसूरती से ले रहे हैं। अत:, आओ हम इकठ्ठे होते रहें। नई आदतों की संस्थापना को, पुरानी पद्धतियों को तोड़ते हुए बनाए रखें, जो प्रथम स्तर में होती हैं। फिर अपने मस्तिष्क में निर्मित नए परिपथ का चक्कर लगाते रहो, जो दूसरे स्तर पर न्यूरो प्लास्टिसिटी और भावनात्मकता के, अधिक अच्छे मार्ग के निर्माण से होता है। उसे करें, और आप निश्चित, रूप से तृतीय स्तर पर पहुँच जाएँगे, जो आपके आरोहण का अन्तिम भाग है : "एकीकरण"। याद रहे : सभी परिवर्तन आरम्भ में कठिन होते हैं, मध्य में अव्यवस्थित, और अन्त में अलंकृत।"

अरबपति ने अल्प विराम लिया, मन्द मुस्कराया और फिर अपने पंजो को छुआ। अपनी उँगलियों और अँगूठे

के बीच के स्थान को फिर से चूमा। फिर, आगे कहना जारी रखा।

"यह अन्तिम स्थिति तब आती है, जब सब समन्वित हो जाता है," उन्होंने समझाया और आपको 5 AM क्लब का आजीवन सदस्य बनने के अद्भुत वादे का लाभ अनुभव होने लगता है। अब आप, लगभग छियासठ दिनों की अपनी अवधि की समाप्ति के निकट पहुँच चुके हैं, जिसकी मानव मस्तिष्क को आवश्यकता होती है ताकि, वह किसी नित्य-नियम का कूट बना सके। तो अब यह सफलता का समय है। आप आरम्भिक विध्वंस में से गुज़र चुके हैं, आपने उसके मध्य भाग में आशंकाएँ और खतरे भोगे, अव्यवस्था और अस्तव्यस्तता देखी ओर उनमें से निकलकर आप और सशक्त हो गए, अधिक प्रवीण और आपने सर्वश्रेष्ठ के बहुत निकट-अजेय स्वभाव हो गया। आप, अपने महान 'स्व' के अगले अवतार हैं, उच्चतर क्रीड़ाओं को साकार कर सकते हैं, अपने उज्ज्वल सामर्थ्य के उदाहरणों को दिखाकर, दुनिया के लिए अधिक उपयोगी हो सकते हैं क्योंकि आप अपने आद्य नायकत्व को पा चुके हैं। अब, आपकी कड़ी मेहनत, त्याग, वेदना, सावधानीपूर्वक निरन्तरता, शानदार साहस, सभी कुछ, नई आदत बनकर इस चरण में आ जाता है, जिस के लिए आप, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्तर पर काम कर रहे थे और आपका नया, प्राकृतिक भाव बन जाता है।"

"स्वाभाविक!" कलाकार विस्मित हुआ। जीवन सरल हो गया है?"

सहसा अरबपति ताजमहल के संगमरमर के फर्श पर गिर पड़े और दण्ड-बैठक करने लगे। प्रतीत हो रहा था मानो कोई बॉक्सर प्रमुख मुकाबले के लिए प्रशिक्षण ले रहा हो।

"अब आप यह क्या फिजूल का करने लगे?" उद्यमी ने पूछा, चन्द मुस्कुराते हुए "यह मेरी कल्पना से अधिक सनकी हैं" उसने सोचा। "मैं उनसे प्यार तो करती हूँ।"

"जीवन का मुख्य उद्देश्य है बढ़ना: निरन्तर स्वयं को सामर्थ्य का अधिकांश साकार करने के लिए धकेलते रहना। मेरे प्रतिदिन के उठ-बैठ न सिर्फ मुझे अपने सामर्थ्य के निरन्तरता की स्थिति में रखकर विश्व स्तरीय बनाते हैं बल्कि यह एक स्वयं को सदैव युवा खुश और सजीव रखने का अद्भुत तरीका है। नीरसता मानव भावनाओं को मार देती हैं।"

उद्योगपति खड़ा हो गया।

"एक श्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए, एक पहाड़ का शिखर, दूसरे पहाड़ की तलहटी है। एक महान नई आदत की स्थापना है, आगामी को आरम्भ करने कई अवसर लाती हैं प्रतिदिन एक हजार बैठकें करता हूँ, आप तो जानते हैं। श्रेष्ठ व्यायाम है यह। उत्तम में से एक। सीधा-सा। मुझे दुबला और-छेनी से सँवारा हुआ रखता है। मेरे अभ्यन्तर के लिए अच्छा है। और यह कसरत, मेरे पेटूपने को भी बन्धन में रखती है।" अरबपति ने मुँह बिगड़ते हुए कहा।

"मगर एक हजार दण्ड-बैठकें प्रतिदिन, मुझे याद दिलाते हैं कि यह अनुष्ठान बना रहना चाहिए। विस्तार करते रहें। मेरी मानसिकता हृदय, स्वास्थ्य आत्मा को ऊपर उठाएं और मेरे उत्थान को, मेरे सर्वोत्तम तक ले जाएँ। इमानदारी से मुझे असफलता से भय नहीं लगता। वह तो उड़ना सीखने का एक हिस्सा है, न बढ़ पाने का मुझे डर लगता है।"

"तुम्हें समझ लिया", उद्यमी ने कहा, उन्मादी की भाँति अपने नोट पैड पर जल्दी-जल्दी लिखते हुए।

फिर, अरबपति ने अपनी तर्जनी उँगली को शिक्षण के मॉडेल की ओर उठाया और फिर, उस हिस्से पर रख दिया, जहाँ लिखा था "स्वचालिता बिन्दु"।

इसमें उत्तेजना का तथ्य यह है कि एक बार आप "स्वचालिता बिन्दु" पर पहुँच गए तो फिर, आपको सुबह 5 बजे उठने के लिए किसी आत्मशक्ति की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। नए कार्यक्षेत्र का कार्यान्वयन आपके "मानव संचालन पद्धति" में पूर्ण है। अब, सूर्योदय से पहले उठना, आपका दूसरा स्वभाव बन चुका है। और सरल है। यह आपकी उत्कर्षता और छियासठ दिनों का वास्तविक उपहार है। आत्मशक्ति, जिसे आप जल्दी सोकर उठने की आदत बनाने में लगा रहे थे, वह अब अन्य विश्वस्तर के कार्य के लिए मुक्त हो गई है। अब आपके पास अवसर है कि आप अधिक उत्पादनशील, समृद्ध-सम्पन्न, आनन्दित और सफल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए यह सभी व्यायामोन्मुखियों का छिपा रहस्य है। ऐसा नहीं है कि उन में सामान्य लोगों से ज्यादा अनुशासनशीलता है। उनके पास जितनी भी शक्ति थी, उसे उन्होंने पूरे छियासठ दिन, खेल में विजित होने के कार्यक्रम स्थापित होने तक लगाया। इसके बाद, उन्होंने अपने आत्म-नियंत्रण को दूसरी ओर मोड़ दिया। एक आदत संस्थापना से दूसरी

आदत संस्थापना की ओर। जो उनकी सुविज्ञता को बढ़ाएगा। समय होते-होते, उनकी जीतने की आदत 'स्वयमेव' हो गई। नियमबद्ध, संस्थानक एक बार उनके तन्तु बड़े हो गए, फिर प्रयत्न नहीं करने पड़ते। सुपरस्टार्स जीतने की आदत का इतनी बार अभ्यास कर लेते हैं कि वे एक ऐसे बिन्दु पर पहुँच जाते हैं कि अब, वे समझ नहीं पाते कि 'उन्हें' कैसे न करें।"

"वे ऐसे स्थान पर पहुँच गये थे कि वहाँ से उन्हें दौड़ाना सरल था, बजाय न दौड़ाने के।" उद्यमी ने टिप्पणी दी।

"बिल्कुल ठीक," अरबपति ने उत्तर दिया। कलाकार उत्तेजित था यह तो मेरे, और मेरी कला के लिए, बहुत मूल्यवान बात है। अत: मैं इस प्रक्रिया को पूर्णता से समझ गया हूँ-तीनों स्तरों को-विध्वंस संस्थापन और समन्वय। बाईस दिन लगते हैं, है न?"

"हाँ, ठीक है। और छियासठ दिनों के निशान पर, वह स्वयं को स्वचालित प्रक्रिया का रूप में, रोक देता है। वह उसका स्वचालितता बिन्दु है क्योंकि आदतों को कार्यशील बनने में लगभग नौ हफ्ते लगते हैं। एक सप्ताह के बाद, सुबह 5 बजे उठना रोक मत देना। जब, बीच में प्रक्रिया अव्यवस्थित हो जाए, तब भी मत रोकना। सम्पूर्ण प्रयोग में, निष्ठुर बने रहें, उसके सभी परीक्षणों तथा चुनौतियों और आपत्तियों के बीच जैसा कि शाहजहाँ ने किया था जब उसने और उसके कर्मचारियों ने ताजमहल का निर्माण किया था और उसे विश्व का एक आश्चर्य बनाया था। विस्मय के लिए धीरज चाहिए, और प्रतिभा समय लेती है। अपने समर्पण में सच्चे बने रहो, और जब सूरज उगे, उसमें से एक घंटे का समय अपने लिए निकाल लो। और जब अधिकांश सो रहे होते हैं। आपके चार आन्तरिक साम्राज्यों को विकसित करने के लिए, जो आपको अनुभव कराएँगे कि आपके विशाल हृदय किन्हें, वास्तविक बनाने के लिए ललचाए हुए हैं। अपनी समस्त प्रतिभा को उस कार्य में लगाने अपनी शानदार, शक्तियों को बढ़ाने तथा अपने सुख को अनेक बार गुणित करने, शान्ति के स्वर्ग की खोज़, जिसे कोई भी बाह्य घटना, कभी भी क्षीण न कर सके, के आह्वान को अनदेखा मत करो। यह, मेरे मित्रों, वह उपाय है जिससे आप अपराजेय, अटूट और अपने साम्राज्य के वास्तविक स्वामी बनेंगे और विश्व के एक अजूबा भी अपने ही तरीके से।"

"दिल में बस गया" उद्यमी ने मुस्कान बिखेरी।" "शाब्बास। बिल्कुल सहायक इससे ज्ञात होता है कि क्यों, इतने कम लोगों के पास वे आदतें हैं, जिनसे प्रभुता पाई जाती है। वे अपने आरम्भिक वादे के साथ इसे क्रियाशील बनाने में अधिक समय तक नहीं रहते हैं। वे कर सकते हैं, मगर करते नहीं हैं।"

"हाँ", अरबपति ने सहमति दी।" इसीलिए सूचना और शिक्षा, सीखना और पनपना इतना अधिक महत्त्वपूर्ण है। अधिकांश लोगों को इस जीवन बदल देने वाले आदर्श और उससे लिपटी व्यावहारिक अन्तर्दृष्टि का ज्ञान नहीं है जिसका मैंने परिचय कराया। और, अप्रयुक्त क्योंकि वे नहीं जानते अतः वे उसका प्रयोग भी नहीं कर सकते। और, उपप्रयुक्त ज्ञान, महत्त्वपूर्ण आर्थिक कमी उत्पन्न करता है। हम सभी, विजय के लिए बने, फिर, जिस किसी तरीके से भी हम उसे परिभाषित करें। खेद है कि हममें से अधिकांश ने दर्शन-ज्ञान नहीं पढ़ा, प्रणाली वो जिसे निपुण वक्ता ने मुझे सिखाया था। उसी ज्ञान को मैं आप तक पहुँचा रहा हूँ। आपको इतना सुनिश्चित करना होगा कि आप निपुण वक्ता के कार्य को अधिक से अधिक लोगों से कहें। कृपया इस प्रकार से हम लोगों को भावशून्यता, सामान्यता और दुर्लभता के अँधेरे में से निकालने में सहायता कर सकते हैं और उनके अन्तनिहित सामर्थ्य को खोज सकते हैं ताकि उनके शेष जीवन में, उनसे आश्चर्यजनक कार्य करवाएँ। प्रभु! हम इस विश्व को अधिक अच्छा, स्वस्थ, सुरक्षित और मनभावन स्थान बनाना चाहते हैं।"

"पक्का," उद्यमी और कलाकार ने, एक साथ कसम खाई।

फिर, उस दृश्य की अविस्मरणीय प्रकृति, जिसने उसे घेरा हुआ था को लेने के लिए रूकी। वह उस व्यक्ति के साथ खड़ी थी जिसके साथ उसने एक विचित्र खूबसुरत और अद्‌भुत साहसिक कार्य में, प्यार कर लिया था। वह, विश्व के सात आश्चर्यों में से एक के भीतर खड़ी थी, जो भारत में था। एक ऐसा देश जिसके प्रवास की वह हरदम कामना करती थी, उसके अवाक् करनेवाले दृश्यों के लिए, उन्मादक तथा रुचिकर पदार्थों के लिए और देश के असाधारण, सुविशेष नागरिकों के लिए।

वह रुकी, मनन करने के लिए कि उसके प्रतिदिन के सामान्य विश्व में क्या प्रकट हुआ था। छल-योजनाएँ, चोरी-चमारी, अविश्वसनीयता और धोखेबाजी, उस क्षण वह हँसी। दबावपूर्ण हँसी नहीं, जिसे हम सभी, अनेकों व्यवसायिक मिलन भेंट में देखते हैं, जहाँ अच्छे व्यक्ति डरकर, सामाजिक मुखौटा पहन लेते हैं, ताकि सामर्थ्यवान

और शान्त दिखें। नहीं, यह तो एक ऐसे व्यक्ति की खुशी की धड़कन थी जिसने समझदारी से जिए जीवन का, वास्तविक खजाना अभी-अभी पाया हो।

उद्यमी ने उस क्षण अनुभव किया कि वह कितनी भाग्यशाली है। कब्जे की चेष्टा स्वयमेव समाप्त हो जाएगी, क्योंकि जीवन की अपनी पद्धति है स्वयं के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्ग खोजने की। निश्चय ही, उसने अब अपनी स्वाभाविक, प्राकृतिक अनुभूतियों, क्रोध, असन्तोष और कभी-कभी उदासी को जो उसके अन्दर उठते थे जब वह उन परिस्थितियों के बारे में सोचेगी, को न दबाना सीखा था। यह उसका वास्तविक साहसी न कि दुर्बल होना था। फिर भी, वह अब समझने लगी थी कि धन जयघोष और कीर्ति के अलावा और भी वस्तुएँ महत्त्वपूर्ण हैं। और अनेकों आर्थिक रूप से सम्पन्न व्यक्ति, वास्तव में निराशाजनक रूप से गरीब हैं।

मेरे सुख से बढ़कर मूल्यवान और कोई वस्तु नहीं है। और, न कुछ मेरी मन-शान्ति से बढ़कर मूल्यवान है।" उद्यमी ने सोचा।

उसने प्यार पा लिया था। वह अभी भी अच्छे स्वास्थ्य में है। उस के पास कई चीज़े हैं जिनके लिए उसे आभारी होना चाहिए : दो आँखें इस अद्‌भुत दुनिया की खूबसूरती देखने के लिए, दो टांगे दुनिया घूमने के लिए, हर रात खाने की मेज़ पर भोजन जबकि अरबों लोग खाली पेट सोते हैं, और सिर के ऊपर, सुरक्षा के लिए पर्याप्त छत। उसके पुस्तकालय में, पढ़ने के लिए, ज्ञानभरी पुस्तकें होती थी, कार्य जो उसकी रचनात्मकता का पोषण करता था, और जैसा कि अरबपति ने अक्सर कहा है, प्रत्यक्ष प्रभुत्व पाने का अवसर, जो न सिर्फ उसे, मगर उसकी सामाजिक सेवाओं को भी लाभ पहुँचाए।

अतः, उस भव्य स्मारक में, जिसने पृथ्वी भर के दर्शनार्थियों की प्रेरणा को विद्युतीकृत किया और सूरज विस्तृत भारतीय आकाश में उग आया था। उद्यमी ने अपने दिल में ऐसा कुछ पाया, जिस को हम सभी को कुछ ज़्यादा करने की जरूरत है।

उसने क्षमा कर दिया।

उसने, अपने पूँजीदाताओं के प्रति वैर को जाने दिया था। उसने अपने पर-निन्दकों के प्रति नाराज़गी को त्याग दिया उसने अपनी हर एक वजनदार निराशा को जाने दिया। जीवन इतना छोटा है कि हमें वस्तुओं को गम्भीरता से नहीं लेना चाहिए। और, अपने जीवन के अन्त में यह सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं होगा कि उन पूँजीपति अवसर वादियों ने, क्या उसकी संस्था पर कब्जा कर लिया था, मगर एक मानव के तौर पर वह क्या बन पाई। और उसके शिल्प और कारीगरी की उत्तमता। तथा, उसने कितने लोगों की सहायता की। और, कितना हँसी। और, उसने जीवन कितने अच्छे से बिताया था।

अरबपति सही था : हर मानव सर्वश्रेष्ठ ही करता है, अपनी आत्मा के स्तर के अनुसार, जहाँ वह इस समय होते हैं, और अपने वास्तविक सामर्थ्य की श्रेणी के अनुसार, वह आदेश कर सकते हैं। और यदि, उसके पूँजी-निवेशकों को अच्छे से ज्ञात होता, तो उन्होंने भी बेहतर किया होता। इन लोगों ने उसके लिए पीड़ा, कष्ट पैदा की क्योंकि वे गहरे और अचेतनावस्था के स्तर पर पीड़ा में थे। और क्योंकि वे दुःख भोग रहे हैं। वे, जो औरों को चोट पहुँचाते हैं। चुपचाप स्वयं से नफरत करते हैं। हाँ, वस्तुओं को देखने का उच्चतर तरीका, हमारी सभ्यता में इतना सामान्य नहीं है। मगर, शायद इसीलिए हमारी दुनिया, इतने सारे युद्धो खतरों और घृणा से भरी हुई है। शायद, सम्भव है, उसने इन सामूहिक लुटेरों को अपना गुरू मान लिया, जीवन की बेहतर प्रकृति ने उसे किनारों तक पहुँचाने के लिए भेजा। जहाँ वह एक ऐसे स्थान पर पहुँच जाएगी जहाँ हतोत्साह और निराशा उसे बदलने को बाध्य कर देंगे ओर ऊँचा चढ़ना, सीख लेगी। बस वह सब जो शायद उसने अनुभव किया था जैसा अरबपति ने सिखाया था, वह जो बनना चाहती है उसकी बहुमूल्य तैयारी ताकि वह अपनी सबसे ज्वाजल्यमान उपहारों को पाने की सम्भावना को पूरी कर सके, अपने सबसे सर्वोच्च भाग्य को पा सके - इस प्रकार से, जिससे मानवता का उपकार हो। और, शायद, यह तब होता है जब हम अपना सर्वस्व गँवाने को तैयार हो जाते हैं, और अपने भव्य स्वयं को जान जाते हैं।

यह अद्‌भुत, विचित्र तथा सबसे अधिक वास्तविक ज्ञान-गुरु मि. सटोन रिले उसके सामने थे, जो अपना हृदय उसके सामने उड़ेले जा रहे थे, समझा रहे थे कि कैसे सरल, फिर भी जो आरम्भ में आसान नहीं जो सरल दैनिक नीति-नियम, 5AM क्लब से जुड़ने के उत्पादकता, सम्पन्नता तथा व्यक्ति की कुशलता को, जो भी उस पद्धति को अपनाएगा। बदल सकती है और बदल जाएगी। उन्होंने अपनी पहली भेंट के समय लीं प्रत्येक प्रतिज्ञा

को जो निपुण वक्ता की सभा में ली थी, को पूरा किया।

उन्होंने स्वयं को असाधारण गुणों से सम्पन्न-टाइटन-बतलाया था, न सिर्फ उद्योग का, बल्कि सम्पूर्णता, और शालीनता का भी।

"हमें इस प्रकार के और चाहिए," उसने सोचा। "स्त्री और पुरुष जो शुद्ध नायक हैं। व्यक्ति, जो लम्बे लम्बे उपनामों के बल पर प्रभाव नहीं डालते अथवा बड़े ओहदों या नामों के बल पर प्रभाव नहीं डालते, बल्कि अपने चरित्र-बल, अपनी प्रवीणताओं की श्रेष्ठता, उनके हृदयों की समानानुभूति, सहृदयता तथा अनोखे समर्पण से, हर मिलनेवाले को छोड़ते समय अधिक अच्छा प्रभाव डालते हैं, बजाय मिलते समय जैसा पाया था। नेता अहंकार की स्वार्थ की भावनाओं से क्या बनते हैं और अपनी बुद्धि के निस्वार्थ हुक्म से ज़्यादा बनते हैं।"

उद्यमी को कवि माया एंजेलो के शब्द याद आ गए : "मेरी तुम्हारे लिए यही कामना है कि तुम निरन्तर रहो, निरन्तर बने रहो जो तुम हो। एक ओछी दुनिया को चकित करने के लिए-आपने स्नेह के कार्यों से।"

उसके दिमाग में मदर टेरेसा की शिक्षाएँ भी इस क्षण आईं : यदि हर कोई सिर्फ अपनी दहलीज ही साफ करेगा, पूरी दुनिया स्वच्छ हो जाएगी।"

अत: तब, उस सुविशेष प्रारम्भिक सुबह में इस दुनिया के एक अद्भुत स्मारक में, उसने न सिर्फ क्षमा कर दिया-बलिक स्वयं के साथ एक अनुबन्ध किया। समझदारी जितनी पहले कभी नहीं थी कि स्वयं को अनुकूलित बनाना, विश्व में सुधार लाने का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है, और अपने अन्दर प्रतिभा को जगाना, सबसे त्वरित मार्ग है, अपने सभी सम्बन्धों को बाह्यरूप से सबों के साथ, ऊपर उठाने का, फिर उद्यमी ने एक समझौता किया। उसने स्वयं से एक वादा किया कि अब वह कभी भी अपने प्राण लेने का प्रयत्न नहीं करेगी। उसने यह प्रतिज्ञा भी की कि प्रतिदिन, अपने शेष दिनों में वह सुबह 5 बजे उठ जाएगी और स्वयं को विजयी काल का तोहफा देगी जो सभी तुच्छ विविधताओं महत्त्वहीन उत्तेजना और अनावश्यक जटिलताएं से मुक्त समय देगी, ताकि वह जारी रख सके। लगातार मानसिकता का अवलोकन, हृदय को पवित्र करना अपने स्वास्थ्य को किलेबन्द करना और अपनी आत्मा को उच्चता तक ले जाना, जारी रखे।

वह स्वयं से इन-सब वस्तुओं को माँगेगी, कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन से बहाने और युक्तिकरण से फिर उसके व्यक्तित्व का दुर्बल तथा भयभीत अंश, बहस करेगा। वह, क्योंकि अपनी महानता के अनुभव को भोगने के योग्य है, और क्योंकि वह एक हीरो बनने की उम्मीद करती थी जिसका हम सभी को इन्तजार है।

"अरे", अरबपति ने असहज होकर चीखा। "तीन अन्तिम और अति व्यावहारिक रणनीतियाँ जिनसे आप नई आदतों को जकड़ रखते हैं। मैंने इस विषय पर बहुत समय लगाया है क्योंकि यह आपकी सफलता के लिए अति आवश्यक है। मैं आपको तीव्रता से इन तीनों तरीकों में से लेकर जाऊंगा जिसके बारे में बेकर अनुसंधान का कहना है कि यह आपकी मदद करेगा, 5 AM क्लब के प्रातः कालीन कार्यक्रम को जारी रखने में। फिर हम यहाँ से चले जाएँगे।"

उसने अपनी टॉर्च निकाली और कमरे की छत पर उसकी रोशनी को केन्द्रित किया। आगे अंकित ब्रेन टेटूज़ धीरे-धीरे दिखने लगे।

1. किसी आदत की स्थायी बनाने के लिए उसे अकेला स्थापित मत करो।
2. शिक्षक सबसे अधिक सीखता है।
3. जब आपको सबसे अधिक अनुभूति होती है कि छोड़ दें, वही समय है जब आप आगे बढ़ सकते हैं।

अरबपति फिर से मुस्कुराए। "बहुत सरल सूचनाएँ हैं, है न? गहराई तक सरल, क्योंकि वे सरलता से गहरी हैं। पहला बिन्दु आपको याद दिलाएगा कि विधि-विधान तब गहराई तक जाते हैं, जब वे एक समूह में किए जाते हैं। इसीलिए, 5 AM क्लब का सदस्य बनना बहुत प्रबल है। आप अकेले, इस प्रभात के विधि-विधान को, नहीं कर रहे हैं। हम सब इसमें एक साथ हैं। और मेरी हार्दिक इच्छा है कि जब तुम घर पहुँचो, तुम अपने साथ जितने लोगों को ला सको ले आओ। व्यक्ति, जो कल-सुबह जागने को तैयार है, ताकि वे विश्वस्तरीय कार्य और कौशलपूर्ण असाधारण, जीवन, क्लब में जी सकें। सहायक दल, अब बहुत, दिनों से, आजमाया हुआ मार्ग हो गया है, उन सुधारों को करने का जो चिरजीवी होते हैं। अत: इस धारणा का होशियारी से उत्तोलन करे , कृपया।"

अरबपति खाँसा। फिर, उसने अपनी छाती को रगड़ा, मानो वे कष्ट में हों उसने भाव दिखाया जैसे किसी ने उन्हें देखा ही न हो। फिर वार्तालाप को आगे बढ़ाया।

“द्वितीय बिन्दु आपको याद दिलाएगा कि आप उस दर्शनशास्त्र तथा प्रणालीविज्ञान को सिखाएँ, जिसे मैं आपको पढ़ाता हूँ। आप जब ऐसा करते हैं तब तत्त्व के प्रति आपका स्वयं का ज्ञान और उत्कृष्टता से गहरा हो जाएगा। अनेक प्रकारों से, दूसरों को ज्ञान देना, जिसे मैंने आप को दिया है। आपके अपने लिए एक सौगात बन जाएगी।”

“मैंने उसे, इस प्रकार से कभी नहीं देखा,” उद्यमी ने विश्लेषण किया।

“सच यही है,” अरबपति ने सूचना दी। “और इस छत पर आप जो अन्तिम पंक्ति देख रहे हैं, वह सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। याद रखो, डटे रहना, हर प्रकार की प्रवीणता के लिए आवश्यक है। उस क्षण आपको अनुभव होता है कि अब आप और आगे नहीं जा सकते हैं, एक पूरी तरह से नए स्तर की इच्छा शक्ति बनाने के लिए एक बड़ा अवसर निहित है। अब आपको अनुभव होता है कि आप ज़ारी नहीं रख सकते, थोड़ी और प्रगति करो आप की आत्म-नियंत्रण की मांसपेशियाँ बढ़ जाएँगी और आपके आत्म-सम्मान की मात्रा भव्य रूप से बढ़ जाएगी। और कुछ ही वस्तुएँ प्रतिपादक उत्पादकता के लिए उतनी आवश्यक होती हैं जितना आप के क्षेत्र और एक जीवन का निर्माण जिसे आप अपने स्वयं के लिए प्रशंसा मानते हैं।”

आश्चर्यजनक और बिना किसी संकेत के, कि क्या आरहा है, अरबपति ने गुलाटी लगाई तथा सिर के बल खड़ा हो गया। आँखें बन्द करके उसने लेखक और दार्शनिक जेरल्ड स्कॉइक्स - Gerald Sykes के ये शब्द गाए ;

“कोई भी सार्थक उपलब्धि अवश्य ही, विनीत प्रशिक्षुता तथा अधिकांश समाज की विरक्ति, के वर्षों ले लेती है।”

“तुम दोनों अद्‌भुत मानव, अपने स्वयं के सर्वश्रेष्ठ को, भोगने और महाकाव्य उपलब्धियों का एहसान करने योग्य हो, “अरबपति ने धरती पर पाँव रखते-रखते कहा, “अपने अन्दर सो रही शक्ति को देर तक मुलायम बिस्तर में बैठकर, जो तुम्हें प्रशान्त और सौम्य रखता है धोखा मत दे। विश्व के महान पुरुष और स्त्री, ऐसे इसलिए नहीं बन गए क्योंकि वे चादर के नीचे अलसाते-सुस्ताते-समय गँवाते थे। मगर, क्योंकि उन्होंने अपनी उदात्त महत्वाकांक्षाओं को स्थापित कर, उन्हें पूरा करने के लिए आगे बढ़ें। विश्व-स्तर समय लेता है, समय बद्धता तथा वादा चाहता है। - उत्सर्ग और धीरज माँगता है, जैसा ताजमजल हमें बताता है। और न्यायकत्व एक ही मौसम में नहीं हो जाता। सुबह 5 बजे उठने की आदत को अपनाओ। उस प्रक्रिया के साथ, सदा के लिए बने रहो, और आगे बढ़ो, जब आपका मन उसे छोड़ने को कहे। ऐसा करने से आप किंवदन्ती बन जाएँगे और अपने भाग्य को, विश्वव्यापी प्रभावों के योग्य बना देंगे।”

फिर, स्टोन रिले उठ खड़े हुए। अपने दोनों विद्यार्थियों से गले मिले। फिर, संगमरमर के गलियारे से पारगमन कर गए।

अध्याय 13

‘5 AM क्लब’ **20/20/20** के सूत्र को जान गया

“सुबह, बहुत जल्दी, जब हम उठने में आलस करते हैं, यह विचार हमारे सम्मुख रहना चाहिए; मैं मानव का कार्य करने के लिए प्रात:काल उठ रहा हूँ।” – मार्कस ऑरेलियस**,** रोमन शासक

“रोम मेरी नसों में है। उसकी ऊर्जा मेरे रक्त में बह रही है। और उसका अनोखे प्रकार का सम्मोहन मेरी आत्मा को सँवारता है। अरबपति ने सोचा, जब उसका जेट शहर की निजी हवाई पटरी पर धीमी गति से चला जा रहा था। इटालियन संगीत समूह नेग्रिटा का गाया गाना हवाई जहाज के स्पीकरों में से धड़क रहा था। और शक्तिशाली उद्योगपति अपने कसावदार कन्धों को धुन के साथ बजा रहा था। “रोमनों का उद्धत् आत्मगौरव, स्वप्नदृष्टा मनोभाव तथा यशस्वी हृदय मुझे बहुत प्रेरणा देते हैं,” उसने स्वयं से कहा। जिस प्रकार से प्रकाश Trinita dei Monti, पर पड़ता है वह चर्च जो स्पेनिश स्टेप्स को मुकुट पहनाता है, मेरी आत्मा को ऊपर उठाए बिना कभी नहीं रहता और अक्सर मेरी आँखों में पानी भर लाता है। उत्कृष्ट खाना, मोज़रिल्ला डी बफाला, सेसिओ ई पेप, ओमिट्रिसिआना तथा कार्बोनारा, साथ में आग पर भुना अब्बाचिओ, मेरी आत्मा की भूख को पूरी तरह से जगाकर, मेरे जीवन के आनन्द को सर्वोच्च उँचाई तक पहुँचा देता है। और शहर के इस अकाश तले खुले म्युझियम मे पूरा परिश्रम से तराशा गया शिल्प, जहाँ मुझे बारिश में टहलना, अपने अंदर के योद्धा और कवि से कुछ कहना अच्छा लगता है।” रईस ने कहा जब उसका जेट दरवाज़े के निकट आया।

अरबपति ने अपने जीवन के अनेकों, सर्वश्रेष्ठ तरंगित वर्ष, रोम के आदर्श जीवन मे दूर ऐतिहासिक केन्द्र विया विट्टोरिया में, एक कमरे में बिताए थे। ज्यूरिच और उसके अन्य घर वे थे जहाँ वह अक्सर काम करने जाया करते थे, परियोजना के वैश्विक, उद्यमी, लक्ष्यों के प्रबंधन किया करते थे। मगर रोम हाँ रोम, उनकी आश्चर्य की भावनाओं को ईंधन दिया करता और आनन्द की मात्रा को तृप्त करता।

वसन्त के मौसम में, गार्डेनिया की मदभरी सुगन्ध में सांस लेना और विला बोर्गीज़ नामक बगीचे की झील पर बने मन्दिर के रास्ते में, लम्बे-लम्बे मार्गो पर टहलना ही उसके जीवन के मनभावन काम थे। सुबह 5 बजे जाग जाना, इससे पहले कि रोम का सघन आवागमन, उसके वैभव का दम घोंट दे, और अपनी पहाड़ी बाइसिकल से, ट्रेवी फाउंटन के निकट से होते हुए मोंटी तक ले जाना और कलॉज़ियम (Colosseum) से होते हुए, अन्त में पियाज़ा नवोना (Piazza Navona) में सिर्फ बैठने, और उस उन्नत चौराहे पर बने चर्च के अनूठेपन के आलिंगन, ने उसे उस तेज़ की याद दिला दी जो सिर्फ प्रभात का समय साथ लाता है। सम्पत्ति से भी अधिक, इस प्रकार के अनुभवों ने उसे सम्पन्नता का भान कराया है। जीवन दिया।

आपको ज्ञान होना चाहिए कि उसके जीवन का सबसे बड़ा प्यार, रोम से था। अरबपति से उसकी मुलाकात एक अंग्रेजी पुस्तकों की दुकान में, via dei condotti से कुछ ही दूरी पर, हुई थी। जो वही सुप्रसिद्ध मार्ग है जहाँ इटली के प्रतिष्ठित फैशन-घर के प्रमुख स्टोर हैं। वैसे तो, वह इस समय तीस वर्ष से ऊपर के थे, मगर महाकाय वे, अब भी अविवाहित थे, जब उनकी भेंट पहली बार हुई। थोड़े-बहुत विनोदी और जिन्दादिल और एक ऐसा व्यक्ति जिसे दुनिया के उदात्त मनोविनोद भाते थे। उन्हें अब भी याद है कि उन्होंने किस किताब के लिए उससे मदद ली थी: जोनाथन लिविंग्स्टन सीगल लेखक, रिचर्ड बॅच-एक अद्भुत, परिवर्तनदायी उपन्यास, एक सीगल के बारे में, जिसे ज्ञात था कि उसे झुंड से अधिक उँचा उड़ना है और उसने एक अविस्मरणीय यात्रा आरम्भ कर दी, अन्तर्मन के बोधज्ञान को सच बनाने के लिए।

वेनेसा शीघ्रता से अपना हाथ एक पुस्तक पर रखती है, अति मृदुता पर निराशाजनक रुप से अलग और फिर, दूसरे ग्राहक की सहायता करने, चली गई।

अरबपति को तंग पुस्तकों की दुकान में, लकड़ी की अलमारीयों में एक साल तक बार-बार जाना पड़ा, तब, समय-सीमा बिता चुकी दीवारों से सटीं पुस्तकों की शेल्फों में व्यस्त, उस युवती ने उसके साथ डिनर करने की सहमति दी। अरबपति की खोज अन्तर्भेदी रेडार जैसे सौन्दर्य, उसकी तेज़ बुद्धि जिसकी कंजरों और जिप्सियों जैसे

व्यक्तिगत शैली और उसकी बेढंगी हँसी उसे उतना सुकून देते जितना कोई मधु मक्खियों का परिवार, किसी बृहद् मधु के छत्ते में पाता है।

इनका विवाह मोनोपॉली के आकर्षक, समुद्र किनारे के शहर में हुआ था जो इटली के दक्षिणी क्षेत्र पुगलिया में है।

“वह कितना खास दिन था,” शक्तिशाली उद्योगपति ने विचारों में डूबकर, सोचते हुए कहा। संगीत मुख्य वर्ग के माध्यम से बजता है, और हम सभी पूर्ण चाँद की पिघलती चाँदनी में, पागलों की तरह खूब नाच रहे थे। खेत से ताजी बर्राटा चीज़ आई थी और रसोइए की दादी ने Orecchiett पास्ता बनाया था। नगर निवासियों ने पार्टी में शामिल होकर उसे सजीव बना दिया था। वे अपनी असीम इटालियन मेहमानदारी दिखा रहे थे, और अपने घर में बनी Negroamare तथा Primitive वाइन को अपनी ओर से विवाह की भेंट के रूप में लाते जा रहे थे। सारा का सारा अनुभव, यादों में उसे अब भी छू लेता है।

वेनेसा के साथ अरबपति का सम्बन्ध संवेदनशील तथा चुलबुला, दोनों ही था। जैसा अनेकों मूर्धन्य प्रेम-कथाओं में होता है। कई बार, अक्सर, सचमुच गहरा रोमांटिक सम्बन्ध गहरी वेदना को जन्म देता है। उस विशेष व्यक्ति के साथ, हम अन्त में सुरक्षित अनुभव करने लगते हैं और अपने सुरक्षा कवच को उतार अपने वास्तविक रूप को सामने ले आते हैं। और तब, वे हमें अपने आश्चर्य, जुनून और प्रकाश की परिपूर्णता में देखने को मिलते हैं। मगर, अभी तक की छाया पक्ष की तीव्र झलक भी हम सभी के पास है। जिसे हम आघातों को खाकर पैदा करते हैं, जैसे हम जिए हैं।

‘द प्रोफेट’-में खलील ज़िब्रान ने लिखा है’,‘जब प्यार इशारे करके आपको बुलाए-उसका अनुसरण करो। यद्यपि उसके तरीके कठोर एवं तीव्र ढलानदार होते हैं। फिर, उसकी गरारियों में छिपी तलवार आपको घायल कर सकती है। भले ही उसकी आवाज़ आपके सपनों को चूर-चूर कर दे, जैसे उत्तरी हवाएँ बगीचे को उजाड़ बना देती हैं। ये सभी वस्तुएँ तुमसे प्यार करेंगी ताकि आपको अपने दिल के रहस्य ज्ञात हो जाएँ।” हाँ, उग्र अशांत वातावरण के बावजूद अरबपति और उसकी सर्वांगसुन्दरी पत्नी ने दशकों तक अपना विवाह निभाया।

वैसे तो, अनेकों वर्ष पहले, वे अकस्मात् गुज़र गईं थीं, उन्होंने पुनः विवाह नहीं किया। वे स्वयं को, फिर से, प्यार , में ठेलना नहीं चाहते थे और उन्होंने स्वयं के उद्यमी साम्राज्य को बढ़ाने पर ध्यान दिया और अपने मानव-प्रेम को आगे बढ़ाया और जिस मधुर जीवन को उन्होंने कमाया था, उसे वास्तविक रूप से भोगने लगे-अकेले।

अरबपति ने अपना बटुआ निकाला और उसमें से, धीरे से, एक तह की गई वेनेसा की फोटो निकाली, उन्होंने उसकी ओर एकटक, बेधती नज़रों से देखा। फिर उन्होंने फिर से खाँसना आरम्भ कर दिया-बुरी तरह से।

“आप ठीक तो हैं, स्वामी?” कॉकपिट में बैठे एक पायलट ने पूछा।

अरबपति चुप रहे। फोटो को देखते रहे। उद्यमी तथा कलाकार कुछ ही दिनों पहले, रोम चले गये थे और वहाँ के दृश्यों, ऐश्वर्य तथा उस शाश्वत शहर के अनोखेपन से सम्मोहित थे। हाथों में हाथ डाले, रोम की सुन्दरता और शक्ति को अपने में समेटे, वे को. बलास्टोन के रास्तो पर चले। रास्ते जिन पर पहले महान् निर्माणकर्ता तथा राजशाही सम्राट चल चुके थे।

आज के दिन की प्रतीक्षा वे अनेकों दिन से कर रहे थे। आज सुबह उन्होंने *20/20/20* सूत्र सीखा था जो सुबह पाँच बजे उठने की पद्धति की जड़ में बैठा है। उन दोनों विद्यार्थियों को बारीकी और सही से सिखाया जाएगा, विजयी काल के अन्दर से क्या करना चाहिए , जो अवसरों का वातायन है, जो 5 AM तथा 6 AM के बीच गतिमान रहता है, ताकि वे निरन्तर, विपुल आश्चर्यजनक दिन भोग सकें।

आज वे उसका ज्ञान गहरे विस्तार से पाएँगे कि अपनी सुबहों को कैसे ठीक से बिताएँ ताकि हमारा अस्तित्व विश्व स्तर का हो।

अरबपति के विशेष आग्रह पर, दोनों स्पेनिश सीढ़ियों के सबसे ऊपर खड़े थे। सुबह के ठीक 5 बजे थे। यदि आप स्मारक स्तम्भ के ठीक नीचे चबूतरे पर खड़े होकर नीचे सीढियों को देखेंगे, तो आपको ठीक वही स्थान दिख जाएगा जहाँ ज्ञानगुरु अपने दोनों शिष्यों के साथ, आज प्रात:काल मिले थे।

रोम के सूर्य ने की पहली किरणों ने ट्रिनिटा डी’ मोंटी का चुम्बन लिया, जब प्रेमियों ने बाहर झाँककर, ऐसी

संस्कृति के शहर को देखा। आरम्भिक रोमन दर्शन की भव्यता, अपने भवनों के पैमाने स्मारक बनाने की अलैकिक क्षमता, जो इंजीनियरिंग की वास्तविकता को भी धोखा दे जाए, उल्लेखनीय है। दोनों सेंट पीटर्स का बेसीलिका तथा बादशाह ऑगस्टस का मक़बरा देख सकते थे, साथ ही सेवन हिल्स भी जो साम्राज्य के संरक्षण के लिए इतना केन्द्रीय था कि तिबर नदी के किनारे एक छोटे-से गाँव के रूप में शुरू हुआ था और इतना बढ़ गया कि अब उसमें चालीस विभिन्न देश, योरप से एशिया और आफ्रिका भी शामिल हो चुके थे। पवन में सुगन्ध फूलों की थी। धूम्रमय मानों दूर कहीं आग जल रही हों।

"नमस्ते! शांति के बीच एक आवाज़ चीखी। अपने प्रात:काल के स्वामी बनो और जीवन को ऊपर उठाओ।" अरबपति चिल्लाया, कुछ ऐसे उत्साह से, जैसे रोमन सिपाहियों में संकटकालीन मोरचा जीतने पर होता हैं।

मि. रिले रोशनी की पहली चिन्गारी के साथ आए, जीवन के चमत्कार को समझकर मानो मुस्कुरा रहे थे। इस, सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक सत्र के लिए वे एक टिपटॉप इटालियन चश्मा पहनकर आए थे। उन्होंने काली टी शर्ट के ऊपर एक आकर्षण विंडब्रेकर भी पहन रखा था जिस पर आद्याक्षर SPQR उभरे हुए थे। काले पसीनारोधी पेंट के साथ सन्तरारंगी दौड़ने के जूते पहने थे।

सब ठीक है उन्होंने प्रसन्नता से पूछा।

"हम ठीक हैं," उद्यमी ने इटालियन भाषा के कुछ शब्दों को समझते हुए, खुश होकर कहा।

"सचमुच अच्छे हैं," कलाकार ने स्वीकार किया।

"यादगार दिन चुलबुलो। मैं तुम्हारा चीज़ निगलनेवाला tonnarelli pasta भकोसनेवाला ज्ञानगुरु तुम्हे आज के पाठ में पूरी तरह से *20/20/20* सूत्र को समझाऊंगा। हम आखिर यहाँ आ गए। हम अपने प्रात:कालीन कार्यक्रम के अवलोकन के लिए तैयार हैं, ताकि तुम दोनों अपनी प्रतिभा की प्रतिज्ञा को पूरा करके, असीम आनन्दित जीवन भोग सको। अब तुम जो सुननेवाली हो तुम्हें बहुत ज़्यादा अच्छा लगेगा। तुम्हारा शेष जीवन कभी ऐसा नहीं रहेगा," मेहनती और आदर्श उद्योगपति ने घोषणा की।

सूरज धीरे-धीरे ऊपर को उठने लगा और पहली बार उन्होंने अरबपति के बाँए हाथ के पिछली ओर एक टट्टू देखा। उस पर सिर्फ लिखा था "*20/20/20*"।

रोशनी की किरणों ने उठकर उसके सिर पर एक आभा मंडल का आकार दे दिया था। समस्त दृश्य मानो पारलौकिक था। आप भी चकित रह जाते।

"क्या यह नया है?" कलाकार ने स्पष्ट उत्सुकता के साथ चकित होकर सोचा। "पहले तो कभी ध्यान नहीं दिया।"

"हाँ," टायकून ने उत्तर में कहा। ट्रॅस्टेवेरे में मेरे कोई हैं, जिन्होंने कल रात्रि को मेरे लिए इसे बनाया था। अच्छा है, न नवजात शिशु की भाँति भोलेपन से उन्होंने पूछा।

"हाँ, एक तरह से," कलाकार ने राक्षस की तरह जँभाई ली, फिर ले जानेवाले कप से कॉफी की एक चुस्की ली।" इटली की कॉफी बहुत बढ़िया हैं", उसने आगे कहा।

"अच्छा! टेट्टू अस्थायी है", अरबपति ने स्वीकार किया। मैंने इसे अपनाया क्योंकि आज *20/20/20* सूत्र दिवस है। वास्तव में यह हमारे समस्त प्रशिक्षण-दिवसों को सम्मिलित करने के बाद सबसे, अधिक महत्त्वपूर्ण है। मैं, तुम दोनों के साथ सौभाग्यशाली अनुभव कर रहा हूँ। अब, मुझे लगने लगा है कि हम एक परिवार हैं। और लौटकर रोम वापस आना अविश्वसनीय रूप से विशेष लग रहा है। मैंने, अपनी पत्नी वेनेसा की मृत्यु के बाद से, यहाँ आना बन्द कर दिया था। उसके बिना यहाँ आने से बहुत पीड़ा होती है," उसने स्वीकार किया, फिर सिर घुमा लिया।"

फिर, स्टोन रिले ने अपने पसीने वाले पैंट की ज़ेब में हाथ डालकर एक फरकुला-निकाला उसे उन्होंने एक सीढ़ी की पहरी पर रख दिया जिस पर कुछ अज्ञात् रहस्यमय चित्र बने हुए थे। आप जान जाएँ कि वह कैसा दिख रहा था, वह कुछ-कुछ इसके समान दिख रहा था :

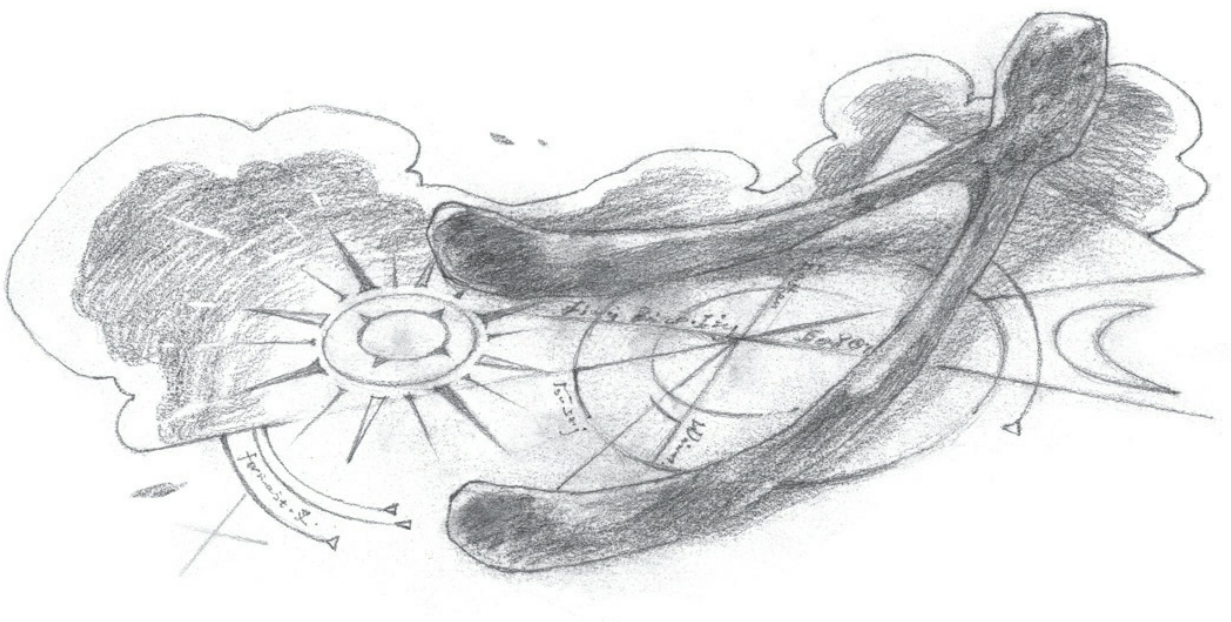

अरबपति ने अपने दोनों मेहमानों से कोई इच्छा माँगने को कही और फिर उनसे कहा की सौभाग्य के रूप में, खींचकर माँगने।

“मैं, इसे आज अपने सुबह के सत्र में, न सिर्फ तुम दोनों के मन में अधिक उत्तेजना फैलाने के लिए, बल्कि दोनों को यह समझाने के लिए भी लाया हूँ कि रीढ़ की हड्डी के बिना, फरकुला अधिक आगे, तुम लोगों को नहीं ले जा सकती.” उन्होंने समझाया।

“जैसे कि पार्ट टाइम भूमिका, परिणाम भी अंशकालीन ही देगी। अन्तर्दृष्टि के बारे में हमने जैसा पहले पढ़ा था!” कलाकार ने प्रश्न पूछा।

और अन्तर्दर्शि के बिना कोई विचार काम नहीं करता उद्यमी ने चढ़ते सूर्य में योगाभ्यास करते दबाव दिया। जो उस कड़ी धूप में एक योग का आसन कर रही थीं।

“एक प्रकार से”, उद्योगपति ने उत्तर दिया।’ मैं जानता हूँ कि तुम दोनो एक उत्पादक, श्रेष्ठ, सुखी और सार्थक जीवन जीने को तरस रहे हो। 5 AM क्लब का सदस्य बनना, वास्तव में अन्यअनेकों सम्भव आदतों में से, एक आदत है जो गारंटी देती है कि यह महत्वाकांक्षा सफल होगी। यह एक मात्र, सर्वश्रेष्ठ व्यवहार है, जिसका मैंने गौरवपूर्ण रहन-सहन को, प्रतिदिन की सच्चाई बनाने में सामना किया है। हाँ, सपने और कामनाएँ सिर्फ फरकुला है जो, सूर्योदय के साथ उठना, उन्हे प्राप्त करने के लिए तुम्हारी रीढ़ की हड्डी है।

प्रात:काल जल्दी उठने का सामर्थ्य वास्तव में *20/20/20* सूत्र के प्रतिदिन के प्रयोग से आता हैं,” रईस ने आगे कहा, “और तुम लोग अब, इस विस्मयकारक, शक्तिशाली प्रात:कालीन नित्यचर्या को जानने से कुछ ही क्षण दूर हैं।”

“वास्तव में वह समय हो गया है।” कलाकार ने रोशनी से अपनी आँखों को बचाने के लिए अपना हरे रंग के शीशे वाला चश्मा पहना। रोशनी, अब स्पेनिश सीढ़ियों की खाली जगहों नीचे पत्थर की बट्टियों से बने चौक जहाँ एक सुप्रसिद्ध फव्वारा था जो बर्निनी के प्राचौम स्थापत्य के पास बना था, तक जा रही थी।

“मित्रों, आरम्भ करने से पहले गले मिलें। अरबपति ने गरजते हुए, प्यारपूर्वक, कलाकार और कार्मिका से गले मिलते हुए कहा। “मेरे प्यारे रोम में आपका स्वागत है!” एक पास के फ्लैट की खुली खिड़की में से Moda के दल का एक गाना बजने लगा “Come uri Pittore” उसमें टँगा एक पर्दा हल्की हवा से छेड़खानी कर रहा था।

“ठीक है, आओ संगीत के साथ नृत्य करें। ध्यान में रहे, विश्व के लिए तुम्हारी सर्जकता, उत्पादकता, समृद्धि, कार्य निष्पादनता तथा अनिवार्यता साथ ही तुम्हारे निजी जीवन का स्तर सिर्फ सुबह 5 बजे उठने से ही नहीं

बदलेगा। इस प्रक्रिया को शक्तिमान बनाएगा, सोकर उठने के बाद के साठ मिनिट आप क्या करते हैं, खेल बदल देता है। याद रखें : विजय काल आपको जीवन में अवसरों की सब से बड़ी खिड़की देता है। जैसा आप जानते हैं; दिन की आप जैसी शुरुआत करते हैं, पूरे दिन पर इसका नाटकीय प्रभाव पड़ता है। कुछ लोग जल्दी उठकर भी सुबह की खबरो, आनलाइन सरफिंग, मैसेज में लग कर इस का महत्व नष्ट कर देते हैं कि इस प्रकार का व्यवहार तीव्र आनन्द की आवश्यकता से आता है वास्तविकता में जो आवश्यक है उससे पलायन। इस प्रकार से कार्य करने का तरीका, अधिकांश सदस्य इस काल के शान्त अंश का उत्तोलन नहीं कर पाते कि अधिकतम महानता पा सके सके और उनके दिन निरन्तर ऐसे बने रहें।"

"और, क्योंकि जैसा हम प्रत्येक दिन अपने हाथों से उकेरकर बनाते हैं, वैसा ही जीवन हम बना लेते हैं, ठीक?" कलाकार ने सहमति दी और अरबपति के समुद्र तट से सटे अहाते के बँगले में सीखे एक ज्ञान-खण्ड को बोलकर-बताया। "यह दिन के ढेर लगाने की नींव है, और यह इतिहास निर्माताओं के चार लक्ष्यों में से एक है। आपने इसे हमें समझाया था। मुझे वह नक्शा अभी भी याद है।"

"एकदम ठीक," अरबपति ने शाबाशी दी। और मैं यह भी कहना चाहूँगा कि अपने दिन का आरम्भ बुद्धिमानी से करने से आप अपने सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्यपूर्व और शान्तिपूर्वक सफलता अधिकतम पाएँगे। यह उसके बचाव के बारे में भी है।

अचानक एक आदमी घोड़ागाड़ी चलाते और तलवारबाज़ के कपड़े पहने Piazza di Spagna के चौराहे से निकला और चिल्लाया, "नमस्ते मि. रिले," और अपने मार्ग पर आगे निकल गया।

"एक नशेबाज़," अरबपति ने उत्तर दिया, इतनी जोर से ताकि वह भी सुन ले। गठीली पोशाक, है न?" उसने अपने शिष्यों से कहा।

अरबपति ने अपने बनावटी गुदने को रगड़ा और विशाल मूर्ति की ओर देखा।

"जिस आदमी को हमने अभी-अभी देखा, वह मुझे ऑरिगा की याद दिलाता है, एक प्रकार का गुलाम, प्राचीन रोम के समय का, जो प्रमुख रोमन राजनेताओं को, और हमने अपनी विश्वसनीयता के लिए चुना था। ऑरिगा का दूसरा काम था सेना के जनरल के पीछे खड़े रहना, जिसे "डक्स" (Dux) कहते थे और "मेमेंटो, होमो" सावधानी से उनके कान में कहना, जब वे विजय राजमुकुट उनके सिर पर पहनाते थे।"

"इसका क्या अर्थ होता है।" उद्यमी ने पूछा। आज उसने रँग उतरी जीन्स पहनी थी, चटक लाल रंग की टी-शर्ट जो Vकॉलर की थी और सफेद जूते दौड़ने वाले। बालों को पोनीटेल बनाया हुआ था, जो उसे पसन्द था। उसने अपने कंगन भी पहने हुए थे और हर प्रकार से आशा की किरणें बिखेर रही थी।

"मेमेंटो होमो' लेटिन में होता है, "याद रहे, तुम केवल एक मनुष्य हो," अरबपति ने जवाब दिया। ऑरिगा इस प्रकार से इसलिए कहता था ताकि नायक का अभिमान काबू में रहे, और अहंभाव को अपरिहार्य आमंत्रण, जो सभी महान सफलता को अनिवार्य रूप से लाता है, के प्रबंध मे नायक की सहायता करे। वह प्रक्रिया पूरी तरह से अनुशासित साधना थी, जो निश्चित करती थी कि डक्स एकोन्माद में व्यस्त रहे जो स्वयं का निर्माण करता है ओर राज्य जिसका उसने शासन किया और अच्छे से,-अपनी शक्तियों को मनोरंजन में अति करके, राजवंशों के पतन के कारणों को मन्द नहीं करता।"

"तुम जानते हो क्या?" कलाकार ने इशारा किया। मैंने कुछ कलाकार प्रतिभाओं को अपने सर्जनात्मक साम्राज्य का विध्वंस करते देखा है, साथ ही अपनी अर्जित कीर्तिका भी। क्योंकि वे अपनी सफलता को ठीक से सँभाल नहीं पाए थे। तो, मैंने आपको समझ लिया।"

"नि..., मेरा मतलब है, निश्चय से," उद्यमी ने जल्दी से स्वयं को सुधारा और अपने नए सखामित्र का हाथ दबाव देकर पकड़ लिया। "मैंने अनेकों रॉकेट निर्माता कम्पनियों को देखा है जिन्होंने अपने बाज़ार के व्यापार का हिस्सा गँवा दिया था, क्योंकि वे अपनी विजयसूत्र के साथ प्यार में अटककर रह गये थे। वे अपने ताप को गँवा चुके थे। वे गर्वीले बन गए और कलंकित भी हो गए थे। उनमें यह गलत धारणा घर कर गई थी कि क्योंकि लम्बी पंक्तियाँ लगी रहती हैं, उनके उत्पादन उत्कृष्ट हैं, और वैसी ही लम्बी लाइन सदा लगी रहेगी। अपने पदार्थों को दुहराए बिना भी, ग्राहक-सेवा को सुधारे बिना भी, वे आश्वस्त होकर देखते कि उनका प्रत्येक कर्मचारी, अपने नायकत्त्व के निष्पादन को ऊपर उठाए जा रहा है। अतः यह भी मैंने अभी सुना, मि. रिले।"

“आश्चर्यजनक”, उनका एक शब्द का उत्तर था।

“जब आप *20/20/20* सूत्र को प्रयोग में लाएं तो, हमेशा याद रखें कि प्रत्येक प्रात:काल, उसे उपयोग में लाते समय, और सुधार करते जाएं, भूखे रहें। अपने आस-पास शुभ्र, पारदर्शक, भाव बनाए रखें। क्योंकि सफल के समान और कोई असफल नहीं होता। एक बार आपने अनुभव कर लिया कि अभ्यास कितना कायापलट करनेवाला है तो उसे परे सरकाना-यहाँ तक कि ध्यान न देना, प्रक्रिया के कुछ चरण हैं।” अरबपति ने तर्जनी उंगली से सीढ़ी के एक कदम को छुआ। उसने आँखे बंद कर के यह शब्द कहे। अब समय है कि हम अपने उच्चतम स्व को भगौड़ा होने से रोकें और अपनी सदस्यता को नए क्रम योग्यता, बहादुरी और समझदारी के आह्वान को समझें, ताकि मानवता प्रेरित हो सके।”

फिर वे स्पेनिश सीढ़ियों के सबसे ऊपर के पत्थर के चबूतरे पर टहले और अपने दाहिने हाथ की दो उँगलियों को उठाकर सार्वभौमिक शान्तिचिह्न बनाया। पश्चात : Via dei Condotti के अधोभाग के निकट बने Piazza di spagna के पास, कुर्सी पर बैठकर चेस्टनट सेंक रहे आदमी की दिशा में हाथ हिलाया। आदमी ने सलेटी रंग की शर्ट पहन रखी थी जिसके छाती के क्षेत्र में सिकुड़ने पड़ी थीं। नेवी ब्लू पेंट तथा पीले, दौड़ के जूते पहन रखे थे।

चिह्न देखकर, आदमी तत्काल उठ खड़ा हुआ और चौरस्ते पर से एकदम होता हुआ सीढ़ियाँ चढ़ने लगा - एक साथ तीन-तीन, और चोटी पर पहुँच गया, जहाँ अरबपति था। उसने अपनी सिलवटें पड़ी शर्ट को उठाया, नीचे बुलेट प्रूफ बनियान पहने था। और उसके नीचे से एक लेमिनेटेड कागज़ का टुकड़ा खींचकर निकाला।

“अब तुम आगे बढ़ो, ग्रेंडे। तुम्हें फिर से रोम में देखकर अच्छा लगा, बॉस।” आदमी ने प्रगाढ़ इटली के लहज़े में बात की और आवाज़ इतनी खुरदरी, मानो सैंड पेपर हो।

“Grazie mille! Molto gentile, Adriano”, अरबपति ने हस्त-मिलन से पहले’ हाथ की एक हथेली को चूमते हुए कहा।

“एड्रिआनो मेरे सुरक्षा दल में है”, मि. रिले ने अभी-अभी दिए कागज़ के टुकड़े का निरीक्षण करते हुए कहा, “वह मेरे सर्वश्रेष्ठ मित्रों में एक है। वह इस अनोखे देश के पिएमोंटो क्षेत्र के आल्बा शहर में पल कर बड़ा हुआ है। क्या तुम छिछोरों को टारटूफो पसन्द है?”

“वह क्या होता है?” कलाकार ने पूछा। वह कुछ उलझन में दिखा, उस दृश्य से, जो अभी-अभी खेला गया था।

“ट्रुफल्स, बेबी!” अरबपति ने उत्साह से कहा, हे भगवान, उनका स्वाद अतुल्य था। टंगलीओलिनी पास्ते पर, पिघला, मक्खन अथवा, जब उसे घिस कर फ्राइड अंडों के ऊपर झुलाते हैं। वाह, ओह, वाह-वाह, वह तो शाहंशाहों का भोजन है!” अरबपति की आँखे, जिस भोजन की वह कल्पना कर रहा था उसकी प्रशंसा करते समय, इतनी चौड़ी हो गई जितनी खरगोश की। रेज़र के समान पतली लार की रेखा, उसके होंठों के किनारों से बहने लगी थी। हाँ, लार की धार! हैं न विचित्र, क्यों हैं न?”

एड्रिआनो, जो जगह पर था, उसने चुपचाप अपना रुमाल मालिक को दे दिया। उसने उद्यमी की ओर देखा, फिर कलाकार को, उस अन्दाज़ से मानों कह रहीं हों, “मैं जानती हूँ वह विचित्र है, मगर हम उसे प्यार भी तो करते हैं।”

और फिर, वे चारों उस बैठने के स्थान पर टिककर खड़े हो गए और उस अभिभूत करनेवाली दुर्दमनीय परिस्थिति को देखकर हँसने लगे। एक साथ।

“सी”, अरबपति ने स्वीकृति दी “शीघ्र ही।”

“आल्बा ऐसी जगह है जहाँ से सफेद ट्रूफल्स आते हैं,” अरबपति ने बताया प्रशिक्षित कुत्ते उनको सूँघकर बाहर निकाल देते हैं, या सूअरों को। शायद भविष्य में मैं आप लोगों को खरगोश के शिकार पर, अपने साथ ले जाऊँ। मैं आश्वासन देता हूँ कि वह अविस्मरणीय होगी। खैर, जो भी कुछ हो, अब इस अद्भुत शिक्षण नक्शे पर नज़रे डालें। निपुण वक्ता ने दरअसल इस विजय काल और *20/20/20* सिद्धान्त को हमारे लिए विखण्डित किया है। अब, अपने दैनिक प्रातःकालीन कार्यक्रम से सम्बन्धित कोई भी प्रश्न, कोई भी व्यक्ति, नहीं पूछेगा। बहाने बनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। वह सब कुछ आप लोगों के लिए फैला दिया गया है। बस, खेल को आरम्भ करो और

अपने दिन के स्वामी बन जाओगे। विलम्ब, टालमटोल, स्वयं से घृणा करने का एक प्रकार है, तुम जानते हो?"

"क्या सच में?" कलाकार ने पूछा।

"हाँ, पूर्णतया। यदि आपने सचमुच स्वयं से प्यार किया है तो अपको अपनी वे सभी भावनाएँ, जिनमें, आप इतने अच्छे नहीं बन सके कि इतने महान बन सकें कि सारी कमियों की दासता को छोड़ देंगे। इस के बारे सोचें : इस ग्रह पर कोई भी व्यक्ति आज ऐसा नहीं है, जिसके पास भेटों का ऐसा अद्‌भुत ढेर हो जैसा तुम्हारे पास हो। सच तो यह है, कि सारे इतिहास में, एक आदमी भी ऐसा नहीं, जो ठीक तुम जैसा था। और न कभी होगा। हाँ, तुम इतने खास हो। यह एक निर्विवाद सच है। अतः, अपनी विस्तृत बुद्धिमानी की सम्पूर्ण शक्ति एवं सामर्थ्य को गले लगाओ। अपनी विध्वंसात्मक आदत, स्वयं से किए वादों को तोड़ने की परम्परा को छोड़ दो। स्वयं से किए आश्वासनों को ना निभाना भी एक कारण है कि हम स्वयं से प्यार नहीं कर पाते। जो हम स्वयं से कहते हैं उसे पूरा नहीं करना, हमारा व्यक्तिगत मूल्य कम कर देता है तथा हमारे आत्म-सम्मान को बहा देता है। ऐसा आप करते रहिए ओर आपका सोया विवेक विश्वास करने लगेगा कि आपका कोई मूल्य नहीं है। और आप याद करें, वह मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया-आत्मतुष्टि की भविष्यवाणी-जिस में से मैं तुम्हें पहले लेकर गया था। हम सदा उस प्रकार से काम करते हैं-जो जैसा हम स्वयं को देखते हैं, से मेल रखती है। अत: हमारा सोचना, हमारे परिणाम निर्माण करता है। और, जितना कम हम अपना मूल्यांकन करेंगे उतनी कम शक्तियों तक हम पहुँच पाएँगे।" उन्होंने कहा।

आगे बढ़ने से पहले अरबपति ने एक तितलियों के समूह को पास से निकलते देखा।

"सभी कुछ इसी प्रकार से सक्रिय रहता है। अत: मेरा सुझाव है कि तुम, कार्यों को टालना छोड़ दो, जिस आत्मबल की हमने ताजमहल में बात की थी, उसके लिए स्नायुओं को तानों, और अपने शेष जीवन में साहसकिता का प्रयोग करो, अतिविशेष उत्पादकता के साक्षी बनो, और एक एकान्त निर्मल सौन्दर्य की अनोखी अभिव्यंजना बनो। उन सब का आदर करो जो आप वास्तव में हो, अपनी प्रतिभा के साथ, बजाय स्वयं को अपनी विशेषताओं को नकार कर भटकाने के। टालना, आत्म-धिक्कार की क्रिया है," अरबपति ने बात को दोहराया।" अतः स्वयं को *20/20/20* के सिद्धान्त को संभालने मे लगा दो ताकि अपने प्रभात को सँभालने की व्यवस्था हो जाए जो उसके केन्द्र में बसी है।"

अरबपति ने अपने कार्य का ढ़ाँचा उद्यमी तथा कलाकार को बतलाया। वह कुछ इस प्रकार का था:

20/20/20 सूत्र तत्त्व विघटन

खण्ड # 1

प्रात: 5.00
प्रात: 5.20
(आरम्भ)

क्या	क्यों	लाभ
* कड़ी कसरतें * प्रवाहित पसीना * सीखना * जल योजित * गहरी साँसें लेना	* कोर्टिसोल की सफाई * BDNF का प्रवाह * डोपामाइन का उच्च स्तर * सेरोटोनिन का बढ़ना * मेटाबोलिज्म् बढ़ना	* लक्ष्य केन्द्रीयता अधिक * उत्पादकता * केन्द्रीयता+दिमाग * सर्वोच्च * शक्ति बढ़ना * तनाव कम * दीर्घ जीवन

खण्ड # 2

प्रात: 5.20
प्रात: 5.40
(प्रतिक्रिया)

क्या	क्यों	लाभ
* दैनन्दिनी * साधना/उपासना * योजनाएँ * प्रार्थना * ध्यान/चिन्तन * सोच-विचार	* कृतज्ञता में अधिकता * बोधज्ञान में उछाल * सुख-आनन्द में बढ़ती * बुद्धिमत्ता का विकास * प्रशान्तता बढ़ती है	* अधिक सकारात्मकता * प्रतिकियात्मकता में कमी * उच्च रचनात्मकता * सबल कार्यनिष्पादन * सम्पन्न जीवन

खण्ड # 3

प्रात: 5.40
प्रात: 6.00
(विकास)

क्या	क्यों	लाभ
* लक्ष्यों का नव आकलन * पुस्तकों का पठन * ऑडियो पुस्तकों का उपभोग * पोड कास्ट्स सुने * ऑन लाईन फढ़ें	* दिमाग की सेटिंग * 2x3x हो जाएगी * ज्ञान गहरा हो जाएगा * बुद्धि में कुशाग्रता, ज्ञान मे गहराई आएगी * प्रभुता में बदलाव	* कमाई में बढ़ोतरी + टक्कर * कौशल का आगमन * क्षेत्र में प्रभुत्त्व * निजी विकास * प्रेरणाओं में उछाल

"जैसा आप इस प्रशिक्षु नमूने में देख सकते हैं, इसमें तीन बीस मिनिटों के खण्ड बने हैं जिन्हें स्थापित करना है और फिर, उनका अभ्यास सर्वोच्च स्तर तक जाने के लिए करना है। प्रथम बीस मिनिट का खण्ड *20/20/20* सूत्र चाहता है कि हम बढ़ें। सरल भाषा में कहें तो आरम्भ में कुछ श्रम वाली कसरतें सर्वप्रथम, प्रभात में करें। उससे आपके दिन की गुणवत्ता में विस्मयकारक आमूल-चूल परिवर्तन आ जाएगा।

दूसरा खण्ड आपको उत्साहित करेगा कि आप बीस मिनिटों तक चिन्तन करें, स्वयं को प्रतिबिम्बित करें। यह अंश आपको अपने स्वाभाविक गुणों / शक्तियों को पाने में मदद करेगा, आत्मज्ञान को उदात्त करेगा, तनाव को खत्म करेगा, सुख में नया ईंधन डालेगा और आपकी अन्तर्रान्ति को बनाए रख कर तीव्र उत्तेजित तथा विशिष्ट सक्रियता के क्षेत्र में पहुँचा देगा। और आप इन साठ मिनिटों के विजय काल के घेरे में से बीस मिनट सुनिश्चित विकास को देंगे फिर उसका अर्थ चाहे किसी किताब को पढ़ने में कुछ समय लगाना हो, जिससे आपका ज्ञान बढ़ें कि श्रेष्ठ जीवन कैसे निर्मित हुए थे या कोई लेख, जो आपकी उद्यमी क्षमताओं को धार देगा या ऑडियो सुनकर अपना ज्ञान बढ़ाना कि गुणी लोगों ने अपने असाधारण परिणामों को कैसे पाया था, या कोई ज्ञानवर्धक वीडियो देखें जो आपको दिखाएगा कि अपने रिश्तों को आप कैसे उभार सकते हैं या अपने वित्त और पूँजी को बढ़ा सकते हैं या अपनी आध्यात्मिकता को कैसे गहराई तक ले जा सकते हैं। जैसा कि अब तुम चुलबुलियों को ज्ञात है कि, जो नायक सर्वाधिक सीखता है, वह जीतता है।

मैंने जो सबसे सहायक बात निपुणवक्ता से सीखी वह यह, कि अपनी सुबह को सशक्त कार्यों से आरम्भ करने से-बिस्तर से कूदकर बाहर निकलने के बाद से-वह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण थी। मुझे अब भी उनके वे शब्द याद हैं और वे सुदृढ़ थे:"आपको अपना दिन कड़ी मेहनत से आरम्भ करना चाहिए। और इसमें कोई समझौता नहीं है। अन्यथा, *20/20/20* का सूत्र काम नहीं करेगा, और मैं तुम्हारी सदस्यता 5 AM क्लब से वापस ले लूँगा।"

तीन कबूतर अरबपति के ऊपर से उड़कर निकल गए। उसने उन्हें एक बड़ी मुस्कान के साथ देखा, एक के लिए चुम्बन फेंका और फिर, अपने प्रात:काल के प्रवचन को, इतिहास निर्माताओं के बारे में पुनः आरम्भ कर दिया।

"प्रात:काल को सबसे पहले, कड़ी मेहनत से आरम्भ करना ही बदल देता है। सुबह उठते ही फुर्ती से, जल्दी भाग-दौड़ करने से मस्तिष्क में रासायनिक परिवर्तन होता है-उसके तंत्रिका जीव-विज्ञान पर आधारित जिससे, न सिर्फ आप पूरी तरह से जाग्रत हो जाएँगे, बल्कि आपकी धारणा और लक्ष्य तथा ऊर्जा भी आपका आत्म-नियंत्रण करेगी और आप दिन को इस प्रकार से आरम्भ करेंगे जो आपको अनुभव होगा कि आप प्रकाशमय है। अब, आप दोनों के लिए अतिरिक्त व्यावहारिक होकर हम सकते हैं कि आपका परिश्रम करने का अर्थ होगा चक्रण की कक्षा लेना अथवा उछल-कूद के समूह को निष्णात बनाना या कूदना या जैसा उद्यमी घूसेबाज करना पसन्द करते हैं या हवा में कलाबाज़ी लगाना। पता नहीं आपके लिए क्या सर्वश्रेष्ठ रहेगा। यहाँ वास्तविक कुंजी यही है कि आप पसीना बहाएँ।"

"मगर क्यों?" कलाकार ने पूछा, जो अब बहुत शब्द लिखता जा रहा था।

"कारण को आप इस नक्शे में देख सकते हैं। अब, जैसा कि आप जानते हैं, कोर्टिसो भय का हार्मोन है। उसका निर्माण एड्रीनल ग्लेंडस में होता है, और फिर रक्त में मिल जाता है। कोर्टिसोल एक प्रमुख तत्त्व है, जो हमारी प्रतिभा को कुण्ठित कर देता है और इतिहास-निर्माण के अव्यक्त अवसरों को विध्वस्त कर देता है। बहुत उच्च कोटि की वैज्ञानिक जानकारियों ने साबित कर दिया है कि प्रात: काल के समय, हमारे कोर्टिसोल का स्तर उच्चतम होता है।"

"आकर्षक जानकारी है," उद्यमी ने ध्यान दिया, और रोम की सूर्य-किरणों में दूसरी बार, अंगड़ाई ली।

"हाँ, वह तो है। इसलिए, 5.00 से 5.20 AM तक व्यायाम से-सिर्फ बीस मिनिट में-आपका कोर्टिसोल का स्तर सार्थक रूप से कम हो जाएगा, अत: आप अपने सर्वोत्तम स्वरूप में आ जाएँगे। अद्‌भुत तरीका है दिन को आरम्भ करने का, है न? विज्ञान ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि शारीरिक योग्यता और बोधसंज्ञान में महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध है। एक सशक्त शारीरिक व्यायाम BDNF-ब्रेन डिराइ ड न्यूरो-ट्रोफिक फेक्टर-जो उस अंग को, जीतने लायक दिन बनाने लायक-सुपरचार्ज कर देता है।"

"क्या खूब!" उद्यमी ने कहा। वह भी उन्मत्त गति से डायरी में लिख रही थी।

BDNF वह तनाव द्वारा नष्ट हुए दिमाग़ के सेलों को तेज़ गति से निर्मित करके न्यूरल जोड़ों को फिर से बना देता है, अत: आप अच्छा सोचते और की, क्रिया को तेजी से करते हैं" अरबपति ने समझाया। एक और विशालकाय, प्रतियोगिता लाभ निश्चय से। ओह! और वह तंत्र उत्पति को प्रोत्साहन भी देता है, अतः आप दिमाग के नए कोषों का निर्माण करेगें। वह अकेला ही आपके लिए कितना मूल्यवान है।"

"वाह! दूसरी बार।" कलाकार ने चिल्लाकर कहा और अपनी दिमाग की शान्ति को न बताते हुए ध्वनि की।

"मेरा व्यवसाय कोई छू भी नहीं सकेगा, और मैं, व्यक्तिगत रूप से, अपराजेय बन जाऊँगा क्योकि मैं इन सभी योजनाओं पर काम कर लूँगा, जिन्हें आप इतनी उदारता से हमसे बाँट रहे हैं," उद्यमी ने प्रस्ताव दिया। प्रतिरूपण उसने जो मि. रिले को बनाते देखा, जब सभी उनके साथ इतने दयालु थे, उसने अपनी कृतज्ञता प्रकट करने के लिए हल्का-सा नमन किया।

बिल्कुल अरबपति ने सहमति दर्शायी।" और *20/20/20* सूत्र के आरम्भ के बीस मिनिट के खण्ड में, कड़ी कसरतें करने से तुम भी डोपामाइन का निःसरण करोगे और तुम भली भाँति जानती हो कि वह प्रेरणा का न्यूरो ट्रांसमीटर है जो आपकी सेरोटिन की मात्रा को ऊपर उठाएगा, यह वह अद्‌भुत रसायन है जो आनन्द की मात्रा को नियमित करता है। इसका अर्थ हुआ कि प्रात:काल के 5.20 होते-होते, जब आपके प्रतिस्पर्धी सपने में भेड़ें गिन रहे होंगे आप आपने क्षेत्र में काफी प्रवेश कर चुके होंगे ताकि अपने दल के नायक बन सकें, प्रवीणता प्राप्त कर सकें,

श्रेष्ठ परिणाम पाएँ और आगे फैले दिवस को स्मरणीय बना सकें।"

"क्या आपके लिए यह सम्भव होगा कि आप उस बात को विशेष रूप से बताएँ कि हम क्या करें जिससे सूरज के संग-साथ अवश्य उठ सकें।" उद्यमी ने निवेदन किया। "मेरा तात्पर्य है कि क्या आप हमें विस्तार से बतलाएँगे, जिन्हें करने से, हम अवश्य बिस्तर से उठ जाएँ जब अलार्म घड़ी बजे। मेरा खयाल है कि यह मूर्खतापूर्ण प्रश्न नहीं है। क्या यह बहुत बुनियादी है?"

"नहीं, यह बढ़िया सवाल है," कलाकार ने अपनी गर्लफ्रेंड की पीठ थपथपाते हुए कहा।

"हाँ-हाँ, यह तो शानदार प्रश्न है!" टायकून ने कहा और निश्चय से, जैसा मैंने सुझाव दिया था, किसी पुराने स्कूल की कोई अलार्म क्लॉक खरीद लो। मैं भी वैसी ही काम में लाता हूँ। जैसा मैंने आगरा में कहा था, "आप अपने बेडरूम में, किसी भी प्रौद्योगिकी को साथ लेकर नहीं सोना चाहते। मैं शीघ्र ही बताऊँगा, कि क्यों। एक बार आपको अपनी अलार्म क्लॉक मिल जाए फिर, सही समय से उसे आधे घंटे आगे कर दो। फिर, उससे 5.30 AM का अलार्म लगाओ।"

"क्या सच में?।" कलाकार ने सूचित किया। यह कुछ विचित्र-सा लगता है।"

"मुझे पता है," अरबपति ने स्वीकार किया। "मगर वह जादू की तरह काम करता है। आप स्वयं को धोखे में डाल कर सोचते हैं कि आप बाद में उठ रहे हैं, मगर आप सुबह ठीक 5 बजे उठ रहे होते हैं। यह दाँव-पेंच वास्तव में काम करता है। अतः, उसे करो और फिर, सुनने में तो यह सुस्पष्ट ज्ञात हो जाएगा, मगर इसमें एक और चाबी घूमी हुई है। जैसे ही अलार्म बजना आरम्भ हो, बिस्तर में से बिजली की तरह निकलकर भागो, इससे पहले कि आपका कमज़ोर हिस्सा आपको सभी प्रकार के कारण बतलाकर, समझाकर आपको फिर से चादरों की तहों में समेट ले। इससे पहले कि आपका विवेकी मस्तिष्क आपको फिर से चादरों की तहों में समेट ले। इससे पहले कि आपका विवेकी मस्तिष्क आपको कारण बताए कि फिर से सो जाओ। आपको उन छियासठ दिनों की स्थापना प्रक्रिया में से गुज़रना पड़ेगा ताकि सुबह 5 बजे उठना स्वचालित बिन्दु तक पहुँच जाए और, जल्दी उठना सरल होता है, बजाए देर से सोने के। जब मैं पहली बार 5 AM क्लब से जुड़ा था, मैं अपने काम करने के कपड़ों में ही सो गया था।"

मि. रिले कुछ परेशान दिखे। फिर, अधिक कबूतर तथा तितिलियाँ वहाँ से निकलीं। और इन्द्रधनुषी चिड़ियों का झुंड स्पेनिश सीढ़ियों पर फैलता गया।

"आप मुझसे मज़ाक कर रहे हैं, भाई मेरे, है न?" कलाकार हँसा और अपनी एक सूखी बालों की लट को हटाया।" आप क्या सचमुच अपनी कसरत की पोशाक में सो गये थे?"

"हाँ, मैं सो गया था।" अरबपति ने स्वीकार किया।" और मेरे दौड़नेवाले जूते मेरे, ठीक बिस्तर के पास पड़े थे। मैंने हर सम्भव प्रयास किया कि मृत्यु की पकड़ के सामान्य बहाने को अपने ऊपर से हटा दूँ।"

उद्यमी स्वीकृति में सिर हिला रही थी।

वह हर बीतते दिन के साथ अधिक मज़बूत और सुखी दिखी।

"खैर, मैं चाहता हूँ कि मैं पहले व्यायाम के लक्ष्य पर अपने ध्यान को बाँधूँ, जिसे प्रातःकाल पहला कार्य बनाकर करना है। तीव्रता से इसे करने से, यह अपने प्राकृतिक औषधि-शास्त्र को संवेदित करके आपको अनुभव कराएगा कि आप उस दिन की अपेक्षा, जब आप पहले दिन जागे थे, मौलिक रूप से भिन्न हो गए हैं।

जब आप पहली बार जागेंगे, तो जिस प्रकार का अनुभव करेगें वह वास्तव में वैसा नहीं है जैसा आप सिर्फ बीस मिनिट बाद, 5.20 पर अनुभव करेंगे जब आप अपनी न्यूरोबायोलॉजी को बुलेट निरोधक और अपने शरीरशास्त्र को युद्ध निरोधक बनाने की रणनीति अपनाएंगे। याद रखें इसे! पर, पसीनेवाली गति विधियाँ भी आपके विचार बदलती हैं। फिर भले ही आप सामान्यता "प्रातःकालीन व्यक्ति" न हों, और अपने दिन के आरम्भ में अप्रसन्न रहते हों, फिर भी, आप बदल जाएँगे, सारे के सारे 'न्यूरोन्स जो एक साथ विस्फोटित होते हैं , साथ में मानों तार से बँध जाते हैं, वाली बात है। आपमें वह आत्म विश्वास आ जाएगा जिसे प्रत्येक नायक, बिना सिर मौर के, पाना चाहता है। आप में इतनी लक्ष्य पर केन्द्रित होने की क्षमता आ जाएगी कि आप अपने कार्य में, घंटों केन्द्रित हो सकते हैं ताकि आप अपने सबसे श्रेष्ठ कार्यो का निष्पादन कर पाएं और, आप स्वयं को प्रशान्त अनुभव

करेंगे। देंखें, norepinephrine में बढ़ोतरी प्रात:काल की उग्र सक्रियता को उत्पन्न करते हैं, वे न केवल आपकी सचेतना को सुधारते हैं, वह आपको सार्थक और अर्थपूर्ण ढंग से अधिक शांत बना जाते हैं। गहरी खोजों ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि व्यायाम उपवल्कुटीय तंत्र के प्रमस्तिष्कखंड को नियमित करता है जिससे अंग उपांगों की क्रियात्मकता सुचारु हो जाती है तथा प्राचीन मस्तिष्क, जिसके बारे में हमने पहले अपने मॉरीशस की कक्षा में पढ़ा था, ताकि उत्तेजना को आपकी प्रतिक्रिया एक दुष्कर परियोजना या जिद्दी ग्राहक से एक अशिष्ट ड्राईवर या चीखता/रोता बच्चा, सभी अधिक शालीन हैं बजाय उन्मत होने के।"

"खूबसूरत अद्भुत लाभ" उद्यमी ने विश्लेषण किया। "आप सही हैं मि. रिले। मैं अपने तरकश में इन सभी जन-सामूहिक उत्पादन के तीरों को सजाकर, उन्हें मूल्यांकित नहीं कर सकी।"

"यही बात है," अरबपति ने कहते हुए उद्यमी को गले से लगाया। "मैं तुम दोनों को निश्चय प्यार करता हूँ।" फिर, आगे कहा, "मुझे तुम दोनों की कमी बहुत खलेगी।"

'उस क्षण में, ज्ञान-पुरुष की सामान्य आशान्विता अज्ञात् उदासी में समा गई। "हमारा साथ-साथ का समय, अब समाप्त हो रहा है। शायद हम कभी फिर से मिलें। मैं सच में आशा करता हूँ, मगर जानता नहीं हूँ..."

उसकी आवाज़ बंद हो गई, और उन्होंने फिर से नज़रें घुमा लीं। ऊपर, सफेद चर्च की ओर, जहाँ वे सब जमा हुए थे। उसके पीछे थी, सबसे चमकदार दृश्यमान वास्तुशिल्पीय संरचना को एक यशस्वी श्रद्धांजली ने अपने काले पसीनारोधक पैंट की ज़ेब में हाथ डालकर, एक गोली निकाली और उसे उछालकर मुँह मे डाला जैसे कोई गोली गुटक रहा हो।

"फिर भी जैसा आप, निर्माण ध्वंस में देख सकते हैं," वे मॉडेल को पकड़े-पकड़े आगे बोलते रहे, "प्रातःकाल के समय श्रम करना आपके चयापचय है-और यह आपके शरीर के चर्बीभस्मी इंजन को आरम्भ कर देता हैं, ताकि आपका शरीर अतिरिक्त चर्बी को, अधिक कुशलता से जला दे और आप शीघ्रता से दुबले हो जाएँ। है न एक और अनमोल विजय? ओह! और ज्यों-ज्यों आप अपनी सुडौलता को बढ़ाते जाएँगे, आप स्वयं को जीवन भर के लिए, स्वस्थ्य बनाते जाएँगे। "कठिन प्रशिक्षण करें, जीवन बढ़ा लें," यह एक सजीला उद्देश्य है, जिससे मैंने अपने साम्राज्य स्थापित किया। अब आप जान गये कि पुराण-पुरुषों की लम्बी उम्र उनकी महानता का रहस्य है। मरना नहीं है। आप स्वयं के खेल के स्वामी नहीं हो सकते और दुनिया को नहीं बदल सकते, यदि आप फूलों को मरघट में ले जा रहे हैं," उद्योगों के टाईटन ने स्पष्ट उच्चारण में, उत्साह से कहा।

मैं जिस मौलिक बिन्दु को प्रस्तुत करके समझाने का प्रयत्न कर रहा हूँ, इस अंश का पहला भाग बनाम सतही सुबह नवाचार अनिर्वाय रूप से यह है : आपका जीवन सौ गुणा बेहतर अनुभव करेगा और काम करेगा, जब आप अपने सर्वोत्तम शारीरिक स्वास्थ्य में होंगे, जैसे पहले कभी भी नहीं रहे। स्वेदयुक्त व्यायाम की,सूर्य के साथ-साथ उठने को, अपना प्रथम कार्य बनाना ही वास्तव में हमारा पूर्ण जीवन परिवर्तन करने वाला है। अवधि। अत: वह सब करें जो इस आदत को निभाने के लिए आवश्यक हो। जो भी कुछ करना पड़े, बिल्लियो।"

"क्या मैं आपसे एक और प्रश्न पूछ सकती हूँ, मि. रिले?" उद्यमी ने नम्रता से पूछा।

"हाँ-हाँ पूछो न," अरबपति बोले।

"क्या होगा यदि मैं बीस मिनिट से ज्यादा देर, कसरत करना चाहूँ?"

"बहुत अच्छा" अरबपति ने सूचना दी। यह प्रात:कालीन नित्यकर्म कोई पत्थर की लकीर नहीं है जैसे वह, वहाँ ऊपर, पत्थर के स्मृतिचिह्न में खुदे अक्षर हैं," उसने उस स्मारक की ओर इंगित करते हुए कहा, जो एक छोटे-से चबूतरे पर-बना हुआ था, स्पेनिश सीढ़ियों के ऊपर। "सब-कुछ समझ लो, जो मैं जानता हूँ, और फिर, उसे अपना बना लो। अपनी अभिरुचि के अनुसार उन्हें अनुकूल बना लो, और उन्हें विवश कर अपनी जीवन-शैली के अनुकूल कर लो।"

अरबपति ने रोम की ताज़ी हवा खींचकर अन्दर भरी वही वायु जिसे सम्राट, तलवारबाज, राजनैतिक तथा शिल्पी हज़ार वर्ष पहले, साँसों में भरते थे। कल्पना करें-उस पवन को साँसों में भरने की। और इन तीन 5 AM क्लब के सम्मोहक सदस्यों के साथ खड़े रहने की।

"यह मुझे अब *20/20/20* सूत्र के दूसरे बीस मिनिटों के खण्ड के निकट लाता हैं जिसका तुम्हें अपने विजय-

काल के दौरान अभ्यास करने की ज़रूरत है। 5.20AM तथा 5.40AM के बीच का समय है, जब हम चिन्तन" करते हैं।

"चिन्तन" से आपका सही अर्थ क्या होता है? कलाकार ने पूछा और अपने नए पाए आत्म-विश्वास को "महान् विद्यार्थी" में स्थापित करते हुए पूछा और पूछते-पूछते अपनी दाढ़ी को सहलाया।

"जैसा कि मैं, अपने मिलन-समय में, बार-बार इशारा करता आया हूँ कि अपने प्रात:काल के समय को सुचारु रूप से संभालना, अतिविशिष्ट लोगों की प्रमुख प्रवीणता है। अपने दिवस के आरम्भिक हिस्से को कुशलता से उपयोग में लाना, व्यवसायिक श्रेष्ठता और होशियारी से व्यवस्थित सुबह का एक तत्व है कि हमें गहरी शान्ति का समय मिल जाता है। थोड़ी-सी शान्तता और एकान्त स्वयं के लिए, इससे पहले कि जटिलताएं आना आरम्भ हो जाएँ, और आपके परिवार को आपकी ऊर्जा की आवश्यकता पड़ने लगे, और आपकी समस्त जिम्मेदारीयाँ सामने आ जाएँ। आज के समाज की नई विलासिता है प्रशान्ति । अत:, अपने विजय काल के इस खण्ड को थोड़ी-सी शान्ति प्रदान करें। स्तब्धता दें। विचार करें कि आप किस प्रकार से जी रहे हैं। और आप क्या बनेंगे। विचारशील बनें और सोचें, किन मूल्यों को आप अनुकरणीय समझते हैं, जिनके प्रति आप भविष्य में ईमानदार रहेंगे। और आपकी इच्छा किस प्रकार से व्यवहार करने की है। चिन्तन करें कि आज के दिन को महान् बनाने के लिए क्या घटित होना चाहिए ताकि आपका जीवन आदर्श और अनुकरणीय बन जाए।"

"यह खण्ड मेरे लिए अतिविशेष रहेगा", यह टिप्पणी करते समय उसके कंगन आपस में टकराकर बोल गए। उनमें का एक चमकदार और नया था। उस पर सुवाक्य अंकित था "ये सभी, शुभ प्रभात की सुबहें, एक दिन मुझे प्रतिरूप बना देंगी।"

"मैं तुमसे सहमत हूँ," अरबपति ने अभिव्यक्त किया।" खूबसूरत से जिए जीवन में सबसे महत्त्वपूर्ण जो है, वह अन्त में जो छोड़ जाएगा, उसे निपुणवक्ता शेष दिनभर अवशिष्ट ज्ञान," कहते हैं। जैसे, शुद्ध उत्पादक कार्य के वजनदार मूल्य का चुपचाप चिन्तन करना, जिनमें प्रवीणता होती है, अथवा, लोगों के साथ प्यार, उदारता से पेश आने की प्रतिबद्धता का स्मरण करना जब द्वितीय खण्ड, उन मूल्यों को, तुम्हारे ध्यान में लाने के लिए उन्हें पुन: आगे बढ़ाता है। और, इस प्रकार से जब आप शेष दिन से अनुभव करते हैं, आपके ज्ञान के साथ सामंजस्य का "विशिष्ट अवशेष" लक्ष्य में रहता है। प्रति क्षण को प्रभावित करता और विकल्पों का मार्गदर्शन करता, एक और तितली फुर्ती से फुर्र हो गई। तीन औरों ने, काव्यात्मक रूप से पहली का पीछा किया, मानो कविता उतर आई हो। अरबपति ने निश्चय किया कि वह परावर्तन को और गहराई से बताएगा, मगर पहले, एक और गोली गुटकी उसने अपने हृदय पर हाथ रखा और रोम के संवेदनात्मक दृश्य पर नजरें दौड़ाईं। यहाँ जिस प्रकार से रोशनी पड़ती है वैसी, और कहीं भी नहीं, पड़ती। उसने सोचा "मैं अपने रोम को बहुत याद करूँगा।"

अरबपति ने पिस्ट्रो बर्निनी द्वारा पत्थरों से बनाई सफेद नाव तक जाने वाली सीढ़ियों को गौर से देखा, फिर फूलों की दुकान को जो, नीचे के आँगन में थी।

"अनेकों प्रकार से, छाया प्रतिछाया ही परिवर्तन के प्रमुख स्त्रोत हैं, क्योंकि एक बार जब आप ठीक से जान लेते हैं, तब आप यकीनन बेहतर कर सकते हैं। विजय काल के इस बीस मिनिट के काल-खण्ड में आपको सिर्फ इतना ही करना है कि आप निस्तब्ध रहें, शान्त रहें, मौन रहें और निश्चलता में प्रवेश कर जाएँ। आप स्वयं को ध्यान भंग चिन्ता और शोरगुल के युग में कितनी अनूठी भेंट देगें।

"वह मेरी मुझे ही देने के लिए अवश्य एक अति विशाल भेंट होगी, और मेरे व्यवसाय के लिए भी," उद्यमी ने स्वीकृति दी। मुझे अनुभव हो रहा है कि मैं अपना बहुत सारा समय करने तथा प्रतिक्रिया देने में लगाती हूँ। और बहुत कम समय संकल्प लेने और योजनाएँ बनाने में। आपने बताया था कि महान् व्यक्ति कैसे एकान्त के समय का लाभ उठाते हैं। मैंने पढ़ा है कि बहुत से सुप्रसिद्ध बुद्धिशाली हाथ में सिर्फ नोट पैड और कलम के साथ एकान्त में घंटों बैठे रहते हैं, ताकि अपनी कल्पनाओं के पर्दे पर चमके, उसे पकड़ सकें।"

"हाँ", अरबपति ने अपनी राय बताई। एक महान् कल्पना को जन्म देना एक उच्च कोटि के उत्सव का प्रमुख प्रवेश द्वार है। एक बात जो रोम के इन ऐतिहासिक स्थानों को इतना विशेष बनाती हैं, वह है मात्र उनकी विशालता-भव्यता। कैसी अद्भुत उनकी दूरदृष्टि और आत्म-विश्वास था, जिन रोमनों ने उनका निर्माण किया! और कितना कौशल था जिन्होंने विचारों को वास्तविकता में बदला था। मेरी बात का महत्त्व इतना ही है कि इस अमर शहर की चमत्कारी इमारतों में से प्रत्येक इमारत, मानव कल्पना की बेजोड़ मिसाल है जिसका उपयोग

सोच समझकर किया गया है। अतः, हाँ आपको भी प्रतिबिम्बित खण्ड का उपयोग आविष्कार, दूरदृष्टि और कल्पना के लिए करना चाहिए।" आज से बीस वर्ष बाद, मेरे खयाल से एक उद्धरण मार्क ट्वेन का याद आ रहा है, "आप उन बातों के लिए अधिक असन्तुष्ट नज़र आएँगे, जिन्हें कर नहीं सके, बजाय उनके जिन्हें आपने किया था।" अतः सीमाओं को परे फेंकें, सुरक्षित बन्दरगाह से बाहर निकलें अपने पाल में व्यवसाय की वायु भरे अन्वेषण करें। सपने देखें। खोज करें।"

"सभी महान् कलाकार भविष्य के सपने देखते हैं, कम ही विश्वास करते हैं - कि वह सम्भव है।" कलाकार ने साधुओं की शैली में कहा।

"हाँ जी हाँ," अरबपति ने सहमति में सिर हिलाया। "एक और रणनीति का उपयोग आप इस समय कर सकते हैं, जिसे निपुणवक्ता "निष्पादन पूर्व की अन्तिम रूप-रेखा" कहते है। यह आपके आगामी आदर्श दिन" का विवरण मात्र है। अन्वेषकों का भी कहना है कि पूर्व प्रतिबद्धता की रणनीति हमारे ध्यान और अनुशासन को बढ़ाकर, काम अच्छी तरह से करने में सहायता करता है। आपके पास आगामी दिन की स्पष्ट व अवलोकित पाण्डुलिपि रहती है, अत: वह मार्ग दिखाता चलता है कि कहाँ जाना है। वैसे तो, व्यवसाय में और जीवन में कुछ भी त्रुटिहीन नहीं है। फिर भी, इसका यह अर्थ नहीं होता कि हम उसे करने के लिए, अपना सर्वश्रेष्ठ न करें। अग्रणी महिलाएँ और पुरुष विश्व में सभी पूर्णतावादी थे। वे अतिवादी थे और अपने किए हर कार्य विलक्षणता को लेकर जुनूनी थे। अतः अपने विशिष्ट दिन के बारे में लिखने में कम-से-कम दस मिनिट निकाल कर अपने पूर्ण दिन को लिखें।"

टायकून ने, फूलों की दुकान को फिर से ताका। उसने अपनी बाएँ हाथ की तर्जनी उँगली को रोम के आसमान की और उठाया। एक तूफानी, आकर्षक युवती, जिसकी गाल की हड्डियाँ उभरी हुईं, कछुए की हड्डी से बने चश्मे, एक ग्रे लिनन का ब्लाउज़ तथा फॅशनेबल पायजामा पहने, उठी, हाथ में धातु का अटेची केस था। फिर वह फुदकती हुई, सीढ़ियाँ चढ़ गई-मानों चीता अपने भोजन का पीछा कर रहा हो।

"हाय, विएना," उसके आने पर अरबपति ने कहा।

"हैलो मि. रिले," युवती ने बहुत विनम्रता से उत्तर दिया।" आपको रोम में वापिस देखकर, हम बहुत प्रसन्न हैं श्रीमानजी, मेरे पास आपकी वस्तुएँ हैं।"

सहायक ने ताले में एक गूढ़ संकेत पद्धति लगाई और पेटिका उछलकर खुल गई। अन्दर तीन तराशी हुई ठाठदार पत्रिकाएँ थीं जिनकी बाइंडिंग सबसे मुलायम इटालियन चमड़े से की गई थी। अरबपति ने एक उद्यमी को दी और एक कलाकार को। उसने आखिरी को उठाया, उसे अपने हृदय से लगाया और चाटा। हाँ, उसने सचमुच अपने जर्नल को चाटा था।

जब दक्षिणी अफ्रीका के जादुई अंगूरों के बाग में होंगे, मैं बतलाऊँगा कि मैं ने अपनी डायरी को अपनी जीभ फिराकर क्यों चाटा था," अरबपति ने निरन्तर बढ़ते रहस्य से उत्साहित किया।

"साउथ अफ्रीका?" कलाकार ने जोरों से पूछा।" हम कब जा रहे हैं?"

"जादुई अंगूरों के बाग में।" उद्यमी ने भी पूछा।

अरबपति ने दोनों पर ध्यान नहीं दिया।

"तुम बहुत अच्छी हो विएना," अरबपति ने अपने सहायक से कहा। "सच में अच्छी," उसने आगे जोड़ा, जब वह प्राचीन सोपान की सीढ़ियाँ उत्तर रही थी और एक काले स्कूटर के पीछे उछलकर बैठ गई, जो उसकी प्रतीक्षा में था और मानो उड़ता-सा गायब हो गया।

जब उद्यमी और कलाकार ने अपने जर्नल्स को खोला तो उन्होंने प्रथम पृष्ठ पर विस्तार से, सावधानीपूर्वक बनाए ढाँचे में एक नक्शे को देखा।

"हमारे लिए सीखने को एक और नक्शा!" कलाकार ने उपकृत सुर में पूछा।

"हाँ," अरबपति ने उस पर ध्यान दिया।

"अरे भाई, मुझे ये नमूने बहुत प्यारे लगते हैं," कलाकार बोला। शिक्षा देने के अनमोल उपकरण, ताकि

उलझानेवाले विचार अद्‌भुत रूप से स्पष्ट हो जाएँ।”

“और अति सार्थक भी,” उद्यमी ने आगे जोड़ा, “स्पष्टता प्रवीणता लाती है। है न?”

“सच है”, अरबपति ने स्वीकार किया।” और तुम लोगों का स्वागत है, चुलबुलों। मगर वह तो निपुण वक्ता ने अपने समृद्ध जीवन के दशक इन ढाँचों के बनाने में लगा दिए ताकि वे 5 AM क्लब के दर्शन तथा वर्गीकरण के प्रणालीविज्ञान को समझा सकें। वे देखने में बहुत सामान्य लगते हैं, क्योंकि इसमें उनका समस्त उद्यमी जीवन लग गया है। इसमें दीर्घ जीवन के गहन ध्यान की तथा एकान्त की आवश्यकता पड़ती है ताकि किसी भी कार्य की उलझनों से उसे निरावृत्त किया जा सके। यह ऐसे है जैसे नौसिखिया किसी उत्कृष्ट कलाकृति को देखता है। यह सरल दिखती है क्योंकि वह अन्दाज़ नहीं लगा पाता कि उसमें से, ज्ञानगुरु ने वह सब-कुछ निकाल लिया है जो अनावश्यक था। अनावश्यक निकालकर मणि का निर्माण करने में निष्ठा के दशक लग लाते हैं और दशको की भक्ति। चीज़ो को अप्रशिक्षित आंख के लिए सरल बनाना उस्ताद की निशानी है।

दैनन्दिनी लिखने की आदत

निर्माण का तत्त्व विघटन

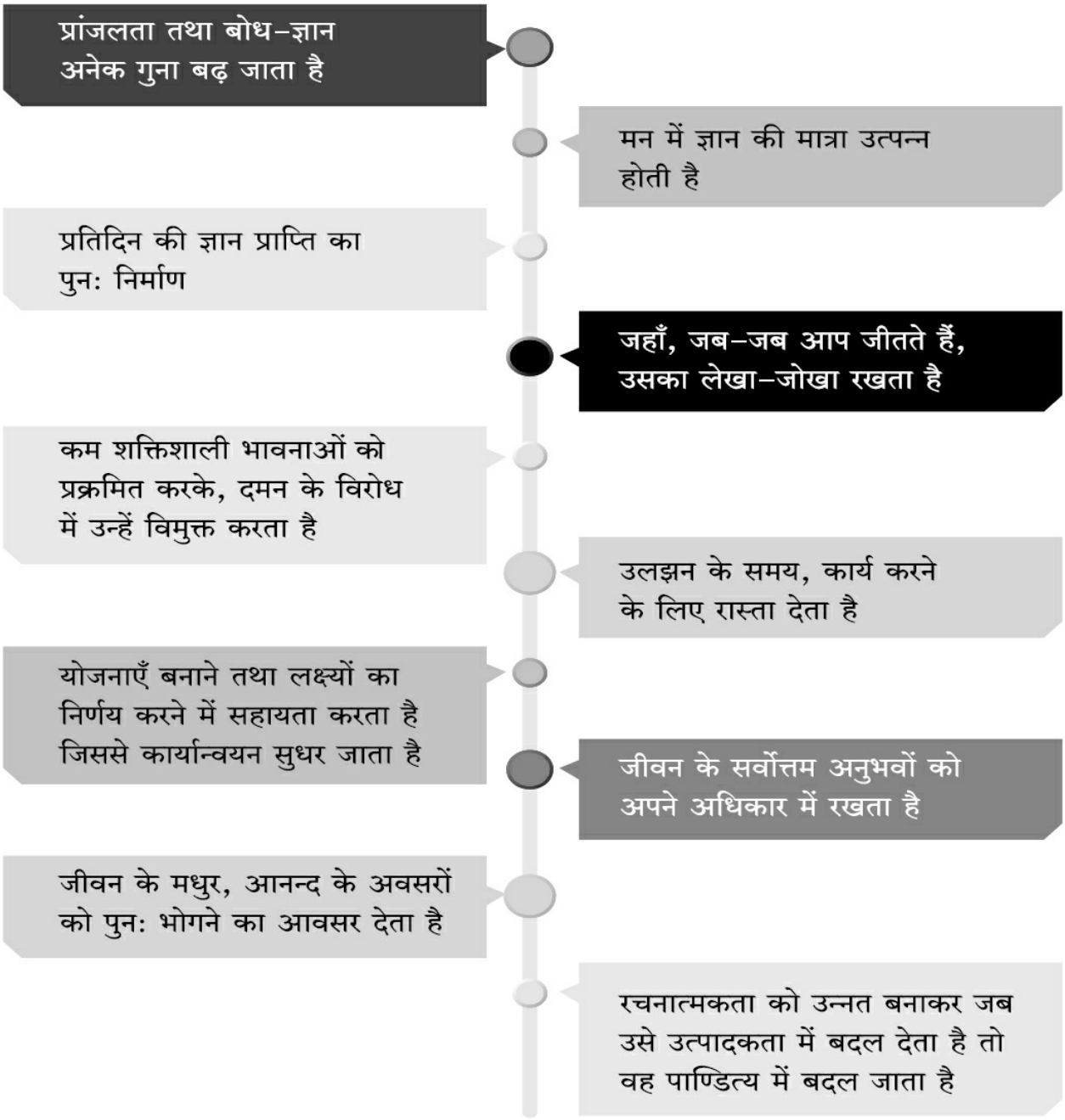

अत्यधिक मूल्यवान चमड़े की बाइंडिंग में बंधे जर्नल्स कुछ इस प्रकार के दिख रहे थे, जिससे आपको सही अन्दाज़ हो जाए कि तीन साथियों ने उस सूर्योदयी सुबह, रोम में क्या देखा था :

"मुझे ये सौगातें, जो मेरा सहायक हमारे लिए लाया है, की बात पर आने दो," अरबपति ने कहना जारी रखा, *20/20/20* सूत्र के प्रतिबिम्ब खण्ड के दौरान। एक और, विजय पाने की नि:सन्दिग्ध क्रिया है उसे दैनिकी में लिख लेना। अत: मैंने आप लोगों के लिए इन्हें इटालियन कारीगरों के द्वारा बनवाया है। आशा है, आप लोगों के लिए ये अद्‌भुत कार्य करेंगे।"

रईस ने नीचे Via dei Condotti की ओर देखा। सड़क साफ करनेवाले अपना काम मेहनत से कर रहे थे। भ्रमणार्थी मार्ग पर स्वयं के चित्र उतारते तथा रेहड़ीवालों से सस्ते खिलौने ले रहे थे।

निपुण वक्ता को यहाँ रोम में, मेरे साथ घूमना अच्छा लगता है। यदि हम सौभाग्यशाली हुए तो उससे सुबह

बाद में मिल पाएँगे। नदी के किनारे-किनारे प्रातः पहुँच जाएँगे, इसके बाद मछली मारने के भ्रमण पर चले जाएँगे, जो यहाँ से कुछ घंटों के रास्ते पर है। ओह आज तो उन्हें शिष्टाचारवश एक जर्नल में कम-से-कम कुछ मिनिट तो लिखना ही है, 5.20 AM तथा 5.40 AM के बीच "प्रतिदिन की दैनन्दिनी" के नाम से। इसका गुर यही है कि कुछ भी लिख दें। ज्यादा नहीं सोचना है। सिर्फ, अपने आगामी घंटों के दायित्वों को, अपने मूल्यवान इरादों को, आभारों को कि आपके जीवन में, इस समय, क्या अच्छा हो रहा है। लिखना है आप अपने जर्नल के माध्यम से अपनी उदासियाँ और अड़चनें और असन्तोष और विद्वेष को, दिलों से निकालकर, सुखी हो सकते हैं। यह करामात ही होगी कि आप किस प्रकार से अपनी विषैली भावनाओं को निःसृत करते हुए, निम्न ऊर्जाओं को भी शारीरिक क्रियाओं में से निकाल फेंकते हैं। जब आप अपने दबाए घावों को, लिखकर आकाशभेदी निर्माण करेंगे, सुविशेष ऊर्जस्विता और अतुलनीय कार्य-निष्पादन करते हैं।

"मेरी दिल की लगी को अग्निनिरोधी तथा किलेबन्द बनाने का परम मार्ग, है न?" उद्यमी ने पूछा।

"अरे वाह!" अरबपति ने ताली बजाई, फिर उन्होंने अपने जर्नल के प्रथम पृष्ठ पर छपे शैक्षणिक नमूने पर एक उँगली रखी।

"यहाँ कुछ पुरस्कार हैं, जिन्हें आप तब पाएँगे जब अपने दस मिनिटों को बल्कि, शायद समस्त बीसों मिनिट, अपने खण्ड दो के विजय काल के खण्ड दो में से, दैनिक दैनन्दिनी को लिखने में लगा देंगे। उन्हें सबल करने के लिए दोहराना। मेरा सुझाव है कि आप जीवन के सिर्फ सकारात्मक पहलुओं को ही न लिखें बल्कि जीवन के उन अनुभवों को भी सम्मिलित करें जो बेचैनी और दर्द दे रहे हैं। क्योंकि, कटु भावनाओं में से शीघ्र निकलने का मार्ग है उनमें बुद्धिमानी और साहस से सीधे प्रवेश करना। उन्हें भरने (स्वास्थ्य ठीक करने) के लिए महसूस करे। जीवन के बोझ को पिघलाकर बहाने के लिए उन्हें लिखकर आवाज दें।ये भेदन की अंतर्दृष्टियाँ हैं जिन्हें मैं तुम दोनों को यहाँ बता रहा हूँ और भूत के घाव द्वार रोकी हुई क्योंकि एक बार तुम भावनाओं की नशीली परतों को पार करते हैं तो तुम्हारी मानसिकता, हृदय की स्थिति, स्वास्थ्य का तराजू और आत्मा की स्थिति सभी कुछ, तेज़ी से बेहतर होते हैं। और जब आपके चारों, अन्तर में बसे साम्राज्य, आपके आत्म-शुद्धि के प्रयत्नों के द्वारा तीव्रता से बढ़ते हैं तब आपका सर्वोच्च स्वयं कमान संभालने लगता है। यह फिर, उन बाह्य साम्राज्यों को जन्म देता है जिसे आप दोनों को और अधिक देखने की उम्मीद है। मैं कहना यह चाहता हूँ कि गँठीली भावनाएँ, जिन्हें निकालने का आप कोई स्वस्थ मार्ग नहीं खोज पा रही हैं। तो उनका दमन होता है, जो तनाव निकृष्ट उत्पादकता तथा बीमारी तक उत्पन्न करता है।"

"बढ़िया चित्र" कलाकार ने स्वीकार किया। "क्या आप यह कह रहे हैं कि यदि मैं कोई बैचैनी अनुभव नहीं करूँ, जिसे वे निर्मित करते हैं और अन्दर अटककर रह जाऊँ तो मैं बीमार होने की हद तक जा सकता हूँ।"

"हाँ, जो आपने अभी कहा, उसका तात्पर्य लगभग वही है, जिसका मैं सुझाव दे रहा हूँ," मि. रिले ने स्वीकार किया। "वे ज़हरीली भावनाएँ जो आपके उपहारों, प्रतिभा और ज्ञान के ऊपर परतों की तरह चिपक जाती हैं। यह एक प्रमुख कारण है कि अधिकांश पुरुष, इस दुनिया में, भूल चुके हैं कि वे जो नायक हैं। जब हम अनुभूति से बचना चाहते हैं तो हम स्वयं के सबसे मूल्यवान 'स्व' से सम्पर्क नहीं कर पाते और जीवन के सत्यों को भुला देते हैं : कि हममें से प्रत्येक, विस्मित करनेवाले कार्य कर सकता है और अनूठे कामों का निर्माण कर सकता है तथा चमत्कारिक स्वास्थ्य पा सकता है और सच्चा प्यार और जादुई जीवन जीता है और अनेकों का मददगार होता है। मैं यहाँ तथ्य बोलता हूँ। मगर हममें से अधिकांश के मन में इतना अधिक भय-दुःख तथा क्रोध, उदासी, जो हमारे असली खुद के ऊपर बना है कि हम देख नहीं पाते कि अवसर हमारे सामने पालथी मारकर बैठे हुए हैं। वह सारी नकारात्मक उर्जा हमें अन्धा बना देती है और हम उन्हें देख नहीं पाते। हमारी पहुँच हमारी आद्य प्रतिभा तक नहीं पहुँच पाती। इतिहास के महान पुरुषों की यहाँ तक पहुँच थी। आज, अधिकांश इसे गँवा चुके हैं।"

"जादुभरी जिन्दगी?" उद्यमी ने कहा। आप बार-बार "जादू" दोहराते हैं। लगता है, वह दूर की कौड़ी है। थोड़ा सा ग्रनोला।"

"हाँ, एक जादुई जीवन," अरबपति ने दृढ़ता से, मगर मृदुता से, कहा। मैं तुम सभी को समझाऊँगा कि आप-सब उस जादू में कैसे कदम रख सकते हैं, जो आप सभी को मिला हुआ है, जब हम साउथ अफ्रीका पहुँचेंगे। एक बार आपने उसे सीख लिया जिसे मैं वहाँ, अंगूरों के बाग में सिखाऊँगा, आपकी अधिक धन कमाने की योग्यता, अच्छा स्वास्थ्य, उन्मत्त आनन्द और गहरी अन्त:शान्ति नाटकीय रूप से बढ़ जाएँगे। मगर मैं यह नहीं समझा

सकता कि अभी से जादू में कैसे जीते हैं। मुझे उसकी अनुमति नहीं है, अरबपति ने रहस्यमय तरीके से कहा।

"आपको चोट ठीक करने के लिए घाव महसूस करने की ज़रूरत है।" अरबपति ने आगे कहा। मैंने अपने जीवन में अनेकों दुःख सहे हैं। उद्यमी पराजयें, निजी नुकसान, शारीरिक असफलताएँ। मैं इस समय भी ऐसी परिस्थिति में से गुज़र रहा हूँ, जो मेरे दिल में दुःख पैदा करता है। अरबपति का उच्च उत्साही आचरण अचानक धूमिल पड़ गया। क्षण भर को वह वृद्ध दिखने लगे। कमर झुक गई और उनकी साँसें कष्ट से आने लगीं। मगर, फिर ठीक हो गए।

"अरे अच्छे समाचार," उन्होंने उत्साहपूर्वक कहा और अपने दोनों हाथ रोम के वायुमण्डल में उठाए और बोले, "सच तो यह है कि मैं विगत कष्टों को अपने अद्भुत वर्तमान तथा अपने विलक्षण भविष्य में नहीं लेकर आता हूँ। मैंने प्रति-दिन की दैनन्दिनी के अभ्यास को *20/20/20* सूत्र के "प्रतिक्रिया' खण्ड में किया था और पूरी तरह से निर्मुक्त होने और इस सब को छोड़ने के लिए। यह प्रवीणता मात्र ही एक कारण है कि अधिकांश समय मैं अद्भुतता, उपकृतता तथा प्रशान्ति से, भरा रहता हूँ। और, इसी कारण मैं इतना-सब पा सका हूँ। भूत में रहना अधिकांश लोगों की अतिशय ऊर्जा चोरी कर लेता है, यह एक बहुत बड़ा कारण है कि अधिकांश लोग, क्यों इतने उर्वरताहीन हो गये हैं। निपुण वक्ता एक मात्र व्यक्ति हैं, जिनसे मैं मिला हूँ जिन्होंने हीन कार्य-निष्पादन और भावनात्मक उथल-पुथल के बीच सम्बन्ध स्थापित किया है। मगर, उस बारे में सोचें। यह पूर्णतया सच है। अतः कल्पना करें कि आपकी दैनिक डायरी प्रतिदिन प्रात: आपकी उपलब्धियों के बारे में क्या करेगी तथा उद्यमी सफलता खास करके तब, जब आप उन परिस्थितियों में से बाहर निकलने की, नाव में होंगे।" अरबपति ने धड़कती समानानुभूति से कहा और अपनी एक दुर्बल बाँह से उद्यमी को घेरे में लिया और दूसरी उसके नए प्रेमी के कन्धे पर रखी, "और तुम्हारी कला के लिए," उसने कलाकार की ओर मुड़ते आगे कहा।

"और पिछले दर्द को लादकर चलना बहुत थकानेवाला होता है," कलाकार ने सहमति दी। हम सभी पराजित हो जाते हैं और कई बार तो जीवन द्वारा लगभग, विध्वस्त हो जाते हैं।"

अरबपति ने अपना बोलना आगे जारी रखा, "मैं तुम्हें इसलिए भी प्रेरित करता हूँ कि दूसरे खण्ड के, 5.20 AM से 5.40 AM के बीच कुछ क्षण चिन्तन के लिए अवश्य निकालें। निपुण वक्ता ने मुझे सिखाया था कि उसे कैसे करते हैं, और इसने मुझे गहराई से, एकाग्र होने में। मेरा आत्म विश्वास, मेरा कार्य-निष्पादन और मेरी प्रशान्तता, बढ़ाने में मदद की जिसका मैं अनुभव करता हूँ, अपने व्यावसायिक कार्यक्रमों को करता हूँ। और प्रशान्त साधक ही सर्वोच्च कार्यसिद्धि करते हैं। साधना के बारे में कोई रहस्य नहीं है। अत: आपके मन में, इस बारे में, यदि कोई पूर्वाग्रह हो तो उसे तत्काल त्याग दें और उसकी प्रवीणता की ओर बढ़ें और उसे अपना लें। अपने लक्ष्य पर केन्द्रित होने, प्राकृतिक शक्तियों को सुरक्षित रखने और आन्तरिक शक्ति को बचाने का यह विश्व का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है। आपकी प्राकृतिक शक्तियाँ बनी रहेंगी। नियमित साधना-सिद्धि से अद्भुत परिणाम प्राप्त होते हैं और वे स्थायी हैं। उससे कोर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है जिससे तनाव कम होता है। सम्बन्धों को बढ़ाने का यह सबल, उत्तम प्रकार है तथा स्वयं से निजता आती है। इस पद्धति को आप इन्कार भी कर दें, तब भी असाधारणता कार्य करती है। मानव अनुकूलित आदत है। आपको स्वयं के लिए अधिक समय निकालना है, अपनी धारा प्रवाहिता और आत्मीयता को उच्च प्रकृति से मिलाने में। अपने सर्वश्रेष्ठ अंश से पुन: जोड़ने के लिए, आपका वह हिस्सा समझता है कि असम्भव का अधिकांश भाग अब तक अपरिक्षित है और वह आपके ज्योतिर्मय प्रदीप्ति, साहसिकता और अनुराग के छिपे जलाशय के बारे भी जानता है। आपका वह अंश, अब भी, औरों में महानता को ढूँढ़ लेता है, भले ही उनका व्यवहार भला न हो और वह नमूना संसार में सकारात्मकता को लेकर उभरता है-फिर भले ही वे सद्गुण आपके उत्तरदायी न हुए हों। हाँ, इस बीस मिनिटों की शान्ति और स्तब्धता की पुण्य-स्थली में आप प्रतिदिन प्रात: जाएँ, और आप उस सब को याद करें कि आप वास्तव में हैं कौन? प्रात:काल के एकान्त में, प्रथम किरणों के बीच, सच बोल पड़ता है। और फिर, अपने साथ यह मर्मान्तक ज्ञान भी ले जाएँ कि दिन का शेष भाग, हमें मिली भेंट है।"

अरबपति जमीन पर गिर पड़े और कुछ उठक-बैठक की श्रृंखला को शीघ्रता से किया। फिर, योग का फलकासन किया। आप सब अब तक, इस बेढब अमीर के विचित्र व्यवहारों से भली भाँति परिचित हो चुके होंगे।

"मुझे *20/20/20* सूत्र के तृतीय खण्ड तक पहुँचने की आवश्यकता है, ताकि अब हम आज के ज्ञान सत्र को समेट सकें। बाद में मैंने अनेकों भेंटें नियत की हुई हैं और उसके बाद, मैं एड्रिआनो के साथ शानदार डिनर पर जाऊँगा, निपुण वक्ता तथा कुछ पुराने साथी भी।" अरबपति ने प्रसन्न होकर कहा।

“अवश्य”, कलाकार ने कहा।

“कोई बात नहीं।”

“हाँ न!” उद्यमी ने कहा, “हमने कॅम्पो डी फियोरी के निकट के रेस्त्राँ के बारे में सुना है जो अद्‌भुत कार्बोनारा बनाता है। आज रात हम उसे आजमानेवाले हैं।”

“मनभावन,” अरबपति ने स्वीकार किया। वह पाँच साल के बालक जैसे लग रहे थे बजाय व्यवसाय के नायक के। फिर, उन्होंने साम्राज्य नियन्ताओं की शुभ-प्रभात की गति-विधियों, महान् कार्य उपार्जकों के बारे में तथा हमारी संस्कृति के रक्षकों के बारे में बतलाया।

अचानक अरबपति ने अपने पेट को पकड़ा और झिझककर दर्द से कँपकँपाने लगे।

“आप ठीक तो हैं, मि. रिले?” उद्यमी ने पूछा और अपने ज्ञान-गुरु की ओर भागी।

“पूरी तरह से,” उन्होंने उत्तर दिया और सब ठीक होने का अभिनय किया। हमें आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि मैंने वादा किया है कि मैंने 5 AM क्लब के बारे में जो भी कुछ सीखा है उसे, मैं जाने से पहले आपको सिखा दूँगा। बस आप सुनिश्चित कर लें कि आप निपुण वक्ता की शिक्षाओं को अधिक से अधिक लोगों के साथ बाँटेंगे। आप ऐसा करके संसार को सुधार रहे होंगे। अब मेरे लिए ऐसा करना सम्भव नहीं है।” ऐसा कहते हुए उनकी आवाज़ विलीन होती गई।

“हाँ, तो ठीक है,” उद्योगपति ने आगे कहा, “आओ आगे बढ़ें। *20/20/20* सूत्र का तृतीय खण्ड इस प्रकार से बना है कि वह आपको प्रतिदिन ‘बढ़ती” देने में मदद देगा। याद करें 2x 3x मनोभाव को। वह आपकी कमाई और प्रभाव को दुगुना कर देगा, आपके पूँजी-निवेश के दो मूल क्षेत्रों, आपकी निजी प्रभुता और उद्यमी सामर्थ्य को तीन गुना कर देगा। अत: 5.40 से 6.00 AM के बीच, जो विजय काल का अन्तिम क्षेत्र है, जब, आप अपने ज्ञान के धरातल को गहरा बनाते हैं। अपनी कुशाग्र बुद्धि को बढ़ाते हैं, अपनी प्रवीणता को सुधारेंगे तथा अपने प्रतिस्पर्धियों को अपने ज्ञान से पछाड़ देते हैं।”

“लियो नार्डो द विंसी ने कहा था, ‘किसी के पास छोटी या बड़ी प्रवीणता नहीं होती, बजाय अपनी स्वयं की प्रवीणता के,” कलाकार ने कहा।

“आज मैं तुम्हें अधिक प्यार करती हूँ”, उद्यमी ने कहा।

“अच्छा, मैं तुम्हें प्रतिदिन अधिक करता हूँ,” उसने मुस्कुराते हुआ उत्तर दिया।

“अरे भाई”, अरबपति हँसा। “मैं तो प्यार के उत्सव में जकड़ा गया। यहीं, इन स्पेनिश सीढ़ियों पर।”

उसने अपनी आँखें बन्द की और आत्म-संयमी दार्शनिक सेनेसा के ये जितेन्द्रय शब्द, कहे : “प्रतिदिन कुछ ऐसा प्राप्त करो जो तुम्हें गरीबी, मृत्यु के प्रति किलेबन्द करे, सचमुच में, अन्य विपत्तियों से भी बचाए, और अनेकों विचारों को सोचने के बाद, किसी एक को, उस दिन के लिए पूरी तरह से आत्मसात कर लो, पचा लो।”

अरबपति ने अपनी आँखें खोलीं और सरलता से ही कहा, “बाहरी संचालन अन्दर से आरम्भ होता है।” उसने आगे कहा, “अन्तिम, समापन खण्ड में, 5.40 से प्रात: 6.00 बजे तक, *20/20/20* सूत्र में, अपने व्यवसाय के लिए तथा समाज के लिए। अधिक मूल्यवान होने पर काम करो देखो, सफलता तथा प्रभाव इसलिए नहीं मिलते, क्योंकि आप उन्हें चाहते हैं। आप उन्हें अपने जीवन में आकृष्ट करते हैं, इस आधार पर आप कौन है-एक मनुष्य तथा उत्पादक के नाते। निजी इच्छाएँ बिना आत्म विकास के ऐसी हैं, मानों किसी मनमोहक बगीचे की आकांक्षा करना मगर एक भी बीज को नहीं बोना। हम स्वयं को बहुमूल्य उपहार देकर अपना मूल्य बढ़ा लेते हैं, स्वयं को मन-मुग्ध कर लेते हैं। मैंने इसी विचार से सम्पदा जमा की। जैसे-जैसे मैंने स्वयं को सुधारने की अपनी क्षमता सुधारी, अधिक व्यक्ति मेरी सेवाओं की ऊँची श्रेणी से अपना जीवन सुधारने लगे। जैसे ही मैंने स्वयं को अधिक ज्ञाता बनाया, मैं उस क्षेत्र के लिए अधिक मूल्यवान हो गया, जिन क्षेत्रों में मैं अपना व्यवसाय करता था। उससे मेरी कमाई और प्रभाव बढ़ें। आज के युग पूर्णतः विदेशी है पुस्तक पढ़ो। भूत के महान् स्त्री-पुरुषों के जीवन का अध्ययन करो, उनकी जीवनियों का “विकास” खण्ड में आकर स्वाध्याय करो। मनोविज्ञान के नव निर्माण को जानो। नवनिर्माण, उत्पादकता, नायकत्व, समृद्धि, और इतिहास का भक्षण करें। और वृत्तचित्र देखें कि उनके समान सर्वश्रेष्ठ कैसे करें और पनपने के लिए कि वे कौन हैं। निजी प्रवीणता रचनात्मकता व्यवसाय निर्माण पर

ऑडिओ बुक्स सुने। मैं और मेरे करोड़पति मित्रों में एक बात सामान्य थी कि हममें सीखने से प्रेम है। हम अपने उपहारों तथा प्रतिभाओं को निरंतर विकसित और पूंजीकृत करते हैं। हम स्वयं को विकसित करने में पूँजी-निवेश करते हैं। हम सभी पूरी तरह से पढ़ने में, स्वयं को विकसित करने में और हमारी असीम जिज्ञासा का पोषण करते हैं। हमें कौतुक सम्मेलनों और वार्ताओं में मिलकर जाना है। हम हर तीन माह में एक-कम से कम एक में तो जाते ही हैं ताकि हमें प्रेरणा मिलती रहे, हम सर्वश्रेष्ठ बने रहें और झपट पड़ने को तैयार रहें। हम व्यर्थ के अर्थहीन मनोरंजनों में समय नहीं लगाते क्योंकि हम अनन्त ज्ञान में लगे हुए हैं।

जीवन बहुत न्याय संगत है। जानते हैं न?" अरबपति उद्योगपति ने कहा, दार्शनिकों की भाँति, और अब वे काफी सशक्त लग रहे थे। "हम उसे जो देते हैं, बदले में वही पाते भी हैं। प्राकृतिक नियम ही वहाँ काम करते हैं। अत: अधिक दो तो अधिक अच्छे हो जाओगे।"

"ठीक है, तो अब आपने उसे पा लिया है," मि. रिले ने प्रसन्नता से कहा। "एक बहुत सुन्दरता से बनाया हुआ, दोषरहित प्रात:काल का कार्यक्रम, विश्वस्तरीय व्यवसाय एवं निजी जीवन के लिए। इसे पूर्णतया स्वीकार करें, प्रतिदिन लागू करें, अथवा कम-से-कम सप्ताह में पाँच दिन, और आपकी उत्पादकता, फलना-फूलना, मनोविनोद शीलता तथा निस्तब्धता उस महत्ता के साथ उन्नत हो जाएँगे जिससे आप विश्व को समर्पित करने योग्य हैं।"

"अब, आगे, क्या?" कलाकार ने पूछा।

"अब हम जाकर मृतकों से मिलेंगे," अरबपति का एकमात्र जवाब था।

अध्याय 14

‘5AM क्लब’ नींद की अनिवार्यता को समझता है

“आप कल्पना नहीं कर सकते, आराम करने की जिस भावना का मैं अनुभव करता-भूख और प्यास। छह दीर्घ दिवसों को, मेरा कार्य समाप्त होने के बाद से, मेरा मस्तिष्क तेज, अकुशल, निरन्तर चकरियाँ खा रहा है। विचारों की बाढ़ कहीं भी नहीं ले जा रही है, गोल घुमा रही है, तेजी से, अनवरत।”

– एच.जी. वेल्स

रोम का सूरज और ऊपर चढ़ गया था जब तीनों साथियों ने ऊँचे मकानों तथा वेटीकन को टकटकी लगाकर देखा। अब सड़कों पर था। शाश्वत शहर में जान आ गयी थी।

फिर से, टायटन का हाथ हवा में उठा। पुनः, हम देख सकते थे कि एक और सहायक न जाने कहाँ से आया। इस बार, एक व्यक्ति, चालीस के लगभग का, चौराहा दौड़कर पार करता हुआ आया, उसके मध्य में खड़ा हुआ, फिर एक यंत्र निकालकर उसमें कुछ बोला - तेजी से, जोर से। एक मिनिट के भीतर ही, तीन औरतें, अपने सिर के बालों पर दुपट्टा-जैसा उन आश्चर्यजनक, सन् 1950 की इटालियन फिल्मों में देखते थे, तीन लाल रंग की चमकदार वेस्पाओं के ऊपर बैठी आ गईं। उन्होंने उन्हें स्पेनिश सीढ़ी के पैरों में, नौका की मूर्ति के बगल में खड़ा किया और Via delle Carrozzae से नीचे उतरकर अदृश्य हो गईं।

“आओ भाइयो, चलें!” अरबपति ने विस्मयपूर्वक कहा, “सवारी का समय हो गया।”

“मगर, यह सब क्या है, मुर्दों से मिलना?” उद्यमी ने पूछा। उसके मस्तक की रेखाएँ पुनः उभर आईं थीं और बाँहें अब क्रास के निशान जैसे रखी थीं।

“मुझ पर विश्वास करो। अपने स्कूटर पर उछलकर बैठ जाओ और मेरे पीछे-पीछे आओ,” अरबपति ने निर्देश दिए।

तीनों साथियों ने रोम की प्राचीन गलियों में से अपना रास्ता तय किया। यहाँ तक कि सबसे अनजान चर्च या सहज स्तम्भ-चिह्न भी उन्हें आश्चर्य की स्वप्निल स्थिति में छोड़ गये। धूप अब चकाचौंध थी क्योंकि दोनों रोमवासी तथा पर्यटक, मुख्य पथ को भर चुके थे। शहर प्राणमय हो गया था। एक चौराहे से जब वे गुज़रे तो एक उल्लेखनीय, प्रतिभाशाली ऑपेरा गायिका, अपने साथ खड़े पुरुष के साथ, पैसे जमा करने के लिए, लोगों का दिल जीतने के लिए और ऐसे गाना गा रही थी, मानों उसका कल नहीं आयेगा। लोगों का दिल पसीज रहा था, वह गाना गा रही थी। जब अरबपति, उद्यमी तथा कलाकार ने अपने रोम के रास्तों पर चलना जारी रखा तो उन्होंने फिर से एक अति यथार्थवादी दृश्य देखा : 18 वीं से 12 वीं सदी ईसा पूर्व मकबरे की तरह बना चेस्टियस का पिरामिड।

“एक मिस्र शैली का बना मक़बरा, सनातन शहर के बीचों बीच बना था, अकल्पनीय” कलाकार ने सोचा और अपनी आँखों को रास्तों पर लगाए रखने की कोशिश।

शीघ्र ही वे शहर-सीमा से बाहर निकल गए, अरबपति अब भी आगे थे। उद्यमी ने सुबह से पहली बार ध्यान दिया, कि उसकी टी शर्ट की पीठ पर संयुक्त संघ के जनकों में से एक, बेंजामिन फ्रेंकलीन के सुवाक्य अंकित थे। उन्होंने कहा था - “प्रातःकाल की प्रथम किरणों के मुख में सुवर्ण होता है।” और उसके हेल्मेट के शीशे पर अंकित शब्दों में लिखा था – “सबसे प्रथम सोकर उठो, मरो सबसे अन्त में।”

उसने सोचा, “यह मनुष्य तो अद्भुत है।” अलग तरह का। उद्यमी को पता था कि यह सनसनीखेज़ साहसिक यात्रा शीघ्र समाप्त हो जाएगी मगर उसे आशा थी कि मि. रिले उसके जीवन में बने रहेंगे। वह, न सिर्फ उन्हें सराहने लगी थी, बल्कि उसे उनकी आवश्यकता महसूस होती थी।

उन्होंने कुछ देर सवारी की और फिर अरबपति ने इशारा किया कि उन्हें एक भयावह, एकान्त, पार्श्व गली में रूक जाना चाहिए। स्कूटरों को बिना बोले रोक देने के बाद, उन्होंने अपने विद्यार्थियों को अपने पीछे-पीछे आने

को कहा, फिर महान् रोमन सेना के जनरल जूलियस सीज़र की अर्ध मूर्ति के पास की सीढ़ियों की पंक्तियों को उतरकर, एक अँधियारे धूल भरे सुरंग में आए।

“हम आखिर हैं कहाँ?” कलाकार ने पूछा। उसकी आँखों के नीचे की मृदुल चमड़ी पर पसीने की परतें उतर आईं थीं। अब, आप कल्पना करें इन तीन व्यक्तियों के साथ वहाँ होने की और चित्र बनाएँ कि उस समय कलाकार कैसा दिख रहा होगा।

“हम इस समय भूगर्भ कब्रिस्तान में हैं। इस स्थान पर प्राचीन रोमन अपने मृतकों को दफनाया करते हैं। ये समस्त भूगर्भ के अन्त:मार्ग दफन स्थल थे - कब्रिस्तान। द्वितीय से पाँचवीं शताब्दी तक के।” “और हम यहाँ क्यों हैं।” उद्यमी ने प्रश्न किया।

‘मैं तुम्हें इस-तहखाने-तक लाया हूँ ताकि एक बात बता सकूँ,” अरबपति ने अपनी सदा की मीठी लय में कहा।

उस क्षण पदचापों की ध्वनि सुनाई दी जो सुरंग के अन्त से आ रही थी। कलाकार ने उद्यमी की ओर आँखें फाड़ कर देखा।

अरबपति ने कुछ भी नहीं कहा। कदमों की आवाज़ निकट आ रही थी। अब बढ़ भी गई थी।

“मुझे कुछ ठीक नहीं लग रहा है।” उद्यमी ने कहा।

पदचाप आते रहे जब मोमबत्ती की अस्पष्ट रोशनी गुहागृह की जीर्ण दीवार से टकराई।

फिर, सारा स्थान स्तब्ध हो गया...

एक अकेली आकृति धीमे से उभरी एक लम्बी मोमबत्ती को लिए। उसके सिर पर टोप का शिरोवस्त्र था, जैसा साधु पहनते हैं। आपस में कोई शब्द नहीं बोले गये। सब कुछ बहुत रहस्यमय था। आगन्तुक तीन मित्रों के सामने खड़ा था। मोमबत्ती ऊपर उठी और फिर चार वृत्ताकार गति में घूमी। फिर, टोप उतर गया।

चेहरा जो उभरा था वह परिचित था। चेहरा, जो धरती भर के मैदानों में उभरता रहता था। ऐसा एक, जिसने लाखों करोड़ों को प्रेरणा दी, अद्‌भुत कार्य करने की, महान सपनों को सफल बनाने की एवं किंवदंतियों का जीवन जीने की।

वे निपुण वक्ता थे।

“हे भगवान! आपने तो मुझे डरा ही दिया था,” कलाकार ने कहा, अब भी उसका पसीना बह रहा था।

“माफ कीजिए! स्टोन ने कहा कि मैं यहाँ चला आऊँ। मैं थोड़ा-सा भटक गया था,” क्षमाभाव से निपुण वक्ता बोले। “अतिविशेष स्थान ये अन्तर्भूमि कब्रिस्तान। वैसे तो कुछ डरावना भी है यहाँ।” उन्होंने स्वस्थ, सुखी और तनावरहित होकर कहा।

“मित्र,” अरबपति ने अपने ज्ञान-गुरु तथा श्रेष्ठ मित्र से गले मिलते हुए कहा - “दिखने के लिए आभार।”

“क्यूं नहीं,” निपुण वक्ता ने उत्तर दिया। मुझे सीधे अन्तर्दृष्टि में जाने दो, जिसे आप चाहते थे कि मैं इन दोनों के साथ बाँटू। आप तो जानते हैं, मैं हमेशा खेलने के लिए आता हूँ। उन्होंने निम्न पाँच के साथ सात जोड़ते हुए आगे कहा, “जैसा उद्यमी बास्केट बॉल खिलाड़ी, अपने साथियों को, एक सफल फ्री थ्रो देते हैं।”

मि. रेले ने मुझसे कहा कि मैं गहन निद्रा एक निरंतर, कुलीन रचनात्मकता, शिखर उत्पादकता और विरल वायु प्रदर्शन के तत्व के मूल्य पर अपने विचार बाँटू और उन्होंने कहा कि वह उसे यहाँ करना चाहते हैं क्योंकि न सिर्फ इस तहखाने के निवासियों की अनन्त निद्रा बल्कि अब तो विज्ञान भी सहमत हो गया है कि हम यथेष्ट नींद न लेकर मृत्यु को शीघ्र बुलाते हैं।

“क्या सच में?” उद्यमी ने पूछा और अपनी बाँहों को फिर से एक बार मोड़ लिया। मोमबत्ती की रोशनी में उसकी उँगली में पहनी एकमात्र चाँदी की सगाई की अँगूठी दिखी।

“नहीं, तुम लोगों ने ऐसा नहीं किया,” अरबपति ने भावावेग से कहा, उसकी दरदरी आवाज़ से आनन्द चू रहा था। उसने शीघ्रता से विचित्र व्यवहार का एक त्वरित नृत्य किया जो उसने पहले कभी नहीं किया था।

“नहीं, हमने की,” उद्यमी तथा कलाकार ने एक साथ, प्रत्युत्तर दिया।

“और आप दोनों हमारी शादी में आमंत्रित हैं। वह छोटी, मगर खास होगी।” कलाकार ने कहा। “आप इसे मेरे मारीशस के समुद्रतट पर कर सकते हैं” अरबपति ने पेशकश किया मैं तुम दोनों के लिए इसका सारा खर्च उठाकर पार्टी देना चाहूँगा। तुम दोनों को, और तुम्हारे सारे परिवार को तथा अपने सारे मित्रों को-वह सारा मेरे जिम्मे रहेगा। कम से कम इतना तो मैं अपने 5 AM क्लब के नए दो सदस्यों के लिए कर ही सकता हूँ। तुमने पागल जैसे दिखनेवाले, एक बूढ़े आदमी पर विश्वास किया। तुम लोग इस जंगली भम्रण में सम्मिलित हुए। तुमने समस्त शिक्षाओं को खुले दिल से स्वीकार किया। तुम काम में लगे रहे। तुम दोनों तो मेरे नायक हो।”

अरबपति ने एक जरूरी कफ को थूका। शायद वह बरामदे के मार्ग की धूल से आ गया था। उसने फिर अपनी छाती पर तीन उँगलियाँ रखीं, ठीक वहीं जहाँ उसका हृदय था। और फिर से खाँसा।

“आप ठीक हैं। उद्यमी ने पूछा, अपनी बाँह-को उघाड़ते और उसके सबल कन्धे को छूते हुए।

“हाँ।”

“तो,” निपुण वक्ता ने कहा, “मुझे कुछ अन्तर्दृष्टियाँ देने दो कि न केवल दिन का प्रथम घंटा, नेतृत्व उत्कृष्टता और घातीय उत्पादकता बल्कि दिन के समापन के एक घंटे पहले का, व्यवस्थापन भी मापांकन के लिए जरूरी होता है, यदि आपको अति विशिष्ट परिणाम चाहिए हों।”

उसने मोमबत्ती को अपने चेहरे के नीचे रखा रहस्यमय प्रभाव उत्पन्न करते हुए। प्रबुद्ध स्तर के निष्पादन आपके प्रातःकाल के दिन भर के कार्यों तथा अपने रात्रिकालीन क्रिया-कलापों के अनुष्ठान के अनुकूलन के बीच का नाज़ुक सन्तुलन कर सका हो। अन्यथा आप, स्टोन द्वारा आज सुबह बतलाए *20/20/20* सूत्र को संचालित नहीं कर पाएँगे। यदि आप रात को ठीक से नहीं सोते।”

“मैं तो हमेशा, लगभग नींद-गँवाया जैसी रहती हूँ,” उद्यमी ने स्वीकार किया। कई बार तो मुझे कार्य करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मेरी स्मृति भटक जाती है और मैं थकावट महसूस करती हूँ।”

“हाँ!” कलाकार ने सहमति दी। “मेरी नींद पूरी तरह से गड़बड़ है। मैं रात्रि को अनेकों बार नींद से उठ जाता हूँ। मगर, जिस दिन से इस भम्रण पर हूँ रोज अच्छी नींद ली है।”

“अच्छा लगा सुनकर, क्योंकि इस समय हम वैश्विक निद्रा-मंदी के दारुण चंगुल में हैं,” निपुण वक्ता ने सुरबद्ध होकर कहा। नाटकीय भाषा को सन्धियुक्त और स्पष्ट उच्चारित करते, जिस भाषा के लिए आज उन्हें सारा संसार जानता है। इंटरनेट तथा सामाजिक प्रसार-साधनों से उनके विस्तारपूर्वक घुल मिल जाने से भी उसमें गति आई है। अब अन्वेषणों से भी यह सिद्ध हो गया है, कि इन साधनों से प्रवाहित होनेवाली नीली रोशनी से हमारे अन्दर के मेलाटोनिन की मात्रा कम हो जाती है। मेलाटोनिन वही रसायन है जो हमारे शरीर को सूचित करता है कि अब हमें निद्रा की आवश्यकता है। निःसन्देह अपने साधनों और उपकरणों को पूरा दिन जाँचते रहने से हमारा ज्ञानात्मक बोध विकृत हो जाता है, जैसा आप पढ़ चुके हैं। और, नींद से पहले टी.वी. स्क्रीन के सामने बैठने से, निद्रा भी अस्त-व्यस्त हो जाती है। मैं और गहराई में जाकर बता सकता हूँ कि साधनों से निकलनेवाली रोशनी फोटो रिसेप्टर्स को, सक्रिय करते हैं, जिसे

“Intrinsically photosensitive, retinal ganglion cells” कहतें है जो मेलाटोनिन के निर्माण को सीमित कर के, शरीर के अन्दर की घड़ी पर और नकारात्मक प्रभाव डालते हैं जो आपकी नींद को चोट पहुँचाते हैं, मगर आप यहाँ आकर हमारा बिन्दु समझ गए हैं।”

“मैं समझ गयी,” उद्यमी ने स्वीकृति में कहा। “मैं सचमुच अब अपने निद्रापूर्व के कार्यक्रमों को पुननिर्मित करूँगी, ताकि मैं सुबह 5 बजे जाग सकूँ। अच्छी और पूरी तरह से ऊर्जा से भरी हुई। मैं इसका वादा करती हूँ ताकि मैं पूरा आराम पा सकूँ और *20/20/20* सूत्र को बिना भूल कर सकूँ।”

“कम से कम 66 दिनों के लिए-जब तक यह स्वयमेव की आदत नहीं बन जाता,” कलाकार ने बीच ही में टोका। “और तब, शेष जीवन के लिए, 5AM पद्धति को जारी रखना सरल हो जाता, बजाय प्रातः बिस्तर में सोते रहने के।”

“जब हम यथेष्ठ निद्रा नहीं लेते हैं,” निपुण वक्ता ने बात को आगे बढ़ाया, “न सिर्फ , प्रात: जल्दी उठना,

बहुत कठिन हो जाता है, बल्कि, अनेकों नुकसान देनेवाली चीज़ें आपकी उत्पादकता को दुर्बल तथा बिगाड़ देते हैं, और आपके कार्य निष्पादन, साथ ही सुख को भी कम करके स्वास्थ्य को उजाड़ने लगते हैं।"

"कहिए न," उद्यमी ने प्रार्थना की।

'हाँ, उन्हें बताओ," अरबपति ने प्रोत्साहित किया।

अब वे कब्रिस्तान में पालथी मारकर बैठे थे। शरीर की यह मुद्रा आपकी पीठ के निचले हिस्से तथा पाचन क्रिया के लिए बहुत लाभप्रद है, उन्होंने अनूठे ढंग से कहा।

"हाँ तो, जब आप सोते हैं–और यहाँ सूत्र न सिर्फ सोने का कुल समय, बल्कि निद्रा की गुणवत्ता बताती है। जब रीढ़ का अनुमस्तकीय तरल पदार्थ आपके दिमाग में से, उसे धोते हुए निकलता है, तो आपके न्यूरोन्स ६०% तक सिकुड़ जाते हैं। यह भी पता चला है कि लसिका कोशिका पद्धति, जो प्रथम अनुमानों के अनुसार सिर्फ हमारे शरीर में होती थी, वह हमारी खोपड़ी में भी है। इन सबका अर्थ हुआ कि हम, मानव के रूप में, विकास की एक सशक्त प्रक्रिया को सबल बनाते रहे थे, जिससे मस्तिष्क को धोते रहते थे, ताकि वह सर्वोच्च स्थिति में बना रहे। और यह परिमार्जन तभी होता है जब हम सो रहे होते हैं।"

"अविश्वसनीय रूप से दिलचस्प," उद्यमी ने ध्यान दिया।

"इन्हें HGH के बारे में बताएं," अरबपति ने अनुनय-विनय किया।

"अवश्य," निपुण वक्ता बोले।" HGH याने ह्यूमन ग्रोथ हॉरमोन का निर्माण पीयुष ग्रन्थि में होता है जो दिमाग़ में होती है और वह हमारे शरीर के स्वस्थ ऊतकों जो सशक्त चयअपचय तथा दीर्घ जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। HGH का बढ़ा हुआ स्तर हमारी मनोदशा पहचान, ऊर्जा-स्तर और दुर्बल स्नायुओं को ऊपर उठाता है, साथ-साथ लेप्टिन और घेर्लिन का नियंत्रण करके भूख की इच्छा कम करता है। यहाँ प्रमुख बात यह है : जबकि HGH का निर्गमन व्यायामों के द्वारा होता है जो *20/20/20* सूत्र के खण्ड 1 के कारण के अनुसार इतना खेल बदलने वाला है कि जब आप सो जाते हैं तब उसका 75% उत्पादन होता है। और अब उसकी मुख्य कुंजी है : अपने मस्तिष्क के ठीक से धोने की क्रिया को करने के लिए, और HGH को उत्तम तरीके से उत्पन्न करने के लिए ताकि आप अपनी रचनात्मकता, उत्पादकता, ऊर्जास्विता तथा दीर्घ आयु को बढ़ा सकें, आपको पाँच पूर्ण, नब्बे मिनिटों के निद्रा-चक्र चाहिए। आज की वैज्ञानिक खोजों से यही तथ्य स्थापित होता है। वह है हर रात्रि को साढ़े-सात घंटों की नींद। और, आपको यह भी जान लेना चाहिए कि मात्र कम नींद नहीं है जो मारती है। अधिक सोना, नौ या नौ से अधिक घंटे, वह भी जीवन को घटाता है।"

"क्या आपके पास, हम लोगों को सिखाने के लिए कोई शिक्षण-नमूना है, जो ये सब बातें बताता हो ताकि हमारी चेतना अति स्पष्ट हो और ठीक हो बजाए अस्पष्ट, अधूरी?", कलाकार ने पूछा।

"अच्छा किया मि. स्टोन। आपने उन्हें" तीन चरणों में सफलता का सूत्र सिखा दिया है," निपुण वक्ता ने तालियाँ बजाकर अनुमोदन किया। अरबपति , जो अब भी मुर्दा घर के गन्दे फर्श के निकट था, उन्होंने सिर हिलाया, फिर जोरों से डकार ली।

"हाँ मेरे पास आपके लिए ढाँचा है," निपुण वक्ता ने स्वीकार किया।" मैंने स्वयं अपनी शाम के आयोजनों को पुनर्गठित किया है, इससे मुझे निरन्तर, आश्चर्यजनक रूप से, इतने सालों से सोने में सुविधा हो रही है।"

फिर अपने कपड़ों में छिपाकर रखी टॉर्च को उन्होंने बाहर निकाला। उसके ऊपरी हिस्से को खोल कर उसके ट्युब में एक गुप्त स्थान था। उसमें से उन्होंने दो पतले कागजों का समूह निकाला, जिस पर कुछ अंकित था। उन्होंने एक उद्यमी को दे दिया और दूसरा कलाकार को।

प्रत्येक कागज पर निम्नलिखित नक्शा बना हुआ था:

सूत्रधार ज्ञानियों द्वारा शयनपूर्व की जारी रहीं विधियाँ निर्माण का विध्वंस

7.00 बजे सायं से 8.00 बजे सायं तक	* दिन का आखिरी भोजन * सभी उपकरण बन्द * अति उत्तेजना से विलगता
8.00 बजे सायं से 9.00 बजे रात्रि तक	* प्रियजनों से वास्तविक वार्तालाप * इच्छित साधना का द्वितीय समय * अक्सर, पढ़ना / ऑडियो पुस्तकें फलियाँ छीलने का समय * मनोरंजन समय का अवसर * समय–समय पर एपसम सॉल्ट से स्नान करना
9.00 बजे रात्रि से 10.00 रात्रि तक	* एक शीतल अँधेरे+प्रोद्योगिकी रहित शयन कक्ष * व्यायाम के साधनों का जेबी संस्करण * सायंकालीन कृतज्ञता व्यवहार की साधना

“मुझे ज्ञात नहीं कि आपको कैसे धन्यवाद दूँ,” उद्यमी ने कहा।” “आप दोनों,” का उसने अरबपति को देखते इंगित किया, जो अब मोमबत्ती की रोशनी में दण्ड-बैठक कर रहे थे, और धीमे स्वर में बोल रहे थे, “महान् सौभाग्य और सारयुक्त बुद्धिमानी, मेरे रास्ते में आते-चले जाते हैं। मैं सदा से नायक रहा हूँ, पीड़ित कभी नहीं। एक शेर भेड़ नहीं। मुझे अपने जीवन से प्यार है, और मैं उसे प्रतिदिन बेहतर बनाता जा रहा हूँ। और जितने अधिक लोगों की मैं सहायता करता हूँ उतना ही ज़्यादा सुख मुझे मिलता है।”

“मैं अपनी प्रियतमा की कृतज्ञता का अनुमोदन करता हूँ,” कलाकार ने टिप्पणी की। उसने झुककर उद्यमी के बालों को प्यार से सहलाया।

“यदि संसार *5 AM* क्लब की दार्शनिकता और प्रणाली विज्ञान को जानता और व्यवहार में लाता तो जीवित मानव परिवर्तित हो जाता,” उद्यमी ने भी इसे बल दिया। “और अब, मैं समझी की सूर्य के साथ उठने का मतलब यह नहीं है कि आप कम नींद ले रहे हो। पुरानी कहावत की तरह अधिक है, जल्दी सोओ, जल्दी जागो।” और हममें प्रत्येक अपना हिस्सा निभा रहा है, अपने निजी परिवर्तन के लिए, जीवन के हर रिश्ते को निभाने के लिए, जो हमें अपने कौशल की पटुता से है और वह जुड़ाव जो हम आपस में एक दूसरे से अनुभव करते हैं हमारे साथ-साथ, वह भी सुधरता जाता है।” कलाकार ने पेश किया।

“जैसे महात्मा गांधी के शब्द हों, “जैसा बदलाव तुम विश्व में देखना चाहते हो, वैसे बनो।” उद्यमी ने आगे

कहा। उसका चेहरा मोमबत्ती की हल्की आभा में झिलमिला रहा था, जब उसने अपनी नई अँगूठी को रगड़ा। “मैंने कल रात को सोने से पहले, उनके जीवन के बारे में थोड़ा-सा पढ़ा था।”

“हमारी सारी श्रद्धा के साथ,” निपुण वक्ता ने सहानुभूतिपूर्वक कहा,” महात्मा गांधी के वास्तविक शब्दों को, वर्षों से नियमित किया जा रहा है ताकि वह एक लघु भाषण उस संस्कृति को शोभा दे जो समूह रूप में कभी महसूस कर रही है।”

“उन्होंने वास्तव में यह कहा था,” अरबपति ने बीच में ही टोक दिया, “यदि हम स्वयं को बदल सकते हैं, तो विश्व की प्रवृत्ति और झुकाव भी बदल जाएगा। मनुष्य जब अपना स्वयं का स्वभाव बदलता है, वैसे ही विश्व का झुकाव भी उसके प्रति बदल जाता है। हमें इन्तजार करने की आवश्यकता नहीं है कि और क्या कर रहे हैं।”

“शानदार कार्य, स्टोन,” निपुण वक्ता ने मुस्कुराते हुए कहा।” मगर मैं तुम्हारे विस्तृत दृष्टिकोण को सराहता हूँ, उसने उद्यमी से दयालुता से कहा, “और, हाँ, तुम सही हो। मेरे निजी ने तुम दोनों से पूछा कि तुम अनेकों सिद्धान्तों और मानसिक नमूनों को जितने ज़्यादा लोगों के साथ बाँट सकते हो, बाँटोगे क्योंकि यदि हर उद्यमी नेता, उद्यमी कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, कलाकार, आर्किटेक्ट, प्रभावशाली राजनेता, खेल का खिलाड़ी, शिक्षक, माँ, अग्निशामक, पिता, टैक्सी ड्राइवर बेटी तथा बेटा सिर्फ प्रातःकाल की प्रक्रिया और रात्रिकालीन क्रिया-कलापों के बीच उसका सन्तुलन कर लें जो मैने आपको बताएं है तो हमारे पास एक पूर्णतया नया विश्व होगा। बहुत कम दुःख, कठोरता, समानानुभूतिहीनता तथा घृणा और बहुत ज्यादा रचनात्मकता, सुन्दरता, शांति और प्यार।

“और अब, मुझे जाना चाहिए,” निपुण वक्ता ने घोषणा की। रात को डिनर पर मिलते हैं, स्टोन Casio e pepe’s हमारी सूची में है, ठीक है?”

“हाँ, क्यों नहीं,” अरबपति ने उत्तर दिया और उठ खड़े हुए। वे पुनः खाँसने लगे थे और क्षणार्ध को तो अस्थिर नज़र आए। उनका बाँया हाथ काँपा था। एक पाँव लड़खड़ाया था।

निपुण वक्ता ने तत्काल नज़रें हटा लीं।

“मुझे जाना चाहिए,” इतना कह वह मकबरे के अँधेरे में गुम हो गया।

शेष बचे तीनों कब्रिस्तान से बाहर आए, सीढ़ियाँ चढ़े और रोम के आँखें फोड़ते उजाले में, सूर्य-रश्मियों में आ गए।

अरबपति ने अपना स्कूटर आरम्भ किया और अपने मेहमानों को हाथ हिलाया कि वे पीछे-पीछे आएँ। उन्होंने सँकरी गलियों की भूल-भुलैया में एक पुरातन, अप्रचलित जलसेतु को पार किया तथा पुनः शहर की दीवारों में पहुँच गये। जल्द ही वे एतिहासिक केन्द्र की भीड़ भरी सड़कों से निकल कर, Via dei Condotti को जा रहे थे।

अपने स्कूटरों को खड़ा करने के बाद, उद्यमी और कलाकार अरबपति के पीछे तथा स्पेनिश सीढ़ियों तक गए।

“ठीक है,” उसने कहा।” यह हमारा घेरा पूरा कर देता है, जहाँ से हमने उसे आज सुबह, परामर्श द्वारा आरम्भ किया था। इससे पहले कि मैं तुम दोनों को, आज जाने दूँ। मेरे पास एक विशेष, गठीला नमूना तुम दोनों के लिए है। निपुण वक्ता ने मुझे यह तब सिखाया था, जब मैं काफी छोटा था, और उसने स्वयं को काफी मूल्यवान साबित कर दिया है। मैं जानता हूँ कि यह आज प्रातःकाल के पाठ को और शिक्षा को, बहुत सलीके से समेट लेगा।”

अरबपति ने अपने हाथों से जोर से ताली बजाई। एक घुरघुराहट की आवाज़ दूर के विला बोर्गीस में से निकलती सुनी जा सकती थी। जल्दी ही आवाज़ जोर की हो गई। अब वह पास भी आ गई थी।

कोई वस्तु अरबपति, उद्यमी तथा कलाकार के सिर पर मंडराई स्पेनिश सीढ़ियों पर बैठे पर्यटक -एस्प्रेसो की चुस्कियाँ लेते तथा जेलेटो खाते हुए आसमान की ओर देखने लगे, जानने के लिए कि हो क्या रहा है। आप भी यदि उस शानदार क्षण वहाँ होते तो आनन्द ले रहे होते।

“हे माँ,” एक प्रौढ़ महिला ने अपनी उन्मुक्त उड़ रही, फूलों छपी ड्रेस में कहा। वह अपनी एक बाँह में एक बच्ची को और दूसरी में मोहक रंगों के ट्युलिप लिए हुए थी। “यह तो ड्रोन है!” एक युवा लड़का चीखा जिसने

खिलाड़ियों की पीठ पर लटकानेवाली टोपी, एक डेनिम की जैकेट, जिस पर लिखा था – "संशय करना कोई अपवाद नहीं है," पीठ पर टँका हुआ था, और फटी जर्जर जीन्स पहने था जिसके घुटनों पर बड़े-बड़े छेद थे। और अनजान कारणों से, वह नंगे पाँव था। अरबपति ने अति कुशलता से उस छोटे-से उड़नयान को सटीक उतार दिया, इतनी स्निग्ध, झील की सतह को उमस भरी दोपहर पर उतार रहे हों। अपने दोनों विद्यार्थियों को उसने आँख मारकर इशारा किया। "अब भी उपहार मिला" वह चहका।

ड्रोन में एक लकड़ी का डिब्बा जिसे, जब खोला तो उसमें एक काँच की पतली परत थी, जिस पर सीखने का नमूना कुछ इस प्रकार से था :

अद्भुत दिन विध्वंस

समय क्रम	क्रिया	कार्य टिप्पणी
4.45 A.M.	* सोकर उठने का समय * आत्म स्वच्छता	* उड़ान पहले का दौड़–समय * एक रात्रि पहले व्यायाम के साधन बिस्तर के पास रख दें * जल से जुड़े, आपके शरीर के कोषाणुओं का mitochondria का नि:सरण करेगा, जो आपकी * ऊर्जा को उच्च स्तर तक ले जाएगा
5.00 A.M. से 5.20 A.M.	* कड़ी कसरतें * पसीना बहना चाहिए (इससे BDNF निसृत होगा) * और जलधारण करें * Podcasts / Audio Video / Music	* पॉकेट खण्ड #1: सक्रियता * थके से धगधगे हो जाएँगे 5.20AM तक व्यायाम को बढ़ाता है * महानता की न्यूरोबायोलॉजी को जाग्रत करता है
5.20 A.M. से 5.40 A.M.	* साधना करें * प्रार्थना करें * रोजनामचा लिखें * कृतज्ञता ज्ञापन करें * सक्रियता पूर्व का नक्शा बनाएँ	* पॉकेट खण्ड #2: प्रतिक्रिया * साधना, तप से बुढ़ापा रुक जाता है, देर से आता है * योजना + क्रमबद्धता से लक्ष्य और उत्पादकता बढ़ जाती है
5.40 A.M. से 6.00 A.M.	* पढ़ें * ऑडिओ पुस्तकें * पोडकास्ट्स * सीखना + प्रेरणात्मक वीडिओज़	* पॉकेट खण्ड #3: विकास * 2 x 3 x मानसिकता * आशाओं को, कौशल को ईंधन देता * प्रेरणाओं को जन्म देता है * आपके उद्योग में अजेय भावना लाता है ।
6.00 A.M. से 8.00 A.M.	* पारिवारिक सम्बन्ध * निजी पीछा	

समय क्रम	क्रिया	कार्य टिप्पणी
8.00 A.M. से 1.00 A.M.	* 90/90/1 नियम * 60/10 प्रणाली/विधि * विश्वस्तरीय कार्य	* शालीन क्रियावचन के दो चक्र * TNTF पूर्वलेख विज्ञप्ति * आपका निजी मेनलो पार्क
1.00 P.M. से 5.00 A.M.	* निम्नस्तरीय कार्य * सम्मिलन, भेंट * आयोजन प्रात:कालीन नाश्ता (ऐच्छिक) : 16/8 विभाग	* प्रशासनात्मकता * कम रचनात्मक कार्य * आयोजनाएँ * अधिक जल-विरलता
5.00 P.M. से 6.00 P.M.		* सीखने के माध्यम से सहनशीलता * निजी पुनर्जीवन/पुन: प्रारम्भ * निजी पुनर्नवीन समय * सूर्य/ताज़ी हवा/ईंधन/जलावन
6.00 P.M. से 7.30 P.M.	* कोई भी डिजिटल साधन नहीं * पारिवारिक भोजन का समय * आनन्ददायक विषय-धावन * प्रियजन सँग प्रकृति दर्शन	* सामाजिक सम्पर्क * साहसिक अभियान * समाज सेवा
7.30 P.M. से 9.30 P.M.	* पढ़ना * जर्नल में रात्रिकालीन वर्णन * प्रात: शीघ्र उठने की तैयारी * न कोई पर्दे, न प्रौद्योगिकी * विकल्पित, सोने से पहले का ध्यान-तप	* रात्रिकालीन नींद से विधि-विधान * एप्सम सॉल्ट डालकर गर्म पानी का स्नान * अँधेरा कमरा * शीतल वातावरण
9.30 P.M.	* गहरी नींद सोना	* HCH का उत्पाद * मस्तिष्क, शरीर और आत्मा का पुनर्नवीनीकरण एवं नवनिर्माण

"मैंने सोचा था कि तुम लोगों को यह विस्तार से समझाया हुआ, सीढ़ी दर-सीढ़ी खेल की तैयारी और चाल, दिन भर के लिए, बहुत अनोखी और मूल्यवान प्रतीत होगी। हाँ, यह उसे गढ़ने का एक रास्ता है। आपने ध्यान दिया होगा कि सायंकाल का क्षेत्र, निपुण वक्ता की शाम से कुछ अलग है। सदा की भाँति, आप इन सभी उपायों को किस प्रकार से व्यवहार में लाते हैं, वह पूर्णतया आप पर निर्भर करता है। यह आपका जीवन है-उसे वैसे जीयो जैसा आप चुनते हो और फिर भी, इस दिए हुए रेखांकन ने मेरी अत्यधिक सहायता की क्योंकि इसने *20/20/20* सूत्र के अनेकों सशक्त तत्वों को लिया है। मैंने तुम्हें आज प्रात: काल, मुख्य विश्वस्तरीय, शयनपूर्व की क्रियाओं को नक्शे के रूप में बताया था जिसे कोई भी-और मेरा तात्पर्य है-कोई भी करके अद्‌भुत दिनों का अनुभव लगातार कर सकता है। वह भोजन एक व्यंजन की तरह है : पगचिह्नों का अनुकरण करें और आपको परिणाम मिल जाएँगे।"

'और अनूठे दिन, निर्माण करते हैं, ऊपर जा रही, एक चक्राकार सीढ़ियाँ सप्ताह, बनाते हैंजो जुड़ जाते हैं

स्मरणीय महीने बनाने में, "कलाकार ने अपने जर्नल को बन्द करते हुए कहा।

"और अद्भुत दिन अद्भुत तिमाही, और अद्भुत तिमाही अद्भुत वर्ष और दशक और अन्त में..... उद्यमी ने जर्नल बंद करते हुए कहा।

"दिन प्रति-दिन, ने अपने नवीन शैली के चश्मों को पहने हुए, उस प्रकार से, जैसे जानकार रोमवासी, अयाचित ही, प्रयत्नहीन तरीके से, पहन लेते हैं, जो दर्शाता है, "मैं अलग दिखने के लिए तनिक-सा भी कड़ा प्रयत्न नहीं करता इस तरह का दृष्टिकोण और बहुत-सी सीगल्स ने अपने पंख फड़फड़ाए और परेशान करनेवाली वह आवाज निकाली, जिन्हें निकाल कर सीगल्स को आनन्द आता है।

अरबपति तो स्पष्ट रूप से हद से ज़्यादा प्यारा व्यक्ति था। न सिर्फ धन से अमीर, बल्कि हृदय से भी धनवान। मगर उन्हें भी सीगल्स से चिढ़ थी, जिस प्रकार से उन्होंने रोम के बीचों बीच, अनेकों छत-छप्पर पर, पिछले कुछ सालों में कब्ज़ा जमा लिया है।

"इन पंखवाले जीवों के लिए जल्दी ही कुछ करना पड़ेगा," उसने चिन्तन मग्न होकर, अपने स्वभाव से विपरीत, चिढ़ते हुए कहा। खैर, जो भी कुछ हो, अब तो आप जान गए कि मैं आपको स्पेनिश सीढ़ियों तक क्यों लाया। विस्फोटक उत्पादकता, कुलीन स्वास्थ्य, असाधारण समृद्धि बचाया हुआ सुख, और असीम आत्म-शान्ति का उत्पादन ही वास्तव में क्रमबद्ध उत्थान का खेल है। प्रतिदिन, छोटा-सा, देखने में महत्त्वहीन, सुधार जब नियम से, निरन्तर, अधिक समय तक किया जाता है, तो चौंकानेवाले परिणाम प्रकट होते हैं।

प्रतिदिन की कण-कण जीत और अतिसूक्ष्म आशावादिता वास्तव में जीवन के वे रास्ते हैं, जहाँ से होकर आप अन्त में गौरवान्वित अनुभव करेंगे। यह वास्तव में मेरा एक प्रिय स्थान है, इस दुनिया में समझें! मै चाहता था कि तुम दोनों मेरे साथ न सिर्फ *20/20/20* सूत्र के रूपान्तरण प्रक्रिया के शिक्षण के लिए, मेरे साथ रहे बल्कि वास्तविकता को सबल बनाने के लिए कि विशेषता से जीना, वास्तव में ऊपर जा रही सर्पाकार-चक्राकार-सीढ़ी का एक पायदान है, जिसके सर्वोच्च पायदान पर सफलता तथा महत्त्व विराजे हैं। और जब आप इस यात्रा को अपनी महानता के सम्पूर्ण अनुभव तक ले जाते हैं सीढ़ी-दर-सीढ़ी, एक विस्मय और सौन्दर्य, इतना साक्षात् जितना इस समय आप देख रहे हैं, आपके दिनों में समा जाएगा और आपके वर्षों की तीव्रता को बढ़ा देगा। इसके लिए आप सुनिश्चित रह सकते हैं।"

शीशे पर बने प्रशिक्षण नमूने को ध्यान से देखकर, उद्यमी जोर से हैरान हुई, "*90/90/1*सूत्र तथा 60/10 प्रणाली का क्या अर्थ हुआ? और मैं कुछ और अंकन पद्धति को नहीं समझती।"

"और, "द्वितीय पवन परिक्षण" तथा "दो मसाज के संलेखन" जो फ्रेम पर लिखा है, उसका क्या अर्थ है?" कलाकार ने पूछा।

"तुम लोग शीघ्र ही सब समझने लगोगे," अरबपति ने उत्तर दिया मगर उत्सुकता को बढ़ाते हुए। "तुम दोनों को समझना चाहिए कि मैंने सर्वश्रेष्ठ को ही बचाकर रखा है-एवं सबसे मूल्यवान को, शिक्षण के लिए। हमारे साथ के समय के अन्त के लिए।"

फिर, अरबपति ने उद्यमी और कलाकार को छाती से लगा लिया, पहले से बहुत अधिक कस के वे दोनों उनकी आँखों में आँसुओं को धीरे-धीरे आते देख रहे थे। पानी की बड़ी-बड़ी ह्वेल मछलियाँ।

"मैं तुम दोनों को प्यार करता हूँ, Ci vediamo।" वह बोला। और फिर अदृश्य हो गया।"

अध्याय 15

‘5AM क्लब’ जीवनभर की प्रतिभा के **10** सिद्धातों पर उल्लेखित है

यदि आपको ज्ञात हो जाए कि इसमें कितना परिश्रम लगा है, तो आप फिर उसे जीनियस नहीं कहेंगे - मायकेल एंजेलो

“साओ पावलो इतना विशेष है, है न?” अरबपति ने कहा, जैसे ही बिना निशान की तथा मितव्यय अर्थनीति की सामान्य कार को एक ड्रायवर ने आधी बाँह के कपड़े पहन रोका और अनेकों लाखों के इस शहर के गहन यातायात में से निकालना आरम्भ किया। मॉरीशस की ही भाँति वह यहाँ भी कार की आगे की सीट पर बैठा था।

तीनों साथियों ने अभी-अभी जेट पोर्ट पर अवतरण किया था और अब वे एक बॉटिक होटल में जा रहे थे जो लेटिन अमेरिका की आर्थिक राजधानी में था।

“यह, एक बड़ा शहर है, कलाकार ने ध्यान दिया और एक चकाचौंधवाली झलकी दिखलाई।

“हमारी शादी के लिए, आप यहाँ हमें ब्राज़ील ले आए, इसके लिए हम आभारी हैं। उद्यमी ने उमंग से भरकर कहा।

“आभार है, भाई”, कलाकार ने आगे कहा।

“वह वास्तव में चाहते थे कि शादी का उत्सव आपके आहाते में हो जो समुद्र तट पर है,” उद्यमी ने कहा और अपने प्रेमी को दिल से इशारा किया।

“हाँ, चाहता तो था,” कलाकार ने सहमति दी।

“वह स्थान सचमुच स्वर्ग था।”

“और, यदि सच कहें तो, मैंने भी कहा था।” मगर मैं अपने पिता का आदर करना चाहती थी, क्योंकि वे ब्राज़ीलियन हैं।” उद्यमी ने समझाया।

“और सुखी पत्नी का अर्थ होता है, सुखी जीवन,” कलाकार ने मन्द मुस्कान के साथ स्वीकार किया।

फिर उसने A.A. MILNE के Winnie-the-Pooh के शब्द कहे : “यदि आप सौ वर्ष जीना चाहते हैं, तो मैं सौ वर्ष, कम एक दिन, जीना चाहूँगा जिससे मुझे आपके बिना एक दिन भी न रहना पड़े।”

उद्यमी कार की पिछली सीट पर कलाकार के और निकट सरक आई, जब कार महान रास्तों पर ऊँची ऊँची इमारतों के साथ भव्य राजसी नियोगोथिक चर्चों से निकली जिसने प्रभावशाली Theatre Municipal de São Paulo और अगले चौराहे पर जहाँ शाही birapuera पार्क अवस्थित था, दिखाया।

कलाकार जो भोग रहा था, उसे देख अरबपति को अपनी पत्नी की याद आ गई। वह आज भी प्रतिदिन अपनी पत्नी को याद करता था। और वे शाही दौरे उमंगभरे स्थानों के नहीं थे, जिन्हें वह अक्सर याद करता था। और न ही विश्व के सर्वोत्तम होटलों में ही उसका मस्तिष्क उसके साथ बिताए सादगी भरे, सामान्य क्षणों की ओर गया। सस्ता मगर अद्भुत अच्छा पिज़ा, जिसमें से ऑलिव ऑइल टपक रहा था। बाँट कर खाना, सामने चुपचाप किताबें पढ़ना, नैसर्गिक भ्रमण तथा मूवी की रातें और बनिए की दुकान की भाग-दौड़ संगीत की धुन पर, अपने शयन कक्ष में नृत्य करना, उन्हें याद दिलाता था कि वे एक-दूसरे को कितना पसन्द करते थे। और इस प्रकार की बातें जैसे, कितने धीरज से उन्हें उसने इटालियन सिखाई थी, जिस प्रकार से वह फुफकारती थी, जब जोरों से हँसती थी, और वह अपने एक मात्र बच्चे के प्रति कितनी समर्पित थी। जीवन के सर्वोत्तम खज़ाने अपने सामान्य क्षणों में जीवित रहते हैं। अरबपति ने इसे जीवन में उतारा था। वे जीवन की रोजमर्रा की सामान्य बातों की महत्ता तब तक नहीं मानते हैं, जब तक कि उन्हें हम खो नहीं देते।

अपने हाथ को अभिमान के साथ उठाकर अपनी सगाई की अँगूठी को दिखाना, और कलाकार अपने प्यार की गहराई को दिखाता रहा और कार चलती रही।

“मैं उसे बहुत प्रेम करता हूँ। भाई”, उसने मि. रिले से कहा। “वह मेरी नई सुबह है। अब तक मेरी कला ही मेरे लिए महत्त्व रखती थी। अब तक कोई जरूरत ही महसूस नहीं हुई कि मेरे आस पास कोई रहे, आपको पता है। शायद मैं जानता ही नहीं था कि सच्चा प्यार क्या होता है। और अब, उसके बिना जीवन, सोच ही नहीं सकता।”

उद्यमी ने स्वयं को बहुत खुश किस्मत माना। उसने जब से निपुण वक्ता के अधिवेशन में उपस्थिति की थी, उसका मस्तिष्क, मन, स्वास्थ्य और आत्मा - सभी कुछ पुन: व्यवस्थित और उच्च स्तर का हो गया था। और अटल, अपरिवर्तनीय रूप से। वह सीमित विश्वासों को त्याग रही थी, जो उसके उत्पाती बचपन में थे, और उसकी विषैली भावनाओं से, जो उसकी पिछली मानसिक आघातों से बनी थीं; साथ ही तात्कालिक दुर्दशाओं से, जो उसके पूँजी-नियोजकों ने की थी। अरबपति बिल्कुल सही सर्वश्रेष्ठ थे कि वह उसे, और गहराई से, अन्दर ही अन्दर, अनुभव कर रही थी। हममें से प्रत्येक अपने अनुभव परिपक्वता और निजी सुरक्षा के अनुसार उसे सर्वश्रेष्ठ करता है। वे लोग जो दूसरों को आघात पहुँचाते हैं वे भीतर ही भीतर स्वयं को चोट पहुँचा रहे होते हैं। वे अपने सर्वश्रेष्ठ तरीके से कार्य कर रहे होते हैं, जिसे वे जानते हैं। अगर वे स्वयं को अधिक अच्छे नायकत्व, उदारता तथा मानवता के द्वारा संचालित कर सकते, तो उन्होंने वैसा किया होता। इस गहरी समझ ने उद्यमी के भीतर क्षमा के बीजों को और गहराई से बो दिया था। जब उसने पहली बार निपुण वक्ता को उस अधिवेशन में सुना था, वह सनकी थी और उनकी अनेकों सीखों के प्रति विरोध कर रही थी। उसके बाद, वह बहुत ढल चुकी है, और अब हर उस वस्तु को स्वीकार कर लेती है जिसे तहेदिल से सीखने का उसे सौभाग्य मिलता है। वह एक प्रेरणादायक, देखने लायक, विकास था।

रोम की यात्रा किए तीन सप्ताह बीत चुके थे। इस बीच उद्यमी, प्रत्येक सुबह 5 बजे, गम्भीर वज़नव्यायमों के साथ-साथ 20 मिनिट, तेज़ दौड़ लगाया करती। इसके बाद, सुबह 5.20 पर, वह चुपचाप दूसरे खण्ड की प्रशान्तता को चिन्तन के लिए उपयोग करती। अपने नए जर्नल में शान्तिपूर्वक उन बातों की सूची बनाती जिनकी वह आभारी थी, और फिर, साधना करती। अन्त में सुबह 5.40 को, वह किसी व्यावसायिक घुमक्कड़ के बारे में या उत्पादकता, (सामूहिक कार्य) और नायकत्व के बारे ऑडियो पुस्तक सुनती। और वह-बहुत प्रयत्नों के बाद प्रौद्योगिकी के नशे से दूर हटी थी, जो उसकी जीवन-रेखा रही थी। बहुत कठिन था वह। और यह, अपने महानतम निर्माण से पलायन करना भी था। और अब पूरी तरह से ज़िन्दगी में उपस्थित, होने से उसकी विविधताएं अपने ऑफिस से दूर इन शानदार दिनों में वह अपनी जीविका का सर्वश्रेष्ठ निर्माण, कर रही थी। क्षण भंगुर अल्पअग्रणी की प्रक्रिया का उत्तोलन जो अरबपति ने उसे सिखाया था कि परिणामों का संगीत प्रबुद्ध स्तर पर उत्पन्न करो, जिसका अनुभव तुमने पहले कभी नहीं किया हो और अपने आन्तरिक, आत्मा के, स्वास्थ्य को भी पुन: प्राप्त करो जिसे तुम गँवा चुकी हो।

अब जो भी वस्तुओं को वह काम में ला रही थी, वे उसे अगणित पुरस्कार प्रदान कर रहे थे। जीवन की हर वस्तु, मानों पुनः सक्रिय हो उठी थी। वह पहले से अधिक स्वस्थ थी, जितनी वर्षों से नहीं थी। ज्यादा सुखी और शान्त थी जितनी उसने स्वयं को कभी नहीं पाया था, और अधिक रचनात्मक हो गई थी। उस समय जब वह कलाकार से दूर-व्यापार सँभाल रही थी और सोच रही थी कि वह क्या हो सकती है।

सारे आभार 5 AM क्लब को जिसे उसने समझ लिया था, अधिक से भी अधिक उसे इस उद्यमी विश्व अपने प्राकृतिक गुणों को बचाने की आशा दी, जहाँ इतना सारा शोर, दबाव और निरन्तर बाधाएँ, आमंत्रण देते रहते हैं। विजय-काल उसे एक अलग, अवरोधी समय देता है, दिवस के आरम्भ के समय, ताकि वह अपने चार साम्राज्य अन्तर में स्थापित कर सके, ताकि फिर, बाह्य भी बना सके।

अपनी ताजी पाई आशान्विता आत्म-विश्वास और क्षमा भाव के साथ उसने निवेशकों के साथ समझौते करने में भी उत्कृष्ट प्रगति की थी। वह उत्तेजित है कि शीघ्र ही, सारी दुःखद, भयंकर अग्निपरीक्षाएँ पीछे छूट जाएँगी।

और जल्दी ही, वह विवाहिता हो जाएगी। उसने हमेशा से, किसी ऐसे व्यक्ति की प्रतीक्षा की थी जो विशेष हो और उसकी खुशियों और सफलताओं में, उसके आनन्द को बाँटे। और, उसने हमेशा से, अपनी सम्पदा कमाने की भूख को, अपने परिवार होने की इच्छा के साथ समतौल किया था। जिस तरह के परिवार, में वह एक लड़की के रुप में शामिल होने से चूक गई थी।

जैसे ही उद्यमी, कलाकार के चिन्तन का, प्यार की सीमा तक उत्तर दे पाती, गोली के चलने की आवाज़ आई। वाहन के विंडशील्ड का काँच टूटकर बिखर गया, और तत्काल, मकड़ी के जाले जैसा दिखने लगा। दो चौड़े कन्धों के व्यक्ति मुखौटों में, कन्धों पर मशीनगन्स लिए, ड्रायवर से गाड़ी का दरवाजा खोलने के कहा। जब उसने बचने की चेष्टा, से गाड़ी की गति तेज़ की, तो एक और बुलेट काँच को चीरता हुआ, शोफर के कान को छूता निकल गया और कान से खून का फव्वारा बहने लगा।

“दरवाज़ा खोल दो,” मि. रिले ने विस्मयजनक शान्ति से सूचना दी। मेरे पास यह है,” उन्होंने कहा और केबिनेट में छिपाकर बनाया हुआ लाल रंग का बटन गुप्त रूप से दबा दिया।

दरवाज़े खुल गए। आप क्लिक की आवाज़ सुन सकते थे। असम्बद्ध रीति से कहे शब्दों के उच्चारण में, एक गन मैन चीख उठा-“हर कोई कार से बाहर जाओ। अभी! नहीं तो मरोगे।”

जैसे ही गाड़ी की सवारियों ने आदेश का पालन किया, दूसरे गनमैन ने कार्मिका को गर्दन से दबोच लिया। “हमने तुमसे फर्म को छोड़ने को कहा था। हमने तुमसे कहा था कि हम तुम्हें मार डालेंगे। हमने कहा था कि यह तो होगा ही,” वह बोला।

अकस्मात् एक लम्बी SUV, जिसमें हम भिड़न्त नायकों को युद्ध के क्षेत्रों में यात्रा करते देखते हैं, यहाँ दौड़ती आती दिखी।

चार और व्यक्ति, दो पुरुष और दो स्त्रियाँ पपड़ीदार जैकेट्स में पिस्तौलें लिए आए, उनकी मोटर सायकलें आकर्षक थीं।

अरबपति का सुरक्षा दल आ चुका था।

सड़क पर लड़ाई शुरू हो गई, छुरे-चाकू निकल आए, और गोलियाँ चलीं। अरबपति को बड़ी चतुराई से परे ले जाया गाया। जो अद्भुत थी। वे अब भी शान्त, अक्षुब्ध, थे। और, मानों वे जनरल हों, एक मिलिट्री मिशन को पूरा कर रहे हों, सिर्फ इतना बोले, “मेरे यात्रियों की रक्षा करो। वे मेरे परिवार के सदस्य हैं।”

अब, एक, हैलीकॉप्टर सर पर उड़ रहा था। उस पर “5 AC” सफेद रंग पर बड़े सन्तरी अक्षरों में अंकित था।

रईस के सुरक्षाकर्मियों ने शीघ्र ही दोनों गनधारियों में से बड़े को पिस्तौल विहीन कर दिया, जिसने उद्यमी को धमकाया था, और उसे राह देख रही SUV की सुरक्षा में भेज दिया। मगर कलाकार, हाँ कलाकार, जा चुका था। दुःख की बात थी।

“मुझे उसे ढूँढना होगा!” उद्यमी ने बखतरबन्द वाहन के अधिकारी से चीखकर कहा।” मुझे अपने पति को खोजना है,” उसने आगे कहा। इस सम्पूर्ण परिदृश्य पर आघात की स्थिति में।

“यहीं रुको,” एक सुरक्षा दल के एजेंट ने, कड़ाई से. उसकी बाँह पकड़ते हुए कहा।

मगर उद्यमी, मानसिक कड़ेपन शारीरिक स्वास्थ्य भावनात्मक लचीलापन और आध्यात्मिक निर्भयता की नई स्थिति में उसके 5 AM के कार्यक्रम का आभार है कि वह हट्टे-कट्टे गार्ड की पकड़ से छूट गईं, जोरों से दरवाजे में लात मारी जो थोड़ा खुला रह गया था और भाग पड़ी। एक अनुभवी व्यायामी के समान, वे हाइवे पर कुशलता से दौड़ रही थीं जिस पर यातायात भी चार मार्गों से दौड़ रहा था। हॉर्न चीख रहे थे, और कुछ उत्साही ब्राज़ीलियन वासी पुर्तगाली भाषा में चिल्ला रहे थे, ताकि उसका भला होवे। मगर वह दौड़ती रही, तेज़ी से जैसे (चिंकारा) हो।

वह एक कैफे में दुबक गई। उसके आदमी का कोई पता नहीं था। फिर, एक रेस्त्राँ में। फिर वह एक गली में थी, जो अपने अल्प भोजन के लिए सुप्रसिद्ध था। कलाकार कहीं भी नजर नहीं आया।

फिर उद्यमी को उसकी डायरी दिखी। वह वाली जिसमें उसने निपुण वक्ता और अरबपति के सारे पाठ लिखे थे। वही नोटबुक जिसे उसने कड़ाई से, छाती से, लगा रखा था, जब वे पहली बार मिले थे, आभास हुआ मानो बेतरतीबी से लिखी गई है, सभा-घर में-जब वह अपने जीवन के गहनतम अँधेरे में डूबी हुई थी। और उसने एक देवदूत की भाँति, उसे सुरक्षित, शान्त और अधिक सुख, अपनी सुखद उपस्थिति से, अनुभव कराया।

उसने आगे जो देखा वह दुखद था। जैसे ही उद्यमी ने गति धीमी की और चलने लगी, मकानों की एक पतली

पंक्ति में, उसने रक्त देखा। खून का ढेर नहीं बल्कि बूँदें और धब्बे, ताज़े खून के।

“हे भगवान! भगवान अरे! कृपया नहीं, नहीं!” वह रो पड़ी।

शीघ्रता से उसने रक्त की पंक्ति का पीछा किया, फिर खड़ी गाड़ियों की लाइन को पीछे छोड़ते, एक माँ अपने बच्चे के साथ चहल कदमी कर रही थी और फिर, शानदार मकानों की पंक्तियाँ।

“कृपया उसे मरने मत देना”, उद्यमी ने प्रार्थना की, “हे प्रभु!”

“मैं यहाँ हूँ , यहाँ इस ओर,” एक लड़खड़ाती आवाज़ आई।

उद्यमी कलाकार की आवाज़ की दिशा में तीर की तरह भागी। निकट जाकर उसने कनखियों से देख लिया कि पिस्तौलधारी रिवॉल्वर लेकर उसके प्रियतम के सिर पर ही खड़ा है। धोखेबाज़ ने अपने चेहरे से मुखौटे को हटा दिया था। देख सकते थे कि वह युवा था। और बहुत भयभीत भी।

“सुनो,” उद्यमी ने हिम्मत बाँधते हुए साहस से कहा और उन दोनों की ओर बढ़ी।” देखो,” उसने फिर से कहा, “मैं जानती हूँ तुम उसे चोट पहुँचाना नहीं चाहते। मैं जानती हूँ कि तुम अपना शेष जीवन जेल में बिताना नहीं चाहते। वह पिस्तौल मुझे दे दो, और तुम फिर जा सकते हो। मैं तुम्हारे बारे में एक शब्द भी किसी से नहीं कहूँगी। सिर्फ, वह पिस्तौल मुझे दे दो।”

पिस्तौलधारी जड़ था। शब्दहीन और काँपता हुआ। धीमे से उसने पिस्तौल को कलाकार के मस्तक से दूर हटाया और उद्यमी की छाती की ठीक सीध में कर दिया।

“अब, तनाव को दूर करो,” उसने विनयपूर्वक, कड़ी मगर सुस्पष्ट आवाज़ में कहा। उसने अपने मित्र और अपहरण कर्ता की ओर चलना जारी रखा।

“मैं तुम्हें मार डालूँगा,” दुष्ट ने जोर से कहा, “वहीं खड़े रहो।”

उद्यमी पिस्तौलधारी की आँखों में देखते हुए सावधानी से कदम बढ़ाती गई। अब उसके चेहरे पर मृदुल मुस्कान थी, यह उसकी हाल ही में पाई वीरता का स्तर था, और वैसे ही उसके यथेष्ट रूप से बढ़ें आत्म-विश्वास का स्तर था।

एक दीर्घ विराम के बाद, अपराधी उठ खड़ा हुआ। उसने उद्यमी की ओर घूरकर देखा। उस दृष्टि में मानों पहाड़ों जैसा विशाल आदर था और अँतड़ियों में मानों अविश्वास जमा था। फिर, वह शीघ्रता से चला गया।

“बालक, क्या तुम ठीक हो?”

कार्मिका ने कलाकार को, बच्चों-सी कोमलता से गले लगा लिया।

अपनी हालत को काबू में करते हुए, फिर भी, लगातार, पसीना बहाते हुए, वह बोला, “ठीक ही पैदा हुआ हूँ, बेबो मेरी, ठीक ही हूँ। हूँऽऽ! तुमने अभी-अभी मेरी ज़िंदगी बचाई है, जानती हो?”

“मैं जानती हूँ,” वह बोली, “मैंने वह इसलिए नहीं किया क्यों कि हमारी शादी होनेवाली है, जानते हो। मैंने तुम्हें इसलिए नहीं बचाया क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूँ।”

“क्या?” कलाकार ने प्रश्न किया। फिर, तुमने वह क्यों किया जो अभी-अभी किया? मेरा मतलब है, वह अविश्वसनीय कार्य था, जो तुमने अभी किया था। पूरा गुण्डोंवाला।”

“मैंने उसे क्लब के कारण किया था।”

“तुम किस बारे में बोल रहे हो?” कलाकार ने भ्रमित होकर पूछा।

“मैंने जो किया, इसलिए क्योंकि मैंने ये शक्तियाँ 5 AM क्लब का सदस्य बनकर विकसित की हैं, उस कारण इस करतब को मैं कर सकी। यह सब, सचमुच कार्य करता है। सब का सब । मॉरीशस में हमें जो भी कुछ सिखाया गया है। भारत में, रोम में। और प्रमुख कारण, आपकी जान बचाने का यह नहीं था, कि तुम शीघ्र ही मेरे पति बननेवाले हो और हमारे महान् बच्चे होंगे और फिर बच्चों के बच्चे और कुत्तों का तथा बिल्लियों का समूह होगा और आशा है, कनारी चिड़ियों का, हमारे घर में निवास होगा,” उसने उबाल खाते हुए कहा। नहीं मैंने तुम्हें इसलिए

बचाया, क्योंकि तुम भी क्लब में हो। और मि. रिले ने कहा था कि हमें साथ-साथ जुड़कर रहना होगा ताकि हम एक-दूसरे की पीठ बन सकें।"

"क्या तुम गम्भीर हो?" कलाकार ने पूछा, जोर से, उसने अभी जो सुना था, वह उसे अच्छा नहीं लगा था।

"बेशक नहीं। मैं तो बेबी, मज़ाक कर रही हूँ, उद्यमी ने हँसकर कहा।" मैं तुम्हारी प्रेम में पूजा करती हूँ। मैं तुम्हारे लिए अपनी जान, सप्ताह के किसी भी दिन, दे सकती हूँ।" अब चलें और मि. रिले का पता लगाएँ। सुनिश्चित करें कि वह ठीक हैं।"

अगले दिन, जब वे अपने नाटकीय अनुभव से उबर गये, वे अरबपति के कीमती होटल के सायबान में मिले। मि. रिले दुर्बल स्थिर चित्त और बहुत प्रसन्न दिख रहे थे।

'कल बहुत उछल कूद रही, चुलबुलियों," उन्होंने इसे इस प्रकार से कहा मानो उन्होंने सिर्फ फूलों भरी क्यारियों में से एक तेज़ चक्कर काटा हो।

"वह बहुत निष्ठुर था," कलाकार ने उत्तर दिया। आप मानसिक आघात की बात कर रहे हैं, वह बहुत ही आघात देनेवाला था।"

"तुम, मेरे मित्र, तुम्हीं तो कल के नायक थे।", अरबपति ने गौरव से उद्यमी पर केन्द्रित हो कर कहा। "तुम, युवा महिला, सचमुच, दो पैरों पर खड़ी अजूबा हो।"

"धन्यवाद!" उसने अपने पैरों को थोड़ा-सा खिसकाते हुए कहा ताकि निश्चिन्त रहे कि कलाकार ठीक हैं।

"मैंने गरजते हुए देखा था, तुम्हारी शान्ति भी देखी, गहरे दबाव में तुम्हारी एकाग्रता देखी और तुम्हारा अति-मानवीय स्तर का कार्य-निष्पादन भी देखा।"

"इस स्त्री-रूपी देवी ने यहाँ, मेरी जान बचाई ," कलाकार ने उत्साहपूर्वक स्वीकारा।

"तुम दोनों प्रेमी-युगल को अब, 5 AM क्लब से जुड़ने के लाभ मिलना आरम्भ हो रहे हैं। *66* दिन कम-से-कम को लागू करने के बाद कल्पना करो फिर, छ: महीने विश्वस्तरीय प्रात:कालीन दैनिक कार्यक्रम को करने के बाद, आपको ज्ञात हुआ है। विचार करो, किस प्रकार से आप अपनी क्षमताओं को, कार्य निष्पादन को अधिकतम बनाएँगे और साल भर में आप विश्व के लिए उपयोगी बन जाएँगे। हमेशा याद रखें कि महानतम नेता भी, अनुचर नेता हुए हैं। जितना कम आप स्वयं के लिए करेंगे और जितना अधिक आपका ध्यान, दूसरों के विकास पर केन्द्रित होगा, आप अपनी पहचान को वास्तविक राज्य संस्थापक के रूप में विकसित करेंगे तथा इतिहास-निर्माता के रूप में पनपेंगे।"

"समझ गई," उद्यमी ने पानी की बोतल से घूँट भरते हुए कहा। वह स्वयं को यथेष्ट सजल बना रही थी ताकि ऊर्जा में श्रेष्ठ बनी रहे।

"मैं तुम्हें, कल बतलाई बहादुरी के लिए पुरस्कार देना चाहता हूँ," अरबपति ने प्रस्ताव रखा। मेरे पास एक समाचार है, जो तुम्हें, अपने जीवन से और अधिक प्यार करना सिखाएगा।"

"कृपया मुझे बताएँ", उद्यमी ने कहा। वैसे, मुझे तो कुछ भी नहीं चाहिए, इसे आप जानते तो हैं। मैंने जो किया वह प्यार की खातिर किया, सीधी-सी बात है।"

"हाँ, तो तैयार हो?" टायकून ने पूछा।

"हाँ, तैयार हूँ।"

"तो ठीक है। आज सुबह, मेरे आदमियों ने, उन धूर्त पूँजी निवेशकों के सारे इक्विटी शेयर खरीद लिए, जो उनके पास थे। मैंने उन्हें ऐसा प्रस्ताव रखा कि वे इन्कार नहीं कर सके। मेरे कानूनी दल ने उनसे ऐसा अनुबन्ध लिखवाया कि अब वे कभी तुम्हारी कम्पनी के पास भी नहीं जाएँगे, न तुम्हारे पास, और न उस व्यक्ति के पास जो कुछ ही घंटों में तुम्हारा पति बननेवाला है।"

"पेंचदार ठीक?" अरबपति ने कहा और सायबान के रास्ते को टॅप डांस करके पार किया। उसने सच में, पूरे कमरे को टॅप डांस करके पार किया। फिर, वह अपनी बाँहों को मूसल की भाँति, पागलों की तरह से, चलाकर

खाँचे बनाने लगा, अपने काल्पनिक संगीत के साथ। और अन्त में - ध्यान दें - वह फिरकी की तरह घूमने लगा। हाँ, एक परिश्रमी उद्यमी जिसकी हैसियत एक अरब डॉलर्स से अधिक थी, अब, होटल के कमरे में चकरी की तरह घूम रहा था।

"यह सबसे विचित्र मनुष्य है जिससे मैं कभी मिली हूँ, अरबों के निमित से," उद्यमी ने सोचा। मगर सचमुच अद्‌भुत है, चमत्कारपूर्ण होने के निकट है।"

उद्यमी तथा कलाकार ने एक-दूसरे की ओर देखा और हँसने लगे। फिर, वे भी शामिल हो गए, जहाँ तक सम्भव था उतने, क्योंकि मि. रिले अनेकों बार कुछ कौतुकी होकर प्रदर्शन भी कर सकते थे, जितने विनम्र थे। नृत्य का सत्र समाप्त होने के बाद उन्होंने इस व्यक्ति को गले से लगाया, जो उनके निराले ज्ञान-पुरुष अत्यन्त उत्साहवर्धक और निष्कपट मित्र बन चुके थे।

उद्यमी ने इस उन्मादी उद्योगपति को धन्यवाद दिया, उनकी उदारता के लिए, गहराई से, क्योंकि उन्होंने उसकी कठिन परिस्थिति को परे हटा दिया था। यह दर्शनीय घटना लगभग आश्चर्यजनक थी। सभी कुछ सुधर रहा था। हर बात, अधिक अच्छे तरीके से सामने खुलती जा रही थी, जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी। और अब, वह उस परीक्षा से भी मुक्त हो चुकी थी, जिसने उसे जीवन के कँटीले मोड़ पर ला खड़ा किया था।

उस क्षण, उसे अनुभव हुआ कि हर दुःखद घटना के दूसरी ओर, विजय होती हैं। और प्रतिकूलता के परे स्थाई जीत में एक सेतु होता है, अगर किसी के पास इसे देखने के लिए दृष्टि हो।

"जो भी हो," अरबपति ने कहा, "आज का सत्र जल्दी होगा। मेरे दल के मुखिया, आपके विवाह के हर विवरण में भाग ले रहे हैं, जैसा हम कह रहे हैं। आपके लिए कॅसेब्लेंका लिलीज़ आएँगी, जिनकी आपने इच्छा की थी, संगीत, जिसका आप दोनों ने सुझाव दिया था और हर विस्तार विश्व स्तर का होगा। मैं और मेरा दल इसी तरह करते हैं। और हाँ, आपके सारे मेहमान, मेरे जेट की अनेकों उड़ानों में यहाँ आ चुके हैं। अब, हर कोई यहाँ है। और सभी, आनन्द से भरे हुए हैं। खास करके मैं।"

टायकून ने एक और, कड़ी खाँसी की। फिर, दो और। उसकी बाँह फिर से काँपने लगी थी, जब वह आधुनिक दिख रही लकड़ी की कुर्सी पर बैठे जिस पर सफेद चमड़े का थेगड़ा लगा था, जिस प्रकार का स्वीडन तथा डेनमार्क के फर्नीचर के कारीगर अपनी बनावट में लगाते हैं। पहली बार, उसकी आँखों में डर की परछाईं दिखी।

"मैं इस राक्षस को मार भगाऊँगा," उसने स्वयं से फुसफुसाकर कहा। "तुम गलत आदमी से छेड़खानी कर रहे हो।"

'उसने अपना पर्स निकाला, अपनी पत्नी की जीर्ण तस्वीर निकाली, जो वर्षों पहले जा चुकी थी, उसे अपनी छाती से लगाया, और सुबह के प्रवचन के केन्द्रीय तत्त्वों और विचारों पर चिन्तन करने लगा।

"अब, चूँकि आप 5 AM सूत्र के बारे में जानने लायक अधिकांश बातें जान चुके हैं, मैं अब आपको दस तरीके देना चाहूँगा जो आपके निजी और उद्यमी जीवन को संवेग देंगे।" ये दैनिक वीरता के दस संकेत हैं। *20/20/20* सूत्र आपको, आपकी प्रात: तेजस्विता से उपयोग में लाना सिखलाएँगे, दस दूसरी नित्य चर्चाएँ, इस साम्राज्य की पूरक होगी। अत: आपका शेष दिन, शानदार तरीके से बीतेगा। इन्हें आजमाएँ और आप अजेय हो जाएँगे और, एक सार्थक, ऊपर की ओर गतिमान चक्राकार सफलता का अनुभव करेंगे, जहाँ आपके जीवन का प्रत्येक प्रमुख तत्त्व उभरता जाएगा, ज्यों ज्यों समय बीतेगा।"

हमेशा की भाँति, एक हाथ हवा में ऊपर उठा। सायबान हाउस शयन-कक्ष के पुस्तकालय से एक सहायक उछला, विशाल फ्रेम किया हुआ चित्र बड़ी मुश्किल से उठा कर लाते हुए। अरबपति अपने सहायक की मदद करने को दौड़ पड़ा।

युवा, स्वस्थ और साँवले खूबसूरत सहायक की सफेद टी शर्ट पर ये शब्द अंकित थे : "हर कोई सपना देखता है कि वह प्रज्ञापुरुष बन जाए, जब तक कि समय नहीं आता, उन कामों को करने का, जिन्हें इतिहास-पुरुष करते हैं।"

"यह मेरी ओर से, तुम दोनों के लिए, विवाह की एक भेंट है।" अरबपति ने महान् आविष्कारक, थॉमस एडीसन की एक स्तम्भित कर देनेवाली पेंटिंग की ओर इशारा किया। एडीसन के चेहरे पर एक आधुनिक कला की

लिपि में, अन्वेषक के शब्द थे :"सर्वोत्तम विचारशील सोच एकान्त में की गई है और निकृष्टतम, अशान्तिपूर्ण, विक्षोभ में।"

"मैंने अपने एक प्रिय कलाकार को, जो बर्लिन में रहता है, उसे तुम्हारे लिए, इसे बनाने को कहा है। उसने मेरे लिए, मेरे ज्युरिच के फ्लैट में, बहुत से कलाकार्य किये हैं। अब मुश्किल से ही कभी चित्रकारी करते हैं। इसे एक विशेष एहसान के रूप में किया। तुम बिल्लियो, यदि इसे बेचोगी, तो सभी कार्यों से निवृत्त हो सकती हो। इस बात पर विश्वास करो। कृपया इसे पलटकर देखो," अरबपति ने दुबली-पतली कुर्सी पर फिर से बैठते हुए और उस मूल्यवान पेंटिंग का निरीक्षण किया जो साओ पाउलो के गगन चुम्बी, मकानों को ऊपर से देख रहा था। अनेकों ऊँचे मकानों में ऊपर हेलीपॅड बने थे ताकि व्यवसाय के श्रेष्ठ पुरुष जो उनके अन्तर्गत कार्य करते थे, आसपास जा सकें, बिना उत्पादन के और जीवन के मूल्यवान समय को साओ पावलो के यातायात में बरबाद न करें। क्योंकि, अब तुम जानती हो कि जिन घंटों को लोग व्यर्थ गँवाते हैं, उन्हें वीरकथा के नायक काम में लाते हैं।

पूर्णतया कुशलता से फ्रेम की गई कला कृति एक नक्शा था जिसका शीर्षक था:

"आजीवन प्रतिभा की *10* युक्तियाँ

अरबपति निरन्तर बोल रहे थे, "थामस एडीसन रचनात्मक उपलब्धि का उदाहरण देते हैं। अपने जीवन में एक हज़ार और तिरानवे वस्तुओं का एकस्व अधिकार लेने के उपरान्त, हमें लाइट बल्ब से लेकर चलचित्र कैमरा तक देनेवाले, तथा 1901 में एक बैटरी, जो बाद में इलेक्ट्रिक कारों में प्रयुक्त की गई। वे मात्र अनुसंधानक ही नहीं थे, वे सम तापमंडल कम्पनी के निर्माता भी थे।"

"हाँ तो," अरबपति ने आगे कहा। "उसका जीवन सचमुच पढ़ने लायक है और फिर उस से अपने-जर्नल की विसंरचना करो, जिससे तुम्हारे अपनेपन और गतिशीलता से ज्ञात हो जाएगा कि उसने उसे कैसे विकसित किया था। एडीसन ने एक बार कहा था, "व्यस्त रहने का तात्पर्य हर बार का असली कार्य नहीं है। हर कार्य का ध्येय उत्पादन या निष्पति है।"

और जब आप अन्वेषक की उपलब्धि के सूत्र का कणानुवाद करते हैं, तो उसकी लक्ष्यभेदी योग्यता को गम्भीरता से अध्ययन करें। एडीसन ने देखे, "आप, दिन-दिन भर कुछ करते हैं, है न? हर कोई करता है। यदि आप सुबह सात बजे उठते हैं और रात को ग्यारह बजे सोते हैं, तो आपने सोलह अच्छे घंटे लगा दिए हैं। यह निश्चित है कि अधिकांश लोग सारे समय कुछ-न-कुछ करते हैं। कष्ट इतना ही है कि वे अनेकों बड़ी वस्तुओं के लिए कुछ करते हैं, जबकि मैं सिर्फ एक के लिए करता हूँ। यदि उन्होंने सन्दर्भित समय को एक ही दिशा में लगाया होता, एक ही विषय पर, तो वे सफल हो गए होते।"

"यह मामला है।," कलाकार ने ध्यान दिया जो सुबह काले कपड़ों में और अपने हमेशा के योद्धा के जूतों में था। उसने अपनी छाप मार्का बकरे जैसी दाढ़ी मुंडवा दी थी। इसका आरम्भ-बिन्दु मॉरीशस जाता है, जहाँ हम सीमित क्षेत्र के ज्ञानात्मक सम्पर्क बिन्दुओं में चक्कर काटते थे और हर बाधाओं और ध्यान बँटानेवाली बातों से हमारे प्रवीणता के काम करने के अवसर कम होते जाते थे। क्योंकि हम हर कार्यक्षेत्रों में ध्यान बाँटते हैं जिसे हम अपने कार्यस्थान और जीवन स्थान में अनुमति देते हैं। और यदि हम वास्तव में सावधान नहीं रहें तो हम डिजिटल मनोभ्रंश या पागलपन में, पहुँच जाते हैं। जिसका उल्लेख आखिरी नक्शे में है, जिसे आपने हमारे साथ रोम में साझा किया था। आज मैं इसे एक बहुत बड़े आकार में पाने जा रहा हूँ। जब मैं अपने घर, स्टुडिओ में पहुँचूँगा, मैं निश्चय ही अपने वातावरण को ऊपर उठाऊँगा ताकि वह पूर्णरूपेण (शान्त) रहे - बिना किसी साधन या हथियार के। और मेरा विचार समय की प्रौद्योगिकी का विषहरण करेगा। कोई सोशल मीडिया और सायबर सर्फिंग नहीं, ताकि मैं अपना ध्यान वापस पा सकूँ। मैं जो सोच पा रहा हूँ कि एक बार में क्षितिज के शून्य प्रदेश में पहुँच गया जहाँ शान्ति है तो फिर मैं एक बार में एक ही परियोजना पर ध्यान केन्द्रित करूँगा। अपनी रचनात्मक शक्ति को, और शारीरिक सामर्थ्य को, अनेकों पर नहीं फैलाऊँगा। यही है जो मैं एडीसन के शब्दों से समझ पाया हूँ। मुझे अपनी प्रतिभा को कई चीज़ो पर बहुत अच्छा होने में फैलाना नहीं है जबकि मैं अकेले पर, निरन्तर कार्य करके उसे अनुश्रुत और आख्यान बना सकता हूँ।"

"और अब मुझे ज्ञात होने लगा है कि अब मैं किसी नए उत्पाद के बारे में या अपने अगले 'नील समन्दर उद्यम के बारे सोचने के समय एक व्यवधान मुझे लाखों डॉलर की हानि दे सकती है-या शायद अधिक की," उद्यमी ने उमंगित हो कहा।

“तुम दोनों ने अभी-अभी जो कहा है वह बहुत अधिक महत्त्वपूर्ण है यदि तुम लोग अपनी बुद्धिमत्ता को उभारने और अपनी अन्तर्निष्ट महानता को पूर्ण रूप से प्रकट करनेवाले हों,” अरबपति ने सहमति दी और प्रसन्नता से मुस्कुराया।

“एडीसन पहाड़ पर अपनी मेनलो पार्क प्रयोगशाला पहुँचेगा लिए ताकि घंटों पर घंटे, और कई बार दिनों दिन, अपने दल के साथ किसी एक अन्वेषण पर काम कर सके, जो उनकी प्रेरणा का स्रोत था। वह खाँचेकार बिल्ली सचमुच एक खूबसूरत, गुर्रानेवाली गठीली छैला है।”

फिर अरबपति ने पेंटिंग के पीछे छपे नक्शे की ओर इशारा किया।

“मैं जानता हूँ, तुम दोनों जाना चाहते हो ताकि तुम उत्सव के लिए तैयार हो सको। कृपया इस भेंट को अपने साथ ले जाओ। मगर पहले उसे पढ़ लो जो इस के पीछे लिखा है। इन दस तरीकों से जुड़ जाओ जो तुम्हारी 5 AM क्लब की प्रगति को तेज़ बना देगा और तुम्हारे उपहार, बुद्धिमत्ता और सामर्थ्य को प्रज्वलित करेगा। सुबह जल्दी जागना और *20/20/20* सूत्र को अपनाना ही आप का प्रमुख कदम है कि अपने क्षेत्र में अग्रणी बना जाए और अपने निजी जीवन की पदोन्नति हो जाए। ये दस असंशोधित आदतें आपका विस्तारक सुनिश्चित करेंगी कि आप देखते हैं कि जो परिणाम रेखीय है, उनके पुरस्कार घातीय है। सीखने का आदर्श नमूना इस प्रकार का दिख रहा था :

आजीवन प्रतिभा के

10 सिध्दांत

आजीवन प्रतिभा के *10* सिद्धान्त के अन्तर्गत उद्यमी तथा कलाकार ने आगे दी हुई रणनीति पढ़ी जो ठीक से व्याख्या देते हैं। कि उनका वास्तविक अर्थ क्या होता है और उन्हें कोई किस प्रकार से उपयोग में ला सकता है।

सिद्धांत # **1:** सम्पूर्ण एकाग्रता का कसा हुआ बुलबुला

अन्तर्दृष्टि **:** ध्यानभंग की लत लगना आपकी रचनात्मक उत्पादकता की मृत्यु है। डिजिटल अवरोध की ओर का आकर्षण आपको आपकी सम्पत्ति-आर्थिक रूप में, सोच-विचार-चिन्तन के रूप में, सामर्थ्य के रूप में, शारीरिकता तथा आध्यात्मिक रूप में आपको हीन बनाता है। धन की कमाई और कमाई का प्रभाव, आजकल कम ही लोगों को प्राप्त होता है। आपको अपने दिन इस प्रकार से बिताने होंगे जैसे बहुत कम निष्पादक आजकल बिता रहे हैं। "सम्पूर्ण एकाग्रता का कसा हुआ बुलबुला" एक रूपक मूरत है, जो आप अपनी प्रतिभा की सम्पत्ति के आसपास बनाते हैं ताकि वे न सिर्फ सशक्त रहे बल्कि बढ़े भी। पाँच मौलिक परिसम्पत्तियाँ, जिन्हें सभी अति-

उत्पादक बचाए रखते हैं, वे हैं-मानसिक केन्द्रीकरण, शारीरिक ऊर्जा, निजी संकल्प शक्ति मौलिक बुद्धिमानी तथा प्रतिदिन का समय। आपके बुलबुले की झिल्ली छिद्रयुक्त है जो इसे घेरती है ताकि आप निर्णय कर सकते हैं कि कौन-सी सूचना, कौन-से लोग और किस प्रकार की गति विधियाँ आपके ग्रह-पथ आएँगी। कुछ भी नकारात्मक, विषैला और कलुषित होगा तो वह दरवाज़े पर ही रोक दिया जाएगा। दरअसल में, दुनिया में इस प्रकार से रहना आपकी गोली-विरोधी सुरक्षा पद्धति है उस हर प्रकार की उत्तेजना को अस्वीकार करने के लिए जो आपकी महानता को दोषित करती है। आपको महान् बनाती है।

कार्यान्वयन **:** "सम्पूर्ण एकाग्रता का कसा हुआ बुलबुला" की रणनीति, तुच्छ आकर्षण से मुक्त और कोई भी आप की प्रेरणा को खत्म करता है और A - स्तरीय खेल को खराब करता है, आपको लम्बा समय देकर आपका ध्यान केन्द्रित करने के साथ साथ मौलिक प्रतिभा को भी संरक्षित करती है। प्रतिदिन प्रातः आप इस अदृश्य बुलबुले में प्रवेश करते हैं, जिसे आपने स्वयं रचा है, जो अन्य लोगों के व्यर्थ के उद्गारों बनावटी समाचारों, विज्ञापनों, मूर्खतापूर्ण वीडियो, व्यर्थ के संवाद और अन्य प्रकार के सायबर में अटकानेवाले कार्यक्रम जो आपके जीवन की अगाध सम्भावनाओं के पर्वत को ध्वस्त कर देंगे से हीन है। इस उस दार्शनिक कीर्ति-स्तम्भ का एक हिस्सा तो हमारा निजी मेनलो पार्क है, वह स्थान जहाँ-थॉमस एडीसन जैसे-आप दुनिया से खो कर और श्रेष्ठ सृष्टियाँ करते हैं जो आपको व्यवसाय में प्रभुता और विश्व में प्रमुखता दिलाएँगे। यहाँ मुख्य चाबी है एक नियत समय के लिए एकान्त प्रति दिन सार्थक वातावरण में, जो तुम्हें रचनात्मकता, ऊर्जा, सुख और भावना कि तुम यह मानवता के उत्थान के लिए कर रहे हो, से सींचता है। स्थानों में आप निवास करते हो वे आपकी सृजनात्मकता, को आकार देते हो। यह विचारधारा-आपके उद्यमी नित्यक्रम से अलग, व्यवहार में लाया जा सकता है और लाना चाहिए, ताकि आपका निजी समय नकारात्मकता शक्तिसूचक आत्मा को पीड़ा देनेवाले अनुचरों से बचा रहे। ठीक है, अपनी पाँच परिसंपत्तियों के आसपास कवच की रूपक दीवार बना दो। ताकि सामाजिक जीवन अद्भुत हो। अतः, आप उपदेशक नहीं बने। टीबीटीएफ को अपने निजी जीवन में काम में लाकर जीने का अर्थ हुआ कि आप अपने निज निर्मित, विश्व में, जो आपका अपना आनन्द भरा निर्माण है, उसमें रहते हैं। याद रखें, उस बुलबुले की झिल्ली छिद्रयुक्त है और अत: आप निर्णय ले सकते हैं कि आपके वास्तविक विश्व कौतुक तथा शान्ति मे कौन आए। विशेष-व्यवहार विचारों जैसे, अपने टी.वी. को बेच देना, शेष दिन में समाचार नहीं सुनना, शोरभरे-भीड़ भाड़वाले शॉपिंग मॉल से बचना, जहाँ आप वे वस्तुएँ खरीदते हैं जो अनावश्यक हैं, शक्तिसूचक व्यक्ति जिन्हें आप सामाजिक धरातल पर मिलते हैं, को अमित्र करना और सारी सूचनाओं को बन्द कर देना जब आप 'सम्पूर्ण एकाग्रता के कसे हुए बुलबुले' में हैं और निरन्तर उद्गार देकर साधनों को निरस्त कर देते हैं।

सिद्धांत # **2: 90/90/1** नियम

अन्तर्दृष्टि **:** वास्तविक कार्य करना बजाय कृत्रिम कार्य करने के-प्रतिदिन, और एकरूपता से। यह आपको विशालकाय प्रतिस्पर्धा लाभ देगा जो प्रवीणता के द्वारा उत्पन्न होता है और लाभ पहुँचाता है। प्रवीण स्तर का उत्पादन दुर्लभ है और बाज़ार उस वस्तु का अच्छा भाव देता है, जो कम हो। अनुश्रुत उपलब्धिकर्ता अपना सम्पूर्ण ध्यान तथा प्रयत्न एक बार में एक प्रमुख कार्य पर, लगाते हैं ताकि वे अपनी ज्ञानात्मक सामर्थ्य का पूरा लाभ उठा सकें और, अपनी मूल्यवान शक्ति को यशस्वी उत्पादों के निर्माण में लगाकर उसे शीर्षस्थ बना सकें। इस प्रकार से कार्य करने के लिए हमें अपने सर्वश्रेष्ठ उद्यमी समय को व्यवहार में लाने की आदत डालनी पड़ेगी ताकि श्रेष्ठ उत्पादक परिणाम मिल सकें। जब आप काम पर जावें तो वह समय ऑन लाईन खरीदी का, गप्पें हाँकने का या सन्देशों को पढ़ने का नहीं होता। वह प्रदर्शन का अवसर है-अतिप्रमुख उत्पादकों के लिए।

कार्यान्वयन **:** अगले नब्बे दिनों तक, स्वयं को कार्यक्रमित करें कि आप अपने कार्य दिवस के प्रारम्भिक नब्बे मिनिट किसी एक कार्यकलाप को देंगे और वह जब विश्व स्तर पर पूरे हो जाएँगे तो आप अपना क्षेत्र सँभालेंगे। यह नब्बे मिनट का समय पूरी तरह से हर प्रकार के शोर तथा बाधाओं से रहित होना चाहिए। अपने उपकरणों को एक बैग में रख दीजिए जिस पर लिखा हो, "मेरे 90/90/1 अवधि के लिए" और फिर, उस बैग को दूसरे कमरे में रख दीजिए। सीमा-रेखाओं को साफ-साफ बनाने से, जो प्रलोभनों तक, पार करके न जा सकें, वह एक सार्थक तरीका है, उन्हें कम करने का।

सिद्धांत #**3: 60/10** नियम

अन्तर्दृष्टि **:** अन्वेषणों ने निश्चित कर दिया है कि महान् निष्पादनकर्ता कभी भी रेखीय ढंग से अधिक परिश्रम से, बहुत देर तक, इस आशा में कि सबल और बेहतर परिणाम मिलेंगे, के हिसाब से कार्य नहीं करते।

इसके स्थान पर, अभिजात वर्ग के सृजन जो करते हैं, दोलन की शक्ति को समझकर करते हैं। गहरे ध्यान और प्रदर्शन की क्रूर तीव्रता के विकल्पो में, वास्तविक ध्यान और पूर्ण पुनप्राप्ति की अवधि के साथ वे अपने कार्य चक्र की संरचना करते हैं। दूसरे शब्दों में, वे समतोल अवस्था में कार्य करते हैं और अंधाधुंध उत्पादन करते हैं, ताकि स्वयं के ज्ञान-कोष को पुनर्जीवित करने ताकि वे उसे खाली न कर दें। जानकारियों के अनुसार मानव अपना सबसे आश्चर्यजनक कार्य तब करता है जब वह ताज़ा और तनावरहित होता है, बजाय थके और तनावसहित होने के। वास्तविक व्यावसायिकों और पेशेवरों ने अपनी प्रतिभा की स्तुति करना आरम्भ कर दिया कि वह धड़कते हुए कार्य करती है, ज़्यादातर तेज दौड़ाकों की तरह से, न कि लम्बे दौड़ने वालों की भाँति।

कार्यान्वयन ***:*** अपने दैनिक जीवन के 90/90/1 खण्ड को अपनाने के बाद, एक टाइमर का उपयोग करें और सीधे साठ मिनिटों को बैठी या खड़ी अवस्था में शान्ति से "सम्पूर्ण एकाग्रता का कसा हुआ बुलबुला" में लगाए। स्वयं को न हिलने की शिक्षा दें। सिर्फ एकाग्र बनें और सर्वाधिक सम्भव परिणामों का निर्माण करें। अपनी साठ मिनिटों की उत्पादकता में, त्वरित गति से भागकर, स्वयं को दस मिनिट पुन:चार्ज करें। इस पुनर्जीवन के लिए स्वच्छ पवन में त्वरित चाल, उस पुस्तक को पढ़ना जो आपके नायकत्व को आगे बढाए या निज नियंत्रण, योग-साधना, दृष्टि दर्शन, प्रेरक संगीत श्रवण (हेडफोन लगाकर) जैसा अनेकों चैम्पियनशिप के व्यायामी करते हैं, फिर मैदान में कदम रखते हैं, ताकि उनके मस्तिष्क का ध्यान बाएँ मस्तिष्क के क्षेत्र से हटकर दाएँ ओर आ जावे जो सृजनात्मक और गतिशील है, बजाय बायीं ओर बने रहने के जो चिन्ता और परेशानी करने में लगा रहता है।

नवनिर्माण के दस अद्भुत मिनिटों के बाद, वापिस लौटो और अपने अगले साठ मिनिटों के कार्य-खण्ड में पहुँच जाओ-प्रेरणा से भरे हुए, श्रेष्ठता से ओत-प्रोत, प्रवीणता और पटुता से भरे, और फिर आएगा आपका अगले दस मिनिटों का पुनर्जीवन।

सिद्धांत # **4:** प्रतिदिन की पाँच धारणाएँ

अन्तर्दृष्टि ***:*** अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि सर्वाधिक प्रभावशाली नेता उन दिनों अपने उत्पादन के शिखर पर रहे थे, जब उन्होंने, भले ही उस दिन, कुछ महत्त्वपूर्ण, रुकावट या धक्का खाया हो, मगर, अपने दिमाग को सक्रियता से प्रगति में व्यस्त रखा था। ऐसा करने में उन्होंने स्वयं को मस्तिष्क के नकारात्मक बैर से दूर रखा। उन्मत्त सक्रियता की महान गुरुकुंजी है, अपने लक्ष्य को केन्द्रित करो, निरन्तर 1% विजयों पर, और छोटे छोटे निष्पादन अपने कार्य-दिवस में प्रति घंटे करो। प्रतिदिन की लघु उपलब्धियाँ, दीर्घ समय तक, निरन्तर, करने पर हमें निश्चय ही चकित करनेवाले परिणाम देती हैं। और उन्हें जान-बूझकर उस क्षेत्र में फैला दिया जाए, जहाँ आप जा रहे हैं, तो आप अपनी आकांक्षाओं को सुरक्षित कर देंगे, अपने आत्म-विश्वास की रक्षा करेंगे और खतरनाक भय को पराजित कर देंगे ताकि आश्चर्यजनक कार्य कर सकें।

कार्यान्वयन ***:*** अपने विजय काल के द्वितीय खण्ड में पाँच छोटे लक्ष्यों को निर्धारित करें जिन्हें आप दिन भर में प्राप्त करना चाहते हैं ताकि आपको प्रतीति हो कि आपने आज का दिन अच्छा बिताया। यह भी, जिस प्रकार से आपने अन्य बातें सीखी हैं, एक अभ्यास है : जितना अधिक आप इसे करेंगे, उतनी ही सरल यह विधि आपके लिए होती जाएगी। अतः प्रक्रिया के साथ आप बने रहें। तीस ही दिनों में आप 150 कीमती विजयों को प्राप्त कर लेंगे। और एक साल बाद, यह प्रक्रिया अकेली ही 1,825 मूल्यवान लक्ष्यों को पाने में सहायक बनेगी जो गारण्टी देंगे कि अगले बारह महीने सर्वाधिक उत्पादनकारी महीने आप के आज तक के हैं।

सिद्धांत # **5:** द्वितीय पवन परीक्षण

अन्तर्दृष्टि ***:*** अब आपने प्रतिदिन के व्यायाम में छिपे तंत्रिका विज्ञान को खोज़ लिया है। शरीर की नियमित हलचल से केन्द्रीकरण तथा एकाग्रता बढ़ती है, दिमाग़ की प्रक्रियात्मक गति और शक्ति बढ़ती है, सीखने की शक्ति त्वरित होती है, आपकी ऊर्जा बढ़ती है, आपकी आशावादिता को ऊपरी स्तर तक ले जाती है, मेलाटोनिन का उत्पादन बढ़ाकर, अच्छी नींद में सहायक है और दीर्घायु बनाता है। इसी ह्युमन ग्रोथ होर्मोन को निसृत कर के आपके टीलोमर्स को लम्बा बनाते हैं जो हमारे क्रोमोज़ोम्स को उधड़ने से बचाता है। वे मानो जूतों की लेस के सिरे पर लगी हुई प्लास्टिक की खोल हों। उम्र के साथ-साथ हमारे टेलीमीयर्स लघु बन जाते हैं, इसीलिए कई बार उनकी तुलना बम के फ्यूज से की जाती है। यहाँ मुद्दे की बात यही है कि यह पूरी तरह से लिखी गई बात है कि व्यायाम इस 'लघुकरण' क्रिया को धीमा कर देता है जो हमें अधिक दिनों तक स्वस्थ रखते हैं। हमें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि साधना, अनाजों का एक पूर्ण सन्तुलित समृद्ध भोजन, उत्तम नींद की मात्रा और बीच-बीच

में कुछ उपवास-इसे निपुण वक्ता 16/8 द्वारा विभाजित, कहते हैं क्योंकि आप 16 घंटे के उपवास के समय, कुछ नहीं खाते और फिर, आठ घंटों के समय में उसे तोड़ देते हैं। इन सबों ने साबित किया हैं कि ये हमारे टेलीमीयर्स को विध्वस्त होने से बचाते हैं। अनुभव पर आधारित तत्त्व व्यायाम की बदलाव की शक्ति को प्रमाणित करते हैं कि हम दिनभर में एक ही व्यायाम क्यों करें? इस कार्य मण्डल को उपयोग में लाकर ऊर्जा को हम बढ़ा सकते हैं ताकि आप अपने व्यवसाय-गुरुओं को न सिर्फ पीछे छोड़ देंगे बल्कि अपनी उम्र की बढ़ती को भी काट-छाँट सकते हैं, क्योंकि आप एक आश्चर्यजनक सुखी और सार्थक जीवन जी रहे हैं।

कार्यान्वयन **:** द्वितीय पवन परिक्षण को कार्यान्वित करने के लिए अपने कार्य-दिवस के अन्त में एक और दूसरी कार्यशाला रखें ताकि महान् सायंकाल के लिए हवा का दूसरा झोंका पा सकें। आप उस थकान से निजात पा जाएँगे जिसे अधिकांश व्यक्ति कार्य के परिश्रम के बाद अनुभव करते हैं।

अपनी इच्छा शक्ति की बैटरियों को पुनर्जीवित कर लें ताकि आप अपनी शाम की रुचियों के विकल्पों को चुन सकें और पाएं कि अपनी चीनी की याचना रात में कितनी महत्त्वपूर्ण ढंग से कम हो गई है।

इस समय पर आप एक सर्वश्रेष्ठ काम यह कर सकते हैं कि एक घंटे के प्रकृति-भ्रमण पर निकल जाएँ। आपको एक और समय खण्ड बिना डिजिटल रुकावटों का मिल जाएगा जिसमें आप अधिक गहरे विचारों और मूल्यवान चिन्तनों को डाउनलोड कर सकेंगे। आप प्राकृतिक वातावरण में चलने तथा सूरज की किरणें और ताजी हवा आपके मनोभावों, हृदय की कामनाओं, स्वास्थ्य संकल्पों, आत्म-चिन्तनों को उपहार स्वरूप देंगी। प्रकृतिवादी जॉहन मुईर ने इसे अच्छे से यह कर बताया है "प्रकृति की हर चहलकदमी के साथ कोई जितना चाहता है उससे कहीं अधिक पाता है।" आपके द्वितीय पवन परिक्षण के लिए अन्य सुझाव हैं, साठ मिनिट की पहाड़ों की सायकल पर यात्रा, एक दीर्घ तैराकी का सत्र, अथवा योग कक्षा में जाना। इस कार्य-शृंखला को यदि आप करेंगे तो आप अधिक कॅलरीज जलाएँगे, अपनी गति तीव्र करके तन की वसा को जलाएँगे। द्वितीय पवन परीक्षण सब कुछ पलटनेवाला खेल है।

सिद्धांत # **6 :** दो मसाज का संलेख

अन्तर्दृष्टि **:** खोज़ों से ज्ञान हुआ कि "मसाज (मालिश) चिकित्सा" वह साधन है जो मस्तिष्क के कार्य निष्पादन में मन:स्थिति, तनाव से लड़ने की योग्यता तथा सामान्य सुधार में दर्शनीय सुधार करता है।

मसाज के लाभों में, कोर्टिसोल में 31% की कमी, (भय का होर्मोन) डोपाइन में 31% की बढ़ोतरी (प्रोत्साहन स्तर को बढ़ाना); सेरोटोनिन में 28% का चढ़ाव (जो चिन्ता को संतुलित करके सुख को उठाता है; स्नायुओं के तनाव घटाना दर्द को कम करना, स्नायु सेल्स को सूजन विरोधी सन्देश भेजकर पीड़ा हरना और उन सेल्स को अधिक mitochondria बनाने के सन्देश को उच्च स्तर तक ले जाना है। यहाँ कुंजी यही है कि गहन ऊतकों की मसाज करनी चाहिए बजाय सामान्य तनावमुक्त शारीरिक कार्य करने के। वह ठीक से कार्य कर सके इसके लिए वह कुछ तो दर्द देगा ही। यह आफतवाली कार्यप्रणाली, उस तनाव को भी कम करती है जो telemeres को खराब करता है और आपका स्वास्थ्य अच्छा करता है और दीर्घायु बनाता है।

कार्यान्वयन **:** दो मसाज के संलेख को व्यवहार में लाने के लिए अपने साप्ताहिक कार्यक्रम में दो नब्बे मिनिटों के मसाज अपनाएं, क्योंकि जो वस्तुएँ कार्यक्रम में आ जाती हैं वे हो कर ही रहती हैं। और क्योंकि अस्पष्ट, योजनाएँ धुँधले निष्पादन देते हैं। और चूँकि, लघुतम कार्यान्वयन वास्तव में महानतम अभिप्राय से अधिक अच्छा होता है। गुणवत्ता उनके दृष्टिपथ में अपने कार्यान्वयन के लिए समर्पण से खिंचाव लाता है। आप कह सकते हैं कि आप बहुत व्यस्त कार्यकारी हैं और इतना समय नहीं दे सकते कि दो लम्बे मसाज हर हफ्ते करें। वास्तव में, इस व्यवस्था के अद्भुत लाभ जो आजमाएँ जा चुके हैं, आपकी मानसिक स्थिति को ज्ञानात्मक बोधज्ञान, प्रसन्नता, स्वास्थ्य और दीर्घजीवन। सच्चाई तो यह है कि आप इस आदत को, हो ही नहीं सकता कि न अपनाएं। हाँ, दो नब्बे मिनिट के मालिश/मसाज, प्रति सप्ताह में, बहुत खर्च आएगा। मगर, मृत्यु इससे अधिक महँगी पड़ेगी।

सिद्धांत # **7:** यातायात ज्ञान-केन्द्र

अन्तर्दृष्टि **:** लोग, जो प्रतिदिन काम पर आने और जाने में कुल 60 मिनिट खर्च करते हैं, वे अपने जीवन को लगभग बारह सौ दिन, ऐसा करने में खर्च कर देते हैं, यदि वे सामान्य जीवन बिता रहे हैं। अर्थात्, करीब तीन साल से अधिक वे ट्रैफिक में या बस अथवा ट्रेन में बिता देते हैं। और, अब रूपान्तरित परिवर्तन के कारण, यह समय मात्रा बढ़ती ही जा रही है। अधिकांश व्यक्ति जो टक्कर रोक हालत में कारों में बैठते हैं, स्वयं को विषाक्त

समाचारों रेडिओ के और नकारात्मक उत्तेजना जो उत्पादन और मन की शान्ति को निगल जाती है। से संक्रमित करते हैं। यात्रा के दौरान अधिकतर लोग अक्सर सोते, दिवास्वप्न देखते या अपने आविष्कारित साधनों से उदासीनता की जीर्ण अवस्था में खेलते हैं, अलग बनें।

कार्यान्वयन *:* "यातायात ज्ञान-केन्द्र' में सम्मिलित होना अपने यात्रा के समय के उत्तोलन जैसा है, फिर चाहे वह कार्यस्थल से आना-जाना हो, या बनिए के यहाँ, या दिन भर के कार्यों को की भागदौड़-सीखना, और अपने उद्यमी सामर्थ्य और निजी ज्ञान विस्तार के लिए। विशेष विचार जो इस काम में मदद करते हैं, उनमें ऑडिओ-पुस्तकों को सुनना या मूल्यवान इंटरनेट के रेडियो को सुनना। सच तो यह है, पुस्तक या ऑनलाइन पाठ्यक्रम से एक भी नया विचार समझना आपको करोड़पति या अरब डॉलर का मालिक बना सकता है। अथवा आपकी रचनात्मकता, उत्पादकता, ऊर्जस्विता या आध्यात्मिकता घातांकी रूप से बढ़ा देगा। आज उपलब्ध कोई भी पूँजी-निवेश ऐसा नहीं है जो शिक्षा या विकास के निवेश से अधिक लाभ दे सके।

सिद्धांत **#8 :** स्वप्न-दल की तकनीक

अन्तर्दृष्टि *:* उद्यमी व्यायामिकों का एक ढाँचा, एक पूरा दल, को विश्व के सर्वोत्तम (B/w) विश्व में सर्वोत्तम बनने के लिए सहायता देता है। वे इस प्रकार से, अपने पाँच प्रबुद्धों की परिसम्पत्तियों को अपनी विशेषता के विकास के आसपास क्रमबद्ध रखने को स्वतंत्र थे। और शक्तियां जिनसे वे अपने खेल को प्रभावी बना सकते थे। मायकल जॉर्डन अपना स्वयं का स्पोर्ट्स डॉक्टर नहीं था और न, मोहम्मद अली स्वयं का बॉक्सिंग शिक्षक था। अतिविशिष्ट उत्पादक बाहरी स्त्रोत से सेवाएं प्राप्त करते हैं। अपनी प्रवीणता के दायरे से बाहर की सभी गति-विधियों को 'स्वयमेव' कर देते थे ताकि लक्ष्य की शुद्धता और समय काफी मात्रा में बच जाएँ।

कार्यान्वयन *:* उन कार्यों को औरों को दे दो, जो न सिर्फ आपके समय का दुरुपयोग करते हैं बल्कि आपके सुख को भी मद्धिम बना देते हैं। आदर्श रूप से, अपने सम्पूर्ण जीवन को पुनर्निर्मित करें, ताकि आप वे ही कार्य करें, जिनमें आप महान-कुशल हैं और, उन्हें करना पसन्द करते हैं। इस प्रकार के ढाँचे संगठन और परिस्थिति से आप न सिर्फ अपनी क्रियात्मकता में ऊपर चढ़ जाएँगे, क्योंकि आप कुछ ही, बल्कि आप वस्तुओं के आस-पास अग्रिमता पाएँगे, बल्कि आप अपनी निजी स्वतंत्रता का प्रमुखता से आनन्द भी उठाएँगे और निस्तब्धता तथा एकान्त भी। साथ ही साथ, आपने अपनी स्वप्नपूर्ति टीम में आपके अपने व्यक्ति हैं, जो अपने-अपने कार्यों के मुखिया हैं अत: आपका दिग्गज की तरह उत्थान अधिक शीघ्रता से होगा क्योंकि अपने समूह को सँभालने के लिए, महान मनुष्य हैं। आपके दल के विशेष सदस्यों में एक फिटनेस ट्रेनर हो सकता है जिसके साथ आप नियमित कार्य करें, एक खान-पान नियंत्रक, एक मालिशवाला चिकित्सक हो, एक आर्थिक शिक्षक हो जो आपकी सम्पदा-सौभाग्य को अडिग कर दे, एक सम्बन्ध-परामर्श दाता जो आपके जीवन के महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ प्रगाढ़ सम्बन्ध बनाए रखने में सहायता करे और एक आध्यात्मिक सलाहकार हो जो आपको, अच्छे-जिए जीवन के सनातन नियम समझाकर, जमीन से जोड़े रखे।

सिद्धांत **# 9:** साप्ताहिक योजना प्रणाली

अन्तर्दृष्टि *:* अब आप जान गये हैं कि जो वस्तुएँ निर्धारित होती हैं वे वहीं होती हैं जिन्हें किया जाता है। सात दिन की बिना किसी योजना के आगामी सप्ताह को बिना दानेदार या खुरदरा बनाए, आपसे सात दिन पहले ऐसा होगा मानो माउंट ब्लेंक पर्वत के शिखर पर बिना चढ़ाई कला के चढ़ना, या गहन जंगल में बिना दिशासूचक यंत्र के धँस जाना है। हाँ, तात्कालिकता तथा अनपेक्षित चमत्कारों के लिए स्थान रखना अपवादात्मक रूप से महत्त्वपूर्ण है। तब भी इसका यह अर्थ नहीं है कि तुम्हें निजी जिम्मेवारी और मानवीय परिपक्वता को विचारशील और स्पष्ट कमज़ोर पटकथा के शिल्पकार के अभ्यास की साधना से नहीं निभाना चाहिए, जो आपकी उर्जा बढ़ाता है, आपके चयन को व्यवस्थित करता है और सन्तुलन सुनिश्चित करता है।

कार्यान्वयन *:* तराश लो, फिर उन तीस मिनटों का विधिपूर्वक अनुष्ठान करो, हर इतवार की अल-सुबह ताकि आप "सौन्दर्यमय सप्ताह" का रेखांकन-बना सकें। इस प्रक्रिया को अपने जर्नल में एक कहानी लिखकर आरम्भ करें, उन, अभी-अभी जिए सात बीते दिनों की प्रमुख बातों को लिखकर। फिर, उन सीखे पाठों का लेखांकन करें और आगामी सप्ताह को और उन्नत बनाने की परिकल्पना करें। पश्चात, एक कागज़ के बड़े टुकड़े पर, जिस पर हर दिन 5 AM से 11 PM तक लिखा हुआ हो, अपने सारे वादे लिखे। यहाँ मूल वस्तु है, अपनी व्यावसायिक मेल-मुलाकातों और कार्यान्वयन परिकल्पनाओं के अलावा की बातें लिखना। अपने विजय काल के

लिए अलग, स्पष्ट कालावधि रखें। आपके 90/90/1 सत्र, आपके 60/10 प्रत्यावर्तन और आपका द्वितीय पवन परीक्षण, इसके अलावा अपने प्रियजनों के लिए समय, आपके उन्माद के पोर्टफोलियो और कार्यों के खण्डों के लिए कार्यविधियाँ। इतना सब, प्रति सप्ताह करना, आपके दिनों पर अतिविशेष लक्ष्य रखेगा, सुविशेष गतिशीलता बनी रहेगी, आपकी सृजनात्मकता विशेष रूप से बढ़ जाएगी तथा आपके जीवन का सन्तुलन स्पष्ट रूप से सुधरेगा।

सिद्धांत **10# : 60** मिनटों का विद्यार्थी

अन्तर्दृष्टि **:** जितना अधिक आप जानेंगे, उतना ही अधिक अच्छा आप करेंगे। सभी निपुण नेताओं में असीम जिज्ञासा होती है और अनन्त अभिलाषा होती है, स्वयं के "महानतम सेवक बनने की शिक्षा वास्तव में रुकावटों के खिलाफ टीकाकरण है। उन्नत उत्पादक आजीवन नौसिखिया होते हैं। वैसे उन कुछ लोगों में से एक बनो जो अपनी वीरता को पुन: प्राप्त करते हैं, अपने शिल्प की खेती करते हैं और एक विश्वस्तरीय विद्यार्थी होने के नाते अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाते हैं।

कार्यान्वयन **:** प्रतिदिन, कम-से-कम साठ मिनट अध्ययन करो। अपने वचन बद्धताओं को अग्निरोधी बनाने के लिए ताकि निरन्तर विकास होता रहे। कुछ भी करो प्रतिदिन पढ़ने से आपकी विद्वता और प्रवीणता बढ़ेंगी। बुद्धिमत्ता गहरी होगी और एक आग जलाएगी जो आपकी भव्यता पर आघात करेगी। आपके साठ मिनटों के लिए खास सिद्धांत होंगे। हर अच्छी पुस्तक को पढ़ना, जिस पर भी आपका हाथ पड़ जाए, अपनी डायरी की टिप्पणियों पर सोच-विचार करना, अनुक्रमानुसार कार्यक्रमों, ज्ञानगुरु से वार्तालाप और निपुणता सृजन के वीडियोज़ देखना। जैसे आप अपनी चमकीली सौगातों और उच्चतम शक्तियों पर निवेश करते हैं को अपनी पूँजी में परिवर्तित करते जाएँगे, आप न सिर्फ एक महान् व्यक्ति बन जाएँगे, बल्कि आप अपरिहार्य भी हो जाएँगे। आप जो करेंगे, उसमें इतने उत्कृष्ट होते जाएँगे कि आपका संस्थान तथा व्यावसायिक स्थान, आपके बिना काम नहीं कर पाएगा। आप अपने क्षेत्र के एक मूल्यवान नायक बन जाएँगे। और आप अपने समूह के साथियों को मूल्यवान और स्मरणीय धाराएँ बहाकर देंगे तथा ग्राहकों और समाज की सेवा करने का आपको पुण्यकर्म मिलगा। परिणाम स्वरूप, आपको उदार पारितोषिक मिलेंगे जो आय प्रतिष्ठित ऊँचा आसन तथा मानसिक और आत्मिक शान्ति के रूप में आएँगे मानो, किसी सज्जन व्यक्ति ने विश्वस्तरीय कार्य किया हो तथा एक महान् ध्येय की पूर्ति की हो।

"मेरे पास तुम दोनों के सम्मान के लिए एक और भेंट है, जब हम आपकी शादी के लिए जाएँगे!" अरबपति ने उत्साहपूर्वक कहा। यह कविता का छन्द है जो मैंने अपनी वेनेस्सा के लिए याद किया था।" यह कहते समय उसने उसके चित्र को दबोच रखा था।

हमारी परम्परा थी कि हर वेलेंटाइन दिवस पर मैं उसे एक सौ और आठ लाल गुलाब के फूल अत्यन्त आश्चर्यजनक चॉकलेट उपहार में देता और एक और, डिनर पर, अपने मनपसन्द रेस्त्राँ में इसके बाद, मैं अपने घुटनों के बल बैठकर, एक कविता पढ़ता था।"

"और वह," और वस्तु" क्या थी?" कलाकार ने पूछा।

अरबपति कुछ झेंपा-सा नज़र आया। उसकी नज़रे सायबान के फर्श पर गईं।

"अधोवस्त्र" उसका एक शब्द का उत्तर था, जो उसने आँख मारते हुए कहा।

वह फिर ओक की बनी, फैलकर रखी, डायनिंग टेबल पर, जो होटल के बृहद् कमरे में, एक खण्ड में रखी थी। पर खड़ा हो गया मानों कोई बालक लुका-छिपी खेल रहा हो, उसने अपनी प्रत्येक आँख को हथेली से ढँका, फिर उसने एक पुरानी कविता जो स्पेंसर मायकल फ्री की लिखी थी, तूफानी उत्साह से सुनायी:

"वह तो मानव-स्पर्श है, जो महत्त्व रखता है दुनिया में।
छुवन तुम्हारे और मेरे हाथों की,
जिसका अर्थ शिथिल दिल के लिए कुछ अधिक होता है;
आश्रय, रोटी और पीना-पिलाना से।
क्योंकि शरण चली जाती है तब रात उड़ जाती है।
रोटी एक दिन चलती है।
मगर, स्पर्श हाथों का ध्वनि की आवाज़ तब,
ध्वनित होते हैं आत्मा में हर दम।

"कितना सौन्दर्यमय है, यह!" सचमुच कम्पित होकर, कलाकार ने कहा।

मि. रिले को भी यह, अब स्पष्ट होता जा रहा था कि इस यद्यपि रुढ़िमुक्त चित्रकार में कमियाँ थीं मगर दिल मृदु था। दर्शक को दिखाई दे सकता है कि कलाकार ही रोमांटिक जोड़ी का अधिक निष्क्रिय हिस्सा है, मगर वास्तव में वह सच नहीं था। सच तो यह था कि उसके उद्यमी के लिए प्यार की गहराई में, वह उसके अहम् भाव अपरिपक्वता को उलाँघ जाता था। उसकी उदारता को असमर्थता समझना ग़लत होगा। कलाकार एक सबल व्यक्ति था।

"मैंने स्वयं एक कविता लिखी है," कलाकार ने आगे कहा, "यह तुम्हारे लिए है, प्रिये!"

"पढ़कर सुनाओ। प्लीज़!" उद्यमी ने शालीनता से कहा और कलाकार का कॉलर सँवारा।

"ठीक है, कलाकार ने थूक गुटकते हुए कहा। इसका नाम है, "हम कभी भी अलविदा न कहें; और वह है :

आओ, हम कभी अलविदा न कहें
एक अचानक मुलाकात, और वह पहली ही नज़र,
सुन्दरता ने आपकी, हिला दिया मुझे
और तुम्हारी सबलता ने, प्रशान्त कर दिया।
जीवन के अनपेक्षित अवसर
भेजे एक ज्ञानी पहचान ने
कहा, हम अपनी भूमिका करें ख़तरा उठा के।

सिर्फ वे ही, जो हिम्मत करेंगे वे ही विजयी बनेंगे।
नामंज़ूरी का सामना करने के इच्छुक ही अपनी मुक्ति पाएँगे।
वे ही जो सामर्थ्य को सँभालेंगे फिर से,
जी उठेंगे वे फिर से

मैंने देखा न था कभी सच्चा अनुराग।
न कभी विश्वास किया था दो हरे इन्द्रधनुषों में मैंने।
प्यार भरे हाथों में हाथ ले, पैदल सैर सूर्योदय में।
मैनें कभी कल्पना नहीं की
प्रथम चुम्बन बदलेगा सब-कुछ।
जब तुम गिरोगी, मैं सँभालूँगा तुमको।
या फिर कभी भय लगे पकड़ूँगा तुमको मैं।

जब डूबो शंका-समन्दर में कभी, पाओगी अपने साथ मुझे, उबरते।
जब तुम सफलता को भोगो, अपने ग्लास को उठा दूँगा, चुम्बन ले।
और फिर लगे जब, अब जाना है-जाने न दूँगा कभी तुमको मैं।

सोचता निरन्तर मैं,
भीतर बसी हो तुम-गहरी।
जानता नहीं मैं, कब, कुछ, क्या-क्या किया था मैंने तुम्हारे योग्य बनने को।
पर, अब सपना है मेरा यह – साथ-साथ बूढ़े हों कभी अलविदा कहें ना!

कलाकार एक घुटने पर झुककर बैठा और अपनी शीघ्र होनेवाली दुल्हन के हाथ का चुम्बन लिया। वह गहरी गुलाबी हो गई और उस पर गहरा असर पड़ा। अब उँची आवाज़ में किसी को रोते सुना जा सकता था।

दोनों विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान-पुरुष को कागज़ का रुमाल दिया ताकि वे अपनी आँखें पोंछ सकें।

अध्याय 16

‘5AM क्लब’ कुलीन प्रदर्शनों के जुड़वा चक्रों को स्वीकार करता है

“स्वतंत्रता, पुस्तकें, पुष्प तथा चाँद के साथ कौन प्रसन्न नहीं होगा?”

– ऑस्कर वाइल्ड

दक्षिण आफ्रिका के Franschhoek की अंगूरी भू सम्पत्ति में, किराए पर ले रखी निजी कॉटेज़ की विशाल छत पर, अरबपति अकेले बैठे थे।

अपनी दैनिक डायरियों को लिखते हुए, मि. रिले ने अद्‌भुत सुख, असाधारण समृद्धि और ध्यान आकर्षक सौन्दर्य के बारे में लिखा जो उद्यमी और कलाकार की साओ पावलो की शादी में थे। वे एक-दूसरे के लिए थे।

“यह विश्व मनमोहक और पूर्णतया समझदार ढंग से काम करता है,” उसने सोचा। “और, उनमें यदि कोई संगठन है जो बहुत दूर तक जाएगा तो वह यही होगा।”

अपने जर्नल में जब रईस ने टिप्पणियाँ लिखीं तब, चिड़ियाँ अपने उन्मुक्त गीत गा रही थीं और बगीचों में माली अपनी नीली, वर्दी में, अंगूरी लताओं की जमीन को, अपने चमकदार फावड़ों से खोद रहे थे और उत्साहपूर्वक दक्षिण आफ्रिकी सुर में बोलते जा रहे थे। उलझी हुईं, मगर प्यार से सँवारी हुईं बेलें, लकड़ी की रबूँटों की धुरी पर टिकी थीं, जिस जादू को सिर्फ प्रकृति ही समझ सकती है। इस बीच, धुंध का एक जादुई चाबुक फ्रेंस्चोक घाटी से उठकर, आसपास के पहाड़ों तक फैल गया।

सुबह पाँच बजे से कुछ पहले अरबपति, उद्यमी और कलाकार को, एक पहाड़ी बाइक पर सैर पर ले गया जो अंगूरी लताओं के बगीचे से आरम्भ होकर, घुमावदार चक्कर काटते हुए, डेनियल ह्यूगो स्ट्रीट, और फिर गाँव में, बहुत काम में आए घोड़ों के अस्तबल के बगल से, आलसी कुत्तों, जो इतने धीमे सरक रहे थे जैसे घोंघे हों और, प्रोज़क और गुलाब की झाड़ियों में हो जो सफेद, खूँटा गाड़कर बाँध दी गई थी और जो कच्चे रास्ते के दोनों और बनाई गईं थीं। दरअसल में, वह एक पूर्णत: सही, छोटा-सा स्थान था, जिसे अरबपति ने अपनी दूसरी से अन्तिम, बोधज्ञान कक्षा के लिए चुनकर रखा था। अरबपति ने जब जो पाठ प्रस्तुत किया था वह अभिजात वर्ग के व्यक्तिगत प्रदर्शन, निरंतर कुशल उपलब्धि के लिए गहन आत्म नवीनीकरण के साथ, के सतुंलन की महत्ता के बारे में था। इस टायकून ने परिवर्तित समय का मूल्य भी समझाया, इस दुनिया में, जहाँ सफलता के लिए लोग उच्चतम स्तर पर पीछा करते हैं, एक समानता की आवश्यकता है ताकि कार्य में विजय तथा जीवन में सम्पन्नता में सबल तालमेल बना रहे, और उसकी सुनिश्चितता के लिए, उसके विद्यार्थी अपनी प्रतिभा की पूँजी के इर्दगिर्द एक दीर्घ खेल खेलते हैं। अरबपति ने यह भी समझाया कि समाज में स्थूल उत्पादकता आ गई है जबकि दिल अब भी छोटा ही है, एक आनन्दमयता का विश्वसनीय अर्थ और आत्मिक शान्ति की सहनशीलता, उस खेल से अधिक नहीं है जिसे एक हेमस्टर चक्कर खाते पहिए पर खेलता है। वह समझता है कि वह गतिशील है, मगर वह तो पिंजरे में बना रहता है।

जब अलसुबह की किरणें पिघलकर गहन हरियाली में मिल गईं, उद्योगपति ने अपनी चमकदार लाल बायसिकल को पहिए मारकर चलाया, उत्तेजनापूर्वक बातें कीं और उत्सव की सकारात्मक, सच से भरी हुई हँसी हँसे। उस प्रकार की हँसी जिसे हम सब, अपने जीवन में सुनने को मरे जाते हैं। वे काफी खाँसी करते रहे। एक बार उन्होंने कुछ रक्त भी थूका। मगर, चूँकि वे बहुत जिन्दादिल और अतिरिक्त रूप से स्वस्थ दिख रहे थे, उद्यमी और कलाकार अपने उदार ज्ञानगुरु के स्वास्थ्य के प्रति, कुछ ही परेशान दिखे। शायद यह उनकी भूल थी। मगर तात्कालिक शादी-शुदा, अपने वातावरण में इतने डूबे हुए थे कि उन्होंने अधिक समय इस बात में नहीं लगाया कि जानें, क्या हो रहा है। पुनः बीतीबातों की जाँच करने पर ज्ञात हो जाता है कि वे जानते, कि क्या हुआ था।

जब तीनों साथियों ने घुड़सवारी से कुछ विराम लिया, तब स्टोन रिले ने पति-पत्नी को एक और बोध-ज्ञान

का नक्शा दिया, जिसे उन्होंने अपने नीले बॅक पॅक में से निकाला था। वह, कुछ इस प्रकार का दिखता था :

कुलीन प्रदर्शन का

जुड़वा चक्र का आवर्तन

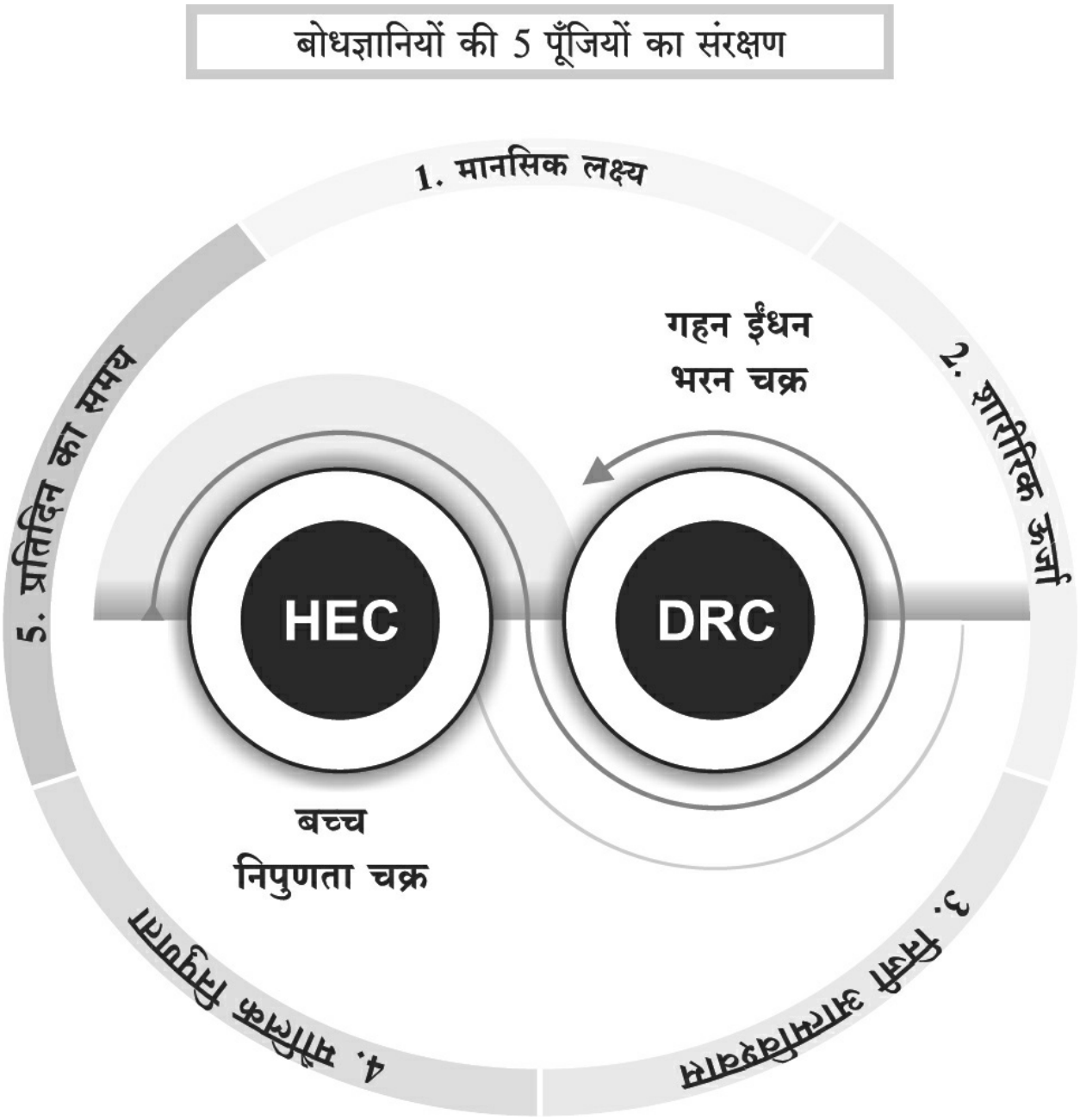

अरबपति ने पढ़ाया कि "अत्यधिक अत्यन्त उच्च कोटि का रचनात्मक उत्पादन, बिना अंशशोधित मानव पूँजी सुरक्षा के निष्पादन में दर्शनीय कमी लाता है।" इससे उनका तात्पर्य था : आपके उद्योग में अनुश्रुत बनने का अर्थ स्थिरता और सुनिश्चित् करना कि आप विश्वस्तरीय स्तर पर दिखेंगे, न सिर्फ एक महीने अथवा पूरे साल भर भी। वाणिज्य के नायकों का वास्तविक खेल कला के महान् प्रवीणों का, विज्ञान के दूरदर्शियों का, मानविकी के

नायक तथा व्यायामियों के दानव "ए" श्रेणी के खेल को जीवन भर सुरक्षित कर रहा है।

"पौराणिकता की कुंजी है चिरंजीविता" उसने प्रबलित किया। "यह," उन्होंने अपने दोनों गुणग्राही विद्यार्थियों से कहा, "एक प्रमुख चाबी है आपके, मूर्तिमान बनने की। आपको सीखना चाहिए कि किस प्रकार से गहन विश्राम और पुनप्राप्ति में सन्तुलन रखें, ताकि आप अपने दीर्घ पेशे में भी ताज़े तथा सशक्त बने रहें। आप इसे जैसे करते हो, आप अपनी भेंटों को अतिविस्तारित न करें, जिस प्रकार से कुछ व्यायामी व्यवसायी, अपने घुटनों को फूँककर उड़ा देते हैं। फिर वे आजीवन खेल नहीं पाते। सभी प्रवीण ज्ञानी इस महत्त्वपूर्ण, जानकारी की बात को जानते हैं और उसे व्यवहार में लाते हैं।"

अरबपति ने मीठी काली कॉफी की चुस्की लेते हुए समझाया कि विश्व के स्त्री-पुरुषों को जो असाधारण बनाता है, वह है एक अतिविशिष्ट मुआवज़े की प्रक्रिया को लागू करना। जिस प्रकार से कोई स्नायु फट जाता है जब उस पर सीमा से अधिक दबाव दिया जाता है, और, फिर वह, सचमुच सुधार के समय विकसित होता है। बुद्धिमानी की पाँच परिसम्पत्तियाँ को अपनी सामान्य सीमा से पीछे धकेल देते है तो वे बढ़ जाती हैं और उत्थान की अवधि के लिए अनुमति देते है। मि. रिले ने फ्रेम में मँढ़े चित्र की ओर इशारा किया और कहा, "देखो बिल्लियों, दीर्घकालीन उन्मत्त सफलता की कम ज्ञात कुंजी एक सीधे-सादे शब्द में छिपी है : दोलन -आगे-पीछे झूलने में। मैंने उसे साओ पावलो में कहा था, मगर अब, तुम दोनों उसमें गहरे तक उतरने लायक हो।"

"हम सचमुच तैयार हैं," उद्यमी ने घोषित किया।

"इसे समझ लो।" अरबपति ने कहा। "जब वैज्ञानिकों ने रूस के महान् भारोत्तालक का अध्ययन किया, तो उन्होंने पाया कि उनकी अजेयता का रहस्य उनका कार्य और आराम का अनुपात था।"

"क्या मतलब इसका?" कलाकार ने पूछा, जैसे ही उनके साथियों ने अपनी पहाड़ी सायकलों को एक पगडण्डी पर उतार दिया जो प्रसिद्ध अंगूरी लताओं के बगीचे से सटा हुआ था।

"तुम्हारा विकास तब होता है जब तुम आराम कर रहे होते हो," अरबपति ने सीधा-सरल जवाब दिया। "मगर यह कोई तार्किक उत्तर नहीं बनता, है न?" अरबपति ने आगे कहा, "यह उत्पादकता का नियम सबसे केन्द्रीय फिर भी, विरोधाभासी सत्य है। इसे निपुण वक्ता ने मुझे तब स्पष्ट किया था, जब मैं अपना वैश्विक साम्राज्य का निर्माण कर रहा था। चिन्तन की प्रमुख धारा हमें बताती है कि अधिक कार्यपूर्ति के लिए, हमें कार्य में अधिक घंटे लगाने चाहिए। अधिक पाने के लिए, हमें अधिक करने की जरुरत है। मगर ठोस खोज अब निश्चित् करती है कि उस प्रकार की रेखाकार दिशा-पद्धति' कठिन श्रम करें, यदि उत्तम उत्पादन चाहते हैं,' यह भी, गम्भीरतापूर्वक ग़लत है। यह टिकाऊ नहीं हैं। यह बिना किसी लाभ के श्रम की ओर ले जाता है। थकावट क्षेत्र के नेतृत्व के लिए प्रेरणा में, ज्ञात निजी हमारे विश्व आगे बढ़ाने में रुकावट वह, संचालन के पुराने स्कूल के तरीके मानव संसाधन की विकृति का कारण हैं जो स्कूल, अगर बुद्धिमानी से काम में लाए गये तो आपको अपने कार्य-क्षेत्र का स्वामी बना देंगे।"

"आप जो बता रहे हैं वह मुझे 60/10 नियम की याद दिलाता है।" कलाकार ने सुखपूर्वक टिप्पणी की। वह घुड़सवारी की पोशाक में था जो अरबपति ने दी थी। और, अब उसे *20/20/20* सूत्र का अभ्यास 5AM क्लब के स्थायी सदस्य के रूप में मिल गया था। वह महत्त्वपूर्ण ढंग से कुछ स्वस्थ, अधिक केन्द्रित, अधिक ऊर्जावान एवं अधिक आत्म-विश्वासी दिखाई दे रहा था, बजाय जब वह, निपुण वक्ता की सभा में दिखा था। उसका परिवर्तन वास्तव में अद्‌भुत था।

"शानदार, बात आप सही हैं। मगर, सीखने का नमूना जो मैं आप लोगों को बतलानेवाला हूँ, वह उससे कहीं अधिक है। आज आप लोग कार्य आराम वैकल्पिक अवधि पर अग्रवर्ती अन्तर्दृष्टि पाएँगे ताकि प्रतिपादक उत्पादकता का निर्माण किया जा सके।आप यह भी सीखेंगे कि कैसे विस्फोट करें, जब आप उसे सीख रहे हों। इस सुबह आपको ज्ञात होगा कि कैसे कम कार्य कर के भी "काल वर्गीकरण पद्धति से, अधिक कार्यान्वित कर सकते हैं। जिसे सिखाने के बाद, तुम दोनों ही किसी पल्लवग्राही, ज्ञान से दूर हो जाओगी, जो तुम्हारे क्षेत्र में जीतने के लिए आवश्यक होता है ताकि शेष जीवन सुन्दरता से जिया जा सके।"

अरबपति ने सीखने वाले मँढ़े हुए चित्र की ओर इशारा किया जिसका शीर्षक था "प्रतिभाशालियों की 5 सम्पदाएँ"। जैसा कि अब आपने सीख लिया है, प्रतिदिन प्रात: काल, आप पूरी भरी हुई सार्थक शक्ति के साथ सोकर उठो। हर सुबह, आप पूरे भरे पाँच निजी, खज़ानों के साथ जागते हैं, जिन्हें यदि ठीक से सँवारा जाए तो

आपके बहानों की उद्विग्नता पर विजय पाने और पिछली सीमाओं की छुरी की धार से बचाएगें ताकि आप की अपनी आत्मा की परतों में छिपा महान् नायक को दिन का उजाला देखता है और आप वह बनने मे सहायता करता है जो आपको होना चाहिए। अद्वितीय कार्य के निर्माता, एक शीर्षक विहीन नायक, और मानव होने के नाते, जीवन के विस्मय बोधक के साथ जी रहे, सबसे अद्‌भुत, मनोहर कृपादृष्टि से सम्मानित हैं आप।"

"मैं तैयार हूँ" कलाकार ने विस्मय से कहा।

"और अब, जैसा कि आप जानते हैं, "प्रवीणों की 5 सम्पदाएँ," मि. रिले ने नक्शे को देखते हुए आगे कहा," क्या आपके मानसिक लक्ष्य, आपकी शारीरिक ऊर्जा, आपकी निजी आत्मशक्ति, आपकी मौलिक बुद्धिमत्ता तथा आपका प्रतिदिन का समय"। मैं इन्हें पुन: दौहराता हूँ ताकि आप इसे याद रखेगें।" ये मौलिक परिसम्पत्तियाँ प्रात: काल उच्चतम स्तर पर होती हैं। इसीलिए आप अपना दिन ठीक से आरम्भ करना चाहते हैं और अपने सबसे मूल्यवान लक्ष्य को बेशकीमती घंटों में करना चाहते हैं। बजाय उसे अपने प्रौद्योगिकी में नष्ट करने के, समाचार सुनने या अधिक सोने के,

"समझ गई," उद्यमी ने सहमति दी तथा उन्मादियों की भाँति अपने चमड़े के जर्नल में लिखती रही, जो उसे रोम में भेंट मिला था। मनमोहक डिजाइन वाले रंगीन दुपट्टे ने, उसकी पॉनी टेल को आज सुबह, नाटकीय रूप दिया।

"आज के पाठ का जरुरी तत्व यह है" कहकर अरबपति ने नक्शे के बीचों बीच इंगित किया।" सर्वोच्च कार्मिकता कोई रेखांकितता का खेल नहीं है। शालीन कार्य निष्पादन हृदय की धड़कनों के समान होता है, लय की तरह जैसे नाड़ी चल रही हो। यदि आप महान् कार्य निष्पादक के रूप में प्रदर्शन करना चाहते हैं, दशकों तक तो आपको शाब्दिक रूप से तो, अपने क्षेत्र में छा जाना ही होगा और ऐसा जीवन बिताना है जिसे आप वृद्धावस्था में भी प्यार करें -आपको पूरी तरह से, उच्चतम उत्कृष्टता चक्र को वैकल्पिक करने की आवश्यकता है, वे उच्च कोटि की श्रेष्ठता के सबल और अद्‌भुत उत्पादन के दौर में सार्थक वसूली गहरा ईंधन भरने का चक्र-कृपया इसका अध्ययन करें। अरबपति ने निवेदन किया, छपे हुए फ्रेम के कार्य पर तर्जनी उँगली से थपथपाते हुए।

"बस मैं स्पष्ट हूँ," कलाकार ने ताज़ी हवा साँस में भरते हुए कहा, HEC का अर्थ हुआ उच्च उत्कृष्टता चक्र और डीआरसी गहरा ईंधन भरने का चक्र।

"हाँ," अरबपति ने उत्तर दिया। आज उसकी काली टी-शर्ट पर सफेद अक्षरों में लिख रखा था "हाँ, मेरा सम्बध है-अपने स्वयं के साथ।" उसकी विचित्रता थी।

"अत: आपकी प्रमुख चाल है डोलायमान होना", यदि आप स्थाई सफलता चाहते हैं निजी रूप से तथा व्यावसायिक रूप से। टायकून ने आगे कहा, उच्चतम स्तर पर आवेश, एकाकीपन और काम के अवधि चक्र और कालखण्डों में, ईंधन पुनः भरने, विश्राम करने, दुबारा पुनः प्राप्त करने तथा विशुद्ध आनन्द पाना। वह सचमुच आपकी हृदय की धड़कनों के समान होता है-स्पंदन।

"मुझे इतना अच्छा लगता है यह विचार, जो दया करके आप हमें सिखा रहे हैं", उद्यमी ने ध्यान दिया। "यह मेरे व्यावसायिक जीवन तथा मेरे निजी संसार के लिए। दूसरा संकेत नियामक होगा।"

"हाँ, वह बनेगा," अरबपति ने सारगर्भित रूप से स्वीकार किया। "विकास तो विश्राम काल में होता है। वह तो प्रति-अंत: प्रज्ञात्मक है। है न? हम लोग यही सोच रखते हैं कि यदि हम निर्माण और उत्पादन नहीं कर रहे तो हम अपना समय नष्ट कर रहे हैं। ऐसा न करने पर हम अपराधी अनुभव करते हैं। मगर, इस ओर देखें।" उद्योगपति ने एक नायलोन के डिब्बे की ज़िप खोली जो उसकी कमर से बँधी हुई थी। उसने उसमें से दो सोने के बने हुए मैडल निकाले और उन्हें उद्यमी तथा कलाकार के गले में पहना दिए, जैसा कोई व्यक्ति चॅम्पियन के सत्कार में करता है। प्रत्येक मैडल पर ये शब्द खुदे हुए थे:।

शानदार प्रदर्शन समीकरण

दबाव X ईंधन पुनः भरना = विकास + धैर्य

टेनिस के महान् बिली जीन किंग ने कहा था कि तनाव एक विशेषाधिकार है। "अरबपति ने अपने दोनों विद्यार्थियों को याद दिलाया," देखो, दबाव और तनाव बुरे नहीं होते।"

"नहीं हैं बुरे?" उद्यमी ने पूछा।

"ना, नहीं हैं। वे तो वास्तव में आपकी सीमा के विस्तार के लिए आवश्यक हैं," अरबपति ने बात कही।

"हमें अपनी प्रतिभा को धकेलकर आगे पहुँचाना चाहिए, फिर भले ही आप ऐसा न करना चाहते हों। अपने सुखद स्थान को पार कर लें, तभी विकसित होंगे। सदैव याद रखो : वह समय, जब आप कुछ भी नहीं करना चाहते हैं, वही सबसे अच्छा समय है, उसे करने का। और उसका एक कारण यह भी है, जिसे अब आप जान गए हैं, कि जब आप अपनी इच्छा शक्ति के स्नायुओं को एक विशेष स्थल पर बढ़ाते हैं, तब आपका आत्म-नियंत्रण सभी क्षेत्रों में, आपके साथ-साथ बढ़ जाता है। मैं यहाँ एक महद् बात को उभारना चाहता हूँ कि दबाव और तनाव अद्भुत आशीर्वाद हैं, जिन्हें 'ए' श्रेणी के खिलाड़ी काम में लाते हैं। हमारे उपहार अपने सुरक्षा-क्षेत्र में नहीं बढ़ते हैं। नहीं। चुनौती तथा तनाव आपके सामर्थ्य को सामान्य से आगे बढ़ा देता है। स्नायु तभी बढ़ते हैं जब आप उन्हें अपनी सामान्य सीमा से पार करा देते हैं। फिर, उन्हें कुछ समय देते हैं ईंधन को पुन: भरने का और पुन: स्वस्थ होने का।"

अरबपति ने अंगूर की बेलों का मुआयना किया। फिर बोले, "मुझे एक व्यावसायिक व्यायामी मनोरंजक वार्तालाप की याद आ रही है जो मेरे यहाँ एक उदारता के सद्भाव भोजन में आए थे। जानते हैं उन्होंने मुझसे क्या कहा?"

"क्या?" कलाकार ने अचम्भित हो पूछा।

"मैं अपने सभी प्रशिक्षणों को प्रभावी होने देता हूँ," अरबपति ने सुस्पष्ट शब्दों में अपनी राय प्रकट की, "गहन तरीका है वस्तुओं को पारंगत देखने का। बस काम और कोई विराम नहीं आपकी महानता को एक समय के बाद समाप्त कर देता है।"

"हुँम्म्," उद्यमी ने धीमे से बुदबुदाया, अपनी पहाड़ी बाइक को ढकेलकर टेके तक ले गई और उससे सीट को अड़ा दिया। "यदि आप अपने पेट के स्नायुओं को सबल बनाना चाहते हैं तो आप उन पर उनकी सामर्थ्य से अधिक बल डालें", अरबपति ने कहा। "यदि आप अक्सर सौ दण्ड-बैठक करते हैं, तो आप दो सौ करें। अगर दो सौ आपका प्रतिदिन का कोटा है, तो तीन-सौ तक चले जाएँ। इससे पेट के स्नायु सचमुच फट जाएँगे। व्यायाम चिकित्सक इसे 'अति अल्प चीरा' कहते हैं-यदि आप चाहते हैं कि स्नायु विकसित हों तो आपको लगातार व्यायाम नहीं करना है अन्यथा घाव हो जाएगा। दो-एक दिन उसे आराम करने देने की जरुरत है।"

"और उस पुनर्नवीनीकरण क्रम में वास्तविक विकास होता है," कलाकार ने जिस सिद्धान्त को वह सीख रहा था, उसमें आगे कहा।

"बिल्कुल ठीक!" उत्साहित हो अरबपति ने कहा।" विकास आराम के दौरान होता है-न कि सक्रिय अवस्था में। याद करें, आरम्भ में मैंने अपने मॉरीशस के समुद्र-तट पर कहा था, चुलबुलियो, मैं एक फॉर्म में बड़ा-पला हूँ, उसके बहुत दिनों बाद मैं मालिबू आया!"

"हाँ, ऐसा ही कुछ था," उद्यमी ने कहा। मॉरीशस तो ऐसा लगता है, मानों गए एक जन्म और बीत गया।"

ठीक है, एक रूपक है जिसे मैंने अपने फॉर्म हाउस में सीखा था, जो तुम्हें उच्चतम स्तर के जुड़वे आवर्तन को पूरी तरह से समझने में मदद करेगा। किसी भी किसान से बात करें और वह पतझड़ के मौसम के बारे बता देगा इससे पहले एक तीव्र, तीव्रता भरा समय आता है जब धरती पर हल चलने लगता है, अनाज़ बोया जाता है और सभी गम्भीर कार्य कर लिए जाते हैं। फिर, वहाँ आराम का मौसम आता है। प्रतीत होता है मानो कुछ हो ही नहीं रहा है। मानों समय व्यर्थ जा रहा हो। मगर एक साफ-सुथरा हिस्सा यह है : इस पतझड़ के मौसम में ही अनाज सचमुच पनपता है, सारे उत्पाद जो पतझड़ में दिखते हैं वे स्पष्ट अन्त परिणाम हैं।

अरबपति ने कुछ और कॉफी सुड़की। कुछ अपने टी-शर्ट पर गिरा दी। वह कंटेनर जो जावा के लिए रवाना हुए थे, उस पर लिखा हुआ था। "सपने बड़े-बड़े देखो। छोटे से आरम्भ करो। अभी शुरू करो।"

एक पीली तितली अपने मुलायम-पंखों जिसमें खूनी लाल नसें थी, फड़फड़ाती हुई पास से गई। सिर पर तीन मंडरा रही थी।

"ईश्वर! मैं तितलियों से बहुत प्यार करता हूँ।" अरबपति ने ललचाई नज़रों से देखते हुए कहा। "और इन्द्रधनुष, टूटते तारे, पूरा चाँद और यशस्वी सूर्यास्त क्यों जीवित रहूँ, यदि पूरी तरह से सजीव नहीं।"

“मैं एक रोबोट की तरह था, जब मैं बीस साल का हुआ,” उसने स्वीकार किया। मैंने स्वयं को बहुत गम्भीरता से लिया। एक मिनट भी नहीं था मेरे पास, गंवाने के लिए। हर घंटा पूर्व-नियोजित था। हर कार की यात्रा में एक ऑडियो बुक तो रहती ही थी, जो चलती रहती। हवाई यात्रा का सारा समय उत्पादन के बारे में होता। और एक बात” उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई और आँखे -अकेली, विषादपूर्ण और खोयी-खोयी।

“अनेकों बार मैं थक गया था। निपुण वक्ता ने मेरा जीवन बचा लिया। सचमुच बचाया है। और जिस आदर्श नमूने के साथ मैं तुम्हें सुबह ले जा रहा था, उसने मेरी बहुत-बहुत सहायता की थी।”

अरबपति ने एक गहरी साँस ली, फिर आगे कहा। “मेरी बुद्धि के ख़जाने समय के साथ, खत्म हो गए। मेरी रचनात्मकता अब लड़खड़ाने लगी थी और मेरा प्रभाव भी तब मुझे समझ में आया कि मेरी कम्पनियों का समूह मुझे सोचने के लिए पैसे देता है। नए उत्पादों तथा नवनिर्माणों के लिए नई कल्पनाएँ तथा नए विचार जो दिशा-सूचकों को तोड़कर सभी ग्राहकों को, विश्व भर में, मानवतावादी मूल्य देगा। मगर, मैं उसे, उस दिन नहीं समझ पाया था। निपुण वक्ता ने मेरी बहुत सहायता की, हमारे पहले ही शिक्षा-शिविर में उच्चतम स्तर के जुड़वा चक्र सिखाया और निरन्तर जोर दिया कि मैं उन्हें तत्काल, व्यवहार में लाऊँ और आगे भी लाता रहूँ। मगर, हे ईश्वर! मैं उनसे इस बात पर लड़ा! वह मेरे स्वभाव से इस प्रकार विपरीत था, कि आराम करूँ और साँस लूँ फिर, विराम लूँ। अब मुझे पूरी तरह से समझ में आ गया है कि विश्राम ही वह वस्तु है, जो हमारी आदिम महानता को खोलने में हमारी मदद करती है।’

उद्यमी ने अपना सिर समझते हुए हिलाया। “यदि मैं काम नहीं कर रहा तो मैं स्वयं को अति-अपराधी अनुभव करता। मानों मैं कोई ग़लत काम कर रहा होऊँ।”

“आत्म सँभाल बहुत आवश्यक है आत्म-प्यार करने के लिए,” अरबपति ने टिप्पणी की। “मैं तो सिर्फ इतना ही कह रहा हूँ कि अब मैं समझ गया हूँ कि विश्वस्तरीय प्रदर्शन और कार्य-निष्पादन के लिए सन्तुलन बहुत अधिक आवश्यक है। दिन-रात कार्य करने से मैं अधिक कुशल नहीं हुआ, वह मुझे अधिक थका हुआ और चिड़चिड़ा भी कर देता। अतः, अब मैं आराम करने के लिए समय निकालता हूँ, स्वयं पोषण के लिए, पहाड़ी पर सायकल चलाने के लिए, किताबें पढ़ने के लिए समय निकालता हूँ, जिन्हें मैं हमेशा से पढ़ना चाहता था, बहुत अच्छी शराब का एक गिलास पीता हूँ जैसे पिनोटेज़ का, जिसे मैंने कल रात को सुस्वादपूर्वक अपने कॉटेज़ के सामने, तड़कती आग के सामने बैठकर, आनन्द लिया था- इसी घाटी में। विडम्बना यह है कि मैंने इस प्रकार के नव-जीवन की आदत डाल ली है जिससे मेरी रचनात्मकता कई गुना बढ़ गई है, मेरी उत्पादकता आसमान छू रही है, और मेरे परिणाम आकाश में ऊँचे उड़ रहे हैं। सब-कुछ इतना गहन है कि मैं काम कम करता हूँ और आनन्द अधिक लेता हूँ, और फिर भी, मैं अधिक कार्य करवा लेता हूँ।”

मि. रिले ने तब, अपने नीले पीठ के झोले में से एक सफेद रंग का कोई पदार्थ निकाला जो ऐसा लग रहा था मानो वह किसी पाल के दो मस्तूलों के जहाज से निकला हो विलक्षण रूप से दर्शनीय थी अल्बर्ट आइंस्टिन की एक ड्राइंग जिसमें वे एक नौका में बैठे हैं। यदि आप वहाँ होते, उस उल्लेखनीय अंगूरी बाग में, उनके साथ, तो आपने उसे देखा होता :

अरबपति ने अपना व्याख्यान रमणीय अंगूरी बाग में जारी रखा, “और हाँ, तनावरहित चुलबुलियों, क्षेत्र में आगे बढ़ने लिए अपने जीवन-स्तर को उठाने और विश्व को प्रेरित करने के लिए, मौज मस्ती करना जरूरी हैं। इतिहास प्रेमी सभी महापुरुषों में अपनी रचनात्मकता और उत्पादकता को लेकर एक ही वस्तु सामान्य थी -तुम जानते हो?”

“कृपया कहिए ना!” उद्यमी ने निवेदन किया, उसकी चूड़ियों की ध्वनि ने “क्लिंक् क्लिंक्” आवाज़ निकाली। उसकी शादी की नई अँगूठी सुबह की धूप में झिलमिला रही थी।

अरबपति ने जल्दी से हाथ का एक स्टैंड बना लिया। फिर उसने अपनी छाती को, एक मुट्ठी से, तेजी से मारा

और साथ में ये शब्द स्वयं से बोलता गया :

> आज का दिन अनमोल है। दुनिया की सारी दौलत भी उसे लौटाकर नहीं ला सकती। इसलिए, मैं इसे कसकर पकड़ रहा हूँ और इसका मनोहर आनन्द ले रहा हूँ। मैं इसका आदर करता हूँ।
>
> आज के दिन, मैं अपने दिमाग़ को बड़े-बड़े सपनों से भरता हूँ, अत: अब उसमें छोटे-मोटे सन्देहों के लिए जगह नहीं बचे। मैं "नहीं, कभी नहीं की मानसिकता को "कर सकता हूँ" की सोच बुद्धि से बदल रहा हूँ। और मुझे याद है कि मेरा सबसे बड़ा विकास मेरी उच्चतम सीमाओं की दरहरी, दाँतोंवाली किनारियों से छू रहा है।
>
> आज का दिन, मैं याद करूँगा कि जब तक मेरा उद्देश्य, मेरा मनोरोग नहीं बन जाता, मेरे उपहार कभी, मेरे दीप-स्तम्भ नहीं बन पाएंगे। और जब तक मेरे अपने जीवन की श्रेष्ठता से भी आगे मैं नहीं बढ़ जाता, जीवन की असुरक्षा से मैं स्वयं नहीं उबर पाऊँगा, मैं इन कीमती घंटों से मिलने का मूल्यवान अवसर खो दूँगा, जहाँ मैं सहायता का साधन बनकर मदद कर सकता था।
>
> आज के दिन, मैं अपने समर्पण को फिर से समेट लेता हूँ ताकि बनावटी शालीनता से बच सकूं, विनम्र रह कर अपने दोनों पैरों को इस पावन धरती पर रख सकूं। अब क्या नकारनेवाले और बुरे अभिनेता को मुझ पर पत्थर फेंकने चाहिए। मैं उनका जवाब दयालुता तथा प्यार से देता हूँ उनके बुरे व्यवहार के उत्तर में, फिर भले ही वे इसके लायक न हों। क्या आलोचक को मेरा मज़ाक उड़ना चाहिए? - जैसा कि उन्होंने हमेशा से किया है, जब मैं शिशु था - मैं उन पत्थरों को समेटूँगा और उनसे ज्ञान-बोध के स्मारक बनाऊँगा। और, फिर किसी को मुझे 'अजीब' कहना चाहिए जैसा कि वे मुझे अक्सर कहते हैं, मैं मुस्कुराऊँगा और अपनी शरारती मुस्कान को अपने दिल की गहराइयों में अटका हुआ अनुभव करूंगा, क्योंकि वहाँ वह तो बेमेल और अनुपयुक्त वस्तु है। वह तो इकल्ली और अनोखी गेंद है और ऐसे बेमेल लोग ही हमारी दुनिया को बदल रहे हैं। कुछ और होने का अर्थ होता है सचमुच 'शान्त' होना। और सनकीपन श्रेणी है।

वह बहुत सनसनीखेज़ दृश्य था। स्टोन रिले उल्टे हो कर, अपनी छाती पीटते हुए, मानो अपने हृदय को सक्रिय बना रहे हों, और अपनी कविता पढ़ रहे हों।

"शब्द रचनात्मक होते हैं, जानते हो," उसने अपने शब्दों को जोड़ते हुए, वह उठ खड़ा हुआ तथा ताजी फ्रेंच्श्वोक वायु का गहरा घूँट लिया। "बन्धनहीन नायकत्व के शब्द बोलो। उपदेश दो, आशा की भाषा बोलो, सामर्थ्यवान शब्द बनाओ और नायकत्व के शब्द-जाल बिछाओ तथा बे-लगाम प्यार लुटाओ। मैं अपने शब्दों को बारीकी से काम में लाता हूँ। हर सुबह।"

अरबपति ने अंगूरी लताओं को देखा। "कुछ भी हो," उसने आगे कहा, "सभी महान् प्रतिभाशाली सचमुच खेलना पसन्द करते थे। वे जान गए थे कि आनन्द प्रभावशाली पुनर्जीवन का एक प्रकार है। उन सभी के पास फुरसत की गति-विधियाँ थीं जो उनकी रिक्त बैटरियों को पुन:प्राणित कर देती थीं। आइंस्टीन को नौकायन बहुत पसन्द था। अरस्तू तथा चार्ल्स डिकंस प्रतिदिन का टहलना पसन्द करते थे। हॉलीवुड के सुपर स्टार्स मेरिल स्ट्रीप को बुनाई पसन्द थी, स्टीव वोज़निक पोलो खेलते थे, बिल गेट्स ने ब्रिज पर मास्टरी हासिल कर ली थी और सर्जी ब्रिन अक्सर ऊँची उड़ती ट्रिपेजी पर रहते। कार्य से बचा समय, व्यर्थ का नहीं होता," टायकून ने बल दिया जरूरी है। यह तो उन विचारों का जन्म-स्थल है जो आपको धन-सम्पत्ति देगा। अत: कम काम करो, ताकि ज़्यादा पा सको। यह लगभग वैसा है जैसा "उच्चतम स्तर के जुड़वा चक्र" के नमूने में होता है।"

"मैं अब 60/10 सूत्र के मूल्य को और अधिक समझने लगा हूँ। कलाकार ने जोड़ा। "मेरा ख़याल है, इसका अर्थ भी यही है कि हम हर सप्ताह कुछ छुटियाँ ले सकते हैं।"

"न सिर्फ ठीक रहेगा, बल्कि आवश्यक भी है तुम्हारी प्रतिभा के पाँच सम्पतियों की सुरक्षा के लिए, वे ही A श्रेणी के खिलाड़ी जो उद्योग को प्रमुखता का अहसास करने का लाभ उठाते हैं ताकि उनका कार्य समय की कसौटी पर सफल उतरता है। हर हफ्ते, दो पूरे दिनों की छुट्टी लेवें। कोई प्रौद्योगिकी नहीं। 'शून्य साधनों के दिवस'- उन्हें निपुण वक्ता यही कहकर बुलाते हैं। 'पुनः प्राप्ति' और हर तिमाही में, और अधिक समय निकालना। दशकों से मैंने जून-जुलाई और अगस्त में छुट्टियाँ मनाई हैं। मैं नौकायन करता हूँ, सायक्लिंग करता हूँ, सोता हूँ, तैरता हूँ, दोस्तों के साथ मौजमस्ती और अपनी बेटी के साथ जीवन का सबसे सुखी समय बिताता हूँ। तुम चुलबुलियों, शायद

इतना अधिक समय छुट्टी के लिए न निकाल सको, मगर मुझे तुमसे कहना चाहिए कि इन नवजीवन के चक्रों में, मैं अपना सोचने का सर्वश्रेष्ठ काम करता हूँ, योजनाएँ बनाता हूँ और अपनी सर्वोत्तम अन्तर्दृष्टियों को पा लेता हूँ। मैं हमेशा, वापस ऑफिस में हज़ार गुना अधिक प्रेरित होकर लौटता हूँ-सतेज और सजीव।"

एक और तितली तैरती हुई गई। अंगूरी बेलें मानों आने वाले अद्‌भुत चमत्कारों के बारे में कह रही थीं। यद्यपि, सूर्य इस समय भी अपनी सम्पूर्ण शोभा के साथ चमक रहा था, चाँद की पतली-सी खुरचन, अफ्रीका के विशाल आकाश में ध्यान खींचने का मुक़ाबला कर रही थी। यह बहुत लुभावना था।

उद्यमी ने अपने पति का हाथ थामा।

"कितना मोहक है यह सब," वह बोली।

"साथियों, पता है?' मि. रिले ने कहा और अपनी सायकल उठा पीछे के गुप्त मार्ग से चलने लगा, जिसे उसने न जाने कैसे खोज निकाला था। "पृथ्वी पर स्वर्ग कोई जादुई, दैविक स्थान नहीं है, जिसकी हम कामना करते हैं। और न कोई ऐसा क्षेत्र है, जिसका परिमण्डल सिर्फ साधुओं, तपस्वियों एवं सन्तों के लिए सुरक्षित हो। बिल्कुल नहीं। मैंने खोज लिया है-और देखो न, इन वर्षों में मैंने एक रंगीन जीवन जिया है-स्वर्ग, पृथ्वी पर, एक अवस्था है, जिसका निर्माण कोई भी कर सकता है।"

अब, अरबपति वार्तालाप को काफी गहराई तक ले जा रहा था, और इस पाठ में और ज्यादा दार्शनिकता की ओर, जो जीवन कर्मों की सीमाएँ, निरन्तर शानदार प्रदर्शन एक सुखी अस्तित्व पर था। क्योंकि व्यावसायिक विजय बिना आनन्दपूर्ण हृदय के, अवसर को गँवा बैठती है।

"मैं वाकई खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँ।" अनुभव स्टोन रिले ने कहा। मैं अधिक समय चमत्कार में ही रहता हूँ।"

"जादू?" कलाकार ने आश्चर्य किया। अब वह अपने दो बालों के गुच्छों को खींचते हुए और सायकल चलाने के जूतों के लेस को खोलते हुआ बोला।

"हाँ, जादू में," अरबपति ने स्वीकार किया, गम्भीरता से, मगर विश्वास के साथ, तनाव रहित, मगर विचारों में डूब, मज़ाकिया, मगर आध्यात्मिकता से। "मैंने सीखा कि बिना आत्मा से भरे, जीतने में, सबसे बड़ी हार छिपी हुई है।"

उद्यमी और कलाकार, दोनों-अंगूर के बगीचे की मिट्टी पर एक दूसरे के पास बैठे गए।

अरबपति ने कहना ज़ारी रखा, "जबकि मैं अपनी कम्पनियों को बढ़ाने में उत्साहित रहा हूँ और उसके व्यावसायिक क्षेत्रों को बढ़ाने में भी था-अधिकांश तो यही देखने के लिए कि मैं कितना आगे बढ़ सकता हूँ, ताकि मुझे अपने लोकोपकारी कार्यों में ईंधन डालने में मदद मिले, मैं उतनी ही मात्रा में, अच्छे जिए जीवन के उपभोग के जादू के बारे में भी समर्पित था। बिना आनन्द उठाए जीतने में कुछ नहीं है।"

"मैं आपकी बात ठीक से समझी नहीं," उद्यमी ने स्वीकार किया। बगल से एक ट्रक, मज़दूरों की काँव-काँव और चमत्कारिक मुस्कुराहटें लेकर निकल गया।

"कितनी सुन्दर सुबह है," एक चिल्लाया।

"मैं अपना कार्य बहुत ज़्यादा पसन्द करता हूँ। और मुझे घरों सामान और खिलौने, जो मेरे पास हैं से बहुत आनंद आता है। मगर मुझे उनमें से किसी की भी जरूरत नहीं है। मेरे पास मेरी वस्तुएँ हैं, और मेरी समाज में विश्वस्तरीय व्यवसायी की प्रतिष्ठा भी है। मगर, फिर भी, मैं उससे अपनी पहचान नहीं बनाता हूँ। मुझे इसमें से किसी से लगाव नहीं है। जैसे जैसे मैं बूढ़ा हो रहा हूँ। मुझे अभी भी इस दुनिया के सुखों का आनंद लेना, अच्छा लगता है। मगर मुझे वे सुख शान्ति के लिए नहीं चाहिए। उन्हें मैं एक बड़े खेल के रूप में देखने लगा हूँ।

"मैं अपनी चीज़ों का स्वामी हूँ, मगर वे मेरी मालिक नहीं हैं।" उद्योगपति ने आगे कहा।" और यद्यपि मैं इस दुनिया में खेलता रहता हूँ, मुझे फिर भी उजाड़ धरती और घने जंगल भी पसन्द हैं, न सिर्फ रूपकालंकार के रूप में, बल्कि शाब्दिक रूप से भी। जैसे यहाँ, इस स्वर्गीय घाटी में, Franschhoek में, मैं प्रकृति के अजूबों का अनुभव ले रहा हूँ। यह भी, बताता है कि मैं कैसे दोहरे चक्र के नमूने को जीता हूँ। मैं जीवन का पूरा भोग करने के लिए,

समय का निर्माण कर लेता हूँ।"

"हाँ, जादू," अरबपति ने दोहराया, जैसे गीत गा रहीं चिड़ियाँ मानों जोरों से गुनगुनाने लगी थीं, और, और अधिक तितलियाँ हमारे शब्दों को सुनने जमा हो गईं थीं।

"प्रभु! जीवन खूबसूरत है। इसकी विस्मयता और अतुल्यता को मत गंवाओ। वह, तुम्हारे लिए है-फिर तुम चाहे कैसी परिस्थितियों में से गुज़र रहे हो। देखो, हम सभी, उधार के समय पर ही तो जी रहे हैं। और जीवन, इतनी शीघ्रता से सनसना कर गुजर जाता है। तुम दोनों बिल्लियो, जानने से पहले ही बूढ़ी हो जाओगी-शायद सौ नाती-पोतों के साथ घूम रही होगी।" उसने थोड़ी-सी गुदगुदी-हँसी हँसते हुए कहा।

"छोड़ो" मि. रिले ने फुसफुसाते हुए कहा, "आदर्श लोक-, शांग्रिला, निर्वाण और पृथ्वी पर मोक्ष तो सिर्फ नाम हैं किसी व्यक्ति की अवस्था के, न कि दर्शनीय स्थान हैं। आप जीवन के जादुई घेरे में प्रवेश करते हैं और प्रतिदिन उसके समूचे आशीर्वाद को भोगने लगते हैं, एक बार आप अन्तर्निष्ट शक्ति को पा लेते हैं, जो आपके भीतर दुबकी पड़ी है। और जब आप कृतज्ञ होने की बात को टाल नहीं पाते, जो हर दिन, छोटे-छोटे उपकारों का रूप लेकर आती है। आप तो जादू के आकर्षण बन जाएँगे, जब आप हर बात का जादू करने लगेंगे।"

"अरबपति बहुत रहस्यमय होकर अपने क्षेत्र से बाहर जा रहे हैं, अब," उद्यमी ने सोचा।

"पृथ्वी पर स्वर्ग," उद्योगपति ने दोहराया।" मेरा जीवन तो अक्सर, सौन्दर्य के झरने का निरन्तर प्रवाह है, जानते हैं, आप? और मुझे पता चला कि इसका पैसे से तनिक-सा भी सम्बन्ध नहीं है। इसका सम्बन्ध छोटी-छोटी बातों में सन्तोष पाने से है। उदाहरण के तौर पर जिस प्रकार से पिछली शाम, अग्नि ने मुझे ताप पहुँचाया और प्रेरणा दी। उसका सम्बन्ध बहुत सारा समय, प्रकृति के साथ बिताने से है, फिर वह चाहे अंगूरी लताओं में हो, जैसी ये हैं," उसने तर्जनी उँगली से अंगूरों के बगीचों की ओर इशारा करते हुए कहा, जिन्होंने सारी घाटी को घेर रखा था, या वन-विहार, अथवा पहाड़ों की पैदल सैर या समन्दर के किनारे की निकटता और या, उजाड़ रेगिस्तान से फिसलते निकल जाना। इन सब का सम्बन्ध विस्मय और आश्चर्य से जुड़ने से है जो हर मानव के लिए उपलब्ध है, चाहे आर्ट गॅलरियों में बार-बार जा कर ऊर्जा तथा बुद्धिमत्ता से मन-मस्तिष्क, हृदय-गुहिर, स्वास्थ-मन्दिर और आत्मा को भिगोते हैं। उसका सम्बन्ध सादगी बने लगाव वास्तविकता, विचारशील, रचनात्मक, सहृदयों द्वारा बनाए गए ताजा भोजन से है। जो आपको अच्छा महसूस कराए। जादू में चरण रखने का अर्थ यह भी होता है कि अपने विगत काल को अलविदा कह दें, वर्तमान को गले लगाएं और कल्पनाशीलता और प्यार-भावना में लौटना जो जब तुम बालक थे तो तुम में थी। वयस्क लोग बिगड़े हुए बालक हैं। पृथ्वी पर स्वर्ग, तुम्हारे दिलों में अपने आप उभर आता है जब आप में चमक होती है तब बहादुरी अपने आप, फिर से उभरने लगती है। जैसा आपने उस समय किया था, जब आप बालक थे।"

"पिकासो ने एक बार कहा था, "मुझे चार साल लगे थे, राफेल की तरह से चित्र बनाने में, मगर जीवन लग गया बालक की तरह से पेंटिंग करने में," कलाकार ने उत्साहपूर्वक सहयोग दिया। "मैं भी स्वीकार करता हूँ कि वापस अधिक सरल और भोले बनने से, हमारे जीवन में जादू लौट आता है।"

अरबपति रुक गए। उन्होंने अपनी बाइक को टिका दिया और अपने दोनों विद्यार्थियों को हाथ के इशारे से, अंगूरी बगीचे में, पीछे-पीछे आने को कहा जहाँ एक काले धातु की तख़्ती पर अंकित था–

"चेनिन ब्लेंक" चमकीले पीले अक्षरों में। स्टोन रिले तब अपने घुटनों के बल झुके।

उद्यमी और कलाकार ने उन्हें ज्ञान सूत्र के नमूने को खनिज समृद्ध धरती पर बनाते देखा। यह ठीक ऐसा ही दिखता था :

<u>अपने आनन्द को GPS बना लें</u>

"चमत्कार" अरबपति ने चिन्तनशील होकर सैनिक की भाँति खड़े होते हुए : उनकी आँखें अब बन्द थीं। उनके सघन बाल हल्की हवा में अब कुछ-कुछ फड़फड़ा रहे थे। जैसे ही उन्होंने अपना एक हाथ हृदय पर रखा, और बहुत-से कबूतर साकार हो गये।

"मैं आजकल सचमुच हवाओं में हूँ। आप उन्हें तभी सराहेगें यदि वे न रहे। जैसा मैं कह रहा था, जीवन में ऐसा सम्मोहन है। यह आपके सामने है। सभी के लिए उपलब्ध है। हम सभी एक प्रकार के जादूगर बन सकते हैं। मगर इस उच्च प्रकार की सच्चाई को भोगने के लिए, जिसका मैं जिक्र कर रहा हूँ- जिसे वास्तव में खोजना पड़ेगा- आपको दुनिया की बहुत सारी चीज़ें छोड़नी पड़ेंगी। सामान्य समाज में खेलो और खेल में जीतो, जिसे वह आपको देता है, मगर जिससे वह अक्सर सम्बन्ध तोड़ लेता है, अत: आपका मालिक वह कभी नहीं बन सकता। क्योंकि अधिकांश लोग जो खेल खेल रहे हैं वह भ्रम है-एक प्रकार से, जाग्रत स्वप्न इसके लिए अनेकों भले लोग अपने श्रेष्ठतम दिन की, श्रेष्ठतम सुबह दान कर देते हैं जैसे धन को, साधन ऊपर उठा देते हैं, मुनाफे को मनुष्यों से ऊपर लोकप्रियता को ईमानदारी से अधिक मान बैठते हैं, परिवार में उलझकर तथा उपलब्धियों को आज के मौलिक

चमत्कार मान लेते हैं।"

अरबपति की आँखें अब भी बन्द थीं। फिर, उसने दोनों हाथों को आकाश की ओर उठा दिया, जैसा करना उसे प्रिय था।

"आप अपने आनन्द को GPS बनाकर जादू में प्रवेश कर लेते हैं अरबपति ने सीधे मार्ग-दर्शक नक्शे जिसे उसने मिट्टी पर बनाया था से कहा।

"सुख की बढ़ती मात्रा को जानने के लिए, उस पर आस्था रखो जो आपको सुखी करता है। आपका दिल जान जाता है कि आपको कहाँ रहना चाहिए। यह आपके दिमाग़ से अधिक समझदार है। वृत्ति बुद्धि से अधिक जानती है और अन्तर्प्रेरणा तर्क से अधिक समझदार है, इसमें दो राय नहीं हैं। हमारी बुद्धि हमारे आसपास के लोगों की सीख के द्वारा बनाई गई है। वह सीमित है। वह तर्क और पुराने अनुभव के द्वारा घेर ली गई है। आपका सर्वोच्च 'स्वयं' उससे अधिक जानता है। वह सम्भावनाओं में कार्य करता है, न कि व्यवहार में। वह काल्पनिक है, वह सीमाहीन है।"

"पता नहीं मैं समझ पा रही हूँ, या नहीं," उद्यमी ने कहा।

"अपने आनन्द का पीछा करो," मि.रिले ने निर्देश दिए। "सिर्फ उन लोगों के आसपास रहो जो आपके आनन्द को बढ़ाते हैं। उन्हीं लक्ष्यों के पीछे पड़ो जो आपकी खुशियाँ बढ़ाते हैं। उन्हीं स्थानों पर जाओ जो आपको अधिक सजीव बनाते हों। देखो, मैं जानता हूँ इस आदर्श नमूने के अनुसार पूरी तरह से जीना, बहुत कठिन है। अत: इस नमूने को आदर्श मानकर आगे बढ़ो। और अन्य सभी वस्तुओं के समान, जो मैंने आपको सिखाई हैं, यह एक प्रक्रिया है, कार्य नहीं। इसे समय लगेगा। मगर, इसकी जानकारी होने से आरम्भ हो जाता है। और फिर, अपने आनन्द को अपना GPS बना लो।"

अरबपति ने अपनी पहाड़ी सायकल के साथ चलना आरम्भ कर दिया और अपने दोनों शिष्यों को मृदुता से इशारा किया कि वे पीछे-पीछे आएँ।

"आह! जादू जो जीवन का सार बनकर रहता है। बहुत प्यारा लगता है यह मुझे। यह मुझे हर अन्य वस्तु से ज्यादा प्रशान्तता तथा निस्तबद्धता से भर देता है। और यही महत्त्व है सन्तुलन का, सफल भी और सजीव।"

अरबपति ने अपनी भुजाओं को कड़ाई से पकड़ा और ऐसा दिखने लगा जैसे गहरे कष्ट से लड़ रहा हो, फिर से।

"तुम्हारा दिल तो हमेशा से तुम्हारे दिमाग़ से ज़्यादा समझदार है," उसने धीरे से दुहराया। वह जानता है कि इस समय तुम्हें कहाँ होना चाहिए। उसका अनुगमन करो। उस पर विश्वास करो। तुम्हें जादू लगेगा।"

अरबपति ने इंगित किया और तत्काल एक बिजूके के पीछे से, एक सहायक अपने मालिक की ओर भागा। एक चाँदी का फावड़ा अरबपति को दिया, और फिर एक तेज़ आलिंगन लिया-दिया गया।

रईस ने उत्साह से खोदना आरम्भ किया। जल्दी ही एक 'क्लेक' की ध्वनि सुनाई दी जब धातु से धातु टकराई। मि. रिले धरती तक झुके और एक लोहे की पेटी से लगी मिट्टी साफ करने लगे जो जमीन में गड़ा हुआ था। ऐसा करते हुए वे आलाप लेने लगे, लगभग वैसा ही जैसे स्विट्ज़रलैंड तथा ऑस्ट्रिया के लोक गीत गायक करते हैं। अब, व्यावसायिक को खोदते हुए देखना और उनका गाना सुनना कुछ और ही बात थी।

उद्यमी और कलाकार सम्मोहित हो गये थे। फिर पेटी को खोला गया, अत्यधिक सावधानी के साथ। अन्दर ग्यारह तावीज़ थे जिनके साथ एक-एक पत्र जुड़ा हुआ था। उस क्षण, अरबपति पर पड़ती धूप ने एक और जगमगाते आभा-मंडल की सृष्टि कर दी।

"मैं इस सबका हिस्सा हूँ," अरबपति ने स्वयं से बुदबुदाते हुए कहा। ब्रह्माण्ड की महान् शक्ति मुझमें है। पूरी श्रद्धा सकारात्मकता, प्रत्याशा, दृढ़ आशा , सबल विश्वास के साथ, मेरी इच्छा है सभी मेरे पास हो। और अगर वह, जिसकी मैं कामना करता हूँ, यदि मुझ तक नहीं आता है, तो सिर्फ इसलिए, क्योंकि उससे कुछ बेहतर, अपनी राह आनेवाला है। मैं जानता हूँ कि मेरा यह विश्वास, सच है। सारे जादूगर जानते हैं कि यह सच है।"

उद्यमी और कलाकार ने एक-दूसरे को एकटक, विस्तारित आँखों से, देखा।

“आप क्या कर रहे हैं?” कलाकार ने पूछा।

“मैं अपना एक का अभिचार कर रहा हूँ,” अरबपति ने उत्तर दिया। अब उन्होंने अपने वाक्यों के पीछे और अधिक आलाप जोड़ा। फिर कहा, “आप जीवन में कभी भी जादू पैदा नहीं कर सकते जब तक कि आप असली जादूगर की प्रकाशवान दीप्तियों को नहीं सीख लेते।”

सहसा पेटी ऊपर उठने लगी तथा धरती पर चक्कर काटने लगी, मात्र क्षणभर को। उद्यमी और कलाकार के मुख ऐसे खुल गए थे जैसे वसन्त ऋतु में गुलाब।

कलाकार अलबत्ता थोड़ा बेचैन था। “दृष्टिभ्रम आपको किसी ने सिखाया होगा, है न?”

“शायद हाँ। शायद नहीं।” मि.रिले के उत्तर ने रहस्य को और बढ़ा दिया था।

“इनमें से प्रत्येक जादुई ताबीज़ आपको ग्यारह सूत्रों में से एक की याद दिलाएगा जिन्हें मैं पिछली कई दशाब्दियों से अपनी आर्थिक सम्पदा को बढ़ाने के लिए काम में ला रहा हूँ। जैसा कि मैंने कहा, मेरे दिन मुझे निरन्तर सौन्दर्य, विस्मय तथा अनवरत अद्‌भुत वस्तुएँ देते हैं। पृथ्वी पर स्वर्ग।” अरबपति ने दोहराया। “और मैं चाहता हूँ कि आप दोनों भी इसी प्रकार से रहें। अच्छी बात यह है कि कोई भी इस प्रकार के जीवन की सृष्टि कर सकता है। मगर बहुत कम जीवित लोग जानते हैं कि इसे कैसे अभिव्यक्ति दें।

“और प्रत्येक सम्बन्धित पत्र अपने साथ कुछ प्रमुख प्रसंगों को लाएगा जो मैंने आपके साथ, इस साहस-प्रवास में अनुभव किए हैं। अन्त के निकट आने पर संक्षेप में प्रस्तुत करते अरबपति ने कहा।

पहला जादुई तावीज़ था एक छोटा-सा आईना। उसके साथ जुड़े पत्र में यह लिखा था।

अरबपति की सूक्ति ***# 1***

दुनिया में जादू फैलाने के लिए, अपने अन्दर जादू के -मालिक बनो

आईने में देखो। आपका अपने साथ कैसा सम्बन्ध है, प्रकट करता है कि आपका विश्व के साथ कैसा सम्बन्ध है। याद रखें, आपमें शान्ति और एकान्त के ललक की आदिम भावना है और उसी पूर्ण शान्ति में ही आत्मज्ञान उभरता है। फ्रांसीसी गणितज्ञ ब्लेज़ पास्कल ने लिखा : “मानवता की सभी समस्याएँ उसके कमरे में, अकेला, शान्ति से की असमर्थता से है।” अपनी जटिलता की आदत को त्याग दो और स्वयं को स्थिरता में डुबो दो जिसे सिर्फ अल-सुबह ही दे सकता है। और आप खुद को फिर से जान जाएँगे। अकेलेपन से भागना ही वास्तव में आज़ादी से भागना है।

हर दिन का जादूगर बनने के लिए, ताकि आपका जीवन उत्साह प्रचुरता और शान्ति से अमीर हो जाए, आप शांत रह कर अधिक सुविधा से विकसित होते हैं। जिससे आप महान् धीमानों की धीमी आवाज़ों को सुनना आरम्भ कर दें, जो आपके भीतर सोयी हुई हैं। विश्राम की अवस्था में, आपको पूरी तरह से याद आ जाएगा कि आप हैं कौन। आप अपने परम सर्वश्रेष्ठ का पुनर्मूल्यांकन करेंगे जो रचनात्मकता, सामर्थ्य, अजेयता और प्यार जो शतों से बँधा नहीं है, से प्रचुर है। मौन के अभयारण्य में इस युग में एक ऐसी विरल वस्तु पानेवाले हैं : समय और जितना अधिक आप इसे करेंगे, उतना अधिक आप जान पाएँगे कि जीवन कैसे काम करता है। आप भी अन्तर करना सीख जाएँगे, अपनी आस्थाओं में, जो मात्र सांस्कृतिक बन्धन हैं, और या उनमें, जो ख़ालिस सच हैं। और विश्वसनीय आवाज़ें जो आपकी अन्तः प्रेरणा से उपजती हैं और भय के कारण दबावपूर्ण उद्‌गारों में हैं। एकान्त में, आपको भ्रमित करनेवाले आत्मबोध भी दिखेंगे जो आपके क्षेत्र को बदल देंगे। मैं जानता हूँ कि यह सब अजीब-सा लगता है, मगर पवित्रता के बीच, आपको वास्तविकता में, वैकल्पिक-स्थानापन्न यथार्थ के दर्शन होंगे, जिनमें, भविष्यदृष्टा जैसे, निकोला टेस्ला, अल्बर्ट आइंस्टाइन, ग्रेस हॉप्पर, थॉमस एडीसन, जॉहन डी. रॉकफेलर, मेरी क्यूरी, एंड्रू कार्नेगी, कॅथरीन ग्राहम, साम वाल्टन, रोज़लिंड फ्रेंकलिन और स्टीव जॉब्स तथा अनेकों अन्य, तेजस्वी प्रकांड विद्वान् ने बहुत समय लगाया। आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि ऐतिहासिक वैज्ञानिक, खोजी, अन्वेषक, उद्योगपति तथा कलाकारों ने-सभी ने-अकेले रहने के लिए इतने प्रयत्न क्यों किए? मैंने आप लोगों के साथ समय के इतने लम्बे-लम्बे खण्ड, शोरगुल रहित ध्यान में लगा दिए, यह आज के युग के उन्नतिशील मस्तिष्क का रहस्य है। अन्त में, आप ही वह व्यक्ति हैं, जो आपके साथ जीवन भर रहेगा। फिर, क्यों न हम, अपने उस महानतम साथी से, सम्बन्ध गहरे कर लें, अपनी प्रतिभा को पूरी तरह से जान लें और आजीवन का प्यार-सम्बन्ध, अपने सबसे उदात्त - महान् स्वभावी से कर लें?

दूसरा जादुई तावीज़ फूल के रूप में था। अरबपति ने उसे सूंघा। वह फिर मुस्कराया और उस से जुड़ा पत्र

विद्यार्थियों को दे दिया। उस में लिखा था।

अरबपति की सूक्ति *# 2*

पहले आश्चर्यजनक अनुभवों को जमा करें, फिर भौतिक वस्तुओं को

इस दुनिया ने आपको बोझिल बना दिया है और कठोर भी। जब आप बालक थे, तो उस समय आपका सहज ज्ञान आपको बता देता था कि बर्फ के कण में विचित्रता कहाँ खोजना, मकड़ी के जाले में किस्मत कैसे ढूँढना, और एक रंग बिरंगी शरद की सुबह, गिरते पत्तों की शान को कैसे प्यार करना है भी हम वस्तुओं को पाने के लिए पीछा नहीं करते थे। वह तो जीवन को जानने के लिए होता था। जिस लेंस को लगाकर एक व्यक्ति जीवन को देखता है जो किसी के लिए सामान्य है, वही किसी और के लिए अतिविशिष्ट है और उसकी चमत्कार पैदा करने की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता है। और अपने जीवन की खोयी पवित्रता को, जिसे तुम युवा बनने से पहले जानते थे, इससे पहले कि एक टूटा हुआ समाज तुमको आनन्द और खुशियों के ऊपर वस्तुओं और पैसे का महत्व सिखाए, बार-बार, अधिक बार हँसो, नियम से नाचो तथा प्रायः खेलो कृपया।

भविष्य, अदृश्य अच्छाइयों की आशा दिलाता है। रात भर में कुछ भी हो सकता है," रहस्यवादी आध्यात्मिक फ्लोरेंस स्कॉवेल शिन ने कहा था। उन अजूबों के प्रति ज़्यादा सजीव रहो जो आपके दिनों को घेरे रहते हैं : मन्दमन्द पवन, बगीचे में एक-दूसरे का पीछा करतीं गिलहरियाँ, और संगीत इतना खूबसूरत कि रुला दे। और, आप रहने लगेंगे एक बादशाह की तरह, अपनी मौलिक शक्तियों को और ऊपर उठाकर, ताकि प्रात: काल में और अधिक जादू फैलाया जा सके। कभी भी अपने स्वास्थ को न्यौछावर मत करो, और न जीवन के स्तर को गिराओ, अधिक वार्षिक कमाई के लिए अथवा और बड़ी भू-सम्पदा के लिए। अद्‌भुत जीवन के निर्धारक तत्व सदियों से वही रहे हैं : एक समझ कि आप विकसित हो रहे हैं और अपने मानव सामर्थ्यों को पूँजी बना रहे हैं; प्रयत्नभरा कार्य जो आपकी उत्पादकता को सर्वश्रेष्ठ बनाता है और मानवता के लिए लाभप्रद है; वज़नदार सम्पर्क, सार्थक व्यक्तियों के साथ जो आपकी प्रसन्नता को ऊपर उठाएँ और समय वह कर रहा हो जो आपका उत्साह और बढ़ाए, जब आप अपने दिन में, आभारी दिल के साथ आगे बढे।

हाँ, मैंने रोम में अपने जर्नल को चाटा था। यह एक प्रथा है, जिसे मैं अपनी जीवन्तता को उभारने के लिए, सभी आशीर्वादों के मूल्यवृद्धि के लिए करता हूँ। जितनी स्पष्टता मैं जीवन में हर वस्तु का आदर करता हूँ, उतना ही अधिक वह मेरे जीवन में, मूल्य में, ऊपर उठ जाता है।

अतः, जीवन में विस्मयकारी वस्तुओं के संग्राहक बनें, बजाय सांसारिक वस्तुओं के उपभोक्ता बनने के। अपने जीवन को सरल बनाओ और आवश्यक आनन्दों की ओर लौट आओ जो आपकी नज़रों के सामने ही बिखरे हुए हैं। आप जब ऐसा करेंगे, तो उन शक्तियों को पार कर लेंगे जिन्होंने आपकी अग्नि को ढाँक कर रखा है और कृत्रिमता की पहेली को चीरकर नीचे बिछा दो जिनमें हमारी अनेकों बहुत अच्छी आत्माएँ अटकी हुई हैं। और जब आप इसे जारी रखेंगे, आपको पता चल जाएगा कि आपकी ज़िन्दगी वास्तव में कितनी शानदार और आश्चर्यजनक है।

और कृपया यह भी याद रखें कि आपका विगत समय तो नौकर है जिसने आपको वह बनाया जो आप आज हैं-न कि आपका साथी है, जो वर्तमान में आपके साथ यथेष्ट समय बिताए और न मित्र है, जो आपको अपने साथ दाग़रहित भविष्य में ले जाने में आपका साथ दे। हर सुबह जिस जादू को साथ लेकर आती है, उस जादू में प्रवेश करना असम्भव है, यदि आपके जीवन का एक हिस्सा पुरानी विफलताओं तथा मनोमालिन्य, विद्वेष तथा ठेस को साथ लेकर चल रहे हैं। अब आप इसे ठीक से समझ चुके हैं। दिल के बोझ को हल्का करके आने से मनुष्य और उसका पुराना दर्द, एक-दूसरे का मुँह भी नहीं देख सकते। अतः निरन्तरता से, अटल और अबाध अभ्यास के द्वारा, प्रशिक्षण करें और स्वयं को इस क्षण में डुबो दें। हाँ, उसमें श्रम और साधना लगते हैं जो धीरज से आते हैं। तब भी, इस क्षण को भोगना एक आवश्यक कदम है जगमगाते जीवन का। और, यह समय ही है जो आपके साथ है। और, वह एक साम्राज्य है जो दुनिया की हर दौलत से ज़्यादा कीमती है। एक दिन इसे आप देखेंगे।

तीसरा जादूई तावीज़ एक दरवाजे का प्रतीक था।

"हर अन्त की निशानी, एक नया आरम्भ है। जो भी हम अनुभव करते हैं, वह किसी बात की मदद के लिए होता है। और, जब एक द्वार बन्द होता है, दूसरा आपके लिए अवश्य खुलेगा," अरबपति ने ध्यान दिया। "विश्वास-हमेशा करें कि जीवन आपकी पीठ के पीछे है, फिर जो भी कुछ खुल रहा हो उसका कोई अर्थ नहीं है।"

संलग्न पत्र में लिखा था :

अरबपति की सूक्ति ***# 3***

असफलता निडरता को और बढ़ाती है

किसी बात पर असफल हुए बिना जीना असम्भव है। हाँ, आप बहुत ही अधिक सावधानी से रहें तो बात और है। पर, उससे तो न जीना ही अच्छा रहेगा। उस हालत में आप अकरण से विफल जाते हैं," जे. के. रोलिंग ने कहा था।

अरमानों के ताक़तवर वीर-पुरुष और अतिविशाल महाकाय कल्पनाओं के पशु, जो आपके भीतर हैं, उन्हें, "लोग क्या कहेंगे" वाले क्षुद्र डरपोंक कहीं अपहरण करके न ले जाएँ। "क्या होगा यदि मैं अस्वीकार, कर दिया गया?" "यदि मैंने ऐसा किया तो शायद मूर्ख दिलूँगा।"

आप स्वयं को, अस्वीकृति के भय से, लकवाग्रस्त बना सकते हैं, और या फिर, बाहर निकलकर विश्व को विस्मित कर सकते हैं। मगर आप, दोनों नहीं कर सकते।

जीवन की असलियत यही है कि आपके पास एक परिश्रमिक नियति है जो मुँहताड़े जटिलता के इस युग में आपका ध्यान खींचती है, अपनी महानता को कोसना, भव्यता को विकृत करना बंद करो, अपनी चमक, यदि कुछ आपकी इच्छानुसार नहीं हुआ तो विफलता का लेबल लगा कर, फीकी न पड़ने दें। हम सभी जानते हैं कि हर दिख रही नाकामयाबी के पीछे, कोई-न-कोई महान सफलता का दर्शनीय अवसर छिपा होता है।

अब, अपने जीवन में "हाँ" अधिक कहा करो। साहस एक हथियार है जो पश्चात्ताप की सेनाओं को भी हरा देता है, जो दुबककर जी ज़िन्दगी को भेद देता है।

एक लकड़ी का पेंटिंग करने का ब्रश जो उँगली के आकार का था, अगला जादुई तावीज़ था जिसे मि. रिले ने सँभालकर लोहे की पेटी में से निकाला।

यह उस भावना को सुदृढ़ बनाएगा कि आप अपने जीवन के शक्तिशाली निर्माता हैं और अपने उद्देश्यों के आसपास घूम रहे सशक्त कलाकार हैं। लोगों को अपनी विशाल सम्पत्ति, भाग्य से मिली है, झूठ है। मैने यह बात आप लोगों को समझाने के लिए काफी समय लगाया है कि इन लोगों ने अपने पैसे, शक्ति, सामाजिक प्रभाव का साम्राज्य अपने सितारों के सही होने से बनाया, झूठ है तो, यहाँ देखो, कृपया" ज्ञानगुरु ने अगला पत्र थमाते सूचना दी।

अरबपति की सूक्ति ***# 4***

आपकी मौलिक शक्तियों का सही उपयोग आपके निजी आदर्श लोक का निर्माण करता है।

अनेकों मानव अपने सर्वश्रेष्ठ घंटे, सन्तोष के पर्दे के पीछे बिता देते हैं। इससे मेरा तात्पर्य है कि वे सोचते हैं, और कहते हैं कि वे सुखी हैं, मगर वास्तव में, वे दयनीय होते हैं। वे इस तथ्य को बुद्धिसंगत बना देते हैं कि उन्होंने अपने सपनों को छला है, अपने मानवीय खज़ानों की अवमानना की है और अपने उस प्रभाव को भी नगण्य बना दिया जो वे इस ग्रह पर डाल सकते थे, यह कहकर कि वे सन्तुष्ट हैं, उससे जो उनके पास है, बजाय नई सृष्टि करने के। हाँ, जो आप के पास है, उसके लिए विस्तार से आभारी बनो। मगर, फिर भी सोचो कि ऐसे व्यक्तियों ने अपनी अन्तर्निहित शक्ति की उपेक्षा और एक मुरत परित्याग से खुद को समाप्त कर लिया है। परिणाम स्वरूप, उनकी निजी स्वतंत्रता की भावना और भव्य प्रतिभाओं पर प्रभुसत्ता पर बर्बरतापूर्वक वार हुए हैं।

जीवन के जादू में प्रवेश करने के लिए, आपको चार रचनात्मक संसाधनों का पता होना चाहिए, जो आपकी प्रत्येक इच्छा को साकार परिणाम में बदल देता है। ये चार संसाधन हैं जो आपको चमत्कार साकार करने के समर्थ बनाएँगे आपके विचार, आपकी भावनाएँ आपके शब्द और आपके कर्म। कसरतें कराएँ कि आपका मस्तिष्क वे ही विचार सोचे जो आपको प्रभुसत्ता के निकट ले जाए और सुख देवे। निरन्तर, कृतज्ञता में डूबे रहें, सबों के लिए सकारात्मकता रखें और अपने जीवन में आए हर व्यक्ति के लिए प्रेम-भावना बनाए रखें। सिर्फ उन्नति, प्रचुरता और प्रोत्साहन के शब्द ही प्रयोग में लावें। जैसा आपने मुझे करते देखा होगा जब मेरी परिस्थिति उल्टी हो गई थी। और, सिर्फ वे ही कार्य करें जो आपके निवासी नायक के साथ ताल-मेल खाएँ जो आपकी सबसे अधिक बुद्धिशाली संस्था में बैठता है।

किसी को उसकी सामर्थ्य से कम करता देखें तो आप ठीक से समझ जाएँगे कि उनकी परिस्थिति इतनी बुरी क्यों है, जितनी है। वे अपनी सोच को कम की ओर केन्द्रित करते हैं, बजाय प्रचुरता, के। वे विश्व के सामर्थ्य का अनादर करते हैं, लगातार "समस्याओं" के बारे में बोलकर, परिस्थिति को "भयावह" बताकर, और उपलब्धियों

का वर्गीकरण असीम सफलता, आर्थिक सम्पदा, सन्तोषप्रद एवं दूसरों के लिए ऊर्जावान सेवाएँ को "असम्भव" कहकर, और अपनी ही बात को न समझना कि उनकी अपनी ही वक्तृता उन्हें जादू बुनने से रोक रही है। शब्द वास्तव में सृजनात्मक गुणक है और इन अटके हुए निष्पादकों के रोज के कार्यों के बारे में, वे जरा-सी भी कड़ी मेहनत नहीं करते, और कम से कम काम सौन्दर्यमय जीवन के बारे में आशा करना कि उनके इस पाप को, जो मानवता के प्रति वे कर रहे हैं, कोई नहीं देखता। फिर भी, अपने भीतर के सबसे उच्च श्रेणी के जादूगर हैं-अपनी अन्तरात्मा को और अपने अवचेतन मस्तिष्क को-जो सब-कुछ देखता है। और उस चोरी को भी, जो उनके सर्वश्रेष्ठ की हो रही है।

~

इसके बाद की वस्तु थी नज़र । एक आँख की शक्ल का कवच जिसे कुछ संस्कृतियाँ अशुभ व्यक्तियों को भगाने के लिए काम में लाती हैं। तुमने भी उसे, अपनी किसी यात्रा में देखा होगा।

"देखो बिल्लियो, मैं नहीं मानता कि कोई वास्तव में 'अशुभ' हो सकता है," अरबपति ने अपने शिष्यों से कहा। "सम्भव है कुछ हों। मगर अधिकांश, जितना अधिक मैं जीता हूँ, उतना अधिक पाता हूँ कि हममें से प्रत्येक ने, अपनी आयु में, किसी न किसी प्रकार की विपत्ति झेली है। और जैसे कि मैंने पहले बताया, सिर्फ दुखी व्यक्ति ही औरों को दुःख पहुँचाते हैं। जो कष्ट भोग रहे हैं, वे कष्ट पैदा करते हैं। और वे व्यक्ति जिनका व्यवहार उलझा हुआ है, वे स्वयं, अक्सर उलझन में रहते हैं। वे सच में पीड़ा पहुँचाते हैं। और, उनके साथ कुछ ऐसा हुआ रहता है कि वे जोखिम की आशंका में रहते हैं। अत: उनके अन्तर की परतों में बैठी अच्छाई सिकुड़ गई है और अब बन्द हो गई है। उन्हें अब भयंकर व्यक्ति कहना सतही परख है। यह शीघ्र धारणा से कहीं गहरा है। फिर भी अब, वह कहने के बाद, फिलहाल अब, हम इतना ही कहें कि चरम उत्पादकता सर्वोच्च निष्पादन असीमित आनन्द और मानसिक शान्ति मिल सके, को पाने के लिए आवश्यक है कि हम "बुरे लोगों" से बचें, वे जो पुराने घावों से भरे हुए हैं, जिनका उन्हें भान ही नहीं है, उन्हें वे आप पर न उछालें। मैं एक बार, बारबॅडोस में उद्यमी यात्रा पर गया था, वहाँ एक टैक्सी चालक ने मुझे यह ज्ञान दिया था, "बुरे लोगों से बचो।"

उस आँख के साथ यह पत्र चिपका हुआ था :

अरबपति की सूक्ति ***# 5***

बुरे लोगों से बचो

अपनी शक्ति को कम न आँकें। एक तथ्य के अनुसार, जिसे "भावनात्मक संक्रामकता" की प्रक्रिया और दिमाग की दर्पण की तंत्रिका कोशिकाएँ के जाग्रत होने से हम उन व्यक्तियों के जीवन को आदर्श बना लेते हैं, जिनके साथ अपने दिन बिताते हैं। अपने जीवन को उन अत्यधिक सर्वश्रेष्ठ उद्यमी, स्वस्थ, सकारात्मक, नैतिक और इमानदारी से प्यार करने वाले लोगों से भर लें। और कुछ समय बाद, आप भी इन्हीं उच्च विशेषताओं के उदाहरण बन जाएँगे। अपने वायुरोधी सुरक्षित बुलबुले में, जो पूरी तरह से लक्ष्य में है, इनमें, सपने के चोरों को, ऊर्जा के लुटेरों को और उत्साह के डाकुओं को आने भर दें और देखना, आप भी अवश्य उन जैसे ही हो जाएँगे।

असली चाबी तो यही है कि उत्पात करनेवालों से बचें। वे लोग जो एक ऐसे वातावरण में बड़े हुए हैं, जो नाटकों से, और लगातार समस्याओं से बिंधे हुए हैं, वे जान-समझकर और अनजाने में, पुन: इन्हें निर्मित करेंगे, फिर भले ही वे आश्चर्यजनक लगें, मगर उन्हें वे जानी-पहचानी, सुरक्षित और घर-जैसी लगती हैं। इन सभी अभिनय रानियों और नकारात्मक राजाओं से दूर ही रहें। यदि नहीं रहे तो, जल्दी या देर से, वे आपकी महानता को पिघला देंगे और आपका जीवन नष्ट कर देंगे। यही तो वे करते हैं।

जहाँ तक सम्भव हो, हर एक के साथ, शान्तिपूर्ण सम्बन्ध बनाएँ। एक भी दुश्मन, बहुत होता है। जीवन के पथ पर से शालीनता से गुज़रें और जब भी प्रतिकूलता दिखे, ऊपर का मार्ग ले लें। यदि कोई आपके साथ ग़लत करे, कर्म को ही वह कलंकित कार्य करने दें, और एक विश्व-स्तरीय जीवन ही आपका बदला हो।

लोहे की पेटी के सुरक्षित बक्से में छठे अक्षर के साथ जुड़ा हुआ एक उच्च मूल्य के कागज़ का नोट था। उसे तिकोनाकर मोड़ा गया था, किसी रहस्यमय कारण से, जो उद्यमी और कलाकार को नहीं मालूम था। यह पत्र, दूसरे पत्र से अधिक लम्बा था, इसमें लिखा था :

अरबपति की सूक्ति ***# 6***

धन उदारता का फल है, कमी नहीं।

विश्व प्रमुखता से प्रचलित दर्शन के बहकाने में मत आना। ग़रीबी एक आन्तरिक परिस्थिति का परिणाम है न कि बाहरी परिस्थिति। विश्वास करना, अन्यथा समृद्धि की जादू उत्पन्न करने के, सामर्थ्य को, दूसरे को देना है। जिसे आप उन चीज़ो के लिए चाहते है जिनकी आप शिकायत कर रहे हैं।

पैसा तो एक चलमुद्रा है जिसे बिजली की भाँति बहना चाहिए। हाँ, नकदी एक लहर है। इस का प्रवाह होना चाहिए। जमा करने से इसका प्रवाह आपके निजी जीवन और व्यवसाय में थम जाता है। सभी वास्तविक जादूगर इस बात को जानते हैं। अत: अधिक पाने के लिए, अधिक देवें। होटल में सेवाएं देनेवाले के लिए विपुल टिप दें। होटल के हाउसकीपरों और टेक्सी कॅब के ड्रायवरों के लिए विपुल टिप दें। धर्मार्थ दान करें। अपने परिवार और मित्रों के लिए, बजाए बदले में वापसी की आशा किये बिना, अद्‌भुत कार्य करें। प्रचुरता की सुनामी आप पर बरसेगी।

आप शायद आश्चर्य करें कि हममें से इतने सारे लोग इतने तंग हाल क्यों रहते हैं। लोगों की यह हालत धन के क्षत-चिह्नों के कारण हुई है। ये वे कार्यक्रम हैं जो हमारे अवचेतन मस्तिष्क में गहराइयों में छिपे हैं, जो वहाँ अनजाने में ही स्थापित कर दिये गए थे- हमारे माँ-बाप के संदेशों के कारण, और अन्य, बचपन के प्रभावों के कारण। उनके सामान्य वक्तव्य, जो झूठ पर आधारित थे, उन्हें सिखाए गये थे, जैसे कथन : “जो तुम्हारे पास है, उसी में सुखी रहो,” या, “अमीर तो बेईमान होते हैं” और, अथवा “पैसे पेड़ों पर नहीं ऊगते।” इन शब्दों ने हममें, कम उम्र में, कमसिन प्रभाव पकड़ उम्र में, अभाव का काला बीज रोप दिया था।

चार आदतों ने मेरी मदद की कि मैं अपना धन कमा सकूँ, अत: अब मैं उसे आपको भेट देता हूँ : सार्थक प्रत्याशा, सक्रिय आस्था, निरन्तर बढ़ता हुआ आभार भाव और चरम मूल्य वितरण। सार्थक प्रत्याशा का अर्थ है कि मैं सदा ऐसी मानसिकता रखता हूँ, जिसमें आशा करता हूँ कि मेरे पास नियमित रूप से, और अप्रत्याशित स्रोतों से धन आता रहेगा। सक्रिय विश्वास वह है जब आप एक विशेष प्रकार से व्यवहार करते हैं जो बतलाता है कि आप जीवन की प्रचुरता में विश्वास करते हैं और हितैषिता तथा सद्भावपूर्णता में आस्था रखते हैं। ब्रह्मांड प्रचुरता से प्यार करता है, जैसे अपने मित्रों के साथ किसी मँहगे रेस्त्राँ में डिनर को जाने और उसका भुगतान करने में दिलचस्पी रखता है जब आप इतना जुटा न सकते हों अथवा, अपने कौशल को ऊपर उठाने के लिए साधन जुटाने में धन खर्च करने में, जबकि आपके पर्स में जरा-से भी पैसे नहीं हैं। मगर मैं, ऐसा सुझाव नहीं दे रहा हूँ कि आप स्वयं को कर्ज़दार बिल्कुल नहीं करें। स्तर से ऊपर उठाना, एक विध्वंसक कदम है हमारे समाज का, आज। सिर्फ प्रकृति को बतला दें कि आप जानते हैं कि सम्पन्नता आ रही है, और ऐसे कार्य करें जो आपको ऐसा अनुभव कराए कि आपके पास यथेष्ट है। निरन्तर बढ़ती हुई अनुकम्पा भावना, और हाँ, उस बारे में तो हम अपनी यात्रा में काफी चर्चा कर चुके हैं। अपने जीवन में, हर किसी के लिए और हर काम के लिए, अपना हृदय खोलते रहा करें। किसी बिल का भुगतान करते समय, अपने पैसे को आशीर्वाद दें। बनिए की दुकान के कॅशियर को शुभ कामनाएँ दें और उस किसान को भी जिसने आपका अन्न उगाया। उस कार ड्रायवर को धन्यवाद दें, जिसने आपको ट्रैफिक में, पंक्ति में शामिल होने दिया और उन संगीतज्ञों को जिनके गीत आपके जीवन के साउण्डट्रैक बन जाते हैं। अपने पैरों का उपकार मानो जो इतने वर्षों तक, आपको उठाकर, घूमते रहे। अपनी आँखों को, जो आपको सुन्दरता का साक्षी बनाती रहीं और अपने दिल को, जिसने आपको जीवित रहने की अनुभूति दी। चरम मूल्य वितरण का अर्थ होता है, औरों को देना -समूह के साथियों को, ग्राहकों तथा परिवार के सदस्यों को और अजनबियों को भी -प्रतिपादक रूप से, अधिक लाभ, देना जितना वे आपसे कभी भी आशा नहीं करते थे। क्योंकि हम, जो बोते हैं, वही पाते हैं।

अपनी सम्पन्नता मूलक भावना को बढ़ाना और फिर उसे कवच पहनाने से आपको मात्रा से अधिक लाभ होगा और निजी सम्पन्नता बढ़ाएगा। अत: इस हिस्से को ठीक से समझें। हमारी संस्कृति में ज्यादा उदासी और विषाद का भाव इसलिए है, क्योंकि हममें से अधिकांश के पास यथेष्ठ धन नहीं है। ऐसा होना नहीं चाहिए।

~

“अब, इसके बाद?” कलाकार ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए अंगूर के बेल में से अंगूर तोड़ कर उसे पूरा का पूरा निगलते हुए कहा।

अरबपति ने एक दौड़ते जूते के लघुरूप को डिब्बे में से निकालते हुए कहा, “व्यायाम तो सचमुच, एक अद्‌भुत मोहिनी है। पढ़कर देखो इस पत्र को जो मैंने तुम दोनों के लिए लिखा है और इसके साथ लगा है।”

पत्र में लिखा था:

अरबपति की सूक्ति *# 7*

सर्वोत्तम स्वास्थ्य आपकी चमत्कार उत्पादक शक्ति को सर्वाधिक बढ़ाता है

प्रातःकाल उठकर सबसे पहला काम व्यायाम करने से अपने स्वास्थ्य की रक्षा की पहली जीत हो जाती है। इस, सबसे महत्त्वपूर्ण क्रिया को करके आपके संज्ञान, ऊर्जा, शरीर-संचालन और भावनाएँ जो आपके दिन में चमत्कारों का निर्माण करने में समर्थ हैं कर दिया है।

जब आप हर सुबह को एक समान तरीके से निरन्तर काम करते हैं तो आपको आश्चर्य होगा कि एक दिन काम छूट जाने से आपको लगेगा कि आपने कितना कुछ खो दिया है। तब आपको खयाल आयेगा कि इस आदत को स्वीकारने से पहले, आपको अधिकांश समय ऐसा ही लगता था। आपको उसकी कल्पना ही नहीं थी कि आपकी सामान्य स्थिति कैसी होती है।

चरम स्वास्थ ही तो असली सम्पदा है। वे जो अपना स्वास्थ्य गँवा चुके हैं, वे फिर अपना सारा जीवन उसे पुनः प्राप्त करने में लगा देते हैं। असाधारण ऊर्जा अपनी सम्पन्नता को बढ़ाने का अभूतपूर्व तरीका है। जब आप अपने जीवन की सर्वोत्कृष्ट तन्दुरुस्ती पाते हैं, तो अपनी खुराक को प्रवीणता की स्थिति तक, लाते हैं अपनी सोने की रुटीन बनाते है और उम्र की बढ़ती गति को कम कर लेते हैं तो आप पाएंगे कि आपने अपने सर्वोच्च आत्म-तत्त्व से प्रगाढ़ एकात्मकता निर्मित कर ली है। अब आप अधिक बुद्धिमत्तता, यश और समानानुभूति इस दुनिया में लाएंगे। वह बदले में, आपको विशाल आर्थिक लाभ, ला देगा। और भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि वह आपको और बड़े सहयोग देने में समर्थ बना देगा। और, मदद से बढ़कर शानदार, इस दुनिया में और कुछ भी नहीं है। हर जादूगर इस सच को ठीक से जानता है।

~

आठवाँ प्रतीक था एक छोटा-सा पर्वतारोही। NSI-नेवर स्टॉप इम्प्रूविंग। अपनी सुबहों की श्रेष्ठता अपने जीवन की श्रेष्ठता को हमेशा सुधारते रहे।" अरबपति ने समझाया। इसके बाद, उसने अपना आखिरी आलाप जोरों से निकाला। अंगूर के बगीचों के मज़दूरों ने देखा और हँसे, जोरों से। मि. रिले ने भी हाथ हिलाया और उनके साथ हँसे। फिर, उन्होंने अपना प्रवचन जारी रखा।

"एक A-खिलाड़ी का सारा खेल होता है हमेशा ऊपर उठना। जब आप ऊँची चोटी पर पहुँचते हैं तो देखते हैं कि शिखरों की अगली पंक्तियाँ पार करने को बची हुई हैं। यह तुम्हारे लिए उल्लेखनीय रूपक है, बिल्लियो।"

उसने पत्र पर से थोड़ी-सी मिट्टी उड़ाई जो जादुई तावीज़ के साथ मेल खाती थी और फिर उसे ऊपर उठाया ताकि उसके विद्यार्थी देख सकें। उस पर लिखा था।

~

अरबपति की सूक्ति *# 8*

अपने जीवन के स्तर को पूर्ण रूप से विश्व-स्तरीय बनावें

सुख विषयक अनुकूलन के मनोवैज्ञानिक वातावरण का वर्णन करते हैं जहाँ मानव पर्यावरण और जीवन परिवर्तन के अनुकूल हैं। जिस बढ़ें वेतन की आप सालों से प्रतीक्षा कर रहे थे, आप को मिलता है और आप एक दिन के लिए उल्लसित, आनन्द विभोर हो जाते हैं। फिर, आपका यह नई तनख्वाह का स्तर, आपका नया स्वभाव बन जाता है। अनुभव किया आनन्द कुम्हलाकर विलीन हो जाता है। अथवा आप रेल पटरियों के पास के एक शोर-गुल भरे नए फ्लैट में रहने चले जाते हैं। और समय के साथ आपको गड़ियों की आवाज़ सुनना बंद हो जाती है। अथवा, आपने अपने सपनों की जिस कार को अभी-अभी खरीदा जो आपको उत्साह से स्तम्भित कर देती थी वह, कुछ ही सप्ताह बाद, वह नज़ारे का एक हिस्सा बन जाती है। ये सभी उदाहरण हैं, सुख विषयक अनुकूलन के जो व्यवहार में आते हैं। और यह प्रक्रिया हममें से प्रत्येक के लिए अपने जीवन में खिलती है।

मौजूदा के इस मानवीय तरीके के लिए एक उपाय जीवन स्तर को लगातार बढ़ाना और अपने जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। साल की हर चौथाई को पिछली से श्रेष्ठ बनाओ, और हर साल को पिछले वर्ष से अधिक मनोरम बनाओ। टाईटन और इतिहास पुरुष इसी प्रकार से जीवन जीते हैं।

इससे सम्बन्धित एक बहुमूल्य दर्शन है जिसने मेरी बहुत मदद की है : जीवन से विश्व स्तर पर गुज़रो। जीवन बहुत छोटा है अतः आपको आश्चर्यजनक तरीके का अनुभव न होने देना आपके प्रति अन्याय होगा। और जब आप स्वयं की अच्छी-देखभाल करते हैं, आपके औरों के साथ अपने काम पैसे के साथ, और दुनिया के साथ भी सम्बन्ध अच्छे हो जाएँगे, क्योंकि आपसे बाहर के सभी सम्बन्ध आपकी मदद नहीं करने वाले हैं, मगर अपने आन्तरिक सभी संबंधों के लिए तो आदर्श नमूना बनें। सब इसी प्रकार से होता है।

सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों में पूँजी लगावें, जिन्हे आप खरीद सकते हैं, और आपको बहुविध पुरस्कार मिलेगा शानदार उच्च स्तर का भोजन खाएँ, फिर भले ही आप शाही रेस्त्रां में 'स्टार्टर' के रूप में, कुछ सलाद ही खा सकते हों, जाकर अपने शहर के सर्वश्रेष्ठ हॉटेल में काफी पिएँ। जहाँ आप रहते हैं, यदि उस शहर में कोई उद्यमी टीम हो, जिसे आप चाहते हैं, एक गेम बाहर बैठकर देखें, बजाय सस्ती कुर्सियोंवाली जगह में कुछ सीज़न बिताने के। सर्वश्रेष्ठ कार को यथासम्भव चलावें। प्रति दिन आनन्ददायक संगीत सुनें। कला-वीथिकाओं के चक्कर लगावें, जैसा मैंने आपको बताया था ताकि रचनात्मकता और कलाकार की आत्मा की प्रबुद्धता, आपकी आत्मा को छू सके। और याद रखें, अक्सर फूलों के पास रहें- वे आपकी आवृत्ति के साथ साथ वैकल्पिक ब्रह्मांड को देखने की क्षमता बढ़ाते हैं। आप सोचते हैं कि इतने महान् सन्तों, साधुओं, रोगहरों और महात्माओं के पास फूल क्यों रखे रहते थे। आप जानकर विस्मित-प्रसन्न होंगे कि वे आपकी शक्तियों को किस हद तक बढ़ा देते हैं, और वह सब देते हैं, जिसकी हम कामना करते हैं।

~

जादुई तावीज़ क्रमाक 9 एक दिल था। और उससे संलग्न पत्र में यहा लिखा था :

अरबपति की सूक्ति ***# 9***

गहरा प्यार अपराजेय आनन्द देता है।

कोई भी अवसर मिले तो आप लोगों से प्यार का प्रदर्शन करें। यह एक उद्धरण है जिसे विलियम पेन के साथ जोड़ा हुआ है। उन्होंने मेरे जीवन के अधिकांश का मार्ग-दर्शन किया है और मेरी सेवा भी अद्‌भुत तरीके से की है। यह है, "मैं एक ही बार इस जीवन से गुज़रना चाहता हूँ। यदि इसके लिए मुझे कुछ दयालुता भी दिखलानी पड़े, तो मैं दिखला सकता हूँ, या कोई अच्छा काम अपने सह-साथी के लिए कर सकता हूँ तो मैं उसे अभी करने दो। उसे टालना या अनदेखा नहीं करना, क्योंकि मैं इस रास्ते से फिर कभी नहीं गुजरूँगा।"

लोगों से कहो कि आप उनके लिए कितना गर्व महसूस करते हैं और उनसे कितना प्यार करते हैं-अपने और उनके जिन्दा रहते हुए। मुझे एक बार एक व्यक्ति मिला जिसने कहा कि उसे हर एक आदमी को ज़िन्दा देखकर, इतना अधिक सुख मिलता है कि कह नहीं सकता। "मगर क्यों?" मैंने पूछा।" क्योंकि मैंने इतने अधिक मृत् व्यक्ति जीवन में देखे हैं कि जीवित व्यक्ति को देखना एक विशेष उपहार बन जाता है," उसने कहा।

हममें से कोई भी नहीं जानता कि हम अपनी मृत्यु से कब भेंट करेंगे। अत: उसे रोककर क्यों रखें जो सबसे मूल्यवान है : आपकी मानवता की शक्ति, गहरा प्यार करने की!

पूर्ण रूप से जीवित मनुष्य के रूप में, आपका यह काम भी है कि लोगों को स्वयं के बारे में अच्छा अनुभव हो। और, अन्य लोगों को मुस्कुराता बना दें। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि किसी को सुखी बनाने में कितना कम प्रयत्न लगता है। अपने पुराने स्कूल के दिनों के प्रेम-पत्र उन सभी को लिखें, जिनकी आप फिक्र करते हैं, "धन्यवाद ज्ञान टिप्पणी" उनको जिन्होंने आपकी सहायता की थी, और ध्यान-सम्मान तथा मान उनका, जो आपको प्रतीत होता है कि वे उसके योग्य हैं। उन्हें बतलाएँ कि आप-अस्वीकृति-के शैतानी डर के बिना, कैसा महसूस करते हैं। और हमेशा दूसरों में अधिक मन लगाएँ बजाय स्वयं को दिलचस्प बनाने के। जिस भी किसी मानव से आप मिलते हैं, उसके पास सिखाने योग्य कोई न कोई पाठ है। कहानी सुनाने के लिए और उनके दिल में कोई सपना है जिसे आपकी स्वीकृति की ज़रुरत है।

हमारा सर्वोत्तम स्वयं, सहानुभूति के शब्दों से बंधा है, जिन्हें हम बिना कहे छोड़ देते हैं यदि हम हार्दिक भावनाएं, जिन्हें हम प्रदर्शित नहीं कर पाते और उत्तम कार्य जिन्हें हम बिना किए छोड़ देते हैं।

इसे लो, कृपया" टायकून ने नम्रता से निवेदन किया, अपने मेहमानों को एक देवदूत का, चित्र देते हुए "इस पृष्ठ पर जो है, वह विशेष महत्त्वपूर्ण है।

"मेरा सुझाव है कि आप इसे बहुत ही उन्मत्त भावनाओं के साथ पढ़ें।"

~

पत्र में यह सब लिखा था :

अरबपति की सूक्ति ***# 10***

पृथ्वी पर स्वर्ग एक स्थिति है, स्थान नहीं

विस्मय में दैनिक यात्रा और आश्चर्य मे नियमित रोमांच ले। आश्चर्य आनन्द का एक सबल तत्त्व है और आपके सदा बुध्दिमान ज्ञान का मुख्य कौशल्य। विश्व के सभी महान स्त्री और पुरुषों ने सीखा कि एक आकर्षक रुप से बिताए जादूभरे दिन के आँचल में कैसे तनाव रहित रहें। अपने जीवन के साथ किये, प्रयोगों से अब मुझे समझ में आ गया है कि अमर दार्शनिकों, रहस्यवादियों तथा-मुक्तिदाताओं-ने जो कहा था कि "पृथ्वी पर स्वर्ग" कोई स्थान नहीं है, जहाँ की यात्रा की जाए, बल्कि एक परिस्थिति है, जहाँ रह सकते हैं। मुझ पर विश्वास करें, जब आप अपने मस्तिष्क की स्थिति को उपजाऊ, अपने हृदय को पवित्र, स्वास्थ्य को सर्वोत्तम तथा आत्मा को उन्नत बनाते हैं जिस प्रकार से आप जीवन को भोगते और उसका अनुभव लेते हैं, वह आपके जीवन के अनुभव का कायापलट कर देता हैं। मगर यदि आप इसे विशेष रूप से समझ-बूझकर नहीं करते, तो आपको पता भी नहीं चलेगा, और मेरे शब्द एक बूढ़े उन्मत्त की बेसिर पैर की बकवास लगेगी। एक पागल बनी दुनिया में, एक समझदार की बात हमेशा पागलपन ही लगनेवाली है, समझे न?

अतः, जब आप निजी उत्कृष्टता को अधिक समय देते हैं, तो आपका आत्म-प्रेम भी बढ़ जाएगा। और सारी वैभवशाली सफलताएँ और निजी आनन्द भी, स्वयं को प्यार करने पर आश्रित हैं। आपकी, शक असुरक्षा और डर से बँधे रहने की कड़ी निम्न अतिरिक मूल्य है। क्योंकि लोगों ने आपसे छोटी उम्र में जो कहा था, आपका अवचेतन मस्तिष्क आपकी वीरता को अतिरंजित और नगण्य समझता है, आपकी उच्चता का दम घोंट देता है और महानता को बांध देता है।

जैसे ही आप गलतफहमियों को छोड़ देते हैं, जो आपको सच बताए गये थे, और जब आप भावनात्मक घावों को त्याग देते हैं जिन्होंने आपको प्यार करने से रोक दिया था और यहाँ मैं रोमांस से बहुत आगे की बात कर रहा हूँ-आप भी इस सारी नई वास्तविकता को समझने का ज्ञान विकसित कर लेंगे, जिसके बारे में मैं इंगित कर रहा हूँ। वह हमेशा से वहीं थी। मगर इस रँगीले फिल्टर के कारण, जिसमें से आप विश्व को देख रहे थे, आपको समझने से रोक दिया था।

अब भी, कुछ नहीं बिगड़ा है। कोई नुकसान नहीं हुआ है। सभी कुछ वैसे ही उघड़ रहा है, जैसे प्रस्तुत होना चाहिए। अपने तौर पर आप समझ जाओगे कि जो भी कुछ आपके साथ हुआ है, अंश मात्र संयोग था। सभी कुछ तुम्हारे विकास के लिए था तथा सब, तुम्हारे अच्छे के लिए था।

~

उद्यमी और कलाकार दोनों को हल्का-सा धक्का लगा जब उन्हें ग्यारहवाँ और अन्तिम जादुई तावीज़ दिखाया गया।

"यदि आप वास्तव में जीवन के जादू में खेलना चाहते हैं, तो इस पर बार-बार ध्यान देवें," अरबपति ने शिक्षा दी और साथ में एक ताबूत का लघु संस्करण दिया।

यह पत्र भी, पहले ही की तरह न लिखा जाकर, लाल स्याही में लिखा गया था। लिखा था :

~

अरबपति की सूक्ति ***# 11***

आगामी कल, एक बोनस है, अधिकार नहीं।

अपनी वीरता को बाद पर मत टालो तथा अपनी प्रशान्तता में देर मत लगाओ। आपका जीवन घंटे भर में बिखर सकता है। मैं एक आशावादी हूँ और आशाओं का असली सौदागर। और तब भी, मैं वास्तववादी भी हूँ। दुर्घटना रोग, हानि और मृत्यु हर रोज होते हैं। यह तो मानव स्वभाव है कि वह सोचता है कि ये बातें कभी नहीं होंगी।

फिर भी, सभी समझदार दार्शनिक हमें हमारी स्थिति की नश्वरता के बारे में सिखाते हैं।

इस अन्तर्ज्ञान से सज्जित होकर, अपनी नश्वरता से जुड़ जाएं। समझ लें कि आपके दिन गिनती के हैं। और हर शोभित सुप्रभात के बाद, आप अपने अन्त के और निकट आते जाते हैं।

अपने उपहार और प्रतिभा व्यक्त करना बंद न करें। और सुनिश्चित कर लें कि आप इस सवारी का आनन्द लेंगे। भव्यता की ओर बढ़ते अच्छा समय बिताएँ। दुःख की बात है कि अधिकांश व्यक्ति, एक खूबसूरत, आनन्द भरे, अद्‌भुत जीवन को तब तक टालते रहते हैं, जब तक कि वे बूढ़े होकर उसका आनन्द लेने लायक नहीं बचते।

जीवन पूरी तरह से एक उदात्त यात्रा है। हम सभी परीक्षण का अनुभव करते हैं। हृदयाघात मगर यह अधिकांश में अच्छा है। हर नायक की कहानी में एक विलेन जरूरी है और कुछ रसीली दुखभरी घटनाएँ, साथ में सफलता, और अन्त में विजय।

अत: जीवन की लघुता को अपनी दृष्टि के सम्मुख रखें। अपने सुख को देर तक न टालें, जब तक आपके पास अधिक समय नहीं है, अथवा आपको प्रमोशन मिलता है अथवा, बैंक में अधिक धन है। ये सब बहाने हैं जो अनुभूतियों से पैदा हुए हैं और आप योग्य नहीं हैं। उन्हें पहचानें और फिर,अपने क्षेत्र से उन्हें बाहर कर दें, ताकि आप अपने उच्चतम स्तरों तक चढ़ सकें।

आगामी कल एक वादा है, सच्चाई नहीं। हर सुबह का आनंद लें हर दिन की सराहना करें जिसे आप इस धरती पर बिता रहे हैं। जोखिम लेवें और फिर उन्हें सामान्य समझ के घेरे में रखे दें। जिएँ ऐसे, मानों कल नहीं आएगा और व्यवहार ऐसा आपको तो युगों-युगों तक जीना है। संतुलन बनाएं ताकि जब, अन्त आ ही जाता है, तो आपको ज्ञात होगा कि आपने जीवन को महान पुरुषों की क्षमता जिसे हर मनुष्य अपने भीतर लेकर चलता है, की राजसी गवाही बन कर जिया है।

फिर, अरबपति ने आगे बढ़कर अपने विद्यार्थियों का चुम्बन लिया।

“मैं तुम दोनों को प्यार करता हूँ, तुम्हें मालूम है। मुझे सचमुच तुम्हारा अभाव बुरा लगेगा।”

फिर वह अपनी पहाड़ों की सायकल पीछे छोड़ अंगूरो के बाग में विलीन हो गए।

अध्याय 17

‘5 AM क्लब’ के सदस्य अपने जीवन के नायक बनते हैं

“एक नायक की भाँति जिएँ। गौरव ग्रन्थ हमें यही सिखाते हैं। उसके प्रमुख पात्र बनें। अन्यथा, जीवन है किस लिए?” –जे.एम.कोस्ट्ज़ी

साऊथ अफ्रीका के केप टाउन में हेलीपेड, वी. एंड.ए. समुद्री तट पर है, जहाँ पर्यटक केप ह्वील की सवारी करते हैं, नौका-नयन की प्रतियोगिताएं होती हैं जहाँ प्रतियोगी नाविक अपनी सप्लाई की आपूर्ति को साहस से भरकर, उत्तेजना से उत्साहित हो, समुद्री प्रतियोगिताओं में लगे रहते हैं, मछली-पकड़ प्रतियोगिताओं के अधिकार-पत्र बुक किये जा सकते हैं तथा कड़क कॉफी भी पाई जा सकेगी।

लाइब्रेरियन जैसे चश्मे पहन, चुलबुली श्यामला ने सुनिश्चित् कर लिया था कि छूट की रसीदों को अरबपति, उद्यमी और कलाकार साइन करे। फिर, वह एक चमड़ा मँढ़े सोफा पर खड़ी हो गई, अपनी नाम-सूची पर नोट्स लिखे और अपने तीनों वीआयपी ग्राहकों को ‘सुरक्षा की सूचनाएँ’ दी, जो अति आवश्यक थीं, इससे पहले कि उनका हॅलीकोप्टर उन्हें रॉबेन आयलेंड उड़ा ले जाए।

जैसा कि आप जानते हैं, रॉबेन आयलेंड एक उजाड़-जैसा, सामान्य बड़ा, शार्कों से घिरा हुआ, अशुभ, अनिष्ट सूचक भूमि का टुकड़ा है जो केप टाउन के समुद्री तट से अधिक दूर नहीं है, जहाँ एक बहुत ही छोटे-से जेल के कमरे में नेलसन मंडेला सत्ताईस में से अठारह वर्ष रहे। समय बीतने पर यह विश्व का महान् व्यक्ति हमलों का, दुर्व्यवहारों का, गलत बातों का शिकार बना। और फिर भी, इस बुरे व्यवहार के जवाब में उसने फूलों के गुलदस्ते दिए, अपने बन्दीकर्ताओं में अच्छाइयाँ देखकर, और अपनी आशा की सुरक्षा के लिए ताकि एक प्रजासत्ताक, गणतंत्र की स्थापना हो सके, जिसमें सभी व्यक्ति समान होगें। महात्मा गांधी के बारे में एक बार बोलते हुए, आइंस्टाइन ने कहा था, “आनेवाली पीढ़ियाँ शायद ही विश्वास करें कि ऐसा, मनुष्य कभी साकार रूप से, इस पृथ्वी पर, रक्त-मांस से बना, चला होगा।” ऐसा ही कुछ, नेल्सन मँडेला के बारे में कहा जा सकता था।

“यह बहुत आनंद की बात है, कि आप यहाँ कुछ दिनों के लिए इस टापू पर आए हैं,” उस महिला ने नम्रता से कहा। दक्षिण अफ्रीकी दर्शनीय रूप से शिष्ट और गम्भीर व्यक्ति हैं।

अरबपति ने एक काली, बेस बॉल की टोपी पहनी हुई थी, जिस पर “नेतृत्व करना उपयोगी है” - अगले हिस्से में लिखकर सिला हुआ था।

“हेलिपेड पर कदम रखने के बाद, आपको इसे निकालना होगा, युवा पुरुष,” स्त्री ने अपनी आँखों में सुनहली चमक लाकर कहा।

अरबपति ने मुस्कराते हुए कहा, “मुझे लगता है कि वह मुझे पसन्द करती है।” उसने अपने साथियों से धीरे से कहा। “आज हमारा, साथ में अन्तिम दिन है।” उसने वास्तविकतापूर्वक आगे बताया। सावधानी के निर्देश देने के बाद, अरबपति, उद्यमी तथा कलाकार को बिल्डिंग से बाहर, पक्के बने क्षेत्र में लाया गया जहाँ मौसमों की मार झेलीं दो पिकनिक की टेबलें लगी हुईं थीं। वैसे तो सूरज निकला हुआ था, मगर हवा तूफानी थी। अरबपति ने अपना हैट उतार दिया।

“मैं कुछ उत्सुकता अनुभव कर रहा हूँ,” अरबपति ने सोचा। “मैं पहले कभी रोबेन आयलेंड नहीं आया। मैं ने बहुत-कुछ पढ़ा है कि वहाँ अमानवीय एवं दुष्टता के दिनों में जब जातिभेद और रंगभेद प्रचलित थे, तब लोगों के रंगों के अनुसार उनके साथ व्यवहार किया जाता था, उनकी बुद्धि और ज्ञान के अनुसार नहीं, और न उनके हृदय के गुण के अनुसार।

एक गम्भीर-सा दिखनेवाला छरहरा सा युवक दुर्बल-सा रेनकोट और खाकी पेंट और नौकायन के जूते पहने, सहसा रिक्त संरक्षण खण्ड में से निकला और प्रार्थना की कि अरबपति और उनके विद्यार्थी हेलीपेड से बाहर उसके, पीछे चले आएँ। आर्मी का एक हरा हैलीकॉप्टर उस क्षेत्र के बीचोंबीच खड़ा था और उसके रोटर्स

प्रभावशाली ढंग से घूम रहे थे। चालक के स्थान पर पायलट बैठा था और डायलों और घुमटियों को सँवार रहा था। युवा ने बारीकी से हर वस्तु को देखकर सुनिश्चित किया कि उसके तीनों ग्राहक वायुयान में ठीक स्थान में बैठ गये हैं, सुरक्षित और वज़न के अनुसार बँटे हुए, फिर एक मायक्रो फोन के साथ लगा हुआ हेडफोन उसने अरबपति के सिर पर लगा दिया।

"शुभ प्रभात! अरबपति ने मुस्कार कर उत्साहपूर्वक हॅलीकॉप्टर के पायलट से कहा, रोटर्स की गति बढ़ गई। पायलट का चेहरा उसके हॅल्मेट उडाकू नीचे के चश्मे और उसके चेहरा रक्षक के नीचे दिख नहीं कर रहा था। और एक भी शब्द कहने से इन्कार कर दिया।

अरबपति ने बुदबुदाकर कहा-"तनिक-सा भी मैत्रीपूर्ण नहीं है।" शेष दोनों भी चिंताग्रस्त थे, मगर जीवन में एक बार होनेवाले अनुभव के लिए उत्सुक थे जो अब आरम्भ होने ही वाला था।

हैलीकॉप्टर ने उठना आरम्भ किया, आरम्भ में धीरे-धीरे और फिर शीघ्रता से। यात्रा मे 5 मिनट लगेगें हवा और समन्दर आज कुछ अधिक ही उबाल पर है," पायलट ने सिर्फ इतना ही कहा। और यह भी बहुत नम्रता से बोला।

अरबपति, कलाकार और उद्यमी शान्त बैठे रहे। उनमें से प्रत्येक, सिर्फ रॉबेन आयलेंड को घूर रहा था। एक भूखण्ड जो अब विशाल दिख रहा था-और बहुत निष्ठुर भी-ज्यों ज्यों वे उसके निकट पहुँचे।

एयरक्राफ्ट एक गद्दीदार तह पर उतरा जिसे छोटे-छोटे पेड़ों ने घेर रखा था और जब उसने सात उछाले बहुत शाही ढंग से लीं। हाँ, सात उछालें! और उसी समय बारिश शुरू हो गई। और, एक और दोहरा इन्द्रधनुष, उसके समान जो मारीशस डॉल्फिन स्विम में बना था-पूरे आकाश में, क्षितिज की पूरी लम्बाई में, जिसने एटलांटिक सागर को काटा।

"सभी-कुछ बहुत असाधारण," कलाकार ने ध्यान दिया अपनी पत्नी की बाँहों को बाँहों में लिए।

"हम निश्चय से जादू में प्रवेश कर चुके हैं," अरबपति ने आदरणीय लहजे में कहा जिसमें रॉबेन आयलेंड जाने के अनुभव का असीमित मूल्यांकन किया गया था, साथ ही वहाँ जो मानव जीवन नष्ट हुए थे, उनका दुःख भी था।

पॉयलॅट कॉकपिट में विलम्ब लगा रहा था, बटनों को दबा रहा था और हेलीकोप्टर को बन्द कर रहा था। जबकि उसके तीन यात्री कड़ी जमीन पर उतरे, चुपचाप वहाँ प्रवेश किया। न जाने कहाँ से, एक पुराना पिकअप ट्रक, जिस की एक तरफ 'KSA' लिखा था। उनकी ओर धूल के बादल उड़ाता दौड़ा आया।

"तुम लोगों को यहाँ नहीं होना चाहित था, ड्राईवर जो निश्चय ही कोई सुरक्षाकर्मी था, ने दक्षिणी अफ्रीकी अन्दाज में चिल्लाकर कहा। जब वह हैलीकॉप्टर के निकट पहुँच चुका था। वह अपने वाहन में ही बैठा रहा।

"मौसम के कारण, रॉबेन आयलेंड जनता के लिए बन्द कर दिया गया है," उसने जोर देकर कहा।" सारी नौकाओं ने चलना बन्द कर दिया है। कोई भी वाहन बन्दरगाह के निकट यहाँ नहीं आ सकता है और कोई हैलीकॉप्टर भी उतार नहीं सकता है। तुम्हें यह जानना चाहिए था!" तुमको यहाँ नहीं होना चाहिए!" ऑफीसर ने जोर दिया, और आगे कहा, "आप लोग कौन हैं?"

सुरक्षाकर्मी हर समय उद्यमी रहते हैं। मगर यह तो दर्शनीय रूप से आश्चर्यचकित था। और निश्चय ही, कुछ डाँवाडोल भी। शायद सोच रहा हो कि एयरक्राफ्ट के व्यक्तियों ने शायद किसी भौमिक आक्रमण की योजना बना रखी थी, और सोचते हुए कि अप्रत्यशित आंगुतकों के अवैध इरादे थे।

"यहाँ सब ठीक है," पायलट ने दृढ़ता और विश्वास से कहा, जैसा अक्सर नहीं देखा जाता है। वह अब हैलीकाप्टर से बाहर खड़ा था और धीरे-धीरे ट्रक के आदमी की ओर बढ़ने लगा, पहले अपनी कमीज अपने हेल्मेट को ठीक किया, जो उसने भी पहना हुआ था। पायलट युवा नहीं था, आप उसके चलने के ढंग से समझ सकते हैं।

"आज का दिन उनके लिए विशेष है," पायलट ने टिप्पणी की, उसकी आवाज़ और ऊँची हो गई थी। "ये लोग बहुत दूर से देखने आए हैं नेल्सन मंडेला को किस जेल में रखा गया था। ये यहाँ चूने के पत्थरों की खदान देखने आए हैं, जहाँ वे दस वर्षों से अधिक समय तक पत्थरों को ढोते रहे। कड़ाके की, कड़ी निष्ठुर धूप जिसने पत्थर पर पड़कर-चमककर, जीवन भर के लिए उन्हें आँखों से अंधा कर दिया था, ये उस प्रांगण को देखना चाहते हैं, जहाँ राजनीतिज्ञ व्यायाम करते थे और टेनिस बॉल में अपने साथी राजनैतिक कैदियों के लिए गुप्त सन्देश भेजते थे

जो पड़ोस के जेल के कमरे में बन्द थे। वे उस स्थान पर जाना चाहते हैं जहाँ नेल्सन मँडेला की "लाँग वॉक टू फ्रीडम," उनकी जीवनी, जिस पर उन्होंने अनेकों घंटे खर्च किए थे। गुप्त रूप से धरती में गाड़ दी गई थी, उन्हें अनुभव की आवश्यकता है कम से कम थोड़ी सी मँडेला ने जो कठिनाइयाँ भंयकर अठारह बरस सहीं उन्हें सीखना चाहिए कि कैसे, उनके साथ अमानवीय व्यवहार हुआ था - उनके जीवन के सर्वश्रेष्ठ साल चुरा लिए गये थे - एक बार जेल से छूटने के बाद, उन्होंने उन सबों को क्षमा कर दिया, जिन्होंने उनके साथ निर्दयता की थी।"

पायलट पिकअप ट्रक के सामने रुक गया। "ये लोग भी स्वयं, वास्तविक हीरो बनना चाहते हैं, ऐसा मैंने सुना है। अपने व्यावसायिक और निजी जीवन में, वे अपने उत्पादन के नायक बनना चाहते हैं, पूर्ण रूप से अपने नायकत्व के प्रतिरुप और शायद, अच्छी मानवता की सम्पूर्णता की मार्ग-प्रदर्शक मशाल। हमारी पृथ्वी को सम्पूर्ण नायकों की इतनी आवश्यकता पहले कभी नहीं रही,जितनी आज है। और, जैसा कि मैं हमेशा पढ़ाता हूँ, जब मैं मंच से बोलता हूँ: उन लोगों की प्रतीक्षा क्यों करें जब वे बातें आपमें हैं कि आप उनमें से एक बन सकते हैं?

"क्या आप सहमत नहीं हैं, स्टोन?" पायलट ने पूछा और अरबपति की ओर मुड़ने से और उसका चेहरा, तत्काल खुला रह गया।

फिर पायलट ने, सावधानी से धीमी गति में, अपने चेहरे के रक्षा कवच निकाले। फिर, उसने अपने सन् ग्लासेस उतारे। और अन्त में, अपना हेल्मेट उतारा।

अरबपति, उद्यमी और कलाकार - उन्होंने जो देखा, उसे देख स्तम्भित रह गये।

वह निपुण वक्ता थे।

बंजर तथा प्रतिदीप्तित उजाले ने रोबेन द्वीप की जेल को भूतिया बना दिया था, दिन में भी मितव्ययी, क्रूर और भद्दा महसूस होना। उस अद्भुत दक्षिण अफ्रीकी प्रात:काल को, मानों कोई अदृश्य हाथ *5 AM* क्लब के सदस्यों को संचालित कर रहे थे। क्योंकि किसी मूल्यवान संगीतलहरी की स्वरावलियाँ - जिसे अरबपति "सम्मोहक इंद्रजाल" कहेंगे-वह सुरक्षा अधिकारी, जो धूल धूसरित पिकअप ट्रक में दौड़ा था, वह निपुण वक्ता का विशाल अनुयायी था। "मैं आपका # 1 सबसे बड़ा प्रंशसक हूँ,"। वह निपुण वक्ता के कार्यों को इतना अधिक पसंद करता था।

अत: आप विश्वास नहीं करेंगे, मगर यथार्थ में ऐसा हुआ-गृह-व्यवस्था का प्रमुख, रक्षक से स्वीकृति मिलने के बाद, यात्रा वाहन को आरम्भ कर, जो उस दिन बुरे मौसम के कारण चलनेवाली नहीं थी, उसे वहाँ तक ले गया जहाँ वे दर्शक खड़े थे। उसने एक मार्ग-दर्शक जो तब द्वीप पर थे, झंडा लहराने के लिए और ज़ेल को पूरी तरह से निजी यात्रा के लिए खोलने के लिए पूछा, मात्र अरबपति, उद्यमी, कलाकार तथा निपुण वक्ता के लिए।

हर एक के जीवन में, विशेष करके सबसे कठोर जीवन में, सम्भावनाओं के द्वारा तथा चमत्कारों के प्रवेशद्वार खुल जाते हैं, इस सच्चाई को प्रकट करते हुए कि हममें से प्रत्येक, जो कुछ भी अनुभव कर रहा हैं, वह किसी बुद्धिमान का अंश है-और हाँ। अधिकांश में असंगत और तर्कविरुद्ध। योजना है हमें अपनी महान् शक्तियों, अद्भुत परिस्थितियों और सर्वश्रेष्ठ अच्छाइयों के निकट खिंचने की। हम अपने जीवन यात्रा में जिन बातों से गुजरते हैं, सच में एक अद्भुत संगीत-लहरी है, हमें हमारे सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से सर्वोच्च से, आभावान नायक से भेंट कराने की, जो हममें से प्रत्येक के भीतर बसा हुआ है। हाँ, हममें से हर एक के अन्दर। इसका अर्थ हुआ, आपके भीतर भी।

यात्रा के मार्गदर्शक, जो एक पुराने राजनैतिक कैदी भी थे, एक विशाल डील डौल के रूखी आवाजवाले महान् व्यक्ति थे। जब वे अपने मेहमानों को उस कोठरी के पास ले जा रहे थे, जहाँ मंडेला को इतने दीर्घ और कठोर वर्षों तक, रहने को मजबूर किया गया, वह उनके हर पूछे प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

"क्या आप नेल्सन मँडेला को जानते थे?" निपुण वक्ता ने सोच समझ कर पूछा। "हाँ मैंने उनक साथ, इस रॉबेन टापू पर आठ वर्ष की जेल काटी है।"

"व्यक्ति के रूप में वह कैसे थे?" कलाकार ने पूछा जो भावनाओं से विह्वल थे, उन भावनाओं से जिन्हें वे उस जेल के बरामदे में से चलते हुए अनुभव कर रहे थे, जहाँ रंगभेद के समय बहुत सारे अत्याचार हुए थे।

“ओह!” गाइड ने मृदुता से कहा जिसमें समझदारी की मुस्कन भी थी। “वह मनुष्य तो विनम्र सेवक थे।”

“और नेता के रूप में नेल्सन मँडेला कैसे थे?” उद्यमी ने जोर देकर पूछा।

“विस्मयकारी, गरिमामय।” जिस प्रकार से उन्होंने खुद को सँभाला, और जो कुछ उन्होंने किया, प्रेरणादायक है। वह अपने सह-नेता से अक्सर इसी बरामदे में मिलते,” गाइड ने समझाया और आगे वहाँ पैर रखा, जहाँ राजनैतिक क़ैदी चलते, बोलते, योजनाएँ बनाते और खड़े होते थे।” वह पूछेगें “क्या तुम सीख रहे हो?” वह अक्सर यह भी कहेंगे “प्रत्येक एक, एक को सिखाएं” इस प्रकार से अपने साथियों को अपने प्रति दिन के ज्ञान को ताकि उनके आस-पास के लोगों की नायकत्व क्षमता बढ़ जाए। मि. मंडेला समझ चुके थे कि विद्या ही स्वतंत्रता का राजमार्ग है।

“उस आदमी के साथ इतना बुरा व्यवहार किया गया। कमर तोड़ मेहनत, चूने की खदान की! अधोगति और अपमान! उनके यहाँ आने के कुछ साल बाद, उनसे एक कब्र खोदने को कहा गया और फिर उसमें सोने को।” टूर गाइड ने कहा।

“उन्होंने सोचा होगा कि यह तो अन्त है,” अरबपति ने मृदुता से पूछा।

“शायद,” गाइड ने जवाब दिया। “मगर इसके स्थान पर, पहरेदारों ने अपने पेंटों की ज़िप सरकाई और उसके ऊपर पेशाब कर दी।”

निपुणवक्ता, अरबपति तथा उद्यमी और कलाकार-सभी नीचे देखने लगे थे।

“हम सभी के, अपने-अपने रोबेन द्वीप हैं जो हमें बन्धनों में बाँध सकते हैं। मेरा ख़याल है,” अरबपति ने विचार मग्न होकर कहा।

“जैसे हम जीवन में से गुज़रते हैं, हम अपने स्वयं के परीक्षण तथा अन्याय सहते हैं। कुछ भी इतना गम्भीर नहीं, जितना यहाँ हुआ था। मैंने पढ़ा था कि नेल्सन मंडेला को सबसे ज्यादा दुःख तब लगा था जब उसे अपने बड़े पुत्र की अन्त्येष्टि में नहीं जाने दिया था, जिसकी मृत्यु कार दुर्घटना में हुई थी,” अरबपति ने बताया। उन्होंने आसमान की ओर देखा।” मेरा खयाल है कि हम सबके अपने पश्चाताप हैं। और उनमें से कोई भी, अग्नि-परीक्षा या हादसों के बिना, उन में से नहीं निकलता।” पर्यटन पथ-प्रदर्शक ने बरामदे में जाने के रास्ते के दाई ओर की चौथी खिड़की की तरफ इशारा किया कहा, “वहाँ, वह है नेल्सन मँडेला की कोठरी, चलो अन्दर चलें।”

कमरा बहुत ही छोटा था। कोई बिस्तर नहीं। एक छोटी-सी लकड़ी की टेबल जिस पर क़ैदी को अपनी डायरी लिखने के लिए झुकना पड़ता था क्योकि वहाँ कोई कुर्सी नहीं थी, ठोस बजरी का फर्श और भूरा ऊनी कंबल, जिस पर हरे लाल धब्बे पड़े थे।

अपनी क़ैद के पहले साल में, नेल्सन मँडेला को फुल पैंट पहनने की भी इजाजत नहीं थी, जबकि दक्षिणी अफ्रीकी सर्दियाँ जमा देनेवाली होती हैं। उन्हें सिर्फ एक पतली शर्ट और पतली झीनी हाफ पेंट दी गई थी। जब वे स्नान करते तो पहरेदार खड़े होकर इस प्रौढ़ व्यक्ति को नग्न खड़ा देखते-नीचा दिखाने का एक ओछा प्रयत्न, ताकि वे अपनी हिम्मत हार जाएं। जब खाने का समय होता, उन्हें जानवरों के भोजन से भी बदतर भोजन दिया जाता, जब उनकी पत्नी और पुत्रों के पत्र आते, अक्सर उन्हें दिए नहीं जाते थे। और अगर दिये जाते, तो उन्हें गम्भीर रूप से जाँचा जाता। यह सब मि. मँडेला की आत्मा को मारने करने के लिए किया जाता,” पथ-प्रदर्शक ने समझाया।

“मुझे प्रतीत होता है, कि उन्होंने उफनते समुद्र से घिरे इस एकान्त टापू में इस जेल के, जूते के डिब्बे-जैसे, कमरे में, जो भी सहन किया है, उसने उन्हें विकसित किया, शक्ति दी और उभारकर प्रकट किया। यह जेल उनकी कड़ी परीक्षा बना, यह दुर्व्यवहार उनकी मुक्ति बना जिसने उन्हें उनकी स्वाभाविक ऊर्जा, उच्चतम मानवता और एक निर्दोष का सम्पूर्ण स्वरूप दिया। आज की मतलबी उदासीन और मानवता से कट चुके लोगों की दुनिया में, वह उन्हीं वस्तुओं से बढ़ें, जो उन्हें दी गई और इस ग्रह के एक चमकदार सितारे बने। एक आदमी जो शेष बचे हम सबको सिखाएंगें कि नायकत्व, धैर्य, प्रेम कैसे होते हैं। और ऐसा करते हुए, वह क्षमाशीलता के महान् चिन्ह बन गये और शान्ति के प्रतीक, निपुण वक्ता ने प्रस्तुत किया।

“हाँ, सचमुच में”, पथ प्रदर्शक ने जवाब दिया। जब मँडेला को अन्त में जेल से छोड़ दिया गया तो रॉबेन आयलेंड से उन्हें आज जिसे Drakenstein Correctional Centre, कहते हैं, जो Paarl तथा Franschhoek के

बीच में है, भेज दिया गया। उनका दक्षिण अफ्रीका के प्रेसीडेंट के रूप में आरोहण अनिवार्य था, वे इस स्थान की योग्यता के लिए तैयार किये गए कि वे एक स्वतंत्र मगर बहुत अधिक से बँटे राष्ट्र का नेतृत्व करें। अपनी कैद के अन्तिम दिनों में उन्हें वॉर्डन का घर दिया गया। और अपनी रिहाई के दिन, उन्होंने इस स्थान से एक लम्बी दूरी, पथरीले मार्ग पर चल कर पार की, जिसके अन्त में एक पहरेदार की चौकी और एक सफेद द्वार था। जेल के अधिकारियों ने मंडेला से पूछा कि क्या वह स्वतंत्रता की ओर कार से जाना पसन्द करेंगे, तो उन्होंने इन्कार कर दिया और कहा कि पैदल जाएंगे। और इस तरह से यह परिवर्तनकारी नेता मगर यह कैदी नेता और इतिहास सर्जक, जिसने एक विरासत छोड़ी है जो पीढ़ियों को प्रेरित करेगी, ने लम्बे समय से प्रतिक्षित आज़ादी की ओर डगमगाते कदम बढ़ाए।"

गाइड ने एक लम्बी, थकी हुई साँस ली। फिर वह आगे बढ़ा।

"मि. मंडेला को एक ऐसा देश दिया गया था जो गृहयुद्ध की नोक पर था, फिर भी, किसी तरह से उन्होंने उसे सँभाला और वे नाशक बनने के स्थान पर एकीकारक बने। मुझे उनके एक, प्रसिद्ध व्याख्यान के शब्द ठीक से याद हैं जो उन्होंने अपनी कोर्ट की कार्यवाही के दौरान कहे थे:

"अपने जीवन काल में, मैंने स्वयं को, अफ्रीकी लोगों के इस संघर्ष को समर्पित कर दिया था। मैंने गोरों के प्रभुत्व के खिलाफ लड़ाई लड़ी है, और मैंने कालों की प्रभुता के लिए युद्ध लड़ा है। मैंने लोक तांत्रिकता और स्वतंत्र समाज के आदर्श को पोषित किया है, जिसमें सभी व्यक्ति मेल-जोल के साथ मिलकर तथा समान अवसरों के साथ रहते हैं। यही वह ध्येय है, जिसके लिए मैं जीना चाहता हूँ, और पूरा होते देखना चाहता हूँ। मगर...यदि आवश्यक हुआ तो, यह एक ऐसा आदर्श है, जिसके लिए मैं मरने को तैयार हूँ।"

मि. रिले ने अपने गले को साफ किया। वे छोटी-सी कोठरी के फर्श को निरन्तर देखते रहे।

"मि. मंडेला एक सच्चे नायक थे," पथ प्रदर्शक ने स्वीकार किया।" अपनी रिहाई के बाद उन्होंने उस अभियोक्ता को डिनर के लिए आमंत्रित किया, जिसने उसके लिए मृत्युदण्ड माँगा था। आप क्या इस पर विश्वास कर सकते हैं? और उसने उन में से एक जेलर से कहा जो यहाँ रॉबेन आयलेंड पर उनकी निगरानी कर रहा था, कि वह

उनके साउथ आफ्रिका के प्रेसीडेंट बनने के उत्सव में अवश्य आवें।"

"क्या सच में?" उद्यमी ने धीमे से पूछा।

"हाँ, यह सच है," गाइड ने कहा। "वह एक वास्तविक नायक थे; वास्तव में क्षमा-दायक।"

"निपुण वक्ता ने एक उँगली उठा कर संकेत किया, कि वह एक और मुद्दे पर जानकारी बाँटना चाहते थे :" नेल्सन मंडेला ने लिखा था, "जब मैं अपने दरवाज़े से बाहर गेट की ओर बढ़ा, जो मुझे मेरी आज़ादी की ओर ले जानेवाला था, मैं जान गया था कि यदि मैंने अपने कडुवेपन और घृणा का त्याग नहीं किया, तो मैं अभी भी कैद में ही में रह जाऊँगा।"

उन्होंने यह भी कहा था, "स्वतंत्रता का अर्थ, सिर्फ अपनी बेड़ियों को काटना नहीं होता, बल्कि इस प्रकार से रहना होता है जो दूसरों की स्वतंत्रता को आदर देता है, और बढ़ाता है," गाइड ने आगे कहा, "कोई भी व्यक्ति किसी और से घृणा करते हुए पैदा नहीं होता, क्योंकि उनकी चमड़ियों का रंग अलग है, उसकी पृष्ठभूमि या धर्म अलग है। लोगों को घृणा करना सीखना पड़ेगा। और वे यदि घृणा करना सीख गए, तो उन्हें फिर, प्यार करना भी सिखाया जा सकता है, क्योंकि प्यार बहुत सहजता से मानव-हृदय में आ जाता है, बजाय उसके विपरीत के।"

'मैंने पढ़ा था कि वे अक्सर सुबह 5 बजे उठ जाते थे और एक ही जगह पर, पैंतालीस मिनिट दौड़ते थे। फिर, दो सौ दण्ड बैठक लगाते थे, और फिर एक सौ फिंगर टिप पुशअप्स करते थे। यही कारण है कि मैं भी अपने पुशअप्स करता हूँ," अरबपति ने कुछ अजीब ढंग से कहा।

कोठड़ी "हुऽऽम," गाइड ने आगे बोलने से पहले कहा, "मि. मंडेला यहाँ इस में एक गर्म दिमाग क्रोधी, आक्रामक और युद्धप्रिय लड़ाकू युवा के रूप में आए थे। वह ही थे जिनका विकास इस जेल में हुआ था, जिसने उन्हें महापुरुष बनाया जिनका आज हम सब आदर करते हैं। जैसा कि ऑर्कबिशप डेसमण्ड टुटू ने हमें सिखाया, 'दुख-दर्द या तो हमें कडुवा बना देता है अथवा उदात्त के साथ, मदीबा-जो उनके कबीले का नाम था - बादवाला चुना

था।"

"विश्व के सभी सर्वश्रेष्ठ स्त्री-पुरुषों में एक बात सर्व सामान्य होती है।।" निपुण वक्ता ने कहा : "हद से ज़्यादा पीड़ा। और उनमें से प्रत्येक, अपनी महानता में पनप गया, क्योंकि वे अपनी परिस्थितियों को भरने पवित्र-शुद्ध होने और स्वयं को ऊपर उठाने के लिए, उत्तोलन करते हैं।"

निपुण वक्ता ने फिर अपनी जॅकेट से अन्तिम निर्णायक मैडल निकाला जिसे दोनों विद्यार्थी देखेंगे। इसे नायकों वाला मानव-घेरा कहते थे। वह ऐसा दिखता था :

नायकों वाला मानव-घेरा

"ये वे गुण हैं जिनकी, हममें से प्रत्येक को बेहतर समाज के लाभ विश्व परिवर्तनकारी हीरो बनने की

महत्त्वाकांक्षा करनी चाहिए", निपुण वक्ता ने कहा। आज की सुबह, उसकी वाणी में दोनों थे, विषाद और अटूट बल।

"नायकत्व हर किसी के लिए है। हममें से प्रत्येक, चाहे हम कहीं भी रहते हों, जो चाहे करते हों, हमारे साथ पहले क्या हो चुका है, और हम इस समय क्या अनुभव कर रहे हैं, हर हालत में दोष के बन्धनों, घृणा की जंजीरें और भावशून्यता -उदासीनता-निरुत्साह की बेड़ियों को और जेल की सामान्य दीवारों को तोड़ दो जो हमें हमारी सबसे निचली काली शक्तियों का गुलाम बनाकर रखे हुए है। हममें प्रत्येक को अवश्य, सुबह 5 बजे उठना चाहिए और अपनी प्रबुद्धता, प्रतिभा को विकसित करने और चरित्र को गहरा बनाने तथा अपनी आत्मा को ऊपर उठाने के लिए, आप जो कुछ कर सकते हैं, करें।"

निपुण वक्ता बोलते-बोलते रोने लगे। "हम सबों को अपनी निजी जेल की दीवारें तोड़नी हैं जो हमारे गौरव को बन्दी बनाये है और राजसी स्वभाव को बन्धनों में रखे है। कृपया याद रखें कि उपहार और बुद्धि यदि भुला दिए गये तो वे शाप और दुःख बन जाते हैं।"

निपुण वक्ता ने विराम लिया।

"यह आपका समय है", उसने उद्यमी और कलाकार को आँखों में सीधे देखते हुए कहा।

"नायकोंवाले मानव घेरे" को फ्रेम में लगाकर उस छोटी-सी टेबल पर लगा दिया गया था जो डण्डेवाली खिड़की के नीचे थी। निपुण वक्ता उसे घसीटकर स्थान के बीचोंबीच ले आए, उस विशेष दिन यह जेल की सेल में आकर्षण का केन्द्र बन गयी।

निपुण वक्ता ने तब अरबपति, उद्यमी और कलाकार तथा टूर गाइड से चित्र के पास खड़े रहने को कहा। एक-दूसरे के हाथ पकड़े।

"कोई बात नहीं, हम किन मुसीबतों का सामना करते हैं और कौन-कौन से विरोधों को हमें सहना पड़ेगा। कोई बात नहीं क्या आक्रमण, अपमान और उग्रता, हम पर बरसाए गए। हमें बने रहना चाहिए। हमें जारी रखना चाहिए। हमें सशक्त बने रहना चाहिए। हमें अपने उज्ज्वल स्वभाव के साथ जीना चाहिए और अपने राजसी स्वयं को अनेक गुना बढाएं। फिर भले ही, हमें लगे कि सारी दुनिया हमारे खिलाफ है। यही है जो हमें वास्तव में मानव बनाता है। भले ही लगे कि रोशनी कभी अँधेरे को नहीं भेदेगी। स्वतंत्रता की ओर बढ़ते रहें। अनुग्रह की मिसाल दें, हम में से अधिकांश के लिए। असली प्यार का प्रदर्शन करें हम सब के लिए।

"अब, यह क्षण आपका है," निपुण वक्ता ने कहा, अपना एक हाथ उठाकर, कलाकार की बाँह पर रखते हुए कहा। उन्होंने अपना दूसरा हाथ मृदुता से उद्यमी के कन्धों पर रखा। एक शान्त मुस्कान उसके चेहरे पर फैल गई। वह निर्मल दिखा और प्रशान्त भी।

"किस बात का समय?" कलाकार विस्मित हुआ।

"तीर्थयात्रा करने का," सीधा-सा उत्तर था।

"कहाँ?" उद्यमी ने पूछा, थोड़ा परेशान दिखते हुए।

"एक क्षेत्र, जिसे विरासत कहते हैं।" निपुण वक्ता ने संकेत दिया। यहाँ बहुत सारे लोग पर्यटक हैं। उनकी मूल्यवान प्रात: के उड़ते क्षणों के लिए वे सोचते हैं कि उन्होंने किन कार्यों को किया है और वे मृत्यु के बाद अपने पीछे क्या छोड़ जाएँगे। छोटे-से विरामों के बाद, इससे पहले कि वे ध्यान खो बैठें, वे अपने उत्पादकता के मूल्य अपनी श्रेष्ठता का स्तर और प्रभाव की गहराई पर विचार करते हैं। मात्र अल्प समय-काल के लिए, इससे पहले कि वे व्यस्तता में जकड़े जाएं। वे यह देखने के लिए रुक जाते हैं कि उन्होंने जीवन को कितनी सुन्दरता से जिया है और वे कितने अधिक मददगार रहे थे। वे इस क्षेत्र के सिर्फ आगुंतक हैं।"

मि.रिले ने अपनी बाँह को बहुत ऊपर उठाया और अपने ज्ञान-गुरु के शब्द सुनते रहे।" मैं अपने जीवन से प्यार करता हूँ। मैं और भी अच्छा नायक बन सकूँगा। मैं और भी अच्छा सहयोग दे सकूँगा और मैं उच्च कोटि का प्रेरणादायक मानव बनूँगा," उन्होंने अधिकांश रूप से स्वयं को ही सम्बोधित किया था।

"मानव जाति के विशिष्ट नायक गण," निपुण वक्ता ने आगे कहना जारी रखा, "इस क्षेत्र के नागरिक और

आजीवन वासी थे। यह उनका जन्म स्थल था। और यही है जिसने उन्हें प्रसिद्ध बना दिया। अपने जीवन के इर्द गिर्द जिस शक्तिशाली मिशन का निर्माण उन्होने किया उसके अस्तित्व का कारण उन के स्वयं से बड़ा था। अत: जब वे मरे, वे हमारे विश्व को जितना पाया, उससे ज्यादा उज्ज्वल छोड़ गए।

“हम सभी एक ‘समाप्ति की तारीख’ के साथ जन्म लेते हैं,” अरबपति ने जोड़ा-“कोई नहीं जानता कि हम कितनी देर जीते हैं।”

“सच है,” उद्यमी ने सहमति में कहा।

“आज,” निपुण वक्ता ने घोषणा की, “और यही क्षण आपकी प्रतिबद्धता के योग्य है और मांग करता है, कि आप एक उदात्त रचनात्मक आदिम काल से ही सृजनशील, क्षयोन्मुख हो आकर्षित हुए सज्जन और बहुतों के सेवक बने। कृपया अपनी प्रवीणता को टालना बन्द करें। अपनी आदिम शक्ति का अवरोध करना बन्द करें। भय, अस्वीकारण, संशय और असन्तोष-जैसी काली शक्तियों को अपने चमकदार स्वयं के प्रकाश को धूमिल करने की अनुमति न दें। यह तम्हारा समय है। और अब तुम्हारा दिन है; कि आप एक लम्बी छलाँग लगावें, अपने मौलिक तरीके से, उस वायु में, जिसमें सर्वश्रेष्ठ नेता कभी भी जिए हों, और वास्तविक ज्ञानगुरुओं, प्रमुख गुणवानों, प्रमाणित नायकों के संसार में प्रवेश करें जो मानव-संस्कृति की उन्नति के भाग्य-विधाता थे।”

सभी पाँचों, अब भी घेरे में सिमटे थे। मि. रिले ने आलापना शुरू किया मगर निपुण वक्ता की कड़ी दृष्टि ने उनकी आवाज को धीमी करा दिया। दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराए। एक-दूसरे को आदर देने का स्पष्ट संकेत।

“नायकत्व का अर्थ होता है जिस तरह से आप रहते हैं, उससे दूसरों को प्रेरणा देना, नेतृत्व करने का तात्पर्य है अपने सबसे मुश्किल समयों की अग्नि में से गुजर कर क्षमाशीलता तक पहुँचना। नायकत्व करने का अर्थ है, हर प्रकार के मामूलीपन-को अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकना और उस महानता का चमत्कारपूर्ण उत्सव मनाना जो आपका जन्म सिद्ध अधिकार है। नेतृत्व करने का अर्थ है अपनी भयानकताओं को विजयों में बदलना और अपने प्रत्येक हृदय-विदारण को शूरवीरता का कार्य बनाना। और, इन सबसे अधिक नेतृत्व करने का अर्थ है हमारे छोटे-से ग्रह पर अच्छाई की शक्ति बन कर विचरना। आज आपको इस महान् आह्वान को स्वीकारते हैं जो उस मानक को बढ़ाने के लिए है ताकि उसके द्वारा आप अपना शेष जीवन जिएँ।”

“या, कम-से-कम कल से तो आरम्भ करें,” अरबपति ने शरारत भरी मुस्कान से कहा।

“आरम्भ करते हैं 5 बजे प्रात:,” सभी ने एक साथ कहा, “अपनी सुबह के स्वामी बनो। अपना जीवन उन्नत बनाओ!”

उपसंहार

पाँच साल बाद

रॉबेन टापू पर समय बिताने के कुछ महीनों बाद, स्टोन रिले गुज़र गये।

वह उस रोम के ऐतिहासिक केन्द्र के एक छोटे-से कमरे में उनकी नींद में शांति से मृत्यु हो गई। उनकी प्यारी बेटी उनके साथ थी। जैसे कि निपुण वक्ता।

महानायक की मृत्यु के दिन, पहले से बहुत अधिक कबूतर और तितलियाँ उस शाश्वत शहर में उड़ी थीं। एक दोहरा इन्द्रधनुष जो स्पेनिश सीढ़ियों से लेकर कॉलोसियम तक फैला हुआ था।

यदि आप उसे देखने के लिए वहाँ होते तो आप प्रभावित हो गए होते।

अरबपति एक विरल और असाध्य रोग से पीड़ित थे जो उन्होंने किसी को नहीं बताई थी सिवाय निपुण वक्ता के, क्योंकि वह उनके गहरे मित्र थे।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि अपने अन्तिम दिनों में, उतावले उद्यमी ने अपने विभिन्न कार्यों की विशाल गति विधियों को समाप्त कर दिया था और सारी राशि दान कर दी थी।

मि. रिले ने अपना मॉरीशस का समुद्र किनारे का कम्पाउण्ड उद्यमी और कलाकार को देने का निश्चय कर लिया था। क्योंकि वे जानते थे कि उन्हें वहाँ रहकर कितना आनन्द आता था।

मुझे बतलाने दें कि उद्यमी और कलाकार का, उस अति सुखद साहस-यात्रा के बाद क्या हुआ, जो उन्होंने अरबपति के साथ की थी। मैं जानता हूँ कि आप हैरान हो।

उद्यमी एक बहुत ही सम्पन्न महिला हो गई है और उन्होंने अपनी स्थापित संस्था को एक प्रतिरूप व्यवसाय बना दिया है। उसने अपने अतीत के राक्षसों को जाने दिया जो उन्हें अब तक परेशान करते थे। और अब पूरी तरह से अपने जीवन को अपने पति, कलाकार के साथ, सुखपूर्वक जी रही हैं। वह अब भी कड़ी मेहनत करती हैं, मगर अपने काम से बचे समय को बहुत सुख से बिताती हैं। उन्होंने हाल ही में अपना चौथा मॅरेथॉन पूरा किया है, बागबानी के प्रति बहुत रुचि है और घर-विहीनों के लिए बने आरक्षण स्थलों में हर मंगलवार की रात को जाती हैं। अब वह लोकप्रियता, धन और सांसारिक शक्तियों को पाने की चिन्ता नहीं करती ; जबकि उसके पास ये सभी हैं।

आपको जानकर आनन्द आएगा, कि कलाकार अब अपने क्षेत्र के एक यशस्वी चित्रकार हो गए हैं। अब वे टालमटोल और विलम्ब नहीं करते और अब दूर-दूर तक अपने कौशल के गुणी समझे जाते हैं और एक असाधारण पति हैं। वह भी अपनी पत्नी के साथ दो मॅराथॉन दौड़ चुके हैं और अब शाकाहारी हैं। वह बुधवार रात्रि को आलाप की कक्षाओं में जाते हैं।

और जान लें : इस दम्पति का एक सुंदर, जितना पहले कभी नहीं, बुद्धिमान लड़का है। वे उसे स्टोन बुलाते हैं।

उद्यमी और कलाकार अब भी 5 AM क्लब के सदस्य हैं, *20/20/20* सूत्र प्रतिदिन प्रातः, दिन उगने से पहले चलाते हैं। मि. रिले के पढ़ाए हुए सभी अनुशासनों का पालन वे अब भी करते हैं। और उन्होंने अपने ज्ञानगुरु को जो आश्वासन दिया था कि वे अधिक से अधिक लोगों को प्रात:काल जल्दी उठने के परिवर्तनीय गुणों के बारे में बतलाएँगे, उसे वे निभाते आ रहे हैं।

जहाँ तक निपुण वक्ता का सवाल है, वह अब भी जीवित हैं। अनेकों प्रकार से, वह पहले की अपेक्षा अधिक सशक्त बनते जा रहे हैं। वह टोक्यो से बाहर रहते हैं, मगर फिर भी, अपना अधिकांश जीवन स्टेज़ पर बिताते हैं, पृथ्वी ग्रह के स्टेडियमों में, हवाई जहाजों और होटल के कमरों में।

वह अब भी मछली पकड़ने में आनन्द मनाते हैं।

आपके नायक की साहस-यात्रा में आगे क्या है?

इस पुस्तक का अन्त, आपकी अपनी यात्रा का आरम्भ है - '5AM क्लब' में।

प्रात:काल जल्दी उठने की आदत को, जीवन भर के लिए डालने के लिए, और *20/20/20* सूत्र को अपना प्रात:काल का कार्यक्रम बनाने के लिए, ताकि आप विश्व स्तर के फल पा सकें, रॉबिन शर्मा ने निम्नलिखित साधनों का निर्माण किया है, और सभी पूर्णतया बिना मूल्य, प्रस्तुत हैं।

प्रात: 5 बजे का आदत नियामक

एक महत्त्वपूर्ण साधन जो आपको अगले छियासठ दिन में अपनी दैनिक प्रगति की जाँच करने में सहायता करेगा, जब तक प्रात:काल उठना, संगीत की स्वर-लहरियाँ आपके आत्म-विश्वास को उत्प्रेरित करने के लिए और एक अद्‌भुत आसरा-स्थल ताकि आप 5AM क्लब के अन्य सदस्यों से सम्पर्क कर सकें, के लिए आपको पूरे कार्यपत्रक प्राप्त होगें।

प्रात: 5 बजे का क्लब चुनौती

आपको दो महीनों के रॉबिन शर्मा की तरफ से सामग्री से लबालब भरे हुए कोचिंग वीडिओज़, प्रोत्साहन और परामर्श तथा प्रेरणा के गतिमान प्रयास मिलेंगे अत: आप प्रतिबद्धता के साथ रहें। और प्रात:काल जल्दी उठनेवालों की तरह अपनी सफलताओं को सर्वाधिक बना लें।

प्रात: 5 बजे के क्लब सुबह की नैपुण्य प्रवीणता साधन।

अपने दिन को शान्त, केन्द्रित और सकारात्मक अनुभूति के साथ आरम्भ करने के लिए रोबिन शर्मा ने सावधानी एक सीरीज़ को सर्जित और निर्देशित किया है जिसे आपको प्रतिदिन प्रात: करना है। ताकि अपनी मानसिकता का अनुकूलन, हृदय की पवित्रता, स्वास्थ्य की सुरक्षा और आत्मा को उच्च उठाए जाए।

<u>रहस्य खोलने वाला अध्याय</u>

एक दिन प्रात:, रचनात्मकता की गर्मी में, इस लेखक ने एक विकल्प (जो अत्यन्त अनपेक्षित भी था)। अन्तिम अध्याय लिखा। बहुत विचलित करनेवाली बात है, लुभाती है तथा गहन रूप से नाटकीय है। इन सभी, लुभावने उतैर मूल्यवान स्रोतों को, आपको बिनामूल्य उपलब्ध कराने के लिए जाएँ *:* robinsharma.com/The 5AMClub

अपने ऊर्ध्वगमन को ऊर्जा दें रोबिन शर्मा के विश्वव्यापी BESTSELLERS को पढ़ें

क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि सर्वाधिक शालीन व्यक्ति, जिनसे आप मिले हैं, उन सभी की एक सर्वसामान्य आदत हैं। वे सब, कुछ भी पढ़ते हैं, जिन पर उनका हाथ पड़ जाता है।

फिर भले ही आप चाहे अपने शीर्ष पर हो अथवा अपनी सीधी चढ़ाई को शुरू करनेवाले हों, पढ़ना महान व्यक्तियोंकी एक प्रवीण विशेषज्ञता है।

यह लेखक की अन्तर्राष्ट्रीय रूप से प्रसिद्धि पाईं पुस्तकों की सूची है, जो आपकी, उत्पादकता, पूर्णतया खाँचे में ढली प्रवीणता और सौन्दमय जीवन यापन-को शिखर तक पहुँचने में सहायता करती है और आप अपने चिन्ह इतिहास पर छोड़ते हैं।

[ ] The Monk Who Sold His Ferrari

[ ] The Greatness Guide

[ ] The Greatness Guide, Book 2

[ ] The Leader Who Had No Title

[ ] Who Will Cry When You Die?

[ ] Leadership Wisdom from The Monk Who Sold His Ferrari

[ ] Family Wisdom from The Monk Who Sold His Ferrari

[ ] Discover Your Destiny with The Monk Who Sold His Ferrari

[ ] The Secret Letters of The Monk Who Sold His Ferrari

[ ] The Mastery Manual

[ ] The Little Black Book For Stunning Success

[ ] The Saint, the Surfer, and the CEO

लेखक

रोबिन शर्मा एक विश्वस्तर पर सम्मानित मानवतावादी हैं और एक 'गैर लाभ उद्यम के संस्थापक हैं जो जरूरत मन्द बच्चों को बेहतर जीवन जीने में सहायता करता है।

व्यापक रूप से दुनिया के शीर्ष नेतृत्व विशेषज्ञों में से एक और इस अग्रणी पथ-प्रदर्शक के ग्राहकों में कई सौभाग्यशाली 100 कम्पनियां, विख्यात अरबपति, व्यावसायिक स्पोर्ट्स के नायक, संगीत प्रतिरूप तथा शाही सदस्य हैं।

संस्थान जिन्होंने रोबिन शर्मा को कर्मचारियों को तैयार करने के लिए संलग्न किया है, जो बिना उपाधि के नेतृत्व करते हैं, असाधारण कार्य करते हैं और इन क्षेत्रों में इस जटिल समय में बड़े परिवर्तन करते है तथा दर्शनीय परिवर्तन इन क्षेत्रों में करें जिनमें नासा, मायक्रोसोफ्ट, नाइक, जीई, फेडएक्स , एचपी, स्टारबक्स, ओरेकल, येल युनिवर्सिटी, आइबीएम वाटसन तथा यंग प्रेसीडेंटस् ओर्गेनाइजेशन आते हैं।

वह विश्व के सबसे ज़्यादा मांग में मुख्य वक्ता है। आप अपनी अगली बैठक के लिए उनकी उपलब्धि का पता लगाने के लिए robinsharma.com/ speaking पर सम्पर्क करें।

लेखक के सर्वश्रेष्ठ बिके The Monk Who sold His Ferrari, The Greatness Guide तथा The Leader Who Had No Title, 92 भाषाओं में करोड़ो की संख्या में बिक चुकी हैं, जिसने उन्हें आज के एक सर्वाधिक पढ़े, जीवित लेखकों की पंक्ति में बैठा दिया है।

प्रात:काल को अपना बनायें उन्नत जीवन पायें

दिग्गज नायकत्व और सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के माहिर रॉबिन शर्मा ने *5 AM* क्लब की धारा को करीब बीस साल पहले पेश किया था जो प्रातःकाल के क्रान्तिकारी नियमित कार्यक्रम पर आधारित था, जिसने उनके अत्यन्त जटिलता के समय अपने ग्राहकों को अत्याधिकतम उत्पादन, अपने श्रेष्ठ स्वास्थ्य और इस प्रशान्त जीवन को अभेद्य करने मे सहायता की।

अब, इस जीवन को बदलने वाली पुस्तक में, जिसे लेखक ने कठिन चार वर्षों में लिखा है, इसमें आप पाएंगे कि सुबह शीघ्र जागने की आदत ने किस तरह अनेकों की सहायता की है, वीर-कथाओं के समान परिणामों के साथ सुख, सहयोग और जीवन की चेतना से अवगत कराया।

एक लुभावनी और अक्सर गुदगुदाने वाली, दो अजनबियों की टकराहट की कहानी, जो एक सनकी जैसे मनमौजी अरबपती से मिलते हैं, जो अनजाने में उनका ज्ञान गुरु बन जाता है, और आपको यह 5AM क्लब ले जाएगा :

विश्व के प्रतिभाशाली, व्यावसायिक असाधारण गुण सम्पन्न बुद्धिमान अपना दिन कैसे आरम्भ करते हैं ताकि वे आश्चर्यजनक उपलब्धियाँ पा सकें।

एक सामान्य या नियम जिसे तत्काल काम में लाने से, आपको जल्दी से जगाकर प्रेरणादायक एकाग्र तथा तूफानों से भर देगा ताकि आप प्रत्येक दिन को पूर्णता से काम में ला सकें।

एक श्रेणीबद्ध तरीका जो दिन के सबसे शान्त समय, प्रात:काल को सँभाल लेगा ताकि आपको व्यायाम, आत्मनवनिर्माण तथा निज विकास के लिए समय मिल सके।

एक न्यूरो विज्ञान पर आधारित अभ्यास जिसने साबित कर दिया है कि प्रातःकाल उठना कितना सरल हैं, जब अधिकांश लोग सो रहे होते हैं. इससे आपको चिन्तन के लिए, अपनी रचनात्मकता को प्रकट करने के लिए और दिन को सूखपूर्वक आरम्भ करने के लिए कीमती समय मिल जाएगा ताकि आपको जल्दी में दौड़-धूप न करनी पड़े।

‘केवल आन्तरिक’ एक ऐसी युक्ति है जिससे आप अपनी सौगातों, बुद्धिमानियों और कल्पनाओं को डिज़िटल ध्यान-भंगों तथा नगण्य हलकेपनों से बचकर सम्पदा, प्रभाविकता तथा एक आश्चर्यजनक प्रभाव दुनिया पर जमा सकते हैं।

Table of Contents

5 AM क्लब
1. ख़तरनाक कर्म
2. दिग्गज बनने पर दैनिक दर्शन
3. एक आश्चर्यजनक अजनबी से आकस्मिक सामना
4. सभी सामान्यताओं और सामान्य व्यक्तियों का परिगमन तथा उन्हें जाने देना
5. एक अपूर्व, विचित्र साहस कार्य प्रात:काल के प्रभुत्व में
6. उत्पादकता, दक्षता और अपराजिता में वृद्धि के लिए एक उड़ान
7. बदलाव की तैयारी तो स्वर्ग में आरम्भ होती है
8. 5 AM का तरीका : विश्व निर्माताओं का प्रात:काल का नित्यक्रम
9. महानता की अभिव्यक्ति के लिए रुपरेखा
10. इतिहास-निर्माताओं के चार लक्ष्य
11. जीवन-प्रवाह का मार्गनिर्देशन
12. ‘5 AM क्लब’ आदत स्थापना की मूल लिपि का पता बताते हैं
13. ‘5AM क्लब’ 20/20/20 के सूत्र को जान गया
14. ‘5AM क्लब’ नींद की अनिवार्यता को समझता है
15. ‘5AM क्लब’ जीवनभर की प्रतिभा के 10 सिद्धातों पर उल्लेखित है
16. ‘5AM क्लब’ कुलीन प्रदर्शनों के जुड़वा चक्रों को स्वीकार करता है
17. ‘5AM क्लब’ के सदस्य अपने जीवन के नायक बनते हैं
उपसंहार-पाँच साल बाद